

•14] नई विस्ली, शनिवार, अप्रैल 5, 1986 (चेस्र 15, 1908)

•. 14) NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 5, 1986 (CHAITRA 15, 1908)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग खंडलन के कर में रखा जा सने

## भाग III-खण्ड 1

## PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1986

मं० ए० 32014/1/85-प्रणा० III— इस कार्यालय की श्रिधिस्चना सं० ए० 32014185-प्रणा० III—िदिनांक 31 जनवरी, 86 का श्राणिक संशोधन करते हुए ऋ० मं० 3 पर दर्शायी गयी श्रो पी० जोशी की तदर्थ नियुक्ति की श्रविध 15-1-86 से 19-2-86 तक होगी।

श्री पी० जोशी को 19-2-86 (श्रप०) से महायक्त के पद पर प्रस्याविकत कर दिया है।

एम० पी० जैन ग्रवर सचिव (का० प्रणा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

प्रवर्तन निदेशालय विदेशी मुद्रा विनियमन श्रधिनियम नई दिल्ली⊶110003, दिनौँ हा 7 मार्च 198 6

सं० ए०-II/3/86--इस निदेशालय के कालीकट, उप-क्षेत्रीय कार्यालय की श्रीमती जी० एम० मॉदनी, महायक प्रवर्तन श्रीधकारी की इसके द्वारा दिनोंक 31~1~8 6 (पूर्वात्र) मे श्रमला 1—6 GI/86 स्रादेण जारी होने तक कालीकट में प्रवर्तन भ्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है ।

> एल० के० सिंधवी उप-निदेशक (प्रशासन)

कार्मिक ग्रौर प्रणिक्षण, प्रणायनिक सुधार तथा लोकणिकायन ग्रौर पेंजन मंत्रालय (कार्मिक ग्रौर प्रणिक्षण विभाग) केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो

नई दिल्ली दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० ए०-19021/8/81-प्र०-5--श्रीमती क वन चौधरी भट्टाचार्य, भा० पु० से० (उ० प्र०-1973) पुलि। श्रधीक्षक, के० श्र० ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, श्रा० श्र० स्त्रीय, वस्बई की सेवाएं दिनाँक 14-10-85 से दिनाँक 1-12-85 तक 49 दिन की श्राजित छुट्टी बिताने के बाद किनौत 2-12- पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीडोगिय मुरक्षा बल को सौंगे जान

दिनांक 12 मार्च 1956 मं० 3/15/86-प्रशासन-5-निदेशकः केन्द्रीय व्यूरो एवं पुलिन महानिरीक्षकं, विशेष पुलिस स्थान

(12711)

र्श्वा एम० के० पोसंलिकर को दिनौंक 20 ·2-86 पूर्वाह्न से प्रमले प्रादेश होने तक के० घ० ब्यूरों से प्रतिनियुक्ति पर, लोक प्रभि-योगक के रूप में नियुक्त करने हैं।

> के० चक्रवर्थी उप निदेशक (प्रशान) के० भ्र०ब्यूरो

लाल बहादुर णान्वी राष्ट्रीय प्रभावन श्रकादमी,

## मन्द्री, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं 2/5/85 - स्थापना - न्श्री बी के वार्कांकर, सहायक श्राडिट ग्राफिसर, महालेखाकार (ग्राडिट) - . मध्य प्रदेश, ग्वानियर ने दिनांक 17 - 2 - 1996 के पूर्विद्व में, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन प्रकादमी, मसूरी के प्रशासन प्रधिकारी (लिखा) पद का काँग्रेभार ग्रहण कर लिया है ।

ध्रनुपम कुलश्रेष्ट उप निदेशक

#### गृह मंद्रालय

महानिदेणालय, कें रि० पु० बज नई दिल्ली, दिनाँक 9 मार्च 1986

स० डी०- 1-43/84-स्थापता-1--श्री बी० के० सहगल, कमाँडेंट, 82 बटा० के० रि० पु० बल की सेवायें इण्डियन श्रायल कारपोरेणन लिमिटेड, मथुरा रिफायनरी, मथुरा की प्रितियुक्ति ब्राधार पर दिनाँक 24-2-86 (अपराह्म) से सौंपी जाती है।

#### दिनाँक 11 मार्च 198 €

सं ग्रों वे दे (०-477/69-स्थापना (के ० रि० पु० बल)--श्री ग्रार० के ० मिह, सैंकिण्ड-इन-कमाण्ड, ग्रुप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिन बल, रामेपुर (उ० प्र०) ने सरकारी सेवा से निवृत्त ,होने के फलस्व वा दिनाँक 31-12-85 (श्राराह्म) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया ।

सं० ग्रो० दो०-- 1004/72 न्थापना (के० रि० पु० बल)---श्री एक० एम० गिड्डा, सहायक कमाडेण्ट, 71वीं बटालियन, के० रि० पु० बल ने मर तारी मेबा से निष्यत होते के फलस्वरूप दिनाँक 28-2-86 (श्रवराह्म) से ग्रामे पद का कार्यभार त्याग दिया।

> श्रगोक राज महीपति सहायक निदेशक (स्थापना)

महामिद्रेणालय कन्द्रीय श्रीद्योगिक मुरक्षा बल किन्द्रीत दिनौक 12 मार्च 1986 नियिक पर नियक्ति होने पर, श्री बीठ टीठ निर्धालोया भाठ पु० से० (महाराष्ट्र: 74) में 21 फरवरी, 1986 के पूर्वीह के० ग्री० सु० बल० यूनिट, एच० एफ० सी० एल०, दुर्गापुर कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० ई०-31013(1)/4/85-क्तामिक-1--राष्ट्रपति निम्निलिखिन अधिकारियों की कमाडेंट/उप कमाडेंट के रूप तद्दर्थ नियुक्ति को और आगे 28-2-86 से 27-5-86 लक ६ अवधि के लिए या इस अवधि में नियमित चयन किए, जोने तक जो भी पहले हो, बनाए रखते हैं:--

क० सं० प्रधिकारीकानाम	पदनार
नवंश्री	والمعارض لمواجعة محامد المعارضة المعارضة المعارضة
1. एम० ए० जहबार	कमाँडेंट
2. मी० भ्रार० सिंह	कमाँडेंट
3. के० के <b>० कोल</b> े	कमौडेंट
4. जी० एम० मन्धू	कमाँडेंट
5. भ्रार० पी <i>०</i> दुर्ग	<b>त्</b> मां डेंट
<ol> <li>ए० एम० शेखावत</li> </ol>	<b>कमाँ</b> डेंट
7. एस० के० ताह	कमाँडेंट
8. वी० लूइस राज	कर्मांडेंट
9. सी० एंस० वर्दराज	कमाँडेंट
10. एस० के० भ्ररोड़ा	कमाँडेंट
11. भ्रजीत सिह्	कर्मांडेंट
12. मी० डी० कुकरेती	कमाँधेंट
13. ग्रें।० पी० शर्मी	कमाँडेंट
14. एस० स्नार० णर्मा	क <b>माँडें</b> ट
15. एम० के० चौपडा	कर्मांडेंट
16. एस० के० वर्मा	उप-कमाँखेंट
17. श्रार० जी० थम्पी	उप-कमाँडेंट
18. के० एम० <b>ग्र</b> ह्लुवालिया	उप-कमाँडेंट
19. पी० एम० नंदल	उप-क्रमांडिंट
20. एन० एन० मोह्ना	उप-कमाईंट
21. एम० के० चङ्ढा	उप -कमौडेंट
22. पी० स्रार० भुटन	उप-कमाँडेंट
23. शिवराज सिह	उप-रुमाँबेंट
24. भूषिन्दर सिंह राणा	उप-भमाँडेंट
25. एम० एल० अबरोल	उप-कम्डिंट
26. वा० मुरलीधरन	उप-कमांडिंट
27. जे० भ्रार० गुप्ता	उप-कमार्डिट

#### दिनौंक 13 मार्च 1986

सं० ६०-32015(4) 1/86-कार्मिक-I- श्रीतियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री बी० बी० मोहन द्या ने 7 मार्च, 1986 (पूर्वाह्म) से के० औं० सु०व० मुख्यालय, नई दिख्लो में सहायक कमौडेंट के पद का कार्यभार संभाव निया है।

> दुर्धामाधव मिश्र महानिदेशक/के० ग्रौ० सु० य०

वित्त मंत्रालय निवारक संकार्य निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनाँक मार्च 1986

फा० सं० 207/6/86- --संचार, निवारक संकार्य निवेशालय के तस्करी निरोधक प्रभाग के निरोक्षण श्रधिकारी श्री रमेन्द्र कुमार देव को निवर्तन श्रायु के प्राप्त करने पर दिनाँक 28-2-86 के अपराह्म में सेवा निवृत हो गए हैं।

> के**० एल० वर्मा** निदेश हे, निवारण संकार्य

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय : तिदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनौंक 18 मार्च 1986

सं० प्रशासन का० आ० संख्या 410 -- निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्त्र-। द्वा कार्यालय के निम्मलिखन स्थानास्त्र लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को 840-1200 रुपए के समयमान में दिनोंक 1-3-86 में स्थायों रूप से नियुक्त करते हैं: --

- 1. श्री एम० एम० पुरी
- 2. श्री राजेन्द्र सिंह

रेवती श्रय्यर उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

कार्यालय: महालेखाकार (लेखापरीक्षा,) श्राध्य प्रदेश हैदराबाद, दिनाक मार्च 1986

श्री सी० श्रार० कृष्णस्त्रामी, श्री ए० शंकरन, लेखा परीक्षा श्रिधिकारी महालेखाकार का कार्यालय (लेखानरीक्षा) श्राँ० प्र० हैंदराबाद से दिनाँक 28~2~86 श्रानसह्य को सेवा निवृत्त हुए।

#### दिनाँक 12 मार्च 1986

सं० प्रणा० I/8-132/85-86/209--महालेखाकार (लेखा परीक्षा--1) महोदय आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद में सहपं नीचे लिखे सहायक लेखापरीक्षा श्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा-परीक्षा श्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा-परीक्षा श्रधिकारी के स्थानापन्न लेखा-परीक्षा श्रधिकारी के स्थान में 840-40-1000-द० श्र०-40-1200 ६० के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले श्रादेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के नए स्थि गए श्रादेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले बिना, यदि कोई हो, और श्रान्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/ उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट पाचिकाओं के परिणामों के स्थीन माने जायों में।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० जा०, सं० एफ/7/1/80-स्थापना पी०/ टी० 1 दिनाँक 26-9-81 की शर्तों के अनुसार पदोक्षति की तारीख से एक महोने के अन्दर दें।

नाम	प्रम	भ्रष्ट्रप	का	ताराख	
1. श्री पी० वेंकटचलपति			24-	-2-86	
				पूर्वाह्न	•
		(ह्	) 3	पठनीय	
वरिष्ठ उपः	मह⊦ले	खाका	₹ (:	प्रमा०)	

महालेखाकार जम्मू व कण्मीर (लेखा परीक्षा) कार्यालय, श्रोमगर, दिनाँक 27 फरवरी 1986

मं प्रशासन-I/लेखा परोक्षा/109-ए--महालेखाकार ने श्रो शिवन ्या प्रवास्थार, श्रद्भाग श्रविकारी जो इन समय सीमा मुरक्षा दल श्रातगर में प्रतिनियुक्ति पर हैं के पक्ष में 650-30-740-35-880-दं रोज-40-1040 रू के वेट ्र विन्य-1040 रू के वेट ्र विन्य-1040 रू के वेट ्र विन्य-1040 रू के वेट विन्य-1040 रूप के विद्या के विवास के विवास वि

उनकी परस्कर वरिष्ठता अलग से नियत को जायेगी।

प्रमाणित किया जाता है कि न्यक्कस्ट बिली नियम में बर्णित जतें पूरी हुई हैं।

प्रांजित प्रविकारी ग्रामे विकल्प का प्रयोग भारत वरकार गृह मंतालय के कार्यालय ज्ञान संख्या एक 7/1/80 स्थार पीर दिनाँक 26-9-1981 के ग्रन्तर्गत प्रोक्षति की तिथि से एक मास के ग्रन्दर करे कि या तो वह श्राना वेतन 650-1040 कर के वेतनमान में एकर ग्रास्ट 22 मा के श्रन्तर्गत सीधे तौर नियत करवाले जिन सूरत में 500-900 कर के वेतनमान में भावी वेतन वृद्धि के ग्रांजित होने पर पुनविलोकन नहीं किया जोयेगा श्रयवा वेतन को ग्रारम्भ में एक 22(ए)(I) के श्रन्तर्गत नियत करवा लें जो 509-900 कर के वेतनमान में भावी वेतन वृद्धि के ग्रांजित होने पर एक श्रार-22 (सो) के ग्रन्तर्गत पुनियुक्त किया जायेगा।

सं० प्रणानत- 1/लेबाररीक्षा/110-ए---महालेखाकार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 रु० के वेन्नमान में स्थानागन्न धारिता में 26-2-1986 (पु० आ०) में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों (वर्ग-ख राजपितत) के रूप में महर्ष पद्रोधन किया है:--

	~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~	
ऋम्ां₹	त्र नाम	जन्म तिथि
	स <b>र्वश्रो</b>	
1.	णिबन कृष्ण कौल	20-5-1950
2.	हरि कुष्ण गंजू	27-1-1942
3.	मखन लाल कुबरू	15-12-1938
4.	त्रिभुवन <del>कृ</del> ष्ण टेंग	26-7-1945

. उनकी परस्पर वरिष्ठला श्रलग से निर्धारित की जाएगी।

प्रोज्ञत श्रिष्ठिकारियों को भार तरकार गृह मंत्रालय कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय जापन संख्या एफ-7(1)/80-स्था० पी०1 दिनौंक 26-9-1981 के श्रन्तर्गत इस विकल्प का प्रयोग करना होगा कि या तो वे श्रपना वेतन 650-1040 ए० के वेतनमान में एफ श्रार 22 (मी) के श्रन्तर्गत मोधे तौर नियन करवालें श्रथवा श्रारम्भ में वेतन को 22(ए) (1)

के प्रन्तर्गत नियन करवा लें जो 500-900 ६० के वेतन-मान में भावी वेतन वृद्धि के प्रजित होने पर एफ प्रार 22 (सी) के प्रन्तर्गत पुनर्नियन किया जायेगा।

> बलविन्दर सिंह उप महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), द्वितीय, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 7 मार्च 1986

कि प्रभाव 7/2913--श्री बीव केव वैद्यनाथन, उपमहा-लेखाकार "निधि" जो कि कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) में कार्यरत हैं, 10 मार्च 86 को श्रपराह्न में ऐच्छिक सेवा-निवृत्त हो रहे हैं।

(प्राधिकार: लेखा एवं नियंत्रक पृथ्टीकन क्रमौंक 772/ जी० ई० 1/बी० 51/पी० एफ० दिनौंक 10-2-86)

> पी० मुखर्जी उप महालेखाकार (प्रणामन)

महालेखाकार का कायिश्य (ए० तथा ई०) उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनाँक 24 फरवरी 1986

सं० प्रण.० I/11-144/अधिसूचनः /5226--अधान महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख अंकिन निथियों से आगामी आदेश पर्यन्त इस तार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद ६० <math>840-40-1000 द० रोज- 40-1200 वेतन पर नियुक्त किया है :--

ऋमांक	नाम्		दिनौंक
	भर्वेश्री		
1.	त्रिभुवन सास श्रीवास्तव	31-1-86	पूर्वाह्म
2.	गुरवचन पाल सिंह	31~1-86	17
3.	श्रानन्द प्रकाण दुवे	31-1-86	,,
4.	गिरधर गोपाल स्रग्रवाल	31-1-86	,,
5.	श्रंजन कुमार श्राइच	5-2-86	<b>भ्र</b> पराह्न
6.	हरिहर प्रमाद	3-2-86	पूर्वाह्न
7.	श्री नाथ दुबे	31-1-86	13
8-	भानू प्रकाण श्रीवा त्तव	31-1-86	"
9.	सूरज प्रकाण	31-1-86	7 1
10.	बद्री प्रभाद शुक्ला	31-1-86	,,
11.	चन्द्रकान्त नारायण गुमे	31-1-86	,,
12.	पारस नाथ श्रीवास्तव	31-1-86	,,
13.	नसीम श्रहमद खां	31-1-86	1.3
14.	यशवन्त राव	31-1-86	11

~ <del>~~~</del>			
	1 2	;	3
~~~~			
15.	घनश्याम सक्सेना	31-1-86	पूर्वाह्
16.	दया शंकर पाण्डेय	31-1-86	,,
17.	जगदीण नारायन पाण्डेय	31-1-86	,,
	सी० पी० श्रीवास्तव	31-1-86	7 ;
	प्रबीर चटर्जी	31-1-86	श्रपराह्म
	विष्यु नारायण सिह	31-1-86	पूर्वाह्न
	उमा शंकर श्रीवास्तव	31-1-86	"
	भ्यामजी दास कपूर	3-2-86	पूर्वीह्न
23.	जे० के० श्रीवास्तव	19-2-86	श्रीपराह्न
24.	एच० डी० कपूर	19-2-86	,

#### दिनांक 11 मार्च 1986

मं० प्रणाण I/11-144/अधि०/5377---प्रधान महा-लेखाकार, उत्तर प्रदेण, इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी को उनके नाम के सम्मुख अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद क० 840-40-1000-द० रोज-40-1200 वेतनमान पर नियुक्त किया है :--

1. श्री जगदीण प्रसाद रस्ते।गी-- 28-2-86 पूर्वाह्न मीनाक्षी चक उप महालेखाकार (प्रशासन)

# रक्षा मंद्रालय भारतीय **श्रार्ड**नेन्स फैक्टरियाँ सेवा श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनाँक 12 मार्च 1986

सं० 16/जी ०/९६ -- वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री एन० के० बसु, सहायक निदेशक (मौनिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनाँक 28 फरवरी, 1986 (ग्रपराह्न) से सेंबा निवृत्ति हुए।

एम० ए० श्रलहन संयुक्त निदेणक

वाणिज्य मंत्रालय (पूर्ति विभाग) राष्ट्रीय परीक्षण गृह ग्रलीपुर

कलकत्ता-27, दिनांक ५0 मार्च 1986

सं० जी० 318/ए--विभागीय प्रधान, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, श्री बी० एन० रायचौधरी आणुलिपि स्तर-I, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, (कलकत्ता को महानिदेशक, राष्ट्रीय परी-क्षण गृह, श्रर्ल(पुर, कलकत्ता के वैयक्तिक सहायक के रूप में नियुक्ती ुरते हैं जो कि .6-3-86 (पूर्वाह्न) से किसी श्रगले श्रादेण के जारी न होने तक कार्यक्रर रहेगा।

जे० एम० भट्टाचार्या उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

#### वस्त्र मंत्रालय

# वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनौंक 12 मार्च 1986

मं० 2(35) ई० एस० टी० 1/86/1105--वस्त्र प्रायुक्त कार्यालय, अम्बर्ड की श्रोमती ग्रा० श्री किल्नेकर, सहायक निवेशक श्रेणी-I (ग्र-तकनीकी) विनाँक 31-1-1986 के ग्रपराह्म से सेवानिवृत्ति की श्रायु पूरी करते हुए सेवानिवृत्त हो गईं।

सं० स्थापना - 1/37(2)/अ/85~~भारत के राष्ट्रपति, श्री अमरजीत जस्संल को नियमित आधार पर निदेशक (पी० एवं छी०) के रूप में दिनाँक 14 जनवरी 1986 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक वस्त्र आयुवत कार्यालय में सहर्प नियुक्त करते हैं।

> ग्रहण कुमार वस्त्र ग्रायुक्त

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय पूर्ति विभाग

(प्रशासन श्रनुभाग ए- ) नई दिल्ली, दिनाँक 3 मार्च 108 6

सं० ए-1/1(684)--पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकता के उप निदेशक, पूर्ति श्री एम० सी० उप्रेती को दिनाँक 14 फरवरी 1986 के अपराह्म से कार्य-मुक्त किया जाता है ताकि वे गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोत विभाग में केन्द्रीय प्रति-नियुक्ति के आधार पर उप मिचव के रूप में अपना नया पद ग्रहण कर सकें।

वी० साखरी उप निदेशक (प्रशासन) इते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# (प्रशासन अनुभाग 6)

नई दिस्ली, दिनाँक 27 फरवरी 1986

र्सं० ए-17011/308/86-ए-6--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय के भंडार परीक्षक (बस्त्र) और स्थानापन्न किनल्ट क्षेत्राधिकारी श्री समीर कुमार चक्रवर्ती को दिनौंक 30 जनवरी, 1986 के पूर्वित्त से, श्रागामी श्रादेश दिए जाने तक निरीक्षण निदेशक, उत्तरी -िनरीक्षण मंडल के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से इस्म को रस्त के स्थिकार। (बस्त्र) के पद पर नियुक्त करते हैं। सं० ए-17011/309/86/प्र-6-महानिदेणक, पूर्ति तथा निपटान "निरीक्षण-निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय" में भण्डार परीक्षक (प्रभि०) श्री मान्यकुमार दास को बंगलौर निरीक्षण मण्डल के अधीन निरीक्षण-प्रधिकारी, (अभि०) हैदराबाद के कार्यालय में, दिनाँक 16 जनवरी 1986 के पूर्वाह्म से और आगमी आदेशों के दिए जोने तक तदर्थ श्राधार-पर महायक निरीक्षण श्रिधकारी (श्रिभि०) के पद पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनाँक 28 फरवरी 1986

सं० ए-6/247(491)--निरीक्षण निदेशक, कानपुर के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (धातु) श्री पी० चटर्जी दिनाँक 12 फरवरी 1986 में ग्रनिवार्य रूप से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

श्चार० पी० **गाही** उप निदेशक (प्रगापन) कृते महानिदेशक,पूर्ति तथा निपटान

## (प्रशासन अनुभाग- 6)

नई दिल्ली, दिनाँक 27 फरवरी 1986

सं० ए०-17011/102/76-ए-6--निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, निर्देशको के कार्यालय के स्थायी सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (प्रभि०), श्री श्रार० सी० वर्मा निवर्तन की श्रायुप्राप्त कर लेने पर, 31 जनवरी, 1986 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> श्रार० पी० शाही उप निदेशक (प्रणासन)

# इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (इस्पात विभाग)

लोहा ग्रीर इस्पान नियंत्रण कलकत्ता-20, दिनौंक 11 मार्च 1986

सं० ई-I-2(1)/85( .) -- प्रधोहस्ताक्षरी एतद्वारा श्रीबी०एन० मंडल, प्रधीक्षक को इस कार्यालय में श्री सी० प्रार० मंडल, सहायक लोहा और इस्तात नियंत्रक की अवकाण-रिक्ति पर दिनांक 11-3-1986 के पूर्वाह्म से सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> दीपक कुमार घोष लोहा और इस्पात नियंवक

(इस्पाध विभाग)

लोहा श्रौर इस्तात नियंत्रण

कल हत्ता-20, दिनांक 10 मार्च 1986

मं ० ई०-I-12 (70)/85 (.)--अधिर्यापना की आयु प्राप्त हरने पर श्री एस० सी० मुखर्जी, सहायक लोहा ग्रीर इस्पात

तियंत्र के ने दिनां के 28-2-1986 के अपराह्म से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है ।

> सन्त कुमार सिह्ना उपलोहा और इस्पात नियंत्रक

# (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कल हना-700016, दिनां के 11 फरवरी 1986

मं० 1204 डी०/ए-19012 (1-के० वी०)/85/19ए-भारतीय भूवैज्ञानि ह अवेंक्षण के महानिदेश ह, भारतीय भूवैज्ञानि ह
सर्वेक्षण के वरिष्ठ तक्तीकी सहायक (भूविज्ञान), श्री के० विश्वनाथन को उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
क० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन क्षमता में, आगामी आदेश
होने एक, 10 अक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्न से पदोन्नार पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी निदेशक (कार्मिक) कृते महानिदेशक

## कलकत्ता-700016, दिनांक 10 मार्च 1986

सं० 1613बी/ए-19012 (2-बी० पी० डी०)/82-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री बरुण प्रताद दाल को 31-8-85 (अपराह्म) में त्याग-पत्र पर छोड़ दियागया ।

सं० 1621बी/ए-19011 (1-एस० बें ० डब्ल्यू०)/85-19ए--राष्ट्रवित जी कुमारी मुधा बें ० वारियर को भूवैज्ञानिक (किन्छ्ट) के पद पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-दं० रो०-40-1100-50-1300 रू० के न्यूक्तम वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 20-1-1986 के पूर्वाह्म में नियुक्त कर रहे हैं।

#### दिनांक 11 मार्च 1986

सं 1187डी/ए-32013 (3-रसा वरि ) 84-19बी--राष्ट्रपति जी भारतीय भूबेज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्तलिखित रसायनज्ञों (इतिष्ठ) को रसायनज्ञ (वरिष्ठ) के रूप में भारतीय भूबेज्ञानिक प्रवेक्षण में नियमानुसार 1100-1600 के के देतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में अगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तिथि में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

	नाम	निय्	क्ति-तिथि
<b>9</b> .	श्रीबी० डी० कपूर श्रीबी० एम० विदारी डा० युगराज सिह	30-12-85 30-12-85 30-12-85	(पूर्वाह्म)

सं 1216 डी/ए-19012 (1-एरा० आर० के०)/83/ . 19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक प्रवेक्षण के प्रहासक भूवैज्ञानिक श्री एस० आर० कुरहाद ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक-भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार 25-7-85 के अपराह्म से त्याग-पह पर छोड़ दिया है ।

सं० 1635बी/ए-19011 (1-ए० के० एस०)/19ए--भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री ए० के० सूद ने राष्ट्रीय जलविद्युतः
पावर निगम लि० में अपनी स्थायी नियुक्ति के फलस्वरूप भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में अपनी सेवा से, 30-10-85 (अपराह्न)
से त्यागपत्र दे दिया ।

सं० 1648वी/ए-19011 (1-आर० के० आर०)/78/
19ए--भूबैज्ञानिक (किक्छि) श्री रंजीत कुमार राय ने भूविज्ञान एवं खनन विदेशालय, नागालैण्ड सरकार में अपनी प्रतिनिधृत्रित पूर्ण कर के भारतीय भूबैज्ञानिक प्रवेशिण में भूबैज्ञानिक (किक्छि) के पद का कार्यभार 31-12-1985 (अपराह्म) में प्रत्यावासन पर संभान लिगा है ।

अभित कुक्षारी निदेश क (कार्मिक)

# कलकत्ता-700016, दिनां रु 13 मार्च 1986

सं० 1735बी/ए-19011 (1-कें।० के०)/85-19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक (भूविज्ञान) श्री कें।०
कृष्णनडसी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में निदेशक (भूविज्ञान)
के पद का कार्यभार 23, दिसम्बर 1985 के पूर्वाह्न से छोड़
दिवा है, ताकि वै अन्तरिक्ष विभाग, भारा सरकार में वैज्ञानिक
अभियन्ता प्रवरण कोटि) के पद का जार्यभार, 2000-2500
६० के वेतनमान में प्रतिविधुक्ति की सामान्य शर्तों के अधीन
आरम्भिक का में तीन वर्ष की अविध के लिए प्रक्षितिधुक्ति पर
ग्रहण कर सकें।

डी० पी० कींडियाल वरिष्ठ उप महानिवेशक (प्रचालन)

कार्यालय, महानियंत्रक

एकस्व, रूपांका एवं व्यापार चिक्न

बम्बई, 400020, दिनांक 14 नवम्बर 1985

सं० सी० जी० एफ०/14/7/(13)/(एकच्व)/85→ 53 श्री डी० सी० गांगुली, परीक्षक, एकस्व एवं रूपांककः (मुद्द 'अ' राजपितित) एकस्व कार्यालय, कलकत्ता में अपना सेवा कार्यकाल गमान होते पर दिनांक 31-8→1985 अपराह्म से उपरोक्ति पद का कार्यभार त्याग दिया है ।

#### दिनांक 3 मार्च 1986

मं० मी० जी० एफ०/14/7 (13) (एकस्य )/85—राष्ट्रपति भी एम० मी० धर हार, उप नियंत इ, एकस्व एवं रूपांकन को नंयुक्त नियन्त ह, एकस्व एवं रूपांकन को नंयुक्त नियन्त ह, एकस्व एवं रूपांकन (ग्रुप अ' राजपतित) के पद पर नदर्थ रूप में २३ए 1500-2000/— के वेतनमान में एकस्व हार्यालय, जल हत्ता में दिनांक 22-7-85 से 22-1-86 त ह की अवधि के लिए श्री भान्ती कुमार के न्थान पर जो छुट्टी पर हैं नियुक्त करते हैं।

रा० आ० आचार्य महाभियंद्रक, एकस्व, रूपांकन एवं व्यापार चिह्न ।

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादूम, दिनांक 10 मार्च 1986

सं ० सी ० — 23/707 — निक्निलिखित अधिनारी, जो अधिनारी सर्वेक्षक के एक एक स्थानाएक रूप में पूर्णत्या तक्ष्ये अधिन आधार पर नियुक्त विए गए थे, अब प्रत्येत के पाम के रामने दी गयी तारीख से इसी एक पंरस्थानाएक रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किए जाते हैं :—

कि० सं० नाम अधिसूचनाकी सं० यूभिट/ पटोनित श्रीर सारीख कार्यालय की सारीख जिसके अन्तर्गत जिसमें तैनात तदर्थ अनन्तिम किए गए । आधार पर नियुक्ति की गई थी ।

#### सर्वश्री---

- (. एस०एल०इसीजा दि० 5-7-78 ज्यो० एवं अनु० 3-6-85 की अधिसूचना शास्त्रा देहरादून सं०सी०-5837/ 707
- के०एस०नामधारी दि० 4-11-78 ज्यो० एवं 3-6-85 की अधिसुचना अनु० शाखा, मं० सी०- देहरादून 5428/707

मं० स्था०—1—24/724—एस० ग्रो० ए५०——श्री अहि-मूषण चक्रवर्ती को भारतीय अर्वेक्षण विभाग में महाय अण्डार अधिकारी, सामान्य केन्द्रीय ग्रुप ''बी'' (अजपवित ) के पद पर 550—25—750—4० रो०—30—900 ६० के संशोधित विजन- मात में दिनां र 30 दिशम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) के स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है ।

> जी० सी० अग्रवाल मेजर-जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

#### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

सं ० 1 (2)/86-एस-2-महानिदेश रु, आकाशवाणी निम्त-लिखित प्रधान लिपिकों/लेखाकारों/वरिष्ठ स्टोरकीपरों को 650-30-740-35-880-द० रोज-40-960 रुपए के वेतनमात में प्रत्ये रु के नाम के आगे लिखी तारीख में अगले आदेशों तक प्रणासन अधिकारी के पद पर नियमित आधार पर नियक्त वस्ते हैं :--

कम प्रधान निपिक/लेखा- पदोन्नति पर प्रशासन प्रशासन अधि-सं० कार/विरिष्ठ स्टोर अधिकारी के रूप में तैनाती कारी के रूप कीपर का नाम केन्द्र में नियुक्ति की नारीख

#### सर्वश्री--

	सर्वश्री——		
1.	वी ०एस ०सूदर्शनन्	आकाशवाणी, गुलंबर्गा	1-2-86
2.	एम० सी० दास	आकाशवाणी, राजकोट	31-1-86
3.	एम० के० पाल	आकाशवाणी, पणजी	29-1-86
4.	आर० के० बाजपेई	उ० ग० प्रे०, आकाशवाणी	31-1-86
		अलीगढ़	
5.	एस० पी० खन्ना	आकाणवाणी, लखनऊ	31-1-86
6.	पी० के० मजूमदार	आकाणवाणी, सिलचर	28-1-86

ज्यक्युंत अधिकारियों ने कालम-4 पर प्रत्येक के भाम के आगे लिखी तारीखों से प्रणासन अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है ।

मोहभ फ्रांतिय, प्रणासम उपनिदेशक कृते सहाभिदेशक

#### दूरसंचार विभाग

महाप्रबन्धक अनुरक्षण का कार्यालय, दक्षिण क्षेत्र दूरमंचार मदास, दिनां र 24 फरवरी 1986

सं० जी० एम०/क्यू०-315/84-86/-श्री टी० मी० कृष्यित, केरल दूरसंचार परिमण्डल के जिल्छ इंजीनियर को उप महा प्रबन्धित, अनुरक्षण दक्षिण दूर संचार क्षेत्र, मद्राय के आदेण से, दूर संचार विभाग की सेवा से बरखास्य किया जाता है। इस अधिमुचना के राजवन में प्र हाशि। होने की तारीख में बरखास्तगी लागू होगी।

> टी० आर० अनन्दन राह्ययार महाप्रबन्धक, अनुरक्षण (प्रकासन ) दक्षिण क्षेत्र, दुरसंचार, मद्रास

# सूचका श्रीर प्रकारण मंद्रालय राष्ट्रीय फिल्म संयहालय

## पुणे, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

मं० 53/62/85—स्थापभा :— संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किए जाने के बाद श्री ए० जे० जान, स्थायी लैंव टैंक्नीशियन , फिल्म प्रभाग, सुचना ग्रीर प्रसारण मंद्रालय को राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय पुणे में क० 650—1200 के बेजन-मान में फिल्म संरक्षण अधिकारी (समूह 'ख' राजपितन ) के रूप में 25 नवम्बर 1985 (पूर्वाह्म) में नियुक्त किया जाना है ।

प० कु० नायर, निदेशक विभागाध्यक्ष

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशासय अई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1986

सं० 26-17/74-प्रशासन-1/पी० एच० (सी० डी० एच०)-- पेवा - निवृति की आयु हो जाने पर इस निदेशालय के अधीनस्थ कार्यालय राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान के डा० मी० एच० राह्मल सहायक निदेशक (वायरोलाजी) 28 फरवरी, 1986 के असराह्न सं सरकारी मेवा से रिटायर हो गए हैं।

जैस्सी फासिस, उप निदेशक प्रशासन (जन स्वास्थ्य)

# नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1986

मं० ए० 12026/1/84—एम० ई०—12 जून 1985 की अधिनुचना संख्या ए० 12026/1/84—एम० ई० का अधि-क्रमण रुरते हुए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री आए० पी० अहीर, को 17 मई, 1985 पूर्वाह्म में तीन माह की अवधि के लिए अथवा जबन र यह पद संघ लोक सेवा अयोग हारा धियमित आधार पर नहीं भए। जाता, जो भी पहले हो, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं सूचेता कृपलानी अस्पक्षाल, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर सदर्थ आधार पर नियुक्त िया है।

#### दिनांक 14 मार्च 1986

सं० ए० 12026/5/84-एम० (एफ० एण्ड एक्क०)--भवा विकृतिकी आयुहो जाने के फलस्वरूप, डा०के० एप० कुष्णा-मृति व उजापनी, 1985 विकित्त विविधादस्वात साक्तीत्र चिकित्या भिजा एवं अनुसंधान संन्थान पांडिवेरी से जीवविज्ञा-के सहायक प्राध्यापक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है ।

> पो० के० **घई,** उप क्षिण प्रणासन (सी० एण्**ड** बी०)

कृषि मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विभणन एवं भिरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1986

सं० ए० 19025/7/81-प्र०-III -- विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ख) की संस्तुति के ध्राधार पर कृषि विभणन सलाह हार, भारत सर प्रार ने श्री वी० नारायणा स्थामी, सहायक विभणन विकास अधिकारी को इस निदेशालय में मद्रास में 30-12-85 (पूर्वाह्म) से विषणम विकास अधिकार (सी० एस० आर०) के पद पर नियुक्त किया है।

विषणन विकास अधिकारी (सी० एस० आर०) के पद पर नियुक्ति की तारीख से श्री नारायणस्वामी को दो वर्ष के लिए परिवीका अवधि में रखा जाएगा।

> जे० कृष्णा, निवेशक प्रशासन कृते कृषि विकणन सलाहरार

> > भारत सरकार

# दिल्ली बुन्ध योजना नई दिल्ली 110008, दिनांक 6 जुलाई, 1983 आदेश

सं० 4-33/82-सतर्कता--यतः श्री राजिन्दर सिंह, मेट सूपुत श्री मोटे राम को केन्द्रीय जित्रिल सेवाएं (वर्गीकरण, जियंत्रण श्रीर अणिल) जियमावली 1965 के नियम 14 के अन्तर्गति निम्मलिखित आरोपों के बारे में, इस कार्यालय के दिनांक 26-11-82 के समसंख्य ह जायन द्वारा एक आरोप-पत्न जारी हिया गया था :--

"कि जिथत श्री राजिन्बर सिंह जब मेट के रूप में दिल्ली दुग्ध योजना में काम कर रहा था तो वह दिनांक 15-9-81 से जान-वृक्षकर अनिधकृत रूप से अपनी इ्यूटी से गैर-हाजिर है जिसकी वजह से सरकारी काम में बाधा पड़ी है। अतः उस पर पूर्वोनुमित बिना, अनिधिकृत रूप से और जान-वृक्षकर अपनी द्यूटी से गैर-हाजिर रहने का अरोप लगाया जाता है जिससे सरकारी काम में बाधा हुई है और जो कार्यालय का अनुशासन भंग करना है तथा स्थायी अन्देशों के प्रनिकृत है।

श्रीर यतः केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण श्रीर श्रपील) नियमावली 1965 के श्रमुसार जांच करने के बाद जांच श्रिधनारी ने दिनांक 17-6-83 की श्रपनी रिपोर्ट (प्रति संलग्न) प्रस्तुत कर दी है। प्रधोहस्ताक्षरी ने जांच ग्रधिशारी की जांच रिपोर्ट, संबंधित कागजातों, तथ्यों श्रीर मामले के हालातों पर ध्यानपूर्वक विचार किया श्रीर यह पाया है कि श्री राजिन्द्र सिंह दिनांक 15-9-81 से श्रपनी ड्यूटी से श्रनधिकृत रूप से गैर-हाजिर रहने के श्रारोप या दोधी है ।

श्रव, अतः, श्रक्षोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवाणं (वर्गो-करण, नियंत्रण श्रीत क्ष्मील) नियमावली 1965 के नियम II श्रन्तर्गत प्रदत्त शनितयों वा प्रयोग वास्ते हुए यथोचित श्रीर पर्याप्त कारणों को महे-नजर रखते हुए कथित श्री राजिन्दर सिंह को नौकरी से तस्त्राल हटाए जासे की सजा देते हैं।

> ह*्र/--*(श्रुरुण सेदबाल) वि० स० एवं मृ० ले**० ग्रधि०** श्रुनुणासन**ः** प्राधिकारी

श्री राजिन्दर सिंह सृपुत श्री मोटेराम मकान नं० 18, गाँव नाँगलोई नक्षफ़गढ, नई दिल्ली-41

#### प्रति .—

1. गोपनीय कक्ष 2. रथापना-3 श्रतुभाग. नेखा (स्था०) श्रनु० 4. गार्ड फाइल 5. क० ता० अधि० ६. मामान्य श्रनुभाग 7. समय कार्यात्रय 8. सुरक्षा अधिवारी 9. परि० इंजी० (के०)

# ग्रन्तरिक्ष विभाग विक्रम साराभाई श्रन्तरिक्ष केन्द्र तिरुवनंतपुरम, दिनोक 26 फरवरी 1986 स्थापना ग्रनुभाग

संव वी विषय एसव सी विश्वाव / एफव / 1 (17) — नियं क्रिक, भी व एसव एसव सी व, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष के द सिरुवनंतपुरम में श्री के विरिविया असाद को पदोन्नति में स्टैणन अधियारी के पद पर रूव 650—30—740—35—880—दव रोव—40—960— के ग्रेड में फरवरी 4, 1986 के पूर्वाह्म से प्यावापक रूप में आगामी आदेण तक एनत्वारा नियुक्त करते हैं।

जी० मुरलीधरन नायर प्रणासन अधिकारी-[[(स्था०) भूते नियंद्यक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनौंक 26 फरवरी 1986

सं० १९०-38013/1/85-ई० सी०---मेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त पर लेने पर नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार 2---6GI/86

मंतठत ो िम्पीििशत प्रश्चिकारी उतके नाम के सामने दी गयी तारीख में सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं ──

प्रः नाम व पदनाम स्टेशन संवा नि सं	_
मं० की न	
	[ <b>∡</b> ′,₫
सर्वश्री	
1. के० एम० श्रेषादि, वै० पं० स्टेशत गद्राम 28~2	-85
सहायक संचार ऋधिकारी (ऋपर	ाह्म)
2. ग्रार०एन० बनर्जी व० सं० स्टेशन, 31-7	<b>8</b> 5
सहायक मंचार अधि कारी। अलबक्ता (अपरा	ह्न)
3. एस०के० राय, बैं० सं० स्टेशन, 30-9	-85
महायक्ष संचार, ऋधिकारी वालकत्ता (श्रपर	ाह्न' <b>)</b>
4. मृणाल कौति सेन वैं० सं० स्टेशन, 30-9	-85
महायक संचार श्रधिकारी कलकत्ता <b>(श्रपर</b>	тक़ु )
5. ए०एन० मित्तरा वै० सं० स्टेशन, 30-11	-85
सहाय इ संचार अधि झारी कलकत्ता (अपर	ाह्न)
6. ग्रार० ५,० जोशी, वै० सं० स्टेशन, 31-5	-85
सहायक संचार श्रधिकारी बम्बई (श्रपर	ाह्न)
7. सुकुमा चन्दर वै० सं० स्टेशन, 31-12	-85
सहायक संचार अधिकारी, कलकत्ता (श्रपण	म्ह <u>े</u> )

#### दिवा है 28 फरवरी 1986

सं० ए०-32013/2/81-ई० सी०-इस विभाग की दिनाँक 27 श्रगस्त, 1984 की राजपत श्रिधसुचना सं० ए०-32013/2/81-ई० सी० के ऋम में, राष्ट्रपति िम्निलिखित 77 सहायक तक्ष्मीक श्रिकारियों की नागर विमानन विभाग में नामिक, श्रीधनारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अविधि को प्रत्येज नाम के सामने दी गई श्रवधि के लिए बढ़ाने हैं

क्र नाम सं	<del>से</del>	<b>নক</b>
1 2	3	4
मर्बश्री⊸	de alleman and allemanderstands also	
<ol> <li>सी० एन० महा देव</li> </ol>	1-7-1984	24-10-1985
2. एस० के० भट्टाचार्या	11	30-11-1985
<ol> <li>ग्राई० एम० कुष्णन्</li> </ol>	31	24-10-1985
4. एम० के० चटर्जी	7.1	1
5. जी० एस० कोचोकर	<b>1</b> )	11
6. सी०पी० राव	, ,	, 1
7. सी०एल०जैन	J 1	7.1
8. ए० के० सक्सेना	r 1	, ,
9. रंजीत घोष	<b>3</b> 1	19
10. ए०एम०पाल	*1	,,
11. एच०एल०श्रारश	<b>3</b> 1	

(1) (2)	(3)	(4)	-(1)
सर्वे श्री			_
	1-7-1984	24-10-1985	59.
13. वी०के० रस्तोगी	1,	n	60.
14. जे <b>०ए</b> स० सरीन	11	***	61.
15. एन०एन० नम्बियार	11	31-5-1985	62.
16. बी० एस० खुराना	,,	24-10-1985	63.
17. सी० वेंकटचेलम्	"	11	64.
18. श्रार० एस० सोखे	<b>3</b> T	13	65.
19. एम <b>ः</b> के <b>ः कृ</b> ष्णान्	2)	n.	66.
20. कुल <b>ब</b> न्स सिंह	<del>,</del> ,	ĵ,	67.
21. एम० वी० सुक्रह्मण्यन	17	31-3-1986	68.
2.2. केशो नाथ	"	24-10-1985	69.
23. जी०एस०वर्मा	"	"	70.
24. एस० वे० मेठ	11	11	71.
25. जसवन्स सिंह	11	•)	72.
26. श्रो०पी० जुनेजा	11	***	73.
2.7. के०सी० शर्मा	11	**	74.
28. बी० के० पुरी	1)	n	75.
29. एच० एम० प्रभादार	,,	31-3-1986	76.
30. पी० के० ढींगरा	"	30-11-1984	77.
31. ष्ठी० पिचूमानी	1)	31-3-1986	
32. एच • एल • चावला	,,	<b>)</b> 1	
33. जी०जे० मेहता	1)	3)	के फ
34. एस० पी० श्रीवास्तव	,,	"	दावा
35. म्रो०पी० बत्तरा	,,	1)	सेवा
36. एस०पी० चौधरी	<b>,</b> ,	<b>)</b> 1	श्रगले
37. ईफ्वर दयाल	"	"	
38. ए० महालिगेश्वर	,,	"	
39. एफ० एस० भाटिया	,	11	
40. ग्रार०एन०मुकुध	"	11	
4.1. बी० के० मुखर्जी	11	**	
42. जोगिन्दर सिंह	71	,,	
43. पी० एल० दलवी	1)	"	
44. सुरिन्दरजीत सिंह कंग	"	30-6-1985	
45. टी०के०दासगुप्ता	"	31-3-1986	एतद्
46. भ्रार० जयरमन	7.7	24-10-1985	श्रीव
4.7. के० एस० मुखर्जी	"		श्रादे
48. एम० शिवासुब्रह्मण्यन्	,, ,,	1)	प्रशा
49. के०टी० जान	11	71 57	
50. पी० जी० जोशी			
51. एस० ग्रार० डी० बर्मन	'' 1	<b>E</b> 3	एतद्
52. जै० एस० नम्ला	••	11	एम <b>्</b>
53. के <b>० श्रार</b> ०के <b>० शर्मा</b>	"	11	प्रा <b>ध</b>
54. एन० एस० सरा	1)	11	अ।व होने
54. ए० रामदौस	11	n	हाग इत्प्र
56. एस०पी० शर्मा	11	и, 21-2-1000	iéid i
56. एस०पा० शमा 57. श्राई० एस० बेदी	11	31-3-1986	
57. आ६० एस० बदा 58. ए० एन० शिरके	**	94-10-1005	
०० ५०५गणासारक 	11	24-10-1985	

(1) $(2)$	(3)	(4)
सर्वश्री		
59. जी०एल <b>० क्</b> जाज	1-7-1984	31-3-1986
60. जी०एल <b>०</b> ककोलकर	17	11
61. के० के० इचूपूनानी	"	11
62. वी० एम० बहुरम्ल	"	1 *
63. एस० के <b>० विश्वा</b> म	11	**
64. के०एस० नेगी	7.3	,,
65. श्रो०पी० च <b>क्षा</b>	11	31-1-1986
66. जोगिन्द <sup>,</sup> सिंह	"	31-3-1986
67. एम० के० साध्ये	) 7	7.3
68. वाई० सी० पुनीया	11	11
69. ए० एस० गिल	11	11
70. पी० एन० मणि	"	13
71. टी० एस० जौली	,,	11
72. बी० एस० भौसले	1)	11
73. डी० सेलवाराज	1)	,,
74. पी० एच० रंगा राव	12	Ð
75. बी०सी० राय	11	,,,
76. हरनेक सिंह	"	***
77. टी० एन० जै० नम्बियार	. ,,	**

उपरोक्त ग्रधिकारी इस बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति की श्रविध के फलस्वरूप सकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नियम्ति नियुक्ति का दावा द:रने के हकदार नहीं होंगे । श्रीर तदर्थ श्राधार पर की गई सेवा की श्रविध इस ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए श्रथवा श्रमले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी ।

> वी० जयचन्द्रन उप निदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

# विदेश मंचार नेवा बम्बर्ड, दिनांक 26 फरवरा 1986

मं 1/576/86-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्द्वारा, विदेश संचार सेवा मुख्यालय, बम्बर्ड में प्रधीक्षक, श्री जॉन थामरा को 27 विसम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से ग्रामला ग्रादेण होने तक, उसी ार्यालय में स्थानगरन रूप से सहायक प्रशासनिक ग्राधिकारी के रूप में नियुक्त जरते हैं।

## दिनांक 27 फरवरी, 1986

संव 1,552,86-स्था०-विदेश संचार सेवा वे महानिदेशक एतद् द्वारा, विव संव सेव मुख्यालय, बम्बई के श्रद्धाक्षय, श्री एम० जेव पटेल को 26 दिसम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से तदर्थ प्राधार पर तथा 21 अर्प्रेल, 1985 के पूर्वाह्न से ग्रगला श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर उसी ार्वालय में स्थानापन्न हुप से सहायक प्रशासनिक श्राधिकारी नियुक्त करते हैं।

> र० दा० ठकरर उप निदेशक (प्रशा०) कृते महा निदेशक

केन्द्रीय उत्पादन झारसीमा शुरुक बडोदरा, दिनांक 20 फरवरी, 1986

सं० 7/1986—-श्री बी० जे० जोशी, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-5, बडोदरा, दिनांक 1-3-1986 के पूर्वाह्न में सरजारी मेवा से स्वैच्छिक रूप से निवृत्त होने वाले हैं।

श्ररविन्द सिन्हा यमाहर्ता केन्द्रोय उत्पादन श्रीर सीमा शुरक

# केन्द्रीय जल श्रायोग नई दिल्ली-110066, दिनांक 13 मार्च 1986

सं० ए-19012/1152/85-स्थापना-पांच-- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्रो विजोय कुमार दास, पर्यवेक्षक को प्रतिरिक्त नहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेंड में 650-30-740-35-810-देशको बेतनमान में 29-11-1985 की पूर्वाह्म में एक वर्ष की श्रवधि के निए अथवापद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले ही, पूर्ण श्रस्थायी तथा उदर्थ श्राधार पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनां ह 14 मार्च 1986

> एउ० महादेवा श्रम्यर श्रवर सचिव केन्द्राय जल श्रायोग

# निर्माण महानिदेशालय के द्वीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1986

सं० 5/3/81-ई० सी०-І—राष्ट्रपति, 1982 की संयुक्त इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर श्री गमित थोमस भाई मगन लाल (अनु० जनजाति) को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा समूह 'क' के अधीन केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के अस्थायी पद पर दिनांक 4-2-1985 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

के० सः० **देहुर** प्रशासन उपनिदेशक केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली-110066, दिदांक 6 मार्च 1986

सं० 168/86-फाइल सं० 22/2/85-प्रणासन-एक (ख)-प्रध्यक्ष, नेन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एत्द्द्वारा, श्री दयानम्द सिह,
तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरिंग (ग्रुप 'बा') सेवा में भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रीभयन्ता के ग्रेड में 14 फरवरी, 1986 में स्थानापन्न क्षमता में अगले श्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

> श्रार० शेषाद्रि श्रवर सचिव कृते श्रध्यक्ष

# परिवहन मंत्रालय रेल विभाग (रेलवे बोर्ड) नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1986

सं० 85/प्रार० ई०/161/6→ 'दक्षिण मध्य रेलवे' के नीचे उल्लिखित खंडों पर स्थित रेलवे लाइनों प्रौर परिसरों के सभी उपयोगकर्ताष्रों की सूचना के लिए यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इन लाइनों पर उपरिकर्षण तार, नीचे दिये गये खंडों के सामने निर्दिष्ट तारीखों पर या उसके बाद 25000 बोल्ट ए० सा० पर संचारित होंगा। उसी तारीख को और उपरिकर्षण तारों को हर समय विधुन्मय समझा जाए प्रौर कोईभी श्रप्राधिकृत व्यक्ति उक्त उपरि लाइनों के समीप न जाये श्रथवा काम न करे।

खंड	दिनांक
(i) विजयवाड़ा—रायनापाडु	20-2-1986
(ii) रायनापाडु—मधिरा	31-3-1980
(iii) मधिराजोरनावल (सहित)	31-7-1986
	ए० एन० वांचू सचिव, रेलवे बोर्ड

उद्योग एवं कस्पनी कार्य मंत्रात्य (कस्पनी कार्य विभाग) कस्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्द्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं रॉक्वेल इंजीनियरिंग प्रा० लि० के विषय में बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

सं० 690/14730/560(5) — हम्सना अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि रॉक्वेल इंजीनियरिंग प्रा० लि० का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रार उक्त कम्पना विघटित हो गई है।

कम्पना श्रिधिनियम, 1956 एवं के० लक्ष्मा इन्वेस्टमेंट्स कंपनी प्रा० लि० के विषय में बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

मं०] 689/24118/560(5)— म्हाना श्रीधनियम, 1956 की धारा 560का उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्कारा यह भूचनादी जाता है कि के० लक्ष्मा इन्वेस्टमेन्ट्स कंपना प्रा० लि० जा नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्ट कमाना विषटित हो गई है।

कम्पना ग्रिधिनियम, 1956 एवं विनोद प्रकाशन प्रा० लि० के विश्वय में

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

स० 695/16898/560(5)——कम्पना प्रिधिनियम, 1956की धारा 560 का उपधारा (5) के प्रनुसरण में एउद्-द्वारा, यह सूचनादा जाती है कि विनोद प्रकाणन प्रा० लिमिटेड का नाम प्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वाम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मांड्या फार्म्स प्रा० लि० क विषय में

बम्बई, दिलांबा ४ मार्च 1986

सं० 6: 7/24095/560(5)---कम्पनी श्रिश्चित्यम्, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जातों है कि मांड्या फार्म्स प्रा० विमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनिधम, 1956 एवं क्यूर करदार प्राठ लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

ग० 710/3794/560(3)---कम्पती अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपयारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है पि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर कपूर करदार प्रा० निमिटंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणित न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी पियटिंग कर दी जाएगा।

कस्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं इन्डियन गैस मेन्टल मैन्युफैक्षचरर्स एसासिएशन प्रा० लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनाँक 4 मार्च 1986

सं० 704/11237/560(3)---कभ्यना अधिनियम,1956 की धारा 560की उपवारा (3) के अनुमरण में एतद्द्वारा, यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इन्डियन गैस मोन्टल गैन्युफैक्चार्स एसंसिम्पान, प्रा० लिगिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न विद्या गया हो तो रिजस्टर के बाट दिया जाएगा और उक्त वस्पनी विघटित कर बी जाएगी।

बल्पनी अधिक्षिम, 1950 एवं का तर्हाई केवल्स (प्रा०) लिमिटेश्र के थिपय में

बस्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

सं० 703/16101/560(3)—कम्पनी श्रधिल्यम, 1956 की धारा 560को उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदहारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन सास के श्रवसान पर कानकार्ड केवल्स (प्रा०) जिसिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं नुवा चिट फण्ड प्रा० लि**मिटेड के** चिषय में

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

करपनी अधिनियम, 1956 एवं श्राप्तः ए० एम० इन्वेस्टमेन्ट कंपना श्राः लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनाक 4 मार्च 1986

सं० 696/16745/560(5)---कम्मानी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचनादी जाती है कि झार ए० एम० इन्वेस्टमेन्ट कंपना प्रा० लिभिटेड का भाम आज रिजस्टर के से बाट दिया गया है और उकत कम्पनी विघटित हो गई है।

कस्पनी अधिविधम, 1956 एवं माडवा हिल निमार्ट्स प्रा० िमिटेड के धिषय में

बस्बई, दिलाक 4 मार्च 1986

सं० 685/24106/560(5)---कम्पनी विजिधित, 1953 की धारा 560 की उपवास (5) के धनुष्यत में एतद्वार पर सूचना दी जाती है कि माड्या हुन रिसाट्स प्रा० लिमिटेड का नाम थाल रिजिस्टर से काट दिया गया और उक्त दम्पनी विघटित हो गई है।

# कस्पनी श्रधिनियभ, 1956 एवं श्रार० एन० क्यूर एंड कम्पना प्रा० लिमिटेड के विषय में ।

#### वम्बई, दिसांक 4 मार्च 1986

स० 699/5028/560(3)— कम्पनी अधिनियम 1956 को धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दो जाती है कि इस आरोख से तीन मास के अवसान पर आर० एन० कपूर एण्ड कंपना प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उकत कर्यनी विवटित कर दी जायगी।

# करानी अधिनियम 1956 एवं बाउबे पाचरलूम इन्डस्ट्रीज एसोभिएसन लिमिटेड के विषय में

#### बजबई, दिनांक 4 मार्च 1986

सं० 655/16775/560(5)---कम्पर्ना घिष्टिव्सम्,1956 की बारा 560 की उपबारा (5) के धनुसरण में एतंद्हारा, यह सूचना दो जाती है कि बाल्ये पाचरलूम इंडस्ट्रीज, एसोसिएम्स लिमिटेड का नाम आज एजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवटित हो गई है।

## कम्पनी अधिनिथम, 1956 एवं डेल्टा एक्सपोर्ट प्राव रिमिटेड के दिख्य में

## बम्बई, दिनां म 4 मार्च 1986

सं० 707/16365/560(3) क्यापना शिधिन्यम, 1956 की बारा 560 की उपवादा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सुवना दी जाती है कि इस सारीज ने तीन मास के अवसार पर डेल्टा एक्सपोर्ट प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कथानी विधटित करदो जायेगा।

वी० राधाक्रवगत कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, तम्बई

# कम्पनी अधिनियम 1956 और फाइनेंस एण्ड सेल्स मीडियम सिण्डीकेट लिमिटेड के विषय में

## नई दिल्लो, दिनांक 6 मार्च 1986

सं० पी० सी० म् 1749/7776— कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दो-जातों है कि इस ताराख से ती मास के अवसान पर फाइनेंस एण्ड सेल्स मोडियम सिण्डीकेट, जिमिटेड की नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनो विघटित कर दो जायगो ।

्रूप किशोर सहायदा रजिस्ट्रार श्रॉफ कम्पनीज दिल्ली एवं हरियाणा **ुनई दिल्ली**।

## कम्पनी अविनियम 195७ और श्री राजेन्द्र-प्राइवेट लिमिटेड के खिलय में

### कलकत्ता, दिनोंक 11 मार्च 1986

सं० 24155/560/(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 का उपधारा (5) के अनुसरण में एत्द द्वारा यह सूचना दो जाती है जि श्रो राजेन्द्र प्रा० लिमिटेड का नाम श्रोज रिजस्टर ने काट दिया गया है और उक्त कम्पनो विषटित हो गई है।

## कम्पनो अधिनियम, 1956 और एस० मुखर्जी एण्ड ब्रार्क्स प्रा० लिमिटेड के विषय में

कलकता, दिलांक 11 मार्च 1986

सं० 14340/560(5) - ब्यम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 को उपवारा (5) के धनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दो जाती है कि एस० मुखर्जी, एण्ड ब्रावर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से बाट दिया गया है और उक्त क्रम्पनो विघटित हो गई है।

# कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर भोजनवला ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 30471/560(5) -- कम्पनी ग्रधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में, एतन् द्वारा सूचना दी जाती है कि भोजनवला ट्रान्तपोर्ट प्राइवेट लिमिटंड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

# कम्पनी अधिनियम 1956 और एक्सोटिक फूड कंपनी प्रा० लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 29999/560 (5)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि एक्सोटिक फड कंग्ना० लिमिटेड का नाम आज रिष्ट्रिंटर से काट दिया गया है और उका कम्पनी विघटित हो गई है।

## कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रौर हे बार्स स्ट्रवचरल इंजीनियरिंग प्रा० लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 32350<sub>1</sub>560(5)~-कम्पनी ग्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव् हारा सूचना दी जाती है कि हे बार्स स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। कम्पनी त्रिधिनियम, 1956 ग्रीर हरिरामपुर कंकीट कन्म्ट्रक्टर्म प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 29530/560(5)-कम्पनी प्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुमरण में एतद् द्वारा मूचना दी जाती है कि हरिरामपुर कंकोट करस्ट्रक्टर्स प्रा० लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर ने काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गया है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और ग्रामीन मिचुग्रल बेनिफिट सांसायटी प्रा० लिमिटेड के विषय में

अलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च, 1986

स० 31106/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560की उपधारा (5)के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती हैं कि सामीन मिचुश्रल बैनिफिट मासायटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है स्रौर उक्त कम्पनो विघटिन हो गई है।

> र ६० थिए 19६० फ्रीए कीनार्क इंजीनियरिंग कंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

> > बलकत्ता, दिनांक 11 मार्च, 1986

सं० 26735/560(5) -- फम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560की उद्यारा (5) के ध्रनुपरण में एतद् द्वारा सूचनादी जाती है कि जी तार्क इंजोतियारिंग कंश्राइ वेट लिमिटेड का नाम धार्ग रिजस्टर से काट दिया गया है धोर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनो ग्राधिनियम, 195७ ग्रीर नैतिय कार्ड बोर्ड वक्स मैन्युफैक्चरिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कवकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1986

सं० 26481/560(5)--कमानो अधिनियम, 1956 की धारा 560का उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा भूचना दी जाती है कि जैनिय कार्डवार्ड वक्त मैन्युफैक्वरिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कीशल डिस्ट्रीब्यूटर्भ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कल हत्ता, दिनौंक 11 मार्च 1986

सं० 26036,560(5)—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उन्धारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि कौशल डिस्ट्रीब्यूटर्स कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्रान रिमस्टर के हाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। कमानी प्रधिनियम, 1956 भौर प्रोजैक्टस कन्यल्टैन्ट्स प्राइवेट लिमिटड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च, 1986

सं० 28019<sub>/</sub> 560(5)→-कस्पानी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपचारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा, सूचना दी जाती है कि प्रोजैंक्टम कन्मल्टैन्ट्म, प्राइवेट विभिटड को नाम आज रिजिन्टर में काट दियागया है और उक्त कस्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और यूनिक्स आटो पार्टस, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कल हत्ता, दिनाँक 11 मार्च, 1986

मं० 26525/560 (5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560को उपधारा (5)के श्रनुपरण में गृतद् द्वारा सूचनादी जातो है कि यूनिक्त आटो पार्टह, प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजन्धर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर सुपर मिनरत्स, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 27311/560(5)——कस्पनो यधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एउद् द्वारा सूचनादो जाती है हि मुपर मिनारल्स, प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम , 1956 श्रीर केनावल इंजीनियर्स प्राह्वेट लिमिटेड के विषय में

कल हता दिनीं है 11 मार्च 1986

सं० 2641/560(5)— कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि केपावल इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> कम्प्रनी प्रधिनियम, 1956 ग्रौर भारत श्री लेण्ड - इैवलपमेंट कम्प्रनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

> > कल हता, दिनाँ है। मार्च 1986

सं० 11059,560(5) -- कम्मना ब्रिधितियम, 1956 की धारा 560 की उमबारा (5) के अनुपरण में एतद् हारा सूचना दी जाती है कि भारत श्री लैंग्ड डेबलामेंन्ट, कंग्नी लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टरसे काट विया गया है श्रीर उक्त कम्मनो विवटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर एस० कि० जी० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनौंक 11 मार्च 1986

मं० 16483/560 (5) - - फम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि एम० के० जीक प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काष्ट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ऋधिनियम, 1956श्रौर पारमेक्ट फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्ग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनौंक 11 मार्च 1986

मं० 26323/560(5)-- कम्पनी श्रिश्चित्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुभरण में एतद्हारा सूचना दी जाती है कि पारमेक्ट फिल्म, डिस्ट्रीब्यूटर्स, प्राइकेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ऋधिनियम, 1956 और चृष्ट्स (दिनहाटा) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलवत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 27435/560 (5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एसद् द्वारा सूचना दी जाती है कि चुक्ट्स (दिनहाटा) श्राइनेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से बाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौंप शेल ब्लास टिक्स्, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनौंक 11 मार्च 1986

सं० 27575,560(5)→-कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतष्ट् द्वारा भूचना दी जाती है कि ग्रॅंल प्लासटिक्स्, प्राइदेट लिमिटेड का नाम ग्राज रॉजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

केम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर एमको० इंजीनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 24221,560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् बारा सूचना दी जाती है कि एमको० इंजीनियरिंग वर्क्स प्राडवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटिन हो गई है।

कस्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर एस० दान एण्ड ब्राइमें प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 15048/560(5)----वास्पती अधिवियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के अनुपरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि एत० दात ए ण्ड ब्रादर्स प्राइवेट विभिन्देड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कस्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रंधिनियम, 1956 ग्रौर इन्द्रशक्ति इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

मं० 21461/560(5)— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एसद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अन्द्रशकित इन्डर्स्ट्र जिल्लाहरूट लिमिटेड वा नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

वम्पनी श्रधिनियम, 1956श्रौर वि० जी० एम० पिक्चर इन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलारुना, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 26737,560(5)---कमानी अधिनियम, 1956 की धारा 560की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि वि० जी० एम० पिक्चर इन्टरप्राइजेज प्राइबेट लिमिटेड का नाम आज रिक्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मुलक्षणा स्टेनलैंम स्टील प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनां र 11 मार्च 1986

सं० 31901/560(5)--कम्पनो श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एउद् द्वारा, सूचनादी जाती है कि अलक्ष्या भटेनचैन प्रहीच प्राइवेट लिमिटेड का नाम ऋजि रिजिस्टर में कार्ट दिया गया है ऋरि उनते अभिनो विघटित हो गई है।

करणनी अधिनियम, 1956 श्रीर श्ररोमा कैमिकल्स् एण्ड कोम्मैटिक्स्, प्राइवेट विमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1956

सं० 22923/560(5)→-कमाना आंविवियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनु रण में एउद् डारा सूचना दी जाती है कि अरोमा कैमिकल्स् एण्ड कोम्मौंध्वस् प्राइवेट विभिटेड वा नाम जाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कमनी विधटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और मंजुरा ध्वर्ग र स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

मं० 24476/5660(5)---कम्पर्नाः श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुपरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती। है कि मंजुला फर्नाप गटेसी प्राप्टवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में पाट दिया गया है अप उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 भौर कल्याणी मधीत फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 271 07/560(5) -- कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एसद् द्वारा सूचना दी जाती है कि बारशाणी भर्मान फैलिक्स, प्राडवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर छाया गिव परिपद् प्राइवेट लिमिटेड के थिपय में

कलकत्ता, दिनौंक 11 मार्च 1986

मं० 24066,560(5)——कराती श्रिधितियम, 1956 की धारा 560की उपधारा (5)के अनुसरण में एतद् द्वारा मूचना दी जाती है कि छाया चित्र परिषद् पाइत्रेट लिसिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रोर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956श्रीर जे० एस० फिल्मस् प्रीडवरान्स् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कथाहना, दिवाँ है 11 सार्व 1986

सं० 27459,560(5)---कम्पनी श्रिधित्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनु क्या में एउद् हारा मूचना दी जाती है कि जे० एस० फिल्म प्रोधक्शन्स्, प्राक्ष्वेट लिमिटेड को नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उत्तः कमानी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर ईस्ट इंडिया रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

सं० 24686,560(5)—कस्पनी श्रधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् हारा सूचना दी जाती है कि ईस्ट इंडिया रोडवेग, प्राइवेट जिनिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिवा गया है और उका कम्पनी विघटित हो गई है। कम्पना अिंगियम, 1956और फे॰ वि० आयरन एंड स्टेलि प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कगाइसा, दितांच 11 मार्च 1986

सं० 25294/560 (5) - जम्मनी श्रिधनियम, 1956 की श्राप 560 की उपधारा (5) के अनुसाण में एतद् द्वारा सूजभादा जातों है कि का० वि० श्रायरन एंड स्टील के० प्राइवेट निधिटेड का नाम श्राज रिकटर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० कें० पाल, कमानियों का श्र**्र**िस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर गोल्डन डायल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

वंगलाँग, दिनांक 14 मार्च 1986

सं० 375/7560,-85-86--व मानी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुबरण में एतद् द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इसदिनींक में तीन मास के श्रवसान पर गोल्डन डायल्य, प्राइवेट निमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशित न किया गया तो। रिनस्टर में नाम काट दिया जिएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित करदी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और सेन इन्टरप्राइजेज, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलीर, दिनांक 14 मार्च 1986

सं० 3809/560/85-86- कम्पर्ना अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् हारा यह सूचना दी जाती है जिड़ा दिनांच में तीन माम के अवशान पर सेन इस्टरप्राइसेंग शास्तेष्ट लिमिटेए का नाम इनके प्रतिकृत कारण देशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित हो ग करदी जायेगी।

चन्ननी मधिनियम 1950 और सोरोलिन फुड्स् एण्ड कैसिक्ट प्राद्वेट लिमिटेड के विषय में

बंगलीर, दिनाँक 14 मार्च 1986

सं० 5614/560/35-86— कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 500 की उपधारा (3) के अनुस्ण में एउद् द्वारा यह सूचना दो जानी है कि इस दिनांक में तीन मान के अवमान पर सीरीनिधि फूड्स एण्ड कैमिक्ल्स्, आक्वेट लिसिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण देशित न किया गया तो लिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी निधटित ए दो आयेगी।

> जे० कं० रमणी कम्पनियों का रिणस्ट्रार

श्रायकर श्रपीलीय अधिकरण.

बस्बई-400 020 दिनांक 4 भार्च, 1986

सं० एफ-48-एडी० एटी० 1986--श्री ए ७० के० विश्वाम पर्धात ए, पामकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई पीठ, बम्बई जिन्हें, तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में जहायक पंजीकरण के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण अमृतसरपीठ, अमृतमर, में 3 माह की अवधि के लिए दिनांक 1-11-1985 से कार्य करने रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी (देखिए इस कार्यालय की अधिमूचना दिनांक 30-10-85 अमांक एफ 48-एडी-एटी/1985) को अब उसी क्षमता में महायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, अमृतपर पीठ, अमृतपर में और तीन माह के लिए दिनाक 1-2-1986 में कार्य करने रहने की अनुमति प्रदान की जाती है या तब तक जब तक उक्त पद पर नियमित नियुक्ति न हो जाएं, जो भी पहले हो।

उपर्युक्त, नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है, श्रीर यह श्री एम० के० विश्वास को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान रेकी श्रीर उसके द्वारा, तदर्थ श्राधार पर प्रवत्त अवार्ये, न तो वरीयता के श्रीभप्राय से उसी श्रेणी में गिनी जायेंगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्तत किए जाने की पालता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ-48-एडी-एटी-1986— 1. श्री आर० दक्षिणामूर्ति, महासः श्रधीक्षक, श्राय पर श्रपीलीय श्रधिकरण, महास पीठ, महाः, जिन्हें तद्यं श्राधार पर श्रस्थायी क्षमता में गहायक पंजीकार के पद पर श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण कोचीन पीठ, काचीन में 3 माह की श्रवधि के लिए, दिनांक 1-11-1985 से कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की गयी थी। (देखिए इस कार्यालय की श्रधिमूचना दिनांक 30-10-1985 कर्मांक एफ-48-एडी-एटी/1985) को श्रव उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण कोचीन पीठ,

कोचीन में और तीन माह के लिए दिनाँक 1-2-1986 से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है या तब तक जब तक उक्त पर पर नियमित नियक्ति न हो जाएं, जो भी पहले हो।

उपर्यक्त नियुक्ति तदर्थ स्राधार पर है, स्रोर यह श्री स्नार० दक्षिणामृति, को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नही प्रदान करेगी स्रोर उनके द्वारा तदर्थ स्नाधार पर प्रदेत सेवाएं, न तो वरीयका के श्रभिप्राय में उस श्रेणी में गिनी जायेगी स्रोरन दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

2. श्रो टी० के० गाँगुली, सहायक अधीक्षक, श्रायकर अपीलीय, श्रीधकरण, स्थानापन्न अधीक्षक, श्रायकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई पीठ, बम्बई, जिन्हें तदथं आधार पर अस्थायी क्षमना में सहायक पंजीकार के पद पर, श्रायकर अपीलीय, श्रीधकरण, कटक पीठ, कटक में 3 माहकी अवधि के लिए दिनाँक 1-11-1985 में कार्य करते रहमें की अनुमति प्रदान की गयी। (देखिए उस कार्यालय की अधिसूचना दिनाँक 30-10-1985 कमाँक एफ-48-एडो-एटो/1985) को अब उसी क्षमता में पहायक पंजीकार, के पद पर, आयकर अपीलीय अधिकरण, कटक पीठ, कटक में, श्रौर श्रवधि दिनांक 1-2-1986 से 28-2-1986 तक कार्य करने की अनुमित दी जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ श्राधार पर है, श्रौर यह श्री टी० के० गाँगुली, को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रौर न उनके द्वारा, तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवार्ये न तो वरीयता के श्रीभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जायेगी श्रौर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्तत किए जाने की पावता प्रदान करेगी।

टी० डी० सुगला, श्रद्यक्ष

## प्रमुख आहाँ टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६९ घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश र्सं० जी० आई० आर० गं० आर-275/एसोक्यू---यत:, मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स से अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीए जिस्ति संव महान तव 105 मय भूमि है, तथा जी टैगोर टाउम, इलाहाबाद में स्थित है (श्रीन इसके उपाबद्ध अनुस्ची में श्रीव पूर्ण रूप से बर्णित है), रिव्ह्यूनिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पारीख जुलाई, 1985 कल कत्ता की पृथिकत सम्पत्ति की उच्चित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिकत के लिए उत्तरित की गई है और मझे यह विश्वास

भातफल के लिए कुन्तारत को गई हैं आर मंश यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, ज्यन्ते दश्यमान प्रतिफल से एंसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंत्रह उतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया। प्रतिफल निम्निलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण कि सिहत में बान्तियक हुए से किथत नृत्ति किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, खक्तः नियम के स्थीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/वा
- (ख) एसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा की जिए;

अध: अब. उजत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं. भें, उक्षा अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :--- 1. श्रीमती प्रदीपश प्रधान ।

(अन्तर्फ )

2. श्रीमती एमा लाल ।

(अन्तरिती)

3. जिलाएटाए --र्यामती अकुम्ताना देवी (बहु व्यक्ति, जिलारे अधिमोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना आरी करके प्रशिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्जेप ह---

- (क) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविधि, जो भी जिल्ली बाद में समाप्त होता हो, भ भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ऐ किसी स्यक्ति दुशरा;
- (क) इस सूचना के राजगण्य मं त्रकाशन की तारीख से 45 किंग के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावर अवास हस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्करण:----इसमें प्रजूबत शब्धों और पर्दों का, जो **उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क हैं एरिआ**वित्त** हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में **दिया** गया **हैं** 

#### अनुसूची

जार्ज टाउम एक्सटेंशन स्कीम स्थित प्लाट न० 75 का हिस्सा पैमाइशी 1933.2 वर्ग फीट मय मकाम, दिवार, ढांचा, स्थिम 105 टैंगोर टाउन इलाहाबाद एवटइसी का साथ की भूमि नं० 75/3, पैमाइशी 2547 वर्ग फीट स्थित जार्ज टाउम एक्ट इंगोर स्कीम इलाहाबाद ।

श्रीमती यू० कान्जीलाल जञ्जम प्राधिकारी सहायक आयहर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

तारीखा : 5-2-1986

मोहर :

प्रकव आर्षः टी । एन । **यस** । ------

क्षण्यकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-ज (1) के संधीन स्चना

#### MISC WEST

कार्यासंस्थ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिसां र 21 फरवरी 1986 भिर्देण सं० ए० पी० नं० 5971—यतः, मुझे, आर० **ग्रार० गु**प्ना,

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जेंदा कि अनुसूची में किया है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीण इक्य उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर विधित्र है),रि पार्टी कि अधितारी के वार्यालय, जालन्धर में विजरदीयाण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तार्यीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इध्यमान प्रतिकल ने, एमें इध्यमान प्रतिकल का सम्बद्ध प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (बंतरकाँ) जीर अंतरिती (बंतरितियाँ) के सीच एसे बंतरण के निए तय पासा नवा प्रतिक कन निम्नसिवित उद्दोश्य से उनत कन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है क्

- (का) अन्तरण को हुइ किसी नाम की वावत अवस मधिनिजम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दासिएव में अपनी करने या अवसी वजने में सुविधा को किए; बॉर/मा
- (वा) एसी किसी भाग या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नावकर विधित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवाजनार्थ अन्दिरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाला वाहिए था, कियाने में बुनिया अधिक्यं,

ज्या. गणा, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, अक्त निधनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन, निम्मलिखित स्पिक्तयों, अर्थात् .—  श्रीमती गुलक कुलारी पत्नी तखबीर जिह बासी— 263, शहीद कथम लिह अगर, जालन्धर

(अन्सर्क)

 श्री बलविन्द्र गाल सिंह पुत्र अमर सिंह अमर सिंह पुत्र अस्तार सिंह श्रौर श्रीमती सत्तवन्त कीर पत्नी अमर सिंह,, वासी—624, मोता सिंह नगर, जालस्थर (अन्तरिती)

का यह बुजना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कर्म्याहियां गुरू करता हूं।

बनत बन्यील के अर्जन के बंबंध में कोई भी जाओर ह---

- (क) इत बुचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की साजील ते 30 दिन की नवीध, जो भी अविध बाद में तमान्य होती हों, के शीतर पूर्वोक्स स्पिक्तमों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के औतर उक्त स्थावर तम्बत्ति में हिलबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथाहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्यों मरि वर्षों का, को उक्त व्यथिनिवर्ग, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होना को उन मध्याय में विया समा है।

#### **अनुसूची**

सम्पत्ति नं० 624 जो कि मोता सिंह नगर, जालन्धर में है बाक्ति जैसा कि **विमेख नं०** 2085 दिनांक जुलाई, 1985 को अजिस्ट्री मनी अधि धारी जालन्धर में लिखा है।

> आर० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजुन रेंज, जाप्तन्धर

नारीख: 21-2-1986

मोहर:

## वरून वार्याः, द्वी<sub>ल</sub> एव*ा व्*वाः ४ ० ० ० ०००

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीन स्वतः

#### MASE DISEASE

#### कार्यक्रम, बद्धामक मामकर मामुक्त (विरोक्षक)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए०पी०नं० 5972—यतः, मुझे,आर०आर० गप्ना

लायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के सधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,900/- रा. सं अधिक ही

भ्रींए जिसकी संव जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (भ्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण हुए से विणा है), एजिस्ट्रीतर्ता अधिकारी के वार्यालय, अर्जन रेज, भारतीय आयाज अधिनियम 1901 में रिजिस्ट्रीजरण के अधीन, तारीख 8 भवम्बर, 1985

को पूर्वीयत संपरित के उचित बाचार मूल्य से कम के दश्यमान परिसक्त के तिए अन्तरित की गर्व हैं और मूफे यह विश्वास अरम का कारण है कि एनाम्बेंबर संपर्ति का संचित बाजार बूक्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्टह बितवत से क्रिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए सब पामा गमा प्रतिफल, निक्तिविधित संद्र्ष्टिक से उच्त अन्तरिण निविध के बाल्य महास्थित कर्म के लिए सब पामा क्रितिकस, निक्तिविधित संद्र्ष्टिक स्था के लिए सब पामा क्रितिकस, विक्तिविधित संद्र्ष्टिक स्था के लिए सब पामा क्रितिकस, क्रिक्तिक स्था के क्रिक्त नहीं सिक्या गमा हैं :---

- (क) अन्तरफ संहूर्य किती आय की नायत, उन्तर अभिनियम के अभीत कर दोने में जन्तरुक से दावित्व में कनी करने वा उत्तरी वसने में सुविधा है सिए; बॉट/बा
- (का) एती किसी नाथ या किसी नत या नत्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधितयम, 1922 (1922 को 11) या उट्ठ निधितयम, या धन-कर निधितयम, 1957 (1957 को 27) की प्रयाचनार्थ जन्ति द्वी व्वारा अकट तहीं किया गया भा या किया नाना चाहिए था, कियाने में सुधिधा के लिए।

भरा: बन, उभर किपिनियम की भारा 269 म के अनुसर्भ भ, में प्रथए अभिनियम की भारा 269-च की उपभारत (1) में अभीन, विस्निविधिक व्यक्तिकों, अव्यक्ति कु-

1. श्री अयुध्या नाथ जोशी पुत्र हुंग राज, वासी मजान नं० 35, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़ श्रोर वेद प्रताण जोशी पुत्र हुंस राज जोशी वासी—116-विजय नगर, जानन्धर श्रोण श्रीमती शीला देवी पुत्री हुंस राज (पर्त्नी अन्द लाल) वासी—87-ए माडल टाउन एक्सटें श्रा तुधियाना

(अन्तर्ह)

2. श्री धर्म पाल अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय लाला रामनाथ वासी महान नं० 73, मार्डरन हालानी, जालन्धर (अन्तरिती)

को यह स्थान भारी करके प्रशेषत समीत के श्राम के अप के अप

इक्ट सम्परित के अर्थन के संबंध में आंड भी काक्षण .-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक में 45 दिन की अविध या तत्मत्रेथी व्यक्तियां गर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी वाषी बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मात्त में हितवक्ष । 'कासो बन्य न्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः ----इसमं प्रयुक्त कर्मां नाँ, पर्या का, ना उत्तर आधानयम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम् के दिसा न्या है।

#### अन्स्ची

तम्बन्ति मकाभ नं० 73, मार्डन वालोनी जालम्बर ब्यक्ति जैसा कि करारमामा जो ए अर्जन रेंज ऋ० स० 13 दिनांक 8-11-85 को सक्षम प्राधिकारी जालम्बर द्वारा (फार्म 37-ईई आया पर अधिनियम 1961 की धारा 269 ज, खा के अधीन) पंजीकृत किया जा चुका हैं।

> आर० **श्रा**र० गुप्ता सक्षम प्राधिनारी स**हाय**न आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंन, जाल**न्धर**

नारीख : 21-2-1986

मोहर:

------

## प्रकल् बार्ड , टी.. एक. एवं., ----

# श्रायकर वर्षिणियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन वृक्षा

# भारत सरकार कार्याचय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 25 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० पि० नं० 5973 यतः मुझे क्रार्० क्रार० गुप्ता

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' अज्ञा गया हैं), की भारा 262-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वात करने कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका खिला बाजार नृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनीसूची मैं लिखा है तथा जो जालन्छर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के बार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख जुलाई 1985

करी पृथीका सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृथीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकार से जायण है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिति (अर्ताशात्यों) के बाथ एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिश्वित उद्वरिय से उनत वंतरण किशिवत में बास्त्रिक स्थ त करियल नहीं किया गया है रूप

- (क) अन्तर्भ वं हुइ किवी वास की वान्त्र<sub>ता</sub> धन्यः वीधीनवन की न्यींन कर वोने की बन्द्रक के दाहिस्स में कती करने वा बच्चे वचने में धृतिया ही किए; धीप/वा
- (क) होती किसी बाव वा किसी धन या वन्न धारिक्वों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी बुधारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहियं था, छिपानं में अधिभा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग भै अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री रामेश्वर सिंह पुत करमसिंह अथवा डा० कैप्टन करम सिंह पुत गाजा सिंह वासी 4-माडल टाउन जालन्धर (अन्सरक)
- 2. श्री ग्रमरीक सिंह पुत्र लाभ सिंह वासी 265—न्यू माजल टाउन लुधियाना

(भ्रन्ति )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संवत्ति के वर्षन के किए कार्यत्राहियां करता हूं।

दबद बन्मीता के अर्चन के सम्बन्ध में कोड़ भी काक्रोप ६

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिंध क्ष सरसम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तासीय से 30 दिन की अविध, यां भी सब्दीय बाद की स्थापत होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ स्थिनतमों में से निक्षी स्थितत बुवारा;
- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीक म 45 दिन को भीतप उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस्तव्यक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्यारा सभाहस्ताक्षरों के शक् रिसिट में किस पा सकति।

स्वक्रीकरणः - --इसमें प्रयुक्त बच्चों मीड पथी का, जो उनत जिम्मीनयम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हों, वही अने होंगे, जो तस अध्याय में दिया। शवा है।

#### प्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा ि विलेख नं० 2350 दिनांक जुलाई 85 को रजिस्ट्रीःति श्रिधकारीं जालन्धर ने लिखा है ।

> श्चार० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, जालन्धर

सारी**ख** ।-25-2-1986 मोहर । प्रकार वार्षः टी. प्रस् . प्रस् ------

नायक्र मितियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 263-६ (1) हे सभीन मृष्का

#### भारत चड्याहर

#### कार्यासय, सहायक भागकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोंज जालन्धर जालन्धर दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5974—यतः मुझे श्राप्त श्राप्तः गुप्ता

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' नहां गया है), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सहरण है कि स्थायर मधीता, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० जैसा ि धनुसूची मैं निखा है तथा जो होणियारपुर में स्थित है (भ्रो इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है) पिस्ट्री प्रतिश्रिकारी के हार्यालय होणियारपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुनाई 1985

को पृथं जित सम्पित्त के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में वायित्व में कमी करने या उससे अभूने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एकी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, प्रधान कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अधोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए सा, किमाने में सुविधा को निए;

क्तः **सन्, उन्त आँध**नियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**सित व्यक्तियों, अर्थात्** :—  श्री तरलोबन सिंह मनजीत सिंह पुत्र निरमल सिंह वासी—माडल टाऊन होशियारपुर

(भ्रन्तरक)

2. श्री भगवान सिंह इक्बाल सिंह सुरणीत सिंह पुत्र श्रमण सिंह वासी— हुल्ला वस्सी खवाजू होशिया ग्यूप (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारा करके पृथेकित संपात्त के अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हुई ।।

## उन्त बंपत्ति में वर्षन के बंबंध में कोई भी बार्बंध हु---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 जिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तत्थील से 30 दिन की नगीभ, जो भी जनभि धाद में समाप्त होती हो। के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पात जिल्हा में किए जा मकर्ग।

स्पष्टिशकरण: --इसमं प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अवकर वर्षेश्वियत के अध्याय 20-6 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, के उस के ख में दिया स्या है।

## श्रनु सूची

सम्पत्ति मकान नं० 25 ल माइल टाऊन होशियारपुर भौग व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1386 दिनांक 15-7-85 को प्रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी होशियारपुर ने लिखा ।

> श्चार० श्वार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज जालन्बर

तारीख । 4-3-1986 **मोह**र । प्र**रूप आह**ै.टी.एन.एस------

■स्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269 व (1) की अधीन मुचगा

#### भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5975—यताः मुझे, श्रार० ग्रार० गुप्ता

श्रीयक्तर अधिक्यिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अभीन सक्षम प्राधिकारी की बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भाजन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिवारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1985

का पूर्वीस्त सम्पत्ति के उणित नाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एमे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्मप्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उथत अंतरण लिखित में अस्तिकर स्प में किश्त नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, आयकर बिधितियम को अधीन कर दोने को अम्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा क्रिपान में स्विधा जे निए;

असः एव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अम्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:--  श्री मनोहर लाव शावड़ा पुत्र राम चन्द वासी—2152 सैक्टर नं० 35 चण्डीगढ़।

(ग्रस्तरक)

2. श्री कंत्र १त्रीत सिंह गुरिबन्द्र सिंह दर्शन सिंह पुत्र गुरुबरन सिंह भः दिया वासी — 38 १ गुरुनेग बहादुर नगर जालन्धर (हिस्सेदार — मैं० गुड़िबा स्रोटोमोबाइल्ज 87 — एस० गुरु नानक मोटर मार्कीट प्रसाप गंज कानपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सम्बना नारी कारफे प्रकांकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

खक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में भगान होता हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन को भीतर एवल स्थानर सम्पत्ति में हित- कदम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को सम निकल को किस जा सकोंगे।

स्थांटीकरण — उपमाँ पयुक्त शक्यों और पर्यों का, को उक्त अधिपाणम के क्याप्य १०-क में परिभाषित है, कही अर्थ क्षांगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### बनसर्जी

सम्पत्ति कोठी नं० 382 जो कि गुरु तेग बहादुर नगर जालन्धर में स्थित है नथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2097 दिनांक जुलाई 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> ग्रास्० ग्रास्० गुण्त सञ्जन प्राधिकारी। सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेंज जालन्धर

सारीख । 4-3-1986 मोहर । प्रकाष आई. ती. एस. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 260-प (1) के अभी सचना

भारत भएकार

कार्यालय, सङ्गाध्यः अगगकार कार्युक्त (निर्देशिक) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5976—यतः मुझे श्रार० श्रार० गुप्ता

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमान् 'उक्न अधिनियम' लड़ा गया है), की भारा 260-क के अभीन गलम अधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थल्य सम्बन्धि, रिमका उत्तित याजार अन्य 1,00-000/- क से अभिक है

ष्मीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसुची में लिखां है तथा जो बंगा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रितस्ट्रीकर्ता ग्रिधियारी के कार्यालय बंगा में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सारीख ज्लाई 1985

- (क) नस्तरण से हुई किसी जाय की वावसं, उपक अधिनियम के अधीन कर पोने की जस्तरक के वायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिन्। और/बा
- (स) एनी किसी नाय या किसी भन वा अन्य जास्तियों जो, किन्हों भारतीय सायकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, या भनकर अभिनियस, या भनकर अभिनियस, या भनकर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

यक जब, प्रथम समितिकार की भारा 269-स की असस्यक्त भी, से जार औरितियम की भारा 269-स की उपभारा (1) के अपीत, निस्तिनियस स्वीतिसयों, क्यांस्त ह——  श्री प्रकाश सिंह पुत्र जगत सिंह बासी—पट्टी मसन्यां तहसील—वंगा

THE RESERVE OF THE PERSON OF T

(भ्रन्तणक)

2 श्री करतार सिंह पुत्र बस्तन सिंह हरभजन सिंह पुत्र करतार सिंह बार्स--बंगा

(श्रन्तरितीः)

को यह शृथना बादी कड़के पृथांकर सम्पत्ति के अर्थन के जिल कार्यगाहियां करता हूं।

खमत संपत्ति के वर्णन जो संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (का) लक्ष सुमाना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीचा के ्रित की अविधि या तरसंबंधी स्थानितकों पर सुमान की तामील से 30 दिन की संबंधि, को और समित को समाप्त हारेती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानितकों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारी क 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपंत्ति में हिनबच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

क्षेत्रकरिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्न्यां और पदों का, वो उक्क व्यापितिसम्, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याक में दिवा गवा है।

#### वर्ष्य

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 755 दिनांक जुलाई 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बंगा ने लिखा है ।

> श्चार० ग्रार० गुप्सा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्वायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, जासकार

सारी**ख** : 6-3-1986

मोहर :

प्रकृत बाहे . हीं . एवं . एवं . - - - - -

रासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन स्चना

#### मारव तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायक्त (निरोक्षण)

अर्जैन रेंज, जालन्धर जासन्धर, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5977-78—यतः, मुझें, आर० आर० गुप्ता,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षभ प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रतिफल, निम्नसिसित उद्वेष्य से उक्त कन्तरण लिखित में

नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स दवने में सुविधा के विद्यु; और/या
- (क) एसी किसी आथ या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, अपिक (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधास (1) के वधीत. निम्नलिवित व्यक्तियों अधीत:——

 श्री णिव वर्णा लाल आमन्द पुती गिरधारी लाल द्वारा एवरवीयर मैनुफैन्चिरिंग व्यम्पनी, मक्सूदपुर, जी० टी० रोड, आम्ब्यूपर ।

(अन्तरक)

मैं ० एवरीवीयर इन्डस्ट्रीज, मकसुदपुर जी ० टी ० रोड़.
 जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचरा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नानंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की सर्थीं भ, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाकत की तारीं ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल चिक्ति में किए बा सकते।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है!

#### धनुसूचा

सम्यत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2341, दिनांक जुलाई 85 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> आर० आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्छर

तारीखा: 7-3-1986

मोहर:

प्रकल बाहाँ . टी . एन . एवा . -------

नागकर निविज्ञन, 1961 (1961 का 43) का भाष 269-व (1) के नवीच त्वना

भारत तरकत्र

श्चानीय, बहायक शायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-1, दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ई ई/2140/85-86—-प्रतः, मुझे, अनिल क्रमार

कारकर विधिनिवार, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्जे इसके परकात् 'उक्क विधिनिवार' कहा गया हो), की धारा 269-च को वधीन सकाम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 16, सर्वे नं० 110/1/2 150+153-ए/1 है, तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूना में राजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त, 1985

को प्रेंकित सम्मित के उपित काबार मून्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की नहीं हैं और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्योंक्त सम्मित का जीवत माजार मूख्य, जबके ध्रूचमान प्रतिफल से एोचे देण्यमान प्रतिफल का अन्बह प्रतिश्वत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नितिखित उद्वेष्य से उन्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक का में कथित रहीं किया वार हैं:---

- (क) अध्यक्ष्य में हुई किसी शाम की रायत , उद्दर्श श्रीक्षीतमान के जभीच कर देने के सम्पद्ध के दासित्य में सभी करमें या उसते वचने यें स्विधा के सिता; आदि/या
- (व) इसी किसी जाम सा किसी धन या लच्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आसकर अधिनिष्ठत , 1922 (19% का 11) या उपत अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिद्धः

क्यः कव व्यक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जन्द्वरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के नभीन, निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात् हि—  श्री एस० एन० खेडे जर 58/ए, कस्तूरका होसिंग सोसायटी विश्रांत वाड़ी, पूना-15

(अन्तरक)

2. श्रीमती चेरियम टी० माँध्यू सनसेट, पहला मंजिला जवाहर भगर रोड़, रायगड जिला— (महाराष्ट्र) (अन्तरिती)

कां वह तुथमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मीत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं ।

उक्त सम्परित में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नास्तेत :--

- (क) इब स्थान के राज्यन में अकासन की तारीच से की दिन की नगींथ या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्षीय बाद में बनाय्त होती हो, के मीतर प्रवेषित नाश्चित्वों में से किसी क्योंच्य हुआए।
- विद्वी हुए क्ष्म को ध्यमन को अकावन की शारीक से 45 किन को सीवर क्या स्थापर कम्परित को हिस्तक्ष क्रिकी क्षम क्षमित हुनारा समोहस्तकाड़ी के शस विक्रिय को क्षित का क्षोपी 3

स्थानिकरणः--इसमें प्रवृक्त सम्बं और नहीं खा, सी समस विधिनिका से सध्यात 20-क में परिशासित ही, नहीं वर्ष होना सो उस सध्यात में दिवा गया है।

## **प्रनुसू**ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ऋ० 37-ईई/ 2140/85-86 जो अगस्त 85 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ंजं रंज, पूना

तरीच : 5-3-1986

मोहर :

प्ररूप वाह .टी.एत.एस.-----

शासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

## कार्यांसप, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, पूना

पूना-1, दिनां ह 5 मार्च 1986

निर्वेश सं० 37-ईई/1932/85-88—यतः, मुझे, अनिल कुमार,

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका अवित बाजार मुख्य 1,00,000/- एउ से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 8, वसंतवाग सोगायटी, विववेबाड़ी पूना में स्थित हैं (श्रांट इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण का ने विणा है), रिजस्ट्री इति अधिकारी के लायन्तिय, पूना में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान
प्रतिकास को सिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकास से ऐसे ध्रयमान प्रतिकास का पन्त्रह्
प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियीं) के बीच ऐसे अन्तरक के बिए तय पाया जवा
प्रतिकास, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरक कि बिए

- (क) अन्तरण से हुई सिसी जाय की बासर, उसस अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बाबिएस में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आब या किसी धन या अच्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्मा में सुविधा के निष्;

वतः। जव, जक्त जिभिनियम की धार्य 269-ण के अनुसरण वो, में, धक्त अभिनियम की धार्य 269-च की उपधार्य (1) के जभीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ७ श्री एस० पो० बदामीकर आर० 388 आदिनाथ सोसायटी, पुणे क्षाण रोड़, पूना-37

(अन्तरक)

2. श्री संजय डी॰ ग्रोस्वाल 796, गंजपेठ पूना-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध व्यक्ति क्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उच्कत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/1932/85-86 जो अगस्त 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल **कुमार** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आ**युक्ष** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, पूना

तारीख: 5-3-1986

मक्टर :

## स्कद् बार्च , सी. एवं . एवं . - - - ल्ल्ब

## भाष्यपु विभिन्नन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के विभीन सूचना

#### SHIP COURT

## कार्यासम, सहायक भावकर भावकत (मिरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, पूना

पुना, दिनांक 27 फखरी 1986

निर्देश सं० 37-ईई/2001/85-86---यतः, मुझे, श्रामिल कुमार,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गंधा हैं), को पाध्य 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाकार मुक्स 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० प्ताट नं० 502/ए०1 निल्डिंग जाला भवन पी० न० 305 (ए) शुक्रवार पेठ पूरा-2 में स्थित है (ग्रीं र इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हथ ने विणित हैं), रिजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूना में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जारीख अगरा 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों के बीच एसे अन्तरिण के लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक उक्करेक से उस्त अन्तरिण कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक उक्करेक से उस्त अन्तरिण कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक उक्करेक से उस्त अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक उक्करेक से उस्त अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक उक्करेक से उस्त अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक उक्करेक से उस्त अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक उक्करेक से उस्त अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक का कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक का कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त निकासिक का कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त का कि लिए तथ पाया गया कि लिए तथ कि लिए तथ का कि लिए तथ का कि लिए का कि लिए तथ पाया गया प्रविक्त का कि लिए का कि लिए तथ का कि लिए का कि लिए का कि लिए तथ का कि लिए का क

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क सिस्स, शांद / या
- (व) इसे निक्की जाय या जिंकी धन वा जल आस्तिकों को जिन्हें भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धक्क कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ जन्तरिती त्वाध अवट नहीं किया वया वा या किया जाना चारिक्र वा, कियाने में स्विधा के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 र के अनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की छपधारा (1) के अधीन, निष्मीनियस व्यक्तिकों, अर्थात् ह—

- 1. मैसर्स नीलम बिल्डर्स 1482 सदाणिव पेठ पूना-30 (अन्तरक)
- श्री मुरलीधर एम० पाठक 492/93 गुक्रवारपेठ पूना-2 (अन्तरिती)

## का बहु शुक्रमा कादी बहुत पूर्वीयत् स्मृति से मुर्वन के हिम्स कार्यमाहिना काद्रमा हुई।

उनक कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में करेंद्र भी आकोद् हाना-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकार की राशीय के 45 दिन की क्यांचि वा तत्स्वस्त्र ने व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जबधि, जो भी क्यांचि वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वत्त्र मों से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना को राज्यन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन को भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य चिती जन्म व्यक्ति क्यारा कभोहस्ताक्षरी के परस्र सिखित में किए जा सकों।

स्वव्हीकरण :---इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त विधीनवंत्र के अभ्यात 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना की जस अभ्याय में तिका नया हैं।

## वन्त्र्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/2001/85-86 जो अगस्त 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा र।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अ**र्ज**न रेंज, पूना

तारी**ख**: 27-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनाँक 27 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 37-ईई $_{I}$ 2863 $_{I}$ 85-86 $\longrightarrow$ श्रतः मुझे श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लेट न० 3, राजयोग श्रपार्टमेंट, बिबवे-बाड़ी पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज,सब राजिस्ट्रार में, राजिकुस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सित्तवर 1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित नाजार मूला से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; आर्र/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी भून वा बन्ध अस्तिकाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विक्ष;

कतः अधा, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लाचित स्थानतयों, अर्थात् :—

- 1. में सर्स कर्नावट बिल्डर्स 562 शिवाजीनगर पूना-5। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रशोक सी० इंगके 5 जय शंकर सोसायटी, श्ररणेश्वर, पूना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्धां और पद्यों का, जो अवह अधिनियस के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई, 2863, 85-86--जो सितम्बर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-2-1986

भाहर:

प्रकृष् वार्डं.टी.एन. एस.-----

कायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दोक्षण) ग्रर्जन रॉज, पूना-1

पूना-1, दिनांक 11 फरचरी, 1986

निर्देश सं० 37-**६६**/2052/85-86---श्रतः मुझे श्रनिल कुमार

अधिकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अरेर जिसकी सं० शाप नं० 1 सर्वे नं० 616, एण्ड 616 बी शुक्रवार पेठ पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
शीच एसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृष्वेषय से उसत अन्तर्थ सिखित में नास्तियक क्य ते कथिय
पद्यो किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, सकत बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा से सिए;

बतः वर, उन्त वीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण वी, वी, उन्त वीधीनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलयत व्यक्तियों, सर्थास् ह—- 1. मेसर्स एस० बी० कन्स्ट्रक्शन 180, शुक्रवारपे**ठ** पूना-2।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वालचंद श्रार० ओखाल शास्त्री नगर, सोसायटी, महात्मा फुले पूना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप हु----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## प्रनुसूची

जैसा की रिजस्ट्रीकृत कि० सं० 37-ईई/2052/85-86 जो श्रगस्त 1985 का सहायक श्रायकर श्रायुक्त निर्रीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना-1

तारीख: 11-2-1986

मोहर:

प्रकृष बाह". टी. एन. ध्स. ---- ---

**भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ** धारा 260-थ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

#### कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ध्राजैन रेंज, पूना-1

पूना-1, दिनांक 3 फरवरी, 1986

आयंकर अधिनिश्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इ

और जिसकी सं० हैं तथा जो श्रहोले में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्य से वाणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय में सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जंत रेंज में, रजिस्ट्री-करण श्रिधित्यम, 1908 (1908 हैं। 16) के श्रधीन, तारीख नथम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिकास के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गमा प्रतिकास, निम्नितिचित उद्योध्य से उचित अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण ते हुइ किसी आय की आबत, उक्त अधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों गड़ी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कंतिकती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अगं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-तं के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-तं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे—

- 1. श्री हरसुखलाल श्रार० शाह ए/8 नमोनाथ श्रपार्ट-मेंट सिम्पोली रोड़ बोरीवली (डब्स्यू०) बम्बई। (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स विरेंद्र एन्टरप्राईजेस 19 सुबोद्ध गुरू बिस्डिंग 5वीं मंजिल टेगोर रोड़, शांताऋज, बम्बई। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से सिन्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविश हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० सं० 37-**१६** 9367 85-86 जो नवम्बर 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायकन निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 3-2-1986

मोहर:

प्रकल बाह्".टॉ.एन.एस.------

काथकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के बभीन स्वमा

#### भारत सरकार

कार्धालय, सहायक जायकर जायक्त (निर्योक्तक) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 फरवरी 1986

निवेश सं० 37ईई/3233/85-86--- **मतः मुझे मनील** 

कुमार शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें श्मके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा १६९-ल के अधीन सक्षम प्राधि-कारी को यह विकास करने का शारण की कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

100,000/- रु. से अधिक हैं
प्लाट नं 8 तीमरा मंजला मीं दी एस नं 1494 सदाणिषपेठ
और जिमकी सं हैं जो पूना में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रुप में वाणत हैं), रजीस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908,
(1908 को 16) के श्राधीन दिमांक श्रायस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

नीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृबोंक्त गणांत्र का उच्चित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिकास से, एसे स्वयमान प्रतिकास से, एसे स्वयमान प्रतिकास का पन्यह प्रतिकात से अधिक ही जौर जंतरक (मंतरकों) और और अस्तरिती (जन्तिशितयों) के बीच अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निकालिचित उच्चेक्य से उच्च अस्त-रण सिवित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण ते हुई किसीं बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविभा के लिए; बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी जान वा किसी धन या जन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जान-कर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनिजय, या धन-कर अधिनिजय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना थाहिए था, कियाने जें श्विता जी किए।

चतः सन उत्तर संचितियम की भारा 269-म स सन्चरण में, में, उदर अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीस, निम्नोमिसित व्यक्तियमें, सभारा म—

- (1) मेसर्स प्रस्य कल्स्ट्रकरान कंपनी 1/2 सो० प्रान्तो भवन डा० प्रार० पा० रोड, म्लंद बम्बई। (भ्रन्तरक)
- (2) प्रवाण द्वारका दास णहा 1023 सदाशिवपेठ इह्सी" 204 विशाल हाउसिंग सोसायटी पूना--30 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कम्प्रतिहिंगां सुरू करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाओंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जनिंध, जो भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो. के जीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्द्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वत्वक्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सभ्या शर पर्यो का, जो उनस् अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो नस अभ्याय में विसा नवा है।

## ग्रन<u>ु</u>भूकी

जैसाकी रजीस्ट्रीइन्त क्रम सं० 37ईई/3233/85-86 जो प्रगस्त 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक :-- 7-- 2-- 1986 मोहर : प्रकृष् नाइ. टी. एव. एस. -----

भाभकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में मधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 पूना

पूना, दिनांक 7 फरचरी 1986

निदेश सं 37ईई/2928/85-86---- प्रतः मुझे प्रतिल कुमार

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सकाम प्राणिकारी को, वह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० गोडाऊन नं० 1, सर्वे नं० 140 हिस्सा 3, 4, 5, 7, 9, 10 और 14 पूर्णे गोब तथा भिवंडी जि० थाना क्षेत्रफल 2600 चै० फुट में स्थित हैं (और इसरो उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजीस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय सहायक प्रायकर शायकन (िरीक्षण), प्रार्शन रेंक/मब रिजस्ट्रार रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक धारस्त 1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्डोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्निलिसित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को शिक्षा आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या अनक अधिनियम, या अनक अधिनियम, या अनक अधिनियम, या अनक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छे प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः वन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
5—6 GI/86

(1) श्री जवलकेत के० देढ़ीया 17 इप छाया मूलंद (बेस्ट) बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स जे० महेश कुमार एण्ड कंपनी 6/18 संजय मित्तल इस्टेट सं० एम० व्ही० रोड, श्रंधेरी (ई) बम्बई

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धावन में किए वा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयैक्त भन्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्क गया है.

#### वगस्य

जैसाकी रजीस्ट्रीकृत कम० 37ईई/2928/85-86 जो धगरत 1985 को सहायक प्रायकर धायकत (तिरीक्षण) धर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> मनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

दिनांक :--७ -- 2--- 1 ७०७ मोहर :

#### हिस्स बाहा हो एम् एस -----

# भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीम सूचना

#### बाइद संद्रकृति

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 फरवरी 1986

निर्वेण सं० 37ईई/2166/85 36---श्रतः मुक्ते, श्रनिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ु69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित् बाजार स्ट्या 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं० 201, मर्वोदय प्लाट नं० 29-की नेक्टर नं० 4, वामी नया मर्वोदय कुष्प्रांपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लि० है तथा जो वसई में स्थित है (और इसमे उपावद कनुपूची में और पूर्ण रूप से स्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रविक्षारों के कार्यालय महायक प्रायकर प्रायुक्त (विरीक्षण) प्रजेत रेंज सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 1908 का 16) के प्रधीन दिनोंक जुलाई 1985

की पूर्विभक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रमभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल में, एमें द्रश्यमान प्रतिकल का न्यह जीनल में मधिक हो और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निभ्नमिकित उद्योग से उन्त अंतरक मिकित भें बास्तिक क्या निभ्नमिकित उद्योग से उन्त अंतरक मिकित भें बास्तिक क्या में क्यान नहीं किया बवा है क्या

- (क) अन्तरण में हुंई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनिजय के सभीत कर दीने के बन्तरक के दाधिन्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हैं लग्द; नरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियाँ की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निवधा के सिए।

कत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :---

- (1) मेसर्स गृह बिरुड्स 40-41 विशास शापिम सेंटर सर एम० ब्ही रोड, श्रधेरी (ई) बम्बई (श्रन्तरक)
- (2) पी० सुखरामन्  $\xi_1 4_1 2_1 1$ , सेक्टर नं० 1, वसर्द नर्द्द बम्बर्द। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पक्किरण: — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्ची

जैसाकी रजीस्ट्रीकृत कम० सं० 37 ईई 2166 85-86 जो जुलाई 1985 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तिरोक्षण) भ्रजेंन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक: 17-2-1986

मोहर:

## इपन मार्च च दौत प्रपत प्रचेतन्त्रा

# बावकार निर्मितवन, 1961 (1961 का 43) की पाछ। 269-व (1) वे बचीर सूचना

#### THE PERSON

## कार्यांचय, सङ्ग्रहक नामकर मापुनत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्वेश सं० 37ईई/4170/85→86---श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 1,00,000/- रूज. व जीभक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 131, हिस्सा नं० 2, भिवंडी कामठघर भिवाडी है लया जो भिवंडी में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहाय त आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज/ सब रिजस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीत, विनोक जितम्बर, 1985

को भ्योंकत सम्मत्ति के उचित्र साथाह ब्रुंच्य से कम के अवसान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का क्रारण है कि स्थापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मूक्य उसके ध्वयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्वयमान प्रतिफल का पत्सह प्रतिशत से जिभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिचित उद्योग्य से उक्त कृत्तरण जिनिकत में शास्त्रिक कम से किंदित नहीं फिल्मा ग्या है ॥——

- (क) कलाहम से शुर्श कियाँ काव की नावत अनव वीधीनवन के नधीन कर दोने के जलाहक के कवित्य में कनी करने वा उचने वचने में वृत्तिया के जिए; भीर/वा
- (क) देवी किसी जान वा किसी पन वा अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय नावकर निधिनयम, 1922 (1922 को 11) वा उनत विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम 1957 (1957 को 27) के प्रवासनाय नन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किसा दवा ना वा किया साम सहिद्य ना, किसाने में वृत्यिया में विद्यु;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जें. मैं, गुक्त:अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) इं क्यीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, वर्षात् ६—

- (1) श्री रानमल नथु दोधिया कर्ता—श्री अमृतलाल रानमल दोधिया, 69/10, प्रवीण मन्धान, लादन यान (डब्ल्यू) बम्बई। (अन्तरक)
- (2) श्री हलारी बिसा श्रोस्वाल शामजी रणजीत स्टूडियो के सामने, दादासाहेश फालके रोड, दादर बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूनाँवतः सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रुपय सम्मिति के वर्षम के सम्बन्ध के न्यार्थ भी आवन्ति :---

- (क) इस प्रवा के राष्ट्रक के प्रकारत की साडीब के 48 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्थविकरण :-- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्वी

जैसा कि रजिस्ट्रोकृत कु० मं० 37ईई/4170/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> धनिल कुमार सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, प्रना

दिनांक: 11-2·1986

म। र :

#### प्रकृप बाह् . धी. इन . एस . ------

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचका

#### भारत सरकार

## कार्याधम, तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्ष्ण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई<sub>|</sub> 4168<sub>|</sub>85-86--म्रतः मुझे, धनिल कुमार,

बाबकर अधिनियक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पक्चोर 'उति अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सका प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार कृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी मं० सर्वे नं० 131, हिस्सा नं० 2, मिवंडी
कामठघर भिवंडी हैं तथा जो भिवंडी में स्थित
है (और इसमें उपाबह अनुभूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निर'क्षण) अर्जन रेज/सब रिजिस्ट्रार में रिजिस्ट्रीकटण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कृत्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नंबह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की यावत, उन्त मिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दावित्य वे सभी करने वा स्वसं अवने में बृश्विभा के लिए; और/वा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वै, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के नभीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मेसर्स रोहित टेक्सटाईल्स 44 व्यापारी केन्द्र भस्जीव बन्दर रोड, बम्बई।

(अन्तरकः)

(2) हलारी व्हीसा ओस्वाल शामजी रणजीते स्टूडियो के सामने दावासाहेब फालके रोड, दावर बम्बई। (अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

#### बक्द सर्वित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की सर्वीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म किस ब्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास सिचित में किस का सकेंगे।

स्वक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में विचा गया है।

#### अनुसूची

जैसाकी रजीस्ट्रीकृत ऋम० 37ईई/4168/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ्यितल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिन**िक**: 11-2-1986

मोहर :

# एक्प बार्', हीं, एप, एक.------

कायकर क्रिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सूचना

#### भारत ब्रुकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिसांच 26 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2/जुलाई 1985—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल त्यकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2ए, ग्रिन्बेस् रोड, राजा अण्णामलैपुरम्
2. विषप गार्ड हैं जो राजा श्रण्णामलैपुरम, मद्राय
28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रुप से विणित्त है), रिजस्ट्री क्रिता अधिकारी के कार्यालय
मैलापुर लेख सं० 821/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांक
जुलाई 1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बंद्रह प्रतिसत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अतिरित्यों) के बीच एसे बंतरण के निए तय पामा गया प्रति-कल निम्नलिसित उन्देश्य से उक्त बंतरण जिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ते हुइ किती बाव की बावत शक्य अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कभी करने या उससे अकने ने बुविधा के लिए वरि/मा
- (वं) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिमाये में स्विभा खें सिए;

जराः अव, उक्त अभिनियतं की भारा 269-य से जनुसरक में, में, विक्त अभिनियम की भारा 269--म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, क्यांत् ध--- (1) हावी एस० मुहमद इक्बाल।

(अन्तरक)

(2) मेयस मोहन श्रूकरीस एण्ड कठपनी डिस्टिलरीस लिमिटेर।

(अन्त रक )

का यह स्वाम बारी करके पृथ्वित स्वाति कं वर्षन् के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हुं।

#### वनक् बन्नारक के वर्षन् के बन्नान्य में कोई भी नामांप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवहुव किती अन्य स्थाक्त द्वारा अधोइस्ताक्षरी के
  पास सिवित में किए वा सकर्नि।

स्था किएक: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, कही कर्य होगा जो उस कथ्याय में दिया भया है।

# अनुसूची

भूमि भ्रौर महान 24 ग्रीनवेस रोड, राजा अण्णेमलम् मलैपुरम् मब्राल 28 मैलापुर लेख सं० 821/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जम रेंज-2, मद्रास

दिनां क : 26-2-1986

# प्रकार आहे. हो. एम्. एवं. -----

कायकार अधिनिया:, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

#### मारत सहस्रह

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, मन्नास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्वेश सं० 157/जुलाई 1985—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित शाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 67 सीतम्मा रोड, आलवारमेपेठ मद्रास 18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसणी में श्रीर पूर्ण कर में विशित्त है), रिजस्ट्रीवर्ता अधितारी के त्यांत्र्य मद्रास सेंद्रल लेख सं० 696/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों ह जुलाई 1985

कर पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः अन्त, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरण नं, मं, उक्क वीभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के सुभीय, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ∴— (1) श्री एस० रामस्वामी अथवा चौ०।

(अ•सरका)

(2) मेरार्स मद्रास रिफैनरीस् लिमिटेड। (अन्तरिती)

सी वह सूचना बादी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवात्रियां करता हो।

#### बक्त सम्पत्ति के प्रचीन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिमियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चंदा हैं।

# वग्याची

भूमि श्रौर मकान 67 सीतम्मा रोष्ठ, आलवारपेठ मद्रास 18 मद्रास सेंद्रल लेख स० 696/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनौंक: 4-3-1986 मोहर: प्रकर् नार्षः दीः पुर्नु एक 🗈 🗝 😅

# मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घं (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

# कार्याक्य, तहायक वायकर नायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनाँक 6 सार्च 1986

ि क्विंश सं० 4/जुलाई 1985—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 फ्लोर प्लाट ए~1, नैयागरा अपार्टमेंटम्, है जो सं० 1 स्टिंगि रोड, नुंगम्बाव म् मद्रास—34 में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्ण विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय थौसण्डलैटम, लेख सं० 328/85 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक जुलाई 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उक्दिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, खबर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एंसी किसी बाय या किसी अन या बन्च बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के किए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थातः :---

(1) श्रीमत्ती मं.स्री कुरु विरुह्या।

(अन्तरक)

(2) मेश्वर्स दिगम एण्ड सन्स (एच० यू० एफ० (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# क्वत बंदरित के वर्षन के संबंध में कोई शी शाक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में में किसी क्यक्ति दवारा
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब हे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्भ किसी शक्त म्यक्ति ब्यारा अभोइस्ताक्षरी के पार विविद्य में किए वा सकति।

स्पच्छीक्डरणः—हसमें प्रवृक्त खट्यों और वदों का, जो उपल अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कथ होता. जो उस अध्याय में दिवा स्था है।

#### मनुज्ञी

प्लाट 1 फ्लोर ए-1 नैयागरा अपार्टमेंटस् सं० 1 स्टर्लिग रोड, नुंगम्बाककम मद्रास, 34 यौसन्डलैठस, लेख सं० 328/85

> श्री मती एम॰ सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनां ह: 6-3-1986

मोहर;

## प्रकथ बाल्डी, टी एन, एस. ----

# कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के सभीन सूचना

#### बारत सच्छार

## कार्यासय, सहायक जावकर बाब्यत (विरोधक)

अर्जन रेंज-2, मदास

मद्राय, दिगांक 4 मार्च 1986

भिर्देग सं० 5/जुलाई 1985---अतः मुझे, श्रीमती एम०

साम्बेल,

शासकर प्रधिनिस्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्तका उचित वाकार मृत्य 1,00,000/- रह. से **अधिक ह**ै।

क्रौर जिपको सं० भूमि आर० एस० सं० 547/16 हिस्सा क्रौर 547/4 हिस्सा है, जो बनाक सं० 32, प्लाट सं० 11बी एल ए० मं० 38/71 ,स्टर्लिग गोड-III कास स्ट्रीट मद्रास--34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत में श्रीर पूर्ण रूप से विणि है), रजिस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय, शौसन्डलैटसलेख सं० 331/85 में भारतीय रजिन्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985,

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करममाद प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ले संपत्ति का अचित बाजार मृल्य, **टसके इ**प्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरच के लिए तय पाया मवा प्रतिफन, निम्मसिवित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण जिल्हित वें वास्त्रविक रूप से कवित नहीं दिवन क्या है ह---

- (क) सम्लरण सं,हुद्द किसी भाष की शायदं, मधिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व ए कमी करने या जससे ब**चने** में स**विभाक्षे जिए**: नीह/या
- (क्षा) धोसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तियाँ क जिल्हा भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम्, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) 📽 प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया थायाकिया बाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के लिए;

कत्त: अब, उक्त जीभीनवम की भारा 269-ए के जनुत्तरण में, में उकत अधिनियम की भारा 2,69-थ की उपभारा (1) के क्रेरीन, निज्निलियत व्यक्तियों , अवर्गत ए---

- (1) श्रीमती सी० त्री० राजेश्वरी अम्माल (अन्तरक्)
- (2) श्री एस० शंकर ग्रीर 2 अन्यों (अन्तरिती )

को बहुसूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निप \* गर्यवाद्वियां कारता **ह**ूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वानाको राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख 45 विम की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अन्वधि, को भी **बबीध बाद** मों समाप्त होती हते. के भीतर पर्वोदाः **व्यक्तियाँ** में से किसी व्यक्तित ब्वास:
- (च) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिचित में किए का सकेंगे 👍

**ल्लाकरण:— इसमें** प्रयुक्त सब्दों और पद्यों का, जो उक्त **अधिनियम के अ**ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्भ होगा को उस कथ्याय में दिया नवा है।

#### मन्स्चा

भ्मि श्रौरशैंड आर०एस० सं० 547/16 हिस्सा श्रीर 547/4 हिस्सा ब्लाफ सं० 32 प्लाट सं० 11 बी एल० ए० सं० 38/71 स्टर्लिंग रोड $,\;3$  क्रास स्ट्रीट मद्रास $-34,\;$  थीसन्डलैंठ्स लेख स० 331/85 ।

> श्रीमती एम० साम्बेल ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

दिनांक : 4-3-1986

 श्रीमती सी० वी० राजध्वरी श्रम्माल। प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० एम० कृष्णाम् नि। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(धन्त्रस्ति)

भारत सरकार

269-भ (1) के अभीन स्चना

क्लर्थालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश मं० 6/जुलाई 85---श्रतः मुझे , श्रीमती एम० सामवेल

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्गे: इतके पश्यात् 'अक्त सिधनियम' कहा नया ही, की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 /- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भार० एस० सं० 547/4 हिस्सा ---ज्लाक सं०-32 प्लाट सं० 11ए है, जो एल० ए० सं० 38/1971 स्टिलिंग रोड़ III कास स्ट्रीट मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय थीसन्डलेंट्स लेख मं० 332/85 में भारतीय रिजस्दीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्थं, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क**थित नहीं किया गया है**:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---6-6 G1/86

को यह सचना जारी करको पर्योक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

भूमि और मकान--न्धार० एस० मं० 547/4, हिस्सा ब्लाक सं० 32, प्लाट सं० 11ए, एल० ए० सं० 38/1971 स्टलींग रोड़- III कास स्ट्रीट मद्रास-34 थांसन्डलेठ्स---लेख सं० 332/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, मद्रास

तारीख: 4-3-1986

#### प्रक्ष नाहै .दी .एन .एक . ------

शावकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के कपीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेज-2, मदास

मद्रास-2, दिनांक 4 भार्च 1986

निर्देश मं० ाजुलाई-85--धनः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नायकर निभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ष्लाट ( III फ्लोर) 59, तुंगरवाचकम रोड़ है, जो मद्रास-34 में स्थित है (ऑर इसने उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, यांसन्डलैंट्स लेख सं० 346/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विक्थास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार ब्रुच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफस का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पासा गया बरिफल निम्निलित उद्देश्य से स्वस्त अन्तरण लिकित के नाश्तिक क्ष्य से कांचित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण स हुइ किसी बाय का बाबत. उत्रक्त नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य कें कमी करने या उससे अचने में सुविका के लिए;
- (क) एसी किसी जाब या किसी वन था बन्च जास्तियों कार्ते, जिन्हों भारतीय जाबकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रतिसाध जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रशास या वा किया जाना वाहिए था, क्रियाय में नृतिभा औ लिए;

बत: बब उबत जीधीनयम की धारा 269-ग के बन्धरण बें, बें. उकत अधिमियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे बगीन निकासिकत स्थितिकारें, उसके हुस्स्स

- 1. श्रीमती स्वराज पोन्नधा कुमारी वंदना पोन्नधा। (ह्रान्तरका)
- 2. श्रीमती श्रनीता गोपीनाथ।

(भ्रन्तिरेनी)

को यह सूचना जारी कारके प्योंकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाकों द्र---

- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 विज की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीं से 30 विन की जबीं , को भी वबीं । बाब में समाप्त होती हो, को भीतर पूजीं कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थानित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकेगें।

#### भ्रनुसूची

ब्लाट नं (III पलोर) 59, नुंगस्बाक्कर है रोड़, मद्रास 34 थीमन्छलैठ्स--लेख सं 346/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ार्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 4-3-1986

प्रकल बाह्".डी.एन.एड. ------

बायकर बिविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मधीन स्वना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जनः रेज-2, मद्रास मद्राम-II, दिनांक 4 मार्च 1986

11/जुलाई 1985 ---श्रतः मुझे, श्रीमती निर्देश म० एम् माम्बल,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्यात् 'त्रवत अधिविधम' कहा गया है'), की धारा 269-क के मधीन सक्तम प्राप्तिकारी को यह विकास करने का **अपरण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित** राजार मृल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं० 15, प्लाट सं० 2 ऑहर 3 प्लाट मंबारन रोड़, लेडी माधवन कालोनां है, जो महालिगपुरम, मद्रास-34 में स्थित है (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, थीसन्डलैठ्स लेख सं० 348/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1903 का 16) के श्रधीन तारोख जुलाई 1985

को पूर्वोदश सम्बक्ति के छीचत बाजार मृत्य ते कन के स्वयमान प्रक्रिक के लि**ए अन्दरियों की गई** कीर मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि वकाप्**नोंक्ड** सम्पत्ति का उचित नाजार मुख्य, असको सम्बन्धन प्रतिपत्र्य से, देसे स्वयमान प्रतिपत्रस का पन्तह प्रधिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्हरियी (बन्तरितियों) के बीच एंडे बन्तरम के सिए तय गम्भ यया प्रतिफल्ल निम्मजिनित अनुवर्षय है उपन सम्बर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अप्रतरण से हुन्द किनी नाम की बाबत , अन्त जीभीत्यम के जबीन कर योगे के क्यारक के द्यायित्व में क्यी करने या उससे क्यने में हविका के मिए; जौर/या
- 🗥) ए**'वी किसी बाय या किसी धन या जन्म जारि**सकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ·(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए या फियाने में सुनिधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीप्रक्रित व्यक्तिं, वर्षांह र---

1. श्रीमती हबीबा बबीवी।

(श्रन्तरक)

2 श्रीतिज् पुत्रूस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियाँ पद यूचना की वाबील से 30 पिन की अवधि , जो की संबंधि बाद में ब्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (थ) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की शासीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितकाष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास सिचित में निक्र चासकों गे।

ल्बच्चीच्यचः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जां उक्क विभिनिषयं के बध्यायं 20-क में परिधाणित है, वहीं अर्थ होना, को उन अध्याय में दिया नग 🗗 ।

#### मन्स्ची

भूमि और मकान -- प्लाट सं० 283 डोर नं० मं० 15,पालठ शंकरत रोड़, लेडी माध्यत कालोनी, महालिगपुरम मद्रास-34। थीसल्डलैट्स लेख मं० 348/85

> श्रीमती एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

📆त।रीख: 4-3-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री एम० ए० विन्सन्ठ।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स प्रेमदेव एक्स्पोर्टस।

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० 14/जुलाई-1985----- प्रतः मुझे, श्रीमती एम.० सामुबेल,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्थीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि लावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 11, चौधरी कालोनी, स्ट्रलिंग फस्ट, कास रोड़ है, जो मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय योसन्डलैट्स लेख सं 363/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वकित संस्पास के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान पातिकस के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एोसे क्यमान प्रतिकत का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिकत्त का निग्निलिंकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिवक अप से कोशट महीं किया बना है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; कार/या
- (च) पंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, वा धन- वा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ; अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकोंग।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

भूमि और मकात--11, चौधरी कालोनी, स्टर्लिंग फस्ट कास रोड़, मद्रास-34, थांसन्डलैठ्म--लेख स० 363/85।

> श्रीम**ती** एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप बाइ . टी. एत. एत.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1986

निर्देश सं० 16/जुलाई-85----श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० व्लाट सं० सी-16 सिख्को सं० इण्डस्ट्रियल काम्पलकम श्रम्बतूर इस्टेट हैं, जो श्रम्बतूर मद्रास-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णात है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मद्रास दो उत्तर लेख सं० 2127/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1985 तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के सिए इन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से एसे ब्रह्ममान प्रतिफल का पंडह प्रतिखत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अन्त नियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा को लिए; और/या
- (क) छनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

जतः जज, उन्त जीभीनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण जै, जै, उक्त अभिनियमं की भारा 269 व की उपभारा (1) के अभीन,, निम्निशिवत व्यक्तियों, वर्षात :---- 1. श्री एस० वी० रागवन।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सदन टूल रूमस प्राइवेट लिमिटेड।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ इंगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

धनुसूची

भूमि और मकान→-प्लाट सं० सो०-16 सिङकों सं० इण्डस्ट्रियल काम्पलक्स प्रम्त्रत्त्र इस्टेट, मद्रास उन्तर लेख सं० 2127,85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, मद्वास

तारीख: 6-3-1986

मोहरः

प्रकम आई.टी.एन.एस.-----

# वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिन्तंक 6 मार्च, 1986

निर्देश सं० 18/जुलाई-85---श्रतः मुझ श्रांमती एम० सामुबेल

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० 37ए, बांत्तगाह गांच---गांच रोड़ (स्ट्रांट) है, जो तिक्तोट्टिथूर मद्रास-19 श्रार० एस० सं० 237/1ए में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता शिक्षकारी के कार्यालय 237/14ए निक्नोट्टियर लेख सं० 2249/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापवींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तविक रूप से किथत नहीं कया गया है हिन्स

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हां भारतीय बाय-अन्य जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिए;

बत: खब, उक्त श्रीधनियम की भारा 269-न के अनुसरभ पं, भें तक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) चं प्रधीन निम्तसिखित, व्यक्तियों, वर्षात ः---

- श्रीमती हम्सा शेपम्मा हम्सा कृष्णैया और रवीचंद्रा। (भ्रन्तरक)
- श्रोमती श्रोमुण्ड/स्वरी और जी० जगदीशन्। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाओंच :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार
- (च) इस सूचर के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 रिंक भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक हैं वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया गया है।

et ed

भूमि और मकान- $\sim 37/0$ , विलेज स्ट्रीट सात्तत्तंगाडु गांव तिरूवोट्टियूर मद्रास-19 प्रार० एस० सं० 237/1डी 237/140 निरुवोट्टियूर लेख मं० 2249/851

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6।

तारीख: 6-3-1986

# शका धार्च .सी.एन.एव .,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### मारत प्रत्यार

# कार्यासम, सहायक भायकर जास्कत (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1986

तिर्देण मं०  $22/\sqrt{3}$ लाई 35--5तः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसको सं० मेडवाक्कम ठाक रोड़ पुरणवाक्कम है, जो आर० एस० सं० 3173/78 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण कप मे विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पुरणवाक्षम् लेख सं० 1248/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षायमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वों का संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, ए'से क्ष्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अभिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नितिस्त उद्देश्य से उच्त बंतरण कि सित में बास्तविक क्य से कथित नहीं कि वा क्या है :--

- (क) बन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त सिषिनियम की अभीन कर दोने के बन्तरक की दाबित्य में कमी करने या उक्तसे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी जाय या किसी अन वा जन्य जास्तियां की, जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं शतः शवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरक में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलि**शित स्पन्तिनों, धर्मात** क्ष्मान 1. श्रा बार एव जगन्नाथन।

(श्रन्तरक)

2. श्रो एम० एच० श्रब्दुल मजीद।

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर सम्परित के अर्जन की संबंध में कोई भी बाभांच :---

- (क) इब स्थान के राषपण में प्रकाशभ की तारीच ते 45 विन् की जनभि या तत्सम्बन्धी स्थानतयाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अवृति बाद में समान्त हाती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस ब्राथन के राज्यक को प्रकाशन की शारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर शस्पत्ति में हित्बप्थ फिसी खन्म कावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किरवत में किए था सकति।

त्पस्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त पब्कों और पक्कों का, को उपल अधिनियम दें अध्यात 2()-का में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्ची

भूमि और मकान ---महवाक्कम ठाक रोड़, पुरणवकक्म श्रार० एस० मं० 3137/78 पुरणवाक्कम लेख सं० 124*5*/ 85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकः शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

ता**री**ख: 4-3-1986

मीह्र :

# प्रस्य नार्दे. टी. एन. एच. अन्य-अन्यन्त्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

भार्यालय, महायक वायकर बायुक्त (निर्धाक)

श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० 26/जुलाई 85----ग्रतः मु**से, श्रीमती** एम*०* साम्बेल

कासकर लिशिनसम, 1961 (1961 का 43) किये इसकें इसकें प्रशाद 'उक्त निश्चिमम' कहा गया है), की धारा 269-स के नवीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव पर्लंट II पलोर श्रकवराबाद स्ट्रीट कोश्रम्बाककम् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय कोश्रम्बाककम्, लेख संव 2077/85 में रजिस्ट्रीकरण धर्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्याना प्रितफल के लिए अन्दरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करन का फारण है कि सभापूर्वों तत सम्पत्ति का उचित बजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिभक्ष से किथक हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंदरियों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय नामा गया प्रतिफल निम्निवित उच्चें स्म से उक्त अंतरण तिवित ने वास्तीक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (कां पंतरण से हुार्स किसी जान करें पचत, उपत किमिनसमर्ग अधीन कार दोने ' अंतरक के शामिल्थ सो र शी कारने सा उसते स्थने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) इसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तिकों की बिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपानं में मुनिधा के बिका?

हत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमृबर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियिस स्पणितमाँ, नर्पात के

1. श्राबी० ग्रासंद शव।

(अन्तरक)

2. श्री टी० जोसेफ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्ह सम्पर्दित के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तमों में से किसी व्यक्ति द्वारा .
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उदल स्थायर सम्बाध भी हित्र अपन सिसी कम्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सबोगें।

स्पष्टिकिरणः ---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अभ्याय कें दिया वस है।

क्या प्राची

पलैट-II पलोर----श्रकबराबाद II स्ट्रीट कोडम्बाक्कम् मद्रास, कोडम्बाक्कम लेख सं० 2077/85 ।

> श्रीमतीएम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-3-1986

# प्रकथ कार्च . टी . एन . एस . अ न २ ल--न

# बायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के वभीन स्थाना

#### भारत जरकार

क्जमीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, मद्रास

मद्राय, दिनौंक 6 मार्च 1986

निदेश सं० 33/जुलाई 1985--श्रतः मुझे श्री मती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकार प्रकार 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं). कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,090/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मुरूगेण नगर, 109 पूलियूर गाँव टी एप सं 4/2 हिम्मा जी ब्लाक सं 45 में स्थित है (श्रीर इमसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडम्भवाककम लेख सं 2252-85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ट है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथगप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ररयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निरु तय पाया गया प्रतिकल, निक्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी याय की बाबस, तक्ष्य मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाचित्व में अभी करने वा उससे बचने हैं हुनिया के सिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय बाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन्यत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयां अन्यां अन्तियों वासी वासीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया बाना वाहिए था, कियाओं के सुविभा के जिल्हें

अतः अवः, उवतः अभिनियम की भगरा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत जिथिनियम की धारा 269-थ की जपभारा (1) ले जधीन जिथिनियम किवानी के विश्वीत किवानी किवानी के विश्वीत किवानी के विश्वीत किवानी किवानी

(1) विजय लक्ष्मी भारकर श्री शास्कर।

(श्रनारक)

(2) एम० वामुदेवन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपिक्य करता हो।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोमें भी जासीब अ-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की कामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### **पनुसूची**

भूमि भ्रौर मकान 8 ए मुरूगेश नगर, 109 पुलियूर गाँव टी० एस० सं० 4/2 हिस्सा ब्लाक सं० 45 कोडम्मबाक्कम लेख सं० 2252/85

> श्री मती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनौंक: 6-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 2, मद्राम

मद्रास, दिनौंक 6 मार्च 1986

निदेश सं० 37,जुहाई, 1985--ग्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की बारा 269- के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4 प्रिवन्य अशोक नगर है जो मद्रास 83 स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कोडम्बाककम लेख सं० 2303/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित्त बाजार मूल्य से कम के स्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल मे, ऐसे स्थमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिकृत से ग्रीयक इ

और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को

बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलि**चित** उत्दिच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा

नही किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बायने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर दक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, भिंडिंग (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

४२ ४२. २२९ श्रीधिनयम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तितवों, अवसि :--- (1) टी० एम० देवित।

(ग्रन्तरक)

(2) एम • प्रविनाय (माहनर) श्री मोहन की पत्नी गार्डियन एम • राजेश्वरी।

(ग्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपन्न में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अजिति सा नत्संत्रंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर उद्यास्थायर संपक्ति मो हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्तित द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति मो किए जा सकोने।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गरा है।

# अम्स्ची

भूमि ग्रौर मकान 4थी श्रविन्यू ग्रशोक नगर मद्रास 83 कोडम्बाक्कम लेख सं० 2303/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजी हैंग-2, सद्वाप

दिनाँक: 6-3-1986

(भ्रन्तरक)

प्रकल काहें. टी. एत. एवं.-----

नामकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-स (1) के अभीन मुचना

भारत कुरकार

कार्याक्य, शहायक नायकर वायुक्त (निर्देशक)

भ्रजीत रेंज-2, मब्रास-6 मद्रास, दिनाँक 6 मार्च 1986 निदेश सं० 39/जुलाई 1985--श्रतः, मुझे श्रीमती एम० साम्बेल र

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इबकें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विस्वास करने का कारण पंकि स्थावर सम्भत्ति, भिसका उवित वाजार व्यव 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी संब प्लाट संब 451 आरव केव पण्मुगम रोड, केविक नगर ग्रारव एसव संब 418 हिस्सा श्रीर 419 हिस्सा है तथा जो मद्रार 78 में स्थित है (श्रीर इत्से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से श्रीणत है), रजीस्द्रोत्तर्ता श्रीधागरी के कार्यालय कोडम्बा-क्कम् (लेख संब 2320/85) में भारतीय रजिस्द्रोत्तरण श्रीधिनयम 1903 (1908 का 16) के श्रीधान दिनाँक जुलाई 1985 को पूर्वोक्त संपरित के अधित गाजार मूल्य में कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की रक्ष है और मुझे यह विषयत करने का कारण है कि स्थाप्चोंक्त सम्पत्ति का उपाद बाजार मूल्य, उसकी ख्रयमान प्रतिफल से एवं क्यमान प्रतिफल का कारण है कि स्थाप्चोंक्त सम्पत्ति का उपाद का मान्य, उसकी ख्रयमान प्रतिफल से एवं क्यमान प्रतिफल का कारण है कि स्थाप्चोंक्त सम्पत्ति का रिक्त का कारण हो कि स्थाप्चोंक्त सम्पत्ति का रिक्त का कारण हो कि स्थाप्चोंक्त सम्पत्ति का स्थाप श्रीतफल का कारण है कि स्थाप्चोंक्त सम्पत्ति का स्थाप प्रतिफल का निए तम पावा ग्या प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त कन्तरण कि कित विचत का बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्मपुष्य संहुद्धं विश्वती आयु क्याँ वायकः, स्वयस्य अभिनित्रभावते अभीन कर यांने के अन्तपुष्क से सामित्व में कानी कान्ये या सम्बद्धे स्थाने में सुनिया के शिक्षः सार्थिना
- (ज) एसी किसी अाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिम्हें आरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा कियानी में का भा के जिल्हें,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती एन० सुशीला।

(2) श्री बी० गणेश।

श्रा वा० गणक्ष। (श्रन्तरिती)

की वह बुचना चारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

## उक्त सम्पत्ति में वर्षन के सम्बन्ध में कीड़ भी आक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पटिकिरणः---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### गमस

भूमि श्रौर मकान प्लाट सं० 451 श्रार० के० षण्मुगम रोड, के०के० नगर, मद्राम-78; श्रार० एम० सं० 418 (हिस्सा) श्रौर 419 (हिस्सा) कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2320/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

दिनाँक: 6-3-1986

प्रकृप करार्थ . टी . युव . एस . -------

बायकर विधिनियम, 1961 (१961 का 43) की भारा 269-व (1) वो वधीन सुवना

#### बार्ड स्ट्रांड

कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्राम मद्रास, दिनाँक 6 मार्च 1986 निदेश सं० 40/जुलाई 1985→ ग्रनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें ध्रमकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिक्ष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार ग्रम्य 1,00,090/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० गिल नगर एक हिंगत 2, गाँव सं० 109 टी० एम० सं० 97, ब्लाह मं० 12 है तथा जा मदान-94 में स्थित है (श्रौर इनसे उपात्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीहर्ती प्रधिकारी के कार्यालय को उम्बाक्हम् (लेख सं० 2353/85) में भारतीय रिजस्ट्रीहरण 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों हे जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रहसवान प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य, उसके काम्यान प्रतिकाल से धुन्ने कारणान मुख्य, उसके काम्यान प्रतिकाल से धुन्ने कारणान मुख्य, असके काम्यान प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उप्दोक्य से उक्त अन्तरण कि बिहा से बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संदुर्भ किसी आय की बाबत, उन्ध त विधिनिषय के बचीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे यजने में सुविधा के स्थिए; कीर/दा
  - (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में लीक्या के जिल्हा

नतः ननः जन्त निमिनमन कर्म भारा 269-य के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की लपभाश (1) में अधील, निम्निनिसित व्यक्तिसर्थे अभीतः :— (1) के॰ ग्रस्ताफ हुसैन।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० के० भ्रनवरुद्दीन।

(श्रन्तरितो)

को बहु सुचना बाहाँ करकं पूर्वांक्य सन्परित से कर्जन भी हैस्स् कार्यवाहियां सुक करता हो।

तकत सन्दरित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई नी वालेंच :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के अन लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्योदक्षाः ----दसम् प्रयावस शब्दां और पदां का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

भूमि---गिल नगर एक्सटेन्शन 2, सं० 109 टी॰ एम॰ सं॰ 97, ब्लाक सं॰ 12, मब्रास-94 कोडम्बाक्कम् (लेख सं॰ 2353/85)

> एम० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज 2, मद्रास

दिनौंक :- 6-3-1986 मोहर:

# म्हन् वार्'् वी. १न . एव अन्यानवननननन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में अधीन स्वना

#### बारत कुरुकार

# कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिक)

धर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1986 निर्देश सं० 121, जुलाई 1985 --ध्रतः मुझ श्रीमती एम० नामुबेन,

भाषकर जिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उजित बाबार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० टी० एस० नं० 6 ब्लाक सं० 14 कोठूर जमीन श्रध्यार है जो गाँव मद्रान 85 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण ६प से विणत है), रजोस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय श्रष्टयार लेख सं० 1764 में भारताय रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम 1908 (1998 का 16) के ग्रधीत दिनाँक जुलाई 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति को उचित नाजार मूल्य से कम को दश्यमान शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) को बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फस, निस्कृतिकृत उद्दाह्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- कि क्या स्था से किया नहीं किया चना है है—

- (क) अन्तरण ते हुई जिली बाय की बायत, उक्त अध्यानयध्य श्रे अधाव कार की के धम्लाक के दरियस्य में काओ काइने वा उच्चते क्वाने में सुविधा की श्रेष्ट्, लोड/का
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिल्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्;

अतः अतः अतः अप्ता जाँभिनियम की भाग 269-त के जनुसरण को, मी, तका निमिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के अन्धिन, निम्निसियद अधिन्यों अर्थीत के अन्धिन, निम्निसियद अधिन्यों अर्थीत के

- (1) मुस्ताज श्रीमती बेगम और श्रह्मद वरीफ। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एनः देवराज

(भ्रन्तरिती)

भी बहु तुषका जाड़ी करके पृथालत सम्मन्ति के अर्थन के । जाब कार्यवाहियां करता हैं।

# वन्त सम्पत्ति में वर्षन में कम्बन्ध में सोई मी शासोप b--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विश्वती व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म स्थावत क्षारा अभोइस्ताक्षरी के पास शिवित में किए जा सकोंने।

रमक्कीकर्णः -- इसमी प्रयूक्त वन्धे और रखें का, वांडक्त अभिनयम के जध्याय 20 -क मी वेरिभावित है, नहीं अर्थ होता को उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 6 उब्जाक सं० 14 कोट्टूर जमीन श्रहवार गाँव मत्रास-85 में लेख सं० 1764/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-II, मद्रास

दिनौंक: 4~3-1986

# व्यक्त नाव<sup>र</sup> . ठी . पन् . यस ुनन्न-----

# जावकर जिमिनसमा, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-খ (1) के अभीन सूचना

#### भारत वरकार

# कार्यासम्, सहायक वामकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6 मद्रास, दिनाँक 6 मार्च 1986 निर्देश सं० 122, जुलाई 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रोरिजिसकी सं० ध्वाट सं० 35 कपगाम्बाल नगर कोट्टिवाक्स गाँव है जो शेदापेठ तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुम्मी में श्रीर पूर्ण रूप में विध्यत है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीष्ठकारी के कार्यालय श्रद्धधार लेख सं० 1818/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के दूरयमान विद्याल के निष् बन्धरित की गई हैं जार मुक्ते यह विक्याल करने का कारण हैं कि उचापूर्व क्ते सम्पत्ति की उच्चत वाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन् रिती (जंतरितियाँ) के बौक एते अंतरण के निष् तम पामा क्या प्रतिकत विक्विश्वित उच्चक्य से उक्त अंतरण निविद्य में बास्तिक रूप से स्थित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से द्वार्क किसी जाब की बाबत, उक्त ब्रिशिनसम् के अभीन कर दोने के सम्बर्क के ब्रिविस्थ में कमी करने मा अक्से वचने के ब्रिविधा के सिए; वरि/वा
- (ब) एसे किसी जाब या किसी भन या जन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाद्ध प्रकट नहीं किया नया ना वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविचा के शिए।

बत: कव, उक्त कोधांनयम का धारा 269-य के अनुसरण कोट को, बक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को कवीन, निम्मलिक्ति व्यक्तिमों अर्थाल्य ध~<

- (1) एस० मोहना।
- (2) एन० श्री निवासन।

(भ्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना भारी करके पूर्वांक्त, सम्पत्ति से सूर्वन के जिल्ल

उपल बन्दरित के भवति के सम्बन्ध में कोई मी मान्दर :---

- (%) इस मूचका के नाजवन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचनः के राज्यात्र में प्रकासन की ताड़ीक के 45 दिन के भीता उकत स्थासन सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लान में किए आ तन्होंने।

स्वक्रिकरण :----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त कि जिसमें के अभाग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया यहा है।

#### अनुसूची

भूमि ग्रीर मकान-35 कपगाम्बाल कोट्टिवाक्कम् मन्नास 41 ग्रडयार सेख सं० 1818/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाधक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

दिनौक :-- 6- 3- 1986

मोहरः

प्ररूप आहु", टि. एन. एस. -----

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** 

श्रर्जन रेंज-2, मद्राम मद्रान, दिनाँक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० 123 जुलाई 1985--ग्रतः मुझे, श्री मती एम० लाम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **पर**चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के के अधीन सक्षक पाधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहः स अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ध्लाट सं० 551 टी० एस० सं० 2 बलाक सं० 14 टी० एम० सं० (, ब्लाक मं० 16 में हिस्सा ने ग्रीर 166/72 ग्रहयार एाँव में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुपूची में और पूर्व रूप संवर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय प्रडयार लेख सं० 1899/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1909 का 16) के श्रधीन दिनाँक जुलाई 1985

कां पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्षत सम्परित का उपित काजार मृत्य, उसको धरयमान प्रतिफल से, ऐसे दर्गमान प्रतिफल का र्गम्बह प्रसिक्षत से मधिक है और मन्तरक (अन्तरका) और अम्तौरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब भागा गया प्रतिफल, निम्नलिश्विक खबुक्देश से उनल अन्तरण मिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖫--

- (क) जंतरण से हुई किसी माम की बाबत, उक्त मि-नियम को अभीष कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मर/ग
- **क) एरेसी किसी आग का फिसी धन वा अन्य आस्तिकों** को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

(1) श्रीमति जे० ग्रक्तिलाण्डम (ग्रन्तरक)

(2) डा० एन० राजा राम श्रोर डा० मणि रूप माला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तिको पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविभि, आरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकटीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

भूमि श्रीर मकान प्लाट सं० 55 टी० एस० सं० 2, ष्प्रडयार, ग्रह्मार लेख सं० 1899/851

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

अबः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ को उपधारा (1) के बजीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् 🚜 🖰

दिनौंक :- 6-3-1986 माहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-2, मद्रास

मब्रास, दिनौंक 4 मार्च 1786

निर्देश सं० 129 जुलाई 1985 — श्रतः मुझे, श्रोमती एम० सामुबेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'स्वतः निर्मानका' कहा प्रवाही, की भारत 269-क के वर्षीन प्रशास मानिकारी को क्यू विकास करने का कारण है कि स्थापर कन्मीस्थ, विकास जीवत वामार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

धौर जिसकी सं० 26 बीगम साहिब 3, स्ट्रीष्ट तिरूबट्टी श्वरनपेठ हैं जो मद्रास में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ट्रिप्लकेन लेख सं० 524/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनौंक जुलाई 1985

को न्योंक्त संगीत को उचित नाकार क्रूण के कम के असमाम प्रतिश्वन को निए नंतरित की गई है और मुखे वह विस्वास करने का कारण है कि वथापुनोंक्त संन्यति का उनित्त नाजार म्रव्य समके उत्पासन प्रतिष्कत से, एके अथनान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और जन्तरक (अन्यरकों) और अन्यरिती (अन्तरितियों) के बीच देशे क्लारण के निष्ट्र तम् पाना सना प्रतिषक्त में, निव्यत्तिक ब्रह्मोंक के क्लारण जिल्हित में स्वस्थिक कम वे अधिक स्था किया वथा है हि—

- (क) बंग्यूरण में हुई किसी बान की नायत, उसत वीशितियम के बधीन कर दोने के बन्तरक की वामित्स में कर्जी सरने या उसते नचने में सुविधा के किए; बीट्/वा
- (थ) घेती कियी जाव वा किथी भन वा वस्त्र आस्तियों कों, विमही भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनल अधिनियम, शा अयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं दियास एक भा सा किया जाना साहिस का, रिस्पार्थ के स्टूर्मनका वी विद्युः

अतः अब, अवः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गे, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्रीको० बी० श्रार० सेस्वरा<sup>ज</sup>।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० जयभारती।

(अन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए 'कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस क्षमा को सामध्य में प्रकाशन की तारवेग में 45 विन की जनीय मा स्टबंगेयां व्यक्तियों प्र स्वायक की सम्बद्धित के 30 विश की वर्णीया, को की कार्यीय कार में स्थाप्त होती हों, में भीतार पूर्वोगत व्यक्तियों में से विकास व्यक्ति कृताना;
- (क) इन अचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यू के क्यू

अनुसूची

भूमि और मकान-26 बेगम साहेब III स्ट्रीट मुजास-2 द्रिष्लिकेन लेख सं० 524न85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनौंक :--4- 3--1986

मोहर 🤢

# प्रश्लेष बाहे सी एक पुरु

बायक्त क्षणिनियस, १०६१ (१९६१ का ४२) का भाष (1) को अभीन स्**च**ार

#### भारत हरकार

धार्याच्य, सहायक अलक्ष्य भावत्र (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 मद्रास मद्रास, दिनांबः 5 मार्चे 1986

निर्देश सं० 130/जल, ई 85--- यतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

कामकर अभिनियस, 1961 (1967 का 43) (जिसे क्समें इसके परचात जनत अधिनियम कहा गया है।, की धारा 269-स के मधीन मक्सम प्राधिकारी की यह विष्वास करन का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनिम बाजार ग**ार 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर ितकी सं० 30, चिश्वतेबी मुदली स्ट्रीट, है, जो ट्रिप्निकेन मद्रास में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिल्ही र्जा पिधारी के परार्थाज्य द्रिप्तिकेन लेख सं० 535/85 में भारतीय रक्स्ट्री ए अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन जुलाई 1985 1

कां पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से क्षप्र के बदयमान प्रतिकल के लिए। सन्धारम का गबा ही। तीर मुख प्रदेश प्रवास करने का कारण है कि सभापनी का संपत्ति का उचित माजार मृत्य, उसके कावमान परिकास से, एसे कायमान प्रसिकात का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और जेतरक (अंतरकों) और जलीरसी (बन्दरितियों) के बीच रेसे बन्दरम के बिए तब रावा नवा प्रीत-फल निम्नर्लिखित उद्दंश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक हर स अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम से हुई किसी काम की बावचा, समस बहुविधिया के अधीन कर दोने से सन्दर्भ के राविश्य में कमी करने स उचते बचने में स्विश मे विद्या स्ति। द्या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी बब वा बन्द शास्त्रियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इसोबनार्थ बन्धातिकी दुवारा प्रस्ट नहीं 🗥 **मना ना मा किया पानः। वार्तपुरः** धाः, ३७४वाच प सविभा के मिए;

क्षत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन जिम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

8-6 GI/86

(1) शो ती० भूतप्रणिय एवं और सन्तीं। (हान्यएक)

- Call Carles San Little Market Call Carles (

(2) श्री कि॰ इंब्रुटिश ग्रीट 2 अन्य । (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कारोन किया क्रमा

# सम्बद्ध ब्रह्मितित को बर्जन को सम्बद्ध में सोडी भी नामांचा---- 🦈 🧷

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विस की अविध या रुट्सम्बन्धी *ार्यान्य*भागे कर सचना की धामील में 30 विन की अवधि, जो भी वयाभि बाद में समाप्त हाती हो। के भीतर पताँक्द न्यक्तियों हों से किसी स्थित प्रशाहा:
- (था) इस स्थान के राजधन के प्रकारन की दारीय से 45 दिन के भावर जकत स्थावर सम्पन्ति में हितवहुक् किसी बन्ध व्यक्ति ध्वास भेभाइस्ताभरी के बार सिर्वेश्वत मः विश्वः या अकेंग ।

ल्याकरण:--इतमे प्रवृक्त प्रमा स्वीर रखें सा, सा स्वस् क्रीपरिवयः के बच्चाय 20-क में दरिशायित हुँ, बहुरे वर्भ हुरेया जो उस अध्याय म दिवा चवा है।

भूमि ग्रौर मजान-26, न्यूसं० 30, चिन्नतेभी मुदली <sup>≒क्</sup>ष्ति∌न, ट्रिलिकेन लेख सं० 5*35*/85 स्ट्रीट ।

> श्रीम्ती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 5-3-1986 मोहर ।

# प्रकार कार्य . की . स्व . स्व . ----------

भायकर विभिनितम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन क्षना

#### भारत राज्यार

# कार्यात ४, सहायक आयकार आयुक्त (निर्धीकार)

धर्जैन रैंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1986 निर्देश सं० 133/जुलाई 1985 — ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1.00.000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० ध्लाट सं० 353-डब्सू-II क्रास स्ट्रीट 1 मेन रोड-1 श्रविन्यू है, जो इन्द्रानगर, मद्रास 20 में स्थिस है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रडयार लेख सं० 1951/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1985

को पूर्वोजित सम्पर्णि के अभित बाजार मूल्य ते कम के क्याधान प्रतिफल के लिए कंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि अधाप्नोंक्त सम्पत्ति का अधिक बाजार मूल्य, उसके खबमान प्रतिफल से, ऐसे खबमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और जंतरक जंतरकों) और जंत-क्ति (जंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के सिए तथ वाया यहा अतिपाल, निम्मिजिबात उद्देश्य से सबस जंतरण कि बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंबरण से हुए किया गांध की समय, उनक विध-विश्व के संबंध कर वाने के बंधरण के स्वित्व में कभी करने वा उसले वचने में सुविद्या के सिए; बॉर/का
- (क) इसी किसी बान या किसी धन ना बन्न जास्तिनों को फिन्हें भारतीय जानकर समिनियन, 1922 (1922 का 11) ना उक्त निधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के नयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा धा या किना बाना बाहिए था, किनाने में नृष्टिया के सिक्;

बकः ज्य, उक्त जीवनिषय की भारा 269-ण के बन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कुष्णस्वामी सन्तानगम्।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० रंगनातम्।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संस्थत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सृजना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बजीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी जबीब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में दितवर्थ किसी अन्य व्यक्ति व्याप्त अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विध-नियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याम में विकास विश्व

# नग्ज्यो

भूमि और महान-ज्वाट सं० 353-डब्ल्यू टी० एस०सं० 33 ब्वाह सं०-15, कलिकुन्ड्रम-II क्रास स्ट्रीट-I मैइन रोड, 1 प्रविन्यू-इन्द्रानगर-मद्रास-2 भ्रडयार/लेख सं० 1951/85।

श्रीमती एस० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 4-3-1986

namena and a second and a second

प्रकाम आहें. टी. एव. एस.-----

नायफर् जिथितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के अभीत स्वता

शारत बर्भार

# कार्यासय, सहायक बायकड बायुक्त (विद्वीक्रक)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1986

निवेश सं० 134/जुलाई-85 — प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षात्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थानर सम्मति, चिसका उच्चि वाचार मुक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हु

प्रीर जिसकी सं० फ्लाट I फ्लोर 2, दीपक ग्रपार्टमेन्टस् 27, श्रोक्टर कुंघम् रोड है, जो 5वीं श्रविन्यू बसन्त नगर मद्राप्त 90 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध गारी के नायिलय, श्रडयार में लेख सं० 386/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित्त बाजार मृत्य हे कम के ज्यानाय श्रीतफल के सिए अंतरित की गई

हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह ग्रतिशत से अधिक हैं जरि बत्तरक (अंतरकों) और अंतरितौं (अंतरितियों) के बीच एसे बत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलित उद्देश्य नं उन्त अंतरण लिजित में बास्तिक रूप में अधिक नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ते हुए किसी आय की वावत, उपल अधि-नियम के अधीन कर वोने के अंतरक के व्यक्तिक में कमी करने वा उत्तर वर्षने में स्विधा के किए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या कसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ब्रॉ, मॉ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को क्षीया गिज्निनिवित व्यक्तियों अर्थात क्रिक्ट (1) श्रीमती वेदा श्रीनिवासन।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती शीला नवकर्णी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### अवत सम्पत्ति के वर्णन की सम्बन्ध में कोर्च भी बासोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के नास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्वीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, चो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्भ होगा, जो उस अध्याय में क्रिया गया

#### धनुसूची

ण्लाट I फ्लोर-2, दीपक ग्रपार्टमेन्टस्-27, श्रोरूर कुधंम् रोड़ 5वीं ग्रविन्यू बेसन्त नगर, मद्रास-90, श्रडंयार लेख-सं० 386/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

**सारीख:** 6-3-1986

प्ररूप कार्द . टी . एन . एस . -----

शायकःरः विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सुचरा

#### बार्ख बर्का

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 मद्रास मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1986 निर्देश सं० 136/जुलाई 1985 — ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका करणने धारा उन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्री जिसकी सं० बी 124, 8 काल स्ट्रीट, सास्त्री नगर, है, जो मद्रास-20 में स्थित है (ग्रीर इससे रपाबड़ में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णिन है), रिस्ट्री ति अधिवारी के कार्यालय, ब्रह्मार लेख सं० 2037/85 में भा तीय रिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से क्रम के द्यम्मान श्रीसफल के लिए अन्तरित की यह है और मूझ वह जिल्लास करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृज्य, इसके द्यममल प्रतिफल से, एसे द्यममान प्रतिफल के पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है .——

- (क) वन्तरण ये हुई किसी बाय की बावन्तः, उत्तर विभिन्निय वे विष्या कर दोने से अक्षरकः अं नायित्व में कभी करने का उसने वसने मा सर्विधा खे लिए; स्रोर/मा
- (श) एती किसी बाद या किसी वर्ष या बेस्स उपलियां का, बिन्हों भारतीय अध्यक्षर अपलिया , १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारों प्रकट नहीं किया यया था या विश्वा जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः जब, उक्त विधिनयम की धारा 269-श के अन्सरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-श की नगधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षाब् :-- 1) श्री के० एच० जोसफ ग्रीर ग्रन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० बाल सुब्रमणियन्।

(ग्रन्तिगती)

को यह स्थ्या जारी करके प्वाँक्य सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यताङ्क्ष्यां करता हो।

#### उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्य:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दी और पदों का. जो उक्त श्राधनियम के अध्याय 20-क में पर्गे भार्षकत हैं, बही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

#### उनस्पी

भूमि और महान बी/124, 8 कास स्ट्रीट, सास्त्री नगर, मद्रास-20, ऋडगार/लेख सं० 20237/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधितारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास।

तारीख: 4-3-1986

# प्रकम बाह् .टी.पुरा .पुरा .----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1986

निवेश सं० 137/जुलाई 1985 — श्रतः मुझे अन्मितः एम० सामवेल

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भारा १३९० कि अधिनयम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आराज हो स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य । १००० १८० १८/ - छ. से अधिक है

भी िसकी सं० प्लाट सं० 23 उत्तर बोग रोड टी-नगर मद्राप-17 है जो में स्थित है (ग्री: इससे उपाबद में भीर पूर्ण अब ने विगित है) जिस्द्रीजाती अधिकारी के दिवसिय टी० काल जोव सं० 917/85 में भारतीय शिक्ट्रीजारण प्रविनियम 1908(1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1985

को पर्वोक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ति के एक्वास करन का कारण है

कि यथापूर्वोक्स्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक्त (अंतरिक्तियों) के बाब एस अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में तृतिभा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्सारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा अहिए;

अतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 26® न के अन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्मजिखित व्यक्तियों, अथींस् उ— (1) श्रीमती ठी० सुन्दरवल्ली अथवा सौन्दरा कोजिला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० राजेंग्बरी।

(श्रन्तिनती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिता- बद्ध किसी व्यक्ति ववारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकोंग।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अगुसुची

भूमि प्लाट सं० 23 उत्तर बोगरोड टी-नगर मद्रास-17 टी०-नगर लेख सं० 917/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षण प्राविकारी सहायन भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, मन्नास

तारीख: 4-3-1986

मोहरः

THE RESERVED TO THE STREET

(1) श्री के ः बालसुन्नमणियन्।

(ग्रन्तरक)

सामकार निभागिकः 1961 (1961 का 43) की नाहा 269-च (1) के नभीन स्वता (2) श्री एस० शिवसुन्दर।

(ग्रन्तिरती)

#### MICH FAMILY

कार्बाबव, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, महास मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1986

निदेश सं० 143/जुलाई 1985 --- प्रतः मुझे श्रीमती एम**ः सामु**बेल

बायकर पिधानियम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसके प्रकात् 'खकत बांधिनियम' कहा वया है), की धारा 269 इ के बधीन सक्षय प्राधिकारों का, यह विस्ताप करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका छात्रत बालार नुस्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 51 लक्ष्मी नरितम्हन स्ट्रीट टी नगर है जो महोस-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री जिल्ला श्रीय पार्थित के वार्यालय टी० नगर लेख सं०/824/85 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण श्रीधिनियम 1908(1908 वा 16) के ग्रिधीन 16 जुलाई 1985

को पूर्वीवर्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्राण्णल के लिए बन्तरित की गई है अर मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वी न्हें स्पर्येत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास है, एखे दश्यमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरिक (अन्तरिकार्ग) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एक अतर्य के लिए तक वासा गया प्रतिक् कन, निमाणिक्त उद्देशक से उक्त बारण विस्ति में बाल्य-विक रूप से कथित नहीं किया नहीं हैं

- (क) कर्माय के हुए किसी काम का नामक, उनस सीध-निक्य के लगीन कर दोने के क्राउटक के स्तित्व में क्यों कारने मा सक्ते वपान वो स्तिका के नित्त स्री/का
- (स) एसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के किए:

जस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियत को धारा 2:9-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचका चारी कारको पृथींबंध सुम्यक्ति के कर्पन के सिध् कार्यनोहियां करता हुए।

दक्त बम्पति के वर्षन के तुम्बन्ध में करेई भी वाओप:--

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन को तार्शन से 45 विव की क्यांधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीब से 30 दिन की अने मि, को भी बनीब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति इंगए।
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए बा एकोंचे !

स्पष्टीकरूण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिंधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अबा है।

#### अन्य मृत्य

भूमि और मकान-5 लक्ष्मी नर्गसहन स्ट्रीट टी० मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 824/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

ताराख: 5-3-1986

# प्रस्प अ**ति**ः, द्वी<sub>ः</sub> एष<sub>्य</sub> **एष**्य-ननव्यवनसम्बद्धन

भायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुधना

#### मारत संदुष्णर

# कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निर्देशका)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1986 निदेश सं० 144/जुलाई 1985 — श्वतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 7ए शिवशैलम् रोड टी० दगर शार० एस०सं० 32 और 34 है जो प्लाट सं० 18ए मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के वार्यालये टी० नगर लेख सं० 796/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह निश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पावा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्विच्य से उक्त अंतरण सिकित में बास्तिक क्य से क्यित नहीं किया गया है है

- (क) निरुच से हुई किसी नाम की बायक, बजब निर्मायन के नभीत कार दोने में सन्तरक में दायित्व में कभी कारने ना उससे स्थाने में सुनिधा में सिए; नीर/ना
- (व) ऐसी किसी बाय का किसी भन था अन्य असिलाओं की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहेंहें किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए।

बतः अवः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के बचीन. जिन्निकाल अधिनामा अधिकाल किल्लान

- (1) श्री ं० नेंंद्रिशवरन् ग्रीट श्री वी० वेणु। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एवं० बेंद्रट भुब्बाराव मैनर के पिता एम० शादिशेपैया। (अन्सरिती)

का यह स्वना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहिया श्रम करता हुं।

सकत सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी आसोप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वद् स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सुवता के राज्यश्र भी प्रकाशन की तारीच से 35 दिन को भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितवकृष किसी मन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ स्थितिका भी किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्छ अधिश्वयम, के लब्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस बध्याय में दिवा

# श्रनुसूची

भूमि श्रौर स्ान--7ए शिवशैलम् रोड टी० नगर मदास-17, प्लाट तं० 18ए, टी० नगर लेख सं० 796/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, मद्रास-6

नारीह : 6-3-1986

प्रक्रम आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

# नार्याजन, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च, 1986

निर्देश सं० 145/जुलाई 1985:—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्*वेस*,

बारतकार क्षांभावियम, 1961 (1961 का 43) शिवर्ष सम्बाग्य प्रशास का उन्हें अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 33, वें हटराम ग्रय्यर स्ट्रीट, टी० नगर है, जो मद्रास-17 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध में भी: पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यात्रय, टी० नगर-797/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिक्षित्यम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1985।

को प्लॉक्त संपरित के उजित बाजार मूख्य से कम के क्यमान प्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है जोर मुख्डे वह विकास मुख्डे यह निश्वास करने का कारण है कि वथा प्लॉक्त संपर्तित का खीचत बाजार मूक्स, उसके क्यबान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकाद से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निविचन उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचत में बास्तविक रूप ने कियत नहीं किया गया है है ----

- हुँक) मन्तहरू में हुई िकिसी मान की बाबत, शावत वीधीनवन के क्षीय कह दोने में अन्तरक में शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) एती किनी नाव वा किसी भन वा क्या नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अच्छ अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो अधीयवार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकार नहीं किया नवा था सा किया वाथा वाहिए था किराने में नृतिका के विक;

शतः वय, यक्त विक्रियम की बारा 269-ए को अभूसरम मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ≰ अधीन, निस्निवित व्यक्तियों, वर्धा हु--- (1) श्री एस० सुरुबुरत्नम्।

(ध्रम्बर 🖫)

(2) श्रीमती के० मुलोचना ग्रीप श्रीमती के० राधा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्वनिक्क कर्णन हो।

उन्त क्रमाति के भर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इंच क्षा के राज्यन में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अमिथ मा तरतम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तानील से 30 दिन की जनिथ, जो बी जन्मीय बाद में दमान्य होती हो, के भीतर ध्वोंक्त जन्मीयतानों में ते किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशित की तारीय के 45 दिन के भीत है उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पाव विविद्य में किए वा ककों में।

स्थानिकरणह—इसमें प्रयुक्त सब्दों जीह पदों कां, यो अवश्व अधिनियम, के अध्यान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा श्री उस अध्यास में दिया भवा हैं॥

# नन्सूची

भूमि ग्रौर मकान, वेंकटराम ग्रव्यर स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17, टी० नगर, लेख सं० 797/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-2, मद्रास

मारी**ख**: 5-3-1986

# प्रकप् वार्च . दी . एन . एक . ------

# 4।यकर ब्रीधनियम्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म् (1) के स्थीप सूचना

#### भारत्य सहस्राह

# कार्यालय, तहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-II, मद्राक्ष मद्राय, दिनां 5 5 मार्च, 1985

िदेण सं० 146/जुलाई 85-- अतः मुझे, श्रीमिति एम० सामवेत्र,

भागकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) शिवसे इसमें स्टिन परचात् 'उक्त अधिनियस' कहा गमा हैं), की धारा 269- के अधीन सक्तम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संगत्ति जिसका उपित बाबार स्का

1,00 000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3 फर्स्ट स्ट्रीट, हबिब्हला रोड, टी० नगर है, तथा जो मद्राप-17 में स्थित है। (ग्रीर इसमें उपाद्यद्ध अनुसुची मं भ्रौर पूर्णस्या से वर्णित है ), रजिल्द्री तो अधिकारी के वार्यालय टी० नगर, लेख सं० 807/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, वारीख जलाई 85 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है करने का विद्य∖स यष्ठ कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिका है और अन्तरक (क्लारकों) और जल्तरिती (अन्तरितियों) की बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित <del>उद्योदय से उपत</del> अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित रही किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई कि जी जान की बावज, सकद निधिविया से ज्वीन कर को के वंतरक के निवस् में कमी करने वा बच्छे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी भाग मा किसी थन ना अस्य बास्तियीं को, जिन्हें भारतीय वातकर वीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, छिपाने के स्विका की किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—6 GI/86

(1) श्रीममती पी० सुलोचना ।

(अन्तरक)

(2) श्री तुलमीदास श्रीर श्रीमती सुनीता तुलसीदास। (अलारिती)

को बहु सुभवा चारी शारुके पूर्वोक्त क्रम्पति के वर्षन के सिए कार्यवाह्नियां करता हुं !

उक्त सम्पत्ति के वर्गन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :----

- (क) इस सूच्या के राज्यम में मुकासन की तारीय से 45 दिन की अविथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की अविध को भी नम्भि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में स किसी व्यक्तियों में स
- (व) इस स्वान की राजपुत्र को प्रकासन की ठार कि । 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हिस्स्यूथ किसी बन्य स्थावित इवारा, अभोहम्ताक्षरी के पास निध्यत का किए वा सकोंने।

स्पष्टिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ाया है।

#### अनुसूची

भृमि और म लत-3-1,/स्ट्रीट, हवीबुल्या रोड, टी० नगर लेख सं० 807/85 मद्राय ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रें ज-11, मद्रास

तारीख: 5-3-1986

**食服 广嘴 273 海州、农村、中山山中田中田中田田田** 

# बावकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-भ (1) वी वर्णीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यांक्य, सहायक आदकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जनरें ज-II, मद्रास मद्राय, दिनांक 6 मार्च, 1985

निवेश सं० 1·47/जुलाई, 1985

अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्व 1.00,000/- छ. से अधिक है

भ्रौर जिप्तकी मं० 2, राजम्माल स्ट्रीट, टी० नगर, है, तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (भ्रौर इसमे जपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से बर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी०नगर लेख सं० 809/1985 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 1985

करें पूर्वेक्त संपत्ति के जिस्त बाजार मूल्य में कम के दब्धमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि दशापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख, उसके दब्धमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण बिजित में वास्तिक रूप से क्यित वहाँ किया वया है अन्तर

- (भ) जलरण से हुई जिल्ही जास की वावस, उपस अधिनियम के वर्धीन कर वेने के जल्दक वें शामित्व में कभी करने था उबसे बचने में सुनिया थे भित्र; और/का
- (क) एसी किसी वाव का किसी वन वा वन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जार-कर अधिनियस, 1922 की 11) जा उन्नत जीधिनियस, 41 धनकर वाधिनियस, 41 धनकर वाधिनियस, 1957 (1957 को 27) से अमोजनार्थ जनगिती द्वारा प्रकर महीं किया का जाना जातिए या जिन्हार ही विश्व की जिए;

भतः तम, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की वनुसर्व तो, तो, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) स्थे त्रापित विकास व्यक्तियों क्रमीत है— (1) श्रीमती इन्द्राणी अम्माल श्रॉर अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवन दास रेड्डियार ग्रांर यणोदम्माल । (अन्यरिती)

का यह सूचना धारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्थन के किंद कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

# बक्त बम्परित् के भूवीय के सम्बन्ध में स्वोर्ट भी मानोद् :--

- (क) इस स्थानः के राजपत्र में प्रकासन की तारोस से 45 दिन की अविध पा त्यम्बन्धी क्षानित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जनमि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्षानित्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त कालर सम्मिल्त में हिर्देशक्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाध लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित जै, बही अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया नया है।

#### नन्स्ची

भ्मि और महान सं०-2, राज्यमान स्ट्रीट टी० नगर मदास-17 टी० नगर, लेख सं० १६९/६८ ।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर लायुक्त (निरीक्षण ) अर्जन रेज-III, मद्रास

तारीख: 6-3-1986

प्राक्ष वार्षं . टी . एन . एत . -----

भायकर नॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अभीन भचन

MIXIS STUBILE

# कार्यासथ, सक्ष्मक भागकर नामुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्राज मद्रास, दिनांक 6 मार्च, 1986

निदेण सं० 150/नुताई, 1986--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल ,

नायकार जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों परभात् 'उस्त अभिनियम' कहा पया हैं), की भारत 269-स को जभीन सक्षम प्राधिकारी को नह निश्वास करने का का कारण है कि अजापकों कर संपत्ति का उपित बाबार भूका, 1,00,000/- रहा से जिथक है

प्रोरिजिन हो सं० कार्यसं० 109-दी, एस० सं० 5459 दी०नगर, है, तथा जो दी० गगर में विधन है (प्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में प्रार पूर्णकर मंद्रिणित है), राजिस्ट्री कि अधिकारी के कार्यालय, दी० धगर, लेख सं० 344/85 में भारतीय रिजिस्ट्री-करण अधिधियम, 1908 (1908 का 10) के अधीम, हारीख जुलाई, 1985,

को प्रवेक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य सं का के सम्बाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि समावृत्यिक संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल के बितास से अधिक है और वन्तरक (बन्तरकों) और वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक विषय सब पाया गवा श्रीत्कस, निम्नितियों उद्योग उप्रदेशों से उसर वन्तर विविक्त में वास्तिव रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अल्लापन से हुए सिस्टी काम की पानक, करका शींभिनियम के अधीन कर दोने के नम्बुटक के क्षित्व में कभी कड़ने वा कहते क्षमें में कृषिमा के सिद; और/मा
- (ख) ध्रेन्द्रि किसी बाय वा किसी वन वा बन्य वास्तिनी की बिन्हें भारतीन बाय-कश विभिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उपध अभिनियन, ना धन-कश किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याध प्रकट नहीं किया गया था या विस्था क्षामा बाहिए था, क्थियों में सुविधा से लिए;

कतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण बें, में, इक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिखित व्यक्तियों, संशीतः— (1) श्री टी० तुकारामराव स्रौर अन्य।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एन० विजयगापाल ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृथींकत तस्पीत के अर्चन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की वर्षन की सम्बन्ध में कीव्हें भी बाबीप ह----

- (क) इस स्वान के श्वपन में प्रकादन की तारीक कें 45 दिन की नवींथ या प्रकादन भी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की नवींथ, जो भी नदिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (ख) इस सुमना के रामपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनक्ष स्थावर सम्पत्ति मों हितवस्थ किसी बन्य व्यक्तिय द्वारा अभोइस्ताक्षरी के नास हितवस्य में किस का सकेंगे ।

# धनुसुची

भूमि ऋारमकान—आकसं० 109, टी० एस० सं० 5459/ टी० नगर—टी० नगर लेख सं० 844/85 ।

> श्रीमती एम सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-म, मद्वास

तारीख: 6-3-1986

म∖हरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 48) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

#### THE RESIDENCE

# कार्थासक, सङ्गावक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-II, मद्राय मद्रास, दिनाक ६ मार्च , १९८५ निदेश सं० 151/जुलाई 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सभाग प्राधिकारों को यह निरक्ता करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके स्वित बाबार मूख्य 1,00,000/- रह. से अभिक ह

श्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 169, पश्चिम सीव्यव्टीव नगर, मद्रास-35 है, त्या जो मद्रान-35 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य में बर्णिक्ष है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्राक्ष वॉक्षण, जुलाई 1985 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क. 16) के अधीन, तारीख लेख संव 1968/85 क्रांक्षि, 1985,

का पूर्वोक्स सम्परित के जोचत बाजार मूल्य से काम के क्रममान प्रतिफल के चिए मन्तरित की गृह है और भूको वह विश्वस्थ कामों का कार्य है कि स्वास्थिक स्वयंत्रित का उजित बाचार मूल्य, उसको क्रममान प्रतिफल से स्वे क्रममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और संतरक (संतर्कों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे सम्बद्ध के क्रिय क्रम पाया गया प्रति-फल निम्निकिक उद्देश्य से उन्हें क्रम क्रम है क्रम क्रम के क्रिया के

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंत्रक के दायित्व में क्षणी करने या उसते यचने में सुनिक्श के लिए; और/वा
- (क) इसी निका जाब वा किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिल्हों भाक्तीय जावकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिथिनियम, या भनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने जें सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) टी० भास्करवल्ली फ्राँर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० नागीरती।

(अनः जिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित को अर्जन के किए कार्यनाहियां करता हुं।

## ्डक्त संपर्तित के बर्डन के इस्थन्थ में कोई भी आध्योप ः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित का किसी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उचक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्णि है, वहीं अर्थ हातेगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि ग्राँर महान—-प्लाट सं० 169, पश्चिम सी०ए०टो० नगर, मद्रास-35 मद्रास दक्षिण--लेख सं० 1968/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-1<sup>1</sup>, मद्रास

नारीख: 6-3-1986

प्रकप आर्थः ही एत एस . -----

# भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-म (1) के मधीक सूचना

भारत सरकार

# कार्यांसय, सहायक भावकर माय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-11 मद्रास

मद्रास, दिनौंक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० 154 $_{\parallel}$ जुलाई $_{\parallel}$ 85:—- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राथान (उत्तर मिधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-क के गणीन कारण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थान सम्पत्ति, जिसका विचित्र बायार मूच्य 1,00,000/- रा. से मिथिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 140, तिस्त्रानिमयूर (एस० सं० 144) 9 में स्थित हैं (ओर इत्ते उसबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीक्ती श्रिविकारी के कार्यानय महात दक्षिण लेख गं० 2109,85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिंदत नाभार मून्य में कम के सरवमान प्रतिफल को लिए संतरित को गई है और मुन्ने यह विद्यास कारते का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त राज्यति का उजित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्नह श्रीतश्वत से कृष्यक है और बंदरक (अंदरका) और बंदरिती (अंदरितिया) के बीच एसे अंदरित के लिए तम पाया नया प्रतिफल का निम्मालियार उन्हें कम से चक्क बंदरण नियति में बास्त-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विश्विष्म के स्थीन कर देने के बंतुरक के यानित्य में कभी करने मा अस्थे वचने में भृतिभा के लिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीर नेष्यमार अधिनियम, 1922 (1922 को १९) या उत्तर अधिनियम, वा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जामा वाहिए या, छिपाने में शुनेवधा वी विदः

जित्रः, भव, उत्तरं महैभनियम की भारा 269-त के बनुसरण में, में समत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नजिसिक व्यक्तियों, सर्वात क्र-- श्री डी० वाम् गुरूक्कल।

2. श्री एन० वंकटेश्वरन

(श्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहिया करशा हुने।

उक्त सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🎞---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 िन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में सम्राप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस थे बहु । इस के बंदर अवस अभावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधांहुस्ताक्षरी के पास सिहित में किए वा सकते।

स्थानिक प्राः :----इस्यां प्रयानिक सक्यों अर्थः नवीं का, को उक्तः व्यक्तियस के अध्याद 20-क में परिभाविस हुँ, यहाँ अर्थ होगा, को उस अध्याद भी विका नवा हूँ।

#### मन्त्रची

भूमि 140, तिरूवान्मिय्र (एस. एस० 144/4) मद्रास दक्षिण लेख सं० 2109/85)।

एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, .सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II सद्रास

तारीख: 4-3-1986

# प्रकर भाष' टी. एर एर.

बायकार आधानियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म् (1) के ब्योक स्पना

#### भारत वरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें<sup>ज</sup>, मद्रास मद्रान, दिनांक 4 मार्च, 1986

सं० 155/जुलाई/75:---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िष्ये का का का प्रकार का प्रकार 'उनते अभिनियम' कहा प्रवा हैं), की भाषा 269-4 को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण हैं कि स्थान सम्मतित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिनकी संख्या 9, 10 स्ट्रीट (पूर्य), कामराज नगर तिस्वाहितूर है, जो मद्रान-41 में स्थित हैं (श्रीर इससे उसाद में प्रीर एर्ज का में बॉल है), राजिष्ट्रोक्त श्रिधकारी के जायनिय मद्रान दक्षिण लेख सं० 2149/85 में भारतीय

रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियस, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीक्ष जुलाई, 1985

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम दश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यान करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक्षल से एसे दश्यमान प्रतिक्षल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) सम्मरण प्रे तुवा किसी बाव की बावत, सम्मर अधिनियम के स्पीन कार वीने के जन्तरक के वादित्व में कभी करने वा समझे व्यने में भृतिका में /स्ए; बरि/बा
- ्ख) एसि किसी आय या किसी थन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 विश्व का 11) ना उपक्त अधिनियम, या थन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्रोमती जे० निर्मला ग्रौर जी० जानगरामन। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राजी सुत्रमणियन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के निए कार्यशाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) धन सूचना के राधपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामीस से 30 दिन की अनिथ, जो भी ब्रिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्ष्म के पाड़ सिविस में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### an er ef

भूमि ग्रौर मकान सं० 9, 10, पूरब स्ट्रीट, कामराज नगर, तिक्वान्निपूर, मद्राप 41, मद्रास दक्षिण लेख सं० 2149/85।

> एम० सामुवेस, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भ्रा**यु**क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II मद्रास

तारीख: 4-3-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-II मद्राम

मद्रास, दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० 160/जुलाई/85:--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भागकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुस्क् 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० 4, हिस्सा श्री रामनगर उत्तर स्ट्रीट, है, जो ग्रालवारपेठ, मद्राल-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्व में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कायोलय मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० /25/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीत दिनौंक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पर्िस के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल के, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती एन. माविती ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री टी० एस० पदमानाभने।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधाहस्ताक्षरी के पाध निकास में किए आ सकेंगे।

स्पष्टाकरणः ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया भया ही।

#### التسميد

•लाट नं० 4, हिस्सा, श्रीराम नगर उत्तर स्ट्रीट, (III फ्लोर), ग्राल्वापेटें, मद्रास-18, मद्रास सेन्द्रल लेख सं० 725/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल, गक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायकन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11 महास

नारीखा: 4~3~1986

प्रकल कार्ड. टी. युग, प्रात्तुत्रकारणाव्य

आयकर सिंधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सुवना

#### नारत तरकार

# कार्यासय, तहायक बावकर जागुक्त (निर्माक्तक)

त्रार्जन रेंज-∏, मद्रास मद्राग, दिनौंक 4 मार्च, 1986

जायकर अभिनियज, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की वारा 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिता, जिसका उचित्र बाजार मूक्त 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 11, गणपित मृदली स्ट्रीट है, जो मद्रास 14 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावह ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 708 ग्रौर 709/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यजापूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित हालार पृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का रुक्त प्रतिफल का रुक्त प्रतिफल का रुक्त प्रतिफल के रुक्त प्रतिफल में पूर्व क्ष्यमान प्रतिफल का रुक्त प्रतिकत में अधिक हैं और कन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच पूर्व कन्तरण के लिए तब पावा भवा प्रतिफल, निम्नतिकित उद्देषण से उच्छ प्रतिकत निक्ति के बास्तिक क्ष्य ने क्षिकत नहीं किया एका ही उन्न

- (क) जन्मरण वे शुक्ष किसी जाव की वाबत उक्त जिथ-नियम के निर्धान कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्के सकने में सुविधा के सिए करि/वा
- (ब) एसी किसी आज या किसी अन पा अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आसन्तर सिंभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर प्रांतियम, या अत- कर बिंभिनियम, 1957 (1957 का 27) जं प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, स्थिन में सुनिधा के निए;

नतः वन, उत्रतं निधनियमं की भाग 269-न के नन्धरं की, मी, उनतं अधिनियमं की धरण 265-ए की स्पणारा (1) के निम्निति व्यक्तियाँ, अध्यैतः ---

1. श्री गुणपाल जैन

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रमीनाय जेप्पियर

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वेक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏻 🗝

- (क) इस ब्यान के राज्यन में प्रकाशन को तारीय है 45 विन् की न्यभि या तत्त्रकानी व्यक्तियों पर स्वान की तानीस से 30 दिन की स्वधि, को भी न्यधि वाद में सनाप्त होती हो, के भीतर वृत्तेवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाय;
- (च) इत स्थान के राजपन में प्रकाशन की तालीच वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध विकास क्यांकर व्यक्त व्यक्ति, अथोहस्ताकरी के दास विकास भें किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-76 में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसुची

भूमि और मकान 11 गणपति सुवली स्ट्रीट, मद्रास-14 मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 708 ग्रीर 709/85।

> श्रीमती एम पामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग II, मद्रास

तारीख: 4-3-1986

प्रक्य बाह्रील टॉ. एन्. एसं.-----

भागकर अधिर्मित्न, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### बार्ट सहस्राह

## कार्याभवः महाबस्य जायकार जावनाः (निर्दाक्षण) धर्जन रंज-II, महास

मद्रास, दिनौंक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० 170/जुलाई 85:-- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, श्रायकार निर्मितयम (96) (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पर्वात जकत निर्मित्रम कहा गया हैं) की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्यास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका जिसत वाजार मुख्य 1,00, का से अधिकार हैं

श्रीर जिसकी सं० 49, सान्तोम है, रोड, प्राणा श्रण्णामलैपुरम; है, जो मद्राम-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 869/85 में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखिट में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अनसरक सं हुद्र किसी काय की वाक्ष, उबक किसिनियम की अभीन कर को के बावारक को अधिस्त में कनी करने या उसके क्याने में प्रिथा के लिए। सीर/मा
- (क) एंसी किसी काय वा किसी धन गा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-का विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अञ्चरिती वृत्ताश प्रकट महीं किया कथ। भा वा किया नाम शाहिए था, कियान से तृतिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ॐ अधीर, किम्निलियन व्यक्तियों, क्रचति :—

10 —6 GI/86

1. कुमारी लुद्दं मेरी और भ्रन्य।

(श्रग्तरक)

2. श्रोमती एन० मेहरूकिसा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---(क) इस सूचनर के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में विवा गया है।

## धनुसुची

भूमि और मकान 49 आन्तोम है, रोड, श्रार०ए० पुरम मद्राम-28 मैलापूर लेख सं० 869/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल, सक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रतीन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 4-3-1986

## तक्ष्य वाही, धी . ध्रम . , **प्**ष . जनगणना

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कायां स्य , पहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्राय

मद्रास, दिनाँक 15 नवम्बर, 1985

निवेश सं० 1/जुलाई/85:—-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके मश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६९-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रठ. से इधिक हैं ग्रीर जिसकी संख्या लियो थियेटर श्रार० एस० सं० 375/

ग्रीर जिसकी संख्या लियो थियेटर श्रार० एस० सं० 375/182 है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिष्टिलकेन लेख सं० 599/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनौंक जुलाई, 1985

को प्राेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयजान प्रतिफर, के सिए अन्तरित की गई हैं और मूक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित साबार मून्य, उक्षके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी काय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर बाने के अन्तरक के श्रीमत्व माँ कभी करने या उससे बचने माँ सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के बिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- 1. श्री ए० मार० श्रीनिवासन ग्रौर श्रन्य

(भ्रन्तरक)

कुमारी जयप्रद्या भ्रौर राज बाबू

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति को शर्मन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :→ः

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिय ना तत्संबंधी क्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को औ अवधि बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित्त में किए जा सकरेंगे।

स्थविकरण :--क्तमें अयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनिषम, के अध्याय 20-क में पीएभाषित है, कही अर्थ होगा जरे उस अध्याय में दिया गवा है।

## नन्स्यी

भूमि ग्रौर मकान-ग्रार० एस० सं० 375/182 लियो थियेटर द्रिच्लिकेन-लेख सं० 599/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 15-11-1986

मोहर ।

प्रकार बार्च , टॉ., एस., एस.,-----

नायकर नांपनियन, 1961 (1961 का 43) की धाद 269-म (1) के समीन सुमना

#### HEG THE

कार्यातयः, सहाय्क नायकर नायुक्त (निह्नीक्रण)

धर्जन रें<sup>ज</sup>, बंगसूर

बंगलूर, दिनाँक 5 मार्च, 1986

निर्वेश सं० भार० 1778/85→86:——प्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्लो इसनी इसकी पश्चात् 'उनत् निभिनियम' कल्हा भवा ही, की बादा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला अभित वाबाद मृश्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट 5 बी है, तथा जो एडवर्ड रोड, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, बगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीन, तारीख 29 जुलाई, 1985

को पूर्वोंकर सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्भ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फम निम्मिसिखत उब्बेरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- शुँक) बंधरण संहुई किली बाय की बावस, उक्त विधिनियम से वधील कर दोने के बल्दरक से शिवरन में कमी करने या स्वसं वचने में सुविधा के लिए; बाँद/वा-
- (क) एसी किसी नाम वा किसी भन या नन्य नास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकार विधितिया है कि की किसी भारतीय आयकार विधितिया है कि की की किसी मां भन-कर विधितिया है 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ विदारिती ब्वारा प्रकृष्ट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा वे सिए;

बतः बतः, उक्त विधिनियम की धारा 269-मृत्रं अनुसरक बं, मं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वं बधीन, निम्मिनिकट व्यक्तियों<sub>कः</sub> वर्षाय स्न्ल- श्रीमती राजा लक्ष्मी मणि
 श्री पी० एम० सुरेश,
 4/272, ई०, जयित्रनगर, कालोनी,
 नियर बीच हासपिटल,
 फलिकट~1।

(मन्तरक)

2. श्री के० विकास मेनन,

2. श्रीमती निर्मेला मैनन,

5 बी, V फ्लोर, एच०, वि० एस० भ्रपार्टमेंटस,

1, एडवर्ड रोड, बेंगलूर।

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सञ्चरित के वर्जन को बिध कार्यनाहियां सूक करता हुं।

क्का बन्दरित के वर्षप के वंबंध में कोई भी बालेंप ए---

- (क) इत जूमना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन की जनिंध मा तत्संत्री व्यक्तियों वर्ष जूमना की तानीच से 30 दिन की बद्धि, को और अमिथ बाद में तमाप्त होती हो, को भीता क्षेतिक अमित्यों में से किसी क्षीवत् बुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहरूकाकरी औ पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वच्यकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होया को उस अध्याय में दिया जवा है।

## बग्ल्ची

(दस्यावेज सं० 1533/85 तथा 29~7-85)। प्लाट नं० 5बी, V फ्लोर, एच वि० एस० घ्रपार्टमेंटस; जो नं० 1, एडवर्ड रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 5-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

# नायकर नरिभणियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याक्षय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर,

बंगलूर, दिनाँक 5 मार्च, 1986

निर्वेश सं० ग्रार०-1684/37ईई/85-86:---यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ह्यत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन बक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल सम्बार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या 3 है, तथा जो सि० जे० डिसौजा रोड, हाईस रोड कास, बेंगलूर-25 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबब अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्री-करण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख: 4-7-1985

की प्रेंचित तस्त्रीक के उचित नाजार मृष्य से कम के करनमान अधिकत के सिए जन्हरित की गई है और मृजे वह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोकत सम्बक्ति का उदिक्ष बाजार मृत्य, उसके कर्यमान प्रतिकास से एके क्यमान प्रतिकास का पंत्रह प्रविद्या से क्रिक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्यों) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिक निकासिक उद्योग से उक्त अन्तरण जिल्लाक में बाल्लीक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:---

- (क) सम्बरण वे हुई किसी बाव की बावस उक्क विधितिक्य के क्यीन कर बीते के शत्कारक के कवित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) देशी किसी बाद या किसी वंत या कृष्य वास्तिक की को, जिन्हीं भारतीय आधलत श्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनुकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती इंगाय प्रकट नहीं किया नया या वा किया थाना चाहिए था क्रियाने में सुधिका के लिए;

अतः तन, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण वैं. में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के कथीन, निकासिक व्यक्तिस्कों, अर्थात् हु— श्री एस० म्रार० मुरलीघर,
नं. 54, शालीमार भ्रपार्टमेंटस,
नं० 3, सि० जे० डिसोणा रोड,
बेंगलूर-25।

(भन्तरक)

मैसर्स वेस्ट्रान म्यानु फाकचरिंग कम्पनी बम्बई प्रा० लिमिटेड,
 डी, चलकन इंगुरेंस, बिल्डिंग,
 वीर नारिमन रोड, बम्बई-20।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्दियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप १---

- (क) इस् त्यमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यामितयों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी नन्य व्यक्ति इनारा वभोहस्तावरी के पास लिखित में भिग्न जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और ५वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में यथा परिभाषित **हैं, वहीं अर्थ हो**गा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जन्स्ची

(वस्तावेज सं॰ 1506/85 तारीख 4-7-1985)

सम्पत्ति है जिसका सं० 54, V फ्लोर, शालीमार, श्रपार्टमेंटस, जो नं० 3, सि० जे०, डिसौजा रोड, हाईस रोड कास, बेंगलूर-25, में स्थित है। (नापना 1200 इसक्वैर फीट)।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलुर

तारीख: 5-3-1986

## अक्ष काहीत होते एस ह एक है स्टब्स

## नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बभीन बुजनो

#### भारत सरकार

## नार्याजय, सङ्घयक आयकर आयुक्त (विद्वासन) प्रजीन रेंज, बेंगलूर,

बेंगलूर, दिनौंक 6 मार्च, 1986

निर्वेश सं० श्रार०-1765/37ईई,85-86:-- झत: मुझे, भार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रोर जिनकी संख्या प्लाट नं० 310 है, तथा जो नं० 40, नेताजी रोड, बेंगलूर-5 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हरण श्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 29~7-1985

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकार से विश्व है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के नीम एसे अन्तरण के निए तम रामा गमा प्रतिफल किस निकासिक उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचित में नास्तिक कम से कथित गहीं किया क्या है म

- (क) अन्तरण में दूर्व किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियत के अभीन कर दोने के अन्तरक के क्रियित में कभी करने या उससं बचने में सविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य क्रास्तिय। का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उनत अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए वा कियाने में स्विध। के किए:

भवः भवः उनत विभिन्नव की भारा 269-म के बब्बरण में, में, अनत अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीतः, निम्मसिचित व्यक्तिकां का सर्वाद् है—  मै० मित्तल डेबलपमेंट कारपोरेशन, नं० 47/6, एम० जि० रोड, बॅगलूर।

(भन्सरक)

 मैसर्स कनसालिडेटेड काफि लिमिटेड, पोस्लि बेट्टा-571215, दक्षिण पूर्व, करनाटका स्टेट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस ब्रुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ६ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉब्स ध्यक्तियों में में किसी ब्यक्ति बुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कर्मा और पर्वो का, को उक्क विभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया क्या की।

#### वन्स्ची

(बस्तावेज सं० 1528/85 तारीख 29-7-85) प्लाट नं०-310, III फ्लोर, जो निधि श्रपार्टमेंटन, नं० 40, मेताजी रोड, बेंगलूर-5, में स्थित है।

> श्रार० भारत्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंगलर

तारीख: 6-3-1986

## त्रका वादी.बी.एन.एस. ------

जानकर जीभीनथन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के जभीन कूचना

#### भारत तरकार

कार्याजन, सद्दायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 5 मार्चे, 1986

नं॰ मार०→1744/37ईई/85~86→-श्रतः मुझ, भार० भारद्वाज,

आवंकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परपात् 'अवत अधिनियम' कहा गया ही, की पारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयात करने का कारण ही कि स्थायर बंगीस, जिसका के जिस बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

मौर जिसकी संख्या प्लाट बि 12 है, तथा जो नं० 10, कानवेंट रोड, बेंगलूर में स्थित है (मौर इससे उपाबद भनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण मिन्म 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 15~7−1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के स्थित गामार तूर्य से कान में प्रमानन प्रतिकास के बिए सन्ति का गई है और नृष्टे वह निकाल जिया का सारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मिति का उपित गामार ्ष्य, उसके प्रवासन प्रतिकास ते एते प्रश्नान प्रतिकास का संबद्ध प्रतिकात ते अधिक है जीए अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिपित्वों) के बीच पूर्व अन्तरका ने विवास हव पाना एका प्रविकास, निकासिबा उप्योक्त से उन्हार अन्तरक कि बित से वास्तिक कर से आधिक नहीं कि ना प्रमान ही:—

- (क) अन्यादन ने हुन्द किकी बान भने नामक उपक अभिनियम के स्थीन कर दोने के अन्यादक के दासित्य में कामी करने ना संस्कृत स्थान में सुविधा में किए; स्रोद/ना
- (क) इति किसी नाम का किसी धन का नाम शास्तिनों को, जिन्हें भारतीय नाम-कर नीमनियम, 1922 (1922) का 11) ना चक्त नीमिन्सन, या नन-कप नीमनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनीय सन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया नया आ या नियम जाना जाहिए था, किस्तों में बुविका के किस्त

श्रक्ष क्षत्र विभिनियम की भारा 269-न औं व्युव्हरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-न की उपभाव (1) के वभीन, निस्त्रतिविद्य व्यक्तियों, वर्षात् क्ष— मैसर्स वसुन्दरा एण्टरप्राइजेस,
 1/2,श्रंगार शापिंग सेंटर,
 80, एम० जि० रोड, वेंगलूर-1।

(ग्रन्तरक)

काक्टर के० एस० गणपति,
 बि० सि० 165 क्वाम्प,
 बेलगाम।

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचना कारी कारके पूर्वीक्त सन्यक्ति के अर्थन के जिल्लाक्षिण कारता हो।

ब बत सम्पत्ति के बर्जन के बंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की कवीच ना तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में सजान्त होती हों, के जीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन में भीतर उक्त स्थावर संवित्त में हित्तबहुध किसी अन्य स्थानित द्वाररा अधोहस्ताक्षणी के वात सिवित में किए वा सकतें।

स्वकाक रणः — इकमें प्रयुक्त कवां और वजां का को कका निध-निवन के अव्याद 20-क में विकासिक ही, वही अर्थ होगा की छत्त जव्याक में विकासिक ही।

(घस्तावेज सं० 1516/85 तारीख 15-7-1985) प्लाट नं० बि-12, 1 फ्लोर, मानिश काम्पलेक्स, जो नं० 10, कानवेंट रोड, बेंगलूर-25, में स्थित है (नापना 1510 स्कवेयर फीट)।

> म्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर,

तारीख: 5-3-1986

मोधर:

प्रारूप आहें, टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रजैन रेंग्य संगलूर बंगलूर, दिनौक 5 मार्च, 1986

सं० ग्रार० 1742/85-86:--- ग्रत मुझे, ग्रार० भारद्वाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० वि 52 है, तथा जो नं० 10, कानवेंट रोड, शेंगसूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख

15-7-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्वयमान
प्रीतिकः, के किए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वात
करने के। कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाह
भूका, अत्रक्षे क्ष्मवान प्रीतिक्त से, हो क्ष्मवान प्रक्षिक स्था
पन्तह प्रीतिकत में जिथक है जोन अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(बंदरितियों) के बीच एसे बंदरण के सिए तब पाया गवा प्रतिफक्ष, विकासितीया उन्हों किया क्या है है——

- (ेख) अध्यक्षण वं हुए किसी काव की वाबक, जक्क वाँचिविवन के श्वीन कर दोने के श्वादक के वावित्य में कनी कहने या उत्तव वचने में त्विभा के लिए; वाँच/या
- (व) इंसी किसी नाय या किसी यम शा अन्य आस्तिनीं को, विन्हें भारतीय थाय-कर निधियवन, 1922 (1922 का 11) या उन्तं निधिययम, या श्रवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के देवेचनार्थ अन्यरिकी इवारा प्रकट शहरी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जवः, उक्त जिथिनियमः की भारा 269-भंको अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीनः, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मैसर्स बसुन्दरा एन्टरप्राइजेस,
 1/2 श्रुंगार शापिंग सेंटर,
 80, एम० जि० रोड, बेंगलूर-1।

d see a complete a first see se production de la complete de la complete de la complete de la complete de la co

(मन्तरिती)

 मैसर्स भ्रिनिता नेनुमल मूरणिनि, नं० 18, 1 फ्लोर, 9 ए, कास, विलसन गार्डन, बेंगलूर-27।

(मन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्वनाहिनों करता हूं।

उपन् सम्पृतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अरक्षेत्र 🖝

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 पिए की जयान का बस्तव्यन्ती व्यक्तियों पर क्षमा की सामीज से 30 पित की सविभ, जो भी जबिम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी स्थानित इनारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवपूर्य किसी जन्म स्थानत द्यारा जभाइस्ताशकों से शास दिवात में किए ता स्कोंगे .!)

स्थव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्यों बौर पर्यों का, थी उबस अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, थों उस अभ्याय में दिया गया

#### मन्स्ची

(दस्तावेज तं० 1514/85 सारीख 15-7-85) प्लाट नं० बि० 52, V फ्लोर, मानिश काम्पलेक्स, जो नं० 10, कानवेंट रोड, बेंगलूर-25, में स्थित है।

> मार० भारद्वाज, सक्षमप्राधिकारी सहायक भ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 5-3-1986

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रजैन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनॉंक 5 मार्च, 1986 सं० ग्रार० 1741/3**7ईई/85−86:--ग्रत: मुझे,** श्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1:00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी संख्या डि-34 है, तथा जो नं 10, कानवेंट रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद अनुसूची में के श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिअस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, सारीख 15-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रथमान प्रतिफल से, ऐसे द्रथमान प्रतिफल का पंदह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** विकास निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं उर्स बसुन्दरा एन्टरप्राइजेस,
 1/2, 1 फ्लोर, श्रंगार णार्पिंग सेंटर,
 80, एम० जी० रोड,
 बंगलूर।

(प्रन्तरक)

 श्री एस० वेंकटरामन, श्रिसिस्टेंट ग्रुप टेकिनिकल मनेजर, मदुरा कोटस लिमिटेड, 10/4, कसतूरबा रोड, बंगलूर।

(ब्रन्तरिती)

ते यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए तर्मजाहियां करता हुं।

### उक्त संस्पत्ति के अर्जन के संस्वन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वी का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### मनसूची

(दस्तावेण सं० 15138/85 तारीख 15-7-1985) संम्पति है जिसका सं० डि 34, III फ्लोर, जो नं० 10, कानवेंट रोड, बेंगलूर, में स्थित है (नापना 1110 स्क्वेयर फीट)।

> श्रार० भारद्वाज; सक्षमप्राधिकारी सहहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-3-1986

मोहरः

## प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनाँक 5 मार्च, 1986

सं० श्रार० 1743/37ईई/85—86:——श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या एफ० 12 है तथा जो कानबेंट रोड, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-7-1985

को प्रांक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से काम के स्त्यमाल प्रतिषक के लिए अन्तरित की गई है और मृझे मह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंकत संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्षयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषक ने अपित है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिएएं)) के नीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा बमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उच्छ बन्तरण विश्वित में नास्तियक रूप में किथात नहीं किया गया है है—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) एसी किसी जाम का किसी धन या बन्य लास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: सब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

 मैसर्स बसुन्दरा एन्टरप्राइजेज, 1/2, 1 प्लोर श्रांगर प्रापिंग सेंटर, 80, एम० जी० रोड, बेंगलूर-1।

(भ्रन्तरिती)

श्री पी० एन० राजेश,
 श्रीमती जयाश्री राजेश,
 २७, के० एन० वि० लेश्रोट,
 कोरामंगला।
 बंगलूर-34।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विषय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में काई भी आक्रोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगी।

स्थिक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्री और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

## भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1515/85 तारीख 15-7-85)
प्लाट नं० एफ०12, 1 पलोर, जो नं 10, कानवेंट
रोड, बेंगलूर में स्थित है (प्लाट कि नापना 1350 स्कवेयर
फीट)।

सम्रार० भारद्वा ज, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरी**क्षण**) म्रर्जन रेंज,**बंग**लूर

तारीख: 5-3-1986

प्रकम बाह्य, की, एत, एस, - - - --

शायसः र प्रिंशिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, बंगल्य

बंगलूर, दिनांक 5 मार्च 1986

सं० 47890/85-86---ग्रत मुझे धार० भारहात भायका, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या 7 है तथा जो रेस कोर्स रोड बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीशरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन लारीख 5-7-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उत्तित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिक्;

 श्री श्रमर एउ० देसाई नं० ए-23 इनकम टैक्स कालोनी बम्बई। (श्रन्तरक)

1: श्री कृष्ण कान्त सि० देसाई
 श्रालि के० देसाई; नं० 7
 रेस कोर्स रोड बेंगलूर।

(अन्तरिनी)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्यभ में प्रकाशन की तारी सं 45 हिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शह में समाप्त होती हो, को भीता वर्षोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थटनीक रण: — इसमें प्रयुक्त कटदों और पदों का, को उन्त अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उन्म अध्याम में दिया गया है।

#### नन्स् ची

(दस्तावेज सं० 1146/85 तारीख 5-7-85)। सब सम्पत्ति है जिमना सं० 7 जो देस कोर्स रोड, बेंगलुर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक क्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रोज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तार दि: 5-3-1986

प्ररूप आर्डु . दी . एन . एस . -----

अगयकर अभिनियम, 196! (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 मार्च 1986 सं० 48089/85-86.—ग्रनः मुझे ग्रार० भारताज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-इन के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या 202 है तथा जो मासगोड विलेज सोमवार पेट होबिल उत्तर कोडगु में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री करण श्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत गर्पास्त का उचित वासार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रिष्ठाल से एसे प्रदेशकान गीत्रज्ञ अने बन्द्रह प्रीक्षात से क्षांचक हैं जोंग तम्साक (अनारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय भागा गया प्राप्तान, निम्नितिखत सद्दोष्ट में एउन इन्तरण लिखत में बान्सा के रूप से कियत नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किली आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जानी जिल्लिए था, ियाने में सूंजियन के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- दि० एन० येनराज
प्यानटर मासगोड्ड टट
मासगोड विलेज
सोम्बार पेट होबलि उत्तर कोडगु।

(ग्रन्तरक)

- श्री टि० जे० बरगीस पौलिबो ह दक्षिण कोडगु।
  - (2) म्यानयु वरगीस -- मध्या पूरव में सप्लाई
  - (3) एम० सि० बि० लिम्बियार नेल्लियेरि केरला।

(इध्न्सचितीः)

3. ऋन्तरक

(वह यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. ग्रातरक

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो<sub>र</sub>स्ताक्षरी जानसा है कि कि व<sub>ु</sub> सम्पत्ति में हिस**बग्र है**)

को मह स्वना **जारी करजे पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्धन को जिए** कार्यवाही शुरू करता हूं।

जनस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अपिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दिन के निवास क्यां कर स्थावर संपरित में दिन के निवास कराय कर किया के निवास कर किया का सिकार में किया वा सकी रें।

श्रमकाकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पद्यों का, को उक्क विधिनसम के कथ्यास 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस कथ्यास में दिया गया है।

## जन्सूची

(दस्तावेज सं० 598/85 तारीख जुलाई) 1985) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 202, 202/2, 203/1 160/ए, 217, 188/18, 218/3, 203/2, 118/19/ए, 199/1, 201 श्रींग 200 जो मासगोड़ विलेज सोमवार पेट होबलि जत्तर कोडगु में स्थित है।

> ग्रार भारद्वाज सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगसुर

तारीखाः 5-3-1986

मोर्रः

## THE STATE OF LAND PROPERTY OF

भागकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) को न्थीन सूचना

#### नारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जम रेंज, बंगलूर

बंगलूर। दिनांक 6 मार्च 1986

निर्धेश सं० 47863/85-86-अतः नुझो, श्रारं० भारद्वाज, शावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत माँभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के सधीन, ससम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से मधिक है

भौर जिसकी संक्या 11 है तथा जो जगामहल एक्सटरणन बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-7-1985,

करे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विषयास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्च सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह पद्मह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क्क) श्रम्बाद्य संबद्ध दिवसी नाम की बान्सात समझ अन्तित्वम् में स्वीत् कर रोपे सी भ्रमारक में सामित्य में सूनी कड़ने ना स्वतं समूने में सूनिया के लिए; और√या
- (क) एंडी किसी नाव या किसी थन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

आत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती मुनीरा नाहर नं० 26, I क्लास, जयामहल एक्सटेंशन बेंगलूर-6।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रजित मंगराम पामनानि श्रीर (2) श्रीमती पूनम श्रजित मंगराम, नं० 1015 बेंनसन क्रास रोड बेनसन। टौन बेंगलूर-46।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी विधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिसम्बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला को किए था तकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वका है।

## जन्सूची

(दस्तावेज मं 975/85 तारीख 1-7-1985)।

सम्पत्ति है जिसकी सं० 11 जो जयामहल रोड जया महल एक्सटेंगन बेंगलूर-6 में स्थित है (नापना 8,730 स्क्वेयर फीट)।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तार्ख: 6-3-1986

मोहरः

अरूप **वाह<sup>र</sup>. टी**ं **एत**ं **एत**ं -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सुचना

#### भारत चहुकार

कार्यालय, सहायक मायकर गायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूप, दिनांक 7 मार्च, 1986

निवेश सं० 47897/85-86—अाः मृझे आए० भाष्ट्राण बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिल्ही सं० 14 और 15 हैं, तथा जो 1 कास, जयमहल एकमटेंणन, बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबछ अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से बणित हैं) रिजस्ट्री ति अधिशारी के पार्यालय गांधिनगर में रिजस्ट्री इसण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-7-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के स्थयमान प्रतिफल क लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का अधित बाजार मृत्य वसके रहयमान प्रतिफल से, एमें स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच एसे बन्तरण के लिए सब-पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित में नहत्विक स्थ से स्तृथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाब की बावत अवत अधि-निवंश के बधीन कर दीने के अन्तरक के दासित्व में कर्नी कुरने या अवसे बचने में शुविधा के नियं; बीर/मा
- [क] एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तिओं को, चिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

 श्री आर० डो० आनफर्ड, नं० 14/15, 1 कास रोड, जय मह्त, एक्सटेंगन, बेंगनूर-46

(अन्तरक)

 श्रीमती मुनीरा ताहर, न ० 11, जय महल रोड, बेंगलूर-46

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकायन की तारी है से 45 दिन की अविधि या उत्संकर्ण व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ दुरेगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

#### मग्त्र्या

(दस्तावेज सं० 1227/85, दिनांक 28-7-1985) सम्गत्ति हैं जिसका नया सं० 14 श्रीर 15, रिकास जय महल एक्सटेंणत, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 7-3-1986

मोहर ः

प्ररूप , आहुर् . टी . एन . एस . -----

बीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) की अधीन सुबना

भागत मरकार

कार्यालय, सहायक जायकर अध्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांफ 5 मार्च, 1986

निर्देश सं ् 405/04-25-- इ.स. म्हें बान्व के हरा भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहत सं अधिक ही

श्रीर जिसकी गं० छन्दा गं० 121, 118, 113/400 है, दया जो सीमोगा, में स्थित है (श्रीद इसमें उदाबढ़ अनुसूर्च में श्रोद पूर्ण रूप से विणत है) दिजस्ट्रीनर्ता विविकारी के वार्यात्य बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनों हु 5-3-1986

अ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त समित का अदित बाजार मूल्य, इसके स्रथमान अतिफल सं, एसं स्रथमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयाजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जपान नम् , उक्त अधिनियम की भार 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भार 269-म की उपपार (1) के अभीत, निम्निविधित व्यक्तियों, अभीत् 8 —  श्रो अनंथा पद्मनाभा सृपुत्न श्री आमूर मुख्बराया, सन्य निवास, फोर्ट रोड, शिमोगा।

(अन्तरक)

 मोहन दास नू० लिलामि, गांधी बाजार, सिमोगा।

. (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तार्माल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति ६वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

(दस्तावेंज सं० 1167, दिनांक 30-7-1985) आंडर डाकुमेन्ट नं० 1167/85-86, दिनांक 30≖7-1985 जिम्बुटेड एट सिमोगा सिटी, अडमरसिंग 14+6 ————×30

2

वर्ग मिटरस आर० सि० सी० हाऊन विल्ट साईट, मेजिरिंग  $11 \pm 13 rac{3}{4} imes 90$  एड निमोगा।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 5-3-1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल्र, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० 439/85-86—अतः मुझे, आए० भारहाज, बायवार विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 364 है, तथा जो IV, वार्ड, भामराज्येट, दावणगेरे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है) रिजिस्ट्रीय तो अधिवारी के कार्यालय, दावणगेरे में रिजिस्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

 श्री द्वारकानाथ एल० टी० और कुछ लोग, भौकिपेट, दावणगेरे सिटी।

(अन्तरक)

श्री दुम्मित मोहम्मद साव,
 व्यापारी, भामराजपेट, दावणगेरे - 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2870/85; दिनांक 31-7-1985) सम्पत्ति है जिसकी सं० 364, जो IV वार्ड VI डिवीजन चामराजपेट दावणगेरे-1 में स्थित है। (नापना:  $15' \times 45'$ )।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहाक्षक आयकर ऋायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बेंगल्र

अत: अब, उक्त क्षिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

दिनां ह : 4-3-1986

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० आए० 1772/85-86—-अनः मुझे, आए० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 3 है तथा जो बेनदोर बार्ड, कब्री विलेज मंगलूर में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण का में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 29-7-1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालायिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उन्तर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण चें, में, अजत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीय, निम्न्तिचित म्यक्तियों, अर्थात् ध—  श्री बि० सदाशिव राव, वास लेन, वालमट्टा, मंगलुर ।

(अन्तर्क)

 श्री मद्दूकर मल्लि, कुनजान बैले, मंगलूर-8

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन करें सारी कि कि 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगें।

स्पाका स्पान स्पान प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त निध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1531/85, दिलांक 29-7-1985) सम्पत्तिहै जिसकी सं० ३, लिवता अवार्टमेन्ट्स जो बनदोर वार्ड, कदि विलेज, मंगलूर में स्थित है। (नापना 976 वर्ग फीट )।

> आर० भारक्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनाक : 3-3-1986

## इस्पर बाह<sup>1</sup>. टी., एन. एस.- - न ≝---

## भागकर विभिनिष्य, 1961 (1961 का 43) छी। भारा 269-न (1) के अभीन सुमना

### मारुव वरकार्

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त निरक्षिण) ग्रर्जन रोंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 3 मार्च 1986 निदेश सं० ग्रार० 1780/37ईई85-86—ग्रतः मुझेश्रार० ारद्वाज.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-रू के व्यक्ति संसाम पर्णिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापर सम्मत्ति , जिसका उचित बाबार मूक्ब 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एल० बी० है तथा जो वस्वा बजार विलेज मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिनस्ट्रीवरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 29-7-1985

को प्रोंक्त सम्मित्त को खिलत बाजार मृस्य से कम के दरयमान निरुप्त के लिए अन्त रेस्ट पति नहीं हैं और मुख्ये यह विकास आरते का कारण ही कि मधापुर्वोक्त संपत्ति का उपचिद्य दाखाद १८० , तम ने एवयनान प्रतिकल से, पोत्रे अध्यमान प्रतिकल का बन्द्र प्रतिशत से प्रधिक हो और अन्तरक (जन्तरका) और कर्म के (जन्तरित्या) से नीच एमा सन्तरण से लिए तय १०० गया प्रतिकल्प, निक्निलिंकत उपविक्य में अक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रशंजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा अक्षीलध्,
- अर १. विक्त अभिनियम की भारा 269-म के अमृश्याम की, मी. उन्त अभिनियम की भारा 269-म के उपधार (1)
   विक्त विश्वित व्यविश्वयाँ, स्वकृति ५---

श्री पूरना शारकाडे,
 के० एस० राव रोड,
 मंगलूर-1।

(भ्रन्तरक)

 श्री मोहिनी एच० गेहि, केल्लारि बंडारि माने, वामानजूर मंगलूर-5।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखींप ३---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि गाद में समस्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्क राजितयों में से फिली व्यक्ति स्वादा;
- (सं) इस स्वना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृदाय वधोहस्तासरी के पार विश्वत में किस बा सकों में।

स्मध्याकरण:--- इसमें प्रयुक्त सम्बंगित पदीं का, जो उनक अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाजित ही, वही अर्थहोगा जी उस अध्यास में विका गया ही।

### नग्लुची

(दस्तावेज सं० 1534/85, दिनांक 29-7-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० एल० बी० लोवर ग्राउन्ड, जो कस्बा बाजार विलेज वार्ड नं० 13, मंगलूर, ग्रार० एस० नं० 597/1ए + 578/2ए, ग्रीर टी० एस० नं० 217/1ए श्रीर 216/2 ए 2, में स्थित है।

> 8ग्रांग्० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, बेंगलुर

दिनांक: 3-3-1986

मोहर:

12-6 GI/86

प्रक्य भाइं.टी.एस.एस.------

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगसूर बेंगसूर, निांक 3 मार्च 1986 निर्देण सं∘ ग्रार-1767/37-ईई/85-86—ग्रतः मुझे ग्रार० भारद्वाज

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके वश्तात् 'जनत अधिनियम' बद्धा गया हैं), की धारा 289-स के अधीन सक्षत्र प्राप्तिकारी की वह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर स्नारित, किसका अधित वानार मृज्य 1,00,000/- क. ते अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० प्लाइ नं० 4 है तथा जो 15-जेनदोर व बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद स्रनुसुची में स्रीर जो पूण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 29-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंसरिल की गएँ हैं और मूम्से यह विश्वात करने का जनरण है कि अभापूर्वाचित अम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से, ऐसे द्रवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (शंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में प्राक्रिक क्य ने किंचन महीं किया गण है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने से स्विधा के सिए;

वतः अस, उस्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण है, सै, उस्त अधिनियम की भारा 269-म उपभारा (1), अ सभीत, निम्नितिस्त कार्रितम्], प्रथान के

 श्री बि० सदाशिव राय लोबो लेन महिसम्बद्धा मंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

 बेनेडिकटा मोल्लि पैयस चार्च कम्पाउन्ड कुलशेसर मंगलूर ।

(ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथंकित संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्वित द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी काम व्यक्ति द्वारा वधोहस्याक्षरी के पास चितित में किए मा सकी।

स्थानिकरणः---इसमाँ प्रयुक्त सन्दाँ और पर्यों का, को उनस विभिन्निक के अध्यात १०-० स प्रिकालिक हैं। मही कर्ष होगा को लेख बच्चाव के विकास नवा हैं।

#### वरस्वी

(दस्तावेज मं० 1530/85 दिपेांनः 29-7-1985)

प्लाट नं० 4 V फ्लोर ःविता श्रपार्टमन्ट्म जो 15-बेनदोर वार्ड मंगलूर सिटी कारपोरेशन में स्थित है (क्षेत्रफल 976 वर्ग फीट ) ।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायनः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बेंगलूर

दिनांक: 3-3-1986

मोदर :

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . ------

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 47980/85-86—श्रतः मुझे श्रीप० भारहाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीप जिसकी सं० श्रपार्टमेन्ट नं० 702 श्रीप 703 'रियमन्ड क्लेस अपार्टमेन्टमें है तथा जो 3 कानवेन्ट रोड बेंगलर में

प्लेम, श्रपारटमेस्टेन' है, तथा जो 3 कानवेन्ट रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री तरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे हश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उस्से बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

सतः संख उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनूसरण मं, मं, उक्त अधिणियम की भारा 269-म की खपभारार (1) के सधीन, निम्मलिखित स्विक्तयों, अथित् :— मैसर्स नैना दीपक कमानि,
 'फेरोहिन, नं० 31, पोक्तनवाला रोष्ठ,
 वरलि, वस्बई-400025।

(ग्रन्सरक)

 मैसर्स लारसन श्रीर टीब्रो लि० एल श्रीर टी घर नरोत्तम मोरारजी मार्ग बिल्लार्ड इस्टेट बम्बई-38 ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी कारकों पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त कि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### अनुसूची

(वस्तावेज सं॰ 1322/85, दिनांक जुलाई 1985)

श्रपार्टमेन्ट नं० 702 श्रीर 703, जो रियमन्ड श्रपार्टमेन्टस नं० 3, कान्वेन्ट रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक: 3-3-1986

मोहर ७

प्रकथ बाह्". टी. एव. एवं .-----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के नधीन स्वमः

## RIES SESIE

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 47938/85-86—प्रतः मुझे ग्रार० भारताज बालकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परधार 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित वाबाद मून्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 40 हैं तथा जो रेजिडेंसी रोड, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 1-7-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के सम्प्रान विस्तित के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वा करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार कृष्य, असके स्थ्यमान प्रतिकल से, ऐसे व्यममान प्रतिकल का पलाह प्रसिक्त से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वंतरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे बन्तरक के तिए तम पाम वया प्रतिक्षण किन्ति विश्वा उद्धारम से अभ्यत्य किन्ति में बाल्या किन्ति की किया गया है :---

- (क) त्रन्तहम् वं दूर्त किया नाम् की वाय्ष्ठ, स्वयः श्रीनृतिक्त् को स्वीत् कर दोने के शन्तहरू के व्यक्ति में क्यी करने वा उत्तते स्वतं में सुविभा के त्रित्र; त्रीहर्णाः
- (व) प्रेसी किसी जान वा किसी भन या अन्य जारितयों को, जिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था वज्-कर विधिनियम, 1957 (1957 भन्न 27) वी प्रवाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा वा किया जाना आहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

वित्र सव सवत विभिनियम की पास 269-व वी समूझरण भे, बें, उसत विभिनियम की भारा 269-व की खपभारा (1) के अधीन : निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—  श्री लिन्डा डे०कुज, ग्रौर कुछ लोग, नं० 40, रेजिडेंसी रोड, बेंगलुर ।

(ग्रन्तरक)

श्री जे० श्वार० थापर,
नं० सि-3, रुस्तमजी श्रपार्टमेन्ट्स,
नं० 39, नार्रिस रोड, रिथमंड टाउन,
बेंगलुर ।

(ग्रन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशास्त्रियां करता हुई।

बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीथ ने 45 विक् की ब्विध या इस्वन्यन्थी व्यक्तिकों पूर् सूचना की ताबील से 30 दिन की स्विध, जो भी बविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से कियी क्यकिस द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में पकाशन को तारिक से 45 दिश को भीतर उक्त स्थावर उक्तिमा में हित्तबस्थ किश्वी अन्य प्रावित स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार निकल में किए जा सकेंगे।

लक्षीकरणः---हत्वमं प्रमुख्य कृष्यां सीह एवं कां, औ एक्छ क्षिबद्धम्, से कृष्याच 20-क में परिशाचित हैं, बहु कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा क्षा हो॥

## भ्रमुसुची

(दस्तावेज वं० 1446/85, दिनांक 1-7-1985)

सम्पत्ति है जिसका सं० 40, जो रेजिडेंसी रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधि का रि सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 3-3-1986

## द्रश्य बाह् . टी. तुन् . एड . ----

बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन स्पना

बारत बरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 47827/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्भोध, जिसका उचित वाबार भूव्य 1,00,000/- रु. से विश्वक है

और जिसकी सं० 337 है, तथा जो III ब्लाक कोरमंगला, एक्सर्टेशन, वेंगलूर में स्थित है (और इसले उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण का वे विश्वत है) रजिल्ट्री क्रित अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर दक्षिण तालुक में रजिस्ट्री करण अधिनियम,

1908 (1908 का 13) के अधीन दिनां 11-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्चास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) नेजरण ते हुड़ किशी बाग की बाबत, उक्त वीभीन्द्र के वृथीन कर देने के बंदद्रक के दावित्व में कमी करने वा उत्तवे बचने में ब्रुंतिभा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्याधिनयम, या जन-कर क्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अगरिती द्वरा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :--

 डा० सुशी ल दुवा शर्मा नं० 21, सुन्धरस्याप, बेंगलूर-54, ।

(अन्तरक)

मै सर्स श्रीधर ट्रस्ट,
 नं० 8/22 III कास,
 जयानगर, बेंगलूर-11
 प्रतिनिधि:—
 श्रोमती सी० ए० रेवती ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्चन के विक् कार्यवाहियों करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप के-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तानील से 30 दिन की जनधि, को भी जनधि नाद में दनान्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ब) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का स्कोंने।

ल्क्डीकरण:—-इसमें प्रयुक्त बुक्तों और पद्यों का हु को उपक अर्देश्वीनयम् के बुध्याय 20-क में परिभाषित हैं हो बड़ी अर्थ होगा जो उस बुध्याय में दिवा क्या हैं।

### वनसंची

(दस्तावेज रां० 1224/35, दितांक 11-7-1986) खाली जगह है जिल की सं० 367 जो III क्लाक कोरा-मंगला एक्सटेंशन, वेंगलूर सें स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन देंज, बेंगलूर

दिनांट : 3-3-1986

## क्**ष्य वार्व**्टी **. १५** . १६ , ०००० ४०० ४००

## जायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के जधीन सूचना

#### नाइक कड़कार

## कार्यासय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिशांक 27 फरवरी 1986

निवेश सं० 47782/85-85—-अः मुझे आर० भारद्वाज नायकर निवेश संग 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वं के अधीप सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 383 है, तथा जो जुम्मा मस्जिद रोड़ में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर रा वर्णि। १) एति श्री प्रति अधि प्रति के कार्यालय, शिवाजी नगर में 293/85 में प्रजिल्ही उपण अधिप्रियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मुलाई 85

करे प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मन्ध्र, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्मेप्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरको) और अंतरिती (बंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से स्टिश्त नहीं किया गया है:—

- क) जनरण से हुई किसी जान की वायस, उपत जिम्हीयका है संगीत कर दोने में अन्तरक मी दायित में कमी करने या उससे वचने में सुविधा में किहु, जीड़/वा
- (स) एंसी निस्ती आय मा किसी धन या जन्य आस्तियों किए, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:
- कतः थव , उक्त विधिनिधन की भारा 269-च के कन्तरच भा, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नेलिखिए व्यक्तियों , अर्थाह ः—

श्री के० गौरीगंगर शर्मा,
 नं० 46, पी एण्ड टी कालोनी,
 रिवन्द्रभाथ ठाकूर नगर, बंगलूर-32

(अन्तरक)

 श्री अनीस ऊर रेहमान, नं० 18/1, आलबर्ट स्ट्रीट, रिवमन्ड टाउन, बंगलूर-25

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शहरीय से 45 दिन की समीध ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की सविध, को भी सनिध बाद में सनाप्त होती हो, से भीत ह नुनोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यात;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

#### and the

(बस्पानेष: सं० 1134/85, दिनांक जुलाई, 1985) प्रश्ति है जिलका सं० 383, जो जुल्मा मस्किद रोड, गिविन स्टेणन, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायर आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगजर

दिनां ह : 27-2-1980

## प्रकम बाइ.टी.एन.एस. प्रतापनान्य

## नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुमना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जम रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर,दिमांक 26 फण्वरी, 1986

निदेश सं० 47868/85-86—अतः मुझे आद० भाण्डाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिल्लकी सं० 538 है, तथा जो छो० टी० सी० रोड, विमेन्द्र-53 में स्थित है (श्रीर इसने उपाधह अनुस्ती में छौर पूर्ण का से विणित है) रिक्ट्रोस्ता अधिरारी के कार्यालय गांधीतगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के दरयमान शोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) करारण वे हुए किसी बाग की बावता, खक्त विभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उत्तर अचने में सुविधा की सिष्कृ वरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन यह जन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा से सिष्टा

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के जधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :----  श्री एच० एय० नारायण राव, नं० 9, 8, एम० सी० मैंन, एन० एच० सी० लेआउट, विजयनगर, बेंगलूर ।

(अन्त्रक)

 श्री हिन्दबाणी एलैं निट्राल्स, नं ० 234, णातवीरमा लेन, चिक्कपेट, बेंगसूर ।

(अन्∃रिती)

को ग्रह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्त्रियन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति यूवागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तत स्थावर संपरित मो हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पान जिल्हा मो निर्ण का नगर।

स्यक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनक्ष विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं कर्भ होगा, जो उस अध्याय में विधा नेवा हैं।

## वन्स्ची

(इस्ताविज सं० 1024/85-86, दिनों ह 8-7-1985) सब सम्पत्ति है। सिका सं० 538, जो श्रो० टी० सी० रोड, बेंगलूर-53में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम गाधि हारी सहायक आयकर आयुवत (किरीक्षण) अर्जस रेंज, वेंगलूर

दिनांक: 26-2-1986

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयंकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्र

बेंगलूर, दिनांक 26 फरवरी' 1986

निदेश सं० 47795/85-85--- अतः मुझे, आरु० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खें के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 775 है, भार भी 100 फोट रोड, एक० ए० एन  $H_{r_{i}}$  स्टेंब, इंदिस गरूर, बेंगलूर-500038 में व्यार है (श्रोर इसते श्रीमायड अनुसूची में श्रीमा (भीरा / मार्गिमाड के प्राथित मिरायी भारत, से प्राथित प्राथित अधि गरी के प्राथित मिरायी भारत, से प्रिज्ञीत एए अधिनियम, 1908 (1903 में १८) में अधीर दिनांक 4-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है अर मुझ यह दिव्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन ट्रंग्स के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री एस० एस० नारायण स्वामी
  - (2) श्रीमती इन्दिरा नारायणस्वामी,
  - (3) मिस अनुराधा स्वामी,
     नं० ७, 1, क्रास लक्ष्मी रोड, शान्ति नगर,
     वेंगलूर-27

(अन्तरक)

- (1) श्री देव राज सूरी
  - (2) श्रोमती कमलेश सुरी,
     नं० 775, 100 फीट रोड,
     एच० एल-II, स्टेब, इठिया धगर,
     वेंगल्य-38

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किही अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(बस्ताका सं० 3052/85-86. कि.से ए-7-1985) सब क्यांकि है कि.की सं० 305, को 100 फीट रोड, एव० ए० एस०--II स्टेब, इंदिया नगर, बंगलूर-560038 में स्थित है।

> आर० भाग्द्वाज संश प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज, बेंगलूर

दिगां ह 26-2ब1986

मोहर अ

्रकष् बाइं . ती . प्त . प्र

वाबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

आयन्त्रिय, सह क बायकर बायुक्त (निरासिक)

अर्जन रेज, वेंगलूर

बेंगलू , दिनांक 26 फरवरी 1986

निर्वेश स॰ 47785/85-86—अतः मुझे, आर॰ भारद्वाज बायः र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इससे पश्चार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 265 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कार॰ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृख्य 1.0 : 000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर िको सं भूमि 9 है तथा जो म्रल्पताल रोड बेंगलूर में थि है (प्रीर इस से उपाबद मनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिनस्ट्रीकरण मिधिनियम, 1908 (1908 का 6) के मधीन दिनां जुलाई 1985

को पर्वे वन संपत्ति के सचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफ र के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके क्रथमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल स्थापन्द्रह जिल्लात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अता सित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल्ल, निम्नितिश्चित उद्देश्य से उन्त अन्तरण बिश्वित में बास्त्विक स्थाप का कि न्तर्म निम्या प्रया है क्ष्य के सिर्ण निम्में किया प्रया है क्ष्य

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के ब्रियस्य में कमी करने या उससे वच्ने में सुविधा े लिए; बीड़/या

ंती जिसी आय वा किसी धन वा बन्य बास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय साथ-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम या धक्कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नथा था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में स्थिथा के बिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रि.

13-6 GI/86

 श्रीमती बालिक्स मूसा नं० 11/1 हास्पिटल रोड सिविल स्टेशन बेंगलूर ।

(अन्तरक)

2. श्री भानेवन्द नाहर नं० 100 मैंनः बाजार उटकामन्ड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिए। सूरू करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप र-

- (क) इस सचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हुनारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस थें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास विस्ति में किए जा सकों।

स्थाकीकरण :--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1156/85 दिनांक जुलाई 1985) सब सम्पत्तिहै जिस हा सं० 9 जो हास्पिटल रोड बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज. बेंगलूर

दिनांन : 26-2-1986

### प्ररूप आई.टी.एनः एडः ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीसक)

ध्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलर, दिनांव 24 फरवरी: 1986

निर्देश सं० 47779/85-86—ग्रतः मुझे, मार० भस्रक्रज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे स्ववे सिके परणात् 'लक्त अधिनियम' कहा गया ही, को वारा 269-स के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वितः बाबार स्वव

श्रीर निसकी सं० 7 है, तथा जो श्राटिलरी रोड. श्रलसूर. बेंगलूर में स्पित है (प्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विषित है) रिजस्ट्री ति श्रिधवारी के नार्यालय मित्राजी नगर में रिलस्ट्री रिणाश्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिलां जुलाई. 1985

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्याबाय प्रतिफल के लिए शालारित की गई है और मृत्रों यह किक्काल करने का कारण है कि एथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खाजित बाजार मृत्य. उसके एक्शमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिज्ञत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और बत-रिती (अल्लिक्टिग्लि) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा महा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिविद में गासाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की दावत, उक्त किसीय कर दोने के बंतरक वी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, अरि/या
- (स) एगी फिसी लाय या किसी भक्त याः कम्क कारितवीं कां, जिन्हों भारतीय सावकार सीधनिसका, 1922 (1922 का 11) या उक्त सीधनियम, शा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रपालकार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट सहीं किया स्था था था किया जाना चाहिए था, किया के सीविधा के रिए:

क्टः बंब , उसल ऑधीनयम की भारा २६७-व के बर्नुसरक की, थीं , जन्म अधीनमञ्जूष का भारा २६९-व की इर्थासी:(क्रि) के स्थीत, सिस्मिलियत स्वितियों, स्थीत क्रि श्री श्रद्य कुमार गांगुली
नं० 15 गुलाब न्यू बंगलौज
डाक्टर सी० पी० गिडवानी रोड,
चेम्बूर बम्बई-400074।

(ग्रन्तरकः)

- 2. (1) श्री बी० रघुरामा शेट्टी
  - (2) श्रीमती चन्द्रकुमारी धार० मेट्टी
  - (3) मिस नीमा श्रार० शेट्टी
  - (4) मिस रीमा ग्रार० मेही
  - (क) मिस सीमा भार० शेट्टी
  - (6) मास्टर विनाय श्रार० शेट्टी महाबला विल्ला प्लान्टर्सलेन मंगलूर-575003

(ग्रन्निरती)

**कारै बहुः बुचना वारी कारके पूर्वोक्त** सम्मति के अर्थन **के सिष्** कार्यवाहियां कारता हुएं।

कार समिति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी बन्य स्थित इंबारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किये वा सकेंगे।

स्था किरण :- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, सो उक्त सिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिन हीं, यही सर्थ होगा. जो उस अध्याय में विभा यदा ही।

#### जनसची

(तस्त्रावेण सं० 122/85-86 दिनां र जुलाई 1985) सत्र सम्मतिहै जिलाम सं० 7 जो शास्तिमरी रोड शलसूर केंक्क्न में स्थित है।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

Penter: 24-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

## बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### बारत क एका र

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रार्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगांलूर, दिनां । 19 फरवरी 1986

निर्देश सं० 62/डी०प्रार०-10/37ईई/85-86--- अतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसके इसके पश्चात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थावर सम्पत्ति. बिसका उचित अधार मृज्य 1,00,000/- रो. से अधिक है

श्री तित्रकी संविध्य में नंव 242/1 है, तथा जो तल गांव विलेज, हो भगेता, गोज में स्थित है (तो इतसे उराबद्ध अमुसूची में श्री तो पूर्ण कर से वर्गि हैं) जिल्ह्यी ति विधारी के नार्यालय इ.खार में रिल्ह्यी रूण श्रीधिनियम, 1908 ( 908 त 16) के श्रिधीन दिनों वि-7-1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते दह विश्वास करने का कान्य ही जि. यथ गुक कर सपत्ति का उचित बाजार पृल्य, उसेंस स्मान प्रतिक्षल के क्लिस सम्पत्ति का उचित बाजार पृल्य, उसेंस स्मान प्रतिक्षल के क्लिस प्रतिक्षल के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्थ में हुए किली नाम की बावत उपके विभिन्नियन के बधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीमत्त्र में कमी करने या उससे बचान में सुविधा अरामण, श्रीण/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था को लिए;

बत: अब, उक्त प्राधानयम का धारा 269-ग के बनुबरण वें, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-ण की उपधार (1) के अधीन, निम्मीलस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 1. (ग) श्री फांधिस्को सौजा मेकेडो
  - (गै) श्रीनती मोरिया लौरड्स मारिटन्स ई मेकेडो
  - 2, (ए) श्री विसेन्टे अनवारो सौना मेनेडो
    - (ी) श्रीमती डंजिला, सीजा मेवेडी
  - 3. गृइत्रहरमी पी०एच० सौजा मेकेडो
    - (ए) मेरिया श्रान्टोनेट पी०डी० सी० डी० सीजा मेरेडो ।

- (4) (१) ईशा सीजा में हेडो ई० गरडा मार्राटन
  - (बी) अपलोज डी० अस्टा घार्नधन्त ।
- (5) (1) इतसा सौनामे हडो ६० वैनिजिज।
  - (बी) डी॰ फान्सिसको डी॰ मेनिसिफ
- (6) (ए) त्रिलिया पी० एवं० मार्यटेन्स ई० परैरा (बी) फ्रानिसिको वसेवियर पेरैना
- (7) (ए) लूयिजा एफ० एल० मार्श्टन्त ई० फर्नान्डीस (बी) पीलो बैलन फर्नान्डीस।
- (8) (ए) इवेलिन एल में डो गाडित
  - (बो) दैस्टोनेप्ट अर्थ त एटा क्यों कार्यक्रम, गाडिक
- (9) लूसिया युलेलिया मे :डो ई० ग्रेगानदा
- (10) '(ए) मेन्या इत्रसा मे डो ई० बगातता
  - (शी) अत्सुन पदी की जगलता
- (11) (१) क्रूरोजिनो मार्व्हला ।
  - (बी) लवितिया लोगा।

पता ।

घ : नं० 131, मिस्साडुू,

माफता बारडेज, गोशा-४०३५०७।

- (12) मेरिया पर्वते पत्र बते विषय और जेली सीजा मेरडो डोस्ट्रेस ससैपात्र ।
- (13) उमेरियाना फर्नान्डीज ई० ला-टिन्स
- (14) (ए) िटिशनो मार्ग्टना

ा(बी) मोरितिया श्रमारात ई० मारित्त

- (15) निक्त्रेत जोशे मार्ग्टन्त
- (16) फल्नान्डो लोइत माहिना
- (17) क्यान्तितको वसेविदार माधिना
- (18) ब्रान्टोननो मार्गटन्त ।
- (19) (१) गरीक्षिकसातमा टिन्त ई ाचातहो
  - (बी) ऋरविन्द ःगरवा हो।
- (20) (ए) ग्रालीक मार्ग्टन्त ई लोपक
  - (बी) ग्रास्तर लोपज ।
- (21) (ए) लीड्स, मारटिन्स
  - ·(श्री) रालफ डैयास
- ('22) फार्तिमा मारनिस ।

(बता) ।

गरान वालेम ति जवादी तालुः।,

गोत्रा-403301।

(भन्तरक)

2. मैचर्स श्रानकान रियल एस्टेट्स (प्रा०) विस्टिड वेतही बिल्डिंग, पनजी, गोवा-403001।

(भारतिती)

के वह तुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के पर्यंत के निरु कार्ववाहियां करता हूं।

.**हचत सम्पन्ति के वर्जन के** सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर

स्वना की तामील से 30 दिन की बंबिय, वा भी बबिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;

(क) इस सूचना के राजपन में प्रकारन की वारीय से 45 दिन के बीटर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबक्ष किती बन्दा व्यक्ति इनारा वशोहस्ताक्षरी के नावः विश्वित में किए वा सकोंगे।

स्थल्डीकरण:--इटर्से प्रमुक्त बन्दों और पदों का, वो उद् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिसा नवा है।

### . बन्म्क

(दस्तावेज सं० 226/85-86, दिनांक 10-7-1985) सम्पत्ति है जो "कुरला बेन्गवेनिम" नाम से पिरिचित है जिसका सं० सर्वे सं० 242/1, जो तलै गांव विलेज, डोना, पौला, गोवा में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 19-2-1986

मोहर:

इस्य. बाई. टी. एव. एव.

आक्कार विधिगत्वा, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, उद्ययक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी 1986 निर्देश सं० डो आर/636/1985-86—यतः, मुझे, आर०भारद्वाज,

बायकर सिंधिनियम, 196. (1951 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियमें कहा गया हैं), की बारा 269-ख के संभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइण है कि स्थानर सम्मति, विश्वका उचित वाचार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी सं० प्ताट नं० 70 पी० टी० सीट नं० 541 है, तथा जो गोगल मत्यांव गोवा में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर रिलस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मुलाई, 1985

को प्योंका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंतान प्रिक्ति के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह निश्वास करने कस्ले का कारण है कि यंजापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत से, एसे स्थ्यमान प्रतिकत का बंदह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया अतिक स्, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त सन्तरण विवित् में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है रेन्न

- (क) बनारण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त कि निवम के बर्धांग कर होने के बन्तरक के दासिन में कमी करने या उत्तर्श बजने तो सुविधा के लिए। बीड/बा
- (ह) एसी किसी काम या किसी धन या अप्य आंतियों की, जिन्हीं भारतीय काय-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं क्या मंत्रा था किया जाना चाहिए था छिपाने में संजिधा से लिए?

जत: जब,, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अन प्ररण में, में, धक्क जिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री कृष्णा दत्त शर्मा श्रीमती ऊपा कृष्णादत्त शर्मा व ंशा मरगांव गोवा।

(अन्तर ह )

2. मैसर्स संपना रीयल इस्टेट वर्दे वलविलकर रोह, मरगांव गोवा।

(अन्तरि 🏻 )

को यह तुषमा पारी करको पृवांक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

बब्द सम्मीत के बबंन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वा के राजपण में प्रकाशय की तार्र इ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की नवधि, का भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, हे मीतर प्रकार व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हत-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बचाइस्ताक्षरी के पास विविध में किए जा सकेंगे।

क्यकीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विशिवस, को अध्याय 20 के में परिशा वित हैं, क्ट्री वर्थ होगा. वो उस अध्याय में देश वधा हैं।

#### वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 788/85-86 ता० 22-7-1985) सब सम्पत्ति क्षेत्र 1000 स्क्वेयर मीटर जिसका सं० जी गोगल मरगांव सिटी चल्टा नं० 7 पी० टी० सीट नं० 54 ।

> आर० भाउहाज सक्षम प्राधिः री सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षाः) अर्जान रेंज, बंग गर

तारीख: 20-2ब1986

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस .-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० टी० एन०/डी आर 637/85-86— यत:, मुझे, आर० भाण्द्वाज, सहायक आयकर आयुक्त (िरिक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जित्रकी सं० प्यार्थ नं० 254 और 9232 पी० टी० सीट मं० 251 है, तथा जी वर्षे बनाविकिस् रोड़, मरमांव में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्री ति अधिकारी के कार्यात्रय, अंगलूर में रिफ्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीय, तारीख 22 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबद्ध रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि -नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के िलए; और∕या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सविधा के निए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणः कै, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मीनसी अपना विवास इस्टेट वर्षे बलावलीकर रोड़, मध्यांब गोवा ।

(अन्तरक)

2. मैं और परिना होम, मरगांव गोवा।

(अन्तरिती)

को यह स्चना अश्राकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति यों में भिक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## श्र<mark>न्भूची</mark>

(दस्तावेज मं० 78 / 35-38 ता० 22-2-1985) घर पहली मंजिए क्षेत्र 229 कोयर मीटर दूसरी मंजिल क्षेत्र 229 कोयर मीटर प्रोप तीयरी मंजिल, 69 खेयर मीटर जिलकी सं० जो वर्षे वराविकार रोड़, मरगांव गोवा।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहाय*ः* आयक्त (किरी**क्षण**) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-2-1933

अंकम बाद¹. टी. एन. एवं.--------

भाषक प्रतिकास, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ध (1) के बधीन सूचना

rgurg yermen i Lilling bir tortug barnı bir kirili **şêmi yayı**lık bir.

#### भारत सरकात

## कार्याभयः सहायक जायकर नामुक्त (निरीजन)

अर्जन रेंज, बंगलूर पटना, दिनौंक 13 फरवरी, 1986

निर्वेश व ी०१,न०/ङआर 67 /85-86——यतः, मुझो, आर० भारामण,

बायकर कांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परणात् 'उक्त किभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्तम प्राधिकारी का., यह विश्वास करने का कारण् हैं कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाबाद सुम्ब ;

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिल्ली सं अर्थ के 369/3 है, तथा जो पोद्रोरिम गांव सोकोरो तालू अर्थ जब बर्ड में स्थित हैं (श्रीर इससे उन्नबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रून से विणित हैं), रिपस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय, बंगलूर में रिपस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जुलाई, 1985

का प्यानित सम्मत्ति के उणित नाजार मून्न से कम के व्यवमान ब्रित्यस्य के निए धन्तरित की यह है, बीर मुख्ने यह विश्वाद करने का कारण है कि संभाप्तित वाप्तित का उणित वादाद ब्रूच, उत्तक ध्रमान प्रतियम्न से ए'से व्यवमान प्रतिक्रम का वृद्ध प्रतियत से निभक है और मंतरक (मंतरकों) बार मंतरिती (बन्तारित्यों) के बीच ए'से बन्तरण के निए सन् पाना स्वा प्रतियम, विम्लामिन्ति उद्योग से उन्त बन्दरण विश्वित से वास्तरिक रूप से कथित महीं किया नवा है क—

- (क) मन्तर्थ से हुई किसी बाद की गावत स्वतः वृद्धिः रिम्पून के सभीन कर दोने के मन्तरक के समितन में कभी करने मा उद्देश क्याने में द्विता के सिद्धः मीड/वा
- (थ) एसी किसी मान ना किसी मृत या नत्य वास्तिनों को, जिन्हों बारतीय बान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ७म६ अधिनियम या मनकार अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के मुबोधनार्थ अस्तिरिती ध्वास मुख्य बही किया प्या भा ना विका साथा बाहिए भा, स्थितने में कृतिया के सिक्;

जतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की, अनुसर्थ में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) जो अभीन निम्नुलिखित व्यक्तिस्यों जभीत क—  श्रीमती मेरी एथल मर रेन्हास ग्रीर विका केड मर रेन्हास बांबे द्वारा श्री लिबर मेंडोंन मिरामार, मनशी—गोवा

(अन्तरक)

2. श्रीमती डेलफिन भ्यानेजिस, एण्ड सन्स मिरामार पनजी-गोवा

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूजींबत क्रमिल के वर्षन के प्रिए कार्यनाहिया शुरू करता हूं।

उपत सम्मरिक के अर्थन के सम्बन्ध में खोड़ों भी बाक्से ह----

- ्रिक् विश्व सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से

  45 विश्व की समीध ना तर्सवंधी स्थानित्यों पर
  बृचना की तामीन से 30 विन की अवधि, वा भी

  कविश्व का में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी श्वनित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वाद निवित में किए वा सरोंग ।
- श्रीकरण 2---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
  वहीं वर्ष होगा, वें। उस अध्याय में दिया गैका
  है।

## बन्स्डी

(दस्तावेज सं० 786/85-83 ता० 28-7-1985) जभीत सम्बक्ति है जिसकी सं० जो गांव सोकोरो सालुक बार्डेजगोवा क्षेत्र 11.400 स्केयर मीटर सर्वे नं० 369/3।

> भार० भारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

तारीख : 20-2-1986

४क्ष बाह्", हो, एम, इस, -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धाव 269-व (1) के नवीन त्वना

#### भारत बालाह

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंच, बंगलूर

बंगलूर, दिनां ह 20 फरवरी 1986

निर्देत सं० आई० टी० ए७० /डीआर 697/85-86—यतः, मुझे, आर० भारताज, सहायक आयत्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, बंगलूर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे कार्य समझे प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मुख्य,

1, ਹਹ,, 000/- रह. से अभिक है

श्रोदिनि की संव प्याट नंव 111, 112 श्रोर 113 पीव टीव सीट नंव 72 है, पथा जिल्हा नास्को हिगामा में स्थित है (श्रीपदिनो जाबद पर्मुची में श्रोर पूर्ण क्य से विष्यित है), रिप्ट्री ती अधिकारी के नायित्य, बंगसूर में एष्स्ट्रीन्रण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 जुनाई, 1985

को प्वों कर सम्पत्ति को उचित बाचार मृत्य है कम के दश्यकाल प्रितिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने की वारण है कि स्वाप्ताँकत संपत्ति को अधित बाचार मृत्य, उनक दश्यमाण प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल सा गढ़ित का प्रतिकल सा गढ़ित का प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल सा गढ़ित प्रतिकति (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को निए तब पावा पथा प्रदिन क्या गिम्मिनिवित उद्योक्ष से उन्त बाचारण विविद्य में अन्तरिक्ष क्या मिम्मिनिवित उद्योक्ष से उन्त बाचारण विविद्य में अन्तरिक्ष क्या मिम्मिनिवित उद्योक्ष से उन्त बाचारण विविद्य में अन्तरिक्ष क्या मिम्मिनिवित उद्योक्ष स्वाप्त विविद्य में अन्तरिक्ष क्या मिम्मिनिवित उद्योक्ष स्वाप्त स्वाप्त क्या मिम्मिनिवित उद्योक्ष स्वाप्त स्वाप्त

- (क) मन्तरण ये हुई फिबी आप की शायत, उनस् विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक औ शायत्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा में निष्; बीड/बा
- (क) एंसी किसी वाय या किसी अस या कर्क बास्तिकों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, क्रिपाने में पृतिधा के सिक्ट:

जतः अव, उत्तर विधिनियम की भारा 269-न में बनुबरण में, में स्थार विधिनियम की भारा 269-व की बपधारा (1) के विधीर, भिल्लिकिक व्यक्तियों, बन्दिक क्ष्यान

- डा॰ प्रोक्तिर पूत्रसिद्धी हेर्न्सिप् ग्रीए श्रीमती रूप हेर्न्सिप् धारको डि गामा गोबा-403802 (अनारण)
- 2' अल्कान ानस्ट्रकान बेल्हो बिल्डिंग पाजी गोबा-403001

(अन्तरिती)

का वह सूचना कारी करके पृथांकत संपरित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध यो कोड़ भी नाक्षण 🏗---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विव की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के धीत ए पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा,
- (क)। इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारोह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्राथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रधाहरताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

क्याकिरणः—इसमें प्रवृक्त कथा और पदाँ था, वो सक्य वीधिनयम के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जा उस अध्याय में दिया नया है।

#### नन्दर्भी

(दस्तावेज सं० 785/85-83 ला० 12-7-1985) समास्ति है िसकी सं० जो वहुँ जाएको डिगामा मार्मु गोवाम्यूनियिष के अन्दर शंडर नं० 767।

> आर० भारद्वाज यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

सारी**खः : 20**+2-1986

सरेक्ट्र ा

इस्प बाइ'. टी. एन गृह ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

## कार्बाबव, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंड., बंगलूर बंगलूर, दिनांक 20 फाइरी 1986

निर्देश स० श्राई० टी० एन०/डी श्रार 901/85-86---वतः, मुझे, श्रारं० भारद्वाज, सहायक श्रायकर श्रायकत (निर्दक्षण) शर्जन रोंस, बंगलूर,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव: सम्मन्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

अंदि जिन्नकी सं० प्लाट नं० 2, और 4, पी० टी० सीट नं० 121, नोंका पनजी में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से चित्र है), रिजर्प्ट्र वरण अधि रिम' 1908 (1903 का 16) के घर्षात दिलंक 11-10-1985

करं पूर्वोक्क्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह िश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं. एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिवक स्थप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किन्ये धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा था या किया जाना आहिये था, रिज्याने से स्विभा से जिए;

अतः जब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, बंगत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नीजिधित अधितयों . अर्थात क्ष्म

- (1) अनं त पै अभितं विस्ता वाई थी छण्या महादेव पै पर्नेक्ट सी/ओ० काभन िसल एस्टेट एफ-2 इंदिरा अपार्टमेंटस्, रोड, पार्जा गोवा। (अन्तरक)
- (2) कामस रीयल एस्टेट, एफ/2, इन्दिरा अपार्टमेंट .ब्बुकर्क रोड, पनर्जा, गोचा।

(अन्तरिती)

का यह स्थान बारी करके प्रतिक्त संस्पति के वर्षन के निए करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में की भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिध से लग्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज नं 528/85-86 ता 11-10-1985)

सब समात्ति है जिस्का संजोनोंका पाजी म्युनिसीपल के शन्दर है तालूका और सब जिला इतिह्स गोवा जिसका में रमेंट 5754 स्केर मीटर ज्लाट नं० 2, 3 और 4 पो० टो० सीट नं० 121

ग्रार० भार**द्वाज** सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) क्राजैंग रेंज, वं**गलूर** 

विनांता: 20-2-1986

मोतर !

(श्रन्तरक)

### प्रक्रम बाह्र .टी.एन.एस. \*\*\*\* \*\*\*\*\*

## नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन मुख्या

भारत सरकार

## कार्यालम सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रकीय रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० टी० एन०/डी० श्रार० 73.7/85--86--श्रतः मृत्रे श्रार० भाष्ट्राज सहायक श्रायकर श्राय्मत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बायक र मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिश्रिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के स्थीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आपका है कि स्थायर सम्मित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 1 पी हो ले सीट नं 120 एस ही इन हो पाजी में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर ने व्यापत हैं), रिजर्व्ह विवाद अनुसूची में और पूर्ण कर ने व्यापत हैं), रिजर्व्ह विवाद अनुसूची में और पूर्ण कर ने व्यापत हैं), रिजर्व्ह विवाद प्रिष्ठ हों के व्यापत विवाद विवाद अनुसूची में अजिल्ह विवाद प्रिष्ठ विवाद विवाद अजिल्ह विवाद कर में कर में दूर्यमान मितक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त मेह विवाद कर के का कारण है कि अपाय्यों कर संपरित का उचित बाबार पूर्व, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे कर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंदिती (बंदितियों) के बीच के एसे कन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिफल, निस्निलिसित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण विवाद विवाद कर कर है अधित नहीं किया गया है:—

- (ह) अन्तरण म तुष्ट किस्मी लाग की साबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कमी भर्ग या उससे अवने में स्विधः क लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोक्तार्थ कर्तारती ब्यारा प्रकट नहीं किया या धा या किया जाना चाहिए था, स्थितने में मुनिया ले जिए।

अत: अक्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भैं, अक्त अधिनियम को भारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

14--6 GI / 86

- (1) मास्यि। अंतानियों पेरेइरा श्रीर लुसि सीरेस (2) श्रीमती जूलियाना बेनाजीना पेरेइरा कुन्हा और जेकरिनो वीलेंट डा० कुन्हा (3) रोमो श्रसूनशओं श्रीमती लिबरट पेरेइरा सी०/-औ० कामर्न रीयल एस्टेट इंदिर श्राटेमेंट, श्रलबकुर्क रोड, पनर्जी गोखा।
- (2) मैसर्स कामश्ररीयल एस्टेट इंदिरा अपार्टमेंटस्, श्रल्बुनुर्क रोष्ड, पनजी गोषा। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

## उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासोप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों एवं स्थान की तामील से 30 दिन की वर्षीं , को भी अविधि शर्थ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्थानितमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभाहस्ताक्षरी के बास विकाश का विकास सकती।

स्थककीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, को उन्तर अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विद्या

## वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 784/85-86 ता० 30-7-1985) सब सम्पत्ति है जिसका सं० जो सें**ड इनेज गांच** तवेगाँव पत्जी मृतसीयल क्षेत्र 2839 00 **स्के**र मीटर।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

चांक: 20-2-1986

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

जाब्कर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घयक आयकर नाबुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, वंगलूर

वंगलूर, दिनांक 20 फरचरी 1986

निदेश सं० श्राई० टी० ए२० डी० श्रार०/696/85— 86—श्रतः मुझे श्रार० भाष्ट्राज सहायक श्रायकर श्रायकत (निराक्षण) श्रर्जन रेंग, बंगलूर

शाकर शिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लाट नं० 28 और 29 पी० टी० सी० नं० 135 और क्वाटर नं० 45 से 46 प्लाट नं० 147 है तथा जो वार्ड राजचही की० टी० मापूमा गोवा में स्थित है (और इससे उपायह प्रमुची से और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयार्त पितारी के गार्यालय वंगलूर। में रिजस्ट्रीयार्ण शिविधन 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दियंग 12-7-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेदित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में वास्तिक्ष इप से किया नहीं किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, जक्त जिभीनबम के अधीन कर देनें के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एती किसी आब या फिकी धन या अन्य शास्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिल्पां में प्रविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निक्मलियेखा कारिकाओं. अर्थास :--- (1) माकोज ज्ञास गांमध एटाओ और जेयन वीटल योमस राटाओ 7 धर्च एदाच्यू सन्त कुज (पूर्व) वाटल गांग्वे-400054 (2) डे० फ० बिन्सन्ट गांमध गटाओ डी०/ओ० थीमती श्रीता योमस यटाओ फारिडेस मोरोह मापसा गोवा (3) श्रीमती श्रीता गोंग्स शटाओ फर्नाडिस और नोवर्ट फार्कणि फर्नाडिस मोरोद मापुसा गोंखा।

(ग्रन्तरक)

(2) शलकाँः एस्टेट प्राप्तेट निमिटेड वेस्हो बिल्डिंग पार्जी गोवा।

(अन्तरितो)

को यह सूजना बारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्णन के सम्बाय में कोई भी आक्षेष :--

- (क) उस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से △5 दिन की जजभि या तत्त्वस्वनभी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील में 30 तिए की अविभ , जो भी शक्षि याद में समाप्त हो। हो, के भीतर पूर्वित स्थिति व्यक्तियों में से किती व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजधार में प्रकारन की ताराख से △5 दिन के शौरर उपत स्थारर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उत्त्य व्यक्ति हसारा अधोहरताक्षरौ के पास सिचित में किए था सकोंगे।

स्पच्चीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एतों हा, जो उक्त लीभिनैत्यम के लग्माय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हमेंचा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

(दस्तावेश सं० 783/85-86 ता० 12/7-1985)

सब सम्पति है जिसका तं जो जारावत्वी मापुसा तालूका षर्केंग प्लाट तं 23 और 29 आफपी टी सीट तं 135 और प्लाट तं 45 और 46 आफपी टी सीट तं 147

> आर० भारद्वाज गक्षम प्राधिकारी सहाराय गणाजर गण्डम (तिरीक्षण) गर्भ। रेंज, बंगलुर

दिनांक: 20-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध जैनः रेंज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी 1986

निदेश सं० नोटीस नं० भ्रार० 1745/ 37/ईई/85--86---भ्रतः मुझे भ्रार० भारद्वाज सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बंगसूर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिली इसर्वे इसर्वे पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-- के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज झाफिस नंज 4901 है तथा जो 45 प्यालेस रोड, बंगलूर में व्यित है (और इसके उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रदीन दिलांक 15-7-1985

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्नंत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिखत व्यक्तियों, अर्थात् क्

(1) (मेसर्स नवनीक ब्रदर्स नं० 18 ए० रुपचन्द राय स्ट्रीट कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मास्टर ब्रिजेश एस० मातीजा (मैनर) उसके प्रतिनिधि श्री श्री चन्द एस० मातीजा मेसर्स बी० एस० इन्डस्ट्रीज 6 फ्लोर।

(ग्रन्तरिती)

(3) नं० 23 ए, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुफ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ध 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ह<sup>4</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>4</sup>।

## धनुसुची

(दस्तावेज सं० 1517/85-86 ता० 15-7-1985)) ग्राफीस प्रेमेसेस नं० 4901 जिसका नापना 537 स्केंबर फीट और जिसका सं० 45 जो प्यालेस रोड बंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 19-2-1986

शक्य आहे. टी.; एम. एस.-----

## नावकार नीधनिवस, 1961 (1961 का 43) की धाहा 269-इ (1) के सधीन स्थान

#### भारत सरवंदर

## कार्यालय सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 18 फरवरी 1986 निर्देश सं० ग्रार/1746/37ईई/85 86-----भा मुते, आर> भारक्रज,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

और जित्ति नं फत्रैट न 202 इ तम नो 132, इनकान्द्री रोड़, बेगलूर में स्थित हैं (और इससे उन्हर्स मृत्यों में और पूर्ण का ने वर्णित है), रोह्न में रोह ने के उन्होंना, बंगलूर में, रिजर्ड़ी करण प्रिवित्यम, 1908 (1903 वह 16) के अधीन, तार्राख 15-7-1985

को प्राेक्त सम्मित के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाय प्रिक्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि स्थाप् शेंक्त सम्मिता का उचित बाजार मृत्य, उनके स्थमान प्रिक्त सं, एसे स्थमान प्रिक्त को पंत्र अंतर्क को पंत्र प्रतित के बिभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर्रित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गमा अतिकल निम्निविस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में को बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देखें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जंतरिली द्यारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः अतः अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीत निम्नित्वित व्यक्तियों है व्यक्ति मन्ति

(1) मैंसर्स कैलाश बिल्डर्स 4/1-2-3 प्लैन स्ट्रीट बंगलूर 560001।

The second secon

(ग्रन्तरक)

- (2) मेजर डा० टी० सैतुनारायण ख्रौर श्रीमती भानू ग्राली 36 किसेन्ट रोड है ग्रोन्ड्स
  - (ग्रन्तरिती)
- (3) बंगलूर (वह व्यक्ति जिसके अधिभौग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

## **उन्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्मन्य में कोई मी बास्नेप्**र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास विकाद में किए जैं। सक्षये

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनक दिभिनियम के अभाव 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बच्चाव में दिया नया हैं।

## ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1518/85-86 ता० 15-7-85) ग्रपार्टमैंटस्, नं० 202 जो तारा श्रपार्टमेंटस् नं० 132 इनफान्ट्री रोड बंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलर

दिनांक: 18-2-1986

प्ररूप आही.टी.एन.एस.-----

# वाधकार व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थान स्वान

#### भारत सरकार

## कार्याक्षय, सहायक वाभकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18फरवरी 1986

निदेश सं० %,४० 1751/37ईई/85-86--ग्रत: मुझे %,४० भारद्वार

आयकर आंधिनिएम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एदचान 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपीति जिसका उचित बाधार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर निज्ञकी संवष्ण, दनंव 104 है एथा जो नारा स्रपार्ट सेंटस में स्थित है (स्रीर इसके उपाबद स्राप्तची में स्रीर पूर्ण का से विभिन्न है) क्षित्रही क्षित्र कारी के कार्यान्य वंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण श्विनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीक दिनां 15-7-1985

नों प्जावत संपरित के लिखत लाजार म्हण से कम के एश्यास प्रतिकार के लिए जल्लिए की गई हैं और मुक्ते यह जिस्सास करते का कारण हैं कि अभाप्नेक्स सम्पत्ति का उभित बाबार क्रम, उसके क्ष्ममान प्रतिकाल में, एसे द्रामान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और वन्तरक (सन्तरकों) और अंतरिती शुक्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नितिस्त उद्वेष्य से उस्त अन्तरण सिस्ति में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया हैं—

- (स) जन्छा सं हुई किसी भाष की बादल, स्वरु अधिनियम को अधीन कार दोने के जन्सरक के दामित्व में कभी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा से विष्; बाह्र/वा
- (श) होती किसी आम या किशी पन मा अन्य नास्तियों करा, है हो भारतीय आमनार अधिनियम, 1922 (1922 कि 11) शा उनता अभिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया बाना वाहिए भा कियाने में तुनिभा के सिक्;

गत: अब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्रीमती संध्या जैतवाल डी० 9 मंजूमहल 35 पाली हिलस बान्द्रा (वेस्ट) बम्बई-50 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उपा बलराम बैंक श्राफ बी०ए०एस० बलराम मूर्ती 6/2 हास्पीटल रोड, बेंगलूर-53 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ट सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की जनिय मा तत्संत्री व्यक्तियों पर मुख्य की सामील से 30 बिन की बनीय, वो भी अवध्य मा में प्रमान होती हों, के भीतर प्रविका अधियां में स विकास स्वीकत हुनारा;
- (य) इन सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितवष्ध किंगी अन्य व्यक्ति धुत्राची कथोहरताक्षरी के पास सिंगियत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- लगमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., हैं, वहीं अर्थ द्वांगा. जो उस अध्याय में दिया हैं।

## अनुस्थी

(दस्तावेत्र सं० 1522/85-86 ता० 15-7-85) ण्लाट नं० 104, डी० जो 1 फ्लोर तारा प्रपार्टमेंटस्, नं० 132 इनफान्ट्री रोड, बंगलूर-560001में स्थित है ।

> श्चार**० भारद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 18-2-1986

## प्रस्प बाई. टी. एन एस -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 फरवरी 1986

निदेण सं० ग्रार० 1792/37ईई/85--86---श्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज,

आयकर क्रियनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'प्रकृत क्रियोग्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधान सक्षम प्राधिकारी क्रिये वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- के से क्रियक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 304 जो 132 इनकान्द्री रोड, बंगलूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उन्नबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिनस्ट्री हर्ती ग्रिधि गरी के कार्यालय बंगलूर में रिनस्ट्री नरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां : 2-0-1985

कां पूर्वाक्त संपास के जिल्ल बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतारित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्पह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविश रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्ध में कभी करने या उससे अधाने में सुविधा के लिए; अपेट्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहिस्तरों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, डिपाने में सुविधा है तियुः

बतः व्यव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को वनुसरण थें, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) रूप । चन्नकाकोटी वृन्दावन वाङ्कोडी पोस्ट बंगलूर 67।

(धन्सरक)

(2) लीला बती प्रीतम दास 132 इनकान्द्री रोड, बंगलूर 560001।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫—-

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अहें अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है है।

## 

(दस्तावेज 1545/85-86 सा० 2-9-85) श्रपार्टमेंट्स, नं० 132 इनफान्ट्री रोड बंगलूर-560001 में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

चिनांवा: 18--2-1986

मोहर 🕄

प्ररूप बाइ .टी. एन .एस .======

## भावकडु मिर्गिनयम्, 1961 (1961 का 43) की भादा 269-म (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जंन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी 1986

निदेश सं० डी० ग्रार० 112/1985-86—ग्रतः मुझे ग्रार० भारद्वाजः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० ष्लाट नं० 1 से 6 पी० टी० सीट नं० 112 सन्ता इलेज विलेज तालुक हिलास में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 ( 1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मान के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल िमनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त स्थित नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक की शायत्य में कभी करने या उसके दचने में सुविधा की लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) आर० डब्ल्यू चवाहन 210 गोविंद बिल्डिंग ए० ए० रोड, पणजी गोवा-403001। (अन्तरक)
- (2) टागेर ग्रसियास परोप० मैं० बैस्ट ड्रीकस हौस नं० ए-215 श्रलटीनो पणजी गोवा । (ग्रन्तरिती)

की बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाहाँप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तस्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच मा की तामील से 30 दिन को अनिधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६५ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-भद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित हो किए जा स्टोंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष अधिनियम, के अध्याग 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ दोगा, दो उस अध्यास में दिस्स यस है।

### अनुस्ची

(दस्तावेज सं॰ 222/85-86 ता॰ 10-7-85)

दूरान नं० 8 ग्राऊंड फ्लोर ग्राप० विल्डिंग नं०-1 ग्राफ० से I, पी० एच० ग्राई० सीटी सर्वे प्लाट नं० 1 से 6 पी० टी० सीट नं० 112 मेर्जारंग 47,000 स्केर मीटर इलेज तालुका इिलाहास गोवा।

ग्रार० भाग्द्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

বিনাক: 19-2-1986

प्ररूप गाई. टी एन. ११स. .....

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन राजना

#### भारत सरकार

## कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वंगल्र बंगलर, दिनांक 19 फरवरी 1986 निदेश सं० आई० टी० एन० डी० आर० 229/85-86--अतः मुझे आर० भारहाज

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को यह विकास करने का कारण हैं। हि स्थाप स्थापिक 'उपका परिकार परवार महा ।,00,000/- रा. से अधिक 💕

श्रौर जियंकी सं० सर्वे 74 नं० सी० टी० सं० नं० 1262 और 1263 है तथा जो विसवेस नगर में स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रुप से वींगा है), रिजस्टी इती श्रिधकारी के कार्यालय बंगलुर में एजिस्ट्री इरण अधिनियम 903 (190 8 वा 16) के श्रधीन दिनां : 10-7-1 359 को पूर्वेदित सम्पत्ति के उणित बाबार मृत्य से कम के सल्यमान रितफल को मिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह पिरलास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मोन का उणिए बाजार ब्ल्ब, उसफी क्रयमान प्रतिफल हे एरी क्षयमान प्रतिफल का ान्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के सीच एसे अन्तरम के सिए सब गया गया प्रतिकत्न, निम्नशिकत उद्देश्य से उत्ता सन्तरम कियत में नास्तिक रूप से किथत नहीं फिला गया है :--

> (क) बन्तरण सं शुद्रं किसी वाध की धावत. **मिनियम के ल**ीन कर हो है अन्तरक सै दायित्व में क्यी करने वा समा वर्ग में महिका के तिए: और/या

को, जिन्हे भारतीय बावकर व्यभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तः विधिनियसं सा भनकर अधिनियन, 1987 (1987 घ 27) के प्रयोजनार्थ उक्तिएली जाना उत्तर वहाँ विकास गया था या किया तता चरित्र था जिलाने में संविधा के लिए;

बतः वाकं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उन्हें अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1: ट्रांतपोर्ट कार्पोरेशन ग्राफ इंडिया लिम्टिड जी० रोड, सिजन्दर।बाद (ऋांध्रप्रदेश) (ग्रन्तरक)

2: मलप्रभा इन्वेस्टमेंट ग्रीं सर्विस कं० लिमिटेड सी/म्रो विजया ट्रांसपोर्ट, कारपोरेशन बिल्डिंग पी० बी० रोड, कुरली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्यादित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के मात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक एण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में है, वही अर्थ होगा, यां एस अध्याय में खिशा गडा है ।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 220/85-86 ता० 10-7-1985) जिमन 9.36 गूटाँ प्लाट न० 1262 ग्रीर 1263 ग्रावसी० टी० स० ्वबुटेंगन वार्ड IV 2 स्टोल्ड ग्रार० सि सि बंगलो विलंत एरिया 299.5 स्केर मीटर और 255.00 स्केर मीटर ग्रीर बोंडेंड बाय कंपाउंडवाइ वीश्वेश्वर नगर में है।

> ग्रार० भारद्वाज सहायक ग्रायः ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 19-2-1986

## प्रकृत बाहें . टी . एव . एवं . ----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### RIVE BRANK

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलर बंगलर, दिनांक 19 फरवरी 1986

निवेश सं० टी० आर० 64/1985-86 श्रतः मुझेश्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के लभीन सक्षम प्राण्डिकारी को, यह विक्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/ रहा से बिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 228 से 232 पी० टी० नं० सीट नं० 43 पणजी ता० तीस्त्राष्टि ग्रन्तहास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण हप से बणित है), रजिस्ट्री गर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 10-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जल्तरित की गई है और मक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के जिए तय प्रया न्या प्रतिक्रक, निम्मीसिंखत उद्देश्य से उद्देश बन्तरण लिखत में वास्तिक क्ष से कथित नहीं किया गया है:--

- िक) अस्तरण में हुई फिसी आब की बाबन. लक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; कर्षर/ इ
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की विक्रं भारतीय वायकर विश्वनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्यम, या अवकर अभिनियम, या अवकर अभिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः वद उक्त अधिनियम का भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---15---6 GI/86 (1) तिरोड हर वेमिल नीयर पणजी मुनसीपल पणजी गोवा।

(ब्रन्तरक)

(2) रगुराई तास्त्रा परिमल भ्रलटीनो पणजी गोवा। (भ्रम्तरिती)

का यह सूचना बारौ करके वृत्रोंक्स सम्पत्ति की वर्षन की तिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरण: -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 198/85-86 ता० 10-7-1985) स्थावर सम्पत्ति के साथ रेसडेन्सीयल हौस सीटी सर्वे नं० ण्लाट नं० 228 से 232 पी० टी० सीट नं० 43 पणजी सीटी मुनसिपल एरिया पनजी तालुका तीसवार्ड सब डिस्ट्रीक्ट म्रालहास गोवा

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज बंगलुर

दिनांक: 19-2-1986

The same of the sa मक्ष्य आहु", डो. युव., प्रव., --------

ब्यंगकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

----

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलुर, दिनांक 19 फरवरी 1986

मिदेश सं० डी० ग्रार० 181/85-86 - ग्रतः मझेः ग्रार० भारद्वाज

शायकर विधिनियम, 1961 (198) वा 43) (जिस इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ब के बधीन सक्षम प्राधिकारी कर यह किलास करने का **कारण है कि स्थावर** सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार। प्र<u>ल्</u>य 1,00,000/- रह. से अभिक ही

ग्रौर जिसकी सं ० तं ० 7148 पर पं ० 121 रेवटन B 45 मारंग० पेटकनायेक्सण रे रिथत है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची मैं ग्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री हती अधि जरी के नार्या वय वयवूर में रजिस्ट्री रण ग्रधिनियम 1908 (1908 T श्रधीन दिनांः 10-7-1985

को गर्ने क्त सम्पत्ति के उजित गाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के जिए अन्तरित की गई है और अभी यह पह अध्वास कारने का कारण है कि प्रथए बोत्तर संघात का १ जिल सामार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल थी, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे कन्तरण के लिए तब पाया गया प्री फाल, जिम्मीनिज्य अस्कर्थ में उत्र अस्तरण शिक्षित में रास्त्रविक क्य ने कर्णना नहीं लिया गया है :--

- (क) अन्तरण से टाई किसी आय की बाबत, उक्त नांचनियास संस्थात के द्वार 25% 25% 精神機 机 细销 中心 知 法检 心 4. 治疗 को निवष्: ब्राग्ट/यः
- विश्व एंसी किसी बाय या दियों धन का कर कारिएयों and filled withingthe submice a bol our wern! Allerd (1922 का 11) का एक्ट मी जिल्ला है। बन-कर निधीनयम . १९५७ (१९५७ का २१) के प्रयांजनाथ कर रिली इंगरा प्रकार नहां भिन्या पदा था या किया जाना चाहिए भा. कियान में जीवन है सिकः

बतः वन, उक्त विधिनयम भी कारा 260-ग क मन्तरभ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 (1) श्रक्श राजाराम नइअपरोप० विशाल कन्स्ट्रक्शन स० टी० इनेज, पनजी गोवा।

(ग्रन्तरक)

ईरोस ए० (2) येडविन ग्रतांनी डिसौजा श्रीमती डिसौधा बान्द्रा बाम्बे।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अपि बाद वा भवाना होती हो , के भीतर प्रवेक्त य नेपायों भी के किसी आंबल दवारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबहुध विक्री अन्य व्यक्ति इसाय समोहस्ताक्षरो के पास िर्दाखन में किया जा सकती।

त्पच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **वा उक्त** अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया THE PART

धन्**स्त्री** 

(दस्तावेज सं० 213 /85-86 ता० 10-7-1985) दूकान नं० 9 10, ग्रौर 11 मेजरिंग 67.89 स्केर मीटर तीन दुकान सिजाअर श्रीर प्लाट श्रीर जगह मेजरिंग 1221 स्केर मीटर मोरोंबी-0 पेटकनो मेरसेस मेसर्स

> श्रीर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक: 19-2-1986

## प्रकृष आइ".टी.एन.एस.-----

आयक्तर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलर बंगलर, दिनांक 19 फरवरी 1986 निर्देश सं० डी० श्रार० 659/85-86--ग्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स जे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृह्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० चलटा नं 143 पी० टी० नं० 238 मरगांव गोवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु ची मैं श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्री तो स्थितारी के कार्यात्रय रिजस्ट्री तरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां है 20-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर की धीनवाय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) नैवर्ष दूर्मा जिल्डमें 8 लोटस श्रपार्टमेंट, वास्कोडिगामा।

(भ्रन्तिरती)

(2) गोविंद एत० श्रंगले सी/ग्रो होत प्राफ टायर्स रेलवे गेट ७ नजदीः भरगांव गोवा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति की अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपंत्रि के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 ित की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर संपक्ति में हितइस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किस्स वा सकीय।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रमुक्त शस्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुबुधी

(दस्तावित सं० 643/85-86—ता० 20-7-1985) दुःगन मेजिंग 28.50 स्केर मीटर कोस्मे कारवेलो एस० टी० मरगांव गोवा में है सी० टी० सीटी सर्वे चलता नं० 238

> श्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांः: 19-2-1986

## प्रकल नाइ . टी. एन. एक.-----

## जायकर जिभिनिक्क, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन त्याना

#### भारत सरकार

## कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिस क 19 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० टी० एन० डो० आर० 735/85— 86--अत∎ मुझे: आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं विल्ता नं 154, 155 पी टी शिट नं 214 है त्या जो परांच ताल्लुक श्रीर सब-जिला है गोवा में स्थित है (प्रार इसस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विण्या है), रिनस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यात्य बंगलूर में रिक्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिशांक 19-7-1985

भूते पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, जसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबब, उपत जिथितियम के अधीन कर दोने के अल्लारक को वाजित्व में कमी करने या उत्तर्व सचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी भन वा अच्य आस्तियों को खिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भन्कर अभिनियम, बा भन्कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविभा के सिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कैं, कैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की खपभारा (1) के अभीन, निस्नोत्तिखत व्यक्तियों, जर्थात क्ष- (1) श्री व श्रीमती अर हाडियुस रो ारियो पिरेस मरगांव पावर आफ अटार्नी श्रीमती मरिया घंगेला लियापोल्डिना पलासिडा डौ सिल्बा, मरगांव गोवा

(अन्तरक)

(2) में समें श्रोरियन्ट बिल्डर्स रेड्व्ल्डां डी कॉस्टा बिल्डिंग मरगांव, गोवा पी० श्रो० बाक्स मं० 226

(अन्तरिती)

## को यह कृषना जारी करके पूर्वोत्रस सभ्यक्ति के वर्षन के लिए कार्यप्राहितां सुरू करला हूं।

## जनत सम्पत्ति को कवीन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोकत स्थानिसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हिशबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमा, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

#### बंग्युची

(दस्तावेण सं० 644/85-86 ता० 19-7-1985)

पीस आफ लैंण्ड, मेयिरिंग 857 स्कवेयर मीटर्स कन्स्टीच्यूटिंग रोजिडोन्शयल हाउस मरगांव म्यूनिसिपल कासिंल के अन्दर है इसका सिटी सर्वे चल्टा नं. 154 और 155, पी.टी. बीट नं. 214।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (**निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिन क: 19-2-1986

## क्का अपूर्व **टी. एव. एस**्न-क्का

## नायकर निर्मागयम, 1961 (1961 का 43) की पाछ। 269-व (1) के नभीन सुमना

#### गारम बहुन्तर

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० टी० एत० डी० आर० 729/85--86--अनः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके व्यवस्था 'अवन अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रीप जिसकी संबंध तह गंव 187,188 श्रीर 189 पीव टीव शीट गंव 208 है (श्रा जी कौम्बा सत्गाँव गोवा में स्थित है (श्रीप इसेन उपाबद्ध अनुसुची में श्रीप पूर्ण कर से विणित है), रिजस्ट्री तर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्री तरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिला 28-7-1985

को पूर्वित सम्बत्ति के उचित नावार मुख्य से कन के क्रयमाम शितफल के लिए जन्दीरत की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित नावार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकत से अधिक हैं और नंतरक (जंतरका) नीर बंदिएती (अंतरितियाँ) के नीच एसे जंतरण के लिए तच पास नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोध से स्वयं अंतरण विचित्त में बास्तिकक रूप से किशत नहीं किया नया है है—

- (क) बस्तरण से हुनूर किसी भाग वहीं बाबता, बजक अधिनियम के बजीन कर योगे के कन्तरक की दासित्व में कनी करने वा उत्तर्त बचने में सुविधा डिए; और/वा
- (स) धुंसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें आरसीय जाय-कार अभिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी बुवारा प्रकट नहीं किया गया धर का किया जाता काहण था. डियान में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उच्चादा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—-

- (1) बसंत मुकुंद सिनाय एरपूर एर (2) श्रीमती सूर्गधा बसंत सिनाय जरपूरकर एरिजात बिल्डिंग कोंबा मरगाँव (3) श्रीमती छरजनी विक्वाताथ सिनायि करपूरकर मान्ता कूज बाम्बे (अन्तरक)
- (2) मैंसर्स जे० एस० कन्स्ट्रक्शन स्टेशन रोड, मरगौन, गोवा।

(अन्तरिती)

**की वह बुचना बारी करके पृत्रोक्त स्वीक्त अंशक्त स्वाक्त स्वाक्त** सम्बद्ध स्वाक्त स्वा

**उपत सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध** में बेरेफ का अरक्षा अर

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की श्रीस से 45 दिन की नविध या तरसम्बन्धी क्रिक्तमा कर सूचना की तामीस से 30 दिन को अविध, का जी स्वधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पनित द्वारा:
- (च) इस स्वना के राजपत्र मो असायन की ताराध्य / 45 विन के भीतर उक्त स्थायर कम्पन्ति मा हिन्त्वव्य किसी बन्य व्यक्ति दनारा अस्तात्र को उत्ति के उत्ति सिवित में किए का सक्तेंगे

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## त्रनुसूची

दस्तावेज सं० 446/85-86 ता० 28-7-1985 घर भ्रौर जगह का नाप 521 वर्ग मीटर कोंबा मरगाँव में है बस स्टेंड के नजदीक है।

आए० भाषात्र सम्भाग पाधिकाती सहायक आयकर आयुक्त (रित्रीक्षण) अर्जात रेंज, बंगलूर

दिनौंक: 18-2-1986

That Mile is the Office of the

शायकाः अभिनियम, 196, (196) के १८) के धार 269-थ (1) के कथीर मुख्या

#### MINN WED'S

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिवाक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० डो० आर० 767/85- 86--आ: मुझे, आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) शिवसं इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम कहा भग हो। का भार 269-स से अधीन सक्ष्म गोहिता के करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्योचन पात्र मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसेकी सं० प्लाट गं० 206 चलत २० १६ राजांच गोवा में स्थित है (श्राँप एपी उपरिट पुसूची से शाप एपी रूप से विणित है), रिस्ट्री कि अधि की कि सो के सीवा बंगलूर में रिजस्ट्रीयरण अधितियम 1908 (१९७८ स 16) के अधीन दिनां 23-8-1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिस्त लाकार मृज्य में क्रम के कारणाल प्रतिपत्त को निर्माण हो कि जा पार्च हो जो माने यह निर्माण कारण को कारण हो कि जा पार्च हो जो माने यह निर्माण कारण का कारण हो कि जा पार्च हो जो पार्च प्रतिप्रकार का मृत्य प्रतिप्रकार की किए कारणा है जिल्ला का माने कारणा के जिल्ला का कारणा का कारणा है जिल्ला का निर्माण गया प्रतिप्रकार निर्माण विविद्य उद्विद्य से उक्त अन्तरण निष्कार में वास्तिक रूप से कथित नहीं जिया गया है .....

- (क) बन्तरण से हुई फिसी आध है आवस, उकल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसस इकने में सुविधा के निए; और/बा
- (र) एंसी किसी कार का रिल्ली सुन का कर उसे करें, जिन्हों कारताय आधका अधिकार का गिराप , 1911 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया भक्षा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सरिक्रण ही जिला:

बतः व , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्साण में में, उक्त अधिनियम की धारा-269-छ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) यो प्रस्थित काखरही आक्रमें आईमेंट, सोयोल हाई स्कूत क विष्ठे मालांव ।

(अन्तरक)

(2) की मानो वे(मिलियो पाखल्हो 15/9 नेस्टर विल्डिंग नीयर किलिमा चर्च किलिमा बाम्बे-29। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविश्व याद में समास्त होती हों, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत जिल्लासम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसाची

(यस्तावेज स० 415/85-86 ता० 23-8-1985) प्लाट नं० 206 मेजरिंग 708 स्केर मीटर मरगांव म्युतिखित्रल के अन्दर तर्वे चलता नं० 78 ग्राँफ गी० टी. सीट नं० 233 ऑफ तोट ार्वे मरगांव जिल्ट अब एरिया अजमास 72 स्केयर मीटर।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयका (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनां क : 18-2-1986

मोहर.

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 फरवरी 1986

मिर्देश सं० डी० आर० 792/85- 86--अत. मुझे, आर० भारद्वान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,060/- स्तर से अधिक हैं

ग्रौर जिप्तकी सं० चलता नं० 13, 14 ग्रौर 15 हैं तथा जो वास्कोडिगामा में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वंगलूर में रिजस्ट्री णि अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और अभे यह गिरवास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान अिल्फल से, एसे द्वरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी लाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोते के अप्तरका के दामित्य मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के निए: और/या
- ्स) ऐसी किसी जाय या किसी धन भा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विक के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) प्रोजानो कारमेलिनो डा० शोब्चा मचाडो
- (2) सीस सारा लेम्रो निल्देस दास मेरसेज सोजा मचाडो
- (3) समिति शोला दो कामों रचा मचाडो
- (4) स्टासि एस० मोराएस (5, कारमोलिनो नीसेवरों पेड़ो डामियाओं जेय्कूस ग्रंताग्रो डा रोचा मचाडो, (अन्तरक)

धत्ताराज वासूदेव सलगांवकर वास्कोडिगामा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सपति के अर्जन के संबंध में कोई भी नासंप ह-

- (क) इत सूचना के राषप्रभ में प्रकाशन की तारीच च 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकं रणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया श्या गवा है।

## नन्स्यी

(दस्तावेज सं० 444/85-86 ता० 1-8-1985) प्लाट मेजरिंग 1044 स्केर मीटर वास्कोडिगामा में है चलता नं० 13, 14, श्रौर 15 पी० टी. सीट नं० 88 श्राफ सीटी सर्वे मारम गोवा।

आर० भारद्वाज यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल र

दिनांक: 18-2-1986

प्रथम बाह्र . टी. ३० एस.-----

कायकर अभिनिसन, 1961 (1961 का 43) **की भारा 269-म** (३) की मधीन स्**चना** 

#### भारत तरकार

कार्यालय, सक्कायक जायकर जाम्बत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 फरवरी 1986

जायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'इक्त अधिनियम' कहा जात ही, की भारा 1009-स के अधिन मक्षम प्राधिकारी को वह निकास करमें का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका संजित अस्थार सुस्व 1,00,000/- रहा से अधिक ही

भीर जिनकी साठ प्लाट नंत 201 पीत टीत सीटी नंत 54 गोगोत मरगांत में स्थित है (श्रीर इतमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रहाति वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अर्थालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 13) के अधीन दिनांक 13-7-1985

(1908 को 18) के अधान दिनाक 13-7-1985
को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यामान
कोनफान के लिए कन्निरित की नई है और मृझे यह निक्वास
कार्य का कार्य है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
बुल्व नसके दक्यमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल सा
बंदह प्रतिकान से अधिक है और बंतरक (बंतरकाँ) और बंतरिती
(अन्तरितियाँ) के सीच एसे बन्तरण के निए तब बाया नवा
प्रतिकान, निम्निसिस्त उद्योग्य से सस्य नन्तरण किसान में

- (क) मलाउन में हुई किची भाग की नावस, राजल मीमिनमंत्र की बचीन कड़ दोने को बन्तरक की वानित्व में कजी करने मा उच्चे नमने में मुविधा के शिक्ष; भीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या किसी जास्सियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिम्मिबन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवन, या का-कर अधिनिवन, या का-कर अधिनिवन, या का-कर अधिनिवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अस्तरिती ख्वारा तकट वहीं किया गवा का या किया वाना वासिए वा, कियाने वें जुन्धि। से सिए:

कतः जब, उक्त अभिनयम की भारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्कीलिकिङ खिक्तयों, अर्थात् ॥ - (1) वेशन्सीयो लूशियो फर्नाडिशा अलीयास वेनान्सीको लूइस फर्नाडित फान्सीत फर्नान्डीज और सेबस्तीयाम्रो लोबरन्स फर्नाडित ग्रम्बेफोर्ड वार्ड न०12 बोर्ड घर नं० 35 मरगीव

(अन्तरक)

(2) एस० कास्नामबमनमिल पार्टलर रिप्रेजेन्टेड बाय कार्मो लावरेन्सो डे मेनेजिस ग्रीर सेबस्ताग्री अलैसो पिडाडे डा० वेयीग कुर्टोरिम गांव सलसट गोवा।

(अन्तरिती)

को बाह सूचना जारी करके वृज्ञोंक्त संपरित के अर्जन के सिस् कार्यवाहियां करता हुं।

ड क्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बालीप :----

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की लविंग या उपनिति की निवास गर स्थान की साधित की भी स्थाधित की भी अविंध को भी अविंध को मी बाद में समाध्य लोती हों। के शितर पूर्णविं विस्ती व्यक्तिस द्वारा;
- (च) इस तूचना के राजपण में श्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उथत स्भावर अपित में हितवव्य किसी मन्य व्यक्ति इनारा अपाहस्ताक्षरों के पास सिश्चित में सिरए वा सकते।

स्यव्हिकारण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं कर्च होगा, अं उस अभ्याय में दिया वया हैं कि

## अनुसूचो

वस्तावेज सं० 1021/85-86 ता० 23-7-1985 ्र लांडेड प्रापर्टी प्लाट नं० 201 पी० टी० सीट नं० 54 सीचुटटेड माट गोगोल मारगांव गोवा मेजरिंग 3104 स्केयर मीटर्स।

> आर० भारद्वाण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बगलूर

विनांक : 18-2-1986

#### प्रश्य बाह्र , ही , एम , एव , ......

आयकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय . महासक आधकर आगुन्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश मं० नं० 47896/85-86--अतः मुझे, आर० भारक्षाज,

शासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), का परा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि विधाप वैक्त सम्पत्ति का उधित वाजार मूल्य 100,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसही सं० 72-78 है तथा जो मैंन रोड, गांधी नगर बंगलूर में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीजर्ना अधिजरी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 जा 16) के अवीक दिनांक 26-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरवमान विताल के लिए जंतरित की गई है जौर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, इसके दूरवमान प्रतिफल से, एसे दूरवमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिचात अधिक है जौर जन्तरक (जंतरकों) जौर जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के किए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेच्य से उचित जन्तरण जिन्ति के बाला के बाला में स्थानिक अप में अधित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की धावता, उक्त बीधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक अ बीधित्व में कभी करने या उसके बचने हो। स्विधा के स्वित्, और/धा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम बा धन केर अधिनियम बा धन केर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) फ प्रवांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया सुविक्षा के लिए;

- (1) श्रौ बी० टी० एधुराम रेड्डा । न० 54 बेनसन बी० ऋास बंगलूर । (अस्तर्गत)
- (2) श्री सुरेण एस० पूजारी 72-78 बी०, मीन रोड, गांधी नगर बंगलूर। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के क्षिण कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हित्तवय्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें त्यूक्त सक्यों कं, पदों का, भी बक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को सम अध्याय के दिवा पत्रा हैं।

#### श्रनुसुची

(वस्तावेज सं० 1226/85-86 ता० 26-7-1985) गुब सम्पत्ति है जिसकी सं० 72-78 जो० वी० मैं न रोड, गांधीनगर बेंगलूर-9 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 11-2-1986

Carrier to the same

## प्रकृत वार्ष , टी , यम , **एवं** ,=-=====

## बावकर मिनिनन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के स्थीन बुक्ता

#### बार्क सङ्ख्या

## आवांतन, सहायक भागकर मानुक्त (विरोधान)

अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4096/2/85—86—— अत: मझे, पी० डी० खंडेल्झाल,

नावकर निर्मानसन, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके क्ष्मात् 'उन्त निर्मानम' कहा गया है, की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्सि, जिसका उजित वाजार मूस्यं 1,00,000/-क से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० सूरत में बनाये हुए, या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री गर्ना अधिकारी के कार्यालय फार्म 37ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्री गरण अधिनियम 37ईई के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्विकेत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्व, उसके कवमान प्रतिकल से, एने कवमान प्रतिकल का पंचा धितकत से विश्व है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक के लिए तब पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण तं हुई किती बाब की बाबत, उपक बीधीनवंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएय में कमी करने या उससे यथने में स्विधा के लिए; बौर/बा
- (क) देवी किसी नान वा किसी भन का नन्य जास्तियः की, विम्हें भारतीय नाव-कर निभिनियम, 1922 ई1922 का 11) ना उनत अभिनियम, या भन-कर निभिनियम, या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमेजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए का विभान में सुविधा वे विन्दः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—

- (1) मैं० सूरत टेक्सटाईल मार्केट को० ग्रो० गोण्स एण्ड वेयरसहाउसिस सोसायटी सूरत । (अन्तरक)
- (2) मैं० अशोक ममठग वर्क्स सलाबतपुरा सूरत (अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

बनत संपरित् के नर्जन के संबंध में काइ भी काक्षप .--

- (क) इस भूषना में राज्यन में प्रकाशन की तरिक से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी क्यांत्रतयों पर कृष्णा की तासील से 30 दिन की कविश्व, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशांकत ज्यांत्रत्यों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राथपन में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी कम्य व्यक्ति हुनाए अभोहस्ताक्षरी के पास विविध्य में किए था सकेंगी

स्वक्रिकरणः— इसमें प्रवृक्षत सम्बों और पतों का, वां उत्तर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिवा गता

## मन्द्रजी

एक आफिस गोडाउन के ऊपर बने हुए अथवा मल्टी लावेल पार्किंग प्रोजेक्ट में बनते जिमदत्ले आफिसों में टी० पी० स्कीम नं० रींग रोड, सूरत साइज 185 वर्ग फीट है भौर 166 वर्ग प्लाट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहामक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

दिनांक: **5**-2-1986

वक्ष्य यार्च. श्री. एन्. एस. ----

कायकर ध्राधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा १६५ ५ (1) की अभीन सूचना

#### भारत उपकर

## कार्यातव, शहायक जानकर बायुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद .

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेण सं० पी० आर० नं० 4097/2/85-86—अतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्मिति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० स्कीम तं० 8, सूरत में बनाये हुए हैं तथा जो बनते जा रहे आफिस में हिस्सा हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से विणित हैं), रिक्स्ट्रीकर्ता अधिनारी के जार्यालय फोर्म 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्री ५२ण अधिनियम 37-ईई के अधीन दितांक 10-5-1985

का पृष्वित सम्मत्ति के स्वित वाकार मृत्य है कव के स्वनाम प्रतिकास के भिए अंतरित की नहीं है और मृत्रे यह विकास करने का कारण हैं कि वजापूर्वित सम्मत्ति का उचित वाकार मृत्य , स्वकं स्थ्यमान प्रतिकास से, एके स्थ्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से मिश्क है और मन्तरक (मन्तरका) और सन्तरिती (बन्तरितिया) के बीच एके मन्तरण के सिए तब बागा भवा प्रतिकास, निम्मिनिकार उक्तरेयाँ से उच्त मन्तरण विकित में वास्तिकार रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुंदू किसी नाम की वाद्य, उपन विश्विक्त के अधीन कर दोने के जम्मरक के खिला में कभी करने या अस्ते वचने में तृतिथा के जिए; और/धा
- (था) एंसी किली जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए।

बर्तः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न को बन्सरण बा, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की वधीन, निम्निसिक्त काक्तिसाम, अधित :---

- (1) श्री सूरत टेक्सटाईल्स मार्केट रिंग रोड सूरत। (अन्तरक)
- (2) में अबिका वीर्विग फैक्टरी सलाबपुरा सूरत (अलारिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंकत संपत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### अक्त संपत्ति को वर्षन की संबंध में काहे भी वाक्षेप :----

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों को भी व्यक्तियों में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्यास अभाहस्ताकारी के पास सिकित में किए वा सकोंगे।

स्वक्यकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो तक्ष विभिनियम के अध्याय 20-क में परिशाविक हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विया वया है।

#### अनुसूची

एक आफिस गोडाउन के ऊपर बने हुए तथा अथवा मल्टीलवेल पार्किंग प्रोजेक्ट में बनाए जाने वालों आफिसों में टी० पी० एस० नं० 8 रीगं रोड, सूरक साईज 185 185 वर्ग फीट है ग्रीर 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० **खंडेल**वाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 5-6-1986

## प्रका बार्च . ह्यू . एव . एव . -----

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के नवीन सूचना

#### नारत शरकार

## कार्यांत्रय, सङ्ख्यक वायकर वायुक्त (प्रियक्तिण)

हैन्डलूम हाउस, ग्राश्रम रोड ग्रर्जन रेज-2 ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं०प: ०ग्रार०नं० 4098/II/85-86--ग्रातः मुझे, पार्व्या० खंडेलवास,

भागकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रसके प्रश्नात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का स्मारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नामार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संवदी विषिठ एसव नंव 8, रिग रोड, सूरत में समाए हुये या बनते जा रहे श्रासिफ में हिस्सा है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विण्व है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकार। के व्ययिलय, कोर्म 37/ईई-श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीवरण श्रीधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रीधीन 10-5-1985

भा पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए जंतरित की गई है और मून्ने यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संवत्ति का जियत बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, दृश्ये क्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिकात से विभिक्त है और अन्तरक (अन्तरका) और कस्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच दृति अन्तरण के लिए तम पाना गमा प्रतिकालना स्नीमित जब्दोस्य से अन्तर अन्तर्क विभिन्न में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) अस्तरण वे हुई किसी साथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर राम क प्रायक के शाबित्व में कमी करने या उससे अधाने के सुविधा के सिए; बॉर/मा
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी पन या जन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन भनकर अधिनियम, या अन भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविवा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अभीत :--

- (1) सूरत टेक्सटाईल मार्किट को-म्रो० शांप्स म्रौर वेयरहाउसेस सोसाइटी लि०रिगं रोड सूरत ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) मे अरिवदकुमार एण्ड बदर्स लालदरवाजा, सूरत।

(ग्रन्धरिता)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अविध या तत्क्षम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को औ अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (व) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबक्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के वारा लिखित में किए वा ककोंगे।

स्वध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त व्यक्तों और पदों का, जो जबस विधित्यम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में क्लिस गया है।

### नन्सूची

एक श्राफिस गोडाऊन के ऊपर बने हुए श्रथमा मल्टी लेवल मार्किंग प्रोजेक्ट में बनाये जाने वाले श्राफिसीस में से—— टा॰पी॰ स्काम नं॰ 6, रिगरोड, सूरत साईज 185 वर्ग फीट या 166 वर्ग फीट है।

> पा० डा० खंण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

तारं(**ख** ' 5—2—1986 **मोहर** ¦

## प्रथम बार्च . ट. एवं . एवं . - - ---

स्तरकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सूचना

#### भारत वरकाड

## कार्यास्त्र, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 5 फरवर्र, 1986

निवेश सं० पी॰ग्रार०नं०  $4099/\Pi/85-86$ —श्रतः मुझे, पं $\circ$ र्डा० खंडेलवास,

ायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सब्दे ब्रियात् 'उच्च विधिनियम' कहा नया ह"), की भारा १69-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने हा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से विधिक ह"

भ्रौर जिसका सं० टा॰पा॰ स्काम नं० रींग रोड, सूरक में बनाए हुये था तथा जो बनाये जा रहे श्राफिस में हिस्सा है (ग्रौर इससे उणाबद्ध श्रानुसूर्वा में ग्रौर पूर्ण देप से विणित है) रजास्ट्रावर्ता श्रीधकारा के जार्यालय, फार्म 37-ईई-ग्रहमदाबाद में रजास्ट्राकरण श्रीधनियम, 37ईई के श्रधान दिनांक 10 मई 1985

को प्रोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के अवस्थान हित्यक के लिए बन्तरित की गई है जोर मुझे वह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मृत्य, उतके अवसान प्रतिकत्त से, ऐसे अवसान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाम गमा प्रतिकत, निम्नीनिवित उज्ह्यक्ष के उक्त अन्तरक निवित्त वें गस्तिक क्य ने किथा नहीं विका क्या है :—

- (क) बन्तरण सं हुई किथी नाम की बाबस ज़क्स विधिनियन के अभीन कर बोने के बन्तरक के बाहित्व मा कमी करने या जनसं बचन मा श्रुविधा के लिए, बार/वा
- (क) खंती किसी काम वा किसी वन वा करण कास्तियों की विक्षं वारकीय वायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवन, या धन-कर विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के अप्रेचनार्थ कर्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा वी विका

बतः भव, उक्त निविवयं की धारा 269-न के बन्दरभ में, मैं, उक्त निधनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) -के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) सूरत टेक्सटाइल भारकेट को०ग्रो० सोसाइटा (ग्रन्तरक)
- (2) প্রা: श्रम तलाल एज जर।वाला, सन्,यपूरा, सुरत । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोच्छ सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## उक्त सन्तरित के सर्वाव के सम्बन्ध के कोई भी वासीय :----

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की नविभ, को भी जूबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोच्छ स्यक्तियों में में भिन्ने स्थापन द्वार.
- (ब) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं
  45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयाहरूर्वाधार्य के
  पास लिकित में विश् का सक्ते

स्वर्धीकरण :—-इसमा पावत कराते औं त्या कि ते स्व अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

## पन्सूची

एक श्राफिस गोडाउन के ऊपर बने हुए श्राधा मर्स्टा पार्कींग प्रोजेक्ट में बनायें जाने वाले श्राफिसों में से टा० पी० एस० नं० 8, रींगरोड, सूरत-साईज 158 वर्ग फाट श्रीर 153 वर्ग फीट है।

> पं । ०डी० खंडेलधाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-2, प्रहमदाबाद

तारोख: 5-2-1986

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ 269-न(1) के नभीत स्वन।

भारत सरकार

## कार्यातय, सहायक कावकार बाव्यत (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पॅरिक्शार०नं० 4100/11/85-86 - श्रदः, मुझे, पॅरिक्डा० खंडेलवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि रूथावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से बिधिक है

ग्रीर जिसका संव टाव्पावस्काम नंव 5, रींग रोड, सूरत में बनाये हुए तथा जो वो बनाये जा रहे ग्राफिस में हिस्सा (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूचा में ग्रीर पूण रूप से विणित हैं) रजीस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय, संव 37/ईई-ग्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान 10 महै 1985।

का पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के कथमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित पे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकल अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

जत: जन, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सूरत टेवसटाईल मारकेट को० ग्रो० गाप्स एण्ड वेयरहार्कीसह सोसायटा, लि०, रींगरोड, सूरत (ग्रन्दरक)
- (2) मेसर्स प्रनील सिल्क इन्डस्ट्राज, रींग रोड । (प्रन्वरिता)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, कहीं अर्थ होना चो उस सध्याय में दिया गवा हाँ।

#### जन्तुची

एक श्राफिस गोडाऊन के ऊपर बने हुए भ्रथवा मर्ल्टी . लेवल पाकि प्रोजेक्ट में बनाये जाने वाले श्राफिसों में से — टी॰पी॰ स्कीम नं॰ 8, रींग रोड, सूरत साईज 158 वर्ग फीट है। श्रीर 166 वर्ग फीट है।

> पा०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रैंज-2, ग्रहमदागाद

तारी**ख**: 5-2-1986

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रजंन रेज-2, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०ग्रार०नं० 4101/ईई/85-86—श्रवः मुझे, पी०ईए० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी संव टीविपोव्एसव नंव-8, रींग रोड, सूरत में बनाए हुये हैं जो बनते जा रहे श्राफिस में हिस्सा (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं) रजास्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रजीस्ट्रीकरण श्रीधनियम, श्रधान के श्रहमदाबाद में फाम 37ईई में 10-5-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंठरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिपान में स्विधा के लिए;

नतः नग, उक्त निभिनियम, की भारा 269-न से वन्तरच में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सूरत टेक्सटाइल मारकेट को०भ्रो० सोसाइटी श्रन्ड वेयरहाऊसिंग सोमाइटी, सूरत, रीगरोड । (अन्तरक)
- (2) श्री भ्रोबालाल भनद्रपार्था शाह, रीगरोड, सूरत (ग्रन्टरिवी)

को यह सूचना जारी करके प्यंक्ति संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति ने वर्षन के तंबंध में कोई भी बाधीय 🕫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें अयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनृत्त्वी

एक आफ्रिस गोडाऊन के ऊपर बाने हुए श्रथवा सर्त्टा लेवल पार्कींग प्रोजेक्ट में बनाये जाने वाले आफिसों में से— टी॰पं एसनं॰ 8, रींगरोड, सुरस साईज 158 वर्ग फीट है। और 199 वर्ग फ्रंट है।

> पी०डी० खंडेलवाल स्थाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

<del>= = -- \*----</del>

## प्ररूप नाइ .टी. एन. एस. -----

नायकर जिभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के नभीन स्वता

#### नारत परकार

## कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, हेण्डलूम हाउस, श्राश्रम रोड, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०आ२०नं० 4102/II/85-86—-अतः मुझे, पी०डी० खंडेल्याल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 169 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने का तरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वांश्रार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

सीर जिन्नकी सक टीक्पीक्लक है, रिंग रोड, सूरक में बनाये हुए या बनाये जा रहे में हिस्ला है तथा जो सूरत में स्थित है (स्रीर इनसे उपाबद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, सूरत (फोर्म/3/-ईई-अहमदाबाद) में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) अधीक 10-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत सं अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए दय गया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चोध्य से उसके अन्तरण किस्मान मा गम्सिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, जन्म अधिनियम् के वधित कर विजे के अन्तरक के राशिक मी कामी कर्य मा उसस ज्याने मी स्रीयधा अभिन्न, करि/सा
- (व) एसी किसी भाष मा किसी धन वा अन्य शास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया का या किया वाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा औ चित्रः

्त: क्षत्र. उपन्त विभिनियम की भारा 269-ए के अनुसर्फ मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क, अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) सूरत टेक्सटाईन मारकेट को-म्रांप सोपस्ट्रें एन्ड वेयरहाउसीस सोक्षायटी, रिंग रोड सूरत । (अन्तरक)
- (2) मेश्सं आहुजा सिल्ह इन्स्ड्ट्रीज, रीग रोड, सूरत-2।

(अन्तरिती)

भी नह सूचना पारी करके पूनोंक्त संपत्ति के वर्षन के विद् कार्यनाहियां शुरू करता हो।

उक्त संवरित के वर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेप प्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थ 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी कंविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पार मिचित में किए वा सकति।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त बन्दों और वहाँ का, को उनक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिश पदा हैं॥

## वपुष्पी

तक आफीस गोडाउन के ऊपर बने हुए अथवा मल्टी लेवल पार्किंग प्रोजेक्ट में बनायें जाने वाले आफासरों में से टींब्पीब स्कीम नंब 8, रींगरोड, सुरक्ष साईज 158 वर्ग फीट फ्रींग 166 वर्ग फीट **हैं**।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारी 1 : 5-2-1986

प्ररूप आही.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदानाव अहमदाबाद, विनांक 5 फरवरी 1986

निवेण सं० पी०क्षार०नं०  $4103/\mathrm{H}/85\text{--}86\text{---अत}$ : मृझे. पी०डी० खंडेलवाल.

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गरबात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हो कि स्थावर नेपित जिसका उल्पित बाजार मुख्य 1,00,000 /- का ने अधिक ही

श्रीप जिल्ला सं टील्पील एसल्नंत 8, रीम रोड, सूरत में बनाये हुए या बनाये जा रहे हैं आफिस में हिस्सा हैं (श्रीर इससे प्रपादल अनसूची में श्रीप पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजीस्ट्रीयर्का अधिपारी के कार्यालय फार्म-37-ईडि-अहमदाबाद, सूरत में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 37-ईडि-के अधीन दिनाक 10 मई 1985

क्यं प्वॉक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार प्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे क्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए।

- (1) मंसर्ग अमर इन्ट प्राईर्जात, रिगरोड, सूरत। (अन्तरक)
- (2) ई०ए० सूरत टेक्सटाईल्स मारकेट, रिगरोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरण: — इसमें प्रमुखत शब्दों और पर्वो का जो जलत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एत आफिस गोडाउन ं ऊपर बने हुए अथवा मल्टी लेवल पार्किंग प्रोजेस्ट में बनागे जाने वाले आफिसों में से--टीव्यीवएसव नंव 8, रिनयोड सूरत-158 वर्ग फीट ग्रांर 166 वर्ग फीट है।

> पी०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधि ारी अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-27 अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०आर०नं०  $4104/\mathrm{H}/85-36$ —अतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी०पी० हर्कत्य न० ६, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुये हैं। तथा जा जा बनाने जा उन्ने आफिसों में हिस्सां में स्थित है (ग्रांर इससे उनायह जन्सूची में ग्रोर पूर्ण रुप ने विणिहा हैं) जील्ट्रांति प्रविनारी के नार्यालय, फार्म 37-ईई-जहनदाबाद, में रजिस्ट्रील्ड्रा अधिनियम 1908। (1908 जा 15) के प्रवीत दिनांता 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान क्षितिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती शिच एसे अन्तरण के लिए तय पाडा गया प्रतिफल, निम्निल्लित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कांचित महीं किया ग्या ही:—

- (क) लत्तरण से हुई किसी गय की बाबते, उक्त अर्थानियम के अधीन टार दोन के असारक के दायित्व में कमी करने या उपमें करने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिल्पाने में स्विधा के निष्;

बतः बन, बक्त बिनियम की धारा २६०-र के कममाप्त बों, मीं, तक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की जुमभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं सूरत टंक्सटाईल मार्केंट को०ग्रो० शाप्स एन्ड हाऊसिस सोसायटी, रिंगरोड, सूरत । (अन्तरक)
- (2) मैं अरविंदलाल मोहनलाल काधबाला, मच्छरपुरा, सूरत-3।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के शिष् कार्ववाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## वन्स्पी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में 10-5-85 को पेश िया गया है जिसकी साईज 158 वर्ग फीट है और 166 वर्ग फीट है।

> पी०डी० खंडेतवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (क्रिशक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रक्य बाइ है ही, एन, एक: - - -

# बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 249-च के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्याज्य, बहायक मानकर मानुक्त (विरोधण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०आर०न० 4105/11/85-86—अंतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल,

बाबकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन कमम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिलकी सठ० टी०पी०एस०न० 8, रिंग रोड, स्रतः में बनाये हुए शौर हैं। तथा जो बनाये जा रहे आफिसों में हिस्सा में स्थित हैं (स्रौर इस्से उपावद्ध ेन्स्यूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणतः हैं) रजीस्ट्रीवर्ता अधिकारी के वार्यात्य, फार्म सं० 37-ईई-अहमदाबाद, सुरतः में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई अधीन 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मून्य से कम के इस्यमान प्रतिकत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उधित बाजार मून्य उसके इस्यमान प्रतिकत्त से एसे इस्यमान प्रतिकत का मन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीक एसे बन्तरक के लिए तय वाया बना प्रति-कस, निम्निसित उन्हर्य से इक्त बन्दरण कि सित में बास्तिक इस से कि बन नहीं किया क्या है है—

- (क) व्यवद्रम सं शुर्श किसी बाय की वायस उपका वार्षित नियम में मधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उपने वक्षते में स्वेतिया के लिए; ब्राह्म/वा
- (व) घेती किसी नाव वा किसी भन या नत्य नास्तियों कां, जिन्हों बारतीय नायकर निर्मानयन, 1922 (1922 का 11) या उपत निर्मानयन, या प्रमु≤ भाग जोधनियन, 1957 (1957 का 27) वे प्रकारनार्थ नन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया नामा वाहिए वा, किया ने स्विका वाहिए वा, कियाने में स्विका

श्तः श्रः, उक्त वीधीनवन की पास 269-म की वनुसरण में, में, उक्त वीधीनवम की धारा 269-म की उपश्रदा (1) के अभीन, फिल्म्किक्व व्यक्तिकों, वर्णात् हे— (1) श्री पुर: टेकालाईन नारकेट को०म्रो० सोबायटी रिंगोड, सूरप ।

(अन्तरक)

(१) श्री स्रोजनाता इटानी एन्ड अन्य, रिंगरोड, सूरता

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बार। करके पृथिक्त एक्यास्त के कर्वव के बिह्र कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त स्थ्यांत्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:-

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबधि, यो भी जबिश शाह में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 किन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वाच, बभोहस्ताक्षद्री के पाछ लिखित में किए वा सकते।

स्यक्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभक्तिस ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना है।

## **अनु**सूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फोर्म इस कार्यालय में 10-5-85 को देश किया गया है जिसकी साईज 158 वर्ग फीट है और 166 वर्ग फीट है।

> पी०डी० खंडेलवाल मक्षम प्राचिकारी ाहाया आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहन्दाबाद

नारी**ख**: 5-2-1986

प्रारूपः आहु<sup>2</sup>.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 य (1) के अधीन स्चल

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निहीक्षण)

थ्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०श्रार०नं० 4106--श्रतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल,

नायकर निर्मायन 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें प्रचले प्रचल 'उनल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा '269-व को नेधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित जिल्लाका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी ब्ली ब्लां ०-८, रींग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनाने जा रहे हैं तथा जो श्राफील में हिस्सा में स्थित हैं (श्रीर इचके उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रौर पूर्ण ६प से विणित हैं) रिजिस्ट्रों कि श्रीय गरी के कार्यालय, फोर्म-37-ईई-ग्रहमदाबाद, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 37-ईई का 16) के श्रधीन 10 मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य के उम के स्वयंगान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह निवनाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाकार मूक्य उसके स्वयंगान प्रतिकल सा, एसं स्वयंगान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बोच एस जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिलिखित उद्यादय से उद्योग स्वयंग्य के बित के बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है

- (क) बन्दरम् से हुए किसी बाथ की बान्त, सब्ब बिचित्रम में बन्दान कर यान में बन्दारक के दावित्स में कमी करने या उच्छे बचने में बुद्दिया में सिद्दः बहि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां न्य, जिन्हों भारतीय साथ-जर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उका अधिनियम, या अन्वार अधिनियम, या अन्वार अधिनियम, १९५७ (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट वहीं किया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः २व, उन्त विधिनियन की धारा 269-ग के जन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) इंडिक्टिया निस्निस्थित व्यक्तियों ज्यांतु ६—

- (1) सूरत टेकसटाईल मारकेट को०ग्रो० शोपम श्रौर वेयर हाउसिस सोमायटी लिमिटेड, रीग रांड, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) मेनर्म "श्रनील" सील्क मील्य क्यु०-1249, सूरत टेक्सटाईल मारकेट, रींग रोड, सूरत- 2। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्त सपतिः को अजन के लिए कार्यवाहियां कृषे करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षण ः---

- (क) इस स्थान के राष्ण्य में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटनिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त कायकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुधी

एक श्राफीस गोडाऊन के ऊपर बने हुए श्रयवा मस्टी लेयल पार्कींग प्रोजक्ट में बनाने वाल श्रोफीसों में टी॰पी॰एस॰ नं॰-8 रींग रोड, सूरत, साइज 185 वर्ग फोट है श्रौर 166 वर्ग फीट है।

> पी०डी० खंडेल**वाल** नक्षम प्राधिका**री** सहापक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदा**बाद**

तारीख: 5-2-1986

प्रसप आई.ती.एत.**एस.**-----

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महाथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी०श्रार०नं० 4107→म्प्रतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'जक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं टोल्पील्एयलनं - 8, रींग रोड, सूरत में बनाये हुय या बनाने जो रहे हैं तथा जो श्रोफीसों में हिस्सा में स्थित हैं (श्रीर डाके उपाबद्ध अनुमुन्नी में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है) रिजस्द्रीति श्रीकारी के जावित्त स्थानिया, फोर्म 37-ईई-श्रहमदाबाद, सूरत में रिजस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (37-ईई का 16) के प्रधान ताल 10 मई 1985। को पूर्विक्त संपत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के द्वरयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान श्रीतफल को स्थापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान श्रीतफल को एसे द्वरयमान श्रीतफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिसिस उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि सिस्त में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की श्रावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त शिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निकिश्व व्यक्तियों, अर्थास् क्र-- (1) सूरत टेकाटाइस्स भारकेट को०स्रो० शोपस अन्ड वेपरहाऊसिस इन्ड्रटीज, सो०लि०। रींग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रसकख बोरहय जैन के श्रीं में सर्स मंबरलाल एन्ड ब्रदर्स मुख्य रोड, जेपोर, जिला-फोरापुर, श्रोरीस्सा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविधि या तत्मीय दी व्यक्तियों पर सूचना की तामिक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्थापत होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुसारा;
- (क) देश शुरुषा अवस्य र अस्तिकार की **नारीख से**45 दिन के सीतार अन्त स्थावन सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य ब्यास्त द्यारा, अधोहस्ताक्षारी के
  पास विक्तित मी किए का अक्षेत्रेगी।

स्पष्टोकरण:--इसमा प्रयुक्त दाव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह<sup>8</sup>।

## अनुसुची

एफ श्रोफीस गोडाऊन के ऊपर बने हुए श्रथवा मल्टी लेवल पाकींग शोजेक्ट बनने खानेवाले श्रोफी में टी०पी० एस०नं० 8 रींग रोड सूरत साइज 185 वर्ग फीट है श्रीर 166 वर्ग फिट है।

> पो०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

नोहर:

## प्रथम बार्च ती. एवं, एस. ....

## बाधकर विधितवस्त, 198 के कि की की 43) की

धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत तर्कार

## कार्यासक, सहायक आवकर वाय्वत (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरनरी 1986

निदेश सं० पी०श्रार०नं० 4108—⊸म्रतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसकें इसके पश्चात 'उथल प्रिश्तियम' बक्ता गया ती, की धारा 269-ख को जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,0€0/- रु. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० टी॰पी॰एस॰नं० 8, रींग रोड सूरत में बनाते हुये या बनते जा रहे श्रोफीम में हिस्सा है (श्रौर इतके उगबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, फोर्म सं० 37-ईई-प्रहमदाबाद, में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1008 का 16) श्रधीन 10 मई 1985

को प्यों कर संपत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के समजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीध एसे अन्तरक के सिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चे पे उचित अन्तरण कि सिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चे पे उचित अन्तरण कि सिए तय पाया प्रतिफल कप से कथित नहीं वि. ज्या है :—

- (क) बन्तरूप दे हुई कियाँ बाय की बायक, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्करक के दाजित्य में कभी अन्दने या सत्तसे अचने में सूर्तिभा के विष्: बाहर्शन
- ंश) एकी किसी आग गा किसी अप गा अप्य शास्तियों करे, विका भारतीय नायकर निभिन्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्तियम, या अप-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना नोहिए था, दिवाने में तुनिधा के विका,

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तिकार्यों, अर्थान् :---

- (1) द सूरत टेक्टाइल मारकेट को०ग्रो० शोटस एन्ड वेयरहाउसींग सोक्षायटी, सूरत। (अन्तरक)
- (2) श्री श्रर्रावदलाल हसमुखलाल 7,359,4-बी लाल दरवाणा स्टेशन रोड, सूरत-3।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चुक करता हूं।

## उन्त सम्मत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कीई भी जाक्षेप्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (वा) इत तृष्या के राषपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पंपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा बक्ति।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिन्यम के अध्याद 20-का में यथा परिज्ञाणितः हैं, यही वर्ध क्षोगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

## अनुसूची

श्रोफीस जो सुरत में स्थित है 37-ईई फोर्म पर कार्यालय में 10-5-85 को पेश किया गया है श्रौर क्षेत्रफल 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

नारी**ख**ः 5-2-1986

महर 🕄

जायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) को पारा 269 व (1) वो क्रमीन सूचना

कारत प्रकार

कार्यालय, सहायक अस्वकार मान्यत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमक्षाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०ग्रार०नं० 4107--श्रतः मुझे, पी०डी० खंडेसवाल.

सम्बद्ध विश्वित्यम्य, 1961 (1961 था 43) हैंबियों इवर्षे इडको प्रमात उपन समितियम् सङ्घ नया ही, खी गांध 209-व के गाँग सम्बद्ध प्रतिकारी को यह विश्वान मानो भा बस्द्रम है कि स्थापर संपत्ति, विश्वाना विश्वत शांकर वृक्त 1,00,000/- रा. से मधिश्र है

न्नौर जिसकी सं० टी०पी०एस०नं० 8, रिंग रोड सूरत में बनाया हुआ या बनते जा रहे, श्रोफीस में हिस्सा है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फार्म सं० 37-ईई/श्रहमदाबाद, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के श्रधीन 10-सई 1985

की पूर्वोत्तव सम्परित को स्वित बाजार मुख्य में कम को करपान प्रतिकाल को जिल्ह मन्त्रीका की नहीं है लीए मुख्ये कह जिल्लाम करवे का कारण है कि मंत्रान्योंका संपरित का संजित सामार कृत्य, उनके स्वकान प्रतिकाल से, एकी स्वकान महिल्ला का काम्ह प्रविकाल से मिथिए ही और सन्त्रास्थ (मंत्राच्या) भीर मंत्रीरही (स्वकारितिका) से बीच होते मन्त्रारण से फिल्ह स्व पासा का प्रतिक क्षण निम्मानितिका उन्होंना से उनका नमारण विकित में सन्तर-विकाल कर ने स्वित नहीं किया वृत्यों है :----

- हैकड़े कलारण से हुए जिल्ली बाब की बावस , उपके बाजिनवम के सभीप कर दोने के अन्तरक के शामिरक में कभी करने वा स्थाप क्यमें क्यमें वो स्थिधा के विद्या: बीट/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन ना क्या जास्तिकों को, जिल्ही जारतीय जात-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा सक्त जीधिनियम, धा भनकर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) ले प्रयोजनार्थ जन्द्रिरिटी क्यारा प्रकट नहीं किया क्या वा या किया वाना खाडिए का क्याने में स्थित से प्रिका से प्रयोज में प्रयोज से प्रयोज में प्रयोज से प्रयोज में प्रयोज से प्रयोज से

जला भवः तस्ति निर्मित्यम् की वारा 269-म को, बन्नुबर्ग्न भा, भी जन्त अधिनियम् की शाल २६०-म की स्वभागः (१) के क्रभीन निरम्निनिन्त अधिकासी सम्मान

- (1) सूरत टेक्लटाइल्म मारकेट को०ग्रो० शोप्स एन्ड वेयरहाउसींग सोशायटी, सूरत ।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी मेसर्स भारत टैक्सटाईल्स 3/298 ब्लोक नं 14, सलाबतपूरा, लालवाडी, सूरस। (भन्तरिती)

तो यह कुम्बर करते करके पूर्वोक्ता सम्मतित के नर्पन के जिए कार्यवाहिमां कुम करता हुं।

उक्क सम्मत्ति के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप अस्म

- इंद्र सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर कूपना की तामील से 30 दिन की अविदि, को भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- सब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अशहस्ताक्षरी के शस विश्वत में किए या सकोंगे।

क्यांक्रीक्रयण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ0, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

#### अनुसूची

श्रोफीस, सूरत में स्थित है 37-ईई फोर्म पर कार्यालय में 10-5-85 को पेश किया गया है श्रोर क्षेत्रफल 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रकप बाई .टी.एन एस.-----

ज्यका विधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

## कार्यासक, रहावक जावकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद आहमदाबाद, दिसाक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०आर० नं० 4110---अतः मुझे, पी०डी० खंडेलवान,

बायकर अधिनियम, 1961 /1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की धारा 269-स के बधीन सक्ष्म प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बोबार बुल्ब 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी०पी०एस०नं०-8, रीग रोड, सुरत में बनाये हुये या बनाते जा रहे हैं। स्था जो श्रोफीस में हिस्ता में स्थार हैं (मोर इ.के उनाबड़ जनुसूची में श्रीर पूर्ण, कप मे विषये हैं) को लिही तो अधि हरी के स्वर्धात्य फोर्म-37-ईईनिहन स्वर्ध, जुरा में रजीस्ट्री रण अधित्यम 1908 (1908 में 20) के अधीन ने मई 1985 को पूर्वों के संस्थाति के उणित बाजार मृस्य से कम के स्वयमन जिफल के जिए अन्तर्भ की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन करने का कारण है कि यथापूर्वों कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके इच्छमान इतिफल में, एके रच्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, विश्वासी प्रसं अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, विश्वासी उद्देश्य में उकत अन्तरण विश्वत में बासरित के स्वर्थ में उकत अन्तरण विश्वत में बासरित के स्वर्थ में उकत अन्तरण विश्वत में बासरित करने से अधिक तहीं किया गया ही स्वर्थ में स्व

- (क) अनंतरण से हुइ किसी आय की, बानत, उलत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा कें बिए; और/सा
- एंडो एंडी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तर्राती इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किएनने में सुनिधा के निए;

बत: अब, उक्त अविनियम की धारा 269-व के अनुसरण की, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थांक् उ

- (1) द गुरहा टेक्सटाइल्प मार्केट को०भ्रो० शोटस एन्ड वेर हाउसीग सोसायटी, मुरत । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स बाबुराम एन्ड सन्स य्-1216, सुरत टेक्सट(इन्स मारकेट रीग रोड, सुरत-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्बक्ति के अर्कन के सम्बन्ध में कोई भी नाकांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुदारः;
- (क) इसस्था के राज्यन में प्रकाशन की तारीच "से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाच सिचित में किए वा सकीने।

स्यब्दोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उम्बद्ध विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका वशा है:

#### अन्मूची

श्रोफीस जो सुरत में स्थित है, 37 ईई फोर्म पर कार्यालय में 10-5-35 को पेश किया गया है श्रीर क्षेत्रफल 166 वर्ग फीट जयवा 185 दर्ग फीट है।

> पी०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

शुक्क बार्ड ही इन प्रश्न करन

ভাষত স্থাতিব্যয়, 1961 (1961 का 43) की भारा পদা 269-কা (1) के बभीन सुवना

#### भारत सरकाह

कार्णलय, सहाहक हारूक काय्यक (विरक्षिक) अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं० पी०आर० नं० 4111—अतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पष्टि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रोर जिन्नकी सं० टी०पी०एस० नं०-4, रोगरोइ, सुरत में बााये हुये या अनते जा रहे आफिसों में हिस्सा हैं। तथा जो पुरत में क्यार हैं। तथा उनस्वी में स्रोर पूर्ण रूप में विज्ञत हैं। रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फोर्म सं० 37-ईई-अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन 10 मई

को पूर्विकत सम्परित के जिसत बाबार मृत्य से कम के रवयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास फरने का करांगा है कि यद्याप्तोंकत सम्मत्ति का जिसत बाजार मृत्य है करांगा है कि यद्याप्तोंकत सम्मत्ति का जिसत बाजार मृत्य हिंदि क्रियमान प्रतिफल का राम्क प्रतिकात से निवास है लीर बंदान्क (अंतरकों) गीर नंत- करी (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित जब्देश्य से जनत अंतरण लिखित में बाम्निक का ले में काम्निक का में काम्निक काम में काम्निक का में काम्निक काम्निक काम में काम्मिक काम काम्निक काम काम्निक काम काम्निक काम काम्निक काम्निक काम काम्निक काम काम्निक काम्निक काम काम्निक काम

- कि) अंशरण से हुव किसी बाद की बानस, खबक अधिकिया के अधिन कार दोने के जंदरफ़ खैं भिक्तल में कामी अपने का ससने कमने में स्वित्स से स्थित और सि
- ि जेरी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नायकर विभिन्तियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त निपिनयम, मा अन-कर जिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए;
- क्या प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र भारत 269-म भी अनुसर्भ को औं प्राप्त परिधानियम की भारा 269-म की जमभारा (1) को अभीत प्रमानिस्तित व्यक्तियों, अर्थास् :— 18—6 GI/86

(1) भो भूरत टेक्सटाईल मारकेट को०ग्रो० शोप्स एण्ड वेरहाउमिंग सोशायटी लि० रीग रोड, सुरत ।

(अन्धरकः)

(2) मेसर्थ बजारीया टेक्सटाइल्स 7/1255, यारीयायी भोपाल बोट बंगलाके सामने, सुरत-3। (अन्तरिती)

को वह त्वता बारी कारके पूर्वोक्त सध्यक्ति के वर्षन में सिद् कार्यवाहियां करता हूं।

## जनन सम्मिति के मुक्की के सम्मान्ध में मोर्क्ड भी मान्नीय ए----

- (क) इस मुचना के बाजपंत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 विष की जनीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की जनिंग, जो भी बन्दीं गय में समझ्य होती हो, के भीतर प्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से वित के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में दितवस्थ किसी अन्य ध्यक्ति स्थादर, अधादस्ताक्षरी के पाद निमित्त के किसे का सकतें।

श्यक्तीकरण :----ध्समें प्रयुक्त शब्दों नहि पदों का, यो शक्त श्रीविषय को अध्याय 20-क में पहिशादित हैं, बहु वर्ष होगा को उस अध्याय में हैदबा न्या हैं।

## 444

अफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह अविलय में दिनांक 10-5-85 को पेश िया गया है। साई ज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है:

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आसक्तर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

भागीय : 5—2—1986 -

प्रकृष ग्राह्म । एस । पुन । एस । व्याप्त व्याप्त व्याप्त विश्व विष्य विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य वि

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनांंं 5 फरवरी 1986

निदेशसं० पी०अंग्र०नं० 4112—अतः [मुझे, पी०डी० खडेलवाल,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भारा 260-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वाम करने का कार ग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रु. से बिधक है

ग्रीर जिसकी सं टोज्यं क्एं कि 8, रीगरोड़, सूरत में बनाये हुये या वनते जा रहे आफिसों में हिस्सा हैं। तथा जो मुरन में स्थित हैं (थार इसके उपावड़ जन्सुनी में श्रीर पूर्ण का से विणात हैं) एशीस्ट्रीज़र्ता अधि जारी के कार्यालय, फोर्स सं 37ईई-जहमदायाद में रजीस्ट्रीज़रण अधिनियम 1908 (1908 कि 10) के लशीय 10 मई 1985 को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकृत के निए कन्यरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा एवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, तसके स्थमान पित्र के तरक (अंतरकों) बोर अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एमें अंतरफ (अंतरकों) बोर अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एमें अंतरफ के लिए सम्पामा गया प्रतिफल, निम्मीलिकत उद्दर्शय में उद्धा अंतरण निर्मित में वास्तिक हम विश्वास के स्था एकों के सम्पास के स्था प्रामा के स्था प्रतिफल, निम्मीलिकत उद्दर्शय में उद्धा अंतरण निर्मित में वास्तिक कप से अंतरण महीं फिरम गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के किए; और/या
- ा एसी, विसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों का जिला भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 कि 322 का 11) या जक्त अधिनियम, या श्वकार अधिनियम, या श्वकार अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शा भा किया जाना चाहिए था, छिएने में मुनिया के शिर्णः

हरू पड़ कि क्लिकिय की धारा 269-ए **के अन्सरण** के के क्लिकिय की भारा 160-ए की उपधार () कि प्राप्त क्लिकिय किसकी, अर्थीत क

- (1) घा पुरत टॅक्स्टाईल मार्दाट कीर्ट्यां०, सापस एन्ड बेर्टासीस सीक्षायटी लि०, रीग रोड, सुरत। (अन्तरक)
- (2) मेलके भगवाधदाता भगीसवात द्वाचा मोदी शेरी, तगरामपुरा, सुरह-2।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारत:
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन के भीतर हत्का स्थावर संपत्ति में हितबद्ध जिसी कन व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी की शास निक्ति में किए बा क्कींगे।

स्पष्टीकरणः में — इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, वो उक्त विश्वनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित वी. नहीं पर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### maranett

आफिर को सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> वी० डी० खंडेलवाल ्थम प्राधिमारी नहःयात आयाज्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज १, अहमदाबाद

तारीखः: 5-१-19६०

44.2.

- श्रक्त नार्षं, वर्षं, यूनं, यूनं, यूनं, यूनं

आवकर विधित्तवन, 1961 (1961 टा 43) वर्षी अस्त 269 व (1) के वर्षीन कृषना

## ality gharm

कार्वालय, सहायक बावकर बावुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, अहमदांबाद

अहमदाबाद, दिनाक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०आर०न० 4113--अतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम शाविकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति जिसका उपित बाबार मूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिलकी सं० टी ज्यो ज्या ० नं० - 8, रिगरोड सुरत में बनाये हुये या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा हैं। तथा जो सुरत में स्थित है (ग्रीर इससे ज्याबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का सं यणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फार्म सं० 3 / ईई/अहमदाबाय में रजीस्ट्रीकरण अधिवियम 37-ईई के अधीन 10 मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए जैन्सरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसक उश्यमान प्रतिक्रत से एवं क्यमान प्रतिकल का पंदाह प्रतिकृत विश्व हैं और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितिया) के बाँच एस अन्तरण के लिए तथ याया यद। प्रतिकृत निम्नति कित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में साला है।

- (क) कर/रम हे हुन्दै फिंही बाच की कार से, उक्त जी तिबड़ के बजीन कर देने के अन्तरक के तिबल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अनेहर/शा
- (६) इसी किसी नाम या किसी भन या तन्त्र निस्तान को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रको लाग जन्दी रही कुछ या प्रभट नहीं किया नवा वा किया जाना धाहिए था, विश्वान में स्विता के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित न्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) दी सूरा टेप्स्टाईल नार्लेट को०प्रो० शोल एन्ड बेयरहासिल सोसायटी लि० रिंगरोड, सूरत । (अन्तरक)
- (2) में तीचील सील्क इण्डस्ट्रीज नानापर मुख्य रोड, सुरत-1:

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के अर्जन के लि कार्यनाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपभी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 50 दिन की अवधी, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>2</sup>।

#### क्ष्णि

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० सो० खंडेलवाल संझम प्राधि ारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जंग रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

पक्ष बार्षं दी । ध्वाध्य ु 🐭 🕬 🕬

आयकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में मधीन मृष्य

#### नारत परकार

## कार्यालयः सहायक सायकर सामु क्त (विरीक्क्य)

प्रर्जन रेज 1 प्रहमदाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पा०भार०नं० 4114—आतः मुझे, पा०सी० खंडेलवाल,

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनास् 'उन्त विभिनियम' काहा नया हैं), की धारा 269-क के अधोग सकाम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण ह' कि स्थानक संपरित, विसका जीवत वाकार मूज्य 1,00,000/-रु. से विभिक्त हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी॰पी॰एस॰नं० 4, रींगरोड, सूरि में बनाये हैं। तथा जो हुये या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा में स्थित हैं (ग्रीर इनके उणाबद्ध ग्रानुसक्त में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं) रजीस्ट्र नर्ता ग्रीध नर्रा के कार्यालय, फामं सं० 37-ईई//ग्रहमदाबाद सूरत में रजिस्ट्राइएण ग्रीध-नियम, 1908(1908 का 16) ग्राधन 10 मई 1985।

को पूर्णेक्ट सम्पन्ति के उर्रिकत साआर मून्य सं कम के सम्बद्ध प्रशिक्षकों के सिए मन्तरित को गई है और मुझे यह विक्यास स्थान के का कारण है कि मनापूर्णिक संपर्गित का उपिन्न साआर भूग्य, उत्तके क्यमान प्रतिक्व हो, एभी क्यमान प्रतिक्व का प्रश्न क्यमान प्रतिक्व हो, एभी क्यमान प्रतिक्व का प्रमुख प्रतिक्व का प्रश्निक क्षिण के सत्तक (बंतरक) और बंतरिकी (ब्यारितियाँ) के बीच एसे मन्तरक के किए उस पाया गया प्रतिक्व क्षिण निम्मितियाँ उस्तिक कहीं किया क्ष्म के क्ष्मित कहीं किया क्षम है क्ष्मित कहीं किया क्षम है क्ष्मित कहीं किया क्षम है क्ष्मित कर कर कि क्षम के क्ष्मित कहीं किया क्षम है क्ष्मित कर के क्षमित कर कि किया क्षम है क्ष्मित कर के क्षमित कर कि किया क्षम है क्षमित कर के क्षमित के क्षमित कर के क

- (क) करवारण सं हुए हिलाभी आध की बाबत खकत सिध-रिवार के वारीए सर वाने हैं अन्सरस की स्वाधित्व में करी करने वर जनस स्थले की स्विद्धा के जिल्हा सरिश्या
- (क) क्षेत्र कियो काथ वा कियो ध्य वा कल्य आधियाँ की लिख् आकर्षिय काथ कर विविद्याय, 1922 (1922 का 11) वा अवत् अधिक्षिय अध्य क्षेत्र का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तर्धिक का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तर्धिक क्षेत्र क्षेत्र का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिणाने जें स्विधा के किए;

जतः जब उक्त विधितिकंत्र की धारा 269-ए की बनुसरण मो, सी, उत्तर्भ अधिनियम की धारा 269-ए की जपभारा (1) है बधीन, निक्सिणिक्त व्यक्तिकों, अभीत् :---

- (1) घा सूरक टेक्सटाईल मारकेट को०ग्रो० शोप्स एण्ड बेरहार्सास सोसायट, लि० रीग रोड, सरत । (श्रन्तरक)
- (2) कुमारः मेसर्स भोगावाला ग्रुप फैक्टरः प्रो० श्रा चंषकलाल डाफोररामलाल दरवाजा सूरत-30 । (ग्रन्तरिति)

की यह सुचनः वाशी कर**के प्**र्वोक्त संपरित के वर्जन के तिस्र कार्यवाहियां करता हुं।

जनस बम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी भारते 😁

- (क) इस सूचना के हाचपत्र में प्रसावन की ताड़ींक वें 45 दिन की अवधि मा तत्संतिनी क किर्मा पर ग्यान की तामील स 20 दिन की अवधि, जो और जनभि बाद में समाप्त हाती हा, के भीसर पर्धावस व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारोध के 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिहतभड़ के किसी मन्य स्थानित दुकारा अपहिस्ताक्षरों है यास विकित में किए का समीपे।

स्पब्सीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, औ लच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होना को एक अध्याय श्रीका

## **मनु**सूची

आफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फाट श्रथवा 166 वर्ग फाट है।

> पी० ई/० खंडेनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ऋायु त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

वारीख: 5-2-1986

प्रकृष आहे, ती एम, एए -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन मृखना

#### HIER HERRE

कार्याक्तय, सहायक वायकर वायक्त (निर्देशक) श्रर्जन रेज-1 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पा०ग्रार०नं० 4115—श्रवः मुझे, पा० डी॰ ढंडेलकाल,

भावकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके प्रकार जिसे अधिनियम कहा गया है), की चाड़ा 26य-म को अधिन अभाग प्राधिकारी की, यह विश्वस्य करने का कारण ही कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मुख्य 1.00,000/- रहत से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० टा॰पा॰एस॰नं० 8, रींगरोड, सूरक्ष में बनाये हुये था बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। उथा जो सूरत में स्थित हैं। (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुभुषी में ग्रीर पूर्ण क्ष से वर्णिक हैं) रिक्ट्रक्ती अधिकारी के कार्यालय, फार्म मं० 37/ईई/श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रक्रिंग ग्रिधिनयम, 1908(1908) 37-ईई का 16) के श्रधीन 10 मई 1985।

वर्गे पूर्वेक्ति समाप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान अतिकल के निए अन्तरित की गई है जौर मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य समके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित मों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नोजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अल्लाह्म से हुई जिल्ली भाष की बावत उपत निध-भिवस के अधीन कर दोने के बन्तरक के समित्व में कमी करने या उष्टले वचने में सुविधा की लिए, श्रीह्र/सा
- (क) एसी किसी जाव या किसी भव या जन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय दालकर की पीनयंग, 1922 (1922 का 11) या ित लिपिं त्या ना धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है लिए;

असः पत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों: उक्त ऑधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कं अधीर: निकासियित व्यक्तिकोंं अधीर ड—

- (1) घ सूरत टेक्स्टाईल मारकेट को०श्रो० शोष्स श्रेड बेस्हासास सोलायट लि०, रींग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स बचकर्नावाला टेक्स-टाईल इन्डस्ट्राज प्रो० श्री रतीलाल भाषाभाई 7/426 परतालदेवडी रोड, लाल दरवाजा-सूरत ।

(श्रन्सरितं।)

**की यह सुषमा भारा करके** पृथिकर सम्परता का कर्णन का नि**ए** कार्यनाहियों करता हो

जनक सम्पत्ति के अर्थन् क सम्बन्ध में काई भी आवाप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हों. के भीतर गूर्वोक्त गर्मिन्समां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस स्चना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर जकत स्थातर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- ६समें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो अस अध्याय में दिवस

#### नगस भी

श्राफिल जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश टिया नया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट हैं।

> पी० ईः० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहाय*ः प्रा*यकर श्रायु<del>क्त</del> (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रद्धमदा**बाट**

वार्र.ख: 5-2-1986

प्ररूप अरहाँ डी एन. एस -

नायफर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 264-ए (1) की अधीन स्वना

#### बारत सहकाह

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रहमदाबाद, दिनांव: 5 फरवरी: 1986

निदेश सं० पंत्रशारालं व 4116--श्रतः मुझे, पी० सी० खंडेलवाल,

बायकर की भीनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसकें इसकें प्रकार 'उक्त भींधिनियम' कहा गया हैं), की बादा 269-च के क्योंन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिषत बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसका संव टाव्पिव्यस्य नंव 8, रोंग रोड, सूरत में बनाये हुये या बनते जा रहे श्राफितों में हिस्ता हैं। तथा जो भूरत में स्थित हैं (ग्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से वणित हैं) राजस्ट्रान्ति आधिकारों क कार्यालय, फार्म संव 37/ईई/अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908) 37-ईई जा 16) के अधान 10 मई 1985।

का पूर्वाक्त सम्पाल के जांचत बाजार मृत्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि अपापूर्वाक्ष्य सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हितफल, निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में वास्तविक रूप से कांचित नहीं किया गया है है—

- हुक), अवस्था स इ.इ. १ क्यां भाग का बावस, जनस भाषान्त्रम क न्योग कास दाने के नंदरक के दास्ति मा कामी कार्न या संस्ता प्रमा मा मुहेशास ते विष्ण, भारत्या
- (क) शुरी किसी बाध या फिसी बाध या बान्य आसिया का, जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 क) 11) या जमत अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपानं में भूमिया का किए)

अक्षतं सव , उनकं विधिनियमं की भारा 269-न के वनुसरक्ष कों, में उवल विधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) को अक्षर , निस्तिसिक्ष स्विधिवा, विश्वर प्र⊸ः

- (1) सरत टेक्स्टाईल्ज मारकेट कोब्झोब गोष्ड योण्ड सोक्षायटी लिब, रींड रोड, भूरत । (श्रन्धरक)
- (2) में इर्स बो॰ रनछोड़दास ग्रेन्ड कंपना एम०जे॰ मारफीर, नारायन चो वोस्बे-2।

(अन्तरिता)

की यह सूचना जाया करके प्रविक्त सल्मास्त क लघन के निवा कार्यका**हियां करता ह**ूं।

स्थल स्थातिस की अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप ह—

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, को भी वसीस बाद में समान्त होती हो, के नीतर पूर्वेक्त का किसी मों से किसी व्यक्ति सुवास:
- (क) इस सुकान के स्वायात में प्रकारण की सारीम ने 45 विन के भीतर उनत स्थानर अस्पत्ति में हिस्सक्ष किसा बन्ध व्यक्ति द्वारा, क्षाहस्ताक्षरा के शश

स्पार्क्तिकरण :----इसमा प्रयूजित शब्दों अधि ५६% का, जा उभस श्रीभीनसमा को सध्याय २०-८६ को अधिकारिकट हुँ, यहाँ असी हुएका का व जन्यास मा १६४

## अनुसूची

ग्राफित जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को ऐंग िया गया है। साईज 185 वर्ग फाट ग्रथवा 166 वर्ग फाट है।

> पा० डा० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रैज-1 ग्रहमदाीिद

मारं¦ख <sup>-</sup> 5−2⊷1986 मोहर म्हा बार .दो .एत् .एत . ...

अभिष्य र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की and those (1) of and the time.

#### शारत संस्कार

## कानांवय, रहामक नामकर नावृत्त (निर्द्राकाण)

ग्रजंन रैंज-1 ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पर०मार०नं० ४११७-मतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल,

मारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अवीन सक्षम प्राण्यिकारी जी, यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित **बाजार बस्य** 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसके। सं० टी पि एस०नं० 8, रींग रोड, स्रत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फार्मसं० 37/ईई/ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीक्रण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) ग्रधीन 10 मई 1985 1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के **उपित बाबार मृत्य से कम के क्रयमान** प्रतिफल के लिए संतरित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्व उसके क्रथमार प्रतिकल से गोने क्यमान प्रतिकल का पत्कह प्रतिशत से विधिक है और वंतरक (वंतरकों) बौर वंतरितीं (अन्तरिनियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्नलिखित उद्वेदव से उक्त बन्तरण निविद्य में बास्तिधिक रूप से कांधित नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जीगतियम को अभीन कर दोने के अन्तरक छी र्रोबस्य हो एक्टी कारते था कुराई बक्ते हे अरिया के रिका: बहि/श
- (अ) एंसी किली टाच या किली धन या बन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 ·(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर लिंगिनसब, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ <sup>अक्तिरिती</sup> द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने हें विकास ने स्थान
- ाम हारू वीधीनवस की धारा 269-ग के बनुसरण वीं. बक्त विभिनित्तम की धारा 269-व की उपवारा (1) के नधीन, निम्निणिबिय व्यक्तियों हैं अर्थात 🖫 🗕

- (1) श्र. सूरत टेक्स्टाईल मारकेट को-म्रो० शोप्स ग्रेन्ड बेरहासास सोसायटा लि० रींग रोड, सूरता (अन्तरक)
- (2) श्रा बाबूभाई जमनादास शास्त्रा 217, सेन्द्रल ए वेन्यु रोड, चैम्बुर बोम्बे-7

(श्रन्वरितं⊤)

का अह स्वना बाड़ी करके व्यांवत सम्मतित के नवीन के किय कार्यवाहियां श्रक् करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधियातत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति मं किए वा सकेंगे।

त्यक्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा को अध्याव में दिवा HE H

## **अनुसूची**

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश वि.या गया है। सं० 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पो॰ सी॰ खंडेलवाल सक्षम प्राधिकार। सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

आगक्तर क्षिजित्यम , 1961 (1961 का 43) की भारा

#### भारत सहकार

## भाक्ष्यक तमायक जायकर जायका (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद दिनाँक 5 फरवरी 1986

निवेण सं० पी०ग्रार०नं० 4118--ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलथाल,

बायकर परिविधाण 1963 (1963 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास (उन्न सिधिनियम) कहा गया है), की भारा 269 सके गरी जाल परिविधाण कर वह विख्वाण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृस्य 1,00,000/- राज से जिथक ही

प्रौर जिलकी मं० टी॰पी॰एस॰ नं०-8, रिगरोड, सूरत में बनाय हुए या बनते जा रहे आफिंगों में हिम्सा हैं। तथा जो मूरत में व्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, फोर्भ लं० /37/ईई/ग्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 37-ईई का ग्रिधीन 10 मई 1985

करे पूर्वेक्सि सम्पोत्स में जिल्हा बाजार मृत्य से काम से दासमान शितफल के लिए अन्तिस्थ की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्चेंबर सम्पत्ति का उचित बाजार बुक्य, जसके करसान प्रतिकन से. एसे क्यमान प्रतिकन का

ब्रह्म, जसकों करासान प्रतिकत से. एसे स्वयंगन प्रतिकत का बन्गत प्रतिकत से अभिक हैं और बंतरक (अंतरका) और बंतिकी (अन्तरितियों) के बीच गर्थ भन्तरण से सिए तय पासा नया ब्रितिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिवित में बास्तरिक रूप से समित गर्दी किया जना है है—

- (का) अञ्चलका में हुन्य रिकारी आज की बावस उपया करियन रिकार की अधीन कह बीने की अस्तरका की दासित्य में काली कावले का जनने सुखारे में सुनिधा की निग् कान/दा

अपर एक ाफ्स अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उनभारा (1) के अभीन, निम्मिणिक स्थितिकार्यों, नर्भाष् ६—

- (1) घी सूरत टेक्सटा**ईल मा**रकेट को०भ्रं(० णोष्स एन्ड वेरहासीस सोसायटी लि०, रिंग रोड, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं मर्स वीसनदास तोलाराम पुरानी मारकेट कता प्रश्टल वाला, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

## क्यत सम्मत्ति से सर्वत्र के सम्बन्ध में कोई भी बाजेब रू---

- (क) इस स्कार को राजपण में प्रकालन की तारीक से 45 विन की नवीच ना तरस्वत्यों मानिसरों पर स्वाम की तानील से 30 दिन की नवीच, को भी अवधि नाव ने सनाय होती हो, के भीत्र प्रवेषिक म्वित्यों में से किसी व्यक्ति स्वास्त्र में
- (क्ष) इस क्षता कि राजपन की नक्षकान की कारीब वी 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में दिल-केंद्र किसी अक्त कावित् द्वारा नभोक्षरताकारी की पान निमित्त में किए वा सकीने।

रुपक्टीकरणः—इसमें प्रमुख्त कर्या और पर्यो का, यो उपस व्यक्तिक्षण के स्थास 20-क में परिशामित हैं, यही कर्य होगा को प्रस्तान में दिया मुखा हैंडि

## अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० क्वी० खंडेलयाल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

तारीखाः 5-2-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

# कायकर गरिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुधना

## भारत सरकार

काशंसय, महायक भायकर वायकत (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1 श्रहभवाबाद

श्रहमदाबाद दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०ग्रार०नं० 4119--ग्रतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल.

नायकर निभिनियण, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसाह काल्यान जिस्त काधितियाम कहा गया है), की धारा पर एक्स में अधीर राज्या एएंगाज्याका की यह निष्यास करने का कारण है कि स्थानर संपतित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रहे. से निभक है

भौर जिसकी सं हैं। तथा जो सूरत में स्थित हैं (भौर इपमे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण छप से वर्णित है) रजीस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ईई अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 37ईई के श्रिष्ठीन 10 मई 1985

को पर्वोक्त सम्परित के अचित बाजार मृत्य से कम के क्रयजान अतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते मह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, ससन्ते दश्यमान प्रतिफल से, एके दश्यमान प्रतिफल का नंबह प्रतिकत से जिथक है और जंतरक (जंतरका) और जंत-रिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा वृतिफल, निम्नतिषित उद्देश्य से उन्त अंधरण विविद्ध में बास्तिकल, निम्नतिषित उद्देश्य से उन्त अंधरण विविद्ध में बास्तिकल रूप से करिया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बायत , जनत अधिनियम के अधीय कर दोने के बंतरक के दावित्य में सभी करचे वा उत्तरों वचने में सुविधा के तिहर; करि/वा
- (व) ऐसी किबी बाब या किसी धन वा बन्य जास्तिकों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जितः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण भे. में उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अर्धान जिम्मिसिकान व्यक्तियों, अर्थात् र—— 19—6 GI/86

- (1) दी सूरत टेक्स्टाईल मारकेट की०म्रो० शोध्स एन्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड सूरत। (भ्रन्सरक)
- (2) श्री वषलदास रामचंददास पटेल, के $_{l}$ श्री बी $_{\circ}$  नरान्तमदास एन्ड कंपनी  $2_{l}$ 1090, छोवाला गेरी, सगरामपुरा, सूरत-2।

(म्रन्तरिती)

को वह स्थान जारी कारके प्रवेक्त सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उथर सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेब ह-~

- (क) इप स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या सत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तारीब से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त जांकि स्थान स्थान की किसी का प्रवासित स्थानित की किसी का प्रवासित स्थानित स
- (स) इस सृप्यां के राजपण के प्रकाशन की वार्षित व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित के दिल-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्यारा अधोहत्ताकरी के पास लिकिट के किन्दु का बन्दिन।

स्वक्र विश्वपार कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य का विश्वपार के काव्याय 20-क में परिवाधिक हैं, वहीं वर्ष होंगा को उत्त अध्याय में दिया क्षेत्र हैं।

## बन्सूची

ग्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यीलय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 5-2~1986

मोद्रर :

प्ररूप् बार्ड . टी . एन , एस . -----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

## प्राप्ति चरकार

कार्यालय , सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० प्रार०नं० 4120 -- प्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1.00.000/- रा में अधिक है

ग्रीर जिनकी सं टो॰पी॰एम॰नं॰-८, रींगरोड, सूरत में बनाय हुये या बनने जा रहे श्राफिसों में हिस्सा हैं। तथा जो सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इनके उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) रजीस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी के कार्यालय, फोर्म 37/ईई/ग्रहमदाबाद, सूरत में रजीस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 37-ईई के ग्रीधन 10 मई 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्राव प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत में अधिक कि विश्व प्रतिपत्ति (अंतरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम ग्या प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुके किसी आय की आवत, उक्क अधिनियम के अधीन अर दोने के अक्करक के दायित्व में कभी अरने या उक्तरो अपने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आर्थकाँ का, जिन्हों भारतीय अस्यकर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अस्य धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियंस की धारा 269-ग को, अनुसरण थें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) रोडापीन पिक्तितिसन व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) दी सूरत टेक्स्टाईल मारकेट को०ग्रो० शोल्स एन्ड बेरहासीस सोसायटी लि०, रींग सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्र तुलमीडास, सगरामपुरा, जुंडा गेरी, सुरत-2।

(भन्तरिती)

को वह तुचना पारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के कर्चन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

दक्त संपत्ति के कुर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वधि, जो भी अनिध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में द्वितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारां अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिक्ति में किए था सकेंगे।

स्वक्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वसों का, जो उक्त अभिविसम, के अभ्याय 20-क में प्रीरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्याक्ष्म में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईण 185 वर्ग फीट श्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

तारीच : 5--2--1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# बाजकर क्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

## भारत बरकार

# कार्यामय, सहायक बायकर बाव्यत (निरीक्तन)

श्रर्जन रेंज-4 श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनाँक 5 फरवरी 1986

निवेश सं ० पी० श्रार ० नं ० 4121/II/85-86- - श्रतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल.

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त शीभनियम' कहा गया ही की भइरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रत. से अधिक है

ग्रारे जिसकी सं० हैं। तथा जो

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रन्चनी में भौर पूर्ण रुप से वर्णित हैं) रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908) का 16) के भ्रधीन 10 मई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत से मधिक है न्त्रीर जन्तरक (बनसरकाँ) और बन्दरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्दरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, विभिनियम के कभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बच्च में सूदिया के लिए; बरि/या
- (ब) एरेरी किसी बाय या किसी धन वा बन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिएः

अतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह्--

- (1) वी सूरत टेम्स्टाइल मारकेट को०ग्रो० शोप्स एन्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड, सूरत। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बुजताल भधाराम भाटीया, रिगरोड, सूरत ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूमना भारी करके पृथीक्त सम्पत्ति कं अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## क्क्स सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र स<sup>™</sup> प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (वा) इस स्थाना के राजपत्र में धकाशन की शारीख स 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

<del>रवच्चीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त</del> अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

## अनुसूची

माफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। सार्हण 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पो० डी० खंडेलवाल नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन <sup>रेज-2</sup>, भ्रहमदायाद

तारी**ख**: 5-2-1986

मोहरः

## प्रकण बाद् .ट्री.एच.एस.,------

जावकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्त)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०आर०नं० 4122/11/85-86---अतः मुझे, पी० डी० खंडेनवाल'

नामकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उन्त निर्मिनयम' कहा गया है"), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरम्त करने का कारण है कि स्थापर संस्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूल्य 1,00,000/- रह. से निषक है

श्रीर जिसकी सं० पी० एस० नं० 8, रीग रोड, सूरत में बताये हुये या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण इस में वर्णित हैं) रजीस्ट्री एता अधिकारी के वार्यालय, फोर्म 37-ईई/ अहमदाबाद में रजीस्ट्री एरण अधिनियम, 37 ईई के अधीम 10 मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित को उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का उन्तर्ह प्रतिचात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखिए उच्चेष्य से उन्त वंतरण विचित में सास्तिक इप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बीतहरू वे हुन्द किसी बाद की बावस, उपक अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे नबने में कृतिशा के विद्यु: मीट्र/मा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य आस्सिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या ज्ञानकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गरत था या विजया गरत था या विजया गरत के वा विजया के स्वार्थ के

श्रेता भाग उन्त निर्मानयम की भारा 260-ए के अनुसरण हो, ही, इन्त निर्मानयम की भारा 269-च की उनभारा (1) दे बंधीम, निर्मानिकत व्यक्तितयों, संथति !---

- (1) बी सुरत टैंक्स्टाईल मारकेट को०स्रो० घोष्स वेयरहाऊ सिंग सोसायटी लि० रिंग रीड, सुरत। (अन्तरक)
- (2) श्री भीखुभाई नटवरलाल जमनादास, हरिपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह स्थान वारी कारके प्रतिकत संपत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उबंस सम्पत्ति के अर्जन के सबाध में कांड़ भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारां अ सं 45 दिन की अविध या मत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्तों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बसोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए था सकतें।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्तें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हाना जो जस अध्याय में दिया गया औ।

## प्रनुषुषी

आफिस को सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

**सारीख: 5-2-1986** 

प्रकल : अहाँ : टी.; एन : ए**व्.** - - - - -

# **भाषकड म्थिनिसन, 1961 (1961 का 43) की** ाउ 2**69-म (1) के मधीन स्थान**

ा १५ सङ्ख्यार

## कार्यासम्, तक्षाक्क भावकर आवृत्त्व (निर्योक्तम)

अर्जन रेंज-4, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 निवेश सं० नी०आर० 4123/11/85-86——अतः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाज.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी संव टींक्पीक्सक नंब-8, रिंग रोड, सुरत में बनाये हुये या बनते आ रहे आफिसों में हिस्सा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फोर्म पंब 37/ईई/ अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 13) अधीन 10 मई 1985

को प्रेंकित सम्पत्ति के उचित याजार मूक्य से कम के स्वयंत्रथं करें एक निम्निविधित उद्देश्य से उनत अम्बरण जिल्कित में करने का कारण है कि सभाष्मिंकत सम्मत्ति का उचित्र नावार मूक्य, उसके रहसमान प्रतिफल से, एवे स्वयंत्रण प्रतिक्रस का क्लाइ प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिकी (अम्तीराहर्यों) के बीच एसे अम्तरण के निए स्वयं पाया प्रवा प्रतिक्रम के निए अम्तरित की गई है बीर मुझे मह निर्वाहर प्रस्तिक हम से किया नहीं किया गया है।

- (क) नलरण से हुई जिल्ली बाब की नलस्त, समध्य मधितका की मधीय कर दोने के क्वाहक की सावित्य में कनी करने ना क्वाने क्वाल के सिए; मौर/मा
- (क्षं) एसी किसी जाय या किसी धन या ब्रन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा की निए;

शतः सब उक्त व्याधिमाम की बारा 269-न की बक्कर्थ में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिया स्वित्यों, अधीक् क्र---

- (1) मैं अपुरा टेक्स्टाईल सार्याट को श्री शिष्या एण्ड बेरहासीस सोजायटी जिल्ला रोड, सुरता । (अन्तरक)
- (2) मॅसर्स क्रीजिनियोर रतनलात के/ग्रं। रतनलात एण्ड सन्स, नवासवाडी रोड, सुरत। (अन्तरिती)

को महंस्याना जारी करके पृथींकतः सम्मक्तिको अर्थन के किए कार्यगाहिकां करता हुँ।

उन्त सन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्र----

- (क) इस ब्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की नविध या तत्स्य स्थानिस्थां पर स्थान की तानीस से 30 दिन की नविध, जो भी विकास बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर उसत स्थावर सम्बन्धि में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्थानिकारण :---इसमें प्रमुक्त सम्बर्ध और एकों स्था, जो उच्छ विधिनिकार के अध्यात 20-क में परिकारिका ही, बहुति अर्थ मोगा, जो उस अध्याय में विधा गवा है।

## मनुसूची

आफिस जो सुरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

## प्रक्ष बाइ. टी. एन. एस. \*\*\*\*

# जायफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्सण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनां रु 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी०आर० 4124/II/85-86--अतः, मुझें, पी० डी० खंडेलवाल,

भाषकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकानी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० टी०पी०एप० न०-8, रीग रोड, सुरा में बनाये हुये या बनते आ रहे आफिसों में हिस्सा है स्था जो सुरा में स्था हैं (म्रार देशके उपाबद्ध अनुसूची में म्रार पूर्ण रूप से बिंगत हैं) रजीस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37/ईई/अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) अधीन वारीख 10 मई 1985 भी पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के धरमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और बुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरमान प्रतिफल के प्राप्त है कार बुक्ते प्रयमान प्रतिफल का प्राप्त है कि बथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरमान प्रतिफल की पर अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचत उद्देश्य से उचत अन्तरण कि हिए तम

- (क) ब्रुक्शास्त्र वं हुई किया बाव की बावक, उपस् वृत्तिवित्तव के ब्रुक्ति कुछ दोने के ब्रुक्तरक के श्रीवरण के क्यों करने वा बदले बचने के स्तिका में लिए; बॉर/या
- (व) एंसे किसी जाव वा किसी धन वा बन्त बास्त्यों को फिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन्- अर्थ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिशी व्याय प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा अं लिए !

अतः अबं, उक्षत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन. निम्नलिखित

(1) श्री सुरतं टेक्स्टाईः। मार्केट को०ग्रो० गोप्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि०, रींग रोड, सुरत।

(अन्तर्क)

(2) श्री भगवानदास लल्लुभाई जालीवाजा, खांड बागर, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां शुरू करता हुं ।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, थां भी अविध नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) ६स स्वना के राजायत्र मो प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी बन्य क्यांक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित मों किए जा सकोंगे।

ल्पछिकिरण:—-इसमी प्रयुक्त शब्दों तौर पर्वों का, आं अक्त जिम्हियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो जस सभ्याय में विद्या स्था हैं।

## अनुसुची

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डॉ० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. जनसम्बद्ध

अध्यक्षर अधिनिसम . 1961 (19**61 का 43) की** धरण २69-घ (1) के अधीन सुमना

#### STREET WITHING

# करवांसन, नहानक नावकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०आर० नं० 4125/I /85-86--अतः मुझे, पी० डी० खंदेल्वाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उन्न अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिलकी संव टीव्यीवएसव संव नंव-8, रिंग रोड, सुरत में बनाये हुये या बनाए जा रहे आफिसों में हिस्सा है, जथा जो सुरत में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपाबत अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रजीस्ट्रीनर्ता अधिवारी के लार्यालय, फार्म 37ईई-अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) जा 16) अधीन 10 मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता जिलें के अनुसार जंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अप का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरियों द्वारा प्रकृष्ट नहीं विजया गयः था किया दोना वाहिए या, छिपाने में मिथिधा खे किए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) हे अधील, निम्मक्तियात व्यक्तियों, वर्षात् क् (1) प्री सुरत टेक्स्टाईल मार्केट को०प्रो० शोप्स एन्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड, सुरत।

(अन्तरकः)

(2) श्री भीम सेन राजाराम जुनेझा आगार्जिन रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख कै 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी त्यक्तित्यों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए वा सकोंने।

स्मध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खम्बों और पवाँ का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा भया हैं।

#### वगत्तची

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फोर्म यह ार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सञ्जय प्राधि करी सहायक आयफर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

प्ररूप आइ<sup>2</sup>.टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार०  $4126_{l}2_{l}85-86$ —श्रतः, मुझे, पी० डी० खडेलवाल,

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार, 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ की अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं टी० पी० एस० नं ० ६ रिगरोड, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहें शाफिसों में हिस्सा है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इनसे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीन्सी श्रीधकारी के कार्यालय, फार्म 37- ईई-श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 10 मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस्यः अब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मेसर्स जी० सुमन टेक्स्टाईल मार्केट को० प्राप० शॉप्स
एण्ड वेरहासीत सोसायटी लि० रिंग रोड,
सुरत।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भगवति सरन सुकतराज शाह रींग रोड़, सुरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जो सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धन्**म्ही**

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 5-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहारक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, सहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रक्रम आहूँ. टी. एव. **एस. ---**--न

भागकर वाभानयम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के सभीन स्वमा

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देण सं० पी० श्रार० 4127/2,85→86──श्रतः,मुझे, पी०डी० खंडेलत्राल

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के लेरिंड मध्यम प्रधिकारों की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिन्नकी सं० टी०पी० एस० नं० 81 रींगरोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (शौर इसमे उपाधा श्रन्स्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ईई श्रहमदाबाट में जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई, 1985

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मून्य में कम के रहयमान प्रितिफास के लिए बन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वान करने का कारण है कि एकापूर्वोक्त संपरित का जिन्त बाबार अलगः उन्हें इस्प्रमान प्रतिफास का चन्त्रह प्रतिधान से जिसक है और अन्तरक (बन्तरका) और बसरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बितिफास निम्नितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बितिफास निम्नितियों उच्चे से उक्त अंतरण सिकित में बासरिविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दं कियों नाम की बागत, उच्च अधिनियन के अधीन कर दोने के जन्तरक के धामित्व में कनी करने या उच्चते वच्चने में स्विधा अं निष्णः अधि/बा
- (क) एसी किसी बाठ या किसी वन वा अन्य आस्तियों करों, विन्ते भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 वर्ग 11) या उक्त अधिनियम, या धनचार विधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रणोत नार्थ बन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में मृतिधा के निए;

बत: बंब, उक्त श्रीभीनयम की भारा 269-म के बनुसरण कों, मी: उक्त अधिक्षायम की धारा 269-म की संपनास (1) के बंधीन: स्मिनिनित व्यक्तियमें, अर्थात् फ़— 20—6 GI/86

- 1. मेसर्स श्री सुरत टेक्स्टाईल मार्केट गॉब्स एण्ड वेहरासीत सोसायटी लि० रींग रोड (प्रन्तरक)
- 2. मेमर्स वेस्ट श्रो० ज्लास्ट रींग रोड, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोचत सम्मित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनक सम्पत्ति के जर्बन के संबंध में कोई भी बाध्येप रू---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त का किता में से किसी व्यक्ति हुन, से भीतर पूर्वोक्त का किता में से किसी व्यक्ति हुन,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रक्षावर सम्पत्ति में दिनगरभ किसी अन्य व्यक्ति युवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए का सकेंदे।

स्वक्ष्मीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, को उक्स अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषिश है वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वशा है ।

## ननुसूची

श्राफिसर जो सुरत में स्थित है। 37~ईई का फार्म यह कायर्याल में दिनौंक 10-5-85 को पेण किया गया है। सफ़्डिज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवास पक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई. बी. एन. एस. -----

नायकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालरः, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंश-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्धेण सं० पी० आग० 4128/2/85-86---श्रतः, मुझे, पी० डी॰ खंडेलवाल आगकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. में अधिक है श्रीर जिसकी टी॰ पी० एस० नं० 8, रीग रोड, सूरत में

श्रार जिसका टी पांठ एस व न व है, राग राड, सूरत म बनाये हुए या बनते श्रा रहे श्राफि सों में हिस्सा है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्नी श्रिधकायरी के कार्यालय फोर्म 37-ईई श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है थार मुक्ते यह विक्यास भरते का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल में, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिक्षत से बाधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंत-स्त्ती (अंतरितियाँ) के बीच इस बंहरण से सिए तब पाना गवा प्रतिफल, निम्नसिक्त स्कूबोईय से उनत अंतरण किसत में बास्तीबक रूप ने क्षित नहीं किया गवा है "—

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन वा अस्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरियों दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्थिपने में सुविधा के लिए;

भिता प्रया अधिन अधिनियम की धारा 269-ग के बम्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की क्यमाना (१) से स्पृष्टि जिल्लीन विश्व व्यक्तिस्त्रों, स्वस्तुं हुन -  मैसर्स सुरत टेक-टाईल मार्केंट को० थ्रा० गाँष्प एण्ड वेयरहाऊसिंग मीताबटी लि०, रींग रोड, सुरत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बाबूलाल हुक्मीचन्द जी जैन, नवांसुरा, सूर्रत-3 (श्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोडें भी नाअप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीव से 45 विन को भीतर स्थावर सम्पत्ति मों हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीव्रस्ताक्षरी के पास निस्तित मों किए जा सकोंगे।

स्वक्टोकरण — इसक्षेत्र प्रमुक्त अन्त्यों और पद्यों का, जो उकत अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्रची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म ईस कार्यातय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> ंलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अहमदोबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप बाद<sup>र</sup>.टी. एन. एवं. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन भूकता

## भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरास्थिप) अर्जन रेंज-2, प्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० 4129/2/85-86—श्रतः मुझे, पी० डी० खडेलवाल

नायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भाषा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्कास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

न्नीर जिसकी संव टीव पीव नंव 9, रिगरोड सुरत में बनाये हुए या बनसे कर है अपिसो में हिरसा में स्थित है (ग्रीर इक्से उलाबट अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिक्ट्रीयती ग्रीधकारी के कार्यालय, फोर्म 37ईई ग्रहमदाबाद में रिजर्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 116) के ग्रीधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित नाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एस द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से वाधक है और अंतरक के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित् उद्विध्य से अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित् उद्विध्य से अन्त बंतरण निचित् में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किकी जान की वाक्त, क्ष्मण जिल्ला नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा स्वत्ते वचने में तृष्टिश के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या बन्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अक्षाम, निक्किनियत स्पन्तियों, अभित -----

- मेगर्स सूत डेस्टाईल मार्वेट का० भो० शाष्स एण्ड बेअरहासीस सोसायटी लि० रिंगरोड, सूरत। (भ्रन्तरक)
- 2. मे सर्स भारती टैक्स्टाईन रिंग रोड, सूरत-2। (श्रन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिव् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

## उक्त सम्बद्धि से बर्बन के संबंध में कोई भी माझेंदू :---

- (क) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमाँ में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य अथिकत व्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगं।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त व्यव्यों और पवा का, को उकत अधि-नियम, को अध्याय 20 को में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

# श्रनुसूची

श्राफित जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्याक्षय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> भी०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रह्मदाबाद

तारीख: 5-2-1986

पक्कप बाहै । सी । सुन , शृजु ------

लायकार ऑभिमियभ , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के लभीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्यासम्, तद्वायक भाषकर वासूनक (हैनर्गंशाम)

भ्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देण स० पी० श्रार० नं०  $4130_{\rm I}, 2, 85-86$ ----- श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभम प्राधिकारी को, वह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका अधित शक्कार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एम० नं० 8, रीन्ग रोड़, मुरत में बनाये हुए या बन्ते जा रहे आफिसों में हिस्सा

मुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय में फीर्म 37-ईई-श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उणित नाजार मृत्य से कम को दृष्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित नाजार मृत्य, रसके पृश्यमान प्रतिकाल से, एके पृथ्य नान निकल का प्रण्या निकल से प्रतिकाल के विश्वास के वि

- (क) जनसरण वे हुई कियी जान की बानवा, धनक विधिनियन के अधील कर दोने के अन्तरक की दायित्व में क्षतीं करने या उत्तरे बचने में शृतिका को लिए; बहु/का
- (व) एती किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तिवों की, चिन्हें भारतीय आयकर विधिनित्तम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया चाना चाहिए वा, कियाने में निवधा के किए: वीर/वा

अतः अवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित चानितयों, अर्थात् :---

- 1. घी मुरत टै सस्टाईल मार्केट को० ग्रो॰ णोष्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड़ सुरत। (भ्रन्तरक)
- 2. मेसर्स विमल सिल्क मील्स रींग रोड़, सुरत । (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त बज्यक्ति के नर्जन के किए कार्यवाहिनां कुरू करवा हैं।

उत्तर सम्पत्ति के क्वीन के सम्बन्ध में कोई भी आसंप :---

- (क) हुए सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की शार्थ के 45 दिन की अमिश या तत्साम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रश्लित की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अमिश याद में समाप्त होती श्री, के श्रीवर पूर्वीच्छ महीस्त्वी में ते किसी म्योक्स ह्याराः
- (क) इस बुक्ता के ,राजपत्र मी प्रकाशन को सार्थक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में दित-बहुभ किसी मन्य त्यक्ति द्वारा, अक्षेत्रस्थकारी के पात सिकित मी किस् का स्कीर्य ।

स्पक्किरण ----६समें प्रयुक्त सन्दों और उदी दिन, को उपक स्थितिकम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं सर्थ होगा जो सम अध्याय में विका पक्ष है।

## नन्स्ची

श्राफिस जी सुरत में स्थित हैं। 37-ईई फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश िया गया है। प्राईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्रकप आर्च . ही . एन . एस . -----

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुकना

## भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक मामकर नायुक्त (निर्दोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4131, 2, 85-86-- श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा मया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रठ. से अधिक हैं

श्रीर जिलकी सं टी० पी० एस० नं० 8, रींगरोड़, सूरत में
बनाये हुए या बनने जा रहे आफिसों में हिस्सा है
तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूबी में
श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के
कार्यालय, फोर्स 37-ईई-श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, तारीख 10 मई 1985
का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (गंतरका) और बंतरिती
(मन्तरितियाँ) के क्षेत्र एमें अन्तरण के जिए तय पाया प्या शिवकस, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में शस्तियक
रूण से कथित नहीं किया गया है %—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/वा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधर के सिष्;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस ध्यक्तियों, अर्थात्:—  मैसर्स ची सूरत टेक्स्टाईल मार्केट को० छो० सोषस एण्ड बेरहासाथ सीनायटी लि० रींग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री भोगीलाल गोनालजी पटेल विले पार्ले बम्बई: (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **से**45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
  सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, शो भी
  अविधि बाद में संभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों केत व्यक्तियाँ में से शिक्षी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्बद्धित में हितबब्ध किसी अन्य म्यान्त ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में विश्वे का सकी।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अध होगा को उस अध्याय में विचा गुबर हैं।

#### ग्रनुसूची

श्राफित जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म वह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

नायकर मुणित्यम, 1961 (1961 मा 43) की पारा 269-थ (1) के भूधीन सुख्ना

## SING UZPER

कार्यालय, सहायक भावकर नाम्यत (विद्वासन)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० पी० ग्रार०  $4132_{l}2_{l}85$ -86-----ग्रतः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

भाषकर मधिनियम 1961 (1964 का 43) (जिस्ते इसमें इसमें इसके प्रकात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 259-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का खारण है कि स्थावर स्थाति. जिसका अधिक वाबार भूक्य 1,00,000/- रा. पे अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रींग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते आ रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिनस्ट्रा हर्जी श्रिक्षिकारी के कार्यालय फोर्म 37-ईई श्रहमदाबाद में रिनस्ट्रीकरण श्रिक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन, भागाव 10 मई 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्म, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) बीर मंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एने अन्तरण के सिए त्व पाना म्या प्रसिन् क्या कि जिल्लिक उद्देश अं अक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक् हम से कि क्या कहा है कि वा क्या है कन्तरण निक्ति में वास्तविक्

- (क) बनारण से पूर्व किसी वाब का बाबत , उनक सोपविषय के स्थीप कार वास के कुतारक के वादिएक में साथी कारने वा सन्तर क्षत के वृत्तिथा है सिक्ष्य में हैं।
- (क) एक्की काथ वा किसी धर या वश्य वास्तिकों को, जिन्हें भारतीय वाच-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) में कु अधीन, निम्नृतिस्तित व्यक्तियों, अर्थार म

- मैनर्स मं टेक्स्टाईल गार्नेट को० श्रो० शेष्ट एण्ड वेयरहाऊक्षिय संाायटी लि० रीम रोड़, सुरत। (श्रन्तरक)
- मे अर्स वासुभाई मंच्छाराम गरीवाला ललाबतपुरा; सूरत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृषीक्त सम्भारत के अर्जन क जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त तक्यरित को बहान के सम्बन्ध ना कार्य भी भारत्य हु---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन को मारोल से 45 दिन की प्रविध मा तत्संबंधी ज्यांकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन को जवधि, जो भी जनधि नाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रविकत व्यक्तियों भें से जिस्सी क्योंकल सुकरण
- (क) बस श्रीका के राजपद मी प्रभाजन का कारोब ने 45 बिन के लीतन प्रक्ति त्याप्रस सम्मातद मी हितबधुध किसी जन्य व्योवत स्त्रारा ज्योहस्ताक्षरी के पास , मिसल का विक्र कर मकीबे ।

स्थव्यक्तिरणः - इसमें प्रमुक्त स्थानें और पर्योका, वो उपके व्यक्तियम, से सध्याय 20-क में रिशाविक हैं वहीं वर्ष क्षेत्र को उस सध्याय में विका यथा हैं।

# नग्स्ची

श्राफिय जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्याक्षय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फाट है।

> पी० डी० खंडेलवाल नक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्रारूप आए<sup>\*</sup>.टी एन.**एस**.-----

आयक्तर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचमा भारत सरकार

कार्यालयः. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राचीन रेंज-2, प्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरयरी 1986

निर्देश मं०पी० आर० नं० 4133,2,85-86—-श्रतः मुक्को,पी० डी० खंडेलवाण

शायकर असि निग्म, ) अस्त (1961 का 43) विवसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन स्थान प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पीत, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ही सं ही। पी। एम। नं 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्पा है तथा जो सूरत में स्थि। है (श्रीर इन्ते उनाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिक्ट्रों हती धिधकारी के कायिषय फोर्म 37-ईई-श्रह्मनाबाद में रिक्ट्रोंकरण श्रिधितियम 1908 (1903 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10 मई, 1985

को प्योंक्त - स्पार्त के शियत शाक्षर प्रत्य त का के क्यमा।
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे ब्रुवमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्वेश्य से उन्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कायत नहीं निम्ना गया है है—

- (क) असारण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर दोने के जैतरक की दायित्व में कमी करने वा उसने वजने में सुविधा तो निष्ट; जोड़/बा
- (क) श्रेमी अभी आय रा फिली अभ या अस्य आस्तियाँ अहा शिक्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाग अधिहर था. कियाने में सविधा के सिए;

बतः बतः, उत्रतं अभिनियमः, की भारा 269-ग के बनुसरण बों, मीं, तक्त अधिन अप की उस्स 289-व की सम्बद्धाः (।) के अभीनः निम्मतिकितः स्विक्तर्योः, अर्थात् :—  मे तर्स सूल टेक्स्टाईन मारकेट को० भ्रो० गोष्प एण्ड बेरहाउसीम सोपायटो वि० रिंग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

2. मेमर्स भारत सिल्क ट्रेडिंग कं० रिंग रोड, सूरत। (श्रन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पर्योक्त अभ्यति के वर्षक के लिए कामनाधिक करता हुं

उनक सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाओप हरूर

- (क) इस सूचना के शाकपण मा प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सवेधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति बुंबारा;
- (क) इस गुणना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश हैं
  45 दिन के भीतार उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्तवक्त किसी अन्य व्यक्ति दुगरा अधोहरताक्षरों के पास्
  लिशित में निष्ए जा सकेनें।

स्वक्रीकरणान इसमी प्रमुखत अन्यों और पदी का, यो उपक अधिनियम से प्राचाण 20-क की विराणित-ही, वहीं अर्थ हाना, जा उस अध्याय मा दिश विकास है

#### बनस ची

श्राफिय जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यात्वय में दिनौंक 10-5-1985 को पेण किया गया है। साईज 185 तर्ग फीट श्रथता 166 तर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडे लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 5-2-1986

मोहरः

घटाच कार्यु<sup>ट</sup> जी, श्रुत **ए**स<sub>्न प्रवासनस्य</sub>

लाक ६८ विभिन्नियम (961 (1961 का 43) की पाद्रा १८५६ (1) लें संघीत स्वता

#### भारत सहकार

# कार्यासय, सङ्गानक भागकर नायुक्त (निर्दाक्षक)

श्चर्गत रेंज-3, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी, 1986

निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 4134/2/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर गा.) 'उन्नत अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 260 स े लीग राज्य अधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सामार सृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संव टीव पीव एताव नव 8 रींगरोड, सुरत में बनाये हुए या बसते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है (और इन्हें। उपायड अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीजर्ती अधिकारी के कार्यीलय फोर्म 37-ईई-प्रहमशाबाद में रिजस्ट्रीजरण अधिनियम 1908 (1908 ा 16) ो अधीन, तारीख 10 मई 1985

कों पूर्वोवध सम्बन्धि है उपिस नाजार मृत्य से कन के जायमान प्रिक्ति के लिए अन्सरित की गई है जीर मुक्ते यह निरवास करने का कारण है कि स्थापनित संपरित का स्थित बाजार पून्य उसके दृश्यमान प्रतिपत्त सं, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का नन्तरह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिपत्त निम्निमिनित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिवित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण्य से हुई किसी बाय की शक्क ह वक्ट शीमिण्यम के अधीय काइ विमे के ज़र्स्यक के दारिका के कभी करने या उसमे वचने में सुविधा उन्हें कर के स्ट्रिया
- (क्ष) लैंसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों राजा किसी प्राप्त किसी प्रमुख 1922 (1922 कि 11) या अक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के राजानाय न्यार्शि द्वारा प्रकार नहीं किया क्या का या किया जाना चाहिए था, क्रियाने भें

कतः अत् उपर अतिनियम की धारा 269-ग के अन्सदण में, में, जभत अधिनियम की धारा 269-में की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मेयर्स घी सुरत टेक्स्टाईल मारकेट को० श्रो० शोष्म एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि०, रिंग रोड सुरत। (श्रन्तरक)
- श्री सलदहेदाम धुलीचंद बिहानी रिगरोड, सुरत। (म्रन्तिरिता)

को बहु बुक्का कर्यों करके पूर्वोक्त क्रमित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं ।

# क्या तब्दित में नवीर के तंबंध में कोई भी बाधाय है-

- (क) इस लुक्ता के राज्यात्र में प्रकाशन को हार्याय में 45 दिन की जनभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वात की ताजीस से 30 दिन की जनभि, यो भी जनभि नाद में दमान्य होती हो. के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुक्ता के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीलर उक्त त्यावर सम्मत्ति में हिंद-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के धम निस्तित में किए जा सकत्ये।

स्थानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया कवा है।

## पनुसूची

ग्राफिन जो सुरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडे लयान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरः 🖟

प्रकप आई.टी.एन. एस.-----

भाषकर अधितिष्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनौक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्राग्०नं० 4135/2/85-86—-ग्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

जामकर जिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रींगरोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय में फोर्म 37-ईई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10 मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी जाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ज्याने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) चं बर्ण म: निम्नलिमित अयिक्तयों, **बंधीत क्ष-**21—6 GI/86

- मेनर्म घी सुरत टेक्स्टाईल मारकेट को० स्रो० गंधन एण्ड बेरहासीम मोतायटी लि० रीग रोड़, सुरत। (श्रन्तरक)
- श्रो समंतकुमार सनवरलाल जैन दर्पण सीनेमा के पास सूरत।

(ग्रन्निरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्र<mark>न्स्ची</mark>

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेण किया गया है। माईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, श्रहमदावाद

नारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्रारूप आइं.टा.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पीं० श्रार० नं० 4136, 2, 85-86--श्रनः मझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नायकर क्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्राचात (उक्त अधिनियम) कहा गया हूँ), की धारा 209-त के मधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 1, 0(1, 000/-रा. से अधिक है

श्रीर भियकी मं० टी० पी० एन० नं० 8, रींग रोड़, मुग्न में बनाने हुए या तनते जा रहे शाफिनों में हिस्सा है। तथा जो सरा में स्थित है (ग्रीर इससे अपावड़ श्रन्भुची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिन्स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय में फोर्म 37-ईई-ग्रहमधाबाद में रिजेस्ट्रीनरर्ण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख (0 मई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूक्य संकन को स्थ्यमान प्रतिकास को जिए जन्तिरत की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उधित बाजार बुरुय, उसके क्यममान प्रतिफर्ज से, एसे क्यममान प्रतिकास का पेड्राइ प्रतिकाश से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) अदि संवरिकी (अन्तरितिकाँ) के बीच एखे बन्तरण के लिए तम् पाम भवा अति-गम गिरमसिसिस उद्योग्य में उत्तर अम्परण सिन्तिस थें पःमहीदक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी भाग की गांबत, उक्त निधिनियम को नधीन कर कोने को बंतरक को दाशिहन **बौ कभी करने या उन्नसे बन्न**ने मी साविधा की पिता; बरि/ग
- (क) एोती किसी बाब या किसी धन या अन्य शास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्छ अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) खे प्रवासमार्थ बन्तरिती बुबास प्रकट नहीं निर्धा गया था या किया जाना चाहिए था, कियान थ विषय के विष्:

अपतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की एणारा (1) को अधीन दिल्लीलिस्त व्यक्तियों, अर्थात ---

ा. 🗟 🗹 📉 रहरह टेक्सटाईल मारकेट को० ग्रो० मोष्म एण्ड बेरहाउमीन मोनायटी लि० रींग रोड़ स्मत्।

(ग्रन्तरक)

2. बलदंबराज शांभराज नंदकणी और अन्य रीगरांड, मुखा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति को अर्चन को सम्बन्ध को कोई भी बाक्रीय:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दादीय व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की नविभ, वो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर अवत स्थापर तम्पति ने हित-बहुध किसी बन्न व्यक्ति धुवारा अधोहस्ताक्षरी 💐 धान निवित्त में किए वा बकोंगे।

<del>श्यक्कीकरणः----इ</del>समें प्रय<del>्क्त</del> क्षर्गे और पद्यों का जो उक्त विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नमाहै।

## अनुसूची

श्राफिप जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्याक्षय में दिनाँक 10-5-85 कें। पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 5~2-1986

प्रकार कार्ष: टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अधीन भ्षाना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, भ्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4137<sub>/</sub>2<sub>/</sub>85-86---श्रतः मुझे, पी० क्षी० खंडेलवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर शिवकी संव टीव पीवएसव नंव 8, रींगरीड़, सूरत में बनाये हुए या जनते जा रहे स्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (स्रीर इवसे उपाबद स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिलस्ट्रीकिती स्रिधिकारी के कार्यालय फार्म- 37 ईई-स्रहंमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन, तारोख 10 मई 1985

का पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार शृत्य से कम के स्वयमान अतिभान के लिए अन्तरित की गई है आर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिभान से एसे स्वयमान प्रतिभान का पन्द्र प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिभात, निम्नलिखित उद्वास्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिक स्थ से भिषत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुक्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कन्नी कारने या उससे अचने में सृविध। के निए; बीट्र/या
- (क) एंसी जिसी नाय या किसी धन या ब्रन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनिस्त्र , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुधिभा के निए,

 मेनमं सूरल टेक्नाटाईन मारकेट को० स्रो० णोप्प एण्ड वेरहाउसोन सोसायटो लि० रींग रोड़, सूरत। (स्रन्तरक)

2 श्रामती चंद्रावित देवो श्रोमश्रकाण कानत मरिधर पूरा, सुरत।

(श्रन्तरिती)

भी यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्ष सभ्यक्ति के कर्जन के क्षिप् कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पिस मी हित्रदृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति भ किए जा सकोगे।

रपट्डोकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिक्रांतिक है वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया ममा है।

## श्रनुसूची

श्राफिन जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी. डी. खंडेवाल नक्षमः प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रुधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीच ध---

नारीख: 5-2-1986

<del>e Title de l'Englis de l'est</del> partie

प्ररूप आइ. . ती. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के बक्कन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेज-I, धहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरघरो, 1986

निर्देश मं० पो० श्रार० नं० 4138/2/85-86—स्रतः मुझे पी०डी०, खंडेलघाल

बामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर समित, जिसका उपित शाबार मृष्ट 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसको संव टोव पोवएसव नंव 8, रींगरोड़, सुरत में बताये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय फोर्म 37-ईई-प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्नान प्रतिफल के लिए बन्दरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का अचित गाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एंसे ध्रयमान प्रतिफल से, एंसे ध्रयमान प्रतिफल के बन्त्रह प्रतिखट से अधिक है और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरक अंतरित तम तमा प्रतिफल, निकासिकत उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित वहीं किया प्रया है हिल्ल

- (अ) जन्तरण से हुई जिस्ती जाय की बावस, रूप जिस्तिगत के जमीन कर दोने के जन्तरक से वायित्व में क्यी करने या जससे वचने में सुविधा के जिए; जीव/मा
- (क) ऐसी निक्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया थाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिन्हें

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  दं सुरत टेक्सटाईल मारकेट को० ओ० शोष्स एण्ड वेरहासोस सोसायटी लि० रींग रोड़, सुरत।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो चंपकलाल प्रभुदास माहो जपाटर रोड् उधना। (श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करका है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पर्ध्यक्तरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उनक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया **है**।

## मनुसूची

श्राफिम जो गुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। सा**ईज** 185 वंग फीट श्रथया 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलघाल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-, श्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

## प्रकथ बाह्ये , ही . एव . एवं . :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## बाइच ब्रुक्त

## कार्यासक, सहायक कायकर कार्युक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज-, श्रह**मदाबा**द

श्रहमदाबाद, विनांषा ड फरवर", 1986

निर्देश सं० पं०६७२० नं० 413*9|2|05*-86.~⊸%तः मुक्को, पी० खी० खंडेलघाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० टो० पा० एम० नं० 8, रीग रोड़, सुरत बनाये हुए या बनते जा नहें श्राफिसों में हिस्सा है तथा जी सुरत में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचों में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिल्स्ट्रोकर्ता श्रधिकार। के बार्यालय, फोर्म 37-ईई-श्रह्मदाबाद में रिजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन तारीख 10 मई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मूओ यह विश्वास करने का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त संपारत का उचित बाजार मूख्य उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निशिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में में बास्तविक रूप से कविब नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, या वग-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ कन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया वाना वाहिए वा, कियान में सुनिधा के विद्या

कतः सब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. दो मुरत टेंक्सटाईल मारतेंट की० ओ० शोप्स एण्ड वेयरहाऊसिंग सोसायटा लि० रींग रोड़ सुरत।

(अन्तरक)

 मेंसर्स छगद लाल चुन्नीलाल सिंगापुरी सबलतपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करहें। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान करायपत्र में प्रकाशन की तारी खंध कें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर त्वार की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उसक्त विभिन्नियम, के विभाग 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

## अनुसूची

अाफिम जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेंग किया गया है। साईज 185 वर्ग फांट अथवा 166 वर्ग फाट है।

> पा० डी० खंडेंलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-, श्रह मदाबाद

तारोख: 5-2-1986

प्रकथ आध्री. टी. एम., एस.-----

# नायकर निभिनित्रम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन स्वाना

भारत संस्कार

कायां स्वयं सहायक नायकर शाक्कत (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनक 5 फरवरो, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4040/2/85-86---श्रत: मझ, पा० डो० खंडेलघाल

बायकर निथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनिाम' कहा गा है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसका सं टां० पांठ एस० नं 8, नींग रोड़, सुरत में बनाये हुए था बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाचड़ अनुसूची में आर पूर्ण हुए में खीणत है), रिजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय फीम 37-ईई अल्मकाबाद में रिजिस्ट्राकरण श्रीधिरियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधांत, ताराख 10 मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और (जनतरित्या) के बीच एसे अन्तरण के बिए तम सामा मा प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चरेय से उच्क बन्तरण सिविख बास्तिथक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी नाय की बावत उक्त नाध-नियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के समित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; नौर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य श्रीस्त्यों की, धिनहुँ भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विश्वितयम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने श्री श्विभा के लिए; और/या

अक्षः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कें, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) की उधीनः निम्नसिश्चित व्यक्तियों अर्थातः :—

- दो सुरत टेक्सटाईल मारकेट को० ओ० गोप्स एण्ड बरहासास सोसायटो लि० रीग रोड़, नुगा (प्रन्तरक)
- मैसर्ग चंद्रकात कणवराम सिंगापुरी सालसलपुरा, सुरत – 2 ।

(भ्रन्तरक)

को यह बुचना चारी करके पूर्वनित सम्मित्त के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

## उन्त सम्पत्ति के अर्जन के शंजध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों दे सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबइंध बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास निविद्य में किए का सकौंचे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पद्यों का, जो उक्त वीधनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्राफिस जो मुरत में स्थित हैं । 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्गफोट अथवा 166 वर्गफोट है।

> पो० डो० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

प्रकार प्रार्ट, टी. एत. एक.....

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रजन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरघरी, 1986

निर्देण सं० पौ० श्राग्य नं० 4141/2/85-86——श्रत मुझे, पौ० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकाशी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्शि, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00:000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० पी० एस० न० 8, रींगरोड़, सुरत में हुए या बनने जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (और इसमे उपाबक्ष शनुभूचों में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फोर्म 37-ईई श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन, तारोख 10 मई 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ज्यसान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दश्यमान प्रतिकास के पत्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक श्रीवन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, क्वल नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तिकी की फिल्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण में, में,, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---  मसर्स दा भुन्त टक्ष्मटाईल माएकेट को० आओ० कोण्स, एण्ड वेन्हासास सोमाधटी लि० तींग रेड, भुन्त।

(शस्त्रका)

 ममर्स छमालदाम एण्ड मन्म रींगरोड़, भुरता। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याद 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगेंग जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### मनसूची.

श्राफिम जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिवारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) धर्जन रेज-३, श्रह्मदाबाद

ना**रीख**: 5-2-1986

मोहर 🛭

ंप्रक्षद्रः बाद्रां. टी. एन्. एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यासय, तहायक नायकर बाय्क्ट (जिरोधान)

ष्ठर्जन रोज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

तिर्देश सं० पा० श्राए० नं० 4143/2/85-86---श्रतः मुझे पी० डी० खंडेल्याल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवास् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ∠69-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाधार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 8, रींगरोड़, सुरत में बताये हुए या बतते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाछद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय में फोर्म 37ईई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय बाब गया प्रतिकृत, निम्नसिचित चहुरोम से उच्त बन्तरण किश्वत में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है द्र---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार थेन के अन्तरक को दाबित्य में कभी कहने वा उससे वचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या जन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिलाने में समिभा के लिए:

बतः चव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै बनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- मसर्स दो सूरः टक्सटाईल मारकेट का० ओ० गोष्स एण्ड बरहासीम मोसायटी लि० रीग रोह, सुरत। (अन्तरक)
- मसमं छोटभाई सुलजाराम कडीवाला सम्रामपुरा ।, स्रता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बासपे ह---

- (क) इस ब्यान के राजपन में प्रकाशन की रारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच धी 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य स्थानत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार/ लिखित में किए वा सकाने।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## वन्स्वी

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ई ई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-35 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पां० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रोथकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रजन रेंग्न-2, अहमदाबा**द**

ना**री**ज: 5-2-1986

प्रक्रम् आर्च. टी. एन. एच. - - --

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन स्वना

## नारत नरकाड

कार्याजय, सहायक मायकार वायुक्त (निरक्तिक)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० धार० नं० 4143/2/85-86---धनः मुझे पी० डी० खडेलबाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रींग रोड़, मुरत में बाये हुए या वतते जा रहें श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रत्म्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिल्द्रीकर्ती श्रधिवारी के कार्यालय, फोम 37-ईई श्रह्भवाबाद में रजिल्द्राकरण श्रधिनियम, 1908 ((1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई 1985

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के धर्ममाण प्रतिफस के लिए सन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास ,रने का कारण है कि स्थाप्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार ।श्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ।त्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा बसा प्रतिफल, निम्नसिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण किक्त के बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; दौर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्रिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख व्यक्तियों, अर्थात् :---22---6 GI/86

- 1. समर्भ दी नुश्य टक्ष्मटाईल सारकेट को० ओ० शोष्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग शेड, पुरत । (शनाशक)
- 2. मसर्स चंद्रकास्त चीमनवाल एण्ड बादर्स हरिपुरा, सुरत।

(पस्तुरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के कर्जन के संबंध में कोई काक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तस्सन्धन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताबील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृबंधित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राअपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

न्नाफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईड 135 वर्ग फीट ध्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायके आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-४, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप बाद . टी. एन . एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेलेन-३, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिलांक 5 फन्परी, 1986

নির্বৈগ নত ৭০০ গাবে০ নত  $4144_{1}2_{1}35$ -36- – স্থাব: মূরী पीত ভীত ভাউজনাল

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके उश्चात उनत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

अं: जिसकी स० टी० पी० एस० नं० 8, रींगरोड़, सुरत में व तये हुए दा व तो दा रहे आफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुन्त में स्थित हैं (और इस्ते दावड़ स्नुस्त में और पूर्ण हप ने पणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37-ईई-अह्मदावाय में रिजिस्ट्रीडरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के स्वी:, तारीख 10 मई 19335

कां प्वींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हा कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूट्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस वे बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- ाँक) अन्तरण म हुई किसी आय की आजता, उच्छा अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः उचतः वाधिनियमं की धारा 269-म क वनुसरणः वं, में, उक्त विधिनियमं की कारा 269-म की उपधारा (1) व्हे वधीर , निम्नलिखित व्यक्तिया वधारि ५----

- मसर्भ दी ुक्त टक्सटाईल मारकोट को० ओ० शोष्स एण्ड बरहासीम सोसायटी लि० रींग रोड़, सुरता। (अन्यरका)
- 2. मसर्स चन्दुलाल, गुलाबदास चदेली बेगमंपुना, सुरत। (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियं शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :- --

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

# अनुसुची

ाफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनां 3 10-5-85 को पेंग किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पीं० डीं० एड लेवाल सक्षम प्राधिवारी सहायवः आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

## प्रकृप बाह् . टी. एन . एस------

बाधकर जोभनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-८, श्रहमदाबाद

श्रष्ट्रभवाबाद, दिनावः 5 फरवरी 1,986

िर्देश सं० पी० शार० नं०  $4145 \mu B = 86 - 86$ : मुझे, पी० श्री० खंडेलआल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

और िसकी सं टीं पीं एस ने 8 रिमरीड, सूरत में बतिये हुए का बति का रहे आफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसने उक्षाबद क्ष्मुसूची में और पूर्ण रूप से विवत हैं), किल्द्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय फार्म 37-ईई- हमदाबाद में राज्यहरूक ण क्षाहित्यम, 1908 (1908 के 16) के अधिन, नार्याद 16 मई 1935

कर पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के उन्तरक उपयमान प्रतिफल के उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरंग से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरंक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल, आस्त्रियां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, प्रध्याने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैसर्स दी सूरत टेक्सटाईल मात्कीट को०-आ० सॉप्स एण्ड वेअरहाउसीम सोमादटी लि० रिम रोइ, सूरत। (अलाका)
- 2. मैंसर्स चेतन टेक्सटाईल कोपीयुक्त सूरणा (धरारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गम लिसित में किए जा सकोंगे।

त्चष्टीकरण.--इसमा प्रयुक्त कब्दों और पदो का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हो. बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया है।

## **अन्स्**ची

श्राफिस जो सुरत में विया है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-35 को पेश किया गया है। साईक 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० ई.० खडेलकाल सक्षम प्रकारिकारी सहायक कार्यकर जायुक्त (दिरंकाण) विकार रेज-2, क्षक याद

तारं(ख: 5-2-1936

मोहर∷

# व्यक्त वार्ड . दी . एन . पूस . ------

काथकार संधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### CIST VEND

# कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (र्विरीकान)

अर्जन रीज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4146—अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

गयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इक्कों असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन बक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य :,00,000/-रु. से स्थिक हैं

ग्रांट जिलकी सं o टी o पी o एम o नं o 8, रिंग रोड़, सूथा में बताये हुए या बतने जा रहे आफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूथा में स्थित है (ग्रांट इसमें उताबद्ध अनुमूची में ग्रांट पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री ति अधिकारी के कार्यालय, फार्म 37-इई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौक एसे अतरण के निए तय पाया गया प्रकिक्त, निम्नितिनित उत्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में बास्तिवन हमें किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हूर्य किसी शाम सी बाबता, उसता अधिनियर को अभीन कर दोने की अन्तरक को स्वीयत्य में कमी करने या उसते वजने में स्विधा वी मिए; और√वा
- (व) ऐसी किसी अन्य या किसी वन वा अन्य वजन्यवा को जिल्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के विका

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूतरण वे, में, अवत अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निकालिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- मैसर्स दी सूरा टेक्सटाईल मारकीट को०-भ्रो०
   एण्ड वेश्वरहाउसीस मोताप्रटीलि० रिंग रोइ, सूरा
   (अन्तरक
- मैंसर्स चीमन लाल ए॰ड कंपनी गोपीपुरा, थारसीबाड सूरत।

(अन्तरिती)

की बह बूचना बारी अरुके पूर्वोक्त सम्पर्टेंस के वर्षन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हो।

क्या सम्माति के क्षर्यन के संबंध में कोई भी नामाने :---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की शारीय वें 45 दिन की शवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो की ववधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर द्वींच्य कावितयों में वे किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना की राज्यक में प्रकारक की सारीय के 45 दिन को सीतर उजत स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति क्यारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकते।

स्वक्षाकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और वद्यों का, जो उपस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्राचित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस्त अध्याय में विका पता हैं।

# वनुसूकी

आफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म इस कार्यातय में दिनांक 10-5-85 को पेश विया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

में हर :

प्रकृष बाई. दी. एन. एस. -----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्वेण सं० पी० आर० नं० 4147/ /85-86——अतः मुझे, पी० डी० खंडेक्षवाल,

नाएकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- एत. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं टी पी एस नं 8, रिगरोड़, रूप में अनाये हुए या बनते जा न्हें आफिसों में हिस्सा फार्म 37-ईई-अहमदाबाद में स्थित हैं (स्रौप इससे उपायत अनुसूची में स्रौप पूर्ण रूप ने विणित हैं), प्रजिस्ट्री की किया, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1985

फां प्वेंक्ति सम्मिरा के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान पितफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के सीच एसे अन्तरण के सिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण शिकात में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है डू—

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ं आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण कें. रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्थ →, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. दी गूरंत टेक्सटाईल मारकीट की० घो० गाँप्स एण्ड वेश्ररहाउसीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सूरत। (अन्तरक)
- 2. मैंसर्म चीमनदास भोलाराम नंदपानी कें/श्रो० रेम्मा सिल्क मिल्स क्यु०-2252, सूरत टेक्सटाईल्स मारकेट रिंग रोड़, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिण है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा, गया है।

# **मन्**स्ची

आफिस जो सूरा में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिलांक 10-5-85 की पेश जिया गया है। जाई ज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मह

# नामकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नेपीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां र 5 फरवरी 9 86

निर्देश सं० पी० आए० नं० 4148——आ: मुझे, पी० डां० खंडेलवाल,

बायकर मिश्रितमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

र्यार जिलकी संवटींव पीव एसव नंव 8 रिंग रोड़ सूरत में बनाये हुए या बनते जा पहें आपिसों में हिल्सा है। तथा जो सूरत में स्थित हैं (ग्रींग इसमें उपाबद्ध अनुसुची में ग्रींग पूर्ण कार में विणित है), प्रजिस्ट्री जी अधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ईई-अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीवरण अधिकियम, 1908 (1908 (1908 सा 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के जीवत बाजार मूस्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए कर्निरत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पक्ति का जीवत बाजार मूल्य' उसके दूरमान प्रतिफल से एसे द्रवमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप हे कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा धे लिए: और/वा
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय नाम-कर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधीनयम, मा धनकर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना चाहिए था, कियान में सुविधा के तिक्;

अधः अव, उक्त अभिविषम की भारा 269-न की अपूर्वरण भैं, मैं उक्त विभिनियम की भारा 269-न की उपभाग (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- दी भूरत टेक्सटाईल मारकीट को० घो० गाँप्स एण्ड वेअरहाउसीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, भूरत। (अन्तरक)
- 2. मेसर्म कालीसन सिल्क मिल्स जेड-1192, सूरत टेक्सटाईल मारकेट रिंग रोड़, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचवा बाद्धी काइके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्वन का निए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

जन्य राम्पत्ति को नर्जन को तंबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस बूचना के हाक्यन में प्रक्राक्षन की तारीक से 45 किन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, को भी क्षिण का में का कि तामील से का की हो, के भीतर पूर्वोक्य का कियों में से कियी का किया में का कियी का किया होती हो, के भीतर पूर्वोक्य का कियों में से कियी का किया स्वास्त
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी जन्म स्थावित द्वाय जभाहस्ताक्षरी के पात विश्वित में किए वा सकोंचे।

स्पक्कीकरण : --इसमें प्रयुक्त तथ्यों और पवों का, जो उक्त जीभनियम के कथ्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होता, जो उस अध्याय में दिया पदा ही।

## मग्त्पी

आफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दितांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, अहमदाबाव

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### नारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिभांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आ२० नं० 4149——अतः मुझे, पी० की० खंडेलकाल.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

र्थार जिन्नकी सं० टी० पी० एस० न० 8, रिंग रोइ, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है। हथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसने उपाबज अनुमुखी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के लायिलय में फार्म 37-ईई-अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख्यां 10 मई 1985

को पूर्वीनत सम्पत्ति क उचित बाजार मूर्त्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य इसके द्रयमान प्रतिफल का पन्दाह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफलें, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सित्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, वाबत, उक्त अधिनियम के अधैं। कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मौ, भौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, अर्थात :——

- 1. दी सूरत टैकाटाईन साल्कीट को० धी० शॉप्प एण्ड वेयरहाउसील सोनायटी लि० रिंग रोड़, पूटा। (अन्तरहा
- 2. मैंधर्म धातमाल सिलक मिल्स प्राप्टवेट लिमिटेड पी० वी० नं० 201, पराच्छा रोड़ सूरत-3। (असारिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्में अंधी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सक

स्थव्दीकरण:----६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया है है

## अनुसूची

आफिय जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दितांक 10-5-85 को पेश हिया गया है। पाईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

ारीख: 5-7-1986

म₊हर :

# प्रकृष कार्<sup>क</sup>, टी. पुन<sub>ा</sub> पुत्<sub>य असलावसम्बद्धाः</sub>

थायकार अभिनियम, 1961 (1**961 का 43) छी** भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

## नारत बरकार

# कार्यासर, तहायक नायकर जार्यक (निरोधक)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिशांक 5 फरवरी 1986

निदेश मं० पी० आर० नं० 4150—अनः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नामकार गिभिनियम, :961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उत्कर जीभीनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के निर्मा सक्ष्म प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- एट. से निर्मा कहै

प्रांश जिसकी संव टंव पीव एसव नं 8 रिंग रोड सूपन में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राधित से किए हिस्से हैं एथं जी अहमदाबाद में स्थित हैं (प्रींग इसेंसे उपाबद्ध अनुसूची में प्रांग पूर्ण रूप से बणित हैं), रिक्ट्डीयर्ता अधिकारी के कार्याव्य, फार्म 37-हैंई, अहमदाबाद में, पिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, नारीख 10-5-1985

क्यां पूर्वोक्त सम्मित के जिया बाजार नृष्य से कम के बस्तवान प्रांतफल को लिए बंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कम्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के शिए तथ पाया गया प्रटिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिश्वित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबता, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उक्कच बचने में सुविधा के लिए; बॉर√था
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को, जिस्हें भारतीय आयकर जभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर जभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वाच प्रकट नहीं किया भ्या या किया जाना चाहिए था, एक्सन में सुविधा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गं. मं. शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के कधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित :—

- दी सूठ: टैकाटाईल भारतट को०न्नाप० शोष्य ऐन्ड विश्वरहाऊसीस मोसायटी लि०, रिग रोड, सूठ:।
   (श्रन्तरक)
- मेसर्स धमनपाला सिल्क मिल्स, उधा रोड, खटोदरा, सूरत।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस् गया है।

## यनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म इस कार्यात्रय में दिशांक 10-5-85 को पेण किया गया है| साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट्। है।

> पा० डो० खंढे लवास सलम प्राधिकारी महायक श्रायकार आयुक्त (िर्गक्षण) अर्जन रे 1-2, अहमदाबाद

स्तरी**ख**ः 5−2-1986

# प्रकल कार्द्र . वी . एन . एक . -----

नाशकार नीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 5 फरवरी 1986 मिवेश मं० पी० आर०नं० 4151---अत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्ती इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की वह निश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्बन्ति, विश्तका खीवत बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० ए.स० 8, रिंग रोड़, सूरक में बताए हए या धनते जा रहे आफिसों में हिसा है तथा जो अहमवाधाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीजर्ता अधिवारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई० अहमदाधाद में रिएस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

को पर्शेक्त सम्पत्ति के उत्तित बाबार सक्त ने क्रम के दृष्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्त सम्पत्ति का उत्तित बाबार सस्य, असके दृष्यमान प्रतिफल से, एोसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिजत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और संतरिती (संतरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नीलिक्त उद्वेदय से उक्त बन्तरण निम्निक्त में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाजर, अकर सिंगियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाब या किसी थन या जस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कार विधिनियम, १९२२ (1922 का 11) वा उचत विधिनियम, या धन-कार अधिविषय, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं रिकास गया था या किया वाना चाहिए था, कियान से भीवना के किए;

सतः दय, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के अनुनरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— 23—6 GI/86

- वी भूशा टैक्पटाईश मारकेट को-आ० शोष्त्र ऐन्ड वैद्याराऊसिस सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत। (अन्तरक)
- 2. मेशर्स गयाभाई गोपालदास घेपली, चेपली गोरी बेगमपुरा, सूरत-1।

(अन्तरिती)

क्ये यह सुचना चारी करके पृथींक्त सम्पत्ति की वर्षन वी सिए कार्यशाहियां करता हुं।

## उन्त संपत्ति के बर्धन के संबंध में कांध्र' भी बाबीए उ----

- (क) इस मृचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की नवींच का तत्मंत्रंची व्यक्तियाँ पर अवना की तामील से 30 विन की जबिंध, जो औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में कि भी अवक्ति ब्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के नार सिवित में किए जा सकींगे।

स्वाच्याकरणः -- हममें प्रयुक्त कव्यों बीद पर्यों का, वो स्वाच अधिनियमं के अध्याम 20-क में पीर गाँवत है, वहीं क्यों होगा वो उस अध्याम में दिका वया है।

## अन्त्यी

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म इस कार्यालय में दितांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाव

तारीख: 5-2-1**9**86

ममोहर :

## धाकक आहे . टी . एस . प्रमा . प्रमान - प्रमानक

# बायकार निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के कभीन स्थना

#### वारत संस्कार

## कार्यासय, सहायक आयकार जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांः 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आए० नं० 4152--शनः मुझे, पी० डी० खंडेनवान.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के बजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास कारने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एउ० नं० 8, निंग रोड़, सुरत में बजाये हुए या बजाए जा रहे अधिकसों में हिस्सा <mark>है तथा जो में स्थित है (श्रीप इ</mark>समें उपाबढ़ अनसूची में और पूर्ण रूप ो वर्णित है), रिस्ट्री ता अधि-कारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई, अहमदाबाद में, अजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 रा 🕬 😥 सधीत, नारीख 10-5-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को इदयमान विकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करमें का कारण है कि यथापूर्वीयन संपति का उचित । बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरकः (अन्तरकः) और बम्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए अम **शाया गया प्रतिफल, निम्निसिवित उप्रदेश्य सं इक्स अन्तरक** लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🖈 🚈

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स नाभानियम के अभीन भार धीने ले अन्सरक 🔏 दाबित्य में कभी कारने या उससे भवन मा निकार र्वे सिप: बॉर/पा
- (च) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिय! को चिन्हें धारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए:

नतः रव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मे. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिश्वित स्यक्तियों, वर्धात् ः---

1 दी भूरत टैक्बटाईल मारकेट को०-आप० शोप्स ऐन्ड वेग्रारहाकसिया सोसायटी लि०, रिंग रोड़, मुरत ।

(अन्तरक)

2 मेसर्स धनमुखलाल ठाकोरदास मधारपूरा खराडी शेरी, सुरत-3।

(अन्तरिती)

क्षों क्या श्रुपना चारी करने पूर्वों क्या सम्पत्ति के वर्धन के निष् कार्यमाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सामना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी क्षेत्रीध भाद में समाप्त होती हों, के भीतर 'स्वॉक्त ध्यां लयी मी से किसी व्यक्ति **बुवारा;**
- ्रीक्ष) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर 'सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ववारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पक्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त निधनियम के अध्याय 20-क में परिकाणित है, बही बर्म होंगा जो उस अभ्याय में दिया नया है।

## अनु**सु**र्मा

अधिक। जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म इस कार्यातय में दिनांक 10-5-1985 की पेश किया गया है। साईन 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है ।

> पी० फी० खंडेलबाल गक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आधुकः (निरीक्षण) अर्जन रेज-ः, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहर 👙

धक्य बाद .टी. एत एस -----

Calabara Salak Salak

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

andres a design of the second

#### भारत शरकार

# कार्याजय, तहायक आयम् र आयुक्त (निरीक्ण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4153—अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भागकर अभिित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परकार के किया अधिनियम अहा गया है), की जार 269-क के जभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस०सं० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाए या बनातें जा रहे आफिसों में हिस्ता है निया जो में स्थित है (श्रीर इसने उपाबत अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप ने बिन्ति है), रिल्ट्रिनिनों रिधिकारी के नार्यालय, 37-ईई० फार्म, अहमदाबाद में रिजिल्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिप् अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथण्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कत, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारा (1) के जभीनः, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- । दी पूरा टैकाटाईल मारकेट को-आप० **गोप्स** ऐन्ड वे**य**ण्ड्राकालिश मोजायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत । (अन्तरक)

2. श्री धासुखलाल भगीनदास आसरावाला, ः/589, महीधारपुरा, मोटी शेरी, सूरत-3। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयह किसी अन्य व्यक्ति व्वार्ग अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्थी

आफिया जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया बबा है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० ष्ठी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सह।यक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

गारीख: 5**-**2-1986

## भारत सरकार

## भाषांत्रव, सहायक भावकर वाव्यत (निर्देशक्)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4154——अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इनमें इसके परचात् 'उनत मीधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० सं० 81, रिंग रोड़, सूरण में बनाए हुए या बनाए जा रहे प्राफिसों में हिस्सा है, तथा जो अहमबाबाद में स्थित है (प्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फार्म नं० 37-ईई०, अहमदाबाद में रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

को प्राेष्ण संपत्ति के उचित बाबार मून्य सं क्रम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्त तस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्तत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ)के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से क्षियत नहीं पाया गया है:---

- (क्क) वन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त विधिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिख; जौर/या
- (क) एसी कियी बाय वा किसी पन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान मा द्वारा में जिल्हा

नतः नव, उन्तर निधीनवम की धारा 269-ग की नभूतरण को, भी, उन्तर निधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, निम्मीनिविद व्यक्तियों, वर्षात अ—

- 1. दी सूरत टैक्सटाईल मारकेट को-आ० गोप्स ऐन्ड वेरहासीस सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत । (अन्सरक)
- 2. मेसर्स देशराज विशम्भरनाथ, नवापुरा दालिया शेरी, सूरत-1।

(अन्तरिती)

को सह स्थमा चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन को निष् कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

जबत सम्पत्ति के बर्बन के तंबंध में कोई भी नासीप :---

- (क) इंड सूचमा के राज्यन में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ठाजीस से 30 विन की व्यक्ति, को और वर्षीय वाद के समाप्त होती हो, के शीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के जीतप्र उक्त स्थानर सम्मत्ति में दितनकृष कियी कन्य म्यक्ति इवास, अथोहस्ताक्षरी में पास सिवित में किए का सकीने।

स्वच्छीकरण: ----इसमें प्रयूक्त सन्दों और पवा का, जो उक्ड अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

#### अवसंभी

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ण फिट अथवा 166 वर्ण फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीखा: 5-2-1986

#### प्रकृष भाष्ट्री . टी ् एन ् इक् . -------

# नायकर निर्भागयम, 1961 (1961 का 48) की भारा 269-म (1) में नभीन सूचना

#### SIEG FEET

# कार्याज्य, सहायक जायकर जानुक्क (विद्यालक)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवंशा सं० पी० आर० नं० 4155— अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उनत मधिनियम' बहु गया है), की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रीर जिसकी सं विशेष पी० एस० सं० 81, रिंग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनाये जा रहे आफिसों में हिस्सा है, तथा जो अहमदाबाद में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फार्म न० 37-ईई, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बृस्य से का के बर्चवान प्रतिकत्त को सिए बंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और जंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नक्रिचित सब्देश्व के उक्त बन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से किंग्त नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के खरित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इक्टेक्सार्थ जन्दिहती इचाए प्रकट नहीं किया पदा थ। वा किया जाना आहिए था, कियाने ये वृतिधा के निए:

जत: जब, उन्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, जिल्लीविक व्यक्तिवर्षे, व्यक्ति ६—

- 1. श्री सूरत टैनसटाईल मार्याट को-आप० गोप्स ेन्ड नेरहासिस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सूरत । (अन्तरक)
- 2. मेसर्स दीपक फ्रेंब्रिक्स, प्रो० श्रीमती लीलावती बाबुलाल , 7/2435, चौकसी शेरी, सयादपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को कु बुचना बादी कंदने पृथानित सम्मिति के नर्वत के निष् कार्वगाहियां सुक करवा हुई ।

क्या क्रम्मील के वर्णन के संबंध में कोई भी माध्येप 🤉 —

- (क) इस ब्यान के राज्यम में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की जबकि वा तत्वज्ञानि आकित्यों पर ब्या की संसीत से 30 दिन की व्यक्ति, के औ व्यक्ति बाद में बनाया झंती हो, के औतर प्रवेतिक अनिक्षों में से किसी अधिकत बनाया;
- (क) इस ब्रुक्ता के राज्यम् में प्रकाशन की दार्थात् स 45 विन के मीतर दवत त्वावर सम्मति में दिश्ववद्ध विक्ती मन्य व्यक्ति व्यक्ति वर्षाता मधीहरताक्षरी के शब सिवित में किए जा समोगे।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, थो उक्क अधिनियम, के ब्रुथान् 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष होगा थो तस अध्याय में विशा गया है।

#### मनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 165 वर्गफीट

> पी० डी० खंडेलवाल ग्रक्षम प्राध गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीखा : 5—2—1986

# आवकर वॉपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) में वर्णन ग्यम

भारत सरकार

## कार्याबर, सञ्चयक नायकर नायक्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4156—अतः मुझे, पी० डी० खंडेजवाल,

अप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इस्को पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा प्रश्चित के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ज कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिन्नकी सं० टी० पी० एस० नं० 81, निंग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनाए जा रहे आफिसों में हिस्का है, तथा जो अहमबाबाव में स्थित है (श्रीं इराने उपाबद अनुसूची में श्रींर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नामलिय फार्म 37-ईई०, अहमदाबाद में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 10-5-1985

को पूर्वीयत सम्पन्नि के लिंगत बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिक्रम के सिए नंतरित की नम् है जीर नुके यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीकर सम्मित का उचित वाबार भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास का भन्नक प्रतिकास से अधिक है जार जम्मरक (जंगरका) और जंगरिती (अम्मरितियाँ) के बीच ऐसे जन्मरिक के लिए तम पामा गया प्रतिकास, जिल्ली विचार से उच्छ जंगरित विचार में वास्तिक के बार्य के बीचल कही किया पामा है है—

- ्वित्रं मुख्यात्म वं हुन्दं विश्वतं नाम की बायबा, जनतः विधिनियम के मुधीय कार को वे अन्तारक के वाधित्य में कभी कारने वा बच्चते स्थाने में बृण्यिभा के किए; धार्ट∕वा
- (क) एसी किसी भाय या किसी भन् या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना आहिए था कियाने में स्विधा के लिए

साम क्या क्या वीपनियम की पास 269-न के अनुकारक मा, मी, उसस वीपनियम की पास 269-न की उपभास (1)  श्री सूरत टैंक्सटाईल मारकेट को-आप० मोप्प ऐन्ड वेरहासीम सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(अन्तरकः)

 मेससं धीरा टैक्सटाईल्स, रामजी मन्दिर सामने जडीयाकी वाडी, खटोदरा, सुरत-।

(अन्तरिसी)

को बहु बुध्या वारी करने प्रांतित तम्मीत वे व्यंत के विष कार्यवाहियां करता हुं।

# क्या कम्परित के वर्षत के कमान्य में नाही भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान में राधवन में प्रकाशन की रारीय से 45 दिन की नवित्र में तरसंगंधी व्यक्तियों नद स्थान की सामीज से 30 दिन की अवधि, को भी समित नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत बृषका के राजपण में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवष्टक किसी अन्य म्यावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित से किए वा सकीये।

# <sub>नु</sub>अनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थत है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनोंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साई ज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरा

प्ररूप नाहैं.टी.**एन.ए**स्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कायांलयः, सहायक बायकर वाय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आग्रु नं० 4157—अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

हायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० टी० पी० एय० नं० 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनाये जा रहे आफिसो में हिस्सा है, नया जो अहमराबाद में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीनर्सी अधिकारी के बार्यालय फार्म 37-ईई, अहमदाबाद में, पिन्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नित्सित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नित्सित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नित्स में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है "—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर होने के अन्तरक के वाशित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कत्य जारिलायों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: दंव, उपत विधिनियम की भारा 269-ग के विश्वपण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, सर्थात् ह——

 दी सूरत टैक्सटाईल्स मारकीट को०-आप० शॉफ्स एन्ड वेअरहाइसील मोलायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत।

(अन्तर्क्)

2. श्री धर्मंबीर चमनलाल भाटिया, यू०-3220, सूरत टैक्सटाईल मारकीट, रिंग रोड़, सूरत-2। (अन्तरिसी)

को महस्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप 🚁

- (क) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की बंधीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी बंबीं बंद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबंडे 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ. किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभेहस्ताक्षरी के पांच सिवित में किए वा तकोंगे।

स्वच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, को उक्क जिथिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषिकः हैं, वही जर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्रुकी

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म इस कार्यालय में दिनों ते 10-5-85 को पेग जिया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

# बुक्त बार्ड हो. एक. एव.

# बावकर वरिपनियम, 1961 (1961 पा 43) पा वर्षा 269-प (1) चे बावीय क्याना

#### THE PERSON

कार्यभव, सहायक शायकर जावृक्त (विरोक्ति) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4158—अतः मुझे, पी० डी० खंडेनवान,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

भ्रौर जिल्ली संव टीव पीव एसव नंव 81, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से विषित्त है), रिजस्ट्रीनर्ता अधिकारी के टार्यालय, फार्म 37-ईई, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीनरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-5-1985

की पूर्वीकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम में द्रममान प्रतिपक्ष के लिए मन्तरित की गई है और मृश्वे वह विक्रमान फरने का कारण है कि संवापूर्वीकत सम्बत्ति का उपित बाजार मन्द्र उपास दरगमान एतिफल से, एसे द्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और जंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्थ के सिए तब पाया गया प्रतिकास निम्मकितिक द्रमुखेन से संबद नन्तर्थ विविद्य में शास्त्रीवक रूप ने क्यांत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरक ते हुई जिली बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक की स्थितिय में कनी संदुने या उदार्थ वयने में बृतिया
- (श) ऐसी किसी गांय या किसी धन या अस्य जास्तियों की, फिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) ना उच्छ विधिनयम, वा भन-कर विधिनयम, वा भन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इपारा प्रकट नहीं किया भवा वा या किया थावा वाहिए वा, जिपाने वें स्थिया जे थिए।

अतः सव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-न वे जनुसरक जौ, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की सम्पारा (1) अभीतः विकासनितिक स्यक्तियों, अभीत् क्र--  दी सूरत टैक्सटाईल मारकीट को०-आप० गांप्स एन्ड वेअरहाडसीस सोलायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री देवीलाल चुनीलाल सोलंकी और अन्य, के०/ श्रो० वेस्टर्न इण्डिया कामशियल कापेरेशन जेज-1189/सुरत टैक्सटाईल मारकीट, सुरत-2। (अन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके प्रतिकत संप्रीत के वर्षन वी सिक् कार्यवाहियों करता हो।

# उपन् तम्मरित् में वर्षम् में प्रमान्य में मोद्रे ही वार्यामानः

- (क) इस स्वता के राजधन में प्रकाशन की तारीय सें
  45 दिन की सर्वधि या तत्सीयंगी क्रिनित्यों पर
  स्वाम की राजीत से 30 दिन की बनिध यो भी
  अन्दिक का में समस्य होती हो, से बीटर प्रवेकत
  व्यक्तियों में समस्य होती हो, से बीटर प्रवेकत
- (क) इस स्थान के राज्यत में त्रकाशन की धारीय से 45 वित के भीतर उस्त स्थानर संपरित में हितनक्ष किसी बन्न स्थानत क्यारा, सभोइस्ताक्षरी के वास सिवित में किए वा स्केंचे।

स्थानकरण: — इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा क्वा है।

# नन्त्र्या

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

任 段:

प्रकास कार्यः हो एक हल.

क्रायकार क्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धास 269-म (1) के क्रिपीन सुचना

#### RIES TENE

कार्यात्य, तद्वावक वायकर वाव्यत (निर्यक्तिण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4159——अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

वानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम्में इसमें उपवाद (उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अध्या है कि स्थावर सम्मासि, जिसका उचित शालार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिका है

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरल में बनाये हुए या बनाए जा रहे आफिसों में हिस्सा है, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबड़ अनुसुची में ग्रीर पूर्ण क्य से बणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फामें 37-ईई., अहमदाबाद में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नारीख 10-5-1985

करं पृथित सम्मति के उचित वाजार मृज्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह क्लियास करने का कारण है कि वधापुर्वेक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मृज्य, उनकें दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती फल, निम्नसिक्ति उक्तोंक से उक्त बंतरण भिक्ति में वास्त्र-धिक रूप से कार्यन से कार्यन ही किया गया है हि—

- (क) बम्सरस वे हुई किसी नाथ की बाबक. अकत बीबिनवम के बचीन कर दोने के जनसरक में बीबिट्य में कभी करने वा उद्यक्त वचने में भविशा के सिए; बीट/बा
- (क) एसी किसी अप या फिसी भंद या करव बारितकों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1002 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिसी वृक्षाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में अधिभा जे निया

कतः अधः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अन्तरण है, मैं, अपन की नियम की भारा २०९-व की उपवास (६) के अधीर: निम्नीसिया व्यक्तियों संघात् हैं— 2 4—6 GI/86  दो पूरत टैक्तटाईल्ज माएकोट को-आप० गाँप्स एन्ड क्षेत्रप्तान्तसीकावानटी ति०, एम रोइ, सुरन।

(अल्ल्प्स)

2. मेर्न दीपिक बीविश वर्क्स, आर०-2303, सूर्त टैक्सटाईरेन माएकीट, रिंग रोड़, सूरत-2। (अन्तरिती)

की यह सुणना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

अकत सम्पत्ति की मर्जन को संबंध में काहें भी जाकांप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 किए की अर्थाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की बवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्ड व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उनत स्थादर सम्पत्ति में हितराइथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक निकास में किए जा सकोने

लाका किरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जिल्लीनयम के अध्याव 20-क में परिभाजिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया हैं।

# प्रनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म इस पार्शनय में दिनांक 10~5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्रजीत रेज--2, अहमदाबाद

भारीख: 5-2-1986

मं(हर:

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांग 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आए० नं० 4160—अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं० टी० पी० एप्प॰ सं० 8, रिय रोड़, सूरत में बार्स्य हुए सा बार्स्य जा रहे आफिसों में हिस्सा है, तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाधड़ अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37—ईई० फार्म अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 10—5—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (गंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीतः निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—  दी भूल टैकाटाईला मारकीट को-आप० शॉप्स एन्ड वियर हासिंग सोझायटी लि०, रिंग रोष्ट्र, सुरत्।

(अन्तर्क)

 मेसस दिलखुश सील्फ इन्डस्ट्रीन कुवरसिंह शेरा बेगामपुत, सूर्य।

(अनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजकृत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

्यव्योकरणः ---इसमें प्रय्वत कट्वां और पदौं का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूस्ची

आफिस जो सूरण में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिशांक 10--5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल स्थम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-2, अहमदाबाद

तारी**ख: 5-2-198**6

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जाय चर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ६ धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज~2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4161---अतः मुझें, यी० डी० खंडेनवान,

वापकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को सह जिस्तात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० टी० पी० एस० त० 8, रिंग रोड़ सूरत में बनाए हुए या धनाए जा रहे आफिसों में हिस्सा है, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण च्या थे विधा। है), रिनस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फार्म 37—ईई०, अहमदाबाद में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) है। अधीन, तारीख 10-5~1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उभित शाभार मूल्य ते कन के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

मथापूर्विति सम्मित्त का लिस्ति बाजार मत्य, उसके दृश्यान प्रतिक्षण लं, एसे इश्यान प्रतिक्षण का पंत्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिती (अर्तारतियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निसित दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बावक, उक्त जिल्लीनवस के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तिवाँ की जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ कस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना नाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

कतः कथः, उक्त अभिनियतः विधारा 269-म के अनुवरक भ", म", उक्त अभिनियत की भारा 269-म की उपभारा (1) व स्थीतः निकासियाद व्यक्तियों, वस्ति ६ दी सूरत टंक्तटाईल मारकीट को-आप० शॉप्स एंन्ड वंग्रयहाऊित्र सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत।

(अन्तरह

2. श्री धरमाल फतेहचन्द नदवानी श्रीर अय, जड-1-2171, सूरत टैक्सटाईल्स मारकोट, रिंग रोड़, सुरत-2।

(अन्तरिती)

को यह बुचना नारी कारके पृथीकत सम्परित के वर्षन के सिर् कार्यनाहिस्सं करता हुं।

जनत सम्परित को नर्जन को संबंध में कोई भी जासीय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 15 दिन की जनिध मा तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर ज्ञान की ताशील से 30 दिन की खनिध, जो भी प्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांक्त व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति क्वारा;
- (व) इस स्वना के राज्यत्र की प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति एकारा वाषोहस्ताक्षरी के गास निश्चित में किए जा सकती।

भ्यव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयोक्त शब्द श्रीर पदी का वो उक्स अभिनियमः के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बाही अभि शांगा का उस अभ्याय में विका

#### जन्स् ची

आफिस जो मूला में रियत है। 37-ईई० का फार्म इस कार्यालय में दिलांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट हैं।

> पी० डी० खंडेनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षण जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, अहम पत्राद

नारीख: 5-2-1986

TALLET LANGUAGE LANGUAGE

प्रथम बाह्र . ही . एम . एस . लगासन

# नामकर नाँश्नियन, 1961 (1961 वर्ध 43) वर्ध भारा 269-व (1) वे वधीय श्वा

## नारव प्रकार

# कार्याजय, ब्रहाधक वास्कर बायुक्त (निविधक)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ऋहमवाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश मं० पी० ग्राप्० नं० 4162—-ग्रतः मुझे, पी डी० खंडेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० दी० पी० एस० मं० 8, रिंग रोड़, सुश्त में बनाये हुए या बनते ज रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसुवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय, फार्म 37-ईई०, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के वश्यमान प्रतिपद्ध के लिए अस्तरित की गई है कि मुन्ने यह विवशस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित खाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (क्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के न्तिष्ठ अधिक स्थापा ग्रा प्रतिफल, निम्मिसिक उच्च के कि व्यवस्थ के निष्ठ अधिक स्थापा ग्रा प्रतिफल, निम्मिसिक उच्च कहीं कि बा बवा है :---

- (क) नम्पारण से हुए किसी बाय भी जालस, अमर वीधितयस के नधीन कर दोने के अन्तरक अ दासिस्य में कभी करने वा उससे नखरों की प्रितिश्त के जिल्हा नीह/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों सहरतित अस्तिक अस्ति अस

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपलास (1) के अधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों, अर्थात क्  दि सुरत टक्सटाईल मारकीट को-ग्राप० गॉप्स एन्ड वेश्ररहासीस सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दीपक रामगोपाल भाटिया, एफ०-1034, सुरत टैक्सटाईल्समारकीट, रिंग रोड़, सुरत-2। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सि कार्यशाहियां करता हुएं।

# उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की जनिध मा तत्संकंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वन्ति अविकास में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरंगे ।

स्थव्योकरणः --- इसमें प्रभूवत कव्यो और पर्वो का, वा उक्क अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नथा है।

#### जन्स्ची

श्रः फिस जो मूरत में स्थित है। 37-ईई फार्म का इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट ऋथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक क्षायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदा**बक्ष**

तारीख: 5-2-1986

प्रकप नाइ .टी. एन. एस. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) से वभीन सूचना

#### मारत संस्थार

# क्षागांसव, सहायक नायकर नायुक्त (निद्धीका)

श्रद्धिन रेंज्-2, श्रहमत्त्रा

श्रहमदाबाद, दिलांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आए० नं० 4163—श्रत: मुझो, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिल्हा सं टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सुरत में जाल हुए जा जनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है, तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद

अनुमूची में थाँ पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्स्ट्रीक्ती अधि-कारी के अर्थावय, फार्स 37-ईई, अहाभिबाद में रिक्स्ट्री-क्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

- (क) अन्तरण से हुंद् किसी आग की, बाबत, उक्त शांधनियप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा श्रे सिष्: बोड़/बा
- (क) ऐसा किसो भाष या किसी भन गा कन्य जास्तियों का, किसी भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा ध सिन्हः

अतः अर , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थैं , भैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन , निस्निलियत व्यक्तियों , अर्थात् :----  दि सूरत टैक्सटाई। गारकीट को-म्राप० गॉप्स एन्ड केम्र/हाऊसिंग सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत।

(श्रन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र कुमः श्रीणाम श्रानंद भौर श्रन्य, जिङ-2191, सुरत टैक्सटाईल्स मारकीट, रिंग रोड़, सूरत-2।

(अन्सिन्ती)

का यह सूचना चारी करले पृथोंक्त संपक्ति के सर्वात की किए कार्यभाष्ट्रियां सूक्त करता हूं।

## बन्दा संपत्ति के मर्जन के संबंध में कांद्र भी क्षात्रक :----

- (क) इस सृद्धा के राजपक में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थापक में समाप्त होती हो,
- (४) इस सून्या है राज्या में प्रधाशन की तारीख में 45 कि के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यांक्त स्वारा अधीह्रताक्षरी के पास लिखित में जिल्ला हा सकेंगे।

स्वध्यक्तिकरनाः- इसम हजुक्त शब्दों बार पदौं का, जो स्वक्त अधिकियर, की अध्याय 20-क मो परिभाषित हो, कहा वर्ष होगा जा सस अभ्याय मो दिया गया हो।

#### वन्स्ची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म ६स ावित्य में दिनांवा 10-5-85 को पेण किया गया है। साई: 185 वर्ष फिट ग्रथवा 166 वर्ग वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सह(यक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

नसम्बद्ध मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन समया

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक्षर काय्वतः (पिर्याक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4164—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि अधावर अधिका जिसका जिसका जिसका जिल्हा मुख्य 1.00,000/- रह. से एक्सिक हैं

भीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 81, रिंग रोड़, सुरत में बन ये हुए या बनाते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है, तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध

श्रनुसूची मैं श्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई, श्रह्मदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-5-1985

को पृत्रों कर संपत्ति के डो घर आहार सस्य हो अस के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गर्द और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि एक

असके स्रथमान प्रतिफल सं, एंसे स्थयान श्रीताल का उन्नाह श्रीतकत से अधिक हैं और अलग्ज (यनारकों) गौर अस्तिरिती (बन्तरितियों) के बीच एमं जन्मरण के पिए तम पाना गया श्रीतफन, निम्मनिकित उद्वेष्य से उक्त शन्तरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, बन्द जीध-अधिनियम के अधीन कर तोने के अखुक के श्रीवस्थ में क्यी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का १६) के किस अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा जे लिए।

क्स: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, कि. अबिस व्यक्तियों, अधीन क्रिक्ट

 दि सुरत टैक्सटाईल मारकीट को-ग्राप० गोप्स एन्ड वे गरहासीस सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दीनेण कुमार श्रात्म प्रकाण, एल०-2065, मुरत टैक्सटाईलस मारकीट, रिंग रोड, सुरत-2। (श्रन्तरिती)

कारें वक्क सूचमा भारों अध्यो भूबोंक्त सम्प्रीत के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्ट सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्रोप :---

- (क) इस सुचमा के राजधन में प्रकाशन की तारीत सं 45 जिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जा औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस सूपाल के राज्यत्र में त्रकाशन की तारीं के 45 दिए के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अधे होगा, जो उस अध्याय में दिया गदा है।

# ग्रनुसुची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज–2, श्रहमदाबाद

सारी**ख**: 5-2-1986

प्रकम भाइ. टी. एन , एस , -----

बावकड व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

## MEG SEALS

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (जिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4165—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उनत मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हो कि रक्षापर मध्योति, जिससा उनित सामार मुख्य 1,00,000/- रु. से मधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० सं० 8, रिंग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है, तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 10-5-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विक्षास करने का कारण है कि यथा प्रेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिसित उद्षदेय से उसते अन्तरण लिसित में बास्तिसक स्था से किथल नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण ने हुई किसी जाय की वाबस, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कार योगे को जंसरका के बाबित्य में कभी कारमें गाउलमें उच्चने में सर्विका के लिए: अदि/का
- (व) एंसी किसी बाब या किसी अन वा बन्य वास्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 19?? (19?? या 1!) या उक्त अधिनियम, गा धन-कार विशिष्टम, १९९७ (१९९७ का १७) के व्योक्तार्थ में किसी करना वालिए या, क्षिपाने में स्विधा वी सिक:

बत: क्रम. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, बनसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) देवपीर निम्लिसिक स्वीकतकों, अधीर डे—  दि सूरत टैक्सटाईल्स मार्किट की-आप० गॉप्स एन्ड वेश्ररहाउदीस सोसायटी लि०, रिंगरोड़, सूरत।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स ईस्टर्न ट्रेडिंग कंपनी, फिरोज मीनार, लाल गेंट, सूरत-1।

(भ्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उपल सम्परित में भर्षन को सम्बन्ध में कार्फ भी पाक्षप कु-

- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिल की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ मूचना की तामीक में 30 दिन की स्वधि, जो भी अवधि बाज में समाज होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी कर्मक द्वापा;
- (था) अस्य संभागा के प्राथमत्र को शक्तासन की तारींथ से 45 दिन की शीतर उपन स्थापर सम्पत्ति को हितबस्थ किसी करेब क्यबित स्थारा नभोहस्ताक्षरी के पाष विविध में किए जा सकींथी।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमे प्रमुक्त शत्यां भार पर्यो का, जो जयस प्रिथितियम, के जध्यायं 20-क में परिभाषित् हु<sup>9</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>8</sup>।

#### धनुस्थी

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-**१६** का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट हैं।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक फ्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज-2, श्रह्मदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रारूप आहू टी एन एस .-----

The second of Second of Second

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के सधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (विरीक्षण) . अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरबरी, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4166--अतः पी० डी० खंडेलवाल.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 265-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सुरत में बनाए हए या वनते जा रहे आफिसों में हिस्ता है तथा जो में स्थित है (और इसने उरावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री इर्ता अधि हारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उपयमान **प्रतिफ**ल के लिए भन्तरित की मुभी यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं ब्लिया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व लें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. हिष्ट में मिनधा के लिए:

वतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, वर्षात ह--

- 1. दो पूरा टेक्सटाईल मारकीट को० ग्रो० शाँप्स एण्ड वेग्ररहाउस सोसायटी लि० रिंग रोड़ सूरत। (अन्तर र )
- 2. श्रो घनश्यामदास मुन्सीराम सी-2023 सूरत टेक्स-टाईल्स गरकीट रिंग रोड़, सूरत -2 ।

(अन्तरिती)

को यह । स्वना जारी करके प्योंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों यें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटांकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म का इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नथीन जुवना

#### बाइक इंड्रफ्री

# कामीबम, सहायक मामकर माध्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आए० नं० 4167---अतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल,

बाधकर वीपीनयम, 1961 (1961 का 43) (विजे श्वको इसके वश्यात् 'उक्त विभिन्नयम' कहा गया हैं), की भाड़ा 269-च के अधीन दक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास भरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

प्रांश जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 8, रिंगरोड़, सूरक में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिस में हिस्सा है। व्या जो में स्थित है (प्रांश इपने उपाबड़ अनुसूची में ग्रींश पूर्ण कप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नायोलय फार्म 37-ईई-अहमदाबाद में रिवस्ट्रीड़ श्रा अधिकारी के नायोलय फार्म (1908 का 16) के अधीन, नारीख़ 10 मई, 1985

को पृथांकित सम्परित को उचित बाबार मूल के कान को कानवान प्रतिफल को लिए बंतरित को गई है और मुभ्ते यह बिश्वास करने कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसको कालकान प्रतिफल से, एते दश्यमान भीतफल का बल्क्ड् शित्वत से अधिक ही बीद अन्तरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वां) के बीच पृथे अन्तरक से लिए तम बाबा बना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में भारतीयक कर से क्रियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त शिक्षित्रम प्रे अधीन कर दोन के अन्तरक के दासित्य में केनी करने या उसने नचने में मुख्यित के लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी जाम या किसी ते या अत्य आरंखियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थ्या ए या किया जाना नाहिए था, क्रियार वी सचित्रा की लिए।

बतः बच. उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---25-601/86  दी सूरत टेक्सटाईल माएकीट को०- ग्रो० शांष्य एण्ड त्रेअस्त्राउसीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सूरत । (अन्तर प्र)

alee , her he thau .lee lee alee ... .

 मैंसमं गमनलाल लालचंद गांबी 3/622 जवापुरा, कारवा रोड मुरत-3 ।

(अन्तरियो )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिल्ला कार्याहरू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की बविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीच्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के णस सिसीसत में किए या सकोंगे।

न्यक्टीकरण:----द्वमें प्रमृक्त खब्बों और पदों की, की क्षक अधिवियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, कही अर्थ होगा को उस अध्यत्म में दिया व्या है।

#### अनुसूची

आफिस जो सूरा में स्थित है ।37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दितांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेनवाच सक्षम प्राधि हारी सहाय १ जायकर जापुक्क (गिरीक्षण) अर्जन रेजन्2, अहमदाजाल

ारीख: 5-2-1986

प्रकृप आई. टी. एन. एसं.-----

धाइक्ट प्रविद्यालय 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत मरकार

कार्यालय, प्रहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, विसंह्य 5 फरवरी, 1986

तिर्देश मं० पी० आए० नं० 4168/2/85-86—अतः मझे, पी० डी० खंडेलवात ।

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचान 'उस्त अधिनियम', कहा गया है), की धार 260 न के अधीन सथाय प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिगरीड़, सूरत में वस्ते ए प्रावनके ए एड़े अधिकारों में हिस्साहै। तथा जो सूरत में रिथत है (ग्रीर इसमें उपावड़ स्मृत्वी में ग्रीर पूर्ण पूर्ण रूप से विणित है), रिजल्टीकर्ती अधिकारी के वार्याध्य फोर्म 35-ईई-अहमदावाद में रिप्स्ट्रीकरण अधिरियम, 1908 (1968 वा 16) के अधीर, तकीख 10 मई 1985

को पुर्वतिल गंगणि से हिमल वाकार गर्मा र का उ. त्यामान १९४० र ने विस्त कालगित की गई है और भूके यह विश्वास अपने या कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मृत्य , उसके दुरुपमान प्रतिकल से , एमें दुरुपमान प्रतिक्रम का पंदह प्रतिकत्त से अभिक हैं और लंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तर्शितमों) के बीच एमें कलग्रम के लिए तर पाटा गण प्रतिकत, निम्नतिखित उद्योग्य से उक्त मन्तरण निविद्य में ग्रास्तायक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को उधित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था आ किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की जमभारा (1) के बबीन, निम्निनिक्तः प्रक्तियम, विधान :---

- ं 1. में .र्स दी सूपत टेक्बटाईल माफ्कीट को०-झो० शोष्य एण्ड बेझरहाउसीस सोहायटी क्वि० रिग रोड़, सूरत। (अतरकि)
  - 2 मैं लि गो पारास प्रेमचंद रोणनाईवाला एण्ड कपनी गोकीगुल, क्षेत्रकार स्ट्रीट पुरुष-210

(अन्तरिती)

ा ग्रह भाषण । कारी करके पृत्रों कर सम्पतिस के अर्थन के शिष्ट कार्यकाहिए। करता हो ।

तक्त बगारित से अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्टि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख है क्षेत्र के किए कहन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए वा सकींचे।

स्पष्टीकारण:---इसमा प्रश्वत सन्दों और उद्दे का, जो उन्से अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अध होंगा जो उसे अध्याध के विया गया ही।

#### बन्स्ची

अंकि। जो मूर्य में स्थित है । 37-ईई का फार्म इस ार्मायमें दितंत 10-5-85 को पेश किया गया है। साईअ 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० ख्रुष्टडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहाय या आयास्य स्थायुक्तां (निरीक्षण) अर्जनारोजबे2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1980

में हैं ⋰

प्रका बार : हो : पुर : पुर :

बायकर ब्रिंगिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुधना

#### शास्त संहकाह

कार्वासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज 2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० वं० 3169—अत: मुझे, पी० डो० बंडे कि.त्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये खे अधिक है

स्रौर जिसकी सं टी० पी० एस० नं 8, रिंग रोड, पुरत में बनाए हए रा बसते जा रहे आफिसों में हिस्सा है हथा जो स्थिव है (स्रौर हर से उपायह अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विजेत है), रिजस्ट्रीयती अधिवारी के कार्यालय फोर्म 37-ईई-स्रह्मदाबाद में रिकस्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीर, नारीख 10 मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/मा
- (ा) एंसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया बा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः कव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के जनसरण को, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों अर्थात :—  मेनर्स दो सूरत टेक्सटाईन मारकेट को० ग्रो० शोष्स एण्ड विग्ररहाऊसीस सोसायटी लि० रींग रोड सुरत।

(জন্ম 🐨 )

2. श्रो गोर किशार रतनलाल अग्रवाल क्यु०-325 भूरत टेक्पाल्स मारकेट, रींग रोड, सूरत-2। (अक्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर स्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पान लिमित में किए का सकते।

स्पद्धीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दी और वर्षा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याद ने जिल्हा गमा हैं:

#### नन्सची

आफिस जो त्रा में स्थित है । 37-ईई ा फार्म इस कर्यालय में ितंत्र 10-5-85 की पेप िया गया है। साईव 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज-2, अहंनदाबाद

तारीख: 5-2-198<sub>0</sub>

# प्ररूप नाइं.टी. एन . एस . ------

# नाथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भायुक्त निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज श्चहमदाबाद श्चहमदाबाद, दिनांक 5 फण्वरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4170—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलघाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), अर्थ भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव टीवपीव एसवनंव 8 रिंग रोड, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है- तथा] जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय फोर्म 37-ईई श्रह्यहाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वों कर सम्परित को उणित बाजार मृत्य से कम को ख्यमान बितिफल को लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उणित बाजार मृत्य , असके इस्प्रमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरका) जोर अंतरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निवित्त में आस्तियक रूप से कथित नहीं किया नवा है।

- (क) बन्तरण संहूर्य किसी आम की श्रामात, जनत समिनियम के अचीन कर दोने के नृत्युरक के दावित्य में कमी करने वा उत्तते वचने में सृत्यिका के निए; और /या
- (ग) एंसी किसी जाम या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की बिन्हें भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के सिए।

भतः अदः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण कैं, मैं, उक्त अभिनियम की ः 269-**ण की उ**पभारा (1) के अधीन, निम्नलि**तित व्यक्तितः, अवितः—**—

- दि सुरत देक्सट।ईल मारकेट- को-भ्रोप० शोप्स एण्ड वेश्ररहऊनीय मोसायटी लि० रिगरोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- मैपर्स गोपीनाथ टैक्सटाईल्स
  ब्डब्ल्यू-2211 स्थत टेक्सटाईल मारकेट रिग रोड,
  स्थत-2 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के विष् कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स अ-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गांश

स्पष्टीकरणः ---इसमं प्रयुक्त शहरी और पर्वा का, जो जक्त कींधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जम मध्याम में विशे स्था है।

# अनुसुची

न्त्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 5-2-1986

# क्षा वाहील दी ह एवं हु पूर्व हु प्राप्त है ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (।) के अभीन स्चना

#### ATTEN VENTUR

# कार्याजय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4171—श्रत: मुझे देगी० डी० खंडेलवाल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसको इसको परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से सिधक हैं

भीर जिसकी सं० पी० टी० एस० नं० 8 रिंगरोड, सूरम में बनाए हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो स्थित है (श्रीर इससे जपाबढ़ श्रनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री ग्रती श्रीधकारी के ार्यालय फोर्म 37-ईई श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक 10-5-1,985

को पूर्वोक्त सम्परित के उसित बाजार मूख्य से कन के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्यह्मप्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितिमों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिक् क्ष्म निक्यितिखन जबुदोब से स्वत बन्दरण जिल्ला में अस्तिविक क्षम ने क्षिन वहीं किया यस है अन्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कत सर, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण ,मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चूं अभीत, निम्ननिचित व्यक्तिवाँ, अभीत ड──

- 1. वि सूरत टेक्सटाईल मारकेट को-श्वाप० शोष्म एंड वेश्वरहाउसीस सोसायटी लि० रिंग रोड, सूरत । (श्रन्तरक)
- श्री गुरदयाल पोखरदास नारंग के/श्राफ : जेनीथ टेक्सटाईल-स टी-2116, सूरत टेक्सटाईल मारकेट, सूरत-2

(ग्रनुसुची)

को वह सूचना नारी करके प्राप्त सध्यात्य के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हो।

# उक्त सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षेत्र ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थायर सम्मत्ति मों हिन्द बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्वी

श्राफिस जो सूरत में स्थित है । 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेण किया गया है। साईस 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षणं) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्रकम बार्ड, सी, एउ. ०० . . .

नाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, ग्रहसदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4172--श्रतः मुझै, पी० खी० खंडेलवाल

श्रायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी गं० टी॰ गी० एम० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुधी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिज्ञस्त्री प्रति अधिकारी के दार्यात्रय फोर्म 37 ईई अड्नर बाद में रिजिस्ट्री परण प्रधिनियम, 1908 (1908 वरा 16) के श्रधीन दिनांक 10-5-1985

का प्यांक्स संपंतित के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशान स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा प्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उसस अन्तरण लिखित को बास्तीवक रूप से किया गया है ----

- (क) अन्तरण में दुई किसी बाय की बावत , उचक आंधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायरण मां कमी करने या उससे जनन मां सुनिधा के लिए, और/या
- (का) एस किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1)। या वर्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धन कराय जंतरिकी द्वारी प्रजल महीं किया गया था पा किया जाना अहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

अर १९ इंडर वॉधितियम **की धारा 269-ग के अन्तरण** को, रे पान की रिपल की पास 260-ग की उपधारा (1) **के** अधीन, विकासिकट व्यक्तियों अर्थात् :---

- दि सुरत टेक्सटाईल मारकेट, को-प्राप० शोप्स एंड विश्व स्टाउसीस सोसायटी लि०, रिंग रोड, सुरत ।
   (अन्तरक)
- मैसर्स गंगाराम भ्याम सुन्दर, जयहिन्द जयहिन्द बिन्डिंग, नं० 3, सी, भुलेश्वर, बोम्बे-2।

(ग्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- .क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकोंगे।

स्पष्टिभिकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय रू दिया गया हैं।

#### अनुसूची

ग्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई, का फार्म इस कार्यात्रय में दिनांक 10-5-1985 की पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलमाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैनरेंज-2, श्रहमवाबाद

दिनांक : 5-2-1986

# प्रकथ बार्ड सी. एन . एस . ------

# जायकर निर्धातयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज:-2 श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4173—श्रम: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

*बाध* कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1.00,000/~ रा. सं अधिक हैं ग्रौर जिसकी मं० टी०पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सुरत में बनायेहुए या बनते जा रहे भ्राफिसो में हिस्सा है, तथा जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद इनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित

है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्णलय, फार्म 37ईई , ग्रहमदाबाद में जिस्ट्रीयज्ञ अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 10-5-1985

ऋदे पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्वेदय से उक्त अंतरण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **है** ५---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबरा, उनत किं भिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को शासित्य में कमी अपने या उससे बचने में सनिधा के लिए: और/या
- (क्ष) ऐंमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों ल्बे, जिल्हां भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ⊌नकर सं<sup>≎</sup>धनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तारिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा चाहिए था, छिपाने में सुविधा कं रेलए:

कर अब, उच्न काचा नयम, की भारा 260-ग के अनुसरणी में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) • क्रे अचीन जिम्मलि**खित व्यक्तियों, अर्थात् :---**

- 1. दि सुरत टैक्सटाईल मारकेट, को-शाप० शोण्स एंड बेयरहाऊसोस सोसायटी लि०, रिग राड, सूरत । (भ्रत्नप्रा)
- 2. थी गोकुलचन्द, हीराचन्द जी, शहोड, सी-1027, स्रव टॅक्सटाईल म.रकेट, रिग रोड, स्रन-2

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सर्वभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4,5 दिन की संविध या तत्संबंधी ऋषितयों पर सृचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितद्रद्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णस लिसित में किए जा सकोंगे।

अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🐉।

#### यम्स्मी

धाफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कायलिय में दिनांक 10-5-1985 को पेश दिया गया है। साईज 185 वर्ग फीट, श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी भारतम् क्रायास्य **धायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, श्रह्मदाबाद

दिनांग: 5-2-1986

माहर:

एक बन्दे हो, पून, तृत्र, नामाना

कारकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 359-च (1) के कथीन मुखना

#### मारत सरकार

# कार्थालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्तन)

श्चर्णन रेंज-2 शहदाबाद

प्रहमराबाद, दिनांग 5 फरवरी, 1986

िदेण सं० पी० श्रार्० नं० 4174—अप्त, मुझोपी०डी० खंडेलवाल

ध्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर संपस्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/-रु. से अधिक है

को पृथिकत सम्पत्ति के उच्चित्र माजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उच्चित बाजार ब्र्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यथमान प्रतिफल का नन्द्रस प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (कितरितियों) के बीज ऐसे बंतरण के सिए तय याया गया प्रतिक्र के निक्तिलियां ने व्यथमान प्रतिक्र के सिए तय प्राया गया प्रतिक्र के निक्तिलियां ने द्रश्यक्ते से द्रवत्त करतरण निव्हित में वास्तविक नय में अभिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी नाम की नावत उक्त किंध रिवल के नवीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के मिए: बॉर/या
- (म) एन्ट्री किसी बाय वा किसी वन वा बन्य ब्रास्तिकों करें, जिल्हों भारतीय आयकंद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मित्रभा वी लिए:

बन अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीय, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्णात्:—

- िस भूरत टैक्टमाईल मारकेट, को-आप गोण्म,एंड वेयरहाउमीस सोमासटी, रिज़ रोड भूरत। (अन्तरक)
- श्री गिश्धारी लाल लुणताराम गंभील, टी-2127, सूरत टैक्सटाईल्स मारकेट, रिंग रोड, सूरत-2

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

#### उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन की सबिध या सरसम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की वासीय से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के धीतर पृथीिक स्थितियों में से किसी ध्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वं 45 विन कें भीतर उपत स्थावर संपत्ति में दिखन बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सक्षितः

स्पथ्टीकरण: --- हसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, को उन्स बिधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं नर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

#### वनसची

श्राफिस जो मुरत में स्थित है । 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10=5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० छी० खडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महाधक आधकर आयुक्त (निर्देक्षण) प्रजेनरेज-2 अहमदाबद

दिन्यंत 5-2-1980 मोहरा

# प्रकल बाह्री टी. एन एतं. \*\*\*\*\*

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन कुचना

#### भारत सरकार

# कार्यात्तय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दासक)

श्रजैन रेंज-2, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेण सं ० पी० श्रार्० नं० 4175—सत: मुझे,पी० डी० खंडेलघाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

ं.00,000/- रुः में अधिक हैं।

और जिसकी संव टीवपीव एसव नंव 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा है शाफिसों में हिश्मा है तथा जो स्थित है और इसन उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण कप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फार्म 37 ईई श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिसंक 10-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्व से कम के क्रममान प्रतिकृत्त के सिए जन्तिरत की गई है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण है कि वजाप्योंक्स सम्मत्ति का उजिल बाजार मन्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकाों) और बन्तिरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्स अन्तरण निचित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते इंड्रं किसी बाव की बावत, उपन अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा की लिए; बरि/बा
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ ग अधिनियम, या भरू कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा वे लिए;

.श्रत: अत्र. उक्त जिम्मिनयम की भारा 260-१ जे अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीर जिम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थास्:---26—6 GI/86

- दि भूरत टैक्सटाईल मारकेट, को-आप० णोण्स एड वेयरहा इस्तिम गोसार्टा गि० रिंग रोड, सुरत । (अत्तरक)
- 2. मैसर्स गोधिन्य भिल्क मिल्म, भार-3171, मूरत टैक्सटाईल मारकेट, रिण रोड, सूरत-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व क्ला सम्परित के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### बावत सम्पत्ति के क्वान के संबंध में कोई भी आक्रोप हान-

- (क) इस स्थल के राष्यक में प्रकाशन की तारीय ते 45 वित की अविध या तत्सम्बन्धी स्पाधतयों पर सूचना की तामी? से 30 वित की अविध, जो भी अविध नाद र समाप्त होती हो, से भीतर पूर्योक्स व्यक्तियों में से किसी स्पनित ब्यादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षि के किसे पर सकते।

हवक्कीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होगा, जो जब अध्याय में हिंदया गया हाँ।

#### क्रम की

आफिस जो भूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कायलिय में दिशांक 10-5-1985 को पेण किया गथा है। साईक 185 वर्ग फीट, अफवा 165 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलचाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

मोहरः

# अक्ष बाई, टी. एन, एस.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरचरी 1986 निदेश सं० पी०श्रार्० नं० 4/76---श्रतः मुझे,पी०डी० खंडेलघाल

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव्पीव एसव नंव 8, रिश रोष्ड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा ज स्थित है (और इसने उपावर्द्ध, अनुसूर्चा में और जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अकारी के कार्यालय, फार्म 37 ईई श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

शो पूर्विक सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए जंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्ति के विश्वास से जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्नितिसित उद्दृष्टिय से उस्त अन्तरण शिक्षित में गस्तिका क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वं हुएं जिसी नाव की वावस, उसके वीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने मां सुविधा के विष्: और/वा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य अशस्त्वः की, जिल्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1322 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया ववा था किया जाना चाहिए था, खिपाने में संविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-अ के अनुसरण वैं, मैं, जक्त अधिनियमं की धारा 269-म की जपधारा (1) के वभीनः विश्वजितिक व्यक्तियों, व्यक्ति है——

- 1. दि सूरत टैक्सटाईल मारकेट को-ध्राप० शोष्स एंड बेयरझाउसीय मोसापर्टा लि० रिंग रोट, सूरत। (धन्तरक)
- मैसर्स ग्रोबर उद्योग,
   4/328, दुयारा स्ट्रीट,
   बेगामपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यति से अर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सुवना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सुवना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काद में समागत होता होते हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यक्तियों मां से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ब) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिविक्त में क्रिए जा स्कोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या वदा है।

# **धनु**सूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनाक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथना 166 वर्ग फीट है।

> पंऽि डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (किरीक्षण) ंजें तेन-2, श्रहमदाबाद

विनांकः। 5-2-1986 मोहर । प्ररूप आद्दं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आध्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिशांक 5 फरवरी, 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4177---श्रताः मुझे,पी० ष्टी० खंडेलथाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- क. से अधिक हैं और जिसकी संव टंवियोव एसव नंव 8, रिंग रोह, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे शाफिसों में लिस्सा है, तथा जो में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में और जो पूर्ण रूप से बणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता शिक्षवारी के बायोविय फ.र्म 37 ईई

16) के श्रधान दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसं द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है जॉर अंतर्क (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितयों) के बीच एसं अन्तर्ण कं लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में क्षास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है :--

ब्रहमदाबाद में रिजर्स्ट्रवित्य ग्रहिनियम, 1908 (1900 मा

- ्क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, 1 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2,) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं ाकया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- दि सुरत टैंक्सटाईल मारकेट को०-श्राप० शोण्स एंड बेयरहाउसीस सोसायटी लि०, रिंग रोड, सुरत। (श्रन्तरक)
- मैहर्स गोपी सिल्क मिल्स ए-1333, सूरत टैक्सटाईल मारकेट, रिंग रोड, मुरत-2

(श्रन्तरितं)

भीर यह सूचना चारी करके पूर्वोक्छ सध्यक्ति से वर्चन औं मंतर कार्यनाहियों कड़ता हो।

बन्द सम्मन्दि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नार्ताप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख सं
  45 दिन की नविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी
  विश्वि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इक्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति युवारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा सकते।

स्पष्टीकरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, कही वर्ष होगा, जो उस अभ्यास में दिश अबा है।

# क्तभौ

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस धार्यालय में दितांक 10-5-1985 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट प्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, प्रदूष गवद

दिनांक: 5-2-1986

मोहरः

# प्र**क्ष्य वार्ड**ः दौ<sub>ः</sub> पुरन<sub>्</sub> पुरा<sub>यन</sub>-----

# शायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यांस्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4178—ग्रनः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

ग्रायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन एसमें इसमें प्रथमें एसमें एसमें एसमें एसमें एसमें एसमें प्रथमें प्रथम प्रभाव प्रथम (अवत अधिनियम कहा गया है), की भार अविश्व के अधीन मध्यम प्राधिकारी की, यह जिस्तास करा का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उपित बाबार मस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं ठटी० पी० एप० नं ० ८, रिंग रांड, सूरा में बनाए हुए या बतते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विजन है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय फार्स 37 ईई श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक 10-5-1985

को पूर्योक्त सम्पन्ति को उचित बाजार मूर. ने काम के रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिफल से एसे रायमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज उसे, अंतरण के लिए त्य पाया गया इतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अस्थरण विधिष्ठ में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरम सं हुर्ड किसी एक या भायस ावस वाध की। पित्रम की अधीन कर पोर्न की अन्तरक की वाधिएत की कामी कारने वा चस्ते वचने में तृतिका की किसी; क्षीर/या
- (क) एसी किसी साब वा किसी धन सन्त श्रीस्थियों की, जिन्ही भारतीय जायकर जिभिनियम, 1927 (1922 का 1) या उक्त जिभिनियम, या स्थान कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी धुनारा प्रकट नहीं किया थठा जा वा किया जाना चाहिए भा क्रियान में सुविधा की किए।

अंत: अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ण के बन्मरण भी, भी, उक्त अधिमियम की शार 269-म की उपधारा (।) बै अधीन, निम्मिनिक्ति व्यक्तिस्था, मर्चात  दि सूरत टैक्सटाईल मारकेट को-आप० शोष्स एंड बेयरहाउसीस सोसायटा लि० रिंग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री गोविन्द लाल चारनदास नारंग, श्रौर श्रन्य, जैड-1-3173, सूरत टैक्सटाईल मार्केट, रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह युचना जारी क्राह्मके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकते

स्वच्दीकरण:----दसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, बो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### वन्त्र्या

श्राफिय जो म्रन में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यावय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। भाई ज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

दिनौंक *5*-2-1986 मोहरः प्ररूप बार्ड. टी. एन एस. - - -

नायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के नधीन स्वना

#### शारत सरकार

कार्थालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देश नं० पौ० आर० नं० 4179 श्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलें इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 209 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं टी०पी० एस०नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यांलय फार्म 37 ईई श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 10-5-1985

का पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल का लए अक्टिंग्ल को गई है और महा यह विश्वास कान का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबिक रूप रूप से किथत नहीं किया कबा है कुन

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विभिनियम् के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का नियो अति अति (देवी द्वारा अकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था ख्रियोंने में स्विभा के सिए;

क्तः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग व अन्सरक वे, वे, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  दि सूरत टैक्सटाईल मारकेट को-श्राप० शोप्स एंड बेयरहाऊसीन सोसायटी लि० रिंग रोड सूरत। (श्रन्सरक)

 मैसर्स गोयल एन्टरप्राइजेस जैड-2201 स्रत टैक्सटाईल मारकेट रिंग रोड, स्रत-2

(ग्रंन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों अर स्चनः की तारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थादीकरण :---- इसमें १६२७ शब्दों और पदों का, जो उर्द्रत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिश्लाक्षित हैं, वहीं अध होंगा, जो उस अध्याय में दिया मया हैं।

# अनुसूची

ग्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का कार्म इस कार्यालय में दिनाँ रु 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 5-2-1986

मोहर :

(स) एसी किसी आय या किसी भन वा सन्त जास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त बिभिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बन्दरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह्य अन्तर में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया या है। साईज 185 वर्ग फीट भ्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राक्कर ग्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजंनरेंज-I<sub>I</sub>,ग्रहमदाबाद

दिवांक : 5-2-1986

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, श्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4180--- ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टो०पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में धनाये हुए या बनते जा पहें आफि तों में हिस्सा है तथा जा सूरत में स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय फार्म 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 10-5-1985

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे ध्रयमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की गयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- दि सूरत टैक अटाईल मारकेट, को-म्राप० शोष्स एंड बेयरहाऊसीय सोक्षायटी लि० रिंग रोड, सूरत। (म्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स एच० एन० गाँधी एंड कंपनी, 3,528, जीया बाजार, पोस्ट ग्राफिस के सामने सूरत-1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति एवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होना जो उक्त अध्याय में विया गया है।

## वनुसूची

श्राफिण जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म **इस** कार्याक्षय में दिनौंड 10-5-1985 को लेश किया गया है। आईज 185 वर्ग फीट श्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनाँक : 5-2-1986

प्रकल क्षार्ड दूरी एस मासा ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के तथीन स्वमा

नारत नरकार

कार्याजय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 11,

श्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं०  $4181_{l}\Pi_{l}$ 85-86— पी०डी० खंडेलवाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत बिजिनयम' कहा गया हैं), की बाख 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करतं का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एन० नं० ६, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37 ईई के श्रधीन दिनाँक 10-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्य है और मूर्य यह विश्वास करने का कारण है कि निष्य में है और मूर्य यह विश्वास करने का कारण है कि निष्य में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युष्ट ये उक्त अंतरण जिल्हा में साक्ष्य के साक्ष्य है साक्य

- (क) अन्तरण तं हुई किथी शाम की वाबत, उनके शीविवयन के कथीन कर दोने के अन्तरक की कवित्य में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के विष्; और/का
- (व) ऐसी किमी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को विक्त भारतीय आयक है. किमी नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या पन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

बतः अब, उबल अधिनियम की धारा 269-ग के बमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियें अधीत् :---  दि सूल्ल टैक टाईल मारकेट की-श्राप० शोष्य एंड बेरहासाय सीलानटे ल०, लिय रोड, सूरता

(ग्रन्तरक)

 मैं ० हरगोदन दास शिव लाल, सलासतपुरा, मुरन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को कर्जन की संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इत स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस वें 45 दिस की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिस की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होंगी हो, के भीतर पूर्वेक्ड स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब सूचना वे राष्ट्र में प्रकारन की तारीच वे 45 दिन के भीतर अधित स्थावर संपत्ति में हितनद्भ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरों के पाव लिसित में फिए जो सकत्ये।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, वो उक्क बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, बही अर्थ होगा, को उस अध्याब वे दिया गया है।

#### वगस्यो

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनों के 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट प्रयक्षा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्शन रेंग II, श्रहमदाबाद

दिनाँक 5-2-1986 मोहर: प्रारूप आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II,

भ्रहमदाधाः, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं०  $4182/\Pi_{I}$  85-86--श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (भ्रोर इसमें उपाबंड श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37 ईई के श्रधीन दिनौंक 10-5-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में अन्तरिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उच्च नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ने अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के निए:

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभाष (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात:—  दि सुरत टैक हाईल मारखेट को-म्रा० गोप्प एंड वेरहासीस सोतायटो निक रिंग रोड, तुस्त ।

(সংক্রেচ)

 मैं० हीरालाल केणव राम एण्ड अन्य । मंग्रामपुरा, सूरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी न्यवितयों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्दोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# श्रन्*स्*ची

श्राफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। भाईज 185 वर्ग फीट प्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्ष**ङ्घ)** श्रजेन रॅजे-I, अहमदाबाद

दिनौक: 5-2-1986

प्रका बाहे . टी . एन् . एस . ---- सनम्बन्धन

# भासः र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्ष्री भाडा 269-भ(1) के स्पीन सूचना

भारत सरकार

# जयांशय, मद्राय**क जायकार बायुक्त (रिन्युक्त)**

# धारेय **रेंज** II

भ्रात्मदाबाद, दिनांक 5 फरबरी 1986

िश्यि स्ं०पी० ग्राप्य० नं २ 4183/[], 85-86--- मृतः मुझे, पी०डी० खंडें वाल,

भागकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर गत् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की पारा 269-क के अधीन सक्षम शिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित गणार मूज्य 1,00 100/- रा. से अधिक हैं

श्रीर िक्की संख्या टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 8, रिंग रोड सूरत में बाए एए या वाले जा हि श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में लिया है (श्रा. हाले प्रावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), अविश्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 37 ईई श्रहमदाताद में अभिन्दी रूप अधिनियम, 37 ईई के अधीन दिसी र 10-5-1985,

को पृषे न सम्पन्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के स्वकान जीतफान है जिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास अन्तरित के कारण है कि स्थापनों कत संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, जन्ते एप्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रि शत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित याँ) के नीच एसे बंदरण में जिए तब पावा गया प्रि कल निम्नलिखित उद्वरेग से उच्छ अन्तर्ग निम्नलिख से स्व

- ि प्राप्त से हुए किसी बाद की वाय्या करवा समितियम के सभीन कर के के सम्बद्धक की स्वित्रम में कामी करने वा उद्यक्ष विभाव के महार करिया।
- (कं एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किए? भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अस्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना धाहिये था, क्थिन में कृषिण में नियः

कार ए उक्त श्रीभिनियम की भारा 269-म की जन्तरण मीं, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधिक निमालिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- 27....6 CI/86

 दि सूरत टैक टाइन मारपट का-म्राप० घोण्त एंड बेरहासीस सोसायटो नि० रिंग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 मैं० होनेस्ट ट्रेडिंग कं०, महादेव नगर, बिलीमोरा।

(अन्तरिती)

को नेह सूचना चारौं करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्जर के जिल कार्यगिहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपरित के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारः
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सर्कोंने।

श्याकिरण:--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उन्त अधिन नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

भाफिस जो मूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डो० खंडलवाल गक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुख्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज I,ग्रहमदाबाद

विनाम 5-2-1986 मोहरः

# प्ररूप बाह. टी. एन. एख.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4184/II/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 264-अ हैं जञीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सुस्व 1,00,000/- रह में अधिक हैं

ग्रीर ि की सं उ टो॰ पी॰ ए ा॰ सं ॰ 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये दुए या बदते जो उहे श्राफिसों में हिस्ता तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इ के उत्तबद्ध ग्रमुखी में भ्रीर पूर्ण रूप से विगत है) रिक्टि तो श्रविकारी के नार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिन्ट्रिकरण श्रविकास, 37ईई के ग्रधीन, दिनाँक 10-5-1985,

को प्योंक्ट मम्पित्त के उचित वाजार मूल्य से कम की स्थमान प्रित्तिक के निष् अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्याम करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा अस्विकत, निम्निलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्क व्यथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के विष्णुः और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्न जास्तिवां की जिन्हों भारतीय नायकर निमिन्न , 1922 (1922 का 11) या उत्त विधिनयम, वा धन-कर अधिनयम, 1957 1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

बतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट्र

- (1) श्री सूरत टैक्स्टाईल मारकेट को०-ग्रो० शोष्स एण्ड बेरहातीस सोसायटी लि० रींग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) मे॰ हाजी रसीम हाजी हसन दादा टैक्सटाइल मार्केट रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क प्रवाहियां करता हूं।

**उक्त सम्बद्धि के वर्जन के** सम्बन्ध में कोई भी अक्ता --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की अवधि या तत्राम्बन्धी व्यक्ति तो पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकर
  व्यक्तिया में से स्वाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकर
- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगे; जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भ्रनु रूची

भाफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई पर फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया या है। साई जे 185 वर्ग फीट भ्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी **सहायक ग्रा**ककर ग्रायुक्त (निरिक्षण) **ग्राजंन रेंज**-I<sub>I</sub>,ग्रहमदाबाष

दिवाँक : 5-2-1986

प्रकृषः आहोः दौः एवः एवः, - ० - ० ०

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुपना

#### भारत सरकाह

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, धहमदाबाद

भ्रहमदाबार, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निदेश सं०पी० श्रार० सं० 4185/ --- भतः मुझे, पी० श्री० खण्डे लवाल.

बायकर शिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि ल्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-35. से अधिक है

भौर ि का संबद्धां व्याव एस वसंव 8, रिगरोड, सूरत में बनाए हुए या बनते भारहे आफिसों में हिस्सा है।

(और इनके उताबद्ध अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्टिंग्वती अधिकारी के कार्यालय, **अहमदाबाद में** रिक्ट्रिक्टण अधिनियम, 37ईई का के अधीन, दिनौंक 10-5-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संप्रित का उचित वाकार मृत्य उत्तक रूथमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब साथा गया प्रतिफल निम्निवित उपूर्वेष्य से उच्छ बन्तरक अधिक में वास्तविक रूप से कियत वही विकास वा है ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बावत खबक बीधीनयज्ञ के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कनो करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए; कौर/सा
- ्थः. एंगी किसी आय या किसी भन वा अन्य वास्तियाँ को. जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अत: शव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की अनुबर्क में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन निजनलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् हे— (1) वो सूरत टेक्तटाईल मा ेंट को० श्रो० शोध्त एण्ड वेरहातात सोताबटा लि० रिंग रोड सूरत ।

(अन्तरक)

(2) हसमृखलाल नत्थालाल वर्कालना महीषरपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

की वह सुधना बारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता होता.

वक्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षंप .---

- (क) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स् १००००० व्यक्ति हो के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा,
- (च) इस स्वना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भी पर उक्त स्थावर सम्मत्ति मी हिंदी- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पान निवित मी किए का महीता।

स्वक्रीकरण:—इस्त्रें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का सकत गीधान्यम के अध्याय 20-क . मा पाँदशायित इं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विषा नवा हैं।

# धन् सूची

माफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई प्राफार्न यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। बाईजे 185 वर्ग फीट मचवा 166 वर्ग कीट है।

> पीं० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ध्रजैन रेंज-11, श्रहमदाबाद

दिनौक : 5-2-1986

प्रस्य वार्यः सी. एम., <u>एष.----</u>--

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सहकार

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, घहमदाबाद धहमदाबाद, विनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4186/II/85-86--श्रतः मुझे,

पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संव टीवपीव एसव संव 8, रिंग रोड, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिय में हिस्सा सूरत में स्थित है (भीर इसके उगबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण

ग्रधानयम, 37ईई के श्रधीन, 10-5-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (मंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकता, मिन्तिसिविव उद्योग्य हो। उन्त बन्तपुर विविध में बास्तिक रूप थे कवित वहीं किया बना है ह---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त समितियम को वधीन कर दोने के जन्तरक से बाबित्व में कमी फरने या उससे बचने हों सुविधा ने रिक्षः नीह्र/या
- (ब) एसी किसी भाग या किसी भग या जन्म भारितायाँ को जिल्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भारा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे विका

बत: बद, ६वत मधिनयम, की बाच 269-व से अनुपर्त मैं, मैं, तक्त अधिनियम की भारा 269-क की जयभन्ता (1) 🐗 अभीत, निम्मसिक्ति व्यक्तियाँ, अर्थात् 🐎 🛶

 दी सुरत टैक्सटाईल मारकेट को०-म्रा० शंःप एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड, सुरत ।

(श्रन:रिती)

(2) मे॰ हिरालाल मंच्छाराम एण्ड सन्स प्रा० ल० काला दरवाणा, सूरत ।

(भ्रन रिती)

**की यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त** सम्परित के अर्ज के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्बन के सम्बन्ध में कोर्ड भी उत्तर १० -

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की गरीस स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन को बर्वा जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत पूर्वेक्ट म्यक्तियाँ मों से किसी व्यक्तित दवाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ारीस सं 45 दिन के भीतर उदत स्थानर सम्परित में हतनक्षा किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षर के नाल विविद्याने किए वासकों थे।

**लब्बीकरण:--इसमें** प्रयुक्त शब्दों और पदों का. हे उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वश्याय 🚈 दिया 441 EL

#### धनुसूची

श्राफिस जो चरत में स्थित है। 37ईई का फार्न यह का तीलय में दिनौंक 10-5-85 की पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट भ्रथना 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्लेबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, श्रहः दाबाद

विनौक : 5-2-1986

#### प्राप्त सहकाड

# आर्थाभव , सहावक बावकार बायुक्त (विद्राव्यक्त)

श्रर्जन रेंजन्धि, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौक 5 फरवरी 1986 ं

निदेश सं० पो० म्रार० सं० 4187/II/85-86--म्प्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेनवाल,

गायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते परवात् 'उन्ते जिसिन्यमं कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० पी० एस० सं० 8, रिगरोड, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहें भ्राफिसों में हिस्सा में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के श्रधीन 10~5-85,

को पूर्वोक्क संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई

हैं और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पृसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रच के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से बक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गर्डी किया क्या हैं:—

- (क) बन्तरुण से हुई किसी बाय भी वाक्स, उस्थ विधिनियम के वधीन कर दोने में अन्तर्क से दायि व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के रिप; बौर∕या
- (च) देनी किसी बाध या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा वी जिया?

वरः वजः, उवर विभिन्यमं कौ भारः 269-ग कै वनुसरण हो, हो, उवर विभिन्यमं की भारः 269-ए की उध्धारः (१) है वभीन, निस्तिनियां स्वित्यों, वधीत् हे---

- (1) दी सूरत टैक्नटाइल मारकेट को०-ग्रो० शोष्य एण्ड बैरहासीस सीसायटी लि० रिंग रोड, सूरत । (ग्रन्तरिक)
- (2) मैं ० हीरा वस्त्रालय रिंग रोड, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील शे 30 दिन की अविधि, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में हे किसी स्थित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पाड़ सिचित में किए का सकोंगे।

विकासिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो सक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

# अम्सू ची

श्राफिस जो सू ात में स्थित है, 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट प्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-II, महमदाबाद

दिनौं ह : 5-2-1986,

१४४ - १ राज रक्षात्वक र राज्यका स्थाप अञ्चल स्थापना स्थापन स्थापना स्थापन स्थापना स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थाप

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद दिशांक 5 फरवरी 1986

िदिया संविधि अस्विनं अस्ति। ४१८८/Ш/85-86---अस्तः मुझे, पीव डीव खण्डेल्लासः.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

श्रीरिति की संव टीवपीव एसवसंव 8, रिगरोड, मुद्दा में बनाए हुए या बाले का रहे किसों में हिल्ला में स्थार है (श्रीर इससे उनाबद का पुत्री में श्रार पूर्ण कर से विणा है), रिवस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्व , अहनदाबाद में रिवस्ट्रीव एण अधिनियम, 37ईई के अधीत, दिलांक 10-5-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार प्रत्य, असफ स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का गहुड़ प्रतिकात में अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिका में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के किए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः गर्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अथिक्तयों, अर्थात्:—

- (1) दी सुरत टंक्सटाइल मार्येट को० भ्रो० गोण्ड एण्ड वेप्ट्सित सोतायटी लि० पिंग रोड, सूरा । (अन्तरक)
- (2) श्री हसमुखलाल भरवालाल पानवाला मोटा मोहल्ला, सुरक्ष ।

(अन्तरिती )

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त स्थाक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क् शहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

#### बन्स्ची

आफिस जो सुरत में स्थित है, 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166वर्ग फीट है।

> पीण्डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-प, अहमदाबाद

**वि**नांक : 5-2-1986

प्रसम आहें .टी. एन. एस . -----

भावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के वधीन स्थना

#### नारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निर्दाक्क) अर्जन रेंज-II, अहमदानाद अहमदानाद, दिलांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० स० 4189/II/85-86--- अस: मुझे, पी० डी० खण्डेन्यास;

लायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके प्रकार, 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ए के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का प्रारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित नाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर िलकी सं० टी० पी० एस० सं० 58, रिगरोड, सुरक्ष में बक्षण हुए या बक्ते जा रहे आफिसों में हिस्सा में स्थित है (प्रोप टलसे जनबद्ध अनुसूची में म्रांट पूर्ण रूप से विणा है), रिजिन्ही की कितारी के अर्थाल, अहमतबाद में किन्द्री-करण किनियम, 37ईई के अर्थीन, दिलंक 10-5-1985,

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्धः जन, उक्त जीभीनयम की भारा 269-व के वज्करण थें, में उक्त वीभीनयम की भारा 269-व की दश्भारा (4) वे क्षीन, मिक्रमिथित व्यक्तिहर्ते, अर्थाह क्रम्म

- (1) दो० सूरत देकाटाइन भारकट को०-आए० सोप्स एण्ड बेपहासील सोपायटी लि०, पिग रोड, सूरत (अन्तरक)
- (2) श्री हिरालाल गुलाबचन्य जी प्रश्नार, टैक्सटाइल मःकट, रिंग सुरक्ष ।

(अन्दर्शिती )

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्य-वाहियां करका हुं।

उक्त संपरित को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तार पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति एवारा अधाहरनाक्षरी के शास निवित मों किए वा सकींगे।

स्मध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आफिस जो सुरत में ल्यित है, 37ईई टा फार्म यह कार्याक्षय में दितां र 10-5-85 की पेटा किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल ंअस्य प्राधिकारी सहायक आयाहर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जेश रेंज-II, अठमदाबाद

-विनांक : 5-2-1988

मोहर ;

अक्य वार्ड, टी. एन. एस. ------

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर जावूक्त (निरोक्तण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० **भार० वं०** 4190/<sup>™</sup>/85-86—अतः मुझे<sub>,</sub> पी० डी० खण्डेतवाल,

श्रायकः श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके व्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्थायर संपीत जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. में अधिक हैं

श्रीर जिन्नकी सं० टी० पी० एस० सं० 8, रिंगरोड, सुर ६ में बनाए हुए या बाने जा रहे आफिसों में हिस्ता जो सुरत में स्थित है (श्रीर इसके उनाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणिदः है) शिक्स्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्याच्या, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीयरण अधिक्यिम, 37ईई के अधीन, दिनांक 10-5-85,

को पर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में बास्सिक हम से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अथित क्रिक्त

- (1) दी सुरक्ष टैकाटाइक्ष मारकेट को०-जाप० गोल्स एण्ड बेरहासीय सोसायटी लि० पिग रोड, सूरका। (अन्तरक)
- (2) श्री हिरालाल नाथूलाल जी मद्रीचा रिंगरोड, सुरत ।

(अन्तर्रातो )

को यह स्थाना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों इर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभिनियम, के बभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसू त्री

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिल्लंड 10-5-85 को पेक किया गया है। काई न 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिका**री** सहाय क आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंड:–II, अहमदाबाद

दिनां ह : 5-12-1985

भीहर:

# शक्त नार्द्, दी. एन . एष . ------

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### शारत बडका

# कार्याजन, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-II, अहर्मदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर.० नं०  $419 \, \mathrm{J/II/85-86--}$ अतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर न्धिनियम, 1961 (1961 का 43) विसं इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

म्रांर जिसकी सं टी० पि० एस० सं० 8, रिंगरोड, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे रहे आफिसों में हिस्सा है (भ्रीर इसके उपायद अनुसूची में म्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, ( 37ईई का 16) के अधीन, दिनांक 10-5-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित के बास्तिक स्प ने क्षिणत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कभी करने वा उससे अचने में सुविधा के निग्र; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं ने स्विका के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विकास किता व्यक्तियों, सर्थात :---- 28—6 GI/86

- (1) दी सूरल टैंकपटाइल मारकेट को०~आए० शोष्प एण्ड बेथहासीस सामायटी लि० रिग रोड, सूरत (अन्तरक)
- (2) श्री हरिबन्त वलवन्तलाल मुरुष ।

(अन्धरिती)

करं यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप !!--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामीस से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

### मन्पूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईश 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेनवाल सक्षम प्राधि प्रारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण ) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिभांक : 5-2-1986

मोहर

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भाष्यकार व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की **भाष** 2**69-व (1) के वभी**न सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वाय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेज--1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांग 5 फरवरी 1986

निर्वेण सं० पी० आप० नं० 4192/II/85—86——अनः मुझे, पी० डो० खण्डेलवल,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

प्रांग कि से विशेष पित एपा से 8, रिगरोड, सूर्य में बनाए हुए या बनते जा रहे आ फिसों में हिस्सा है (प्रांप इसके उपाबद अनुसूची में प्रांप पूर्ण रूप से विणय है), पित्रही-कर्ता अधिकारी के जायिक्य, अहमदाबाद में एित्रही-करण अधिकियम, (37ईई का 16) के अधीन, दिक्षां के 10-5-85, का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाबार मृस्य से कम के स्वयमान प्रिष्ठिक के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उपात बाजार मृस्य, इसके स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उपात बाजार मृस्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह बित्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वित्रकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कर्यावक है से से क्या में करने के से से क्या नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के सधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिधा के निष्; और/या
- (ल) युनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों :: जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपन्यत्रार्थ अतिरक्षी द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला गया ना का का जाना जाना जाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

भतः वज् , उक्त विधिनियम , की भारा 269-ग के अनुसरण कों , में , उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के को विधीन , निम्निजित व्यक्तियों , अर्थात ्र--- (1) भी सूल टकाटा**ई**ल मारकेट को०-म्रो० मोणा एण्ड बेथहासीस सोबायटी लि०, रिंग रोड, सूला ।

(अन्दरमा

(2) श्री हुन्त्या बीरधचन्य छाजरे वालाघ रोड, सुरक्ष ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा सकने।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिवा यस हैं।

#### अभूस्ची

अ(फिन जो सूरन में स्थित है। 37ईई हाफार्म यह जार्यालय में दिशांत 10-5-85 को पेश हिया गया है। साईन 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल पक्षम प्राधिकारी प्रहाय हे आग्र कर आयुक्तः (निरीक्षण), अर्जन रेज,—II, अड्मदाबाद

বিবাজ : 5-2-1986

मोहिंग :

# प्रकर बाह्र : ही. एत : एत : -----

# नायकर विभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के वभीत तुमना

#### भारत चडुकाडु

कार्यासय, सहायक बाबकर बाबुक्त (निर्दाक्षण)

अहमदाबाद, दिलांक 5 फलवरी 1986

निवेश सं० पी० आए० नं० 4193/II/85-86--अतः, मुझे, पी० डी० खण्डेल्याल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' बहा गया है')., की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रीर जिन्नकी मं० टी० पी० एस० सं० 8, पिगरोड, सूटा में बनाए हुए या बनते जा पहे आफिसों में हिल्ला है (ब्रॉप इसके उसबद्ध अनुसूची में ब्रॉप पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजल्द्री हर्ता अधि हारी के कार्यानय, जहाराबाद में रिजल्द्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन, दिन्नों हु 10-5-85

की प्थेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यान प्रतिकत सं, एसे दृश्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) को र पंतरिती (अन्तरितिरों) के बीच एसे अन्वरण के लिए त्य गया नवा प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्विध्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक कें सामित्र में कमी करने या उसस बचले में सर्विश्व अक्षिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या कस्य वास्तियों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना चाहिए था क्रिपाने में स्विधा के किए;

त्रतः क्या, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए वी व्यवस्थिन मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैंसर्स दि सूरत टैक्पटाईन मारकेट को-प्राप० गोप्स एंड वेयरहाउसीस सोसायटी लि०, रिंग रोड़ सूरत । (अन्यरक)
- (2) श्री हीरानन्द **छुग सुपुत्र** केवलराम 70, कोट**धार**नगर, रंदेर रोड, सुरक्षा

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की तिक कार्यविमहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की वारीश है 45 दिन की अविध मा तत्श्वम्त्रणी स्वीक्तयों पर स्वना की ताजील से 30 दिन की वविध, को भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस ब्रंचना के राज्यक में प्रकावन की कारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकतें।

स्पाका करणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्क अभिनियम, के बच्याय 20-क में परिभाषित ही. वहीं वर्ष होगा की संस अध्यात में दिया गया ही।

#### नगुसुची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेतवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुका (निरीक्षण), अर्जन रोज–II, अहमदाबाद

दिनांक : 5-2-1986

प्ररूप नाइ, टी. एन. एस.,-----

# बारफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) हैस्डलूम हाउस, माश्रम रोड अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4194/II/85-86—अतः, मझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांग जिसकी मं र टी श्यो श्राप्त मं 8, रिगरोड, सूरत बनाए में हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है (ग्रींग इससे उपाब अनुसूची में भ्रांग पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई अधीन 10-5-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्विश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बास्तविक रूप से कांस्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संसूर्ध किसी आयः की बाबत, उक्त नियम भी अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/भा
- (ख) एरे ते किसी आग या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों जधीतु—

- (1) में सर्स दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट की-श्रो शोष्स एण्ड बेयरहाऊसीस सोसायटी लि०, रिंग रोड, सूरत । (अन्तरक)
- (2) मे० हिंमतमल रमेशचन्द्र, रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशनः की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचमा के रक्ष्यपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिताब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकीं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुपूर्वी

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईख 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II,अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

# प्रस्त वार्ड . टी . एन . एवं , -----

# नाथकर नांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

#### बारव बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

हेन्डलूम हाउस, ग्राश्रम रोड,
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
अडमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4195/II/85-86--अतः, मुझी, पी० डी० खण्डेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

द्याँग जिसकी स० टो० पी० एस० नं० 8, रिगरोड, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है (द्याँग इससे उपाबद अनुसूची में प्राँग पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रो कर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन, दिनांक 10-5-1986,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिकास को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकाल से एसे द्रयमान प्रतिकाल का पत्वह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकास, निम्निविचित उद्योष्य से उन्तर अन्तरण सिचिक के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी नाय की वावत, उक्त विधिनवस को वधीन कर वेगे को कन्तरक को वासित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा को सिए; बॉर/या
- एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा औ जिंदे;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अधीत :---

 (1) दी मूरत टैक्सटाइल मारकेट की-फ्रो० शोष्य एण्ड वेयरहाउसीम मोसायटी लि०, रिग शेड, सूरत ।

(अन्त्रापक)

(2) श्रीमती हेमलता महेन्द्रसिहजी सिंघबी सूमृल डेरी रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना चारी करके प्रबोक्त रूपित के अर्थन के सिए कार्यगाहियां करता हुं।

वन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिबत में किये था सकोंगे।

स्थव्यीकरण:---इक्षमें प्रयुक्त शब्दों और धर्वी का, को उपव अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होता को उस अध्याय में विया गया है।

## **भ्रनुसू**ची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबा<del>ह</del>

दिमांक : 5-2-1986

# त्रक्थ बाइ . टी. एन. एस.------

# नायकर नीधनियस, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याभय, सहायक गायक र वायुक्त (विरोधण)

हेन्डसूम हाउस, ग्राश्रम रोड अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांग 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4196/ /85-86--अतः मुझे। पी० डी० खण्डेलवालः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्४.तर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रॉण जि.की सं विशेषित एसक नं विश्व रोड, सूरत में ब्रिंग हुए या बात का महे आपिसे में किया है (श्र के इससे एए) व्ह अनुभुकी में श्रॉण पूर्ण रूप में विश्व है) रिवर्टी- इसी अधिकारी के वार्यावस, अहमदाबाद में किएहीं- अधिकायम, अर्ह्ह के अधीक, विभाक 10-5-85

्र पृथिनित संपत्ति के उचित बाबार मृत्य सं कम के व्यवधान प्रिक्षित के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृजेक्ति संपत्ति का उचित बाबार ब्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से एसे दश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत उक्त अधि-ानयम के मधीन कर दाने के अन्तरक के दाविस्य में कभी अरमें या उनमें बचने में स्विधा के किये; नाह्र/पा
- (स) एसी किसी बाय वा किसी थन वा बन्च बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा बक्त विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवीधनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा सा वा किया बाना चाहिए था, क्रियाने में नृतिका के क्रिया;

अत: अब:, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण व, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नतिस्तिक चिक्तयों, अर्थात् ---

- (1) दी सुरत टैक्सटाइल मारकेट को-ओ० शोष्स एण्ड वेयरहाउसील सोसायटी लि०, रिंग रोड, सूरत । (अन्तर्क)
- (2) श्री हरबन्नलाल अविनाणीराम साहनी नानपुरा, तिमालियाबाड सुरन ।

(अन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

## क्ष्मत कर्मात्त के वर्षन के क्ष्मान्य में कोई भी बाक्षेप क्र---

- (क) इस त्यान के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की जनकि ना तत्सम्बन्धी कानितायों पर स्थान की ताबीज से 30 दिन की जनकि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वितायों में से किसी कावित हवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर जन्म स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्द स्थवित द्वारा मभोइस्ताक्षरी के गस जिल्हित में किए जा सकेंगे।

#### अनुसूची

आफिय जो सूरत में स्थित हैं। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनां क 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी ग्रसहायकायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

दिनांक : 5--2-86

र्माहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) हेण्डलूम हाउस, ग्राश्रम रोड, ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवेण सं० पी० श्रार० सं० 4197/II/85-86—श्रतः, मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० टी० पी० एस० सं० 8, रिगरोड, सूरत में बना हुए या बनते जा रहे ग्राफिसों में हिस्सा है (ग्रौर इससे उपावश्व ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमधाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 37ईई के श्रधीन, विनांक 10-5-1985,

कां पूर्योक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य सं क्रम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का ठारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नितिसित उस्परेय से उकत अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से क्षिण नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की, वावस, सबस अधिनियम के वधीन कर वोने के अध्यरक के दारियरव में कभी करने या उससे क्थने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य नीलिए:

अतः अग्रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कथीन, विस्तृतिखित व्यक्तियों, वर्धातः :----- (1) दी सूरत टैक्सटाइल मारकेट को-ओ० फोल्स एण्ड वेयरहाउसीस मोमायटी लि०,रिंग रोड, सूरत । (श्रन्तरिती)

<del>nees ee</del>rount en in,~~ . --

(2) मेसर्म एच० डी० सिल्क मिल्स रिंग रोड, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बन्गरित के वर्षन के तंबंध में कोई भी आक्रोप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में किसी व्यक्ति दवारा;

स्गष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

# अनुमूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईआ 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

दिनांक : 5-2-1986

भायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सचना

#### मारत तरुकार

# कार्यालय, बहायक जायकर आयक्त (निर्दाक्तक)

हेन्डलूम हाउस, श्राश्रम रोड, ग्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 4198/I<sub>I</sub>/85-86-- ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमे

इसके परूपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाच र रने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्य 1,00,000/- रठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे ग्राफिसों में हिस्सा है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-वर्ता श्रधिवारी के वार्यालय श्रहमदाबाद मैं रजिस्ट्रीवारण ग्रधि-नियम, 37ईई के श्रधीन, दिनांदा 10-5-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान वितिज्ञ के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य असके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तम, निम्निसिसित उच्चेस्य से अस्त कन्तरण कि बित में वास्त-

- ेंका अन्तरक सं हुए किसी जान की नानता, उन्धर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा में लिए; सार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्य जास्तियों कों, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था स्थिमने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ४ में अक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१९ के बधीन, निम्निमिक्त व्यक्तियों, वर्षात हु—

- (1) दी सूरत टैक्सटाईल मारकेट को मो॰ शोष्से एण्ड वेयरहाउसीस सोसायटी लि॰, रिंग रोड, सूरत। (अन्तरक)
- (2) मे**ं ई**श्वरलाल केशवलाल जरीवाला सँगदपुरा, सुरक्ष ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के किश्

# उनक संपरित के जर्जन की संबंध में काहे भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जबिंच वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी स्वित्य स्वाच;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थानित द्वारा, क्येह्स्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, यो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में जिल्हा भवा हुँ॥

#### भनुसूची

न्नाफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी**० खण्डे**लबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज—II<sub>३</sub> ग्रहमदाबाद

विनांक : 5-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, हॉंडल्म हाऊस, आश्रम रोड अहमदाबाद

भ्रहमसाबाद, दिनांकः 5 फरवरी 1986

निदेश सं०पी० भ्रार० नं० 4199/II/85-86--- भ्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावत्र संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रा. से अधिक हैं
और जिसकी सं. टी. पी. एस. गं. 8, रिंग रोड, सूरत में
बनाए गए या बनते जा रहें आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत
में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनम्ची में और पूर्ण रूप से
विजित हैं), रजिस्त्रीकर्ण अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ई ई के अधीन 10-5-1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन वाजार मृल्य में कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतिरन की गई हैं और मूके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिवक रूप म किथन नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किमी धन या अन्य आम्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बाधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अधीर :---

- (1) दी सूरत टौक्सटाइल मिकेंट को आ शोप्स एण्ड वयरहाउन्सीस सोसायटी लि. रिंग रोह, सूरत। (भ्रन्सरक)
- (2) मी. ईश्वरलाल चुनीलाल गांधी गांधीनगर, सुरत ।

(श्रम्सिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उंकत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश विया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 168 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-II, ग्रहमदाकाद

तारीख: 5-2-1986

प्रस्थ बार्ष : दो : यून : एवं : ----

बायकर प्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 ए कि के प्राप्त

#### WHEN WALL

कार्यांलय, सहायक आयकर बायकत (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-II, हैन्डलूम हाउस, आश्रम रोड, भ्रहमदाबाद

सहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश मं० पी० ग्राग्० नं० 4200/II/85-86--यत: मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अर्थिनियम, 1961 (१०६) का 43) (जिसे इसमें इसके परवात पिक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 मा के लाधीन गक्षम ग्रां-कार्य को रह विकास करने का कारण है कि स्थान अधीन विकास विकास प्रकास ग्रांच है। कि स्थान अधीन विकास प्रकास ग्रांच मन्य 1,00 है। १८७७ का संदर्भना है

श्रीर जिसकी संव टीवपीव एसव नंद है, जिस रोख, स्वत में बनाए हुए या बनते जा रहे शाफिसों से हिस्ला है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबट श्रन्स ची से श्रीव पर्ण स्प से विजान है), रिविस्ट्री ति अधिवारी के वार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री रण श्रिधित्यम, 37ईई के श्रधीन, 10-5-85

- (क) अन्तरण यं तृष्टं किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निक्य; और/शा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सोच्या के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) दी सूरत टेक्सटाइल मारकेट को-ग्रॉप० शॉप्स एण्ड. देयरहाउस सोसायटी लि०, रिंग रोड, सूरत । (अन्तरक)
- (2) मै॰ ईश्वरलाल एण्ड सन्स इच्छादोशिनी वाडी सूरत-2। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वेंक्ति सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यताहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर अवित्वों में से किसी स्वक्ति इवारा:
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाबन की तारीस सं 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बस्थ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताकारी के स्था स्थिता को स्थान स्थान ।

## ग्रन्पूवी

अपिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई दा फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाव वस्त्र साधिकारी सहायक भारकर स्थान (रिरंक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 5-2-1986

प्रकृष बार्त . हो . प्रस् . एवं . ....

बायकर अभिनियम, 1967 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांवः 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० ग्राग्० सं० 4201——ग्रत: मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. रिजयका उपिस बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी सं टी॰ पी॰ एस॰ सं ८ ८, रिंग रोड, सुन्त में बनाए हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा में स्थित है (म्रौर इसके उपाबद्ध अनुसुची में म्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता म्रिधिनारी के कार्यालय, फोर्म 37ईई—शहमदाबाद में रिलस्ट्री-करण म्रिधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के म्रिधीन, दिनांक 10~5-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य सं कम के स्वयम प्रितफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह् प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निजनित्तिस्ति उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखिक के बास्तिस्त करण से अधिक कर्ने बास्तिस्त करण से अधिक के बास्तिस्त करण से अधिक कर्ने बास्तिस्त करण से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स शु६ किसी आध को बाबत, उक्त गोधित्यम अं अधीन कर दर्भ को अन्तरक के दावित्य में क्षमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। और स
- (अ) एम किसी आय गा किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यान में मुविधा औ निष्ट:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम को धारा 269-ध का उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तिकों, अधीत क्र

- (1) दी सुरत टैकाटाई न मारकेट को०-स्रो० शोष्स एण्ड बे हातीह सोतायटी चि० रिंग रोड, सुरत । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स धार० पी० वी० वलर सम्पनी 9/162 खांडवाला स्ट्रीष्ट, वाडी पलीया, सुरत ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्मित के अर्जन क संबंध ए कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि हो तस्तवी व्यावतिया पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  विधि वाह मा समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकर
  स्वीवतवों में स्वीमार्टी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत स्वाना के राजधन में प्रकाशन की तारीखं स 45 दिन के भीतर उक्तर स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बह्ध किसी व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पाट सिसित में किस जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इस्तः प्रज्ञत शन्दो अरेर पदा का, जा उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क मे परिभाषित हो, नहीं अर्थ हामा ना उस अध्याय मे दिया राजा ही।

#### अनस् ची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई ा फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल उक्षम प्राधिकारी सहायः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज–I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 5-2-1986

प्ररूप **आई**.टी.एन.एस.---- -

नाप्तकर नेभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### गारत रख्या

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिलांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० सं० 4202—-ग्रहः, मुझे, पी० की० खंडेलवाल.

क्षेत्रकर क्रांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९-च के अभीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सुण में बनाए हुए या बनते जा रहे आफसों में हिम्सा है, जो अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसने उपाब द, अनुसुची में भार पूर्ण कप में से बणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के आयित्य, फोर्म 37-ई ई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकिएम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 10 मई, 1985

ी प्रतिकत सम्मिति के तिकत बाजार मृश्य से कम के कममान भितिकत के लिए बंतरित की गई है जौर मुम्हे यह जिस्ताल करने का कारण है कि सभापनोंकत सम्मित्त का उचित बाजार मृश्य, उसके दरण्यान भीतकत में एक प्रत्य अपना अतिकत का प्रतिकत के प्रतिकत से लिक हो और बंतरिक (अंतरकार) और बंतरित (बन्तरितियाँ) के धीच एमें जन्तरण के लिए तब पाया गना पितकत, विक्वतिवित उद्दोष्य से उक्त बन्तरण विकित वो वास्तिविक स्था वो कांचिक वा वास्तिविक स्था वो कांचिक वार्ष वास्तिविक स्था वास्त

- (क) मंतरण से हुई जिसी जाव की नावल, उक्स कथि-निवस के अधीन कर दोने के नंतरक के समित्व में कभी करने या उक्त वचने में तृतिभा के जिए; वरि/श
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जम्ब वास्तियों को विन्हें भारतीय जायकर अधिनिश्वम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिश्वम, या धन-अट अधिनिश्वम 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जैतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निए।

बत: जब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त्ररण बौ, मौ, उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) बै अधीन : निस्त्रतिश्वित व्या

- दी सुण टेक्सटाइट मार्कीट गो० थ० शॉप्स एण्ड वेरहासीय सोसायटी लि० रिंग रोड़, सुरा (अन्यरक)
- 2. मैसर्स **ई**पवरलाल बी० काजीवा**ला** बेगमपुरा, कीलीबाङ, भुरत

(अनारितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीज वें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त हाती हो, की भीतर प्रवेषित क्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा
- (क) इस सूचना को राजपण मं प्रकासन को तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पास सिकिस में किए का सकेंचे।

## मनस्ची

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ई है का फार्म इस कार्या-लय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेनवाल ःक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

### प्रकप आई. ही. एन. एस. -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यांचय, सहायक आयकर भागकत (निराक्षण)

अर्जप वेल-१, अहमदायाद

अहमदाबाद, दिनां . 5 फावरी 1986

निर्देश सं०पी० आर० नं० 4203---- श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव टीव पीव एतव सं 8 िग रोड़, सुरत में बनाए दृष्धा बन्दी का पहें आफिसों में हिस्सा स्थित हैं (श्रीप इसमें उपाबद अनुसूर्वा में श्रीप पूर्ण कपाने बणित हैं), रिजस्ट्रीजिती अधिकारी के आर्थावर, फार्म 32-ई ई श्रह्मदाबाद में रिल्ट्रिकरण अधिकियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन, सारीय 10 कुन, 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी ब्यय या किसी भन या बच्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति तो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के किए;

क्तः अय, उस्त जीभीनवम की भारा 269-ज के जनुबरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) वे अभीभ, जिल्लाविक स्वीकार्यों, अभीक्षः—  श्री पुष्प डेक्टलाइ १ कालीय काल तामक कोण्य एण्ड वर्त्वासांस साथ एडी थिक पिषा राष्ट्र, सुराव (\*\*\*\*\*\*\*)

(अन्तर्क)

2. ो एसमारच नूर माह्म्मद सिल्ज्वाचा सिधीवाड़, ची ६ बाजार, सुरत ।

(अन्तरिती)

# का वह तुमना भारी करके पूर्वोक्त तन्परित के अर्जन के हिस् कार्यनाहिया करता हो।

उसत इपास के अजन के सबध का कोई भी काक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क 45 दिन को अवांच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन का अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी क्यांक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्भ निक्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पद्दां का, जो उक्त अधिनियम, क्षे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

#### क्यून्द्री

आफिस जो सुरत में स्थित है । 37-ई ई का फार्म इस कार्यालय में दिनां हु 10-5-85 को पेश दिया गया है । साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है ।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **प्रह**मदाबाद

तारीख : 5-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशां 5 फर्दरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4204--- श्रतः मुझे, वी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जि.को सं० टी०पी० एस० नं० ९ रिंग रोड, सूरः में बताए हुए या बनते जा न्हें आफिसों में हिस्सा में है (श्रोर इस्ते उताबद्ध अनुभूकों में श्रोर पूर्व कर ने वॉन्ड है), रितस्ट्री उर्ता पिश्च पर्रा का पर्योग्ध, फार्म 37-इंडे बहुन सबाद में रिजस्ट्री जर्च अधिति, रार्रोख 10-5-1965

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- वी गुरा डेक्स्टाइन मार्जीट को-आप० शोष्य एण्ड वेपहा-सीस सोलायटी ि० रिग गेड़, सुरत । (अन्तरक)
- 2. श्री रत्यत्र कुमार गुरमाम सिह जुनेजा साई अअपार्टमेंट मैं कंड फ्लोर रूम नं० 25, धानपुरा, सुरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास न्लिखित में किए जा सकर्गे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयस के अन्दाय 20-ए से वश्य परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वन्स्ची

शाफिस जो सुरत में स्थित है। 27-ई ई का फार्म इस कार्यालय में शिक्क 10-5-85 को पेश किया गया है। लाईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेनडाः राक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

सारीख : 5-2-1986

# प्ररूप बार्ष .टी . एन . एस . -----

# बाबकर बाधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्थालय, सहायक जायकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फ वरी 1986

निर्देश सं० पी० आए० नं० ४८७५—-ग्रन: मुझे, पी**०** डी० खंडेलवाल.

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स को बाबीन सक्ष्म 'पिया हो को यह निकटाम करने का आरण है कि स्थावर सम्बंक, जिसका रुचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संव टीव पीवएसव संव 8, जो िंग रोड़ पुरत में बनाएहए या वस्ते एक पहें स्र पिसों में हिस्ता में है, (स्रौर इस्तो प्राथक अनुसकी में स्रोप पर्ण क्या स्वणित है) रिजिस्ट्री इन्तिशिध परी है पास्तिय फार्म 37-ईके अहमदाबाद में रिलिस्ट्री इरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख 10-मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नुव पान। भया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में अस्मिक क्य से किथित नहीं किया गया है :---

र्काणीनयम के जभीन कर दाने के अतस्क क दर्धावरू में कमी करने या उसमें क्वने में सुविभा के लिए: ब्रीर/या

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती ध्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जन त्रवं, उक्रन अधिनियम की धारा 269-व **के बनुसरण** वें, मैं, उक्रम अधिनियम की धारा 269-व की जमधारा (1) क्षे अधीन निम्नलि**वित स्मालक्षियां वर्षात** क्षे

- दो अता टेक्स्ट(इत मार्कीट को० आप० शोष्स एए वेप्ताबोध सोसायटो लि० रिगरोड़, सुरत । (अन्तरक)
- 2. श्री उन्द्र तिह सोहातीता धुपीया 40, यहयोग सोयायटी सम्पुर डेरी के नजदीक, सुरत । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पिक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दस्थ किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्रांक्षरी के पास विकास में किए या तकींगे!

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में द्रिया गया है।

#### स्त्र स सी

आफिस जो नुष्त में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कायिक्य में दिलांज 10-5-85 को पेण क्या गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 160 वर्ग फीट है।

> पी० डो० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1986

प्रकथ आहाँ . टी . एन . एस . ------

कायफर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के बधीन स्वना

भारत संस्कृत्य

कार्यालय, तहायक जायकर आयक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनोंा 5 फल्क्सी 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 420 ५---यनः मुझे, पी० डी० खंडेलवानः

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-क के लभीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाजार मूल्य 1.00.000/- क. से अधिक ही

श्रीर जिलकी संव टीव बीव एतव तंव 8, तिंग रोड, सूरत में विभाग है त्या जो सूरत में विभाग है त्या जो सूरत में विभाग है (यो श्री क्रिक्त है (यो श्री क्रिक्त है (यो श्री क्रिक्त है (यो श्री क्रिक्त विभाग विभाग

का पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तिरित की गर्ड और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे व्यथमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकत में बास्तिक कप ने किका महीं किया क्या है:—

- (क) व्यक्तरण से हुई किली बाग की वाबत, उक्त जीवनिवस में अभीन कर दोने के अन्तरण के दासिस्थ में केनी करने या सबसे बचने में सुनिधा के लिए; खरि/या
  - (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा अस्य आस्तियों करे, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसांसनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया त्या था या निया जाना चाहिए था, कियाने में शिवधा के लिए;

कतः अव, तकत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण कों, मीं, उक्त अध्यतियम की धारा 269-व की अपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् अस्ति

- दी सूं ा टेक्इडाइल शारकेट को-ऑप० णाप्स एण्ड वेयरहाउसीस सोकायटी लि०, रिंग रोड, सूरत।
   (अन्तरक)
- श्री ईश्रकुमार भोलाराम नन्दवानी, 24, कोटयार-भगर सोजायटी, रैंडाश रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थंभ के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाझेप :---

- (कां) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्कीकरणः — इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधि जिसमा की अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसुची

आफिस जोस् ा में स्थित है। 37-ईई ज फार्म यह कामलिय में दिलांत्र 10-5-35 की पेश िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 163 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेल**वा**ल स्थम प्राधिकारी सहायच आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रोज-II, अहमदाबाद

नारील: 5-1-1986

प्रक्य नाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यांसय सहायक जायकर वायुक्त (विरीक्तक)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 4207—~यत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00000/रुपये से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संवटीव पीव एसवनंव 8, रिंगरोड, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अन्सूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री नर्ता अधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूस्थ से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्य पाया गया अतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वं हुई किसी बाव की बावस उक्स किथ-शिधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुर्देवधा के लिए: और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या धन या अण्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधाग (1) है जधीन, निम्निसिचित व्यक्तिकों, जर्थात क——
30—6 GI/86

- 1. दी सूरत टेक्सटाइल मारकेट की-आप० शॉप्स एण्ड वयरहाउसीस मोसायटी लि०, रिंग रोड, सूरत । (ग्रन्तरक)
- 2. मं ० जे ० सी ० मद्रासो, रस्तमपुरा, दीवानजी की वाड़ो, सूरत-2 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोंकत सम्मत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बंबिथ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की जबिथ, वो भी अविध बाज में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी स्पेक्त व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

ल्बब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वां सन्ध निर्मियम के नध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया ही।

#### वन्त्यी

आफिस जो सूरत में स्थित है । 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है । साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है ।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-II, अहमदाबाट

तारीख: 5-2-1986

# प्रकृत बाई वी. एत . एत . -------

# नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के मेभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर माय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० आर० नं० 4208—यत: मुझे, पी० डी० खंडेल्वाल.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य

स्रोर जिसकी संव टीवपीवएसव नंव 8 है, तथा जो रिस रोड़, सूरा में बनाए हुए या बनाते जा रहे आफिसों में हिस्सा में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से बणित है), एजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ईई अहमदाबाद में रिक्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, लागीख 10-5-1985

क्ये प्वेंवित भग्गित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रातिक्षण के लिए जन्तरित की गर्व है और मृश्वें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिकल से, एसे स्रयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरका) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण जिकित में बास्तिवक क्य में कथित नहीं किया गया है है—

- (था) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर बोने को अन्तरक को दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में सविधा को लिए; आर्/या
- (भ) एसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों वो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भगकर अधिनियम, या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

णतः जव, जनत जीधीनयम की धारा 269-ग की अनुसरण मों, में, उपत जीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री थुम्ब टेक्स्टाईल मार्कीट को-आप० मोप्स एण्ड वेरहासात सोवायटी लि० रिंग रोड़, सुरत (अन्तरक)
- मैसर्म जीवाभाई एच० लोखंडवाला, लीमडा चंकि, सुरत-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## **प्रनृ**सूची

आफिस जो सुरत में स्थित है । 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1986

प्रस्थ बाह्रै.टी.एन.एस. -------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज $+\mathbf{H}$ , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिलाक 5 फरवरी 1986 🖟

तिवेश सं० पी० आर० नं० 4209--अ१: मुझै, पी० ष्ठी० खंडेलशात्र

ताबकर श्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसके परमात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर निक्ती मंग्र टांग्र पीत्र एउंग्र न्य 8, रिगरंउ, स्रो में बाएए हुए या जाते जिल पहे आफियां में हिन्दा है या जो स्रत में लिए। हैं (स्रोट इउट जावड़ अनुसूची में स्रोट पूर्ण कर्ता विणि। हैं), र्यक्ट्रीकर्ता अबिहारों ज कार्याच्य फोर्न 37ईई, अड्नराबाद में रजेल्ट्री इरण अक्षितियम, 1908 (1908 का 15) के अबीत

10-5-1985

का पूर्वांक्स सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए बन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म, निम्नसिक्ति उक्हदेव से उक्त जन्तरण सिक्ति से वास्त्रिक्क रूप से कथित नहीं किया स्वा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बर्धनियम में कसी करने का उससे अधने में बृधिधा के जिए; सौर/मा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी भन वा बन्त बास्तियों को, विन्ही भारतीय वायकर वीभीनयनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वय-कर वीभीनवम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोचनार्थ मन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किमा नवा वा या किया बाना चाहिए था, कियाने में बृतिका के लिए:

बत: ६४, उक्त अभिनिधन की बारा 269-ग के बब्बरण जैं, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियित स्पेतिनयों, अभित् :---

- दी सूरत टेक्सटाइक मारकेट को०-स्त्राप० शाप्स एण्ड वेयरहाउसीस सोसायटी लिमिटेड, रिंग रोड, सूरत। (श्रन्सरक)
- म० जुगलिकगोर रामजीलाल, 235, न्य् क्लाथ मारकेट, अहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन क जिल्ला कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सन्पत्ति को मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की टार्श के की किन की जनिए वा तत्वान्यन्थी व्यक्तियों पद स्वना की मामीश के 30 दिन की जनिए, थो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लात में किए जा सकोंगे।

नक्षाकरणः — इसनों प्रयुक्त कर्न्यों और पदों का, को उक्स निधानयम के जध्यात 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस नध्याय में दिया पदा हैं।

# नक्तूचीं

अ।फिस जो सरत में रिष्या है 37ईई ना फार्म यह कार्यालयाँ मृदिनौंक 16-5-1985 को पेश किया गया है। याईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड:—II, अहमदाबाद

दिनां कः 5-2--1986

### प्रक्ष बाई.टी.एन.एव.-----

प्राथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत चरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देक्षण)
ग्रजैन रेंज-1, ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986
निवेश सं० पी० ग्राप्ट सं० 4210--श्रत: मुझे
पी० डी० खंडेलवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की जाड़ा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कार्ज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसको सं० टी० पी० एस० नं० 8, है तथा जो रींग रोड, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधियारी के बायिलय फार्म 37ईई ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीयरिंग्ण श्रिधित्यम 1908 1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरक से हुद्दै किसी आभ ो वाबत, उक्त अभि व विस्कृत्के अभीन कर दोने के बंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तियों क} जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना आहिए था, स्थिपार में बृविधा के शिष्टः

कतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के जनुसरण् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) ढी सुरत में टेक्सटाईल मारकेट की०-श्री० शोष्प एण्ड बेरहासीम सोसायटी रींग रोड, सुरत (अन्तरक)
- (2) जीवनल ल नेभुमल ग्रार० 1103 सुरत टेक्सटाईस मारकेट रींग रोड, सुरत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पड़ की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

त्यष्टीकरणः---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वपुष्यी

ग्राफिस जो सुरत में स्थित है 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

विनांक: 5-2-1986

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस ,------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4211—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं टी पी एस नं 8 है तथा जो रींग रोड, सुरत में बनाये हुए या बनते हुए ग्राफिसों मैं हिस्सा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधमारी के नार्यात्य फार्म 37 है ग्रहमदाबाद मैं रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 10-5-1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितीं) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च स्य उच्च अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् —

- (1) दी सुरत टेक्सटाईल मारकेट को० स्रो० शोप्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी रींग रोड, सुरत।
- (2) जयंतीलाल बालूभाई जरीवाला 5/1110 हरीपुरा सोमनाथ मडादेव शेरी, सुरस-3। (श्वन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि। नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अम्**सूची

श्राफिस जो सुरत मैं स्थित है। 37ईई का यह फार्म इस कार्यालय में दिनौंक 10-5-1985 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमटाबाद

दिनांक: 5-2-1986

**९क्षम आर्ड**, **ती. एत**, ए**ड**, जन्मन-प्रमुख

# श्रायकार अभिभियम, 1961 (1961 कर 43) की भारत 269--भ (1) के अभीत सूचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक सायकर साय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, ग्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांग 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० ग्राप्त नं० 4212—ग्रस मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

शासकार मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अपकार प्राथमिन उनत गिभिनियम कहा गया है), को भाषा १७५-७ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाभार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं टी० पी० एस० नं 8 है तथा जो रींग रोड, सुरत म बनाये हुए यां बनाए जा रहें स्नाफिसों में हिस्सा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद श्रनुसुनी में स्रौर पूर्ण रूप से विज्ञात है), रिजस्ट्रीयती स्रधियारी के यायिलय फार्म 37ईई स्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीयरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांव 10-45-1985

्रवंक्ति संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के रहयमान मौतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भुल्य, उसके अव्यमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का रण्डर प्रतिकास से जिथक है और अन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितिका) के बीच एरे जन्तरम के जिल्ल स्व रावा प्रतिफल निम्नितिका उद्योग के स्व वन्तरम के जिल्ल स्व रावा माना प्रतिफल निम्नितिका उद्योग के साम्यानिक कम से सामित्त सहीं किया नवा है:----

- ्षां सन्दरण से तुष् किषी प्राप्त की गांद के उपक अधि-दिन्तुष के अधीन कार वार्ष के ब्रान्डरक के क्षानिक में कवी अरवे या कड़के नकने में कृषिभा के प्रिय; ऑ€ सा
- (क) पंती किसी बाम मा किसी पन मा नन्य भास्तियों को, जिन्हों पायतीम कावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) मा अवंश नीपनियम मा भन कर लिंगिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचन तार्थ क्रव्यारियों क्वार प्रयोग नहीं किया पत्रा वा वा का किया बाना वालिए था कियाने में सविधा के लिंगु;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिकार निम्मानिकत व्यक्तिकों. पर्णात क्र

- (1) दी सुरत टेक्सटाईल सारकेट की० घ्रो० शोष्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड, सुरत। (ग्रन्तरक)
- (2) जयंतीलाल अपडीनराम जरीवाला 2/1514 देसाई शेरी सगरामपुरा सुरत-2

(ग्रन्तरिती)

को सङ् सूचना कारी करके पूर्वोक्त तत्परिय के नर्जन के सिक् कार्यवाहियां करवा हों:

उथत रूपरित के वर्षन के राज्यन्थ में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के स्थानन में प्रकाशन की तारीय ते 45 विस की अवित से प्रताननिक्षी व्यक्तियों पर त्यना की तात्रीय से 30 विन की जबिथ, जो भी वसीय वाद में बमान्त होती हो, के मीठर पृथ्विका स्थानितवों में से किसी स्थानित स्वाय;
- (क) इक्ष सूचना को राज्यका में प्रकाशन की तारीक को 45 दिन को भीतर उनक स्थावर सम्पत्ति ने द्वितवद्य किती सन्य व्यक्ति वृत्ता वभाहस्ताकारी के वास विवित्त ने किस् वा करोंगे।

ल्लाकारणः---ध्रसमे प्रवृक्त कव्यों और पदों का, जो उपर अधिनिक्य में बध्यात 20-क में परिधारिक ही, वहीं क्यें होता, को उस मध्यान में दिया नथा ही।

# **भ्र**नुसूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में विनांक 10-5-1985 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० जी० खंडेलकाल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, भ्रहमदानाद

दिनांक: 5-2-1986

प्रकृष दार्च . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### श्राएक स्रकाड

भागांत्रय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांवः 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4213—ग्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

शावकर शिंशियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिंचत बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं ० टी० पी० एस० नं ० 8 है तथा जो राग रोड, सूरत में बनाये हुए यां बनते जा रहे श्राफिसों का हिस्सा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है) रजीस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय फोर्म 37 ईई श्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोजित सम्मित को उचित बाजार मूल्य को कम को व्ययमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसको व्ययमान प्रतिकाल से, ऐसे व्ययमान प्रतिकाल को फंड्र प्रतिवात से अभिक है बीर बंदरक (बंदरकों) जीर बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फंडा, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में शस्त-विक रूप से काथित नहीं किया नवा है 8—

- (क) अम्बरण से शुद्ध कियों बाव की वायत , अबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्य में कमी करने था उत्तरसे वचने यो सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या नत्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिधिनयम, या धन-कर जिधिनयम, या धन-कर जिधिनयम, या धन-कर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवर था या किया जाना चाहिए था, कियाने में त्विधा और तिवस्त

जत: अब, सम्बद्ध जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण जं, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जभान, निस्तिसिक्क व्यक्तियों, अभित् ॥——

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट की० ग्रो० गोप्स एण्ड बेरहामीस सोसायटी लिमिटेड रीग रोड, सुरत। (ग्रन्तरक)
  - 2) जयंतीकाल कालीवास गांधी श्रौर श्रन्य 6/1478 महीधरपुरा फंसारा शेरी, सुरत। (श्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**बाबत संपन्ति के बाजन के संबंध को कांद्रों भी आ**क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तासीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तानी ज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर गंगित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वन्द्रिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, वो उक्त निधनियम के अध्याय 20-क में परिभःषित है, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विसा जबः हैं।

#### मनुसुची

म्राफिस जो सुरत मैं स्थित है। 37ईई वा फार्म उस कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्रकप भार्द्, टी. एन. एच. -------

आयकर अधिनियम, 196-1 (1961 का 43) की धन्य 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4214-- श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'स्वस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की. भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्बत्ति, विस्ता उचित बाजार मृख्य 1,09,000/- रा. से विधिक हैं

भौर जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 8 हैं तथा जो रींग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फार्म 37ईई शहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 10-5-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अवके क्रयमान श्रीतफल से, एसे क्रयमान श्रीतफल का नंबह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण की लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मीलिकत उद्बोध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में करीय नहीं किया गया है:—

- (क) जन्दारण वे हुइ विस्ती जाव की वायब, उक्त गीभीनवम के जभीन कर दोने के जन्तरक के कविस्त्र में कमी करने या उससे वजने में सुविभा के निष्; और/या
- 'का) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आरितक का, जिम्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जिल्लामें में सुविधा के लिए;

जत: अव, अवत अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण मा, मा, अवत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (१) की अधीन: निम्नितिकित स्पिक्तमां, क्यांन :---

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट को० ग्रो० शो०म एण्ड बेरहासीम मामायटी लि० रींग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) जयाहरलाल पुरूपोतम दास कोलंबोबासा श्रोंर अन्य के०/श्रो० जे० पी० एन्टरप्रायसेस एक०-3035 सूरत टेक्सटाई ल मारकेट रींग रोड, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उनक सम्पत्ति को कर्जन को संबंध के कोई भी कालोर १८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिभ, जो भी अनिभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में त्रकाशम की तारीच से 45 दिन को भीतर जक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रभुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विवा गया है।

## ध्रनुसुची

श्राफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37ईई का फार्म इस कार्यालय दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साई ज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 5-2~1986

प्ररूप बाइ टी. एन : एस : ------

# सायभर सीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निर्वेश सं० पी० श्रार०नं० 4215—यतः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरथ है कि स्थायर सम्बत्ति, धिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 8 है, तथा जो रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे श्राफिसों का हिस्सा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ई ई श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमन, तारीख 10 मई, 1985

की पूर्वोक्त सभ्यति के उचित बाजार मृश्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के सिए जन्तरित की गई है जार मृश्वे यह किश्यास करूने की कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृश्ये, उनके दश्यमान प्रतिकाल से एने दश्यमान प्रतिकाल के क्लाइ प्रतिकाल से व्यक्तिक ही और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, जिल्लाशिकत स्थ्योंक के उचित जन्तर्थ जिल्ला में वास्तविक स्थान से क्लिक कहीं किया क्या है हि—

- (क) अन्तरण ने दुर्द किसी नाम की गायत, अक्त अधिनियम ने अधीन कर दोने के मन्तरक के शिवत्य में अभी करने वा उसने अवने में सुविधा भी लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जानक किमिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ति अधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सरिक्षा के निराप

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अ भि निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--31—6 GI/86  दी सूरत टेक्स्टाइल मार्कीट को-श्राप० शोव्य एण्ड वेरहासीस सोमायटी लि० रिंग रोइ, सूरत

(भ्रन्तरक)

2. जाधबदास मायाराम के ब्रो० किणन चन्द लक्ष्मी दान बेगमपुरा फांगडशेरी, सूरत। (अन्तरिकी)

को बहु तुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पद्धि के वर्षन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीय सै 45 दिन की नवीं पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नवीं अ भी जी भी अविध बाद में समाप्त होती हुने, से भीतर पूर्वेक्स स्योक्तियों में से किसी स्वक्ति स्थापः;
- (व) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात किसित में किये वा सकती।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रबुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कथीं होगा, जो उत्त वध्याय में दिया वया ही।

# प्रमुखी

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कर्यालय में दिनौंक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनाँक: 5-2-1986

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्राएक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमधाबाद

ब्रहमवाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निवेण सं० पी० श्रार० नं० 4216--- श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं टी॰ पी॰ एस॰ नं 8 है तथा जो रींग रोड, सूरत में बनाये हुए यां बनते जा रहे आिक सों का हिस्या में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजान है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी कि कार्यालय फोर्म 37ईई शहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन धिनौंक 10-5-1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को 'सप;

सतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट को० श्रो० गोन्स एण्ड बेरहासीन सोसायटी लि० रींग रोड, सूरत (श्रन्तरक)
- (2) श्री जनदोश कुमार मंगाराम जुनेजा के । श्री गुरू हिरिकशन सिल्क मील्म बी-3325, सूरत टेक्सटाईल मारकेट, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज्ञान्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसुची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म ; इस कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 5-2-1986

# ं**क्षान**ं का<u>र्यं ,ठों ,पुन ,सुन्त ,</u> ≝------

# थावकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वर्षीय स्वशा

#### ब्रास्ट बरकर

# कार्याजय्, तद्वायक भाषकर भागुक्त (निरोक्सन)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौँग 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० सं० 4217--श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवास

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रमात् 'उक्त मीथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निरुधार कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- स. से अधिक हैं

और जिसकी सं टीं पीं एसं सं 8 रींग रोड, है तथा जो सूरत में बनाये हुए या बनने जा छरहे श्राफिसों का हिस्सा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 10-5-1985 को पूर्विक्स सम्मत्ति के जिसत बाजार मृत्य से कम के स्वयमन श्रीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसने स्वयमान प्रतिकत से, एसे स्वयमान प्रतिकत के पन्स श्रीतकत से क्थिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष् स्थ भाषा गया प्रतिकल, विश्वास से कथित ही किया गया प्रतिकल, विस्तिवित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिक्षित से बास्विक कम से कथित नहीं किया गया हो :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी नाय की वायत छक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी काले वा उससे क्यने में सविधा के किए; बीत/या
- (क) श्रेसी किसी बाब या किसी धन या बस्य वास्तियां की, जिन्हीं भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त व्यविनियम, या कर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के सिष्;

बारः वाष, उनत विधिनियम की भारा 269-व के बन्धरण वाँ, वाँ, अनत विभिनियम की भारा 269-घ कर नपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, वर्धात् :---

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट को० ग्रो॰ णोष्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) जयप्रकाश मेघराज केश्यपलाल 602 ग्रौर ग्रन्थ 602 माधन ग्रश्विन पार्कग्रथवा लाईन सूरत। (ग्रन्तरिती)

की यह व्यवा बादी करने पूर्वोक्त सन्वीत के वर्णन के लिए कार्यमाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में शकासन की तारीस से 45 विन की अवधि या तहसम्बन्धी क्यक्तियों पर लूपन की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि साम में स्वास्त शांसी हो, को भीतर प्रॉक्ट कारिसारों में से किसी कारिस दुवास;
- (क) इक सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी रिहत के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य स्थावत बुवारा अभोहस्ताक्षरी के शास सिक्षित में किए वा तकने:

स्वक्यां करण:---- इस जंप्रयोक्त स्थ्यां और वर्श का, अर्थ अभिनेयज्ञ के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा भवा हैं।

## अनुसूची

म्राफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फीट म्राथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी०खंडेवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज∼1, श्रहमदाबाद

दिनौंक: 5-2-1**98**6

त्ररूप बाइ .टी . एन . एस------

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सङ्घायक कार्यकर वाध्वरा (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

भ्रह्मदाबाद दिनांक 5 फरधरी 1986 निर्देश सं० पो० भार० नं० 4218/2/85-86---श्रत।

मृझ पी० डी० खंडेलथाल अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धास 269-च के अधीन सक्षम शिंधकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृक्ष

1,00,000/- **रा. से मधिक ह**ै।

और जिसकी से विश्विष्ट एसं नं 8 रींग रोड़ गुरत में बनाये हुए या बनते जा रहें श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध श्रमुणी में और पूर्ण रूप से विगित है) ्जिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फीर्म 37-ईई अहमदाबाद में रिजर्स्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन हारोख 10 मई 1985

को पुत्रों तक सम्मिक के विकाद बाजार शुस्स से क्षम के दरवजान प्रतिकार की पद्दें हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्था पुर्वेदक सम्मित्त का उचित बाजार सूस्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंवरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिन्द दब पाना गया प्रतिकास, निम्मितीक्त उद्वेदय से उन्त अन्तरण सिचित में बास्तिक क्य से काथत नहीं किया गया है:—

- (वा) सम्बद्ध से हुई किली गांग की गांगत, उक्त अधिनियम के वर्षीन कर दोने के अव्यक्त के कायित्व में कमी करने का उन्यत्ने ककने में ब्रुविधा के सिक्क और/वा
- (व) होती सिक्षी जन्म या विक्री धन वा बन्ध अविक्रकों का, विन्हें नारतीय जावकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं सिक्या गया था या किया जाना चाकिए का, छिपास में सुर्वश्व के सिए:

वतः वन, उक्त जिमिनना सी धारा 269-ग को जन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, जभीत् :----  मेसर्स दो सुरत टेक्सटाईल भारकेट को-ओ० शोप्स एण्ड वरहासीस सीसायटा लि० रींग रोड़ सुरत। (अन्तरक)

्र श्री जगनभाष दीपानचद के/आं।० उप सीत्क कार्पीरे ने एम०-3279 सुरत टेक्सटाइल्स भारकट सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के वर्षन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संयक्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षोप :---

- (क) इत स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख वी 45 विशे की नवीध या करतंत्रंथी व्यक्तिमों पर स्वता की तामीश से 30 विशे की अवधि , को भी व्यक्ति में स्वताप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय कें 45 दिन के मीतार जमत स्थापर बंगीता में हिराबक्थ किसी कन्य स्मित्त क्यारा नथाहरताकारी के गाव निश्चित में किए था सकेंगे।

स्यन्द्रीक्षत्रणः ----इसने त्रकृषक क्षण्यों और पर्यों का, जो उत्पक्ष निवित्तेत्र, को अध्यास 20-क सें परिशाधिक है, कही अर्थ क्षोगा को उस जम्बान नें विका स्थल है।

#### नगराची

भाफिप जो सूरत में स्थित है 37ईई का फार्ग ाह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथमा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खडेलघाल सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1 भ्रहमदाबाद

दिनांकः :- 5-2-1986

# मध्य वार्ष्यक्ष को अपन्य प्रवासन्तरण

# शायकद्र श्रीधीनवृत, 1961 (1961 का 43) की शादा 269-म (1) के स्थीन क्षना

#### बाइड बहुकार

# कार्यासय, बहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद ्र श्रहमदाबाद दिनांक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० श्रार्० नं० 4219---श्रतः मुझे, पी० डो० खंडेलवाल,

नामकर निर्माणकन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उनक निर्माणकार' क्या गया हैं), की भारा 269-थ ने अभीन वस्त्र प्राधिकारी को, वह विस्ताव करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्त्रा जीवत वाचार श्रुव 1,00,000/- रा. से नाभिक हैं

और जिसका सं टी० पी० एस० नं० 7 रीग रोष्ठ सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है (और इसने उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप से चणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकार। के कार्यालय फार्म 37ईई श्रहमदाबाद में रजस्ट्रीकर्ण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10--5-1985

को पूर्वा कर सम्पत्सि के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रियमान प्रतिफल से एसे ध्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जीभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एति किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के के जिद्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् क्रें

- (1) दी सूरत टैक्सटाईल माण्येट को० ओ० शाष्स एण्ड घेरहालाल सोसायटः लि० रींग रोड सूरत (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स जयभारत सील्ङ एन्टरप्रायसेम वयू-1253 मूरत टैक्सटाईल्स भारकेट रीगरोड सूरत। (भ्रःतारती)

को बहु बुचवा बारी करने प्यामित संपरित के नर्धन के तिश् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बंबरित के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाजेब उन्न

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतास;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पाझ लिसिट में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विविवय, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष क्रेगा, वो उस वध्याय में विवा वर्ष

## सन्बद्धाः

श्राफिस जो सूरत में स्थित है 37ईई हा फार्म यह कार्यालय 10-5- 1985 को पेण किया गया है।साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 168 वर्ग फोट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहर 🖫

# प्रकृतार्क, दी. एम. एस. - - - - ----

# भागकर जिथानियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन स्वना

#### नारव सरकार

# व्यवस्थित, सहायक भागवार नागुन्त (विराक्षिक)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिलांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पीर० श्रार०नं० 4220--85--86 श्रतः मुझे, पी०डी० खंडेल्थाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' क्क्न गया हैं), की धारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अर्गेट जिसकी सं ठ टी० पी० एस० नं ७ ७ रींग रोड, सूरत में बनाये हुए यां बनते जा है आफिसो में हिस्सा है (और इसरे) उपावद्ध अनुसूची में आँए पूर्ण का में बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय फार्म 3 ७ ईई अ्मिताबाद में जिल्ह्रीकरण प्रधिनियम 1903 (1908 का 16) के अधीन दिल्लक 10-5-1985 क्ये पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अस्तिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण सिक्तित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबते, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

- (1) दि सूरा टैक्सटाईल मारकेट को० ओ० घोष्स एष्ड बरहासील सोसायटी लि० रींग रोड सूरत (पन्तरक)
- (2) जानको नाथ साइँदितामल सीर्धः और अन्य के०/ओ० भनः 1157 मुस्त टक्सटाईल मारकेट रींग रोड सूरत ('यनकरितीं')

को यह सूचना जारी करके पूर्वेचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काहे भी आहोप :---

- (क) हस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्याधीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंगी

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर **प्रायु**क्त (निरीक्षण) श्रजन रज-2 श्रहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

# प्रकृष् वार्षः दर्भः एव . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक थायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4221--85-86---श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० टी० पी० एम० नं० 8, रींग रोड, सूरत में श्राये हुए या बनते जा रह श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाद्यद्व श्रनुभूषी में और पूर्ण क्या मे विपत है), रुजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ईई-यहमदाबाद में रुजिस्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तार्राख 10 मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिचत बाज़ार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उिचत बाज़ार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के लिए:

त्रतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा २६९-ग के बन्सरण कों, से, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. दि श्राफिस जो सुत में स्थित है। 37ईई ना फार्म यह कार्यालय में दिलंक 10-5-1935 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्थवा 166 वर्ग फीट है।
- मैंसर्स जैनको सिल्क मिल्स डब्ल्यू०-2203, सुरत टैक्सटाईल्स भारकेट रींग रोड्, सूरत-2। (अन्तरिती)

का मह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख सैं 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में तमाप्त हान्नेती हो, के शीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को सारीख से 45 दिया के भीतर पूर्वोक्स उक्त स्थावर सम्पत्ति में सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्की

श्राफिम जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-35 को पेट किया गंग है। साईज 185 वर्ग फीट श्थाना 166 वर्ग फीट है।

> पी०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्षण पायुक्त (विरीक्षण) प्रजैद रोज-२,श्रहमटाबाद

नारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्र<del>रूप शहरी, टी. एव. एव. क्यान्स्ट</del>न्स

थामकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-व (1) के **अधीन न्य**ना

#### नारत तरकार

कार्यांग्य, सहायक धायकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 श्रहमताबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरघरो 1986 निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4222/85-86/---श्रतः मुझे पी० डो० खंडेलघाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्य पा कारी को यह विश्वास करने का नामण को कि स्थापर प्रार्थन, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8 रींग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है (और इस) उपाबद्ध श्रनुमुची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यांक्य फोर्म 37-ईई-श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10 मई 1985

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित नाचार मूल्य से कम के परवजान मितिकल के लिए जंतरित की गई है और मूळे यह निश्वास करने का कारण है कि मधापूर्नोक्त सम्पत्ति का उपित नाचार भूज्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, ऐसे रूपमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तम समा नमा प्रतिकल, निज्यसिवित उद्देश्य से उक्त क्तारण कि लिए तम समा नमा प्रतिकल, निज्यसिवित उद्देश्य से उक्त क्तारण कि कि से वास्तरिक कर से किसत नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुव किसी नाम की बाबत, बच्च बचिनियन के बंधीन कर देने के बंदाहक के शिवरण में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (भ) एसी किसी भाग गा किसी भूत या जन्म जास्तिमाँ बार, उद्योग पर्ताय अध्यक्षार, अधिनियम, 1922 (1902 का 11) या उत्तत जिथिनियम, गा चन बार जावास्थ्यम, 1957 (1957 का 27) के अध्यक्षभी जन्ने रुगी दुस्ता प्रकट नेक्षी किया भग भा गा किया जाना बाहिए था, डियाने में नृषिधा के लिए;

रात. राव. र∵ल अभिनिमम की धारा 269-ग के अनुसरण को, हो, उक्त अभिनिषयम की धारा 269-म की उपचारा (†) औं अभीव निस्तनिविद्य अभिनक्षें स्वभीत हैं——  दि सूरत टैंक्सटाईल मारकेट को०-ओ० शोप्स एण्ड वरहासीस सोसायटी लि० रीग रोड़ सूरतः।

(अन्दरक)

 श्री जगर्दाण चंद्र जमनादास गजदेव और श्रन्य 47-श्रमोकनगर श्रथवा लारन्स सुरत।

(श्रन्तरितो)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्चन से निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीज है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताजील से 30 दिन की वची भ, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ले किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (क) इस सूचका के प्राथमत में त्रकासन की धारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गांध सिचित में दिसे वा सकतें।

स्वच्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त क्रव्यों शौर पर्यों का, जो उक्क अधिनियस के अध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं अर्थ क्रोगा, जो उस अध्याय में दिव्या द्या हैं।

#### **ग्रनुस्**ची

श्राफिस जो मुरत में स्थित है । 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 बगढ़फीट श्रथमा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डो० खडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (तिरीक्षण) भर्जनरेंज-2 श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नाम्क्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2 श्रहमदाबाद शहमदाबाद, दिनांक 5 फरचरी 1986

निर्देश सं० पी० धार० नं० 4223-85-86-- धतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके श्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रा. से अधिक हैं। और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रींग गेड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। (और इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण ऋप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में फोर्म 3 7**-**ईई **श्रहमदाबाद** में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम्, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई 1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, इसके करयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकसः, निम्नलिसित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्त्र आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनित्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं मिथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--32---6 GI/86

- वि सूरत टैक्सटाईल मारकेट को-ओ० मोण्म एण्ड वेरहासीम सोमायटी लि० रींग रोड, सूरत। (अन्तरक)
- 2. मैसर्स जैन को० फर्जाकस डब्ल्यू०-2203 सूरत टैक्सटाइल्म भारकेट रीग रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्वाय, के दिवा गया है।

#### अगुल्बी

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पैश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० पो० श्रार्० नं० 4224/85-86---श्रतः मझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अंट जिसको संव टोव पोव एसव नंव 8, रींग रोड सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है। (और इससे उपाधन अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत फोर्म 37-ईई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके उप्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वोदय से उचित अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से तुई किसी आप्य की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अभिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीयत व्यक्तियों, अर्थात् :---  दि भुना टैक्सटाईल मारकेट को० ओ० शोष्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड। सूरत।

(भ्रम्सरक)

 श्री जवाहरलाल कस्तुरचंद जी जैन हरीहर बिल्डिंग इच्छानाथ मंदिर के नजदीक, जापा बाजार, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सृचना के राज्यत्र में प्रकाशन की गराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित के हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधेहस्ताकशी के पास जिस्ता में किए जा सकोंगे।

स्पद्धतिकरणः -- इसमें प्रयुक्त खन्यों और पर्दों के। जा उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में विनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2, प्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1,986

# प्रकार बाह् , हो , दुव , युद् ह्व-----

# बारकर विधित्त्व, 1961 (1961 का 43) सी धारा 269-व (1) के व्योग बूचना

#### TIPE TENE

# कार्यासय, तहायक नायक हु नायुक्त (पिरीक्षक)

श्रर्जन रोंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार्० नं० 4425-------श्रतः मझे पी० डी० खंडेलवाल

बायकर मिर्गिनमन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त मिर्गिनमन' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव टींट पीट एसट नंव 8, रींग रोड़, सूरत में बनाये हुए था बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। (और इससे उपायद्ध श्रनुसूनी में ऑर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीटर्जी श्रिधकारी के कार्यालय फोर्म 37-ईई-श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीयरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोक्त संपरित के जीवत बाबार मृत्य से कम के करवाब प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुन्ने नह विश्वाध कारने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार वृद्ध उत्तबत से विश्वक है बीर वस्तरक (बन्तरकों) नीर बन्तरिती (अन्त्रितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए अब् पावा गुका प्रतिकत, विश्वकित उद्देश्य से क्या वृद्धिय जिल्ला में बास्तिक क्य से किंशत नहीं किया नवा है है—

- (क) कन्तरण से हुइ किसी बाव की वावत<sub>ा)</sub> अवस्त वीधीनवस के बधीन कर दोने के बन्तरक की दावित्व में कुनी करने वा उससे नक्षने में सुविधा की विद्यु: कीड√या
- (क) होती किसी बाध वा किसी बन या जन्य जारितकों करें, जिन्हों भारतीय साथ कर सिंधनियस, 1922 (1922 का 11) या प्रकत अधिनियस, या धनकर सिंधनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिति ब्वास प्रकट नहीं किया गंधा था सा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिक्;

बत: सद, उच्छ विधिनवन की वारा 269-व की क्यूक्ट्र में, वें, उथत विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिकी वर्षात् में—

- दि सूरत टैक्सटाईल मारकेट को० ओ० णोष्स
  एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड सूरत।
  (अन्तरक)
- मैसर्स के० पी० शाह एण्ड कम्पनी 149, राधागली स्त्रदर्शा मारकेट बोम्बे-21

(श्रन्तरिती)

# कर वह बुचना वारी करके पृथानित संपत्ति के वर्षन के निव् कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उन्त रूपित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील सं 4.5 दिन की जनभि सर तत्सम्बन्धी स्थानत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त स्थाबतायों में से किसी स्थाबत द्वारा,
- (क) इस सूचना को राभपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति. द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए का सकोंगे।

न्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस ें प्याय में विया गया हैं।

## प्रनुसूची

श्राफिस जो सूरत में है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पण किया गथा है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथमा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डो० खंडलघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप आही, टी, एन, एस, -----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभा

#### नारतं वरकार

# कार्याचन, बहार्क नानकर नानुन्छ (निर्धान)

श्चर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 5 फरचरी 1986 निर्देश सं० पी० श्चार० नं० 4226/85-86----ग्नत: मुझे, पी० डी० खंडेलघाल,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त् विधिनियम' कहा गया हैं). की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, विश्वका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रींग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। (और इसमें उपायद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत फोर्म 37-ईई-अं,मवाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित थाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के रुबह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) औ शीच एसे अन्तरण के निए तब भाषा गया प्रतिफल, जिम्निभिषित उद्विषय से उच्च अन्तरण निश्चित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रीकरण के शुद्ध कियों जान की नावता, क्यक अधिभिन्न के अधीन कर दोने के जन्मरक वी वाजित्य में कमी कारने वा उससे बजने में श्रीकथा के लिए; जांड/वा
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी थन वा अस्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय वायकर वहिंगतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के चिए;

कतः जब, जनत निमिनियन की भारा 269-न की अनुबरक हो, भी, उक्त निभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीत, विस्तिनियस क्यक्तिकों, वर्णात् क्र---

- 1. दि सूरत टैंश्सटाईल मारकेट की० ओ० शोष्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड, सूरत। (अन्सरक)
- 2. मैसर्स कृष्णराम डाइंग एण्ड फिनिशिंग वर्क्स गोपीपुरा छायाबाड, सूरत-2

(अन्तरिती)

को वह सूचना धारी करनी पूचोंकत सम्परित के अर्थन के नियु कार्यगाड़ियां करता हुं।

अवस संपत्ति के वर्षन हो संबंध में क्रोड़ी भी नाकोर ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सार्यां से 45 दिन की जन्मि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जन्मि, को भी कृषण बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनात;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपति मेश हितबक्ध किसी कन्य व्यक्ति इतारा विशेष्ट्रस्ताक्ष्री को पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्यक्किरण: -- इसमें प्रयुक्त कार्कों और पदों का, को उपच जीवनियम के जभाग 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होना जो उस सम्याय में विया गवा ही।

## वन्यूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट हैं।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, श्रहभदाबाद

तारीख: 5-2-1986

## क्षम बाह्र दो पुरु प्रदान

नाभकड निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-व (1) वे अभीत सूचना

#### माइत बहुकार

कार्यासय, सहायय आयकर आयुक्त (विर्दीक्षक) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदःबाद दिनांकः 5 फरवरीः 1986 निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4227/2/8586--ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

नायकर निर्धानियम, 1961 [1961 का 43] (जिसे इसमें इसके पहणात 'उन्नर विभिन्नम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-क से अधिक हैं

और जिसकी सं० टीं० पी० एस० नं० 8 रींग रोड सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जी सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सूरत (फोर्म 37.ईई अहमदाबाद) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्मरित के खीनत बाजार जूक्य से कम के क्यमान प्रतिकान के सिए बंदरित की नहीं हैं और मुख्ये यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्बर्क्त का उचित बाजार भूस्य, उसके क्रयमान प्रतिकत से, एसे रश्न गन प्रतिकत का बन्धह प्रतिकृत से अधिक हैं और बंदा के (अं. इक्यों) और बंदरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के किस् क्य पाया नवा व्या प्रतिकृत निम्नितियुत स्वादित से स्वय अंतरण विद्या में साम्बर्धक कम से अधिक क्यों किस गम हैं क्या

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- मेसर्स दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट को० ओ० गोष्स एण्ड वेयरहाउसीस सोसायटी लि०, रींग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स सोलवाडवाला वीवींग वर्ष्स 1/3305 सूरत टेक्सटाईल्स मारकेट रीग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के किया कार्यवाहियां करता हूं।

#### उनक सम्पत्ति है वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इत सूचना के राचपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की प्रकृषि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्याल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकीं।

स्पष्कित्य : इसमें प्रयुक्त शब्दों और शक्षों का, जां उक्त जिभिनियम के श्रीयाय 20 का में परिभाषित ही, वहीं जर्भ है ता जो उस अभ्याय में दिया जया ही।

श्राफिस जो सुरत में स्थित है । 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेंग किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खडेलचाल स**क्षम** प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2**, ग्रह**मदा**बा**द

तारीख: 5-2-1986

## प्ररूप गाइँ, टी. एन. एस. -----

## आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरीं 1986

निर्देश सं० पी० भार०नं० 4228/2/8586--अतः

मुझे, पी० डी० खंडेलबाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चिक बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं टी० पी० एम० नं 8 रींग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में म्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप के विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37-ईई के अधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वनित सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अगरण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उणिन नाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में नास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त निवम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (स) एसी किसी आय या निजी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जम्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिद्य;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कुँ अभीन, निकासि वित्त व्यक्तियों, वर्षात् ह—-

- दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट को-ओ० घोष्स एण्ड वेयरहाउसिंग सोसायटी लि०, रिंग रोड, सूरत। (ब्रन्तरक)
- 2. मेसर्स काशीराम श्रात्माराम सीधा शेरा, सलाबत-पुरा, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोर्ड़ भी शाक्षेप ::--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो शी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति क्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जाराज्ये

श्राफिस जो सूरत में स्थित है । 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

## वक्त बाई.टी. एत. एव------

## नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) के नथील सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

मुक्षे, पी० डी० खंडेलवाल

नावकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें प्रथके प्रश्यात् 'उक्त मिनियम' कहा गया ही, की बाच 269-च के नभीन समय प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से निधक है

और जिसकी सं टी पी एस नं 8, रिंग रोड सूरत में वनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाषद उनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजस्ट्रोकरण श्रधियियम, 37-ईई के श्रधीन तारीख 10 मई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तिरत की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल म दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिया उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक क्य से कियन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भन वा अन्त जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1977 का 20 विकेट अधिनियम, 1957 (1977 का 20 विकेट अधिनियम, 1957 (1977 का 20 विकेट महीं किया वया था वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के जिन्ह;

अतः ३ व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के क्पीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए——

- दी सूरत टैक्मटाईल मारकेट को-ओ० मोण्स एण्ड वेयरहाउसीस सोमाथटी लि० रिंग रोड, सूरत। (धन्तरक)
- 2. श्री खलालीराम कृष्णलाल गुप्ता सैकंड 70 रेशमबाला भारकेट रिंग रोड, सूरन-2। (अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पृथंक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्त्वस्थाभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य म्यन्ति द्वारा नथोहस्ताकारी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, को उद अध्याद में दिया गया हैंडी

#### अनुसूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया किया है। साईज 185 वर्ग फोट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी ० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

मोहरः

## प्रका वार्षः सी, प्रका प्रकाननननन

## वायकर अधिन्यिम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, लहायक मायकर माय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनॉक 5 फरवरी 1986 निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4230/2/85-86---श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलघाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित माजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टो० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बराये हुए या वसते जा रहे आफिमों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्रा प्रधिकारों के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्यम 37-ईई के प्रधीन तारीख 10 मई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार श्रुस्य से का वे स्वयंत्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उच्छा बंतरण सिश्चित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक्ष किसी आय की बाबत, उक्त वीयनियम के अभीन कर देने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/यः
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त मुधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ क्निस्टित ब्वारा इंकट नहीं किया ज्या था या किया आजा चाहिए वा किया में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- दी सूरत टैक्सटाईल मारकेट को ओ० गोप्स एण्ड वैयरहाउसीस सोसायटी लि०, रिंग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. श्री किशन कुमार केथलराम के/आं० सुन्दर सिल्क कार्पौरेणन एन० 3076, सूरत टैक्सटाईस्स मारकेट, रिंग रोड, सूरत।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचन। बारी कारके प्वॉक्त सम्पत्ति से अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हों।

## बक्द बन्मीय के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीच से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अविधा में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस त्यान के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिजिस में किए जा सकी

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्न्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिया वैका हैं।

#### वनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 की पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फोट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

## प्ररूप बाइं. टी. एव. एवं मार्क

नाः कर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीत स्थना

#### भारत सरकार

ार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण). श्रर्जन रोंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदावाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

िर्देश सं० पी० धार० नं० 4231/2/85-86 म्म्या पी८ डी० खंडेलदाल

शायकर अ 'धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रत 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृष्य 1.00.(10/- रा. में अधिक हैं

और जि की संव टीव पीव एसव नंव 8, रींग रोड़, सुरत में बाये हुं।। बाते जा रहे शाफिसों में हिस्सा है। (और इस) पाबद्ध पन् विमें और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिट्रिया कि कि वार्यात्वय फोर्म 37-ईई अहमदाबाद में कि ट्रीयाण शिविध्यम, 1903 (1908 का 16) के अवीद रारिख 10 मई 1935

को ५ वींक सम्पतित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान रितफल व लिए अन्तरित की गई है और मृभ्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य के दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिर त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिति के के बीज एसे अंतरण के लिए तब पावा नवा प्रतिक्ष के भिम्न अवित उद्देश्य से उक्त बन्दर्य विद्या में वास्त्रिक हम से कि त नहीं किया नया है हिन्स

- (कं बन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, इक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविध, के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिसकों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत का, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तृतिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :\*
33-6 GI/86

- 1. मेंसर्स दी सुरत टेक्सटाईल मारकेट को० ओ० शोष्स एण्ड वेरहाउसीस सोसायर्टी लि० रिंग रोड़ सुरत। (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स कौरोमल एन्ड सत्स के | ओ० के राजकुमार एम० यु० कलोथ भारकेट कालुपुर कोठीरेंज श्रहमदाबाद-1।

(अन्तरिती)

कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

### इक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाद्येप्

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए वा सकने।

स्वक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्यों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याब 20-क में परिशाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वृत्रा है।

## अनुमूची

ध्राफिस जो सुरत में स्थित है । 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-35 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-2, श्रहमदाबाद

ताराख: 5-2-1986

\_\_\_\_\_\_

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) ेकी धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय . सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

हार्ज : रेंज-2, शहमदाबाद शहर तथान, वितंत : 5 फरवरी, 1986 विदेश संव पंतर शायर नंव 4232/35-86---**सदः** मझे, पंतर डीट बहिस्तास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सें० टी० पी० एस० नं० 8, रींग रोड़, सुरत में बाबे हुए या बारे जा महे शाफिसों में हिस्सा है, (और हरने पाबल मन्दर्भ में और पूर्ण रूप से सर्णित है), जिन्द्रिया पित्र पित्र के नार्याकर, फाम 30-रिही माला में जिन्द्रियाण शिक्षिप 1903 (1903 या 10) है प्रांत यार्शिक्ष 10 मई 1935

का एक के स्वयं वाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिकार के दिया अस्तिरत की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथा पर्निक स्वर्गात का जिल्ला बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एऐसे स्वयंकान प्रतिकाल के पन्द्रत प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से सकत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय कै। बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

बतु: अब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण कें, कें, उक्त किंधिनियम की धारा 269-म की उपंचारा (1) में बधीन, निश्लिखित कविन्यों, अवित् क्र---

- 1. मैसर्स दी सुरा टैक्सटाईल भा केट को० ओ० शास्स एण्ड वरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़ पुरा। (अन्यरक)
- 2. मैसर्स काशीराम जगदीश आवावाई: वालीपुल सलाबद-पुरा सुरत-2।

(अन्तरिर्ता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

खबर सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुकारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

रमकः करणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्योलय में दिनांक 10-5-85 को पेश िता गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पीं० डीं० क्लंडल्याल सक्षम प्राधितारी **सहायक भा**यकर घायुका (निरीक्षण) **भजन रोंज-2, बह्मदाबाद**

वारीख: 5-2-1986

मोक्ट ह

प्रकम बाह्र टी. एव . एव . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षे भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### नारक सरकाड

कार्यालय, सहायक भायकर वाय्क्त (निरक्षिक) धर्जन रेंज-2, अध्मदाबाद अत्मनाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 िर्देश संव पं≀व आरव नंव 4233/35-36---भतः मुझे पं≀वर्धाव खंडेलदाल

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार बूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

आंट में तिया लंग टंग्य पंग्यमान नंग 3 रिय रोड़ हुत्ता में बनाये क्रिया के तिया है। पिनसों में दिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (अ : इस्ते) प्रायद्ध धनुपूर्व में ऑस पूर्ण रूप से धरिया है) प्रियद्धिती ध्रिधवार्य के वार्याव्य फीमें 37 ध्रिक्षिय सामान में प्रायदि स्थाप्त ध्रिक्षिय प्राप्त 1908 (1908 बता 10) के धर्मन, सार्यक्ष 10 मध्री 1935

को पृथिवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयाच प्रित्यक को लिए अंतरित की गई है जौर मुम्में यह विश्वाच करने का अगरण है कि यथापृथिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह भीतफल स अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकार) बार अंतरिते (अन्तरितियार) के बीच एस अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नोलिशत उद्दर्य से उक्त अन्तरण सिचिछ में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया पवा है 4-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाव की वावत, उपक् अधिनियम के अधीन कर दने के वन्तुक वै वाधिएन में कभी करने वा उसने वचने में बुणिया के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी नाय वा किसी थन वा बन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, जिलाने में बुविधा के किस,

1. मैसर्स दी पुरत टैगतवाईन मा क्षेप्र पंति की० शोष्स एण्ड वेरहासीस सीसापटी कि० रिंग मेड् पुरता। (एनएक)

2. मैससं करपना एजेर्न्सन जे० ३०५३ पुरत टैपनटाईल्स भारतेट रिगरीड़ पुरत २।

(ध्रन रिसी)

का बहु सूचना जारी करके पृशीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

इच्छ सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई' भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारान्स सं 45 दिन की अविधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तिता पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जा भी क्षिप बाद मों समाप्त हार्ना हो, हो, में) न पूर्वाक्त क्षितामों में से कभी व्यक्ति तुवारा,
- (क) इस सूचना कर राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित्र के भीतर उत्रत स्थावर विश्वत व द्वित व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्ष री के वास निवित्त को किए जा सवागः

स्पन्धीकरण: - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित इ, बही अर्थ हागा का ३५ ८ ५० में दिया नया है।

#### अनुसुची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 धेरे या फर्ल इस कार्यालय में दितांक 10-5-35 को पेत्र लिया करा है। नाईज 185 पर्ग फीट श्रयना 166 पर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेमधास सक्षम प्राप्तिवारी सहायक क्राप्तवार आवता (पि. क्षण) वर्जन रेंप-2, धाम तयाद

अतः लव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण वो, भी, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

तारीख: 521938

#### प्रकल कार्ड, टी. एन / एस. -----

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के मधीन स्थना

#### शारत वरकाड

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज II. ध्रहमदाबाव ब्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० भार**० नं० 4234--- भ्रत**: मुझ पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- रह**. से अभिक ह**ै

और जिसकी संव टीवपंड एस नंव 8 रिंग रोड सुदा में बताए हुए या बत्ते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो मूरत में स्थित है (और इसने जाबद्ध धनुमूर्च। में और पूर्ण रूप से घणित है) रिजय्द्रीकर्ता शिधवारी के नायितः फोर्म 37 हिई अहमदावाद में रिजर्स्ट् करण अधिविद्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10-5-1935

की पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाबार बुश्य से कम की करमनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का रेब्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) **बार बंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एैसे अंतरण के सिए तय पावा** गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वास्य से उक्त अन्तरण सिधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दं---

- (क) नन्तरम से हुई किसी बाव की वावता, यक्त अभिनियम के सभीन कर दोने के सन्तरक से दायित्व में कभी करने या उससे अपने में दुविचा के लिए; बीर्/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भने या अन्य अवस्तियों को । जन्हें भारतीय बाय-कर विधिनिवंग. 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरियौ इदारा प्रकटनहीं किया भवा था का किया अक्षमा अविष्यु था, कियाने में स्विभावे विद्

जत: बब, उक्त जिथानियम, की धारा 269-ग को अनुसरण हें. में अवल अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के क्लीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ह---

1. दी सूरत टेक्सटाइल मा केट की-ऑप० गॉप्स **एण्ड वेयरहाउर्स**/स सोसादर्श लि०, रिन रोड पूजा। (57 33447) म० कीरीट फेब्रिक्स, 3/163, धनमाल भवन,

पारसी भोरी, सूरत-3।

(इस फिर्ता)

की बहु बुक्ता जारी कड़के नुगोबत सम्मृतित के पंत्र बे मिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति ने वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की ता कि से 45 विष की संबंधि या तत्सम्बन्धी अविष्ठ हैं । स्वनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, ओं भी **व्यविध बाद में समाप्त होती** हो, के भीतर पूर्वां <del>यह</del> न्यांक्तयां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- इ.च. स्वनाके राज्यन में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में 'हतनद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरो 🦠 पास निवित में किए वासकेंगे।

स्वच्यकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, ज विधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभा रत है, वहीं वर्ष होता को उस अध्याय अ नवा है।

#### बन्द्रवी

भाफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फम यह कार्यालम में दिनांक 10-5-85 को पेश विद्या गया है। साईज 185 वर्ग फीट भ्रथका 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खेलवाल सक्षम प्रचिकारी सहायक आयकर आयका (ि क्षण) श्रर्जन रेंज II, श्र<sub>र</sub>ेदाबाद

**सारीख: 5219**36

प्रकल नार्व ुदी. एन. १४, ००० - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीत सुपता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद
श्रह नदाबाद, दिनांगः 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० ग्राप्त० नं० 4235/2/85-86—श्रतः मझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जित्तकी सं टी० पी० एस० नं 8, रींग रों इ, सुरत में तथा जो बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों का हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूण रूप से बणित है), रिक्स्ट्रीकर्ता अधिकारों के नार्यालय, फोर्म 37-ईई-अहमदाबद में रिक्स्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियाँ) के बाज एसे बंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरात वे हुई कियों बाव की वावस्त, स्वक् वीविनियम के वर्षांत कर वोते के जन्तरक के समित्य वे कमी करने वा वससे वचने में सुविधा के सिए; स्ति./या
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी थन या कन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियन, वा वन-कर अधिनियन, वा वन-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवास प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविका के सिष् []

बतः भव, जनत वीधिनवन की धारा 269-म के बन्धरण वी, मी. राजत वीधिनियंत्र की धारा 269-म की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्निजित व्यक्तियों, वर्षात् :---  मेसर्स दी सुरत टेक्सटाईल माप्तकेट को० ग्रो० शोष्त्र एण्ड वेरहाउसीस सोसायटी लि० रींग रोड़, ुरत।

(श्रन्तरकः)

 मेसर्स िशतचंद लक्षमनदास वेगामपुरी, खानगढ़ शेरी सुरत-1।

(भ्रन्तरिती)

का यह त्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्वन के बिक कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख के 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिभ, को की अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास स्थानतयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा कथांहस्ताक्षरी के पार तिबात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पर्वों का, को उत्क अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रैरभाविष्ठ हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिका यस हैं।

#### भन्सूची

द्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई वा फार्म यह वार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेल्याल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

मोहर 🖫

प्रस्प बाद्दे . टी . **एन . एव** , न-न-व------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

#### शारत वर्षात्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णव रेज-2, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 4236/2/85-86—म्प्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवालः

बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्ता अधिनियमं कहा गया हैं) की धारा 269-व के बभीन सक्षम श्राधिकारा का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्परित, जिसका अचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

भीर ितनी सं टी०पी० एस० नं 8, रींग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा पहें श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित हैं (भीत इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीत पूर्ण रूप से बणित हैं), रिस्ट्रीवर्ता श्रविवारी के वार्यात्य फार्म 37-ईई-जहमदाबाद में रिजस्ट्रीवरण श्रविनियम, 1908 (1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1985

का पृथिनित सम्पत्ति क जीवत बाजार मृस्य स कम के क्यमान प्रतिकाल के स्विध् अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास् कारन का कारत हो कि मधापूनाक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसं क्यमान प्रतिकाल का पन्नद्रह प्रतिशत स अधिक हो और बतरक (अंतरका) बार बतरिती (अंतरितिया) क बीच एस बतरण के सिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त बन्तरण निश्चित में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) बन्तरण वे हुए किसी बाय की बावत, उक्त बाधीनयम के बधीन कर दाने के बन्तादक के दायित्य में कमी करने या उससे बधन में सुविधा के किए; बार, या
- ्या) एसी किसी जाय या किसी भन या ज्या जास्तियों की, जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त ज्यानियम, वा प्य- कर अधिनियम, 1957 (195/ की 27) के प्रशंचनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिधिनियम की भारा 269-न के अनुसरक को, भी, उक्त जिधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- मेसर्स दी सूरत टेक्झट ईन मारकेट को० थ्रो० शॉण्स एण्ड वैचरहार्जिन सोझपटी लि० रींग रोड़, सुरत। (अन्तरक)
- 2. मेतर्न विसनराम नीवनराम एण्ड कंपनी गोनीपुरा, छीयावाड, सुत्त-2।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कायनाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, शही अर्थ होगा, आ उस अध्याय में .दया गया हैं।

### वन्स्ची

भाफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांच 10-5-85 को पेश चिया गया है। साईज 185 वर्ग फीट भयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडलवाल सक्षम प्राधि हारी सहायक आयक्रर आयुकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ध्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रार्गेन रेंत्र-I, भ्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4237/2/85-86—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिरियम. 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें परकात 'उबर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन संपत्ति जिसका उचित याजार मूल्य

1,00,⊡00/- रु. से अधिक हैं।

प्रौर िसकी संव पीव टीव एसवनंव 8, सिंग रोड़, सूरत में बन, है हम बनते था रहे अपिसों से हिस्से हैं स्था जो सुरत में क्थित है (प्रौर इससे जपाबड प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण का से जीता है), प्रतिस्थी तो अधि ारी के नार्यालय होते 37-ईहै- । इंग्ड वांद में रिस्ट्री परण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 10 गई 1985

को प्वांकः। सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के हरममान प्रतिकाल को लिए अंतरित की गर्द है और मृक्त यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उपके हरयमान प्रतिफल से, ऐसे हरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रियात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय करी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिंधभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धान 264-म के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ धी वध्यारा (1) के स्थीन, निश्निकिधित व्यक्तियों, संबंध हरू→

- मेसर्स वी सुरत टेक्पटाईल मार्केट को० श्रो० सोप्स एण्ड वेरहांसीस सोसांवटी लि० रींग रीड सुरत। (अन्तरक)
- 2. में सर्स फोस्मी फोब्रीक्स पी/3099 सुरत टेक्सटाइल्स मार्केट रींग रोड़, सुरत। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

छ,फिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई क, फार्म यह कार्यालय में विनांक 10-5-85 को पेण िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलबास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, ग्रह्मदाबाद

तारीय: 5-2-1988

महिन :

प्ररूप बाईं. ही. एन. एस. -----

आयकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, महमदाबाद महमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1936

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4238--ग्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00 000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिन्नि सं० टी० पो० एग० नं० 8 है तथा जो रींग रोड, सूरा में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिगा में स्थित है (प्रोर इसे उपाय श्रनुप्त में श्रीर पूर्ण का से अगिन है), रिनेन्द्राज्यी श्रीय गरा के जातिय फोर्म सुरत श्रम्मागा। में रिनेस्ट्रांतरण श्रीधितम् 1908 (1908 का 16) के श्रद्यांत विनांक 10-5-1585

का प्वांक्त सम्पत्ति को उचित आजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह दिश्यास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिब्क रूप से किथत कही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मतः अवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-व कौ उपधारा (त्र) में अधीन, निम्निलिश्चित स्पेक्तियों, सर्पात् :---

- (1) घो पुरक्ष टेकाडाईन मारकेट हार घोर सोप्त बेरहासंस सोसानटी लिर रोंग रोड, सूरत । (ब्रन्तरक)
- (2) मे तस कल्यान ट्रेडर्स एल० 3067 सूरत टेक्सटाईल मारकेट रींग रोड, सुरत। (भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुभूची

श्रािका जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालन दिनौंक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साई में 185 वर्ग फोट श्रयंवा 166 वर्ग फोट है।

> पी० डॉ० खंडेलवाल संधम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुका (निरीक्षण) श्रुजैन रेंण -।, श्रहमदाबाद

दिनौंक: 5-2-1986

मीहेंग् :

THE WALL THE WHOLE

श्रातकड वरिश्विवयं, 1981 (1981 का 43) की याच 269-न् (1) ये वृषीय श्वा

#### लाइव चुक्काड

## क्रावृत्त्, ब्रह्मएक नावचन्द्र नाव्यम् (निर्द्रीवाच)

धर्जन रेज-1, धहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4239---ग्रतः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्रो इसमें इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त विधिनयम' कहा नवा ही, की आरा 269-व के वधीन सवाम प्राधिकारी को मह निकाल करने का कारन हैं । के त्यावर अस्मति, विक्राका उविद्या नावार मुख्य 1,00,000/-तः ते वधिक हैं

भीर जिसकी सं० टी० पी० एस० मं० 8, है तथा जो रींग रोड, पर बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फार्म 37ईई सूरत महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौक 10-5-1985 को पूर्वोक्त सम्मति के बीचत बाजार कृष्य से बाज के सब्बाद विपन्न के लिए बन्तरित की गई है और मुखे वह विद्याव करने का कार्यक है कि अवाप्त कार्यक कार्यक मिना बाजार मृत्य, उपले स्वयंत्रान प्रतिपन्न को पूर्व के स्वयंत्र की पहें हैं वार मुखे वह विद्याव करने का कार्यक है कि अवाप्त की, एवे स्वयंत्र प्रतिपन्न का प्रतिपन्न को स्वयंत्र की विद्यंत्र प्राथम की स्वयंत्र की की एवं बंतरण के किए तथा प्राथम वाप्त प्रतिपन्न के किए तथा प्राथम की स्वयंत्र प्रतिपन्न के विद्यंत्र प्राथम की स्वयंत्र प्राथम की स्वयंत्र की की एवं वंतरण के किए तथा प्राथम की स्वयंत्र की स्वयंत्र की स्वयंत्र की स्वयंत्र प्राथम की स्वयंत्र की स्वयंत्र की स्वयंत्र की स्वयंत्र की स्वयंत्र की स्वयंत्र कि सिक्त की वास्तिक रूप में कियंत्र नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण वे हुई जिली जान की नावड, उनत विविद्युत के मुनील कर दोने के अंशक्क के राज्यित के कभी करने ना क्यूबे क्यूबे के जुनिया के सिए; और√वा
- (क) एची किसी जाव वा किसी थन वा बन्ध शास्तिवाँ की, विक्षं भारतीय वावकर विभिन्नका, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नयम, शा थम-कर विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे विष्:

ंबत: बच, बंबत वीचीनका की भारा 269-व के अवृत्यक में, में, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-व की उपभारा (त) के अभीम, निम्नीसीवत व्यक्तियों, अपीत् :---34---6 GI/86

- (1) वी सुरत टेक्सटाईल मारकेट को॰ शो॰ शो॰स एण्ड बेयरहार्जीसन सोसायटी लि॰, रींन रोड, सुरत। (भन्तरक)
- (2) मैं वन्हिया लाग टेक्सटाईल एजेन्सीम 6/512 मुख्य रोड, गले मण्डी सूरत। (धन्तरिती)

को क्यू क्षवा प्राप्त काएके पूर्वीयत सम्मति के वर्षन के विद्य कार्यनाहियां क्षक करका हो।

इसका सम्मण्डिको नवीन को सम्मरभ में कोई भी मानीप्∴--

- (क) इक्ष क्रूपण के राजपन को अध्यावन की बारीय के 45 दिन की जबनि ना संस्थानमधी व्यक्तियों हर ब्यूपा की ताबील से 30 दिन की अधीप, में की अपि रूप में स्वाच्य होती हों, से भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से दिस्ती व्यक्ति हुनाक;
- (व) इस त्वना के रावणन में प्रकावन की राष्ट्रीय वे 45 किन के बीतर वनत स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्ष्य किन्दी व्यक्तिय क्यारा, नवांहस्साकरी के पाव विकास में किए का वक्षींगे।

स्वत्यीकरण:---इक्कां प्रयुक्त क्यां कीर पर्वो का, जां स्वय्य विश्वीनयम के जञ्माय 20-क में परिभाषित ही, खड़ी वर्ष होगा, को उस अध्याम जे विका क्या ही।

## अमृसूची

झाफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई फार्म इस कार्यालय सेंविनोंक 10-5-19.85को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट समया 166 वर्ग फीट है।

> पी० बी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रॅंग-1, महमवाबाव

दिनौक: 5-2-1986

योहर:

प्रस्तप् आहे . टी. एन. एस .-----

## बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ६एस 269-व (1) के नधीन बुवना

#### श्राहर बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकार बायुक्त (निराक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँ हैं 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4240--श्रतः **मुझे** पी० श्री० खंडेलवाच

आयकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं र टी पी एए एक नं 8 है तथा जो रिंग रोड़ सुरत गनाये हुए वा अनने जो रहे श्राफियों में स्थित है (ग्रीर इससे उराबढ़ अनुस्का में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीफर्ता ग्रिधि लगी के कार्यालय फोर्म 37ईई सूरत श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 10-5→1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्वयमा प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय एया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि में बास्तिक क्य ये किथत नहीं किया गया है : -- -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्त के के वावित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन ग्रा. अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्टिभा के लिए:

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की, अनुसरक र के प्राप्त अभिनियम की धारा 269-म की उन्धारा (1), के अर्था जिलिखित व्यक्तिमें पर्याम :---

- (1) दी सुरत टेक्सटाईल मारकेट को० ग्रो॰ शोप्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रीग रोड, सुरस (शन्तरक)
- (2) फोचेर एण्ड सन्स प्रायवेष्ट लिमिटेड 4633/34 डेण्चुरी गंज सदर बाजार दिल्ली 110006 (मन्तरिती)

को यह सुभवा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्पन के लिए कोर्यवाहियों करता हैं।

उपन सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों. में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिश के मीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए वा नकींने।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदा**गा**द

विनौक : 5-2-1986

प्ररूप आई. की. एक. एक.-----

नायकर निधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्यासम्, तहारक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० भार० नं० 4241/2<sub>i</sub>85-86--द्यतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अभीन सभन प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विक्रका उचित बाबार मुख्य 1,,00,000/- रह. से मिषक है

भीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई सुरत श्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 10~5~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण 🗱 कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य, उत्तके कायमान प्रतिकास से एसे कायमान प्रतिकास का पंक्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के भीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्षक निकाधिकत उन्दोक्य से उनक अन्वरण विकास में बरस्तीयक रूप से कथित नहीं किया गुणा है :---

- (क) अन्यारण वे क्षार जिल्ली नाम की बागत, उनक् नियम को अभीन कर दोने की अन्तरक को शायित्य में कमी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के जिए; बोर/या
- (ख). ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अभिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बहः । इब्ह , उक्त विधितियम की भारा 269-स के अनुकूरण में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-में को उपधारी (1) के बधीत, जिल्लीसिया व्यक्तियों, सर्वात ह—

(1) वो पुरत टेशाटाईल माल्केट को० ब्रो० शोष्त एण्ड बेरहासीन सोनायटी लि० रींग रोड, सुरत।

(अन्तरङः)

(2) मै० कैलाण चन्द्र स्याम सुन्दर सूरत टेक्प्रटाईल रींग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी, करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

कार्यवाहियां करता हो।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृथीसत न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्यध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वव्यक्तिरण: --इसमे प्रयुक्त रुव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में निया गया है।

## **प्रनु**सूची

भाफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय दिनाँक 10-5-1985 की पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलबाल ाक्षम प्राधिकारो स्यायक श्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनौंक : 5-2-1986

## प्रकल कार्या, टी. एन, प्रव∷ ≥ ० ०

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारतः स्टब्स

## कार्यासक, तहावक बावकार बावक्स (निरीक्सण) धर्णम रेज-1; अहमदायाद

बहमवाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 निवेश सं० पी० भार० मं० 4242/11/85-86----भतः मुझे पी० डी० खंडेसमाल

मायकार निधिनियम, 1981: (1961 का 43): (जिले इसमें इरफे पश्चाए 'उनता निधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास काइने का कारवाह है कि स्थानक सन्मिता, विश्वास समिता नामार मुख्य 1,00,000/- रा. से निधका है

और जिसकी सं० टीं० पीं० एस० नं० 8 हैं तथा जो रींग रोड, सुरत में बनाय हुए था बनते जा रहे ध्राफिसों में हिस्सा में स्थित हैं (और इससे उपाबक प्रनुसूधी में और पूर्ण रूप से धींगत हैं). रिजस्ट्रीश्रती ध्रक्तिनति, के कार्यालय फोर्म: 37ईई सुरा घहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक 10-5-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति को स्वित वाचार मृत्य से कम के स्ववाध प्रतिक्रम के तिथ नन्तरित की नई है और मुखे वह निस्ताध करने का कारण है कि प्रथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाचार पृत्य, उसके स्वयान प्रतिक्रम से, एसे क्यमान प्रतिक्रम का नंक्ष्ट प्रतिक्रम के विद्या से विश्वत से विश्वत से विश्वत के विद्या प्रतिक्रम के निष् तय पाया प्रविक्रम, निम्निसिवित उच्चेक्स से उक्त समाद्रण किवित के नात्विक्रम, निम्निसिवित उच्चेक्स से उक्त समाद्रण किवित के नात्विक्रम कर से क्षित के वात्विक्रम से क्ष्य से क

- (क) व्याप्तम वं हुन्नं कियों नाम तरी नावस्त्र उपस् विधिनका के नुबंध कर बाते के मन्तुप्रक के स्वित्य में क्यों करने के क्यों स्वयं में बृष्टिमा के विद्युः कर्म
- (व) एसी किसी बाब वा किसी भव या बन्द बास्तिकों को, विक्र्ष भारतीय वासकर विभिन्नियम्, 1922 (1922 के 11) वा उक्त विभिन्नियम् या भनकर विभिन्नियम् या भनकर विभिन्नियम् , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्य बन्दिसी इवास् प्रकट बहुँ किया व्या वा विक्रमा वाना आहिए वा कियाने में बुविश्या के लिए:

वर्षः वय अक्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्दरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभाकः (†) के वधीन, निकासियित व्यक्तिवान, वर्षात् :---

- (1) वी सुरत टेक्सटाईल मारकेट की० ओ० शोष्स एण्ड बेरहासीस सोसायर्टा लि० रींग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) मे**ं कार्यक्रिया देशसाटाईल कार्पे**रिशन दश्ननाथपुरा (अन्तरिती)

की यह बुच्याः पाती काजो पूर्वीकतः काणीत् के क्ष्मीन के क्षित्र कार्यमाहियां कृष्ण महत्ता हो।

बलव सम्पर्वतः के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क): इस क्षूचना की राज्यन में प्रकाशन की तारीक: है 45 दिन की जनिभः या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की ताबीक है 30 दिन की अवस्थिः, यो भी बचीज कादः में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपन में प्रकाबन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी क्या व्यक्तिक व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसी कर में किए वा सकींगे।

रकाशीकरकः — इक्सें अमुक्त कर्कों और पको का, जो करतः व्यक्तिनवनः के अध्यायः 20-कः में परिकाशिक ही, बहुते कर्का हरेगा जोः तकः अध्याय में विका भूगा ही।

#### <u> प्रमुक्त</u>ि

भाफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय दिनोक 10→5-1985 को पेश किया गया है। साईक 185 वर्ग फीट बयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० की० खंडेलवाल स्थामः प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1, श्रहसदाबाद

विनोच: 5-2-1986.

## ब्रक्त बार्ड .टी .हुन , एव . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचका

#### भाइत संस्कृत

## कार्याचन, तहानक नानकर नान्यक (निर्दाणक),

क्षर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांग 5 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० श्रार्० नं० 4243-श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलशास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसकें परकात् 'उनत अधिनियम' कहा नथा हैं), की धारा 269-वा के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थानर संस्पत्ति, जिसका अधित बाबार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 8, रिंग रोड, सूरत में जो बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से बाणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37ईई के अधीन दिनांक 10-5-1935

को प्वांवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिकत ध्रय पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण किंबित में बाल्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बलाइन वे हुई कि की बाम की बातक, उपक नीविनियन के ब्योग बार दोने के बलाइक के वादित्य में कती करने वा कवचे दचने में बृविचा ने लिए; वीद-/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, चिन्हें भारतीय आवकर नौधनितन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनितन, वा धन-कर अधिनितन, वा धन-कर अधिनितन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किता गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः जब, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-ण के अनुतरण में, में, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ४---

- 1. दी सूरत टेक्सटाइल मारकेट को० ऑप० शॉप्स एण्ड वेयरहाउसीस सोसायटी लि०. गोड, सूरता। (श्रन्तरका)
- श्री ख्यालीवास भनवरलाल भोगर, रेंडर रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

का वह त्यना वादी करके पृत्रांक्तः अञ्चरित से वर्धन कं जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

वक्त क्रमारिक के वर्षन के सम्बन्ध में कार्य भी बाबांप:----

- कि प्रभा के राज्यन के प्रकारत की तारीय है 45 दिन की नगींच या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सृज्या की तानील है 30 दिन की अवधि, जो भी नगींच वाद के सभान्य होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति स्नारः
- (क) क्षय सूचना के रावसभ में प्रकाशन की तारीय है '46 किन के मीतर जनत स्थाबर सम्पत्ति में हित-बक्षभ किनी मन्त्र कीनत हुंबारा, मभोहस्तासकी के यान विकास में किसे का सर्वोंगे।

#### वर्गल्ली

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्योलय दिनांक 10--5--1985 को पेक किया गया है। साईज 135 वर्ग फीट भथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० छी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

मोहर ।

वक्य बाई. टी. एन. एवं. नगरनावरक

बायकार विधिनियल, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के क्योन सूचना

#### RIES CLASS

कार्याचय , सहायक वायकर अवयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनोक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० प्रार० नं० 4244/II/85-86--- अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

नायकर नीभनियन, 1961 (1981 ना 43) (निसे इतमें इसके परमात् 'उनत माभिनयन' । एक पना हैं), की भाख 269-च के नभीन तकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आक्रम है कि त्यावर सम्मेरित, जिल्ला उपनत नामार न्रम 1,60,000/- रह. से विश्य हैं

भीर जिसकी सं० टी० पो० एस० नं० 8 है तथा जो रिंग रोड, सूरत में जो बनाये हुए है या बनते जा रहे प्राफितों में स्थित है (प्रीर इससे उपावद अनुसूची में प्रीर पूर्ण रून से विजान है), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई सूरत अहमदाबाद में रिजस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 5-2-1986 को पूर्वोक्त सम्बन्धित के दिख्त बाबार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के निए जंतिरा की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्बन्धित का अधित बाबार मून्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, एसे ध्रमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिक्ती (अन्तरितिवार) के बीच एसे अन्तरक से लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मीसिवात उद्देश से उन्तरक के स्थाप निर्माण की सिक्त से सम्बन्ध से उनक अन्तरक निर्माण की सम्बन्ध से सम्बन्ध से उनक अन्तरक निर्माण की सम्बन्ध से सम्बन्ध से सम्बन्ध से उनक अन्तरक निर्माण से सम्बन्ध से सम्बन्ध से सम्बन्ध से सम्बन्ध से सम्बन्ध से सम्तरक सम्बन्ध से सम्तरक सम्बन्ध से सम्तरक सम्बन्ध से सम्वन्ध से सम्तरक सम्बन्ध से सम्तर स्था स्थाप से सम्बन्ध से सम्बन्ध से सम्बन्ध से सम्बन्ध से सम्तर स्थाप से सम्बन्ध से साम स्थाप से सम्बन्ध से सम्बन्ध से सम्बन्ध से साम स्थाप से सम्बन्ध से सम्य स्थाप से सम्बन्ध से सम्बन्ध

- (क) बन्तरण ते हुई कियी जान की बलवा, बनव वीधीणवंत्र के अभीत कर दोने के अंग्रेक्ट के दानिक्य में कनी करने या उच्च बचने में चूचिया के फिल्; जीर/वा
- (क) एंडी किसी नाय या भून या नत्य वास्थिती की, किन्हें भारतीय नायकर निर्मित्रयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते निर्मित्रयम, या भनकार निर्मित्रयम, या भनकार निर्मित्रयम, या भनकार निर्मित्रयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ने क्यारिती क्यारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया वाना वाहित् ना, कियाने वे नृत्या के किन्ह;

बच्छ सबा, अवच जीभनियम की भारा 269-व भी बब्धिरक को, बी, उबक अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को बधीय, निक्किषिया क्यनियमी, बधीय क्र—

- (1) दी पूरत टेक्सटाईल मारकेट की० ग्री० शोष्त एण्ड बेरहासीस सीसायटी लि० रींग रोड, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कोटूराम पुनुराम रींग रोड, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्षन् के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त तंपत्ति के अर्थनं के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं वं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्मिक्तयों पद सूचना की तानील से 30 दिन की ब्बाधि, को भी जनभि बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मिक्तयों में से किसी स्मीक्त बुवास;
- (व) इस सूचना के सवयत में प्रकावन की सारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तत्र्यास्त में हितवव्य किसी जन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकेंगे।

स्वध्वीकरणः—इसमें प्रमुक्त सम्बं और पदों का, जो उक्त जीवीनवन, के जध्माव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्वाय में दिया गण हैं

## अनुसूचीं

ग्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट भ्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजै→1, ग्रहमदाबाद

विनांक: 5-2-1986

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

फायलिय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निवेश सं० पीं० श्रार० नं० 4245<sub>1</sub>2<sub>1</sub>85--86------श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवास,

नावकार निपिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसके इसके प्रवाद जिल्हा निपिनियम कहा गया है), की भारा 269-इ जे जभीन सक्षा प्राथिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति विस्ता उचित बाजार स्थाप ।.00,000/- रा. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो रींग रोड, सूरत में बनाये जा रहे हैं याँ बनते जा रहे ग्राफिसों में हिस्सा है (ग्रीर इससे उपावक प्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से बणित है), रिनस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई सूरत, ग्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 10-5-1985

को प्रशंकत संस्पतित के लिख वाजार मुख्य हे काम के द्रश्याम प्रांतफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का लिखत बाजार ब्रुख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल है. एसे द्रश्यमान प्रतिकत का पंचा प्रतिकत से विभक्त है और वंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के तिक् तब पाना गया प्रति-क्षण निम्मनिचित जब्देश्य से उक्त बन्दरण जिल्हित में नास्त-विक क्य ने क्षिण यहाँ किया पना है है—

- (क) अम्प्ररण में धूर्य किसी बाव की बाधत उचत विधि-मियम को अभीन कर दोने को बन्तरका को दायित्व मों कमी करने या उससे ब्राग्ती में सितिधा को लिए, विदिश्या
- (व) एसी किसी जान या किसी भन वा बच्च जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बच-कर अधिनियम, या बच-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ज्ञतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण क्षे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वे स्पीन, निम्नसिवित व्यक्तियों सर्वात प्र⊸

- (1) वी सूरत टेक्सटाईल को० ग्रो० मारकेट गोप्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड, सुरत। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मती कमला देवी सारेनलाल कासर, मरीधरपुरा सूरत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सक्यरित के वर्जन के लिए कार्ववाहियां कुक करता है।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की बवीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्योंक्ता में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्रांशित वृद्धारा अभोहस्ताक्षरी के बास निवास में किए का सकेंचे।

रनकाकरणः —-इसमें प्रमुक्त सन्तां और पदों का, को सकत वीधीनयभ के सध्यास 20-क में परिभाषित ही, दही नर्ष होगा को उस सध्यास में दिशा नवा ही॥

#### मन्त्रप्री

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10~5~1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, महमदाबाद

विनौक। 5-2-1986 मोहर:

## प्रवय नार्व , ही , पुन , युव , -------

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) से मधीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यानय, सहायक जायकर बाबुक्त (निस्तीक्षण)

मर्जन रेंज-2, महमदाबाद

श्रहमवाबाद, विनांक 5 फरवरी, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4246/II/85-86 ----ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन उक्षम प्राधिकारी को यह विश्वसास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- के. से अधिकःहैं

धौर जिसको संख्या टी० पी० एस० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाए हुये या बनते जा रहे ध्राफिसों में हिस्सा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वॉणा है), रिजस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, फोर्म 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 37 ईई का 16) के श्रधीन, तारीख 19~5—1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उभित काषार मृत्य से कम के दब्धमान प्रतिफल के निए कंतरित की नद्दं है और मुख्ये यह जिल्लास करने का कारण हैं कि क्यापूर्वोक्च सम्मति का उभित बाजार मृत्य, उसके दब्धमान प्रतिफल से एके ब्रुव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निस्चित उद्वेक्च से उक्च अन्तरण मिणित में वास्तिक क्य से कथित नहीं कथा गया है क्

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त वीधिनियम के अभील कर दोने के अन्तरक के याजित्य में कवी करने वा उत्तवे वचने में सुविधा दायित्व के सिए; औद/बा
- (क) एसी किसी काम वा किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने के स्विक्ष के सिए;

जत: अथ, उक्त बॉभनियम की भारा 269-न के बक्बरण यों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उक्शारा (1) हे अभीन, तिस्नीलीखत रिहिटार्ली, वर्षीय क्र---  श्री फीर्तिमान बेजीवालाल चन्देली नया पुरा, पारसभेटी, चर।

(भन्तरक)

2. दी सूरत टैक्सटाइल मारकेट को० मा० गाण्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरितीं)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

ज्यात सम्पत्ति से अर्थन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप ये----

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की संबंधि या तत्स्वनभी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अंबधि, जो जी क्वरिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब भं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्कूभ किसी जन्म व्यक्ति युवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास हिस्सित में किए वा सकोंने।

स्वक्ष्मीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उपत अधिनित्रम, के जभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा विका किंगा

## प्रमुख्या

माफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-1985 को पेश किया गया है साइज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंभ- , भद्रमदाबाव

तारीख । 5-2-1986 नोहर:

## प्रकार नार्द्ध और प्रदेश देखेल स्टब्स

# बाय<sup>2</sup> र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुकना शारत सरकार

## का निय, सहायक आयकर सायुक्त (विरास्त्रिक)

श्रर्जन रेंज-II1 श्रहमदाबाद

भ्रह दाह्माद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निदेश सं० पी० श्रार्गा०  $4247 \ _{I}I_{I}$ 85- 86 ---श्रत: मुझे, पी० ी० खण्डेलवाल,

बायकर जियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाः 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के एथीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1.00.05 /- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिन त्संघ्या टी० पी एप० नं० 8 रिंग रोड, सूरत में बनाये ए या बाने हुए जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो ने ज्यार्व और इर्गा उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से गींगा है), रिक्ट्रोक्सी श्रधिवारी के कार्यालय फोर्स 37ईई महाराजा में रिक्ट्रोकरण श्रधिनियम, 37 ई के श्रधीन, गरीख 10-5-1985।

को पर्वोक्ट उपाणि हो तिचन काजार मृत्य से कम के रच्यमान प्रतिफल को तए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्णास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उण्यत बाजार मृस्य, उसके रव्यमा अतिफल से, एसे रव्यमान प्रतिफल के पंद्र प्रतिकृत से अध्य हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के निव एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्हासिक उद्वोक्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक्य रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) न्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त येधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के रोयंत्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ए मी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिकां के , जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 ( 922 का 11) जर उस्ता शाधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ के विशेष धुनारी प्रयोज नहीं फिया गया था या किया खिता साहित्य था, स्थिपान में सुविधा के लिए;

क्षण प्रा त्रमत लिभिभय की भारा 269-क के बन्सरन में, भें, उसा अधिनयम की भारा 269-क की उपभारा (1) ≥ अधीन कि असिक्धित व्यक्तित्रमों, स्वीद् क्रम 35--6(11/86  श्री सूरत टेकाटाइल मारफेट को० श्रा० शाप्स एण्ड बेरसासी सोतायटी लि० रिंग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री किशन दास दिरयानायोल नकानी रामनगर, सन्देह रोड, सुरत।

(भ्रन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके पृबंधित सम्पत्ति के वर्णन के तिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वालोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तांगील सं 30 दिन की वविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किस् जा सकोंने।

स्थळकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमितियम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिसा वसा है [8]

## अनुस<del>ुची</del>

श्राफित जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फोट श्रथवा 166 वर्ग फोट है।

> पो० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज II श्रहमदाबाद

तारीख ′ 5~2~1986′ मोहर Camping and a page of a second

पन्म बाह' दी एवं. एवं.-

भायकर ब्राधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचवा

#### WITH WEIGHT

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

सिर्दे  $\overline{\phantom{a}}$  सं० पी० श्राह**्नं०**  $4248 \mu H_1 85 - 86 - - श्राह्म सुझे, पी० डी० खप्डेलवाल,$ 

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दिनके एक्पाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्त्राफ हैं कि स्थानर मध्यन्ति, जिसका उचित बाकार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिल्ही संख्या टी० पी० एन० नं० 8 रिंग रोड, स्रत में बतारे हुए या बतते हैं। रहे श्राफिसों में हिस्ता है तथा जो में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबढ़ श्रनुसूनी में श्रौर पूर्ण का से बिंगा है), रिस्ट्रोक्ता श्रिधनारों के कार्यालय फार्स 37 ईई हमाबार में रिस्ट्रोकरण श्रिधितयम 37 ईई के श्रधीन, 10-5-1985।

को द्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और कृष्ठे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिक्रल से, एसे दश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के लिच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्निलित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किवन किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आरे/या
- ्वः एपी किसी श्राय वा किसी वन वा बन्न बास्तिकों विश्व नारंजीय अध्य-कर अधिनियमः, 1922 के 300 का 11) या उन्त विधिनियमः, वा धानकर अधिनियमः, 1957 (1957: का 27) के प्राप्तिकारं जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का था के किया के सिका के सिका के सिका के सिका

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपयादाः (1) के अधीन, रिम्निल सित व्यक्तियों, अधित :---

- 1. श्री सूरत टेक् उटाइल मारकेट को० श्राप्त शाप्स एण्ड बेरहासीस सोतायटी लि० रिंग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
  - 2. श्रीमती तिललागित सरत शाँतीलाल शांह कालीपुरा, भरूच।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना बारी कारके पूर्वोत्तत संपरित से अर्चन के जिए कार्यवाहियां कारता हुए।

### उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोर्ड भी बाक्षेष ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील में 30 दिन की व्यक्ति , जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रविक्त व्यक्ति में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीक रणः—इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्क्ष विधिनयम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थ होगा, जो उस बध्याय भे दिशा गथा हैं।

#### अनुसूची

श्राफित जो सूरत में स्थित है, 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-1985 की पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलताल सक्षम प्राधिकारी **सहायक प्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-, ग्रहमदाबाद

तारीकाः 5-2-1986ः पोहरः

#### प्रकृप आह. टी. एव. एस.-----

बाखकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-घ (1) के बधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अम्युक्त (निर्**क्षिण)** 

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदबाद

अहम शवाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निदेश स० पी० श्रार० सं० 4249, II, 85-86 — सत्त. मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/-.रा. से अधिक है

ग्रीर जिन्नकी संख्ना टी० पो० एन० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे ग्राफिसों में हिस्ता है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इन्से उपाबद प्रमुखों में ग्रीर पूर्ण कर से विभिन्न है) रिजेस्ट्रीकर्मा श्रीधानारी के कार्यालय फार्स 37 ईई ग्रहमशबाद में रिजेस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 37 ईई के ग्राधीन, तारीख 10-5-85

की पूर्वी भत सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के समग्राब प्रतिफल के लिए बन्तरित की गद्द मुभ्ते वह विश्वास करने का कारण पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) **के बीच एसे** वन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिग्इल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के रूधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/गा
- (ध) एसी किसी नाय या किसी अत या जाय जाय कारिकारों की. जिन्हें भारतीय जाय-कर क्षिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त विभिन्यम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा की जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उक्धाराम्। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री सूरत टेक्सटाइल मारकेट की ह्या शाप्त एण्ड बेरहासीस सीतायटी लि० रिंग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. मै० लेख राज राजेश कुँमार दालोस शेरो, सूरत।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिष्ट कार्यवाहिया करता हो।

## इक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती है, , अविध र पूर्विवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक मो प्रकार की गरास सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थार सम्मीत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयं करणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित इं, वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय मा विक नमा है।

## **ग्र**नुसूची

श्राफित जो सूरत में स्थित है 37 ईई ता फार्न यह फार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फोट अथवा 166 वर्ग फाट है।

> ती०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर प्रायुका (िरिक्षण) ग्रर्जन रेंज II ग्रह्दाबाद

तारीख: 5- 2- 1986

प्रकल वार्डाः टी. एवः एवः, --------

अर्थाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्सण)

श्चर्जन रेंज, ग्रहमदाबाव

ग्रहमवाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० द्यार्०  $4250/\Pi/85-86$ :—-प्रतः, मुझे पी० डी० खण्डेलवाल,

कायकर किभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्लास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित् थाचार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या टी० बी० एस० 8, रिंग रोड, मूरत में बनाये है नथा तो बनने हा रहे शिकिओं में हिस्ता है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्री न्त्री अधिकारी के वार्यालय फार्म 37ईई श्रहमदाबाद में रिकस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37 ईई के श्रिधीन सारीख 10-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मुम्हे यह विश्वाध करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बश्यमान प्रतिफल का कृत्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्श्वेष्ट्य से उच्त अन्तरण कि शिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्श्वेष्ट्य से उच्त अन्तरण कि शिक्ष में बन्तरीय करने स्थान करी किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुड़ी किसी बाय की बाबत, उच्च अधि-नियम के अधीन कर बाने के संतरक के बायित्व सें कसी करने या उस्म बचने में स्विध् के द्विष्ठ; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भौ, भौ, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की अपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—  बी सूरत टैक्सटाइल मार्केट की० ग्रो० गाप्स एण्ड बेरहाउसिंग सोसायटी लि० पिंग, रोड, सूरत ।

(ग्रन्तरकः)

2. मै० लाइटिंग वर्क्स इण्डिया नालना देवी, ब्ल्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपा के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्पत्ति के अर्थ**न के संबंध में कोई आद :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन या तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध में भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की ारीख से 45 ' दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों । 'तबद्ध किसी मन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पः लिखित मों से किए जा सकोंगे।

स्माक्करणः - इसंमें प्रयुक्त शब्दां और पदां क, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क ें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा है।

भ्रतसूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है 37 ईई वा फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश विष्य गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट ्रे।

> पी०डी० खण्डेलवाल, सक्षम प्राधिवारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोंज अहमदाबाद

सारी**ख 5-2-**1986

मोहरः

प्रारूप बार्च.टी.एन.एस.-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचनां भारत सरकार

## कार्याक्षत्र, सङ्गाथक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० 4251/11/85-86 — प्रतः, मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधितियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000 - रा. से अधिक ह"

श्रीर जित्रकी संख्या दी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये दूए या बनते दुए श्रा रहे श्राफिसों में हिस्सा है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुरूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्रीकर्ता श्रीवनारी के वार्यालय फार्म 37ईई ग्रहमदाबाद नें रिरट्रियरण श्रीविन्यम, 37 ईई के श्रीन, सारीख 10-5-85

को प्वांक्त सम्मिति के उचित वाबार मूल्य से कम के द्रयमाथ प्रतिफाल के निए जन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित वाबार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफाल के लोसे द्रयमान प्रतिफाल का जन्तह प्रतिशात से अधिक है और '्राट्रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बाब एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नतिक उद्देश्य से उन्तर बन्तरण कि मिल्त वे वास्तविक रूप से किया नहीं किया यथा है क्

- (क) का बरण के हुए किसी बाय की बावता, उसके विश्वतिकार के बधीन कार दोने के बंदरका के दायित्व में कभी कड़ने वा उसके बंधने वे सूर्तिभा काभए; बॉर/शा
- (क) एली किसी बाव या किसी धन या अन्य बास्तियों क:, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) उ प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अक्षः वयः, उक्त विधिनियमं को धारा 269-गं के अनुसरणं क्री, औं, सक्त विधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) है अधीन, निम्नसियित व्यक्तियों, वर्धात हिन्स

 श्री सूरत टेक्नटाइल मार्केट को० श्राप० शॉपत एण्ड बेयरहाउतिंग सोतायटी लि०, रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरकः)

2. मैं लाहरूमल कृपाल दास णंदरे रोड, सूरत।

(प्रन्तिशती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप अ---

- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के स्विधियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- ((क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाध सिवित में किए या सकेंगे।

#### वन्स्यी

भाफिस जो सुरस में स्थित है। 37 ईई ना फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट भ्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधितारी सहायक भ्रायकण श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986 मो**हर**ः

## प्ररूप बाइ . टी, एन. एव. -----

अगयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत इउच्छ

कायालय, सहायक बावकर बाबुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

शहमदाबाद, दिनांकः 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० भ्राप्त 4252/11/85-86 — भ्राप्त मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूस्थ 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या टी वर्ग व एसव नंव 8 रिंग रोड, सूरत बनाये हुए दा बनते हुए जा महे आफिसों में हिस्सा है (श्रीर ससे उपाब के अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिलस्ट्री-दानी अधि गरी के गर्वायय फार्म 37 श्रहमकाबाद में रिलस्ट्री-दारण अधिनियम, 37 ईई के श्रधीन, तारीख 10-5-1985।

का पृवाकत सम्पास्त के उचित बाजार भूल्य सं कम के द्रायमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्त्र उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र अतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंसरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के निष् तृत् पावा स्वा अतिफल जिन्निस्थि उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निष्ति में अस्तरिक रूप से अधिक स्वार्थ किया विषय

- (क) अन्तरन से हुई किसी नाव की नावप । उनक विभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने नों सुविधा क जिस् और/वा
- (क) एसी किसी बाद या किसी धन वा बाव वासिस को को, जिन्हों भारतीय बाद-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्च विधिनयम, 1922 अनुकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती दुवाय प्रकट नहीं विध्वा गया था या किया बाना वाहिए था, जियाने जे सुविधा के लिए)

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 259-म की जन्तरूप में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थार :---

- वी. सुरत टैक्सटाइल मार्केट को० श्रो० शाण्स एण्ड वैयरहाउसिंग सोसायटा लि०, रिंग रोड, सूरत (प्रन्तरक)
- 2. श्री लेहरीलाल बाल न्यजी सींघवी सलावतपुरा, सूरत -2।

(ऋन्तरिती)

को महस्यना भारी करकं पृत्रोकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहिया करता हु।

बच्च बम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस स्थान के राजपण मं प्रकाशन को तारी स 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्थान की तामीन से 30 दिन की जबिंध, जो भी विश्वी वाद में समाप्त होती हो, के भीवण विवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्वष्यक्रिकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिर-शायित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

#### धनु सूची

भ्राफिस को सूरत में स्थित है 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में विनाय 20-5-85 को पेश िया गया है। साई ज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल, सक्षम प्राधिः गरी सहायक श्रायकर भ्रानुकत (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-, श्रहमदाबाद

दिनौक : 5-2-1986 मोहर : प्रकथ बार्च .टी .एन एस . ------

नायक र मीपिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के नपीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) % र्जन रेंज II श्रहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनोक 5 फरवरी, 1985

निदेश सं० पी० शार० 4253/II/84-85- शतः मुझे, पी० डी० खण्डेंस्वाल,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें हसके पश्चात उक्त अभिनियम कहा गया ही), की भारा 269-स के अभिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मून्य 1,70.000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जित्रकी संख्या टी० पी० एप० नं० 8- रिंग रोड, सूरत में बनाये gए या बनाये ा रहे ग्राफिस में हिस्सा है (ग्रीत: इससे उदादाइ शन्स् में ग्रीत पूर्ण रूप से बणित है), रिस्ट्री सी शिंधकारी के वार्यालय फर्म 37 ईई ग्रह्मवाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 37ईई के श्रधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अंतरित् की गई है और मूम्ने यह विश्वास उन्नें को कारण हैं कि बण्णप्यायल सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्द-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरक के निए तब बाबा बबा प्रतिकाल निम्मी लिखन उद्योक्त से उक्त बन्तरक विविद्य में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नागत जनत अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में क्सी करने या उत्तर्थ वधने में सुविधा थे क्रिए, कींग्रंग
- (क) ऐसी किसी आय या धन वा अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीधीं नयस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथीं नयस, वा धन-कर जीधीं नयस, वा धन-कर जीधीं नयस, वा धन-कर जीधीं नयस, वा धन-कर जीधीं नयस, वाधीं निम्ना के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था, जियाने में सुविधा के जिल्हा;

जतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के अभूतरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखिक व्यक्तियों, वर्धात:——  दी सूरत टेक्सटाइल मा केट की० भी० शाष्ट एण्ड वेयरहाउ तिंग सोसायटी लि०, रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

 श्रीमतः लाजवन्ति रामचन्द्र भाटररोड, सुरतः।

(भ्रन्तिरती)

**भी वह क्यमा पारी करके क्यों कर सम्मरित के अ**र्थन की क्रिक्ट कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

डक्ट बज्दित के वर्षन के सम्बन्ध में महेद्दें भी बाक्षप्≥--

- (क) इस स्वार, औ राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्यापित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामाल से 30 दिन की अप्रीध को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वक्ति में में दिस्ती स्वित्त सुवारा;
- (थ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन में नीतर सक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्बयुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जनाश्न्ताक्षरी के पाइ निक्ति में किए वा सकते ।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दी और पर्ता का, को उक्त अभिनियम के जञ्जाय 20-के में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अञ्जाय में दिया वसा है।

#### वन्स्यी

भाफिस जो गुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-8 को पेंगिःया गया है साइज 185 वर्ग फीट अथवा 165 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल, सक्षम प्राधि तरी **सहायक भाय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज <sup>II</sup>, श्रहमदा**वार**

तारीख: 5-2-1986

नीहर :

प्रस्त बार्ड : दौ : पुन : पुर : व्यक्ताना

बाध कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

घहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4254/11/85~86--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवान,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० टी० पी० एप० नं० 81, रिंग रोड़, सुरत में बताए हुए या बनते जा रहे स्राफिसों में डिस्ता है, तथा जो स्रहमदाबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूचो में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्रोक्ती स्रिधितारों के कार्याज्य, फार्स 37-ईई, स्रहमदाबाद में, रिनस्ट्रोक्ति स्रिधितारों के कार्याज्य, फार्स 37-ईई, स्रहमदाबाद में, रिनस्ट्रोक्ति सरण प्रिवित्यत, 37ईई के स्रधीत, नारोख 10-5-19865

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दश्यभान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्यूड् प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की सकता उपका वीभीनयन के बचीन कर दोने के बन्तरक के बामित्य में कभी करने में स्वीवधा के विस्: बांड/पा
- (ब) देशी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय अध्यकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से खारा;

जल: श्रेष उकत अधिनियम को धारा 269-न के जगुलरण वं, वं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (१) वं वर्षीय , निक्रामियम क्रामियमी, अर्थीय केल्ल 1 दि सुरत टेकाटाईल मारकेट को-प्राप० शोष्स एन्ड वेरहासीस सो गयटी लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री मीठालाल हीराचन्दजी राठोड़, मुख्य मार्ग, सुरत-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपत्ति को अर्थन को तिय कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपरित मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए आ सकती।

स्पट्टीक रण:--इसमें श्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा पदा है।

#### अनुसूची

श्राफिप जो सुरत में स्थित है। 37ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईब 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन र्रेज-2, प्रहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

मोतुद :

## प्रकार बाह<sup>र</sup>ू ही<u>. एष</u>् पुष<sub>ा वर्णन</sub>

भाव॰ र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार लेव, वहायक मायकर मायुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद पहमदाबाद, दिनाँ∂ 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4255/11/85-86~-श्रत मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर अधि नयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राध्यित्री की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु से अधिक है

भौर जिका सं ठी० पी० ए १० नं ० 81, रिंग रोड़, सुरत में बाये हुए या बनते जा पहे श्राफिसों में हिस्सा है, तथा जो श्रहमदाबार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधारी । कार्यालय, फार्म 37 ईई, श्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37ईई के श्रिधीन, तारीख 10-5-85

को प्रांकत र पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के देश्यमान प्रांतिक के िए अंतरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारा है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और मंतरिती (उत्तरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रांकल, निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्षित में व स्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) क्षत्तरण संहुई किसी अभण की बायत, उक्त अ धनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब.ंयस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; कार/या
- (क) ए ते किसी नाय या किसी भन या बन्च वास्तियों के , जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1322 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-क अधिनियम, या धन-क अधिनियम, 1957 (१९५७ का 27) धी प्रयं जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इंश्वा को सिए;

श्वतः श्रवं, इवतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, बें-, इवा अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) को अधीमः जिनीजीवातं व्यक्तियों, जयीत् ; ज्ला 36---तें ∰ 1/86 1. दि सुरत टेक्नटाईल मारकेट को-आप० शोप्स ऐन्ड वेरहासीत सोतायटी लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(भ्रन्तरक)

2. भै॰ एम॰ तत्यनारायण ,रिंग रेड़ि, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त विकत्यों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इभ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्रथ किसी ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात रिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीफरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो चक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### घनुसूची

श्राफिप जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट ध्रथवा 166 वर्ग फिट हैं।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अङ्मदाबाद

सारीख: 5-2~1986

मोहरः

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद श्रहमदात्राद, दिनौक 5 फरवरी 1986

निदेम सं० पी० म्रार० नं० 4256/11/85→86~--म्रानः मुझे, पो० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 265-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00-000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर िक्हों सं टी पी एप में सं 81, रिंग रोड़, सुरा में सताये हुए या बतने जा रहे श्राफिसों में हिस्ता है, तथा जो श्रद्धाताह में स्थित है (श्रीर इतने उपादक श्रमुप्ती में श्रीर पूर्ण का से बिणित है), रिंस्ट्रीएसी ग्रीधनारी के जार्यालग, फार्म 37-ईई, श्रहमदाबाद में, रिंस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37 ईई के श्रधीत, तारीख 10-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अन जमत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों. जमत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधी के जिम्निजिसित व्यक्तियों, सर्थात् :---  दि सुरत टेकस्टाईल मारकेट की-श्राप्त भोष्त ऐन्ड वेरहासीत सोतायटो लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(म्रन्तरक)

2. मैं ० एम ० जगदीस डाइंड एण्ड प्रिटिंग वर्ष्स, सुरत--21

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगें।

स्पट्योकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

पाफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेग किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट घ्रथवा 166 वर्ग फिट है!

> पी० डी० खंडेलयाल सक्षम प्राविकारी सहायज्ञ स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंझ-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप बार्च . टी. एन . एस . ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

#### भारत त्रकाड

क्रप्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4257/11/85-86--- मतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रभात उक्त अधिनियम कहा गया है), का भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाचार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिन्नों सं० टो० पो० एग० सं० 81, रिंग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते या रहे श्राफिसों में हिस्ता है, तथा जो श्रहमधाबाव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रमुस्वों में श्रीर एपें रूप से विणित है), रिवस्ट्रेटिती श्रिकारों के वार्यीलय, श्रहमधाबाद में रिजिस्ट्रेटिती श्रिकारों के वार्यीलय, श्रहमधाबाद में रिजिस्ट्रेटिर श्रिकारों, श्रीमधाबाद में रिजिस्ट्रेटिर श्रिकारों, श्रीमधाबाद में रिजिस्ट्रेटिर श्रिकारों, श्रीमधाबाद में रिजिस्ट्रेटिर श्रिकारों, श्रीमधाबाद में रिजिस्ट्रेटिर श्रीकारों, श्रीमधाबाद में रिजिस्ट्रेटिर श्रीकारों श्रीक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य असक दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से सिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्निर्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक इप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उस्त अभिनिय्म के सभीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्थ में कती करदे या उससे वचने के सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन वा बन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपान या सविधा वी लिए।

संस्थ सक, उस्त सीधीनयम की धारा 269-न के समृतरण भी. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाय (1) के सधीन, निम्नलिसित स्पक्तियों, संधित ६ दि सुरतः टेक्ष्तटाईल मारकेट को-आप० शोध्य ऐन्ड वेरहासीस सोतायटी लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती मंजूसरन श्रवणकुमार सहानी, गापोपुरा, सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिय कार्यवाहिया करता हुं।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्ब**न्ध में कोई भी अर्ज़प :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यावतयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य स्थाक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका म्या हैं॥

#### अनुसूची

श्राफिप जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यीलय में दिनौंह 10-5-85 को पेग डिया गया है। साईज 185 वर्ग किट श्रयंवा 166 वर्ग किट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंग- 2, प्रहमदाबाद

तारीखाः 5-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

**म**हमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० धार० नं० 4258/11/85-86---- प्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० पी० एन० सं० 81, जिंग रोड़, सुरत में बनाये हुये या बनाए जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है, तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इन्से उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणय है), रिजिस्ट्रोक्ति श्रधिन कारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रोक्तरण श्रधिनियम, 37 ईई के श्रधीन, दिनौंक 10-5-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिजल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर प्रोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीक, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---  दि सुरत टेक्नटाईल मारकेट को०-ग्रा० घो९त, ऐंड वेरहासीत सोतायटो लि०, िंग रोड़, मुरत।

(श्रन्तरक)

 मै० मारफृतिया ब्रदर्स, स्टेणन रोड़, सुत्त। ्मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अ॰ र के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी के क्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव ध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के रीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पि: में हिस वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधो स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## EYEM

ग्राफिप जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यास्त्र, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 2, ग्रहमदाबाद

घर्मदाबाद, दिनौंक *5* फरवरी 1986

निदेश ां० पो० श्रार० नं० 4259/11/85 86--श्रतः मुझे, पो० डी० खंडलवाल,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के बीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं बीधक है

ग्रीर जिसका सं टी० पी० एन० नं० 81, रिंग रोड़ मुरत में बताये हुए या बनते ता रहे श्राफिसों में हिस्सा है, तथा जो श्रहमदाबाद में न्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुभूची में पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रेकर्ता श्रधि-कारों के कार्यालय, फार्म 37-ईई, श्रहादाबात में, रिजिस्ट्रो-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-5-1985

कों भूनोंकत ंपरित के उधित बाबार बृन्य से कम के ध्यवमान प्रतिकल के त्य बन्तरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विकास करने का का ला हैं कि यापायों जिल सम्परित का अधित काथार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिकल के एंसे ध्यमान प्रतिकल के प्रतिक्रण के बन्तह प्रतिक्रण से विकास से विकास के बिर लंगरका (बंतरका) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तिबक रूप से काथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, शक्त किसीनयम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविभा और/या
- (क) एंसी किसी बाय मा किसी भन मा अन्य बास्तिमी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचिनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया बाना बाहिए ना, डिपान में सुविधा क लिए।

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हैं, मैं, उल अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीत, निव्यक्तिक व्यक्तियों, अर्थात् :—

 दिसुरल टेकाटाईल मारोट को-प्राप्त शोलके ऐन्ड वेरहासात सोतायटी लि०, िल रोड़ सुरता

(थ्रन्तरक)

 श्री मोतीलाल कस्तूरचंदजी, मुमुल डेरी रोड़, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील है 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी च्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वोगत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उन्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर आयकर अधिनियस के अभ्याय 20-क में पारभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पता है।

#### मम्स्यी

श्राफित जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट प्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पीर डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंगे-2, श्रह्मदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप आर्झ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद ग्रहमशबाद, दितौंक 5 फरवरी 1986

तिदेश सं० पो० म्रार० नं० 4260/11/85-86---म्रतः मुझे, पो० डो० खंडेसत्रात,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिन्हा संघटोऽ पाँठ एन संघ 81, रिंग रोड़, सूरा में बनाये हुए या बाते जा रहे स्राफिसों में हिस्सा है, जबा मा बहुनशाना में स्थित है (स्रीर इनसे उपाबद समुद्धां में प्रार पूर्ण का से बींगत है), रिजर्ट्रीकर्ता स्रीधारों के जायीलय, फार्म 37—ईई०, स्रहमदाबाद में रिजेट्रीहरण स्रीधितयन, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नारोख 10-5-1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उन्नतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उन्नतः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

 दि सुरत टेक्तटाईल मारकेट को-प्राप्त मोल्स ऐन्ड वेरहासीस सोतायटी लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(ग्रन्तरक)

 श्री मोहनलाल भूरीलाल मोगर, रिंग रोइ, सुरतः। (भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगें।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का जो उनकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

श्राफित जो सुरत में स्थित है। 37 ईई० काफार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 की पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, श्रहमदाबाद

तारीख 5-2-1986 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4261/11/85 86- - भतः मुझे, पी० छी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिल्हा सं० टी० पी० एत० सं० 81, रिंग रोड़, सुरत में बताये हुए या बतते हा रहे आफिसों में हिस्ता है, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विधात है), रिजिस्ट्रोलिसी अधिकारों के कार्यालय, फार्म 37 ईई०, अहमराबाद में रिजिस्ट्रोलिसण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित दाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिष्

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) चे अधीन, निम्निकिक व्यक्तियों, अर्थात् →  दि सुरत टेक टाईल मार्थन्य कॉन्बान० सोध्स ऐन्ड वेरहासास सोबायटी लि०, रिग रोइ, सुरत।

(अन्तरक)

 श्री मोहनवाल शिवलान मातीयाबाड, तलंबिपुरा, सुरत्त।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की विवीध ता तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीण से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सांपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधांहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त घड्दों और पदों का जो उच्कत अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

श्राफिन जो सुरत में स्थित है। 37 ईई० जा फार्म यह कार्यालय में दिनौंह 10~5-85 को पत्र िदा गया है। साईन 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डो०रांडेगताल ासम प्राधि नरी स**हायक घायकर घायुक्त (**निरीक्षण) **घर्जन रेंज-2, ब्रह्मधाबाद**

तारीख: 5-2~1986

प्रस्प भाइ.टी.एन.एस.-----

# आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1946

निदेण सं० पी० भार० नं०  $4262_{I}II_{I}85-86$ --भतं मुसे, पी० डी० खंडेलवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विक्रमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रु में अधिक है

ग्रौर जिनकी संव टीव पीव एनव नंव 81, रिंग रोड़ सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्या है, तथा जो ग्रहमराबार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजिन्द्रीरर्ता ग्रीधनारी के कार्यालय, फार्म 37-ईईव, श्रहमणबाद में, रिजिस्ट्रीलिएण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान शितकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अपने का कारण ही कि स्थाप्यांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्यः, सम्बद्ध स्वयमान प्रतिकल से, एमें दश्यमान प्रतिकल का पन्दह् प्रतिशा से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (सन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए अस पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिनसित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है ध-

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बायत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) जभा किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों स्था जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-किए सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भया आह या किया आना चाहिए था छिपाने में अधिभा के लिए:

क्स: अब, अबस अभिनियम की परस 269-म के अनुसर्थ क्रें, क्रें, क्वस आधिनियम की भारा 269-म की उपभास (1) वै अभीत: निमासिक्त क्रांकिनमें क्रांकि (1902)  दि सुरत टेकाटाईल मार्लाट, रिंग रोड़ को०-भ्राप० शील ऐन्ड वेरहासील सोतायटी लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(श्रन्तरक)

2. भै॰ एम॰ जी॰ संघवी ऐन्ड सन्। नवापुर सुरत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कार्रन के किए कार्यनाहियां करता हुए।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्य प्रवन

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन जी तारीब सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी का क्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अंधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के ीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन के तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय में पिया नेया हैं।

### श्रनुसूची

भ्राफित जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईन 185 वर्ग फिट ध्रथता 166 वर्ग किट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन् रेज-२ शह्मदाबाद

तारीख: 5-2-198**त** 

मोत्र १

# 

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक अवस्य कार्यालय (किरीक्स) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4263|II|85-86-- ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परचात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रु. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० सं० 8, रिंग रोड़ सुरत में बताये हुए या बतने जा रहे ग्राफिसों में हिस्ता है तथा जो ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विगत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय फार्म 37 ईई० ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिचत बाजार मुला से कम के इञ्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 37 —6 GI/86

1 दी सूरत टैक्सटाईल मारकेट रिंग रोड को-श्राप० शोप्स एन्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़ सुरत।

(ग्रन्तरक)

 श्री मोहनलाल कन्हैयालाल जैन हनमंतनगर बेंगलोर।

(ग्रन्तरिती)

कार्यम् स्था प्रारी करके प्राप्तिन संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यमाधियां कार्यन हों!

उक्त सम्मिति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई नी नार्क्ष :-

- (क) इस स्थला के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 डिम् की संशीध वा तत्स्रज्ञण्यी व्यक्तिकों पर स्थला की ताशील से 30 दिन की बदिया, वो भी अध्यक्ति वाह में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तिसमों में से जिसी व्यक्ति स्वाराः
- (ख) इस सम्मत के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी वै पाद तिक्ति में किस्स वा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनु<mark>सूची</mark>

ग्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 की पेश किया गा है। नाईज 185 वर्ग किट ग्रथवा 166 वर्ग किट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रकार आहुँ .टी .एस . -------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म ा) के व्यक्ति सचना

#### भारत तरकार

कार्यांलय, महायक आपकर आयक्त (निरीक्षण)

यर्ज . रेंच-: ग्रहणशाबाद

ग्रहमदावाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेण सं० पी० आए० नं० 4264 / 85-86--अत मुझे पी० डी॰ खंडेलवान

आयकर अधिनियम, 1981 (1991) का 29) (जिसे इसमें इसके परचात् (सक्त अधिनयमां सक्त गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी एवं पर विकास करने का आरम ही दि स्थावर नावित जिल्हा ने कि बाजार मूल्य 1,00,900/- राजसे अधिक ही

ग्रीर जिनकी सं० टी० पं७० एउ० एं० 8, रिंग रोड़, है तथा जो ग्रहमनावाद में थिए हैं (ग्रीर इसने उनाबद्ध ग्रमुश्वों में ग्रीर पूर्ण का में वर्णात हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधानरों के नार्यालय, फार्म 37-ईई०. शहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एके अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्धारण से उक्त अंतरण जिल्लित मा वास्तिवक कप से बालित नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण भं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दरियदा भी अभी करने या लयसे बचने में सविधा के लिए; अपर/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य श्रास्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विश्व के लिए

बकः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन जिस्ति विति व्यक्तियों, अर्थात :--

 दि सुरत टेक्सटाईल मारकेट को-म्राप० शोष्स ऐन्ड वेरहासीस सोसायटो लि०, रिंग रोड़ सुरत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद हुसैन ग्रबूभाई, उर्दना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया। साईज 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पीं० डीं० खंडेलवाल ्थाम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुवः (गिरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1936

प्ररूप आहाँ,टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीर सुचना

भारत . जार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेण सं० पी० श्रार० 'नं०  $4265_{l}\Pi_{l}85-86^{\circ}$ -श्रतः मुमे. पी० डी० खंडेलवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्रािकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

शौर जिपकी सं टी॰ पी॰ एप॰ सं 8, रिंग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्पा है, तथा जो श्रहमदाचाद में स्थित है (श्रीर उपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, फार्म 37-ईई, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिक रूप में किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्त्वि में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी था किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्द अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, स्किन्ते में सुनिधा के सिए।

जत: जब, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 262-च की उप्धारार (1) के अधीन,, निस्तिचित स्पितियों, अर्थात :—  वि सुरत टॅच छाईन पारलेट की-प्रापण गोण्य, ऐन्ड बेटहासील सोतायटो विण, रिम रोड, सुरत

(श्रन्तरक).

 मै० मनॉरएन फैबिक्स काल्या रीड़, सुरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन मां प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या ताराम्बरणी व्यक्तियों पर मूचना नो तामील से 30 दिन की अधि , जो भी अविध बाद मो समान्त होती हो, को भीतर पूर्वित व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यह भी शप्तकार की वारीस से दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति मी हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति। इयाहा अभाहण्याक्षरी के पास लिसित मी किये जा सकेशी।

स्यव्यक्तिरणः — इसमे प्रयक्त शत्की कार प्रश्नी का, जो सक्त जिम्मिनयम, के प्रध्नीय 200-के मी परिभाषित है, वहीं अर्थ हाया जो उस व्याग में दिस्स गया है:

#### मन्म् सी

श्राफिय जो सुरत में स्थित हैं। 37-र्हई० का फार्म यह कार्यालय में दिवाँक 10-5-85 को पेग किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट प्रथवा 166 वर्ग गण है।

> पी० जी० खंडेलवाल गतम प्राधिकारी सहायक प्राथमा प्राप्तक (निरोक्षण) प्रजैन रेज-2, प्रहेनदाबाद

तारीख. 5-2-1986 मोहर: प्रदेश आहें हो धून एस ,-----

बावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधिक सुभक्ष

नार्ध सहकार

# कार्यास्य, बहायक आधकर नामुक्त (निहुक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-2 श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० भार० नं० 4266/85-86--ग्रतः मही-पी० डी० खंडेलवाल

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात उसत अधिनियम कहा गया है), की धार 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित माधार सुस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव टीव पीव एसव संव 81 रिंग रोड़ सूरत में बनःये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिवस्ट्री ति श्रीकरी के वार्यालय फार्म 37-ईई अहमदाबाद में रिवस्ट्री रूप श्रिष्टियम 1908 (1908 के 16) के श्राधीन तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के इस्ययाम इतिकाल के लिए अस्तरित को गई है और मूक्तें यह विकास करने का कारण है कि स्थान्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल सं, एक जीवति आत्रकां आदि कि प्रवास प्रतिकाल (अंतरकां) और अंतरिती (क्लीरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया शिवक निम्नीलिखित उद्वोध्य से उन्त अंतरण जिलिस में बास्तिक स्प सं किथत नहीं किथा गया है :---

- (क) वन्तरम संहुई किसी अप की अवत उसत विभिन्न जिसम् के बधीन कर दोने के अन्तरक के द्वार्थिक में कभी कहने वा उन्नतं वचन में सुविधा के विष्णु विद्या
- (व) एंबी किसी जान ना किसी धन या अन्य जास्तिमां को जिन्हों भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ध्वास पकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविका ने निय;

अस्त: अस तक्त अभिनियम का भारा 269-त के लब्धक का, की, सकत अभिनियम की भारा 269-व की सप्याप (!) के क्षीत, निम्नलिखिक अक्तिकों, अभित :---  दि सुरा टेक्सटाईन भारकेट कोन्याप० शोप्स एन्ड वेरहामील सोप्त यटी लि० रिंग रोड़ सुरत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहनल.ल गणगमल छाबड़ा रिंग रोड़ सुरत। (श्रन्तरिती)

कारे यह सुवारत कारते सार्क वार्तिकत अक्योंकित को प्रार्वन की निसंध् कार्यनाहियां करता हुं।

उपत सपरित के बर्जन के मर्जन में काई भी बाधाय ::--

- (क) इस सुभना के राजपंथ भा प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन का अविश्व पा तत्स्य करेंगे अभितायों पर सृभना की तामील से 30 दिन को अविश्व, जो भी अतिथ वाद माँ ममाप्त शानी हो।, के भीतर पृथिवस व्यक्तियों माँ से निस्तो स्वित्त स्ताम,
- (क) इस मूथना की राजधक मा जनायन की तारीब स 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध फिसी अन्य व्याक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मी किए का की गा

स्पष्ट्रीकरण. --- इसमें प्रशुक्त काव्यों और पद्यों का, जो उन्त कींच-निक्षण की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. महा कर्ष द्योगा, जो उत्त कन्धाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्राफिस की सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यात्रय में दिनांत 10-5-85 को पेण दिया गया है। साईज 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सह<sub>।</sub>यक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज–2 क्रहमदाबाद

त₁रीख: 5-2-1986

प्रस्पः बाह्रः शैः एतः एसः गण्यान्यम्भवनात्रः

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीर मुक्त

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4267/11/85-86---- श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाउर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोग जिसकी सं० टी० पी० एस० सं० 81 िंग रोड़ स्राप्त में बनाये हुए या बनाते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध गरी के क.यीलय फार्म 37-ईई० ग्रहमद.बाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ये कम के दश्यमान अतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्ति से, एन दश्यमान प्रतिपत्ति का बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पासा रास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उक्त अधिक्यिम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 दि सुरत टैक्सटाईल मारकेट को-आप० शोप्स ऐंड वेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड, सुरत।

(ग्रन्सरक)

2. श्री महेन्द्र कुमार गबेरचन्द सेरवानी गाजीपुर, सुरत।

(ग्रन्तिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रुट करता हो ।

## उनत सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की जनिभ या तत्संबर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक रा 45 दिन की भीतर क्षण स्थावर सम्मात मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त प्रकां और पदाँ का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## **ध्रनु**सूची

ग्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनां। 10-5-85 को पेश विया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेजेबाल सक्षम प्राधिना**री** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

अस्य आर्थं . ही . एम . एस . - -------

जावकर वीधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के संभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्णालमः, सहायक आयकार जायमक (निरक्तिका) अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिलांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4268/11/85-86---ग्रसः मुझे पी० डी० खंडेलवाल प्रायकार स्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इ.समें इसके पश्चात् 'उचल अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-- व के अभीन-संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/-स्त. से अधिक **ह**ै

स्रोर जिसकी सं टी पी एस सं 81 रिंग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो फार्म 37-ईई श्रहमदाबाद में रजिस्ट्री रण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-5-1985

को पृष्ठीयश सपरित के उचित प्राजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्तें यह जिश्यास करने का कारण है कि प्रथापृष्ठीयत सम्परित का उचित बाजार एल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिफाल से विश्व हैं और अन्तरक (बन्तरका) और बन्तरित (अन्तरितिका) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब बाबा गया। प्रतिफाल, निम्नतिबिद्धा उद्विष्य से उच्छ अन्तरण किवित में वास्तिक क्य ने कीमत नहीं किवा गवा हैं —

- (क) बन्तरण वे हुए किसी बाव की बावत, उन्तर विभिन्निया के बधीन कर दोने के अन्तरक में दानित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के निए;

जलः अवं, उक्त जीवीनवन की बारा 269-ग के जन्हरण त्रों में, उक्त जीवीनयम की भाग 269-व की उपभाग (1) के अथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  दि सुरत टेक्सटाई-व मारकेट को-ग्राप० शोष्स एन्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़ सुरत।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री मदनलाल मुकुन्दलाल जुनेजा शंदरे रोड सुरक्ष।

(ग्रन्तरिती)

को यस भूगना जारी करक पृथीवल सम्मित्त के कर्मन के लिए कार्यवाहियां करता शुं

उन्हा सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस मूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्प्रांत में हितकष्थ किसी अन्य कावित इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकी हो।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, को उक्त जीधीनयमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्रमुसूची**

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 87-ईई० का फार्म इस कार्याजय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट ग्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

पक्षण कार्य होरे एक. गर करनार

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 260-न (1) के नभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोज-2 श्रहमदाबाद

श्रष्टमदाभाव, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० आर० नं० 4269/11/85-86—अतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल बायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) विसं इसमें इसके पश्चातः अकत अधिनियमः, कहा गया है, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने स्व भारण है कि रभावर कल्यों के, जिसका जिल्हा साजा- मृत्य 1,00,000/- मा. से शिक्षक है

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० सं० 81 रिंग रोड़ सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीयताँ श्रिधकारी के कार्यालय फार्म 37—ईई० श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री एरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधन तारीख 10—5—1985

का पृत्रोक्त सम्पत्ति के अभित आजार मृत्य सं का से क्षम्यकाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वानित संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाबा गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश से उसत अन्तरण निर्माश्वत में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुद्दे किसी आग को शबत उक्त बिध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/यः
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों करा । अहं कर्यात्म र कार्य अस्तियों करा । अहं कर्यात्म र कार्य अस्तियों । अहं कर्यात्म र कार्य अस्तियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अस्तियम अस

बत: अया, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरक भूँ, ग्री श्रवत कर्रभीनयम की भारा 269-व की उपभारा (१) के अभी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——  दि सुरितः टेक्पटाईल मारकेट को-श्राप० शोप्स ऐन्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़-सुरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री महेन्द्र तुलसीदास शाहः कालसादेवी रोड़ बम्बई-2।

. (ग्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन कं कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवत सम्पत्ति के कर्जन ही राज्यनम में करोड़ी भी जाओप --

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीक श्रे 45 दिन की नर्वाच या तत्साचनश्री देगीदार्थों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बयधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचमा के राज्यन में प्रकाशन को तास्त्रिक ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में । इत- भव्भ किसी अन्य त्यक्ति हुंबारा अक्षंत्रहरूत(अर्थ के शास निश्चित में किए) का सकेंद्रें ।

स्थाकीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, का उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में येथा गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा नस सभ्याय में विका गया है।

## अनुसूची

ग्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० फार्म का यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश विया गया है। साईन 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

मारीखा: 5-2-1986

AND THE ST. THE ST. CO.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

फार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं०  $4270/\mathbf{H}/85-86$ —अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

सायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके वक्सात (उसन करियाणमा कहा गया है), की भारा १९०० का के अभीन सक्ष्म प्राविद्यानी को, यह विकास करने का कारण ही कि स्थान (प्रावित कर्मण उपित गावान मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर नियकी सं० टी० पी० एन० सं० 81, िए रोड, सूरत में बनाये हुए या बनो जा रहे नाफिसों में हिस्सा है, (ग्रीर इसने उनावढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणा है), रिनस्ट्री जी अधि गरी हो नायित्य, फार्म 37-ईई, प्रह्नशाबाद में, रिनस्ट्री एण अधि गिम, 37-ईई के अधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मक्स, उनके स्वयमान प्रतिफल का पन्स्य प्रतिकाल अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ही एमें अन्तरण के लिए तय ाया नया प्रतिफल, निम्निलिंग उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखत में राम्तिवक रूप से बिंग्ज नहीं किया गया है कि

- (क) बन्दरण म तृपुं रिक्सी हाय की बन्दर, उनद इसिनीयन के अपीन तल दोने के समारक के बासित्य में कती कारण रहा रहा ने अपने में सुनिक्त के लिए:
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 अप 11) या उस्त अधिनियम, शा धन अर अधिनियम, शा धन अर अधिनियम, शा धन अर अधिनियम, । १५५३ : 1957 का 27) के प्रयोद्धनार्थ अन्तिरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था था किया जाना चाहिए था जिपान में रितथा के निया

अतः अव, उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनिवम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीका, निक्रनिविश्त व्यक्तियों, अर्थात्:—  दि सूरत टेक्नटाईन मारकेट को-आप० शोप्स एँड वेयरहाऊर्सिंग सोतायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत।

(अन्तरक)

2. मै॰ मोतीराम खुशालदास बन्दारीया, संग्रामपुर सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृताँक्त सम्मृतित के नर्जन के निष् कार्यकार्िया शुरु करता हुँ:

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आधार :--

- (क) इस सूचना है राजपत्र मं प्रकाशन की तारीय से 45 विन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भूचना की तामील से 30 विन की वविध, जो भी त्रभीय बोद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किही व्यक्ति हुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का को उक्त विधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं. अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

#### अन्स्ची

ािफ त वो पूरा में सिया है। 37-ईई० का फार्म इस कार्याध्य में दिवांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल नक्षम प्राधितारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंच-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर्० न०  $4271/\Pi/85-86$ —अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्जित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं टो० पी० एस० सं 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिमों में हिस्सा है, (स्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिक्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई, अहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्वैिक्षा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अक्रतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——
38—6 GI/86

 ध तूरा टेक्सटाई। सारकेट का-आप० णोषा एन्ड वेयरहाऊसिंग सोसायटी लि०, रिगरोड स्रता

(अन्तरिती)

2. मैं० मोडर्न फैंबीक्स, रिग रोड़, सूरत।

(अन्तरिनी )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींक से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। गाईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल बक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आर्यक्प (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

# **इक्त सहिं, बी, युन्, दुव**्यक्त

# साधकर निविध्यम, 1961 (1961 का 43) की गर्था 269-च (1) के मधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० आए० नं० 4272/85-86—अतः मुझे, . पी० डी० खंडेलवाल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात उनक निधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० टी० पी० एस० सं० 81, रिंग रोड़, सूरत में जनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है, (स्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई०, अहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन दिनांक 10-5-85

को पूर्वोक्त सम्पर्तित के उचित बाबार भूक्य से कम के क्षत्रज्ञाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझै यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित काबार मूक्य, उसके वश्यकाम प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का वस्त्रह प्रतिस्ति से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए सब पासा गया प्रतिफल, निम्नितिसित उक्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तरिक रूप से किया नहां हैं:----

- (क) अन्तरण ते हुइ फिबी बाब की, बावत, स्वक्त जिथितियब के अभीत कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में तृविधा के लिए; और/वा
- (क) इती किली क्षाब वा किली का वा अन्य वास्तिकों की किल्के भारतीय कामकर विकित्तवा, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वीभीनयव, वा धन-कर विभिन्नवा, वा धन-कर विभिन्नवा, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनाथ बन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया वा सा सा काना जाहिए था, कियाने में सुविधा जीनिए;

अत अब, उक्त अवितियस की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, विभन्नितिस्य व्यक्तिकार, वर्षांत "  दि भूरत टैक्सटाईल मारकेट की-आप० शोप्स एण्ड वेयरहाऊक्षिण सोसायटो लि०, रिग रोइ, सूरत ।

(अन्तरक)

2' श्री मुलवन्द जंघीराम, रिंग रोड सुरत। (अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यपाहियों करवा हूं।

स्वत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई। भी बालोप :---

- (क) इस मूचना के राज्यक में प्रकासन की तारीख है
  45 दिन की अविच या शत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की ताजीत से 30 दिन की अविच, जो भी
  अविच याद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ह्वाहा;
- (ख) इक्क सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारिक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोइस्ताक्षरी के शंच सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्कारीकारण :----इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्यों का, यो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, नहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिवा नथा है :

## श्रनुसूर्चा

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5—2—1986

# TEN BIE E. UN .. UN .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमसाबाद, दिलां रु 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं०  $4273/\Pi/85-86$ —अतः मुझे, पी० डी० खंडेल्याल,

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके भववात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मति, जिसका उच्जित साजाप मृत्य 1.00,000/- रठ. से अधिक है

1.00,000/- रठ. से अधिक हैं
श्रीर जिलाकी संव टीव पीव एक नंव 81, रिम रोड़,
सूरा में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्ना
है, (श्रीर इससे उन्हार अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
विणा है), रिमस्ट्री बनी अधिकारी के जार्याक्षय, फार्म
37-र्रह, अहमदाबाद में, रिजस्ट्री करण अधिनयम, 1908
(1908 का 16) के अधिन, नारीख 10-5-1985
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिवित उद्वर्षय से उक्त बंतरण लिखित में

शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंदार्य वं हुई किसी बाय की बाबत्, उक्त विशिव्यम् के बुधीन कर दोने के बंदारक के वासित्य में कमी करने या उससे बच्चे में बृदिधा की लिए, और/का
- (व) एसी किसी नाम मा किसी भन या जन्म नास्तियों को, जिन्हीं भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा से लिए;

कतः कथ, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—  दि सूरत टेक्सटाईन मारकेट को-आप० शोष्स एन्ड वेयरहाऊसिंग सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत।

(अस्तर्भः )

2. श्री मोइनलाल मेघराम, रिंग रोड, सुरा। (अनारिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की विविध् मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्त्रकोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

आफिरा जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण क्या गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **सह**मदाबाद

नारीख: 5-2-1986

मोहरः

.प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

#### नारल सरकार

कार्यालय', सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4274,11,85-86--- श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

जासकर सिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० टी० पी० एस० सं० 81, रिंग रोड़ स्रत्त में बनाये हुए या बनाये जा रहे श्राफिमों में हिस्ता है, तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई०, श्रहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बॉद बंतरक (अंतरिकों) और संतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निक्तिविवत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निविवत में बाद्ध विका रूप वे अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाम की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिक्; और/बा
- (वा) इसी किसी मान का किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 10 (1922 का 11) वा उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के विवह;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तिमों, अर्थात :---  दि सूरत टेक्सटाईल मारकेट को-म्राप० गोप्स ऐन्ड वेरहासीस सोमायटी लि०, रिंग रोड़, सुरत।

(श्रन्तरक)

 मेनर्स मोहनलाल नगीनदाम कापडिया, सगरामपुरा, मुख्य रोड़, सुरत-2।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता है।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वो से किसी व्यक्ति वृष्यास;
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति का किसी अच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

## वनुसूची

म्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनॉक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट म्रथना 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख : 5--2-1986

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. ------

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रष्टमदाबाद

श्रहम दाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निवेश मं० पी० ग्रार० नं० 4275, 11, 85-86-- श्रत मझे, पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस कें इसके परचात् 'उक्त विधीनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० सं० 81, रिंग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्ता है, तथा जो अहमदाबाद मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, फार्म 37ईई०, ग्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-5-1985

को पृथंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त से बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथत अधि-जिसस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते स्थाने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गमा था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के निष्:

अतः सम, जनक अधिनियम की भारा 269-अ को, मन्सरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  दि सुरत टेक्सटाईल मारकेट को-म्राप० गोप्त ऐन्ड वेरहासोल सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सरत।

(श्रन्तरक)

2. श्री मांगीलाल श्रंबालाल खोराना और अन्य, एन० 1286, सुरत टेक्सटाईल मारकेट, रिंग रोड़ (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्जन में कांड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित्तबद्ध किसी जन्द स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित्त मों से किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगर की

स्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10~5-85 को पेश किया गया है। नाईज 185 वर्ग फिट प्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल ्मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

नारीख : 5-2-1986

## प्रस्थ बाड . टी . एन . एस . ------

बायकर बिधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, विनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4276, 11, 85-86--श्रतः मुझे, पी० डी०खंडे लवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं टीं पीं एसं सं 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्रिफ्सों में हिस्सा है, तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फार्म 37 ईई ०, श्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-5-1985

को भूगों का सम्पत्ति के उचित वाचार ब्रुस्य ते कव के क्षत्रवास्
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि वचान्यों कत सम्पत्ति का उचित वाचार
ब्रुस्य, इसके क्ष्यामान प्रतिकत से एंसे क्ष्यवान प्रतिकत का पंक्ष्य
प्रतिकत से अभिक हैं और जन्तरक (अंतरकों) और जन्तरिती
(अम्बरितियों) के बीच एंसे अन्तर्य के जिए तब पाना अध्य
प्रतिकत, निम्नविधित उद्देश्य से अध्य व्याद्य विधित
वास्तिक क्ष्य हे कांचित नहीं क्षिता ग्या है ।—

- (क) बस्तरण से इन्हें किती बाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए? और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः कवः, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधोः, निस्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ६—-  दि सूरत टेक्सटाईल मारकेट को० श्राप० शोष्स ्ऐन्ड वरहासीस सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महाबीर प्रसाद सुमेरचन्द जैन, श्रीर श्रन्य, 103, फर्स्ट फ्लोर, बृन्वावन श्रपार्टमेंन्ट, महाराजा सिमेमा के भजदीक, सलाबतपुरा, सूरत-2। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त झन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## यनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। साई<sup>ज</sup> 185 वर्ग फिट ग्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

## प्रस्त वार्षं , दी , दन , एस , -----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

## कार्याक्षयः, सहायक आग्रकर आग्वतः (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज- 2, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० म्नार० नं० 4277,11,85-86-- मतः ुमे, पी० डी० खंडेलवाल,

कावकर विधित्तवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अजिनियम' कहा नगा है), की चारा 269-च के व्यक्ति सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार नृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ठी० पी० एस० नं ० ८, रिंग रोड़ सुरत में बनाये हुए या बनाए जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है, नथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई०, श्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 10~5-1985

को नुर्वोक्त संस्पत्ति को उचित बाजार सूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकास के तिए बंतरित की नहीं ही बीर मुझे वह विद्यास करने का कारण ही कि संभावनींकत संपत्ति का अधित बाजार मुख्य, उसके द्रायमान प्रतिकास के, एके द्रावमान प्रतिकास का पत्तक प्रतिकात से प्रविक्ष है बीर सम्बद्ध (बन्दरकों) और सन्तरिकी (बन्दरितियों) के बीच ऐसे सन्तर्य के बिच तब बाबा बना प्रति-श्रम विद्यानिकात बहेन्य ते उपत सन्तर्य निकात में बन्दरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुइ किसी शाव की वावसा, क्या जीधनियम को जधीन कर दोने के जंतरक के दावित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में चुनिथा के विष्; धीद/वा
- (च) एची किसी नाम ना किसी यह ना सम्ब नारिसमी को; विन्दें पारतीय प्रायकर प्रविधियमः 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रविधियमः वा बन- कर अधिनियमः 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करारिती चुनारा प्रकट नहीं निश्चा नाम था था किया नाम कराहिए या, किराने में विका के निष्णः

बतः बकः, तक्त विभिनियम की भारा 269-न के निन्धरण वी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभास (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-  दि सूरत टेक्सटाईल मारकेट को-प्राप० गोप्स ऐन्ड वेरहामीस सोपायटी लि०, रिंग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुरारीलाल खान्दाराम, पर्लंट नं० 10, 3 फ्लोर, पानांकिन श्रपार्टमेंट, श्राथवा गेट सुरत-1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की समिथ या तत्संबंधी ज्यक्तियों धर बूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को मीतर पूर्वोक्स स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति ध्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अभोइस्ताक्षरी के पास शिवित में किए वा सकोंचे।

रनव्यक्तिरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित इं. नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भी क्रिया क्या है।

## श्रनुमूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10~5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट श्रथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5→2→1986

मोहर

प्ररूप आई. ती. एन. एस. -------जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन स्थना

#### नाइट बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज 2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिमांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4278:—-अत मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

भावकर त्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने इसके पश्वाद 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे अ। फसों में हिस्सा है नथा जो में स्थित है (भ्रीर इसवे उपाबद्ध भ्रौर पूर्ण रूप विजात है), रिक्टिकिसी अधिरारी के कार्यात्य फार्म 37 ईई अहमताबाद में रिजस्ट्रोकर अधिरायम, 1908 (1908 का 16) के

अधीय, नारीखा 10—5—1985

को पूर्विश्त संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए पंति रित की गई है और गुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल को एसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (सन्तिरिक्षणों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उथत अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव का बावत, उक्त लीधीनवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के प्रशिवत्व को कभी करने वा समसे वचने को निवधा ध क्रिकः वीप/पा
- (ख) एसी जिसी जाय या किसी धन वा कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्तर जातिए था. कियाने में सुनिया औं जिन्हा

ा ग्ा टैकाटाइन मारकेट को श्रो शाप्स एण्ड बेरहाससीय मोसायटी लि रिग रोड, सूरमा

(अन्दरक)

 श्री मान लाल आतम प्रकाण नंदयानी प्रांग अन्य इन्द्रजीत अपार्टमेंट (पंजाबी गुरुद्वारा एल० बी०, सीनेमा के नजदीक, भटार रोड, पुरक्ष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मालेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की बद्धि या तस्तंत्री व्यक्तिकार वर कृपना की तामीन से 30 दिन की जनिया जो भी अनिव नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (व) इत सूचना के कावपण में प्रकाशन की ताशीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास्त्र सिविक में किस्स वा क्योंचे।

स्वव्यक्तिरमः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याव में दिवा गया है।

## नन्त्यी

आफिस जो सूरत में स्थित है 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग गज है।

> पी० डी० खण्डेलवाल. रक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अक्ष: शव, उक्स अविभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अविभिन्यम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमें, अव्यक्ति:——

प्रिका: 5--2-1986

मोहर

## पक्षम बार्ड ्टी. इन्, यूक, प्रान्त

# नाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वो वर्षीय सुवका

#### ब्राह्म ब्रुकार

# कार्यांक्य, तहायक नार्यकर नार्यक्त (निर्माक्त)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश नं ० पी ० ग्रार० नं ०  $4279/\mathrm{II}/85-86$  अत मुझे पी० डी० खण्डेलवाल.

नायकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रस्के प्रथात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के लापीन सक्षम शाधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थानर संस्थित, विश्वक स्थित बालार स्थम 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरल में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुमुची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित र), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधियारी के कार्यालय फार्म नं० 27 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1986।

- (%) अन्तरम् संबुधि किसी नाम् की बास्त , सनत अधिनियम की सभीन कर वार्त की अभ्यादक कें दासित्य में नन्भी करने या उससे बचने में स्विध्य कें जिल्हा ब्रोड/बा
- (ब) ऐनी किसी कार या किसी धन मा बन्स अस्तिकों को, जिन्हीं शारतीय अस्वकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जनत सींविनयम, या अनकार गिनियम, 1957 (1957 को 27) औं प्रयोशनार्थ जन्मिति द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया कामा काहिए था कियाने से सुविधा के किस:

अतः अतः, उत्तः अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर विधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 39—6GI/86

- श्री भुरत टेक्पटाइल माएकेट को० ग्रो० शापस एण्ड बरहामीस सोवायटी लि रिंग रोड, सुरत। (अन्तरक)
- 2 मैं० मारफेलाल टेक्सटाइल सणन रोड, मुस्त।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्त करता हूं।

## क्का बन्दिस के वर्षन के धम्बन्ध में आहे भी बाओब ::---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षमील है 30 दिन की बनीप, को बी क्षमील थाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति कुनारा;
- (स) दश सूच्या के राज्यम में प्रकादन को ठारींच से 45 वित्र के भीतर उच्च स्थावर सम्य त में हिंद-स्व्य किसी जन्म व्यक्ति स्वारा, अन्य स्वासरों के सम्य किसित में किस या क्योंच।

#### अनुसूची

आफित को सुरेत में स्थित है 37 ईई का फार्म यह कार्याका में दिलांज 10-5-1985 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 1666 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवान, नक्षम प्राधिकारी, सहाप व आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11 अहमदाबाद

तारीख: 5∽2~1986

## प्रकार कार्य है हों हु एवं हु एवं ......

# मायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) से मधीन सुमना

#### भारत बरकार

# कार्यासय, सङ्घायक आयकर नाम्भत (विर्यासक)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निषेण स० पी० आर० नं० 4280/85-86:---अतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से वृधिक है

ग्रीर जिलकी संख्या टी० पी० एस० नं० 8 रिंग रोड, सुरम में बनाये रहें नथा जो हुए या बनने ना रहे आफिस में हिस्सा है नथा जो में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता-अधिकारी के कार्यालय फोर्स 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क्र) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-व्यथिनियम के अधीन कर को के अस्तरक को दायित्य में कमी करने का उससे बचन में सुविधा की किहा
- (रा) एसी किसी जान या किसी भन या बन्ध जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर सीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्किश के लिए; बीर/या

शार वाथ, उनत जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुपरण में, भें उनत अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभी जिम्निजिसित व्यक्तियों. अभीत् र्— वी सुरत टेक्सटाइल मारकेट को घ्रो० शाप्स एण्ड बेरहासील सोक्षायटी लि० रिंग रोड, सुरत।

(अन्तरक)

 श्रीमती ममता द्रस्ट ममता इन्टरनेशनल रिंग रोड ।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए नार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त तम्बद्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी बास्ते :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधीं होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

#### बत संची

आफिस को सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-65 को पेण किया गया है साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खन्डेलवाल, . सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज 12 अहमदाबाद ।

तारीख: 5-2-1986

# भ्रम्भ भाषां है हो हुए हुए हुए हर सम्बद्धान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 5 फरवरी, 1986

निद्दश मं०पी० आर० वं० 4281/85-86 अतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से शिक्ष हैं

धीर जिसकी संख्या टी० पी० एस० न० 8 रिंग रोड जुरत में बनाये हुए या बनते हुए जा रहे आफिस में हिस्सा है में स्थि। हैं (ग्रीर इसने उसबढ़ अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं ) रिज्यूनिकर्ता अधिकारी के कार्यालय फार्म 37ईई अडमबाद में रिजिय्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीत, तारीख 10-5-1985
को पूर्वोक्त सम्भित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान
प्रतिसन को लिए जन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापुर्वोक्त सम्मित का अधित बाजार
पूर्व, उससे स्थमान प्रतिसन्ध से ऐसे स्थमान प्रतिसन्ध का
पन्छ प्रतिस्ति से विश्व है बीर वंशरक (बंतरकों) और वंशरिती
(बंति-तियों) के बील होते बन्दरक के प्रति तव पावा प्रवादित
का पिक्तिसींक स्थान वो क्या बंतरक विश्व वो वास्तिक
क्या प्रतिस्ति से विश्व होते वास्ति के वास्ति के वास्ति से वास्तिक
क्या के किया नहीं किया गया है है---

- (क) क्रांच्यण यं हुन्द्र रिकारी थाय की शावाद क्रांच वाचि-नियम के स्थीन कर दोने के बंधरक के दायित्व में कानी करने वा उससे वचने ने सुविधा के लिए क्रींच-रिपा
- ेण होती निवास बाध या किसी भय ना करू जातिए हों को, विन्हें भारतीय सामकर मीमिनवर्ग, 1922 (1922 को 11) या उनता नीमीनवर्ग, का पर-कार नीमीनवर्ग, 1957 (1957 का 27) वें प्रवेचनार्थ वृत्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या का वा किना वाना चाहिए था, कियाने में सुविका के निवा;

अतः अब, उक्त अभिनियम काँ भारा 269-ग के अनुतरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अभीत् ु—  श्री सुरत टैक्सटाइल मारकेट को० श्रां० शाप्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड सुरत।

(अन्तरक)

मैं० न्यू० नायलोन इम्पोरियम्
 रिंग रोड, सुरतः।

(अन्तरिती)

भी यह सूचमा **पाटी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के कियू** कार्यजाहिया शुरू करता हुए।

## उन्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षोप ह—--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पटनीक रणः --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्त् जी

आफित को सुरत में स्थित है 37 ईई का फार्म यह कलिय में दिनांक 10-5185 को पेश किया गया र साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग गज है।

> पी० डी० खण्डेलवाल्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज 2 अहमदाबद्ध

तारी**ख**: 5-2-1986

सक्त सार्थं . दी . स्थ . स्थ , ------

नावकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-क (1) के অধ্যাৰ স্থান

#### प्राप्ति परमाप

# कार्याक्षण, बद्वाचम धावका धाववा (विद्याक्षण)

सहायक श्रायकां श्रायुक्त (रिक्षिण) ग्राजैन रेज-2

श्रहमधाबाद, दिनाँक 5 फर्चरी, 1986 निदेण सं०पी० श्रार्० नं० 4282/Ⅱ/85-86---श्रत: मुझे पी०डी० खंडेलवाल

नावकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकात् 'उक्त नीधीनयम' कहा नया हैं), की धरता 269-य हैं गंधीन राक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का करफ है कि स्थानर बन्धति, जिसका उचित वादार मृख्य 1,00,000/- रा. से विश्वास हैं

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० ६, रिगररोड, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो भूरत में स्थित है (ऑएट इससे उपायद्ध अनुपूर्वी में बीट जी पूर्ण रूप में बिगत है) रिजस्ट्रीकर्नी अधिकारी के वार्यीच्य फार्म 37ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोंक 10-5-85

करे प्योंक्त संपंत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान शितकम से लिए बन्तरित की नहाँ है बाँर कुछ यह जिस्साव सरने का स्वरण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का स्वित्त बावार मृत्य, उन्हें क्यमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत का संस् प्रतिकत से अधिक है नीर बन्तरक (बन्तरका) शील क्यारित (बन्दरिवर्वा) में बीच एसे बन्तरण से लिए स्व पास्त क्या हरित-कत दिल्लीसिय स्ववंदर से स्वत सन्दर्ग विक्टिंग्य में वास्त्रकिक कन से क्षित वहीं विकास समा है कि—

- (क्रा) व्यवस्था वं हुन् विक्रा भाष की बानका, अवस करियानियं से अधीन कर दोने के बानरफ के शामित्य वो कसी करने सा समुखं क्यूने यो बुहिन्या के विक्यू; श्रीहर्/या
- (क) होती किसी जान या किसी धन वा अष्य आस्तिकी करें, किसू आरतीय नायकर न्यानितनम्, 1922 (1922 का 11) या उन्नेश अधिनितन, का धन-कर अधिनितन, का धन-कर अधिनितन, 1957 (1957 का 27) के प्रश्नीयनाथं अन्तिर्ती ह्वाए प्रकट नहीं किया एसा या विका जाना आहिए जा, कियाने के प्रविचा के किस्तः

वाश तम क्या विधित्यम की पारा 269-म की अनुवास ा, में, अभत नार्धितियम की पारा 269-म की क्याहर (1) के बंधीन, निकासिकित कमिस्यों, अभीव :---  दि सूरत टैंबसटाईल मार्केट, को-श्राप० गोप्स एंड बेरहासीस सोसायटी लिमिटेड, रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

 मैं० नवीत चन्द्र जय किशन दास खेरपुरा, सूरत-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिये कार्यवाहियों करता हूं।

## उथत बम्परित के भवीन के बस्वन्य में कोई वाक्षेप हु---

- (क) इस सूजूना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, को भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवादा;
- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशक की तास्त्रीय है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवडुभ किसी कत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास मिसिस में किए का सकान।

स्वक्रीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-45 में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस कथाब में दिना भणा है:

#### arred.

आफिस जो। सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनोंक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 बर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पो० डा॰ खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारा महायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण') श्रर्जन रेंज- , श्रह्मदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

मोहर ।

प्रारूप आहु . टी. एन. एस. -----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायवस (निरीक्षण)

#### प्रजेन नेंज-II

शहमदाबाद, दिनांक 5 फरबरां, 1986 निदेश सं० पो० शाए० नं० 4283/ /85-86--शता मुझे पी० डो० सहेलनाल

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे दसको पश्चात् 'सकत अधिनियम' कहा गथा हैं) की धारा 263-क फ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हुँ 🗠 स्थापर संपरिता. विद्याना खिला बाबार मुख्य 1,06,000/-रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीवपीव एमव नंव है, रिंग रोड, सूरत में बनाय हुए या बनते जा रह शाफिसों में जिल्ला है तथा जो सूरत में स्थित है (ओ. उसके अपबद्ध अपूर्यों में बोर जो पूर्व स्था के चिंगत है) प्रतिमहेत्रकी प्रतिपार्ग । वायनिय फर्म ३७ ईई श्रहमदाबाद में ्जिस्ट्रेजरण श्रीधि यम, 1903 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्विक्स सम्बन्धि को **रुचिस बाजार मृत्य से कर के सस्यमान** अधिकाल को निए अन्तरित की गर्छ ही और मुक्के, यह विक्लास करने का कारण है कि यथाप्येबित सम्परित त उचित आजार बुक्य, उसके प्रथमान प्रतिकल सं, एंखें १८५ मान प्रतिकल स्व वंद्रह प्रतिवास से निधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंकि स्ति (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाना गया श्रीतंत्रका, निम्नजिधित उत्दर्धम से उत्तर करतस्य जिथित में पास्टीपक रूप से कथित नहीं भिन्ना गया है 🪁

- (क) मन्तरभ सं हुइ भिन्ती नाम की बाबस , उच्छ अभिनिक्स के वधीन कर वेने वी अल्लाक बार्ष्यित्य में सभी करने मा असते बचने से इतीवधा के लिए: बीए/सा
- ्था इसी किसी माथ **या किसी पर या कन्य आहिन्छको** क्यं, रंजन्त्र भारतीय बाय-कर बव्यिनयन, 1922 ा २२५ के १६६ का 🔻 अस्त्रिक्षिक, का धन-**भर अभि**गिनम, 1957 (1957 ) ल 27) क्षे प्रयोधनार्व अन्सरिती इतारा प्रकट बहुर्ग किया शक्त का का विकास का का का हिए था, सिकाने के स्विभा के किए:

अक्षण **बाब्, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की विव्**सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) में मधीर, निर्मापितिक महिनारों, प्रपद्ध Book

ा. वि. नृष्टा टैक्सटाईन आन्केट कोन्प्राप० शोष्स एं🕏 बरहासीस सोसार्टी लिभिटड, रिज रोड सुरत ।

(अन्तरक)

2. श्री सस्ये राम केलव जी, गोपी/पुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को क्या क्षांभा बादी अरले प्रतिभक्त सम्पन्ति के वर्षत के जिल्ह कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उजल सम्मत्ति को वार्षन को सम्बन्ध में कांब्र' नी बाक्षंप :----

- (क) पर स्पन्न अं राजपन में प्रकारण की तारीय है 45 रिक् की अविध या तरसम्बन्धी अपृत्रियुक्ते कृत अनुदर्भ की प्रांभीत स 30 विन की अविभ, जो भी क्यां भ कार में समान्त होती हा, के भीवर प्रांति ण्यां बतको ये वे किसी व्यक्ति क्यारा।
- (ब) इस स्थाना के धामपत्र में प्रकाशन की शारीय से 45 विग के अभितर उपल क्यावर सम्पर्कता में हितबबुध विसी बन्द व्यक्ति स्वारा समाहरूकाकारी के बाह धिषित ये फिए या शकीर्ग ।

**स्मक्रीकरणः----इस्या प्रम्**वस शब्दा थार मयो का, जो उ**वस** मीचीनसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित 📢, बहुरे जर्भ होरेग, यो सस मध्याय में दिसा यसा हैं।

## वन्स्ची

प्राफित जो भूपत में स्था है। 37 ईंद्रे या फार्म यह कार्याभव में दिनांच 10-5-1935 को पेन किया गता है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारो सहायक भागकर धायुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

दिनांक : 5-2-1986

माहर ।

# प्रकार क्राप्टीन् स्तीन् सुन्तन् पुत्र ------

काथकार ज्याभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### मारत धरकाड

# कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रोज-2,

श्रहमदाबाद, दिनांग 5 फरवरी, 1986

निदेश सं० पी० थार० नं० 4284/II/85-86----श्रत। मुझे पी० श्री० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ज के 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पंति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

अंतर जिसकी सं र्हा क्षित एस जां है, रिंग रोड, सूरत में बताये हुए या बतते जा है आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर जो पूर्ण क्ष्य में विणत है) जिल्हें बता धिधकारी के कार्यापय, फार्म 37ईई, अहमदाबाद में रिजर्स्ट्रावरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांस 10-5-1985

प्यो पृथिनत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान वितिकल के निए जन्तरित की गई है और मृत्ते यह विद्वाध करने का अग्रदेश है कि यथापूर्वोन्त संपरित का उचित बाजार भूक्य, असके ध्यमान प्रतिकत्त से एसे ध्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तर्य के सिए तय पाया गया प्रतिक्षन का, निक्तिलिख उद्देश्य से उक्त जन्तरण निचित में बास्त- विक रूप से कांधत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाव या किसी पन या अन्य आस्थियों की, जिन्हों भारतीय नायकर निवित्य , 1922 (1922 का 11) वा उक्स अधिनियम, या अनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया व्या या वा किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए

सर्वः वया, उक्त जीवनियम की धारा 269-व की धनुसरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिवित व्यक्तिवयों ्र वर्षात् ड--- 1 दि सूरत टैक्सटाईल मारकेट को-आप० शोष्म एंड बरहासीस सोसायटी लिमिटड, रिग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

श्री नानुभाई ठाकोरदास चोक्सी, बेगमपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

## उन्त कुन्यरित को मर्थन को सुभ्यत्य में कार्य भी बाध्येप अ-

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की बव्धि या तत्यंवंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी वविध वाद में स्माप्त होती ही, के भीतर प्रोक्त का किसी मिलतों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके हैं।

स्वश्वीकरणः — इसमें प्रमुक्त कर्यों और पदों का, वा उचक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा वो उस बध्याय में दिया प्रवाही।

### ग्रन्सूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई, का फार्म यह कार्यालय में दिनोक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

मोहर।

प्रकर बाहाँ, टर्डे, एत. एव. -------

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) चे अधीन सूचना

#### हारत पहुंचात

# कार्यासय, तहायक मायकर मायुक्त (निर्दोक्न)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरावरी, 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4285/II/85-86--श्रत: मुझे, पी०डी० खंडेलवाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव टीव्यीव एसव नंव 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या जनते जा रहे श्राफिसों में हिल्सा है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसके उपायद्ध धनुसूर्वी में और जो पूर्ण क्या ने विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधक्षारी के वार्यालय फर्म 37 श्रमवाबाद, में रिजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांवा 10-5-1985

नता प्वांतित संपन्ति के उचित बाजार महिम में छत के दृष्णमात प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुइ कि ज़ी आय की बाबत, उपका अधिनियम के अधीन कर दमिन के तन्तरफ के दाविस्य में कवी करने वा उक्षत्ते वचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य प्रशिक्त की की, जिन्हीं भारतीय जायकर जिमिनियम, 1922 (1922 की 11) या जन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, भिन्न की किया गण के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे लिए;

भराः अव, उन्त निभिनियम की भारा 269-न के अनुतरस में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निभ्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  दि सुरत टैक्सटाईल भारकेट को-प्राप्त शोण्स एन्ड वेरहासीस सोसायटील० रिग रोड, भूरत ।

(श्रन्तरक)

 मै० निर्मल टैक्सटाईल, बंगाच्छा रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्मित्त के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वावक स्थिततयों में से किसी व्यक्तित द्वारमः
- (क) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर जनत म्थाबर संपत्ति मी हिसबस्थ किसी अन्य स्थानन ६४०० जगहरूनकारों. के पास लिखित मी किए बा सक ()

स्थव्यीकरण: — इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों बौर पदों का, जो उक्त नामकर नियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याम में दिया नवा है।

# **अ**न्स्**चो**

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ६६ का फार्स यह कार्यलय में दिनाक 10-5-19% इसो पेत किया गया है। साईज 185 वर्ष फीट अथवा 166 धर्म फीट है।

> पी० डी० खंडेलबान सदार प्राधिनारी सहायक कारावार श्रायुक्त (दिरीक्षण) श्रर्जन रोज, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

## इसमा संहर्षे दी , एवं , एक , ००० नवन्यान

# नागकर जीभीनगम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अभी स्वका

#### बारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

प्रजीन रोज-II, श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फाइस्टी, 1986

िदेश सं० पी० शार० नं० 4286/II/85-86----शतः मुझे पी०डी० खंडेलवाल

स्वायकर अधिनियम 10%। (1961 ता 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' लहा गया है), की धारा 269-स के अधीन एक्षण प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाय राज्यतित. जिसका उधित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दीवर्गाव एसव नंव 8, रिश कोड, सुरत में बताये हुए या प्रति जा रहे धाफिसों में विभ्या है कथा जो सुरत में स्थित है (और इसने उपायद्व धतुर्गि में और जो पूर्ण रूप में बर्णित है) पिलस्ट्रीकर्ता धाधिकारों के दार्थाक्य फर्स 37-ईई अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण धाधिक्यिम, 1908 (1908 या 16) के धाधीन दिलांक 10-5-1985

को ब्बॉफ्त सम्पत्ति के उषित बाजार मंन्य से कम के स्थमान प्रतिपत्ति को लिए अलिटिन परि जॉ ती कोण मादी यह दिस्ताल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, प्रतिके स्थमण परिष्कान ले. सभी स्थमान प्रतिकान का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और स्वत्यक (बन्तरकों) और बग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम बाबा बमा प्रतिकन, विम्निकित उद्धित से उक्त बन्तरण निस्ति में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, तक्त अधि-नियम जी अधीन कार दोने के अस्तरक के दासित्व भी कमी कारसे या उसमें अपने की श्रीविधा के सिए; भीर/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, जिया स्विया के तिए;

कथः क्षत्र, स्वतः अधिनियम कौ धारा 269-व जो अनुसर्भ में , में उद्यत्त अधिनियम की भारा 269-घ दती उपभारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--  दि शूलत टैक्सटाईल माध्येट को-शाप० कोण्स एन्ड बेल्हामीस सीमाथटी लि० शिंग शेड, सूरत ।

(अन्तरक)

मै० नवनीत टैक्टसाईल,
 रिंग रोड,
 मूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिक् अप्रयाहियां करता होते।

क्कर सम्मृतिष् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेपः --

- (क) इस स्वान के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में अधारत होंगे हों, के शीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारत;
- (ए) इस सचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित क्षारा अधिहस्ताक्षरों के पास जिसिस में किए बा सकारी!

स्थाक्तीकारका -- इस हे पशुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त स्थितियम के अध्याय 20-क में परिशाविद ही, वहीं कर्यहारेगा को उस अध्याय में विद्या गया ही।

#### अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में विशोध 10-5-1985 को है पेण किया गया है। साईज 185 पर्ग फीट ध्याचा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किर्रक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

दिनांक : 5-2-1986

## त्रस्य बाड'.टी.एन.एस.-----

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) मी धारा 269-च (1) के विधीन स्वना

भारत सरकार

# कार्यातव, सहायक वावकर वावक्त (विरोक्षिण) धर्जन रेंज II,

श्रहमदाबाद , दिनांक 5 फरवरीं, 1986

तिदेश सं० पी० आर० नं० 4287/II/85-86--- श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इवमें इसके परचात् 'उन्त जिधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निसकी सं० टी०पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या नाते जा रहे गाफिसों में हिस्सा है स्थित है (और इसने उपावद जनुमूची में और जो पूर्ण रूप ने विगत है) जिल्ड़ी जो पर्धिकारों के जायांका फार्म 37 ईई अहमदावाद में जिल्ड्डी हरण जिल्ड़ी हर गाधित सम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विज्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्बद्धित का उचित वाकार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, होसे क्ष्यमान प्रतिफल का वंदह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरका) और वंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते अंतरण के सिए तय पाम ग्वा प्रतिफल, निम्ननिचित उद्योक्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्विक क्य से कियत महीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण तहुई किसी बाय की वाबत, उपत बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्म में कमी करने या उत्तरों उचने में सुविदा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्त्यां की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या अव-कार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयाजनीय अन्तिरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया या विकास वारा काहिए था, हिलाने में मूजियस के किए।

नतः जन, उन्त जीवनियम को वारा 269-म क जन्मरण वे, में, उन्त जीवनियम को वारा 269-व की उपवारा (1) वे स्थीन निस्तिविक स्वीवक्षों, क्यांक ह—— 40—6 GI/86

- दि सूक्तः टैक्सटाईल भारकेट को-आप० शोष्स, एन्ड बेरहांसीस सोसायटी लि०, रिंग रोड सूरत । (अन्तरक)
- 2. मै० नंदलाल सिल्क मिल्स, रिंग रोड, सुरत ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को की जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावषण में प्रकाशन की सरिक्ष के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंग-पद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा विभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रिकरण :--- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को अवत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा वदा है।

#### are and

श्राफिस जो सुरत में स्थित है । 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिलांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज , अहमदावाद

दिनांक : 5-2-1986

एकप राष्ट्र रू एन एस -----

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 260-व (1) के उधीन सचना

भारत संस्तात

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ार्जन रेज-11.

सहमदादाद, ि देश 5 फ वरी 1986

। प्रदेश से ० पिं० शाहिल गंज 4238/D/35-36-- शहि पिंज डील खंडेलशाल

आयकर अधिनियस, 1961 (.961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्रम्बाट किन कि किया कि का 43) (जिसे इसमें इसके क्रम्बाट किन कि भारा 269-स के अधीन सक्षय कि कियारी को यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थावर कार्याल जिसका जीवत वाजार मृस्य 1.00,0400/ जा में अधिक ही

और जिसकी संव टीव पिंव एमव नंव 8. िस पोड, सुरत में बनाये हुए धानाते पा के गाफियों में किया है रखाजो सुरत में स्थित है (और इमर्ने अपन्य कार्यक्रियों में किया है रखाजो सुरत में स्थित है (और इमर्ने अपन्य कार्यक्रियों में स्थित है) प्रिक्टिक्ती परितारी के प्रक्रिय फार्स 37 ईई अहमदाबाद में रिजिस्ट्रिया अधिपियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रक्रीय दिनांव 10-5-1985

को पर्योक नगपित के एजिश राजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्त-रिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अनुरुष के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण निश्वत में बास्तिक रूप से किथा नहीं विषय गया है

- (क) अंतरक से हार किसी जाय की जावत. उक्त अधि-नियम के अधीर जार देगें के अंतरक के दायित्व में क्सी करने या उसमें क्चने में स्विधा के लिए; बार/या
- (शा) एको किसी १० १० एकमी ४० वा अस्य आस्मियों का, शिवन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं एक रियो क्या प्रकृत नहीं किया गया था वा किया प्राप्त करिया वा, किया में स्विभा के निष्टः

में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात् :—  दि भूषा टैक्सटाईल मास्केट को-आप० शोष्स एन्ड बेरहासीस सोसायटी ल०, पिंग रोड सुरस ।

(प्रन्तरक)

2 श्री तयनभाई भारवाभाई चौटा, महात्मा बाडी, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित हैं । 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेल<mark>वाल</mark> स**्म प्राधिकारी** सहाचक श्रायकर शायुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज-II, शह**म**शबाद

दिनांक: 5-2-1986

म्बर्भ कार्' . दी . एवं . एस . --------

सायकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) की नधीन स्चना

#### बाइड कड़काड

कार्याजय, महाउक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, शहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं ० पी० श्रार०नं० 4289/II/85-86---श्रतः मुझे पी०डी० खंडेलदाल

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से आधिक है

और जिसकी सें टीं पिंठ एसं नं 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजर्स्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय फार्म 37 ईई अहमवाबाद में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनांक 10-5-1985

का पूर्व कत संपत्ति अवित बाबार मूल्य से कम के दस्यमान अतिफल है लिए बन्तरित की गृहें हैं और मूफ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्व कत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसक दस्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत स बाधक हैं और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बन्तरित (अतिरितियाँ) के बीच एस बंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश स उक्त बन्तरण लिखित में बास्यविक रूप स कांचत नहीं विश्वा गया हैं —

- (क) मन्तरण सं हुई किसी माय की बाबत, उक्त विभिन्ने के बुधीन कर दन के अन्तरक अ दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; बीर/वा
- [क] एसी किसी नाय या किसी भन या बन्य नास्तिया का, जिन्ह भारतीय बाय-कर निधानयम, 1922 को 11) या उनत अधिनयम या धन-कर निधानयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या का की किया जाना अधिक्य था, क्याने में सुविधा के प्रयाजनीय क्या

भ्रतः व्या , उनत विधिनियम् नहीं वाका 269-व व्य वृत्यप्त कि में उनत विधिनियमं का धारा 269-व की उपधारा (1) व अभीतः नेम्मलिकित व्यक्तियों, वर्षात्:—

- दि सूरत टैक्सटाईल मारकेट का-आप० शाण्स गंड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड सुरत।
- 2. मै० नारंग सिल्क मिल्स रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

की यह सूचना कारी करके प्रवेषत प्रमात्त के ब्रहन के बिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त बंपरि के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजात में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की अविष या उत्त्यान्यी व्यक्तियों पर
  व्यना की नामील से 30 दिन की अविष, को भी
  व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से उत्तरी व्यक्ति द्वारा
- (क) वर्ष कृषमा के राष्ट्रपण में प्रकारम की तादीय हैं 45 किए में डीवर रुपत स्थावर संग्राति में हितरपूर्व ट्रैक्टी कुछ व्यक्ति कृषारा स्थाहस्ताक्षरी के शस विविद्य में किए वा सर्वेष ।

स्वच्चीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें विश्विक्च, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिका स्वाहै।

## ग्रनुसूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है । 37 ईई का फार्म एह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 की पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथना 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल नक्षम गाविकारी सहायक जन्नाधकर वायुक्त (क्रिंगाः) शर्जा रोंप-II, यह्मानागद

दिनांक: 5-2-1986

## प्रकृष कार्य । ही । एत । एव । -------

# कम्बक्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यक्षेत्र, तहायक जायकर गायुक्त (निरोक्षक)

अर्जन र्ज-11,

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आए० नं० 4290/II/85-86:-—अनः मुझें पी०डी० खंडेलवारा

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से बाधिक है

भौर जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 8, जिंग रोड, सुणा में बनाये हुए या बनते जा गहे आफिसो में हिस्सा है स्था जो सुण में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में भौर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्री जिस अधिकारी के कार्यालय फार्म 37 ईई अहमदाबाद में रिजिस्ट्री करण अधिकारम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

का पूर्वाक्ष्य सम्पत्ति के उपित काजार मृत्य सं काम के उत्पमान विकास के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उपित जाजार ज्ल्य, उभके दश्यमान निकास के, एक उप्तार जातपार का सम्पत्ति से विकास है और अतरिक (अतरिका) और अतिरित्ती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए तम पामा गया प्रक्रिक के निम्निविधित उन्हर्यक सं उपत वंतरण कि विधित में वास्तिक क्य है करित वहीं किया पका है है

- (कः) अन्तरंण चंहुरं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरल कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निष्मीलिखित अधिनामीं अधीन:—

- 1. दि सुरत टैक्सटाईन मारकेट, को-आप० णोप्स एंड बेस्हासीस सोसायटी लि, रिंग रोड, सुरत । (अन्तरक)
- मैम ार्मदा टैक्सटाईल, सलसार्युरा, सुरस-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के नर्चन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

#### **उपल बन्धरित के ब**र्धन के संबंध में कार्ड भी आक्षफ :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ann <del>all</del>

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिरांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधि ारी सहायक आयार आयुवः (किरीक्षण) अर्जन रेज- I, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

वस्य बार् हे एन एवं .-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,

अहमदाबाद, दिगांक 5 फरवरी, 1986 निदेश सं० पी० आर० न० 4291/II/85-86—अतः मुझे पी० डो० खंडेलवाल

बाधकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० टी०पी० एस० नं० 8, रिग रोड, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्ता है स्था जो सुरत में स्थित है (धौर इसों उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधितारी के कार्यालय फार्म 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां व 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरक संहुद 'किया बाब की बावत, उजल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को क्षेत्र, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- 1. दि सुरत टैक्सटाईन भारकेट को-आप० शोषा एण्ड बेरहासीस सोनायटी जि० रिंग रोड, सुरत। (अन्तरक)
- श्री म्रोमप्रकाश धर्मदेव खुराणा, रिंग रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि। कार्यवाहियां करता हुं।

धनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कीई भी वाशेष् ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तिकों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

#### धन सच्ही

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालयामें दिना है 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमाबाद

दिनांक: 5-2-1986

The second secon

बार्यकार विभिनियम, 1961 ६०७६२ को ६० व प्रास्त 269-व (1) के अभीत मुख्या

#### बाउद प्रक्रकात

कार्यांतय, सहायक आयकर आधुरत (निरामक)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद दियां 5 फरदरी 198%

निदेश सं० पी० आर० नं० 4292/II/34-85--- यतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

शायकर अभिनियम. 196! (106! बन १८) हिना एपन इसके पश्चात् उक्त अधिनियम बहा स्था हो, भी धार 269-स के अधीन स्थाम एविकारों की उन्हें एक जन्म का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ठो०पी० एव० वं ० ३. एम रोह, भुर, मं बनाये हुए या बनते पारहे पाफिसों ने हुल है स्था के छुए में स्थित ह (श्रीर इसने प्राव्छ अनुसूची में आए को पूर्ण रूप से विगः है) रिजिस्ट्रो इर्ता अधि गरा के क्षिप्त प्राप्त कार्म उप्रदेश अहमदाबाद में रिजिस्ट्री एएण अधित्यम, १९०८ (१९०८ का 16) के अधीन दिनांच 10-5-1935

की पूर्विक्त सम्मन्ति के उजित बाजार मृत्य ने का कि इस्तानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुर्फ यह । नरकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मन्ति का उजित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिस्त से अभिक हैं और जंतरक (अंतरकों और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण के बिस्ति में बास्तिक एसे अंतरित नहीं किया गया हैं ....

- (क) बन्तरण संहुदं किसी आय की बाबत, उक्स विभिन्यम के विभीन कर दोने के अन्तरक की विभिन्न में कभी करने या सक्त बचन में कुल्या के निए; बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी पन के अन्य की तथा की, जिन्हें भारतीय नायकर नोजीवयम, 1922 (1922 का ११) के उक्ट भारतीय नायकर नहीं किया गया कर नहीं किया गया मा या किया नामा नाहिए था, खियाने में सुविभा ने सिन्हः

श्रवः अवः, उवतः अभिनियमं की भारा 269-मं को अन्यरप में, में, उवतं अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- 1. दि सुरा टैन अजिही सार्वट की-जाप० शोप्स एंड वेल्ड्रासोज सोक्षायटी जि०, रिंग रोड, सुरत । (अन्तरक)
- श्री ग्रीमप्रकाश चमन दास भाटिया, । रिंग रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

की वह स्वता बारी करके प्रोंबत सम्पत्ति के वर्षन के विष् आसंबर्धाहरण करता हा ।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामाल से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वोक्स
- (ब) इस स्थान के राज्यहा में एकाशन की तारीह थें
  45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्धों का वो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसुची

आफित जो सुरत में स्थित है । 57 ईई हा फार्म यह कार्यात्रय में दिनां ज 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल बदाम प्राधि गरी बहायक आयकर आकुबर (पिरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्ररूप आइ<sup>1</sup>.टी.एन.एस.----

**अगयकर अधि**नयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, तिगांग 5 फावरी, 1986

िदेश सं० पी० आर० नं० 4293/85-86—अत: मुझे पी० डी० खंडेलंबाल

जायकर अधिनियमं , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'छभत अधिनियम' कहा गया हैं), की गरा 269-य है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का ग्रामण हैं हैंग स्थावर संगीत जिसका लिखत बाजार मन्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रील जिसकी सं टी०पी० एस० नं 8, जो गिरंह ाहरें क्साए हुए राक्ट ने गाउदे आफिसे के क्या है। स्वाहै एक जा के में स्थित है (श्रीप इसके प्राट प्राप्त के श्रीप के किंदि विज्ञ है क्षिप्रहीय तो क्षित्र के शिक्स के किंदियम, 1908 (1968 विज् 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इस्समान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्क प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और इन्त-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लि में बालाविक इप सो कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिख में कमी करने या उससे दचने में स्विपका के भिना और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्दर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्धा के लिए।

कात: बाब, जनत जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के बाधीन जिम्मिलिबित व्यक्तियों, बाधीन :—  वि सुता दैशवदाईत महस्त्रद को-आप० शोष्त्र एंड वेस्हासीस सोनायदी पि० रिंग रोड सुरत ।

(अन्तरक)

 मै० स्रोम क्षित्र कारपोरेशन, रिंग रोड, स्रत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सन्पत्ति के अर्जन के गम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी जनिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा.
- (क) इस मुखना को राजपक में प्रकाशन की तारीक भें 45 दिए को भीतरं उदत स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अथांह्स्ताक्षरी के पास लिक्टि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में बधा परिभाषित है, यंही अर्थ होगा जो उक्क अध्याय में दिका गया है।

## बन्सची

आफिट जो सुरा में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिशांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 165 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेटदात राक्षम प्राधि तरी सहायण आयकर आयुक्ण (तिरीक्षण) अर्जेन रेंज-I<sub>I</sub>, शहमदाबाद

दिनां ः 5-2-1986

## प्रकप बाई . दी .एन . एत . -----

# बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कायालय, सहायक बायकर आयुक्त (ान्राक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4294/2/85-86~-ग्रतः मुझे पी० डी० खंडलवाल

बागकर अधितिशम, 1964 (1961 का 43) (विसे इतकों इसके विष्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही. की धारा 269-ध के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जितको सं० टी०पी०एप० नं० 8, रिंग रोड़, सुरत में बनाए हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (स्रौर इनसे उनाबढ़ अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्याय फोर्म -37-ईई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 10 मई 1985

की प्रोंति सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य में कम के ख्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कि निम्नीसित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ने हुइ किसी लाब की बाबस सकत विभि जिनल के सभीन कर दोने के अन्तरक के दादितक के कानी करने ना उसरो बचने में सुनिधा के लिए।
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अध्य आस्तिनों कर नेड कर्रा भारतीय अध्यक्त अधिनियं कर 192 कि 11) वा उक्त जीधिनियं सा पर कर्ष भीतिक । 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनाई अभीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा न्या के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. मैंसर्स दी सूरत टक्सटाईल मार्केट को-म्रा० शोष्स एण्ड वेयरहजासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सुरत। (ग्रन्तरक)
- मैसर्स पी० सी० टेक्सटाईल वर्क्स लालदरवाजा, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

**को वह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्मित्त के वर्जन के निए** कार्यनाहियां ठरटा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के वाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टौकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### प्रमुस्ची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडे लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारी : 5-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4295/2/85-86---श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें शावात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंगरोड़, सूरल में बनाये हुए या बनसे जा रह श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिम्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में फार्म-37-ईई-अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के अवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञ यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, इसके उर्यमान प्रतिफल से, एसे उप्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्त्र आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिशा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत्:----

1. श्री सूरत टेक्सटाईल मार्केट शोण्य एण्ड वेरहासीस सोगायटी लि० रिंग रोड़, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्म पी० एल० दावर सिल्क मिल्स रेलवे स्टेशन, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अनिध भातत्सम्बन्धी स्थिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्राफिल जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौक 10-5-85 को पेग किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम पाधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमेदाबाद

तारीख: 5-2-1986

# प्रचन् नार्ड . दी . एन . एस् , -----

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देण सं० पी० म्रार० नं० 4296/2/85-86→म्प्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रौर जिनकी सं टी श्पी एम नं 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे स्राफिस में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (भ्रौर इपसे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय फोर्म 37-ईई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 10 मई 1985

का प्रविक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के रश्यमार हित्र के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रविक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पंद्र प्रतिशत से अधिक है

और अनरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के श्रीक एंसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नितियोंक इंद्रवेष्ट्य से उपल अन्तरण सिचित में नास्तियक रूप से किया प्रतिका गया है:---

- (क) अन्तरण सं **हुई किसी जाब की बाबत, उपल** अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्सरक को दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/बा
- (च) एसी किसी भाग या किसी भन या अस्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर किभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्:

अतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः भी, मी, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिक्षित टीचिसी, वक्की :---

- दी सुरत टेक्सटाईल मार्केट को० ग्रो० शोष्स एण्ड वेरहासीम सोसायटी रिल०, रोंग रोड़, सूरत। (ग्रन्सरक)
- 2. म० पलनातबाला टेक्शटाईल बेगमपुरा, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिख कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मां हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताकारी को पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:— इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में घिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडे लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

**सारीख: 5-2-1986** 

प्रकार भार<sub>ित</sub> टी.: युग.: एस.: प्रकार प्रकार

भावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-क (1) ने सभीन सुधना

#### नाहत चर्चा

# कार्याक्य, सहायक वायकड वाय्वत (विरोक्स)

म्रर्जन रेंज-2, महमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4297, 2, 85-86- -श्रन : मुझे पी० डी० खंडेलवाल

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा पचा हैं), की चारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रीग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है (श्रांट इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फोर्म 37-ईई-श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोड़े क्ष्यमान प्रतिफल का बन्द्रह् प्रतिचत से विभक्त है और वह कि बंदरक (बंदरका) और बंदरिती चिती (बन्दरितिवाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त बन्तरण सिवित को वास्त्रिक रूप से कांचन नहीं किया गया है 2—ो

- (क) नन्तरक ते हुई किन्दी बाव की वावस, उक्त वीधीनवंश के नभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या अवसे वचने में तृतिशा के लिए; शक्तिका
- (४) एसी किसी बाय वा किसी बन ना बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नौधनियम, या धनकर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में नृविधा के लिए;

कतंत्र क्यं, उक्त व्यीपींपयम की भारा 269-ग के बनुतरण वों, में, उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है क्योग, निम्निसिनित व्यक्तियों, वर्जत् :--- 1. **वी** सुरत टेक्सटाईल मार्केट की० ग्री०, शोष्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड़, सुरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री पंकजकुमार नागरदास गाँधी के मो हिन्द बोटल स्टोर्स, बम्बई-3।

(ग्रन्तरिती)

कां यह बूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के गिल्य कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्शप ु---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन की नेविध या तत्स्वन्यन्थी व्यक्तियों प्र स्थान की तानील से 30 दिन की नविध, को भी नविध नाम में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस बुकना के सक्षमक में प्रकारक की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्म स्थावित व्वास सभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए या सकेंगे :

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्ति निभिनियम के अध्याय 20-क में भीरिशतेषक हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गमा है।

#### नसरी

श्राफिस जो मुस्त में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 165 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ब्रह्मदाबाद

सारीख: 5-2-1986

# प्रका बाइ .टी.एन.एस .-----

जायकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ज्भीन सुपना

#### भारत चरकार

## कार्यातम, सहायक नायकपु नाम्क्य (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० पी० प्रार० नं०  $4298_{l}2_{l}85$ -86→-प्रत मुझे, पी० डी० खंडलवाल

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव टीव्पीव एसव नंव 8 रींग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनाते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है,। तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप. से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ईई-श्रह्मदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक स के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक स से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक से पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उव्चिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिक्य में कमी करने वा उचने क्याने में दृषिधा के लिए; और/वा
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: बब, उक्त किंधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बें, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित स्थितियों, अर्थात् :---

- दी मुरत टक्सटाईल मार्केट को०-स्रो गोप्त० एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड, मुरत। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रकाण देवी बनारसीदास ग्रग्नवाल, सरदाज नगर, सोसायटी, सुरत-3।

(श्रन्यरिती)

ना यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीवा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्विक्वीकरण :--इसमें प्रवृक्त शब्दों बार पदों का, जो उक्त अभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

## **मन्**त्रची

श्राफिस जो सुरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रयवा 166 वर्ग फीटहै।

> पी० डी० **खंडे**लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक**ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण

> > ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

·तारीख: 5-2-1986

## प्रकल कार्या ही, एवं, एवं,-----

बायकर बीपनियन, 1961 (1961 का 43) की पार 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत शरकार

## कार्याभय, बहायक भागकर प्रामृक्त (निर्शायक)

ग्रर्जन रेंज-2 , श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देश मं० पी० ग्रार० नं० 4299/2,85-86--ग्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसमें इसके परवाद 'जन्म निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित नाजार बुक्व 1,00,000/- त. से निधक है

स्रौर जिनकी सं टी० पी० एन० नं 8, रींग रोड़, सुरत हे बनाये हुए या बनने जा रहे स्राफिसों में हिस्सा हैं नथा ज सुरत में स्थित है (स्रौर इसमे उपावब स्रनुसूची में स्रौर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फो 37-ईई-श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 10 मई 1985

को प्रशिक्त सम्मित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान शिक्षक के लिए जन्तरित की गई है जीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षल से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित मों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया अविकल, निम्निविचित उद्देश्य से उस्त कन्तरण कि विचित से शास्त्रक हम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या जन्य अमस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था वा किया जाना चारिष्य था, क्रियाने में स्विभा से सिष्यः

शतः श्वा, उनते विशिविषय की भारा 269-म की, अनुसरण् भा, भा, उनते विशिविषय की धारा 269-म की उपधारा (1) कुंकभीतः, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः—

- दी सुरत टक्न उटाईल मार्केट को०-ग्रां० गोण्त एण्ड वरहासीस सोतायटी लि० रीग रोड़, मुरत। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती पुष्पा देवी जैन, के०, श्रो० मैं पर्स एन० प्रमोद कुमार जैन चोनरा शेठी, बेगमपुरा, सुरत।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्च सम्पत्ति के वर्षन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जबिभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 . दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो जिस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा अरे उस अध्याय में दिवा गया है।

#### श्रनुस<del>ुची</del>

श्राफिस जो सुरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। पाईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडे ल**मान** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

मोहर :-

प्रक्य नार्ड : ही : एन : एड : -----

मायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बजीन सुपना

#### भारत सरकात

## कार्यातय, तहायक बायकार जायुक्त (रिन्हीक्रक)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं०  $4300_l 2_l 85$ -86--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रीर जिनकी सं० टी० पी० एन० नं० 8, रींग रोड़, सुरत में वनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इ.से उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, फोर्स 37-ईई-श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण भ्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 10 मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान श्रीतृक्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकत् से, एसे क्यमान प्रतिकत का विश्व श्रीत्कत से जिथक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के जिए तय पाना नवा श्रीतकस, निम्नतिवित उद्देश्य से उसते अन्तर्क कि विति में वास्तिक क्य से क्षितिक के वास्तिक क्या से क्षितिक के वास्तिक क्या से क्षितिक के वास्तिक क्या से क्षितिक क्या से क्षा से क

- (क) नंतरण सं हुई किसी नाय की नानत, उक्त निध-रिनम में अधीन कर देने के मन्तरक से दानित्त में कर्मी करने या उसके मध्ये में मृतिधा के 'किए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन का जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोधनार्थ अन्तिरती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के निय;

जर्तः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:---

- 1- वी मुरत टेक्सटाईल मार्केट को०-स्रो० ग्राप्त एण्ड वेरहासीस सीक्षायटी लि० रींग रोड, मुरत। (स्रन्तरक)
- भेसर्स प्रेमचंद विजय केमार ग्रा-2269 सुरत टेक्स-टाईल मार्केट रींग रोड़, सुरत-21

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्जेक्त सम्मत्ति के सर्वन के सिष्

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीक वे 30 विश्व की व्यक्ति, को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्विन्तवों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध स्थावत द्वारा अधेहस्ताक्षरी के गत विकास में किए था सकोंचे ।

ल्लाकरण ह—-इसमें अयुक्त कर्यों और पर्यों का, वो अवस विभिन्निक के कथाय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

#### वन्स्ची

ग्राफिस जो सुरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, शहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

भवा 🜓 ः----

## पुरुष प्रस्तुः वीव पुरुष प्रस्तुः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, बहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षण)

श्रज न रेंज-2, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फ रवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4301/2/85-86---श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजार 'उनत अधिनियम' कहां गया हैं), की गारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० ए.व० नं० 8 रींग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनु सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय फार्म 37-ईई-श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमन, तारीख 10 मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाय प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई जिर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह प्रभा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंबरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरच के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्वेदय से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिबक हव से कीयत नहीं किया

- (क) नन्तरम सं हुई किन्दी बाद की वावड, करन विधिवित्र के ब्योग कर देने के बच्चुरक वी वादित्य में क्यी करने या उचने वचने में बृविधा के किए; मीड/वा
- (स) एसी किसी बाव या किसी धन वा जन्य जास्तियों की विन्हीं भारतीय बाय-कर विधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उपत जिथिनियस, या वन-कार विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने से सुविधा जे सिक्;

अतः अब, उक्त अधिरियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- मेसर्स दी सुरत टेक टाईल मार्केट का०-ग्रो० णाषा एण्ड वेरहासीय सोसायटी लि० रीग रोइ, सुरत। (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स पी० आर० मेनापाला एण्ड सन्स डब्ल्यू०-3212, सुरत टेक्सटाईल मार्केट रीग रोड़, सुरत-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींबत सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के तंत्रीय में काई भी नाक्षेप ए---

- (क) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त स्थितियों में से किसी स्पन्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-कुष् किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, अभोहस्ताक्षरी वे भास सिन्धित में किए या सकेंगे।

स्वाकारण: इतमें प्रयुक्त कवा नीह वृदों का, को उन्धः विभिन्नियम के निभाय 20-क में परिभाधिक ही, नहीं निर्ध होगर को उस निभाय में दिया नवा ही।

## अनुसूची

श्राफिल जो सुरत में स्थित है 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल पञ्चम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीखा: 5-2-1986

प्रस्थ आहें. टी. एन, एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अजन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं०4302/2/85-86--अतः मझे, पी० ग्री० खंडेब्याल

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

क्रीर जिसकी मं टी पी एप नं 8 रिंग रोड सुरत में बगाये हुए या बनते जा रहे आफिस में हिस्ता है। ध्या जेत सुरुध में स्थित है (क्रीर इससे उत्तबद्ध अगुसुची में क्रीर पूर्ण रूप में बण्णि है), प्रजिस्ट्री इसी अधि गरी के कार्यालय, फार्म 37ईई अहमदाबाद में प्रजिस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, गरीख 10 मई 1985

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए उन्तरित की यह है और मृझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके कश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, अक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) द अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ह—  दी भुष्प टेक्शटाईल मार्केट को० घो० गोष्य एण्ड बेरहासीस मोणायटी लि० रीग रोड्, सुरस।

(अस्तरक)

श्री प्रणुगम शीवणम अकंबावाड़ी, कालीपुल पूरा।
 जो सूरत में स्थिप है।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपंत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितसद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्रस्ताक्षरी के पास सिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ~- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पीठ डीठ **खंडेलवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

मो हरः

प्रस्प बाइं. टी. एन. एस.-----

# मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### शास समार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जग रेंज 2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986 निर्देण सं० पी० आर० न० 4303/2/85-86——अतः

मुझे, पी० डी० खंडेलवाल जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मल्य 1,00,000/- रुठ में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० न० 8, रींग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते ा रहे आफिस में हिस्सा है तथा जो सूरा में स्थित में (श्रांर इसपे उशाबद्ध अनुसूची में श्रींर पूर्ण का में विषय है), रिजस्ट्री उत्ती अधिकारी के कार्यालय, फार्म 37ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, धारीख 10 मई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने को कारण हैं

कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल के पत्यह प्रतिशत से किथक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के प्रीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देष्य से उक्त करूरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्कर क्यने मीं सुविधा के लिए; आंग्/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिस्त्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के तिए;

श्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्थ मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जे करीत विकासिक स्वित्तयों. तथीत् :---42---6 GI/86

- मेयसं दी० सुरा टेक्पटाईल्स मार्केट का० ग्रां० गोप्स एण्ड बैक्प्सीय मोगायटी लि० रींग रोड़, सुरत । (प्रारक)
- 2. श्रीमती प्रभावती वेन, जमनादासु बुलाखी की पुत्री के श्री मेनर्म नटवरलाल चपंकलाल धारीया ज/329 खराड़ी स्टे० मधारपुरा सुरत-3।

(अन्दर्ती)

भा यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संयक्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ज्यित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :----दिनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनस्यो

आफिस जो सूक्त में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनां 5 10-5-85 को पेश िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 185 वर्ग फीट है।

> पी० डी० सं**डेलवाल** सञ्जम प्राधकारी सहायक आयकार श्रायुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेज-८, अहमेदाबाद

तारीख: 5-2-1986

## प्रथम बाह्य . डी. एत . एव . ....

## आवधार ज्याभिषयन, 1961 (1961 ना 43) की भाषा 269-म (1) के नमीन स्थान

## मामाजन, बहुतमध नायकर जानुक्त (निर्देशाम)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 5 फप्तरी, 1986

निर्देश सं० पी० आ२० नं० 4304/2/85-86—-अतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

धानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले प्रसमें स्वक्रके प्रश्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन संभान प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वासर समारित, जिसका समित गाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रींग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिस में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजत है), रिजन्द्रीयत्ती अधिकारी के गार्यालय, फार्म 37-ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित नाबार मूल्य से नान के रक्तकात वित्रका के लिए करारित की नहीं हैं कोन मुख्ये यह विकास करने का कारन हैं कि समापूर्वोक्त सम्मित का उचित्र काकर न्या उनके र स्माप्य प्रतिकास की एक्ट उनके र स्माप्य प्रतिकास की एक्ट प्रतिकास प्रतिकास का प्रसाद प्रतिकास अधिक हैं और बंतरक (अंतरकाँ) और अंशरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक के सिए सब क्या प्राप्त प्रतिकास, किनाभिष्ठित उद्योग के उच्न बंदरक वित्रका मा प्रतिकास क्या कि कार्य करियत नहीं किया गया है :---

- (क) जनसङ्घ से हुई किसी बाय की बायत, उपल बीधितिस्थ के जधीन खाद कोने के अन्तरक के पाणित्य में अधी कम्में या उभमें बचने भें नुद्रिश के निर्मुः और/या
- (क), एर्डी किसी वाय या किसी थन या अथा वास्तिसों को, किस्तुँ भारतीय बालकर समिवियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अभिनियम, वा थन-कर विविजयम, 1957 (1957 का 27) के असोचनार्थ जन्तरिती ब्यास अकट नहीं किसा स्था था का किया जाना चाहिए था, हिल्पारों में स्वास्त्रे

अतः: अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, भी, उक्त निश्नियम की धारा 269-च की उपधारा (३) को अधीन, निश्निक्ति व्यक्तिवीं, अधीतः ३००००

- मेलर्म दी भूरत टेक्सटाईल मार्केट को०म्रो० गोप्स एण्ड वेरहासीय सोसायटी लि० रीग रोड़ सूर्या। (अन्तरक)
- मेखन प्रेश्ना फेढीक्य डब्ल्यू०-1210, सूप्त टेक्स टाईल मार्केट रींग रोड़, सूरत-2।

(अन्तरती)

का बहु कृषना चाड़ी करके पृथांक्त संपत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

## बक्त सम्पत्ति भी नर्बन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुमना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अगरित पा राजपान की आदिलाओं पर सुमान की तामील से 30 दिन की सबीध, जो भी सबीध बाद मों संपाल जोती हों, के भीतार पूर्वीकत नकालनारों को से किसी कारिक बुवास:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाचन की तारीक सं 45 दिन के भीलर उक्त 'आवर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति श्वात अभोहस्टाकरों की पास सिविस्त में जिस्स अस्ति स्वाप ।

स्वक्षीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों तीर वर्ग का, को उपक अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ क्षेत्रा करे तक अध्याय में दिशा भवा हैं।

## अनुसूची

आफिस जो सुरा में स्थित है। 37ईई यह कार्याकृय में दिनाक 10-5-85 को पेश जया गया है। साईन 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पो० डी॰ खडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

भारीख 5-2-1986 मोहरः

## क्क्य बार्ड . टी . एन . ए४ . -------

## वाशकर विभिनित्रमं, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के विभीन सुवधा

#### भारत संस्कार

## कार्याक्रम, बहायक वामकर काम्यूक्त (नियाकाम)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दि**दां**ह 5 फरवरी, 1986

निर्देश मं० पी०आप्र०मं०4305/2/85-8७——अतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

आवकर विभानवम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभीनवम' कहा गया हैं), की माध्य 269-च के वभीन नक्षत्र प्राधिकारी को गह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस-न उचित याजार सस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

स्रोर जिल्ली मं० टी० पा० एत० नं० 8, रीग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्राण इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्राण पूर्ण रूप में विकार है), एजिस्ट्री इसी अधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37ईई अहमराजाद में रिजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) है अर्थान, वारीख 10 नई 1935

को पूर्वाक्ष्स सम्पंति के अखित बाजार सत्य में कम के तहरामाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक तथ्यात का उचित बाबार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल भ' एसे दश्यमान प्रतिफल का कम्ब्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, विश्नोतित्तित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किंग्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आध, की बाबत, उक्त अधिनियम के अधील कर बीने के अस्तरक के दासित्व में कमी करने या उसने बचाने के सुविधा के सिद्द; और/बा
- (श) इंकी किसी अस्य या किसी अन या अस्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उनते अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (19// का 27) के प्रवांजनार्थ अन्तरिती इकार्य प्रकट नई किया गया या जिला कास कार्यक्ष का, कियाने में क्रिया के किए;

क्या बन, उपल बीधीनमन की बन्त 268-न के बन्तरूर भी. की उपल क्षितियम की भार 269-व की उपशास (1) के अधीन निक्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मेसर्स दी सूरत टेक्सटाईल मार्केट को०-ग्रो० शोष्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रीग रोड़, सूरत। (अन्तरक)
- 2. मेससे प्रसोत्तमदास इश्वर लाल एण्ड कंपनी 3/2225, सक्काषतपुरा के सामने पोलीस स्टेशन, सूरत-2। (अन्तरिशी)

को यह सुमना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विद कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचका के चनपत्र में अक्ष्रशन की तारीस से 45 दिन की भवीं दा !त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी जनमि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविकत क्षाविता में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिराबह्द किसी अन्य स्थावत क्षाय माहिस्ताकरी के पास सिचित में किए जा सकें

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनां र 10-5-85 को पेश कया गया है। माईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> (पी० डी० खे**डेल**वाल ) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण ) अर्जन रेंज-2, अङ्मदाबा**द**

तारी**ख:** 5-2-19**8**6

प्ररूपः, आहे. टी. एत्. एस् स्वास्तान स्वास

भागमः र जीवनियम, 1961 (15जिंग् का 43) की पाड़ा 269-प (1) फें नधीन सुचना

#### माउँच सङ्गाङ

## कार्योजयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांछ 6 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4306/2/85-86----श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलशाल

भायकार की शनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 8, रींग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे शाफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उताबढ़ बनुसूची में और पूर्ण रूप से बीणत है), रिजस्ट्रीकरी शिधकारी के बार्यालय, फोर्म 37 ईई ब्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरी शिधकारी के बार्यालय, फोर्म (1908 का 16) वे अधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त को, जिन्हें भारतीय र यक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, १५५७ (1957 का 27) का उन्त कर अभिनियम, १५५७ (1957 का 27) का प्राप्त कर अभिनियम, १५५७ (१५५० का 27) का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः श्रव, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भा. मी. उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

- मैंसर्स दी गुरत टेक्सटाईल सार्केट को० ओ० शोप्स एण्ड बेरहासीस सोसायटा लि० रींग रोड, गुरत। (अन्तरक)
- 2 मसर्स प्रफुल भुपेन्द्र एण्ड कंपनी बी 2330, सरत टेश्सटाईल मार्केट रीग रोड़, सुरत 2। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बव्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सधाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति दूबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर! के पार सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया नया है।

#### अमुसुची

श्राफिस जो भुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० छी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिलांक 5 फरचरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 43 7,3,8586-- श्रत। मुझे पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संवटांव पांव एसव नंव 8, रींग रोड़ सुरत में बनाय हुए था बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (और इसने उपाबद्ध धनुस्चा में और पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रोंबार्त धिकारा के बार्याबध, फोर्म 37 ईई अहमधाबाद में दिलस्ट्रेंबार्ग शिक्तिसम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— ग मैंतर्स दा पुरा टेम्सटाईल मार्केट को० ओ० शोष्स एण्ड वरहासास सोसायटी लि० रींग रोड़, सुरत। (अन्तरक)

2. श्री पवत धर्मचंद और शन्य के/ओ धर्मचंद लच्छोराभ लाल दरवाजा रोड़, सुरत 3।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुखी

ज्ञाफिस जो जुरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक: 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारोख: 5-2-1986

क्षरूष **बाएं**ं टी.; प्रान्त पुरु पुरु प - - - -

## ायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थान

#### मार्व सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

धहमदाबाद, दिशंक 5 फल्बरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्राप्त नं० 4303/2/85-86--श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल गायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्यात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य

१,00,000, - उ. संअधिक हैं

अोर जिसकी संव द्वांव पाव एसव नंव 8, रीम रोड़, सुरत में वामें इए पा जाते पा रहे प्राफिसी में हिस्सा है। एवा जो सुरत में लिए में किए में विकार है। एवा के बूर्य में किए में विकार है। प्राप्त के किए के कि मांग है), प्रीप्त है कि कि मांग है। प्राप्त मार्ग के कि मांग है। प्राप्त मार्ग के कि मांग कि कि मार्ग के कि कि मार्ग मार्ग के कि कि मार्ग मार्ग के कि कि मार्ग मार्ग के मार्ग के कि कि मार्ग मार्ग के मार्ग के कि मार्ग मार्ग के मार्ग के

कां पूर्वितत सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है

कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कश्यत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुर जिल्ली साम क्री बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कार्या कर्षों सा उससे वचने में सुविधा के लिए अन्तर सा
- (ख) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, फिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्मीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्ना चाहिए था सिपाने में स्विधा क्षे बिह्ह;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, के उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

- मेसर्स दी सुरत टेक्सटाईल मार्केट को० ओ० शोष्स एण्ड वेरहासीस सीमायटी लि० रींग रोड़, सुरत। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रमोद एम महेता 1/3422-23, श्राम्बील भवन गोपीपुरा, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

भाग III--खण्डा

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कीई भी जाक्षेप ह-

- (क) इस स्पना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन म प्रकाशन की नारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यास सधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किस जा सकीं।

स्वध्दीकरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया वसा है।

## मन्स्ची

आफिस जो नुस्त में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांव 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी ० डी ० खंडेलचाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारोख: 5-2-1986

प्रस् वारं . टो. एव . एव . अवस्ववया

बावकर विधित्तवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत स्रकार

## कार्यात्व, सहस्य वास्कर वाम्बद (मिर्राक्षक)

ग्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरघरां, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4309/2/85-86-- स्तः मुझे पी० डो० खंडेलवाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन, सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारल है कि स्थायर स्थाति, जिसका उचित वाबार मध्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस०नं० 3, रींग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे धाफिसों में हिस्सा है ध्या जो सुरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता धिषकारी के वार्यालय, फीर्म 37-ईई-धहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण धिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 10 मई 1935

को पूर्वोक्त सम्मन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान मित्रक के लिए बन्तीरित की गई है बीर मूले वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार सूल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एोर स्ववनान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्त्रितिका) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा प्रमा प्रतिफल, विक्नितिका उद्देश्य से जन्त क्रारण कि निर्मा कर्या क्रारण के निर्माण कि विकास क्रारण के निर्माण कर्या क्रारण के निर्माण कर्या क्रारण क्रारण कर्या क्रारण क्रारण

- कि किए; बार/का
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर विभिन्तिक, 1923 (1921) का 11) या उक्त विभिन्तिक, शा वन-कर विभिन्तिक, शा वन-कर विभिन्तिक, शा वन-कर विभिन्तिक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था कियाने में सुविधा के शिक्ष;

क्षत: वद, उक्त विधिनयम की धारा 269-म के शन्तरण कें, में उक्त विधिनयम की धारा 269-य की जपवास (११) के बचीज, जिस्सीविक्त व्यक्तिकों, क्षत्रीक्ष क्रिक्ट

- 1. मेसर्स मुरत टेक्सटाईल मार्केट को ०-ओ शोष्स एण्ड वेरहासीस सोसायटो लि रींग रोड़, सुरत। (अन्तरक)
- 2. श्री परसोत्तमलाल तोरमल पोडार 51, रेशमवाला मार्केट रींग रोड़, सुरत-2।

(अन्तरक)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्थन के 'धर कार्यवाहियां एक कच्छा हुं।

इस्त हम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मासेष :---

- (क) इस स्थान के राज्यम् में प्रकाशन की तारीय सं
  45 दिन की संबंधित वा तत्वास्त्रमधी स्वित्तवा पर
  स्थान की साबीय से 30 दिन की संबंधित को भी
  वन्धित में स्नास्त कोती हो, को भी।र पृथािकत
  व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ल 45 दिन के भोडर उक्त स्थावर मम्पत्ति में दिवक्ष किसी बन्ध म्यानक प्यास अशहन्साकरी के एस लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का. जी रुक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो एक अध्याय में दिया गवा हैं।

## प्रनुसूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-35 को वंग किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डो० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयका (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, शहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप बाइं. टी. एन. एसा. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-३, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पीठ धार० नं० 4310/ी/85-86----श्रतः मुझेपी० डी० खंडेलघाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव टीव पीव एसव नंव ४, रीग रोड सुरत में बनाये हुए या बसते जा गड़े शाफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित हैं (और इसने उपाबड़ अनुसूर्यः में और पूर्ण क्य ने भणित है), पाजस्ट्रीकत्ती शिक्षशारी के बार्यालय, फोर्म-37-ईई-अहमदाबाद में रिलस्ट्रीवरण शिव्यतियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहण्मान प्रतिफल के लिए अन्तरितः की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे दहयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ४व, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) बै अधीन, निम्नलिसिक व्यक्तिस्यां, लर्धात् ए—-

- मेसर्स दी कुल टेक्सटाईल मार्केट को०-ओ० णोष्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रीग रोड़, सुरत। (अन्तरक)
- श्रीमती पुष्पादेश वानदेवदास महेण्वरी श्रधन श्रपार्ट-मेन्ट ओनर्स एमोसीएणन प्लाट नं० 98/वी पलेट-II थर्डफ्लोर गोहहोड रोड़, सुरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक्ररण:---इसमाँ प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुमुची

श्राफिस जो सुरत में स्थित हैं । अप-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिलांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर शायुक्त (िरीक्षण) श्रुजीन रेज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० धार० नं० 4311/2/85-86----ध्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का

**करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति** सम्पत्ति का उचित बाजार

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० टी० पं१० एम० नं० 8, रींग रोड़, सुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो मुरत में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, फोर्म- 37-ईई-श्रह्मवाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908, (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 10 मई 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्वयमान अधिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य मृन्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से, एसे द्वयमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिक्षत से वृधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एने अंतरिक के लिए तम पाया गया प्रति के सिम्नीनिवित प्रवृद्धिय के उन्त अंतरिम निवति वे अस्तिविक स्थावन वहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण सं हुएं किसी आध की अल्च , इक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अर्थ वासित्य में करने या उससे अचने मीं मविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया संविधा के लिए;

भतः भवः, उत्तस्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रों, मी. अक्त व्यधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीरः, निक्तिनिति व्यक्तियों, वर्धातः विक्ति 43—6GI/86

- मेसर्स दी तुरत टेक्सटाईन मार्गेट को०-ओ०

  एण्ड वेरहासीस मासायटी लि० रीग रोड़, पुरत।
  (अस्तरक)
- 2. मेमर्म प्रफुल टेक्सटाईल्म 11/132, नधन बिल्डिंग नेकेंड फ्लोर, हमुमान पारेक्ष नानापट मुस्त-3। (अन्तरितं)

को यह मृचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिल कार्यपाहियां शुरू करता हो।

बन्ध सम्मृतिस को वर्षांग को सम्बन्ध में खडेहां भी बाक्षपः -

- (क) इस त्वना के राज्यन में प्रकाशन को तारुकि हैं
  45 विम की जबभि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर
  सूचना की तासीस से 30 दिन की जबभि, वो भी
  सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्थानित बुवाय ।
- (क) इस स्वना के राजपत्र मं अकारत को कार कर कर कि 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि कि माँ हिसब्ध्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाल सिक्ति में किए जा नकार म

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उकत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **बन्स्**ची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पीठ डीठ खंडेलघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रजन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहाः

प्र<del>क्</del>प बार्च .टी .एन .एस . -----

## बायकर जीभीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कर्त्वालय, सहायक वायकर जायकत (निरीक्क)

धर्जन रेंक्-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनोक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4312/2/85-86/--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेल्झाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव पींव एसव नंव 8, रींग रोड़ मुरत में बनाये हुए या बनते जा रह श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो मुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ऑप पूर्ण रूप मे पणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, फोर्म-37-ईई-शहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनिय, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 10 मई 1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूच्य से कम के द्रायमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण किबित में अस्तिविक कप से किथा नहीं किया गवा है :----

- (क) जन्तरण से हुइ किसी शाय की शावस, अक्त विभिनियस के वसीन कर दोने के बंतरक के दायित्व वो कमी करने का उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/मा
- (च) एसी किसी भाग वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें आरतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोधनार्थ अंबरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बहः नव, उपन सीमिन्सम की भारा 209-ग को अनुसर्व वे, वे, उपन सीमिन्सम की भारा 269-म की स्पभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मसर्स दंश्व सुराः टेक्सटाईल मार्केट को०-ओ० णोष्स एण्ड वेरहार्साम सोसाध्दी लि० रींग रोड़, भुरत। (अन्तरक)
- 2. 2. श्री प्रामचंद लालचंदर्जी शहोह के/ओ मसर्स वर्धमान टक्सटाईल्स इन्डस्ट्रीज बाम्बे मार्केट उमरवाडा, सुरत।

(अन्तरितो)

को यह स्वाम बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षण के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

## बन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीब बैं 45 विन की श्वीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी वन्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव जिल्ला में किस जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को अवस विधिनियम, को वश्याब 20 क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया वया ही।

#### गन्सभी

आफिस जो सुरत में स्थित हैं । 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी॰ खंडेलघाल सक्षम प्राधिकारी अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

महिर:

प्ररूप आहे. टी. एच. एस. -----

लाएकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) में नधीन तुमना

#### भारक तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णः रोज-2, क्षर्भवावाव श्रहमदाबाद, दिशांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4313/2/85-86---श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ध जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं टीं पीं एस नं 8, रींग रोड़, गुरत में बताये हुए था बाते जा रहे शाफिसों में हिस्सा है। तथा जो गुरत में स्थित हैं (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विगत हैं), रजिस्ट्रीवार्ती श्रीधवारी के वार्यालय, फोर्म- 37-ईई-श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्री, करण श्रीधित्यम, 1908 (1908 (1908 वा 16)) शर्याल, दितांग 10 मई 1985

वा प्वांक्तः संम्पात्त के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफास के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके अध्यमान प्रतिफाल से, एोसे दश्यमान प्रतिफाल का पंच्य प्रतिकार में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस कन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फास निम्निली कत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने का उन्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था, क्रिपाने में तृषिधा के सिए।

जतः अस, उथत जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जीर्धनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मेसर्स दी सुरत टेक्सटाईल मार्केट को०-ओ० शोष्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड़ सुरत। (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रवोत्त केशरीमल शाह कर्बीरपुरा, भरुष। (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संवक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित हैं । 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

## प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

## आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

## कायलिय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, धहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4314/2/85-86---- प्रतः मुझ पी० डी० खंडेलघाल

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० टी०पी० एम० नं० 8, रींग रोड़, सुरत में बनाय हुए था बनते जा रह श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्टीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, फोर्म-37-ईई-अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 10 मई 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिमिक्स के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविभा के लिए; नौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन . निकल्लिकित व्यक्तिकों , अर्थात् :--

- 1. मसर्स दी सुरत टक्सटाईस भाकेट को०-ओ० शोप्स एण्ड वेरहासीस सोसाथटी लि० रींग रोड़, सुरत। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री पवन कमार बाकिराय जैन और अन्य के/ओ मैंसर्स लकी इन्टरप्राइजस के-2290, सुरत टेक्स-टाईल मार्केट रींग रोड़, सुरत-2।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी<del>ख</del> **तै** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्भ किसी अन्य व्यक्ति वधारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में है, बही वर्थ होगा जो उस अभ्याय गया है।

#### अनुसूची

श्राफिम जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फाट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (िरिक्षण) श्रर्जन रज-2, श्रहमदाबाद

तारी**ख:** 5-2-1936

## महत्त्व भाष**्ट्री तुन्त्व त्रा**र्वकारण्या

बावधर विवित्तवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में बभीन बुचना

भारत मरकाह

## कार्याजय, बहायक नायकार वायुक्त (निरीक्रण)

धर्जन रेंज-2, अहमदाबाद धहमदाबाद, दिनांक 5 फरवर्र। 1986

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4315/2/85-86---श्रतः मुझे, पी० डी० खडेलघाल

नायकार निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उनत निभिन्यमं कहा नवा हैं), को भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अीर जिसकी संव टीविपीव एसव नंव 8, रीग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्य मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय फार्म- 37-ईई प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 को 16) के श्रिधीन, तारीख 10 मई 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूक्य से कान को दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पंदह प्रतिकत से निधक है और नंतरक (मंतरकों) नीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे नंतरण के लिए तय पाया पूरा प्रतिफल निम्मतिकित स्थूपिक से दस्त अम्बर्ग विजिष्ठ के बाजार महा प्रतिफल निम्मतिकित स्थूपिक से दस्त अम्बर्ग विजिष्ठ के सामा प्रतिफल निम्मतिकित स्थूपिक से दस्त अम्बर्ग के स्थाप की क्ष्य के स्थाप की दिल्ल

- (क) बंतरण ते हुई किती बाय की वावतः, उक्धं विभिन्नियम के अधीन कार दोने के वंतरक के दावित्य में कवी करने वा उक्कं वस्त्र में द्विता के शिक्; बॉर/का
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी थन वा नम्य नास्तियों को, चिन्हों शास्तीय वायकर विधिनयव, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयव, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रजीवनार्थ वंदरियों हुवाय क्कट नहीं विधिया नवा था या किया वाना वाहिए था, कियाने यो स्विधा की किए।

बंद: वब, उक्त वीभीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण वो, वे, उक्त वीभीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिविक स्थिनतयों, वर्धात्:—

- दी सूक्त देवनदाईन भा केंद्र का क्यां का णाप्स एण्ड बेग्ररहासीस सोसायटी लिंक रींग रोड़, सूरत। (अन्तरक)
- 2. श्री पटेल भक्षिन कुमार रामचन्द्र और श्रन्थ यू-3223 सूरत टेक्सटाईल मार्केट रीग रोड़, सूरत-21 (श्रन्तरिती)

का वह त्या वारी करके प्यांक्य कल्पि के वर्षम् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीबा के 45 विन की नवीं या तस्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीं , जो भी नवीं बाद में समान्त होती हो, के शितर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति त्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील की 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अपांहरताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगं।

श्यक्वीकरण :----इसमें प्रयुक्त बच्चों मीर पत्तों का, को क्यक निभीनयम के बच्चाव 20-क को पडिसारिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा नका हैं।

## श्रनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गंधा है। साईज 185 वर्ग फीट श्रयंचा 166 वर्ग फीट है।

> पीठ ईं उन्हें ने लवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2 श्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्तक)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० भार० नं० 4316/2/85-86→-श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलशाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रशिधकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी संव टींवपीव एसवनंव 8 तींग रोड़ सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (अंद इसमें उपाबद्ध अनुभूकी में और पूर्ण रूप के घणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फार्म- 37-दिई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिक्रियम 1908 (1908 ता 16) के अर्थान तर्राख 10 मई 1985

क्य पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिष्; बरि/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए:

बतः जन, उक्त जीधनियमं की धारा 269-ग के जनूसरण बो, मी, उक्त जीधनियमं की धारा 269-च की उपभाग (1) बी अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिकां, बर्धातः

- र्दा सूरत टैक्सटाईल मार्केट को०-ओ० घोष्स एण्ड विधारहासीस सोसायटी लि० रीग रोड़ सून्त। (अन्तरक)
- 2. मैसर्स रिश्म ट्रेडींग कंपनी लाल दरवाजा रोड थाथक कंपाउन्ड सुरत-3।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन करी अविध या तत्संबंधी क्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यिक्त ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध क्रिसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और वधाँ और, भी जनत अधि-नियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उस कथाय में दिया गया है।

## नमृत्यी

ग्राफिस जो सूरत में स्थित है 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 की पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट शथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडे लघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर 'ायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रस्य बार्च . टी . एव ु एउ ु ----------

बायकर सिंपिनयम,, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सहकार

## कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंदि जिसकी सं टी॰ पी॰ एस॰ नं 8, रींग रोड़, सूरत में बताये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिएसा है। उथा जो सूरत में स्थित है (अंद इसरे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के वार्यालय फार्म 37-ईई-श्रहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 10 मई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए बंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बभापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से बधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में गम्तियक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने वा उसमें बचने में सुविधा के लिए, जरि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना न/हिए था, छिनाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त विधितियम औ भारा 269-ग के भगूवरण में, मंं, उव अधितियम की धार 269-थ फीरमधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- दी सूरत टेक्सटाईल मार्केट को०-अं।० शोध्य एण्ड वेरहासीम मोसायटी लि० रींग रोड, सूरत । (शक्तरका)
- 2. मैससं राजकमल सिरुक मिल्ज जी:-1313, सूरत टैक्सटाईस, मार्चेट रींग रोड़, गुरूत-2।

को यह सुबना बारी करके पूर्वोक्छ सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे

स्थव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों आर पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

#### *प्रमु*ची

श्राफिस जो सूरत में भियत है । 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेग किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिवारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रुजैतरोज-2, श्रहमदाबाद

तारीखा। 5-2-1986 मोहर : श्र**रूप** ाहें थी. एत. एस. त - •

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकाह

## कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निर्दाक्षक)

अर्जभ रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशांक 5 फ खरी 1986

निर्देश सं० पी० अ। ए० नं० 43 i 8— ज्याः, मुझे, पी० इी० खंडेलवाल,

बायकार शिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च 'हे अभीन सक्षम प्राणिकारी को, यह विश्वास कारन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिल्की संब टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 8; रिंग रोड़, सुरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है, तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इसने उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारीख 10 मई, 1985

को प्रवेशित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विद्यास कारणे का फारण है कि यथाप्र्योक्त तम्मित का उचित बाजार मूक्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल के प्रदेश प्रयमान प्रतिफल के प्रदेश प्रयमान से कि कि है और अन्तरक (अन्तरका) और मृत्यरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के मिए उच्चाया गया दिस्सक, निम्निविच्छ उद्देश्य से उन्तर अन्तरण किया गया है:—

- (का) अन्तरण वे हुई किसी नाय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के मन्तरक ज वासित्व में अभी करने या उससे क्याने में सुविधा के सिए; शरि/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में म्यिक। के लिए.

्र अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, रफ्तः अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीनः निम्नलिकित व्यक्तियों, अभीत्:——

- 1. दी मुरा टेक्स्ट।ईस मार्कीट को-आप० शोप्स एण्ड वरहासीस सोसायटी लि० पिग रोड, सूरत । (अन्तरक)
- 2. मैंलर्म राज प्रमण फेब्रिक्स थां-3268, मुरत टेक्सटाइल मार्कीट, पिन रोड़, सूरत-2

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

जनत सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्यक्षांकरणः -- इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होंगा का उस अध्याय में क्षिय गया हैं।

#### अनुसूची

आफिस जो मुरत में स्थित है। 37-ई ई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85को पेश किया गया है। साईज 185 वो कोट अववर 163 वो फोर फीट है।

**नारीख: 10-2-198**6

मोहः:

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.------

ज्ञासकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचला

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयक (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिमांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर्०नं० 4319/2/85-86--अत: मुझे पी० डी० खंडेलवाल नायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त ककिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8 रींग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में है तथा जो सुरत में स्थित है (ग्रार इसने उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई अहमदाबाद रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 10-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाना गया इतिफस, निम्नसिकित उद्देश्य से उक्त मन्तरण किन्दित में बास्तिमक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की रावत, शब्द विधिनियम के अभीत अर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे अचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 र 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सनिभन्न

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (†) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात् :----44---6 GI/86

- (1) दी सुरत टेक्सटाईल माण्केट को० ग्रो० गोणा एण्ड बेग्हासीस मोतायटी लि० रींग रोड, सुग्त। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती राजदुलारी ए० आतन्द सी० श्रो० सी० ए० एण्ड को० जंगमपुरा सुरत। (अनः रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सरदा हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्सेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी बन्य स्थित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय। गया है।

#### वन्त्रची

ज.फि.स. जो भुंदर में स्थित है। 37ईई फार्म या कार्यालय में दिश्तीक 10-5-1985 को पेश कया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्गफीट है

> पी० डी० खंडेवलान महायक आयकर आक्सृक्ट (नरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनाँक: 5-2-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनौं ह 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आण्० नं० 4320/2/85-86- अतः मझे पी० डी० खंडेवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्याद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसका टी० पी० एम० नं० 8 है रींग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आ फिसों में हिस्सा है। भा जो सूरत में स्थान है। (और इसन उपावड़ में ग्रांग पूर्ण रुप से विणत है), रजस्ट्री की अधिकारी के लार्थात्य 37ईई फार्म अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिकयम 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिलौक 10-5-1985 को पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषींकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पंत्र प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्निर्वित उद्देश्य से उद्धत अन्तरण लिखित में साम्तिक कर में अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने था उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) दी पुष्ट टेन्डटाइन सारकेट की० श्री० शोध्स एण्ड बेन्हासीन सोपायटी नि० रींग रोड, सूपन । (अन्दर्ग)
- (2) मैं० प्राचिष्वरलाहा सरारीया एण्ड कं० रींग रोड, सूर्वा

(अन्तरिती)

यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के शिल्प कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृत्यी

आफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37ईई ा फार्म यह जार्यालय में दिशीर 10-5-1985 की पेश किया गया है। साई: 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधि घरी महायक अयक्तर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रोंग- ,अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के इस्ति, निम्निलिकित स्यक्तियों, क्रार्थात् :---

**स्तिक:** 5-0-1986

मोहर

प्रक्ष बाहे, दी, एन, एस,,-----

## वायकार विधिवयम्, 1961 (1961 का 43), की वास 269-व हैं।) वे स्थीत सुन्धाः

भारत सरकार

कार्याजय, शहायक भायकार भागृक्त (निरीक्षण)

ार्जन रेंज-11, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनौंऽ 5 फ॰वरी 1986

निदेश सं० पी० आ≅० नं० 4321/2/85⊣86− नः मझे, पी० डी० खंडेलवाल

कायकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हुं कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित्र बाजार मृज्य 1,09,000/- रु. से अभिक हैं

भीर िनकी सं० टी० पी० एस० नं० 8 है, रींग रोड, मुरा में अन्तये हुए या बिन्ते जा पहे आफिसों में हिस्ता है तथा जो सुरा में विवा है। (बारडमान उताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का में विवा है), पिनस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यात्य फार्म 37ईई-अहपदाबाद में प्जीस्ट्री करण अवितियम 1908 (1908 जा 16) पा अधीन दिनौंक 10-5-1985

को प्रोंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बस्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह निक्वास करने का कारण है कि युआपूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, अशके दश्यमान प्रतिकत्त से, एसे दश्यमान प्रतिकत्त के वन्द्रह् प्रतिकत् से विभिक्त है और अन्तरक (अन्तरका) और (वन्तरितियाँ) के बीच एसे सन्तरण के लिए तय पाया प्रवा क्ष्म दिन्तिवित उद्योद्य से अस्त अन्तरण विवित्त में वास्तविक में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण सं हुइदं किसी साथ की साथतः, उच्छ मीपीनवय के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और्/सा
- (क) एस किसी गाय मा किसी धन या अन्य बास्तियों को, विन्तुं नारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) ण उद्या का बाल्यम, का धन्-कर वृधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थं अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया धारको निवास अन्ति किया गया को सिक्तः

बतः सभः, उनत विभिनियम की भारा 269-ग के बबुबरण में, में उनत विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिक व्यक्तियाः, अधीन :---

- (1) वी सूरत टेक्सटाईन मार्ग्यट की श्रीश्योग्स एण्ड वेरहाऊसील सोसायटी लि० रिंग रोड, भुगत । (अन्सरक)
- (2) श्री रामेन्द्र कुमार रतीलाल शाह, वाडी फलथा, सूरत।

(अन्तरिती )

की वह भूषना चाड़ी करके पूर्वोक्त सम्मित्त से वर्धन से लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी आश्रेप :---

- (क) इंड सूचना के सावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो और अविश्व कार्य में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबष्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षण के पास लिखिस में किए जा सक्ति।

स्पाकीकारणः--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उकत अधि नियम के कथ्याय 20-क मी परिभाषित हो, वही कथ होगा, जो उस कथ्याच या विकार एक क

## वन्स्ची

आफिस जो मुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ज फीट अथवा 166 वर्ग फोट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्माक्षण) अर्जन रेंज—1, अहमदाबाद

दिनौंक: 5-2-1986

माहर:

## प्रकृत कार्यः, टी., एन., एव.,-----

## भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशांक 5 फरवरी 1986

निर्देश में० पी० आर० नं० 4322/2/85-86--अत: मुझे पी० डी० खं**डे**लवाल

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारच हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित वाचार मृख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रार जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8 है रींग रोड सुरत में वनाये हुए यां बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित हैं। (ग्रीर इसमें उपाबंद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित हैं) रिजर्ट्याकर्ता अधिकारी के पार्यालय फोर्म 37ईई—अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 टा. 16) के अधीन दिनां 10-5-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्रफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के दीच एने अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विध्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त जिथीनसम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उत्तते बचने में सुविधा के लिए; बार√या
- (ध) एस किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तिकों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भारतीय गांचिए पा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिए था, जिनाने में सुविधा है विद्

बत: अब, उक्त निधिनियम की धारा 269-न से बनुसरक बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नत्तिकत व्यक्तियों, अर्थीक् ः——

- (1) बी० सुरत टेक्सटाईल मारकेट को० ग्रो० शोप्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी रींगरोड, सुरत। (अन्तरक)
- (2) श्री रमणलाल मोतीराम हरिपुरा सुरत। (अन्तरिती)

को वह स्वना वारी करके पृथोंक्त सञ्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## स्वतः सन्तरितः **से वर्षन के सन्त**रम में **कोई की काको**द ए----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिक्यें में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किकित में किसे वा सकते।

स्वक्षीकरणः इतमें प्रयुक्त कन्यों और पवों का, को उन्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को सस अध्याय में दिया ृगका है।

#### नगर की

आफिस जो सुरत में स्थित **है। 37ईई** का यह फार्म यह कार्यालय में दिशांक 10-5-1985 को पेण किया साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिशांक: 5-2-1986

प्रस्प आर्ड्ःटी. एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० न० 4323/2/85-86--अन: मुझे पी० डी० खडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रांर जिसकी सं टीं जिल्ला पह जा कर है रीग रोड, सुरत में बनाये हुए यां बनते जा रहे आफिसों में हिस्ता है तथा जो सुरह में स्थित हैं। (फींर इसमें उलाबद्ध अनुसुची में फींर पूर्ण रूप में विजित हैं), रजिस्ट्रीनिता अधिकारी के जार्यालय फोर्म 37ईई-अहमदाबाद में रजिस्ट्रीनिता अधिकारी के जार्यालय फोर्म 37ईई-अहमदाबाद में रजिस्ट्रीनिता अधिकारी के जार्यालय फोर्म 37ईई-अहमदाबाद में रजिस्ट्रीनित्रण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास कर में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (।) दी सुःः द्वेकःटाईन को० श्रां० मारकेट को० श्रो . शोष्त्र बेल्ह्यमीस मोजायटी नि० रीगरोड, सुरस । - (अन्तरक)
- (2) भ० रेणुका यार्ने देडर्स बेगमपुरा मुरन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टिभिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

आफिस जो मुरत में स्थित हैं। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिशांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० बडेलवाल नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिसांका: 5-2-1986

प्रकृष बाइ'. टी. ५४. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनां ह 5 फरवरी 1986:

निदेश सं० पी० आर० नं० 4324/2/85-86---अनः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिल्लाकी सं ० टी० पी० एस० नं ० 8 है रीग रोड, सुरत में बहाये हुए यां बहते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा लिया जो गुरत में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उहाबंड अनुरुची में श्रौर पूर्ण का ते बिणा है), रित्रिट्रीनर्जा अधिलारी के जार्यालय फोर्म 37ईई—स्हमदाबादमें एजिस्ट्रीकरण अधि-ियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां क 10— 5-1985

अभी पूर्वोचल संपत्ति को ज्ञानित बाजार मृत्य स कम क हर्यमा।
प्रशितफल के लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उभके दश्यमान प्रतिपाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(गंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
बागाविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- [का) मन्तरण सं हार्य किसी अध की सबत उक्ट मीविनयण को अधीन कार राम के सन्तरण के रियान राजकी कारने ये जससे दान में स्विध के स्वरं कारें
- ्ष्ट्रे एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म वास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका चाहिए था, छिपान में सुविधा के बिए;

वर्त. अब, उक्त जीभीनयम् तः । वाच 269-म कः अनुसरभः धः, मः, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) भू अर्थान, निम्नतिचित् व्यक्तियों, जर्थात् ॥——

- (1) दी सुरत टेक्सटाईल मारकंट को० ग्रो० शोष्स एण्ड बेस्हासीस सोसायटी लि० रीग रोड, सुरत। (अन्तरक)
- (2) श्री रलवन्दू अम्रालाल मारफलीया माजुर गेट सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध , जो भी वविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पार सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः :—इसमें प्रमुक्तः श्रवस्ताः और प्रवाणकाः को स्वताः विधिनसम≒कें वध्यासः 20-कःमें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसः अध्यास में दिसाः गमा है।

#### मन्त्यी

आफिस जो सुरत में स्थित **है।** 37ईई का फार्म यह कार्यालय में 10-5-1985 को पेश चिया गया है। साईज 185 वर्ग फोट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु<del>क्त (</del>मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनाम: 5-2-1986

मोहरः

ंप्रकृष बाह्<sup>र</sup>्टी, एवं, एक<sub>्न---स</sub>

## भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-व (1) के मधीन भूचना

#### - भारत नरकार

## कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिक)

अर्जभ रेंज--1, अहमदावाद अहमदाधाद, दिमांक 5 फरवरी 1986 ं

िदेश गं० गी० आर० नं० 4325/2/85-86--आतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल
आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इतके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अने धारा 269-च के सभीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उधित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. में अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8 है रीगरोड, सुरा में बनाये हुए या बनते छ। रहे आफिसों में हिस्सा है नथा जो सुरा में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबड़ तनुसूची में भ्रोप पूर्ण कर त विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई-अह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण मो, ा, जक्त अधिनियम की भारा १०९२ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों ८९ित् :---

- (1) दी भुगा टेक्नस्थिकी ग्रास्टेट की० भी० भीका एण्ड बेरहासीस मोतायटी गि० गीम गेड, सुरा। (असाएक)
- (2) श्री शिहित कुमार टक्तमुख्याल ाडिया नुस्य।

(अस्परिती )

को यह स्थना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियां शक् करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिश्वरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह ार्याक्य में दिशांक 10-5-1985 हो पेश किया साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल लक्षम प्राधिताणी तहाय आयक्ष प्रश्वमः (निरीक्षण) अर्जेश केंज्र-1, अहमदाबाद

बिनो 🗀 5-2-1986

प्रकार बार्च की एन एस ----

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीव स्वना

भारत सरकार

## कार्यास्य, सङ्ख्यक बावकर शायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जं न रेंज-2, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4326/2/85-86—-श्रतः, मुझ ' पी० डी० खंडेसवाल,

नाथकर जिथितियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त जिथितियम' कल्ल गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काश्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित सामार मृत्य 1,00,000/- रा. से गिथक है

ग्रीर जिपकी मं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे ग्राफियों में हिस्मा है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इन्से उपात्रद्ध प्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई-ग्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 13) के अधीन दिनाँक 10-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिप्रांत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे बहु विश्वास कर. गा कारण है कि यथापूर्वेक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिप्रांत से एसे दृश्यमान प्रतिप्रांत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंश्वरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिप्रांत निम्नितियां उद्वर्षिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक स्प स किथह नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यास्य ने हुई किनी आम की वावड, उपत विध-मिन्न के ज़नीन कर वेते के अन्तरक के वासित्य में कानी कारने या उससे वचने में सुविधा के लिए: औपर/शा
- (ण) एसी किसी जान वा किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिल्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा अल्यान अधिनियम, वा अल्यान अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधिनियम असीरिती इसारा प्रकट नहीं किया चीर का या कियाने में अधिना के सिका

बत बंब, उपन श्राभिनियम की भाग 269-म के अनुसर्क में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत निक्निविक्त व्यक्तिकाल, बुवाँक (1) श्री सूरत टेक्सटाईल मारकेट कौ० ग्री० शोव्य एण्ड वेंग्ररहासीय सोयायटी लि० रीग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामनिवास रामकियान मोनो दिल्लो गेट सूरत।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकातन का तारींव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी मन्य व्यक्ति व्याप वभोहस्ताकरी के पास सिक्ति में किए वा तकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का उर्ध इ कार्यालय में दिनौंक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट है श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डो॰ खंडेलवाल सन्नम पाधिकारी सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, श्रहमदाबाद

दिनौक: 5-2-1986

प्रकार कार्या, टी. एन. एस.----

## भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4327,2,85-86-- श्रतः मुझे पी० डी० खंडेंल्वाल नायकर अधिनियम, 19ता (1961 का 43) (जिसे इसपे सके प्रवाद उक्त अधिनियम कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एम० नं० 8 रींग रोड, सूरत में बनायें हुए, या बनते जा रहे श्राफिसों में हिश्मा है। तथा जो सूरत में स्थित है। (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रार पूर्ण रुप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फार्म 3-ईई-अहमदाबाद में रजीस्ट्रीजरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौर 10-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उद्देवस्य से उक्त अन्तरण जिल्लाक में बास्तियक स्थ से किथा नहीं किया गया है सि—

- (क) गल्लरण संष्ट्रचं किस्ती भाव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उच्छे बच्चने के सुनिधा के लिए; और∕वा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की विन्हुं आरंतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधि:यम, 1957 (1957 को 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारः (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 45—6 GI/86

- (1) दी सूरल टैक्सटाईल मारकेट को० श्रां० णोष्म एण्ड वेंश्वरहाउमीम सोनायटी लि० रिंग रोड, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राधेण्याम ग्रलैंदान बठैजा 79 मनेह भुमर्ती सो० ग्रदाजन पटोया सूरत।

(ग्रन्तरितो)

का यह सूचना आरी करके पृथींकत सम्मरित के अर्थन के क्लिश कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की नवीं था तत्सम्बन्धी न्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनीय, शों भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर अविधि स्थानितमों में से कियी न्यायित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारिक में 45 दिन को भीतर तकत अगवर मध्यक्ति में दिन के भीतर तकत अगवर मध्यक्ति में किंदि के पास निर्माशन में किंदि को पास निर्माशन में किंदि जा सकोंगे।

हमक्योकरण — इसमें अपूक्त शन्दों और धड़ों का, वा उपहा अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उम कश्याय भी दिया। न्या हैं।

## ग्रनुसूची

ग्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में 10∼5∼1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डो० खंडे**ल**वाल ाक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंग-1, श्रहमदाबाद

दिनाँक: 5-2-1986

प्रक्रम आहें.टी.एस.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मुखना

#### भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 4328/2/85- 86--श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1.00.000/- रु. में अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रीग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जो रहे श्राफियों में हिस्मा है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिशिकारी के कार्याक्षय फार्म 37-ईई श्रहमदाबाद में र जिस्ट्रीकर्रा श्रिकारी के कार्याक्षय फार्म 37-ईई श्रहमदाबाद में र जिस्ट्रीकर श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक 10-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यसान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से किया गृति किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उत्तक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एर भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के किए:

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) दी सूरत टैक्पटाईल मारर्केट को० ग्रो० गोण्स एण्ड बेग्रप्त्स्सीस सोसायटी लि० रिंग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमणकलाल रतीलाल णाह दर्पन सिमेमा के पास, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन के निए कार्यवाजियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के बर्जन संबंध में क्रोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकर्षों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (छ) इस सुचना कै राजपत्र में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हितबद्ध फिसी अन्य स्थानित इनारा अधिहस्ताक्षरी के पास् निक्ति में किए का सक्तेषी

स्पक्ष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसके अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### **प्रनुसुची**

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

दिनाँक : 5~2~1986

प्रकल, आर्थ, टी. एन. एस्. - = - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यातव, सहायक जायकर नामृक्त (निरक्तिक)

श्रजेंन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० प्रार० न० 4329/2/85~86-- ग्रतः मुझे पी० छी० खंडेलवाल बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिष इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्मसि, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000∕- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं टों पी एस नं 8 रीग रोड सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आकिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसस उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से बॉंगन है) रिजिल्ह्रोक्ति अधि-कारी के कार्यालय फार्म 37ईई-श्रह्मदाबाद में रजीस्ट्रोक्तरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 10~5-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास कर्ने के कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित् बाचार मूक्य, उश्वकं रहरमान प्रतिकल सं, एसं क्यामान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से सभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किविक में बास्तविक क्य सं कांच्य वहीं किया यहा है क्ष-

- (क) अभारण सं हुई किसी बाव की वासत, उनसे वीर्यातस्य के वर्षीत कर दोने के कनारक के शांतित्व में केसी कारने वा उससे वन्ते में सुपिधा के सिए; करि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जासिसाया को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियान मा खिया के लिए;

वर्तः सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को बनुवरण ओ, में उक्त अधिनियम की वास 269-च की प्रथमास (1) देशभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् क्र—

- (1) दो सुरत टैंक्यधर्द्दल मारकेट को० ग्रो० **गीप्स** एण्ड वेश्ररहासीस सोसायटी लि० रीग रोड, स्रस। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रामचन्द्र जयनारायण और श्रन्य सी०/श्री० राजकुमार मिल्क मिल्प मलाबतपुरा सूरत।

(श्रन्त रिती)

को बहु सूचना चारी करके प्रबंक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिहु कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समिश, जो भी समिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में ते कि की स्यक्ति स्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताकरी के पात सिवित में किए का सकेग।

स्वध्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस वश्यास में दिया नवा हैं।

#### नन्तुची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फामें इस कार्यालय में 10~5~1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंग-2, श्रहमदाबाद

दिनौंक: 5-2-1986

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत परकार

## कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्ज'न रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4330,2,85⊣86~--ग्रतः मझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- के. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव टीव पीव एतव नंव 8 है रीम रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते हुए श्राफिसों में हिस्ता है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इनमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिक्ट्रिकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई--श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 10-5-1985

करं पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और

मुमं यह विश्यास करने का कारण हैं कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धर्ममान प्रतिकल से एसे धर्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक हैं और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण को लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेम से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया
गया है

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचरे में स्विधा के लिए; अरि/सः
- (क) ऐसी किसी अय श किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हा भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का ५1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था 'छपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्य :---

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल सारकेट को० ग्रां० शपण्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) मे॰ रामप्रकाश श्रमरनाथ रांग रोड, सूरत। (श्रन्तरितो)

को यह त्थना बारी कर्के पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्हन्थ में कोई भी बाओं :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तः भरी के पास निवित्त में किए का सकें ने।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ भिगा जो उस कथ्याय में दिया एका है.

## अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट स्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजे⊸1, ग्रहमदाबाद

दिन<sup>†</sup>क: 5-2-1986

मोहरः

#### भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० म्रार० नं०  $4331_{l}2_{l}85$ −86→म्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्नौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8 रांग रोड, सूरत में बनाये हुए याँ बनते जा रहे स्नाफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से विणित है रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई—स्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 का (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति, के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकार प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के क्लूड प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अन्तरण के निए सय पाया द्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्वविक स्थ से क्षित नहीं किया यथा है है—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाव की बावता, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने की जन्तरक के रावित्य में कमी करने वा उससे बचन में स्विधा के सिद; बार/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियी की विनह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जव, उक्त किंपिनियम की धारा 269-ज के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) दी सूरत टेक्तटाईल मारकेट को० स्रो० शोष्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रांग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रामानुज् ८रनारायण मरिधरपुरा सूरत। (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके वृजीक्त सम्पत्ति के नर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीखं ६ 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाः पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि , का भी जवधि बाद में स्याप्त होती हो, की भीतर पटकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर एक स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी असा यांसा द्यारा कारणात्र सम्पत्ति में कि यांसा क्षेत्र मार्थ कारणात्र स्थापन कारणात्र स्यापन कारणात्र स्थापन कारणात्र स्थापन कारणात्र स्थापन कारणात्र स्यापन कारणात्र स्थापन कारणात्र स्थापन कारणात्र स्थापन कारणात्र स्यापन कारणात्र स्थापन कारणात्र स्थापन कारणात्र स्थापन कारणात्र स्य

स्पन्न करणः --- इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदां का, जो उक्त विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिशा गया हैं।

### कन्स्क

आिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनाँक 5-2-1986 मोहरः

## वचन वाह्<sup>र</sup>.डी.च्न.च्च.-----

भागा व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की पारा (१९०-५ ११) के अधीन स्थना भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (विरोक्क)

श्चर्जन रेंज-1, प्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनाँ० 5 फरवरी 1986 निदेण सं० पी०आर० नं० 4332/2/85→86→ श्चन: भुझे पं≀० डी० खंडेलवाल

अस्ताः लीधीलयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे दसके दसके प्रशाह 'उक्त मिनियम' कहा पता (), की भाष 269-या के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाभर सम्पत्ति, विस्ता उपित वाकार मृत्य 100,000/- रा. सं अधिक हैं

र्यार जिनका ग० टा० पा० ए १० नं० 8 राग राड, पूरत मं बााये इए या नती जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा सूरत में स्थित है (श्रीर इतने उपाबड श्रनुसूर्या में श्रीर पूर्ण एप न विभिन्न है) रिजिस्ट्राकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फार्म 37इई- श्रहमनाबाद में रिजिस्ट्राकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 पा 16) के श्रधीन दिनौं ए 10-5-1985

का पूजा का सम्यक्ति के उ**िषठ बाबार मृत्य से कम के क्यमान** प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई और प्रांत यह विस्वास

करेंने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य: उत्तक इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रीतशक स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्द्रांपित्य:) क बांध एक अन्तरण के लिए तय पाया मदा अंतिफ स, निम्नतिखित उद्देश्य से उस्त सन्तर्ण विशिष्त में अस्तिक स्था स कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्वरण वे शुद्ध निव्दी बाल की बालकः, बावह अहैन्द्रिकात के सबीत कर बांचे के अन्वरण के बाहियाल को कती करने वा उच्छ बाहबे की बृणिया को विद्या: क्षीय/मा
- ात्र, ए जी जिसी आव मा किसी भग वा जन्म वाक्तिकरें २४, जिल्हे बारतीय जल-कर स्वीपियक, 1922 (1922 कर 11) ता अवद विधियक, का भग-कर विधियका, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रयोजगार्थ अवदिती कृतारा अवद वहीं किया वद्ध भा का विका बाना चार्रेश्वर था, कियाने जें सुविधा में विका;

अष्ठ: अष, अष्यः आधिषयम की धारा 269-ग के अनुसरम भी, भी, उपन अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) दो सूरत टेक्सटाईन मारकेट को० स्रो० **गो**ष्म एण्ड बेरहासीन सोनायटी लि० रांग रोड, सूरत। (अन्तरक)
- (2) राधेण्याम मूलचंद भाटीया और अन्य फें०/श्रो० मूलचंद राधेण्याम और अन्य भाटीया एण्ड सन्स सां०/1021, सूरत टेक्सटाईल मारकेट रांग रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

का वह क्षमा बारी करके पूर्वीका कम्परित के वर्षन के जिल् कार्यगोहकां करता हो।

## ज्यस र अपित के सर्पन के बंबंध में कोई भी बाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जगसंची

आफित जो सूरत में स्थित हैं। 37ईई का फार्म यह कायिता में 10-5-1985 को पेस किया गया है। सार्इज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेसवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 5~2~1986

मोहर

प्रक्रम् बाइ'. टी. एव. एस.....

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचनः

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक वायकर जाय्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 433312185-86--**ग्र**तः मुझे पी० डी० खंडे**लवा**ल बायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के प्रवात् 'उत्त अधिवियम' कहा गया ही), की धारा 269- ब के अवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्य 1,00,000/- रु. से अ**धिक हैं** ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस नं० 8 रांग रोड, स्रत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथ जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 10-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को स्वयमान श्रीतफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्निसिंखत उद्देश्य से उद्दे उन्तर्ण विश्वित में भारत-विक रूप से की य**त नहीं फिला गया है** है——

- (क) वन्तर न गे मुल किगी नाव की नावत सनस खिय-निवस के खबीन कर वार्च के अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उनसे बचने में न्विथा के लिये। मरिया/
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्सियों को, जिन्हों भारतीय ब्रायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियस, या धन-कार विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में नृतिभा दी विद्;

कतः कव, उचत विधितिवम की धारा 269-म के, बन्सरक में, में, उचत विधितिवम की धारा 269-च की उपधारा (1) चे सधीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, वर्षात कुल्ल

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट को० भ्रो शोप्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रांग रोड, चरत। (अन्तरक)
- (2) रामनारायण तोलाराम बत्तरा ग्रौर ग्रन्य एम० 3278 सूरत टेक्सटाईल मारकेट रांग रोड, सूरत।

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्ह सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेष :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर
  मृत्रना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी
  त्रविध बाद में समाप्त होती हो की श्रीतर पृजीकत
  राजित्सों जो में जिसी ब्यक्ति दवारा:
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्स में दिया-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्वकातिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबक जीविनियम की जब्बाय 20 के में परिभाषित हैं, नहीं जर्थ होगा पर उस क्रमाय में जिला गवा है।

#### अग्स्पी

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेग किया गया है साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 5-2-1986

मोहर

प्रारूप आर्थः .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक कायकर आबुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवेश प्रं० पी० आर० गं० 4334/2/85–86— अतः मुझे, पी० डी० खंडे**ल**वाल शयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (िशसे **इ**समे

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा १69-ल के उधीन सक्षम प्रशिवारी को यह विश्लाम करने का कारण ही कि प्थावर संगणित, जिसका उल्लित बाजार मूल्य 1,00.000/- रह. में अधिक है

स्रांर जिसकी संव टीव पीव एयाव नंव 8 है तथा रिंग रोड, स्र्रत में बनाये हुए या बनते जा नहे आपिसों में हिएता है तथा जो सूना में स्थित है (प्रीप इ.ते उपाबद अनुसूची में प्रीप पूर्ण रूप के बणित है), रिजिस्हीर ही अधितारी के जायित्य फार्म 37ईई—उद्दमनाबाद में रजीर-दीव ए अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनौंक 10-5-1985

को पूर्वोक्ट सम्पिट्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पिट्त का उचित बाजार मृत्य उसके इच्यमान प्रतिफल सं, एसे इच्यमान प्रतिफल को वन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्त कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की वाबत, कक्त अधिनिध्य ने अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसत यखने में सुविधा श्री लिए; जॉर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) को उन्न अधिनियम, र धन-कर अधिनियम, १८५७ (१९५७ को प्रयोजनार्थ अन्तिरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गय. रूप बा का किया अन्त वाहिए था. किया में सुविभा के सिष्:

नतः अय, उक्त अधिनियम की धारा २६५-५ के उन्मरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा २६५-६ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) दी सूरा टेक्सटाईल मारकेटको० स्रो० गोप्स एण्ड नेयरहाउसिंग सोसायटी लि० शिंग रोड, सूरत । (अन्तरक)
- (2) रामेश्वरदास देवीप्रसाद गुप्ता ग्रीर अन्य जी 1315, स्रा टेक्सटाईल मारकेट रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यत्राहियां ग्रुरू करता हुं।

तकत सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी नासौप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यांक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

## नन्स्ची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडे**ल**वाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आंर० नं० 4335/II/85-86— अतः मुझें, पी० डी० खन्डेलवाल

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व प्रमानें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० टी० पी० एस० नं० 8 है रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो मुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विषय है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के काार्यालय फोर्म 37ईई-अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 10-5-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित नाजार मृश्य से कम के दश्यकाल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित काचार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकस के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण में सिए तब पाया गया दितकस निम्नसिचित सब्देस्य से स्वया बंतरण किंग्निस में पास्तीयक क्य से अधित नहीं किंगा गया है हि—

- (क) कसरम वे हुई मिनी जान की पासत; अवत वीचिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी काय वा किसी धन वा कल आल्डिबों कों, विन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया बाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा गविधा के सिद्धाः

बसः वन्तः, वन्तः विविधिषयः की बारा 269-न के वम्सरम कों, की, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---46—6 GI/86

- (1) दी मुरत टेक्सटाईल मारकेट को० भी० भोग्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रिग रोड, सूरत। (अन्तरक)
- (2) राजकुमार नारंग श्री झाकोरवास नारंग के पुत्र जी 1309 मुरत टेक्सटाईल मारकेट रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को नह स्कता भारी करके पूनोंक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां सुरू करता हुं ।

बन्द सम्पत्ति से वर्षन से संबंध में काई भी बार्बप हुन्न

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की वर्गीय या तत्स्विधी व्यक्तियों पर स्थान की तानीन से 30 दिन की नविथ, यो भी नविथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निवित्त में किए वा सकते।

स्वच्छीकरणः -- श्वसमें प्रमृक्त प्रक्षे नीर पड़ों का को उपक अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित ही, यही वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिवा नया ही।

#### मनुसूची

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश विया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडे**ल**वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंम रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

#### भारत सरकार

# कार्यांतय, सहायक जायकर जायुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4336/2/85-86---अक्ष: मुझें, पी० डी० खडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिनकी सं० टी० पी० एस० तं० 8 रीग रोड, सुरक्ष में बनाये हुये यां बनते जा रहे आफि सों में हिस्सा है हथा जो सुरत में स्थित है। (भौर इससे उपाबद्ध अनुसुधी में भौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई अहमदाबाव में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10~5-1985

को ग्लोंकत संपरित के जिसत बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे इच्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अंत-रितया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल , निम्नसिखित जब्बेच्य से जकत अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी शाव की नावता, अक्स बहिय-निवस को अभीव कर दोने के बन्तरक को खबिरण में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा को किए; बहिर/वा
- (क) एवी किसी भाव वा किसी भन या अस्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर वीभिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर वीभिनियस, वा भवकर वीभिनियस, वा भवकर विभिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आडिए था, कियाने जें स्विभा को किया

शक्त जब, उक्त जिथ्डिनयम की भारा 269-ग के अनुकरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) जो सभीन, निम्निस्थित व्यक्तिकारी, अथित ड→-

- (1) दी सुरत टेक्सटाईल मारकेट की० ग्री० गोप्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रीग रोड सुरत। (अन्तरक)
- (2) रमनलाल छोटालाल महिपाल ग्रीए अन्य मछारपुरा कोलसवाड, सुरत-3 (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

## क्ष्म सम्पत्ति में वर्षन के सम्बर्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की जविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इत्रारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय सं
  45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवस्थ
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  सिवित में किए वा सकी।

#### **म**मुसूची

आफिस को सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है:

विनाक: 5-2-1986

# HET HIS SELECT SET SECTIONS

# ज्ञानकर विधित्तवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंबीन सूचना भारत क्षरकार

# कार्याक्षव, सहावक नामकर काम्यत (निर्योक्षण)

अर्जन रेंज-II, अनुमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आए० नं० 4337/18 5-86--अत: मृझे, पी० डी० खंडेलवाल वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), को बारा 269-व के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारन हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित वाचार मृज्य 1,00,000/- रूठ. से अभिक हैं

- घौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8 रीग रोड, सुरत
  में बनाये हुए यां बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है।
  हथा जो सुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची
  में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
  के कार्यालय फोर्म 37ईई—अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण
  अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक
  10-5-1985
- को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निचित में वाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिद्; ब्रॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भन या बन्स आस्तियों को, चिन्हें आरतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकड़ नहीं किया गया था या किया बावा चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

बतः अव, उक्त विभिनियम की भाग 269- व को वसुसरण में, क्षं, उक्त विभिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1.); ले वभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात्र उ—

- (1) दी मुरत टेक्सटाईल मारकेट को० श्रो० शोष्स एण्ड देयरह उसिंग सोसायटी लि० रीग रोड, सुरत। (जन्तरक)
- (2) जी रामबितास जीवताज मोनी श्रीर अन्त्र के०/ग्रो० मेसर्स भविलास गोपीकृष्ण सोनी एण्ड कंपनी 50 रेशमपाला मारकेट रीग रोज, सुरत -2

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त संपत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाक्षेत्र हु---

- (क) इस यूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जनभि या तत्सम्बरभी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वन्ता;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी सम्य स्थावत ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास नेकियत में किस का सकेंगे।

निक्यिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्जा और वर्ग का, को उन्त विभितियम, के अध्याय 20-के में परिभाषिक है, बहु वर्ष होगा को उस बध्याम में दिया। यस है ।

# अनुसूची

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में विनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंण-1, अहमदाबाद

दिमांक: 5-2-1986

भो र:

त्रका बार्ड, टी. एत. एत., नन्न-नन

बावकर वीधनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-व से अधीन तुचना

भारत तरकार

कार्यामञ्ज, तहावक भावकर आवृक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंण, महमदाबाद महमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश नं० पी० भार० नं०  $433 ext{ $\gamma_i$} 2_i 85 - 86 - - श्रतः मुझे, पी० क्षी० खंडेलवाल,$ 

नावकर अभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त बिधिनियमं कहा गया हैं), 'की भारा 269-स के बधीन तक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारन हैं कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूक्य 1,,00,000/- रु. से बधिक हैं

मौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाये द्वुए या बनते जा रहे माफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फोर्म 37 ईई-श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 10~5-85

की पूर्व पत सम्बद्धि के उपित बाजार मूस्य से कम के उत्यवान शिक्षम के सिए कन्तरित की पहें हैं और मूझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार यूच्य, अतके क्यमान प्रतिफल से एते अवमान प्रतिफल का पंच्य प्रतिकत्त के विभिन्न हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बन्धरितियों) के बीच एते बन्तरण के तिए तय बाधा पवा प्रतिकत निश्मतिविद्य प्रवृद्धिय वे उपन बन्तरण हैं तिवित में बाल्डिक क्य वे कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण वे शूर्य किसी नावः की नावतः, ध्यवं निवन के नपीन कर दोने के नंतरक के दावित्व में क्सी करने ना जसत्ते नचने में सूविभा के £ल्ह्ह बीप्∕ना
- (क) ऐसी किसी भाग ना किसी भन या अन्य आरिकाओं को जिल्हों भारतीय जायकर जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिथितियम, या भनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जना भा या किना जाना आहिए था, कियाने में बुन्धिया के जिल्ह;

नवः सम, क्यत नीधीनवन की धारा 269-ग के ननुवरण में, में, क्यत विधीनवन की धारा 269-ग मी उपधारा (1) के मधीन, निकासिक्क न्यानिक्यों, वर्षाक् ४---

- (1) दी सुरत टेक्सटाईफस मार्किट को-आ॰ शोप्स एन्ड बेरहासीस सोसायटी लि॰ रिंग रोड़, सूरत (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रामिकशन टोटाराम बटरा भौर श्रन्य एम०-3278, सूरत टेक्सटाईफस मार्किट, रिंग रोड़' सूरत-2

(भन्तरिती)

कों यह सूचना चारी करके पृत्रीकतः चन्नाकि के अर्थन के किसू कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यात्र मों प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी बविध बाद में समप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से विश्ली व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाझ तिकित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त भृष्यों और पदों का, को उवत जिभिनियम, ग्रें कथ्याय 20-क में परिभाविक इं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

#### अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10→5→85 को पेश किय गया है साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंजे 1/2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-86

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निवेश नं० पी० श्रार० नं० 4339/2/85-86--श्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवास,

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं टी॰ पी॰ एस॰ नं 8, रिग रोड़, सूर में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37 ईई-श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस उक्त अभिनियम की भारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधाराए (1) के अभीन, निम्नजिबित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) दी सूरत टेक्पटाईफिय मार्किट को~ध्रा० गोष्स एन्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सूरत (अन्तरक)
- (2) मैं॰ श्रार॰ के॰ बदर्स, रिंग रोड़, सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकर्गे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 85 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवास नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रकथ बाह्र . टी. एत. एस. -----

# आयक र विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वो वभीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रजीन रेंज, ग्रहमवाबाध

श्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निवेश नं० पी० भार० नं० 4340/2585-86--मतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त ' निधिनयम' नहा गया है), की धारा 269-इ के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से नधिक है

- (क) बन्धरण से हुई फिली जान की बानतु, उक्त अधिनियम के बचीन कर दोने के अन्तरक की दाजित्य में कभी करने या उद्यक्त वचने में सुविधा के किह; और/का
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बंदरिती इवादा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना हाहिए, था कियाने में सुविधा के लिए?
- बत्त क्रम, उक्त विधिनियम की पारा 269-म के बन्दरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की स्पनाल (क्रो के सभीन, निम्नोलियित व्यक्तिओं, अर्थात अल्ल

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल्स मार्किट को-मा० घोष्स एन्ड बेरहासीस सोसायटी लि०, रिंग रोड़ सूरत (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रीटा मोहनलाल गुलवाली मा**ङ्घां**बट,, गुलमर्ग, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया हैं।

## बनुधूची

म्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट मचवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1,2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्रकृत बार्चाः की , एव , इस ,-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 फा 43) की बारा 269-म (1) में अधीन स्वा

#### ALEA ARANG

## कार्यात्रम, बद्धानक वानकर भागुन्त (विद्वालक)

श्रजॅन रेंज, श्रहमदाबाद

म्रहमधाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 4341,2—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिये इसमें इसके परकाह 'उनके मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन रकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थापर सम्मरित, जिसका उचित बाचार भ्रम 1,00,000/- क. से विभिक्त है

ष्मीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रांक रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ईई श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10~5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृस्य से कन के अवशास प्रतिकरा के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते र

नह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का कौचत वाचार मृष्य, उसके ध्यममान प्रतिकल के, एोड कवमान अतिकल का पंत्रह प्रतिकत से नीभक है जॉर नम्सदक (जन्तरकों) और जन्तिथती (जन्तिरितियों) के बीच एोते अन्तरक के किए क्य पाना का प्रतिकत निम्नसिधित उस्वरेग के उच्छ जन्तरक जिल्लित में वास्त्रिक रूप से अभिक नहीं किया नमा है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की वावस, उक्स जिथिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/वा
- (क) ऐती निस्ती बाय या किसी धन या बन्ध झालिनकों की जिन्हों भारतीय नायकर विधिनियम, १९२३ (1922 का 11) या उत्तर बिधिनियम, १९२३ वन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया वाना वाहिए था कियाने के बुविया के बिस्ट ?

बंबार रूप, उपल जिथिनियम काँ भारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उपल जिथिनियम काँ भारा 269-म की जमभारा (1) के बंबीका, निम्मसिविस व्यक्तियाँ, क्यांत् ्र---

- (1) वी सूरत टेक्सटाईल्स मार्किट को-ग्रा० गो॰स एन्ड बैरहासीस सोसायटी लि० रॉग रोड़, सूरत (भ्रन्तरक)
- (2) मैं ॰ राधेण्याम सुंदरदास, रांग रोड़, सूरत (भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना चाड़ी कारके पूर्वोक्त सन्मत्ति के नर्चन के लिए कार्यनाहिमां कारता हुं।

उन्त रंपरित के नर्बन के रामक्य में कोई भी नाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की सर्वीय ना तत्क्वत्रभी व्यक्तियी दर सूचना की तानील से 30 दिन की सर्वीय, जो भी सर्वीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस स्वाम में रायपम में प्रकाशन की शारींच है 45 दिन में मीतर उत्तत स्थानर सम्पत्ति भी हिंत-नव्य किसी मन्य स्थानत स्थारा सभाहेंसाकारी में पास निवस्त में किए वा सकीने।

स्पक्षीकरणः चन्द्रसमें प्रमुक्त शंक्यों और पर्यों का, जो उनेत जीविनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिशोधिक ही, यही अर्थ होगा को उन्त अध्याय में दिया बसाही।

# अनुसूची

ग्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट प्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जनरेंज 1,2, श्रहमवाबाद

तारीख. 5-2-1986 मोहरः A STATE OF STATE OF STATE OF THE STATE OF STATE

# प्रकल नाही, डी ्यून . युव ् -----

नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के मुभीन सुमना

#### भारत स्ट्रांस

# कार्यासय, तहासक सायकर सायुक्त (निरीकाण)

श्रर्जन रेंज, ग्रहमधाबाद

म्रसमदाबाद; दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश नं० पी० भार०ं नं० 4342<sub>1</sub>2<sub>1</sub>85-86--- भ्रत मुझा, पी० डी० खंडेलवाल)

क्षायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसमें इसमें परवात 'उन्त निधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के सभीन सम्म प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारन हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/-रा. से निधक हैं

मीर जिसकी सं वि वि पि एस व नं 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाय हूए या बनते जो रहे भ्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फोर्म 37 ईई-म्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान शितफल के लिए बन्हरित की वर्ष है वार मृत्य से कम के स्थ्यमान शितफल के लिए बन्हरित की वर्ष है वार मृत्य का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह शितकत से अभिक है और बन्हरित (अन्तरकों) और बन्हरित (वन्तरित तथें) में बीप एसे बन्हरित के विस् वर्ष बाबा दश बन्हरित है विस् वर्ष वर्ष का स्थाप का विकास की वास्तरिक रूप से कियत नहीं विश्वा गया है।:---

- (क्क्ट्रें बच्चेंद्रण वं द्वार्ट विवधी वाच की बावधा, उनत वरिवरियम के वचीच कह दोने में बन्दरक के सामित्य में क्ष्मी करने वा बच्चें वच्चे में मूचिया के निए; बॉर/वा
- [क] श्रेची कियी बाय वा दिवसी यस वा सम्ब साहित्यही को, शिन्ही नाइतीय बाय-बाद वा पिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधियम, वा शनकर विभिन्निय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया श्री वा वा किया जाना शाहियों वा कियान में श्रीवया के सिद्धा;

बरः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को अनुसरण बो, मी, उक्त बीजीनवम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्मीनिधित व्यक्तिकों संबंध रू---

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल्स मार्किट को-म्रा० शोष्स एन्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रांग रोड़, सूरत (भ्रन्तरक)
- (2) श्री राम लाभाया श्राई० सुनेजा रांग रोड़, सुरत

(ग्रन्तरिती)

को कह व्यान प्रार्थ करके प्रतीवत बन्धरित के वर्णन के विद्य कार्यवाहियां करता हो (i)

## इक्ट क्रम्रित के वर्षन के सम्बन्ध के क्रोर्ड भी बाखेपह--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 कि की जबकि या संस्थानकी व्यक्तियों वर सूचना की तामीश से 30 दिन की वनशि, यो थी समित नाद में समान्य होती हो, के भीत्र पूर्वों कर काश्वित्यों में से किसी कावित मुनाराह
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ कियी कन्य क्यक्ति हवारा सभोहत्ताकरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

ज्याद्वीकारण:---इसने प्रयुक्त सन्धी नीर पदों का, यो उपक जिथिनयस के कंप्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होना यो उस अध्याय में विका वृद्ध ही छ

# अनुसूची

म्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10−5−85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ∤प्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 1/2, भहमदाबाद

तारीख 5-2-1986 मोहर ः प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंण, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश नं० पी० झार० नं० 4343/2/85—86——प्रत मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाये हुए या कनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है। तथा जो पूरत में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37 ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-85 को ग्वॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कुप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) दो सूरत टेक्सटाईल्स मार्किट को-म्रा० भोष्त एन्ड बेरहासीस मोसायटी लि०, रांग रोड़, सूरत (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रविन्द्र रामगपाल भाटिय। रांग रोड़, सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरै पदों का जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा षित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनलकी

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्ष्त (तिरीक्षण) स्रर्जन रेंज 1/2, स्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहर

A promote promote the second

प्रारुप जाई टी. एन. एस. -----

शायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 4344 2<sub>1</sub>85-86-- श्रत मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते पत्त्वाएं 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 369-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का उराज है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सूरत बनाये हुए या बनने जा रहे स्राफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37-ईई सहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 10-5-85

का पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का नत्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया बामा गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्योध्य से उस्त जन्तरण जिल्हा में बास्तविक कप से अधित नहीं किया गया ही: ----

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाविश्य में कमी करने या उत्तसे अधने में जुविधा के श्लिप् अपर/शः
- (अ) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्ने विश्वनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के शिराः

अर्थः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधील, सिम्नलि**सिल प्रक्तियों, अमृति क**्ल

- (1) दी स्रत टेबनटाईल्स मार्किट की-ग्रा० शोध्स एन्ड बेरहासीम मोनावटी लि०, रिंग रोड़, सूरत (ग्रन्तरक)
- (2) मै० राज सिल्फ एन्टरप्राइसेस रिंग रोड़, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में विका गमा हैं।

#### वन्स्ची

ग्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 **ईई** का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10→5→85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1,2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

# त्रका आहे<sub>..</sub> टॉ., एव., १६., .....

# आवकार सिधिनिवन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 (प) (1) के अधीन कुमना

#### शास ररकार

# पन्नयालय, शहावक भावकार बावका (निरीकक)

म्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 4345/ **/85-86--ग्र**तः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके वरणात् 'उक्त किथिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-खं के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाबार वृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० टी० पौ० एस० नं० रिंग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्ता है। तथा जो मूरन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रीमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, फॉर्म 37 ईई-श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-5-85

की पूर्वोत्रत सम्पत्ति को जियत नाजार मूल्य से कम के क्रयमान पीतकास के लिए नंतरित की गई है और मूळे यह विश्वाद करने का कारण है कि नेपायूनोंकत कम्मीत का जीवत नाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफाल सं, एंसे क्ष्यमान प्रतिफाल का क्ल्ब्ड्ड प्रतिचय से निधक है जीर नंतरक (नंतरकों) और नंत-रिती (अतरितियों) के नीच एसे नंतरण के लिए तय पाया विवा प्रतिक्रम निम्निचित उद्देश्य से स्वतं मंतरण निचित में नास्तिक कम से क्षिण नहीं किया गया है है—

- (क) बंधरण सं हुए किसी बाब की बाबस, अनस बॉधिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के बायरल में कभी करने या उससे बचने में मुविधा ३ १८ए, और/या
- (क) एंडी किसी जाब या किसी अने या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का का जिल्हा था, किया मा सिवंका के लिए;

जतः अच, सक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के जनुसरण र्म, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुंबभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) वी सूरत टेक्सटाईन्त मार्किट की-म्रा० शोष्त एन्ड बेरहासोस सोसायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत। (अन्तरी)
- (2) मैसर्स राजेश सिरुक मिल्स रिंग रोड़, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

# को सूत्र पुराता जाती करने पृत्रों कर तक्यरिय से अजन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी बिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंग।

स्पष्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# म्युची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है 37 ईई का फार्म यह फार्यालय में घिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग 1-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

गाहर:

# प्रक्ष्म नाहाँ, टी. एन. एस. प्र - - •

# भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-म (1) के सभीन सुखना

#### बारव बरका

# कार्याजय, बहायक मायकर मायुक्त (निश्रीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमधाबाद, दिनां ५ 5 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० आर० नं० 4346/2/85-86—अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

शामकार शिविनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव टीव पीव एसव तंव 8, रीग रोड़, सुरक्ष में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है। निया जो जुरा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ अनुमुची में प्रा: पूर्य का ने विणा है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फर्म 37 ईई—अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 मा 16) के अवीन 10-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि अथा पूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयभान प्रतिफल से, एसे क्रयभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्न-निवित्त उपृष्टिस से उसत जंतरण सिचित में कास्कृतिक रूप के भित नहीं किया गया है :—

- क) बन्तरक से हुई किसी बाय का बाबत, उनस् वृष्टितवस में वृष्टित कर दोने के सुन्तरक लो स्मित्तवस में क्सी करने वा अससे वचने में सुनिया के जिए; नहि/पा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ध अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया;

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निकलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) दी सुरत टेक्सटाईल्स मार्किट की-आ० शोप्स एन्ड वेरवासीस सोक्षायटी लि० रीग रोड, सुरत (अन्तर)
- (2) श्री राजेशकुमार कंसरीमल शाह करीरपार, भरुच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के टिस्ट् कार्यवाहियां करता हा

**अन्त** सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में को**ई बाक्षे**य हु----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोत्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचपुथ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए वा तकोंगे।

### ननस्थी

आफिस को सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

पी० डी० खंडेंलयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1/2, अहमदाबाद

**दारीख: 5-2-1986** 

# **एक्ष्य वार्**्रहो<sub>ः</sub> एन् , एक्ष<sub>र प्र</sub>------

# नायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के मंत्रीय बृज्या

#### प्राच्या करवार

कार्यानव, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

तिदेश सं० पी० आए० नं० 4377/2/85-86—अतः मसे, पी० डी० खंडेनवाल.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क को अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विक्यास करने 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं टी० पी० एस० नं 8, रीग रोड़, गुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्ता है । तथा जो मुरत में स्थित है (ग्रीर इस अपाबद्ध अनुसुबी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फार्म 37 ईई-ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीटरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-85 का प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के रच्यमान प्रतिकत के निष् यस्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल ते, ए वे क्यमान प्रतिफत्त का पंद्रह प्रतिफत्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए ते अंतरण के किए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नेसिचित उध्देष्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप ते कविन्न नहीं किला गया है:---

- (क) अन्तरण से हुड़ी किसी बाय की वाबस, अवस वीधीनवर्ध के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के रिरण्; और/मा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य अपिन्तयों को चिन्हें भारतीय नामकर नीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर नीधनियम, या धन-कर वीधनियम, या धन-कर वीधनियम, या धन-कर वीधनियम, या धन-कर वीधनियम, 1957 (1957 का 27) के असोबनार्थ बन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया थया था वा किमा बामा चाहिए था, कियाने में स्विधा के विक:

वतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) हे सुधीन, निम्नितिचित व्यक्तिसी, अधीत हु--

(1) दी सुन्त टेक्सटाईल्स मास्टि कोबआ० शोप्स एन्ड बेस्हासीस सोसायटी लि० रीग रोड़, सुन्त

(अन्तर्क)

(2) श्री रामजीदाश लजनराम जुनेजा, रीग रोड़, सुरक्ष

(अन्तरिती)

का यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्षक के निए कार्यमाहिया करता है।

जनत सम्पन्ति के अर्चाप के सम्बन्ध के सामि भी क्षाक्षांप :---

- (क) इस सूचना को राज्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 विभ की व्यक्ति मा तत्स्य म्मानी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत से 30 विव की व्यक्ति, जो भी अविध कार में जमाचा होती हो, के मीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी न्यानित व्यारा;
- (व) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीय ने 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शिक्ष-वक्ष किसी बन्न क्यक्ति क्याश अधोहस्ताकशी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वाधिकाष ह— पुत्रमें प्रवृत्त वर्षों और वर्षों का, को उत्तर व्यक्तिवृत्र के अध्याद 20-क में वररमहोसक हैं, बड़ी वर्ष होगा को बस मध्याद में द्विमा गया हैं।

#### भन्सूची

आफिस जो मुरत में स्थित है 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांठ 10-5-85 को पेश हिया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग कीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1/2 अहमदाबाद

नारीखा: 5--2- 985

प्रक्रम बार्च, डी. एन. एत.------

# बायकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन स्ववा

#### भारत तहकाड

# कार्यासन, सहावक नावकर नान्क (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश ां पी० आर० नं० 4348/2/85-86--अतः मुझें पी० डी० खंडेलवाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

- (क) अभारण से हुए जिल्ही नाम की बावस समस्य अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक की वाजित्स में कभी करने वा उनसे वसने में सुनिधा के सिमुध बद्धि/या
- (क) श्रेशी किसी नाम मा किसी थन वा सक्त श्रास्त्रियां को जिन्हों भारतीय नामकर अभिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भम-कार निभिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरियों बुनारा प्रकट नहीं किया गमा था ना किया जाना नाहिए था, कियानं या सृष्या से सिक्हा

बत: वन, उस्त निधितियम की धारा 269-न के बनुसरण त्री, मी, उस्त निधितियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितियित व्यक्तिकों वर्षात्र :---

- (1) दी सुरा टैकाटाईल्स माफिट को-आ० कोष्प एन्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रीग रोड़, सुरत -(अन्तरक)
- (2) मै॰ रामसिंह मनोहरलाल हरिपुरा, मुख्य (अन्तरिती)

को कह पूजना जारी कारके पूजोंक्स सम्मित्ति के अलोग के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के क्वान के बंबंध ये कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वा के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्स्वस्थान्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी वर्तीय वाद में संमाण हाती हो, के मौतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्वस्ति दवारा;
- (ष) इस स्थान के राजपत्र में श्रकादन की तारोख सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हित्र व बहुध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकतें।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जा उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विवास गया है।

#### वपुष्पी

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, अहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

प्ररूप आईं,टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां ७ ३५ फरवरी 1986

भिदेण मं० पी० आर० न० 4349/2/85-86—अत: मझे, पी० डी० खंडेलवाल.

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रथाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं टी पी एस नं 8, रीग रोड़, सुरत में बनाय हुए या बनते जा रहे ग्रापिसों में हिस्सा है। क्या जो सुरत में स्थित हैं (ग्रार इससे उपाबड़ अनुतुषी में ग्रीर पूर्ण कर में विधान हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फीर्म 37 ईई-अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधि-तियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम 10-5-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कन के स्ववान प्रतिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कन के स्ववान प्रतिकृत को पार्थ हैं और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पंतर, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पंतर, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पंतर, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पंतर, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से पर्तिकृत का प्रतिकृत में बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत निम्नसिवित उद्योग से उक्त अन्तरण कि विदा में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (म) एंबी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या अधकर अधिनियम, या अधकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या विकास सामा वा या विकास सामा वा या किया सामा वा या विकास सामा वा या किया

जेत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित प्यक्तियों, अर्थात :--- (1) दी सुरान टेक्लटाईल्स माहिट को-ा।० ओपन एन्ड बेपहासीस मोलायटी लि०, रीग रोड़, सुरत

(খাল্নখার )

(2) श्री राजेण्याः प्रसाद काश्मीरीलाल वेगमपुरा, सुरत

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारो कश्के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्न अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

## जन्स्ची

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनों रु 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज वर्ग 185 फीट अथवा 186 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहर : ∮

\$\tau\_1 \ \alpha \tau\_1 \ \tau\_2 \ \tau\_2 \ \tau\_3 \ \tau\_4 \ \tau\_4 \ \tau\_5 \ \tau

# आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकाइ

## कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निर्दाशक)

अर्जेन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निदेण नं० पी० अ(70 - 10 - 4350)/2/85-86--अत : मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचान 'उकत मिनियम' कहा गया हैं), भी भारत 269-इ के मिनि तक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से मिथक है

प्रांर जिसकी सं टी पी एस नं 8, रीग रोड़, सुरत में बताये हुए या बनते जा रहे अ फिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (प्रांर इसमें उपाबक्ष अनुमूची में प्रांर पूर्ण रूप में स्थित है (प्रांर इसमें उपाबक्ष अनुमूची में प्रांर पूर्ण रूप में बियत है), रिलस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37 ईई—अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधि- वियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन 10~5-85 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अधिन वाजार मूल्य से कम के ब्रम्मान प्रतिक्त की गई है और मुओ यह विकास करने का कारण है कि संभापनींकत सम्पत्ति का जीवत बाजार कृत्य, उसके ब्रम्मान प्रतिक्त से, एसे ब्रम्मान प्रतिक्त के क्लूबर, उसके ब्रम्मान प्रतिक्त से, एसे ब्रम्मान प्रतिक्त के क्लूबर, उसके ब्रम्मान प्रतिक्त से, एसे ब्रम्मान प्रतिक्त के क्लूबर, उत्तक से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बावा पदा प्रतिक्त कर में अन्तरण उद्देश्य से उसते अन्तरण निवित में बास्तविक कर में अन्तरण नहीं किया बवा है :—

- (क) अंतरण से हुई फिली जाव की वावता, उपते विधिप्तिया के अभीत कर दोने के व्यव्यव्य के वावित्व में कभी कारने वा उससे यचने में सुनिया के लिए; और/मा
- (भा फिली अब वा किसी पन वा बन्ध बारिसवाँ को जिल्हों भारतीय बायकर बीधीनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधीनयन, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोबधार्य बन्दरिती ब्वास प्रकट वहीं किया ववा था वा किया जाना चाहिए जा, जिलाने में बृविचा की जिए;

अत: सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण वी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निष्टनिक्ति स्मक्तियों, अभीत् पर भ (1) दी सुरत टेक्सटाईल्स एन्ड बेपहासीस मोसायटी लि०, रीग रोड़, सुरत

(अस्टर्क)

(2) श्री रामधन टोमनदास रीग रोड़, मुरत (अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करकें पृबोंक्स सध्यांस्त के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं ।

उनत तम्परित के वर्षन के बन्धरथ में कोई थी बाईप्:---

- (क) इस त्यान के रायपन के प्रकाशन की सारीय के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की हासील के 30 दिन की व्यक्ति, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीब से क्र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्रिडी जन्म क्यक्ति द्यारा वधोइस्ताक्षरी के बाल किचित में किए का सकीन।

श्वकात्वरणः — इत्तर्जे प्रयुक्त कव्यों और धवों का, को उपक वीधीनसम, के व्याव 20-क के परिभाषित है वही यर्थ होना नो उस सम्याय के दिवा गया है।

#### मन्द्रकी

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 क्यें फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेंलवाल गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ध (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रकप. बाब'. टी. एन. एस: ----

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन स्पना

### . भारत स्रकाड

धार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ंर्जन रेंज, अहमाबाद अहमदाबाद, दिलाँ। 5 फरवरी 1986

तिदेश सं० पी० आर० गं० 4351/2/86—अतः मुझे, पी० डी> खडेलवाल,

आयकर उेधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमं इसके प्रशाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख थे अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जि की सं० टी० पी० एत० नं० 8, रिंग रोड़, सुरत में बाग्ये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्ला है त्या जो सुरा में स्थित है (श्रीर इस उज्जबह अनुसुची में और पूर्ण कर विभिन्न है, रिजिस्ट्री इस्ती अधि जारी के ट्यायित्य, फोर्म 37 ई-जहनदाबाद में रो ट्रीजर अधिनिया 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-85

को पूर्वीक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल वं लिए जन्तरित की गई है , और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रति त से अधिक है और जन्तरक (जन्तरक हैं) और अंतरिती (गंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया व्या प्रतिप न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निखित में बास्तिक अप से किंदत बही किया गया है :——

- (क) बंतरण वं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त इसिर्टिन्युम् के ब्रुपीन कर दोने के नन्तरक के शायत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविध्य के बिए; बाँड/सा
- (क) एती किसी बाथ या फिसी अन ण बन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बाय कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने भे स्थिक के बिए;

बत: बन, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीक निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :— 48 —6 GI/86 (1) दी सुरा टेक्पटाईल्स मास्टि को-आ० शोप्स एन्ड बेरहासीस सोसायटी लि०, रीग रोड़, सुरा

(अन्तरक)

(2) मैं रामकृष्ण रामनारायण योगेश सिल्क मिल्स रीग रोड़, सुरक्ष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप द-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, वा सब्बा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाशिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

आफिस जो सुरह में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्याजय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, अहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप बार्षं.टी.एन.एस. -----

# आरंथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

का्यां लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश नं० पी० आर० नं० 4352/2/85-86-- आ:

मझे, पीव डी० खंडेलवाल,

शायकर की धीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका जिलत बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भार जिनकी संव टीव पीव एनव नंव है, रिंग रोह, सुरत में बनाये हुए या बाते जा रहे वाफिसों में हिस्सा है। स्था जो जुरा में विका है (प्रोर इन उन्नवह सन्धुनी में आँर पूर्ण रूप से विजा है), रिल्ट्रीकर्ता विधानी के सम्बर्धि, फोर्म 37 ईहिन्द्रन सवाद में रिल्ट्री, रण रिविधियम, 1908 (1908 का 16) के अवीत 10-5-85

को प्वंक्सि सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान तिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजाल सन्य, उसके द्रायमान प्रतिफल में एमें द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वैच एमें अन्तरण के लिए तय सवा गया प्रतिफल, निम्नितिषत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में बास्तिक रूप से स्थित नहीं किया वदा है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दाश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का.11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिल्लान में न्हिंग्या की सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पें, में अक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दें अधीर, किल्पिनियम किलागें, अधीर केल्ल (1) दो जुर: टेन.जाईन्य मार्गि.ट कॉनआ० शोष्स एना बेरहासीच सोबायटी लि० रीग रोड़, सुरह

(ৠয়৻ৼয়)

(2) श्री राजेन्द्र भिटिंग वर्क्स गोमापुरा, सुरक्ष (अर्क्सारती)

की यह सूचना जारों करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ्चनः क राज्यात्र मा प्रकाशन को तारोच है। 45 वि । के भीतर तम गावर तम्मीत्त मा हिन । वृष्ट रिनो स्टब्स - विव कृति अवक्रित के पार

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बहा अधिकार अस्ता अस्ता स्वास्ता हो। प्रशास गया हो।

## **अम्**स्ची

ाक्षित जो चुटा में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह अयोकि में दिवार 10-5-85 को पेट किया गया है। ताईन 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट ।

> पी० छी० खंडेलवाल राज्यम प्राधिकारी राहायाक आयक्तर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जेश रेंज 1/2, अहमदाबाद

धारीख: 5-2-1986

# प्ररूप बाइं. टी. एन. एत. -----

बायकर बाधांकः 1961 (1961 का 43) की शब्द 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अडमदाबाद, दिलांक 5 फरवरी 1986

भिदेश नं० पी० आर० नं० 4353/2/85-86—अस: म्हो, पी० डी० खंडेअवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रु.े से अधिक हैं

श्रीर के को संब टीव पीव एउव नंव 3, रीग रोड़, सुरा में पात्रवे हुए या बाति का रहे काफिसों में हिस्ता है। एया जो सुरा में स्वा: है (श्रीर इतसे जात्रबढ़ अनुसुनी में श्रीर पूर्ण का ज विषय है), रिल्ड्रिती अधिकारी के कायरिय, , फोर्म 37 ईई-अहमत्तवाद में किल्ड्रिति क अधिकार, 1908 (1908 का 36) के अवीक 10-5-85

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुफे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसक दश्यमान प्रतिपाल स एम दश्यमान प्रतिफल का पहुह प्रतिशत में अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अवारिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नायं कौ बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै दायित्व से कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निप्; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था, द्वियाने में द्विया के निष्;

कत कब, उक्त काँधाँनयम की धारा 269-ग को जनसरण हैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दी सुरः टेकाटाईल्स माफिट को-आ० शोष्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि०, रीग रोड़, सुरः

(अन्तरकः)

(2) मैतर्स रसीक सिल्क मिल्स दोरीयाखण्ड सुरत-2 (अन्तरितो)

को यह स्वना वारी करके पुत्रों बंद सम्पर्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्वाय 20 क में प्रिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

### **प्रनुसू**ची

आफित जो सुरा में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यात्य में दिलांक 10-5-85 को पेक किया गया है। तहिंग 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1/2 अहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

प्रकृत नाह ्टा एन एस -----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# धार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

मिदिश सं० पी० आर० न० 4354/2/85-86--अत: मुझे, पी० डी० खंडेल्याज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन समाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार अन्त्य 1,00,000/- रा. संअधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 3, रीग रौड़, सुरा में बनाये हुए या बनते जा रहे अधिकारों में हिम्स है। एया जो सुरत में स्थित है (श्रीर इन्ने उन्नद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण छा से वर्णी। है), रिनिड़ी एसी सिक्सरी के अधिन, फार्म 37 ईई-अहमदाबाद में पिस्ट्रिट ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-85

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार गृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिप्ल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित आजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्रिधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी घर या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिकरण, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिकरण, जिल्ला अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना भी की किया माना भाहिए भा, स्थिन में सुविधा के लिए;

कतः वस्त, उक्त विभागयम की धारा 269-ए के अन्तर्भ भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् (1) दी सुर: टेकाट ईटा को० आ० मािट शोधा एण्ड बेरयहाउसित सोधायटी वि.०, रोग रोड़, सुरत।

( ह क)

(2) में ० स्यास्तिक ट्रेडिंग कु० बुंदेलखणा, शुरक्ष । (ध्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षा :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यविनयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस म्क्रुना के राजपत्र में प्रकाशन की शरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्ष ते के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शल्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रतम्ना

आफित को सुर। में स्थित है। 37 ईई ता फार्म यह कार्यालय में दिलांत 10-5-85 को पेज िया गया है। कही 185 को फोर अकत 163 वर्ष फीर है।

> पी० डी० बंडेलदार सक्षम गधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, हमधाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रक्ष बाई .टी एन एस .----

**ंबायकर अभि**नियम , 1961 (1961 का 43) की भारा ं69-व (१) के अभीन स्चना

#### धारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज=II, शहमदाबाद अहनदाबाद, दिनांक 5 फरदरी 1986

निदेश सं० पी० शार० नं० 4355/2/85-86-अत: मुझे पी० डी० खंडेलवार

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर िसकी सार टीक पीक एतक नंक 8 रीगं रोड, गुर: में बनाए हुए या बाते जा एहे जाफिसों में हिस्ता है तथा जो गुर: में स्थि: हैं (तोर इति उत्तावद्ध जनुसूची में श्रौर पूर्ण का से बॉण: है), रिल्झ्डिबर्ता अधिकारी के बार्यलय फार्म 37ईई कहमें जाप में रिल्झिडियण अधिकिम 1908 (1908 की 16) के अधित जिल्हा 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम् त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृष्ट मान अतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) बार अंत-रिती (अंतरितिः ं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नका प्रतिफल निःनलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत कर वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) श्रें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, क्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिष्ठ व्यक्तियों, अथोत:—

- (1) दी गुरा टेक टाईर सारोट को० ग्रो० शोप्स एव्ड वेय एउसिंग सोतायटी वि० रीग रोड, सुरता। (अन्सरक)
- (2) मैंसर्स ५ूरेखा सिल्क मिल्ज सुरत -3 (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध थे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनिक्षम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **धनुगुची**

आफित जो सुरुत में स्थित है। 35ईई का फार्म यह दार्यात्रय में दिलांक 10-5-1985 को पेत किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथदा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवात सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-II, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

मोह्यरः

प्रस्य बाइं. टी. एस. एस. ----

बागांत्र आंधिनिया, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अधीन सुख्या

#### भारत सरकार

# कार्बाजव, सहायक आयकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिशांक 5 फरवरी 1986

किदेश सं० पी० आर० 5० 435 /2/85-8€--अतः मिन्ने पी० डो० खंडेलवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है ि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1',00,000/- रा. से अधिक हैं श्रोर िहाती सं० टी० पी० एत० सं० ६ रीग रोड, पूरा में बाति हुए यां जाते ा हि धापिसों के हिला है तथा जो भुक्त में स्थित है (प्रोक्त इत्तत उत्तपद्ध प्रमुक्त में प्रोक्त पूर्ण हर के वर्णि। है), किन्द्रं पति अधिवारी के कार्यालय फोर्म \$.६६ - हम तजाद में एजीस्ट्रीटाएए एदिविदम 1908 (1908 था 16) ये पनीर दितार 10-5-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विक्लास का कारण हो कि यथापूत्रोंकत सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हं और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एो अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्नीलिखत द्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त गोधनियम के कथीन कर दोने के बन्दरक के द्यीवरू बी किसी अरने या उसमें बचने ये युजिधा के निन्ध, बर का
- (क) एता किसी जाय वा किसी धन या जन्य बास्सियों कां, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भे, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर्श निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) घी हुर: टेक.ट.ई: मारकेट को० श्रो० शोप्त एड बेव्हाउसीय संज्ञायटी लि० रीग रोड हुर:। (अन्तरक)
- (2) मे॰ शहा आम चन्द चंदकलाल भायावाली पटेल, सुरत-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय (वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्रूटोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के शब्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

आफिरा जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यात्य में दिलांक 10-5-1985 को पेर किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवः (दिरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमराबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्रसम्ब **वार**ें, की. एव*ु* एस<sub>्यन्नन</sub>

नायकर गोभनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशांक 5 फरवरी 1986

िंदेर सं० पी० आय० नं० 4357/2/85-86---अत: मुझे, पी० डी० खंडेवाल

शायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उजत अधिनियम' कहा गया है), की भारा ्'69 व्ह कं अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका द्रिश्ति बाजार मूल्य 1,00,000 / - रा. से अधिक हैं

<sup>ह</sup> क्रोंक किल्लो तंत्र दी० पोठ एउठ तं**० ८। रीग रीड,** क्या में बातवे हुए को बाले का है तिफसों में हिल्ला है एया ैजो भु∷ से स्थि: है (श्र″ाङ से ∪ाबद 'नुर्जी में श्रोः' पूर्ण रुक से वर्णित है) अजिस्ट्री तो क्रिधि अधि सोरी के दार्यालय, फोर्म 3.ई६-अन्मराबाद में 'जीन्द्रोक्ताम प्रधितियम 1908 (1908) কা 1০) ই স্থীন হিন্তু 10—5—1985

का प्रश्नेत्रस सम्प्रनित को अभित पाजार मृल्य म काम को राज्यमान रिक्षिफल को रासण अन्तरित की गर्थ ही और मार्स यह जिक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मून्या, उसके दश्यमान प्रतिकल मं, एने ध्ययमान प्रतिकल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकान, निम्नासिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक वे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुव्द किसी अाय की पावत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य व्यास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कीं, में उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) 🖰 अधीन, निक्रमसिक्ति सामिलार्गे, अर्थाह्य 🕬 🖚

- (1) दी खुल टेकाटाईन माराज्य कील ग्राप्ट मोला ए ख बेरहासीय सो अवटी पि० रोग चेट स्या। (3)₹ (3**%** )
- (2) मे० पहला वकाधरमण लाजचन्य यतम्बे मारलेख सुरग्र ।

(अस्तिविति )

को यह सुभना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अञ्चल की निगु कार्यवाहियां करता हुं।

ज कत संपत्ति के वर्णन के संबंध में काई भी आक्षा :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या सत्सनभी व्यक्तियां पर **भूषना की तामील स 30 दिन की शर्माण, आं** भी **बवधि बाव मी समाप्त हां**ती हैंगे. लें में २ 8 थी ल क्यक्रित्यों में से किसी व्यक्ति तताशः;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में पकाशन की लागीन सं 45 दिन को भीएर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुधारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरा।

**-पच्टोकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों** आह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याध में दिया

# मनस्वी

आफिश जो युरा में स्थित है। 35ईई का फार्म यह कार्याच्य में दिलांक 10-5-1985 को पेट फिला गया है। साईज: 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० ग्रंडेलवान **ुक्षम** प्रतिकारी ए**हायक आयक्तर आयुक्त** (पिनीक्षण) वर्जन रेंप-1, अनुमदावाद

**विभांक: 5-2-1986** 

मोहर 🖫

अरूप बाइं.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिलांच 5 फानरी, 1936

्रितेश सं० पंo प्रार० नं० 4358/2/85-86— यतः मझे, पंo डंo खंडेलघाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

अंशि जिसकी सं० टी०पी० एस० नं० 3, रींग रोड़, हुरत में बनाये हुए या बाते जा रहे आफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में स्थित है (अंशिड्स) उत्तायद्ध धनुभूची में और पूर्ण रूप ने पणित है), यीगद्धाती अधिवारी के पार्यालय, फोर्म 37-ईई-प्रस्वाबाद में पित्रह्म गुरूण अधितियम, 1903 (1903 का 16) के अर्थात, तारीख 10 मई 1935

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विख्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बांधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के न्व्रम्; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या िजसी धन पा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा खे सिष्;

बत् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भें हक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अवधीन, निम्मानिकत व्यक्तियों। वर्षात् क्

- दी पुरत टिक्तप्राईन मार्केट को० जो० शोष्स एण्ड वेरहासीस सोसाएटी जि० रींग रोड़ छुरत। (अन्तरक)
- 2. श्री सतीयकुमार श्रार० मल्होत्रा गोपीपुर, सुरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, न भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारस्पाक्षरी के पास किसी काम किसी जा सकरो।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-ा में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस दायाय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है । 37-ईई जा फार्म यह कार्यालय में दि ॥ 10-5-35 को पेश किया उटा है। साईज 185 दर्ग फीट श्रयदा 166 दर्ग फीट है।

> र्पा० डी० खंडेलवाल सञम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जान रेंप-2, श्रहमदावाद

तारीख: 5-2- -986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

# बायक: विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ (1) के बधीन स्चवा

भारत सरकार

कार्रालय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिलांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 4359/2/85-86---यतः मुर्झे पी० डी० खंडेंलवाल,

बायकर की नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित्त बाजार मृज्य 1 00,000/- रु. से अधिक है

और जिस ी सं० टी० पी० एस० नं० 8 रिंग रोड़, सुरत में व गये हुए ा व तो जा रहे गाफिसों में हिस्सा है। तथा जो सुरत में रिंथत है (अंग इस्ते रागरहा न्यूर्च में अंग पूर्ण रूप से बात है), रिंगर्ट्यती शिंदगर्र के दार्यात्य, फोम-37-ईई-का दाबाद में रिंग्र्ट्यती हाई गिंग्र्स, 1908 (1908 ा 16) के श्रिकीन तार्रक 10 गई 1985

में बूबोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य र कर के द्रवमान तिकल के लए अन्तरित की गई है और वह विश्वास इ.एने का दारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार इल्य, उसव द्रवमान प्रतिफल से, एसे द्रवममान प्रतिफल का इन्द्रह प्रतिष्य से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और संसरिकी (अन्तरितिय ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा मया इन्द्रिक्य, िक्सिविषय उद्योक्यों से उक्त अन्तरण निवित्त के स्वस्तिक का संसरिक का स्वास्तिक का संसरिक का स्वास्तिक का संसरिक का संसरिक का संसरिक का स्वास्तिक का संसरिक का स्वासिक का स्वास्तिक का स्वास्तिक का स्वास्तिक का संसरिक का स्वास्तिक का स्वासिक का स्वास्तिक का स्वासिक क

- (क) जन्तरक से हुई फिली काम की बाक्स क्वल विध-जयम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में हमी कहुने या उपसे बचने में सुविधा के लिख्? ेर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बमा या किया बाना चाह्निए था. छिपाने में विका के लिए;

श्राप्तः वृत्तः, स्वतः विधिनयम का भारा 269-म क वन्त्रएक में, में, स्ता अधिनियम की धारा 269-म की उपका<u>रा (१)</u> के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकाँ क क्रमीत् क्ष-क 49 ~6 GI/86 1. दी सुरत टेक्सटाईल मार्केट को०-ओ० शोष्स एण वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड़, सुरत।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स शाह विमलचंद वसंतकुमार 3/66 कल्याना बिल्डिंग गलारा रोरी शाक मारर्केट बारनपुरी भागोल, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🦫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि वा तत्वंची व्यक्तियों पर स्चना की ताबीज से 30 दिन की सजिए, जो भी अधि वाद में समाप्त होती हो, के तीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इक स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच वे 45 दिन के बीचर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंच-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सर्काचे।

स्मध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त याव्यों और पदों का, को स्वया अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होन्ट, जो उस अध्याय में विका एसा है।

# बन्स्ची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्याजय में दिनांक 10-5-85 को पेंश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रयचा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीखा: 5-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन: एस: -----

बाधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, घ्रह्मदावाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 5 फाडरी, 1986 निर्देश सं० पी० धार० नं० 4330/2/35-36----ध्रत

मुझे, पी० डी० खंडेलपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंगरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्थों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; सीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिटा गया था किया जाता चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

नतः अन, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण ने, में उक्त अधिनियम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित स्थान्तमां, अर्थात् ः—  दी पुरत टेपसटाईन मार्केट को०-ओ० एण कोप्स वेरहास स सोसाइटी लि० रीम रोड़, सुरत। (अन्तरक)

2. मैंसर्स जुरामान बालचंद जुंत्दा कोटी, सगसोरीपुरा, जुरा-2।

(अन्तर्ति)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सन्धरित कं अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर सूचना की तागील से 30 दिन की अवधि , जो भी अर्दाध बाद मा समागत होता हो, के भीतर पूर्वोक्त कांच्या मा से किया बर्दाक्त द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इममो प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो ९रिभाषित ही, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मो दिया। गया ही।

## श्रनुसूची

शाफित जो जुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यातम में कि तंत्र 10-5-35 को पण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट धथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेवनाल सक्षत्र प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्ज रेंज-२, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1933

प्ररूप बार्षं .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

<del>ಪ್</del>ರಾಕ್ ೧೯ ರ ಚಿತ್ರಗಳ ಕಾರ್ಥಿಕ ನಿರ್ಮ ೧೯ ೯ ರಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಂಟಿಸಿಗಳು ಸಂಗೀತಿಸಿ ಸಂಗೀತಿಸಿದ್ದಾರೆ.

#### बारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्वजैत रॉज-II, इह्मदाबाद धहम तताब, दि.गक 5 फरार्ट, 1986 दिंग सं० पी० धार० नं० 436 (/ऽ/85-86--ंधर मुझे, पी० डी० डडिक्टाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों की यह किन्नाः करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंशिजिसकी संव टीवर्षाव एसव नंव 8, रिंग शेह, पृथ्य में बनाये हुए या काते जा यहे याफिसों में हिस्सा है। ययजा सुरत में व्यित हैं (अंशि इसने उत्तायद्ध यनुश्ची में अंशि पूर्ण स्था ने प्रिता है), योजाद्धीयती प्रविकारी के वायकिया में 37-ईई- त्मयाबाद में योजाद्धीयरण यदिनिया, 1908 (1903 द्या 16) के अर्थान, तारीख 10 मई, 1985

का पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझा यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्वोक्त सम्पत्ति का डांचल बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निसित उद्योगों से उक्त अन्तरण कि सित् में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्वन्त

- (क) जन्तरण से शृष्ट किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम् के अधीन कष्ट देने के अन्तरक वी बाग्यित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अप्रिया
- (७) एसे किमी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-६ को उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. दी ुरता टेशनवाईल मार्जेट को०- ओ० गोण्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड़, मुख्त। (अस्तरक)
- 2. मेसर्स एस० धार० गांधी एण्ड कंपनी टी-1121 जुरत टेश्तटाईन मार्नेट रीग रोड़, सुरत-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन क सबध में काई भी आक्षप -

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ब 45 दिन की अवधि या तत्सवधी क्योक्तयों पर सूजना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृथांकर व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

श्राफिस जो मुरत में स्थित है। 37 ईई दा फार्म यह कार्योक्य में दिलोंक 10-5-65 को पेप िया ग्याहै। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> र्पा० डी० खंडेलघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राप्तकर आयुक्त (विदेक्षण) श्रजीत रेज-II, शहमदाबाद

तारीख: 5-2-1936

**प्रकार**्गार्की दृदी हुएत हुए स्ट्रांस स्टब्स स

नासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीर स्चना

# भारत भ्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरहरी 1986

निर्देश सं० पी० शार० नं० 4362---फ्रिता मुझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अर के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव पीव संव नंव 8, जिसे इ, सूरत में बनाये हु या बनते जा रहे आफिस में दिस्सा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विश्वत है) राज-स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यावर, फार्म 37 ईई-डाइमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1903 (1903 वा 16) के अर्धान दिनांक 10 मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रांत्रशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन निम्नालिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त सम्प्री अधिक तहीं किया नया है कि

- क्विक), अन्तरक्षण ही हुई किसी बाग की शायतः, समत अधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दारियण में कजी करने या छससे बचने में सुविधा के निक्क, महिं/या
- (ग) श्री किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों नहीं, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिन्यम, या भग-कर निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गाम था या किया जाना नाहिए था, ज्यानि में स्विष्य नी किया

शतः अव. उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, म', उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित ध—

- (1) दी पूरा टेल्याईत भारतेट की०आं। तम्स एंड बेल्लासीस मासार्टी लि० रींग रोड़, मूरत्।
  - ( प्रन्तरक)
- (2) भेतर्स महादीघाला टेक्सटाइल्स, के ०/ओ० जी० न० लाजभाई मानेजचंद सदादीघाला 4575, रल्ली गेट मुख्य रोड़, इसको गैस कंपनी के सामगे, (रत--3। (पन्तरिती)

को बहु सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहिया करता हूं।

बन्ध सम्पत्ति के अर्थन ते संबंध के कोई भी ाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपक जो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समारत होती हो, के भंजर पूर्वोक्त व्यक्तिया। में स कियों क्योंक्स द्वारा;
- (र) इस मजना क राज्यत्र में प्रकाशन की ता कि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिं बद्ध किसी बन्न व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के ।स विविध में किए बा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कः, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यार में दिया गया है।

# मन्स्ची

श्राफिस जो मूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-35 को पेत्र किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० वंडेलपाल, सक्षम वाधियारी सहायक शायकर श्रायुका कीरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, वहमदाबाद

दिनांक: 5--2--1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ब्रहमदाबाद अ्मनदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० झार० नं० 4363---- अत। मुझे पी० डी० खंडेलवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं र्टा०पी० स०नं० 3, रींन रोड़, सूरत में व गए हुए या बनते मा रहे गिफिस में हिस्सा में स्थित है (और इसके उपाबद्ध धनुसूर्चा में और पूर्ण रूप के प्रिंगत है) रिक्ट्रीनती धनेबकारी के कार्यात्म, फार्म 37 ईई-महमदाबाद में रिक्ट्रिकरण धिधितम, 1903 (1903 का 16) के प्रधीन, दिन्न 10 मई 1935।

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान अतिफल के लिए नितारत की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय शृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का बाबा गया प्रति । निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त इन्तरण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य लिखित में वास्तीवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के किए;। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनवर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ग किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

अत: उब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्लिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1) दि सूरा टेक्सटाईन मा केट को आ॰ शोष्स एंड बेरहार्सास सोसायटा लि॰ रिंग रोड़, सूरत । (प्रन्तरक)
- (2) श्री शांतीलाल वी० राठोड़, घार० 1107, सूरत टैक्सटाइल मार्कीट रिंग रोड़, सूरत-2। (घनतरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की जारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी जिन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रश्रा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रस्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिलांक 10--5 -85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट व्यथा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलघाल सक्क प्राधिकारी सहाएक घायकर गयुका (किरीक्षण) अर्ज : रेंज--1, अहमदाबाद

दिन्तंब: 5-·2-·1936

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्ज रेंज-1, ध स्टाबाद धरुमवायाद, दिनांक 5 फरगरी 1986

निर्देश सं ० पं ० धार० नं ० 4304---श्रता: मुझे पी० डी० खंडेल्याल

बायकर बंधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकः अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधी पक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रास्त्र संधिक है

अंश जिसेकी संवर्ष व राज्य प्रतिक्ता निवास से दिखा है। तथा जो स्वर्ध में स्थित है। तथा जो स्वर्ध में स्थित है। (जीश इसके उपादक धनुभूकों में और पूर्ण रूप से प्रतिक्त है) जीक दूर्य से विदार्स है। जायिका, फार्म उप्रदेश धनुम्हानों को स्वर्ध से स्वर्ध स्थाप धनिकार से स्वर्ध स्थाप धनिकार से स्वर्ध स्थाप धनिकार से स्वर्ध स्थाप धनिकार से स्वर्ध स्थाप स्याप स्थाप स्य

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिकल सं, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकृति से अधिक के और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नील बित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप सं अधित नहीं किया गया है क्ष्र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अट्रिं/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, धनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अथित :---

- (1) दि सूरत टेक्सटाईल मार्कीट को०-ओ० शोष्स एंड बेरहासीस सोसाइटी लि० रिंग रोड़, सूरत । (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स शाह लक्ष्मीलाल, सोहनलाल एंड कंपनी वी-1139 सूरत टेक्सटाईल मार्कीट रिंग रोड़, सूरत-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्यांच, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के केंद्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सिक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वंग फीट अथवा 166 वंग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष ः) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

मोहर।

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज~1, श्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1936

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4365—श्रत: मुझ पी० डी० खंडेलघाल

ण्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का वगरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंति जिसकी सं ० टी॰ पें ० एस० नं ० ८, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बाते जा रहे शाफिस में दिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित हैं (ऑर इसके उपाबद्ध धनुसूची में ऑर पूर्ण क्य से शिमत हैं) किंदि एकी श्रिष्ट की शायिका, फार्म 37ईई-शहम शाव में किंदि एका कि शिम, 1903 (1903 का 16) के शर्था, दिलांड़ 10 मई 1935।

को प्रंक्तित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंक्ष्त इतिश्वास प्रतिफल को पंक्ष्त इतिश्वास स्विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित स्वदृश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त भियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए;

शतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कं अन्सरण औं, सौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) औं सधीन, निक्नां जांकित श्रीक्तांंंं, स्थीत् क्ष्च-

- (1) वि भूत टेक्सटाईल सार्वीट दोक्सक शप्त प्रेष्ट बेरहासंस्स सोसाईटा लि० रिंग रोड़, शुरुत । (ध्यारक)
- (2) श्रीमती शाह शाल्ल नेन रंगलाल, पोन्ड वी.लंगपुर, घाया सचिन, जिला सूरत । (प्रस्तिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदृष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुवित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा 'जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37िर मा कार्न मा माप जिल में दिनांग 10--5--35 को पेण किया गया है। लाईक 135 वर्ग फीट श्रथमा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेनहाल, सक्षम पाविकारी सहायक भागकर धायुक्त (तिर्धक्षण) धर्जन रेंग-1, पहस्याबाद

विनांक: 5-2-1986

मोहरः

प्ररूप आइं.ठी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरचरी 1936

तिर्देग सं० पी० धार० नं० 4366---- प्रतः मुझ, पी० डी० इंडेरफाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और निसकी संवर्टावर्षाव एसवनंव है, विरोह, सुरहा में व तए इए या वाते जा रहे गाफिस में दिखा है एका जो सुरहा में स्थित है (और इसके अगाबद्ध मनुसूर्ता में और पूर्ण रूप से गाँगित है) जिल्ह्यां जिल्हारी है वासीला, फार्म 37ईहें गहासामार में रिलिइंग्डर्ग में विविद्या, 1908 (1908 वा 16) के रिलिइंग्डर्ग 10 रिलिइंग्डर्ग

कां पूर्वे प्रित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से त्र अ के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्त्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के षीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया हैं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षें, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्षे ख्रधीन, निम्नसिखित व्यक्तिकों, खर्थाक क्ष्य

- (1) दि सूरा टेक्सटाईल मार्कीट को-अं।० शोष्स एंड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सूरत। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शंकुंतला नंद किशोर गुप्ता देगमपुरा खांगड शरी, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनस्थी

श्राफिस जो लूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्याकों में दिति 10-5-35 को पेश किया गया है। साईज 135 धर्ग फीट धथवा 166 धर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल, सक्षतः प्राधिकारी सहातक श्रायकर श्रायुक∵ (तिरीक्षण) श्रुजैत रेंज-ा, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-198**6** 

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------जाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज- I श्रहमदाबाद शहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० आर० नं० 4367~ - अत: मुझे पी० डी० खंडेसवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको संवदीं वर्षा एमवनं व रिगरोड़ सुरत में बगाए हुए या वाले जा एहे वाफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसके उपायद्ध धनुसूचों में और पूर्ण रूप ने विभिन्न हैं) रिजिल्हाकर्ता प्रियकारी के वायिका फार्म 37 ईई-अहमदाबाद में रिजिल्ह्रीकरण विधित्तिम 1908 (1908 का 16) के अधीर दिलांग 10 मई 1985

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का एंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखिल उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से यथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीर सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ता 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्रारण गं, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;——
50——6 GI/86

- (I) दि पुष्प टेक्सटाईल मार्कीट को०औ० श्रीशम एंड बेप्यासीम मोसायटा लि० पिंग रोड़, भूरत । (गन्तरक)
- (2) भेनर्म निजय रेयोन्स ''विष्णु सदन'' बी नं ० १, पारले पोरन्ट गेट के सामने अधिका निकेतन, अथवा लाईन, सूरत ।

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चा की कामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्वी

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिसांक 10--5-85 को पेण विद्या गरा है। साईज 185 वर्ग फीट श्रयका 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल स्वस्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) श्रर्जन रेज--1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5→2→1986

# शक्य बाह् ंटी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के बंधीन सूर्वना

#### भारत सरकार

# कार्यांक्य, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं ० पी० श्रार० नं ० 43 68-- श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

नायकर बार्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सें टीं पीं एसिं नं 8, रिंग रोड़, सूरत में बताए हुए या बति जा है आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (ओर इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है) एजिस्ट्रीकर्ता अधितारी के कार्यालय, फार्म 37ईई- अहमदाबाद में रिजरेट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1903 का 16) के अधीन, दिनांक 10 मई 1985।

की पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की नई है और मूम्के यह विस्वाल करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके रूपमान प्रतिकाल से एसे रूपमान प्रतिकाल का धन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकाल, निम्नालिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्दित में बास्तरिक रूप से स्थित कहाँ किया वसा है ।

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बृधिनियम के स्थीन कर दोने के बन्तरम क दार्बित में कमी करने में बुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन वा बन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त न्धिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना साहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः गथ, उक्त विधिभवम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दि यूरत टेक्सेटाईल मॉर्कीट को० ओ० शोष्स एंड बेरहार्स:स सोसायटं लि० रिग रोड़, सूरत ।

(ध्रनारत)

(2) मेसर्स शाह बेन.चंद गुलांबचंद एंड कंपनः औ० 3269 सूरा टेक्सटाइल मार्कीट रिंग रोड़, सूरत 2 (अन्तरिनं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के दें 45 दिन की जबिंध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तीमील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविधि बाद में समर्पित होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्विना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कास निवित में किए जा संकंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्योग 20-क में परिशांधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्योग में दिया। विकासी

## अनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई या फार्म यह कार्याजय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निर्रक्षण) प्रार्थन रेंग ा, शहमदाबाद

दिनांक: 5:2-1986

मोहर। :

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीत स्वना

#### आरव तरकार

## कार्यांतव, तहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

भर्जन रेंज - 2, भहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० शारः० नं० 4369--यतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

वावकार विभिन्नित, 1961 (1961 का 43) (विश्व द्वाचे द्वाचे प्रचात 'उन्त की भीतियम' कहा पना है, की भाग 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संवर्टाव पांव एसव नंव 8, रिगरोड़, सूरत में बनाए हुए था बनने जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थार है (और इससे उपाबढ़ अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विश्व है) रिजर्म्याअनी श्रीधकारी के कार्यालय, फार्म 37ईई-अहम शबाद में रिजर्म्याकारण श्रीधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीं, दिनांक 10 मई 1935

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षत्र के उच्चभाल श्रीतफल के लिए अन्तिरित् की गई अध्य मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दब्यमान प्रति-फल से, एसे दब्यमान प्रति-फल से, एसे दब्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के सिए तय पासा गया प्रतिफल निम्मसिशित उद्वेष्य वे उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्ष्य से किथा नहीं किया भया है के—

- (क) अभ्यारण तं हुई किसी आव की तावत , अभय अधिनियम के अधीय कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उसते अभने में सुविधा के किस; और / वा
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भाउतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवाधनार्थ अकिटिएसी स्वाडा एकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए था, कियान में तृतिभा को सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दी सूरत टेक्सटाईल मार्कीट को०-ओ० शोष्स एंड्रु बेर्झासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सूरत ।

(श्रन्तर्वः)

(2) भेमर्स सदादीवाल लालभाई मानेकचद के०/ओ० भिग्नोर सिल्क मिल्स आई-1297, सूरत टेक्सटाइस मार्कीट रिंग रोड़, सूरत-2।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिबं कार्यवाहियां सूच्य करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामीस से 30 दिन की वर्वाध, को और
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्च
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकी।

स्पष्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों क्या, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस सभ्याय हो दिया क्या है।

## बनुसूची

श्राफिम जो सूरत में स्थित हैं। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट हैं।

> पी० डी० खंडेलघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिरोक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

# प्रकृष बाह्य हो , एन , एच .------

# बासकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के नभीन सूच्या

#### प्राप्तत संबद्धान

# कार्याक्षय, सहायक वायकर भागक (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदण सं० पो० श्रार० नं० 4370---यतः मुझे, पी० ईं।० खंडेलघाल

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवरित धिसका उचित बाबार मृस्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० टी० पी० एम० नं ० ४, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए था बनते जा एहे आफिमों में हिस्सा है एथा जो भूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है) रिजिस्ट्री उनी अधिकारी के वार्यालय, फार्म 37ईई-अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थन, दिनोंक 10 मई 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मूम्ने यह विकास कारने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त वंपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त लिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से किथत नहीं किया गया हैं ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया एका था या किया जाना चाहिए था फिलाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) कें अधीन निम्नीलिकित स्मिक्तिमों अर्थात :—

- (1) दी मुख्य टेक्सटाईल मार्कीट को०-ओ० गोण्म एंड बेरहामास सोसायटी लि० रिंग रोड, मूरत । (श्रन्तरक)
- (2) श्री णातीलाल खेमराज बागना के०-ओ० उपासना द्रेष्ठर्स एल-1073, युग्त टेक्सटाईल मार्कीट रिग रोड, युग्त-2।

(ग्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# इक्स सम्बक्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बास्नेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिंत-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिखिस में किए या तकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा हैं।

## भनुस्ची

श्राफिस जो मूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिशांक 10-5-85 हो पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पीं ० डी ० खंडेलघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**री**क्षण) श्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

मोहर ह

प्रक्ष नाइं.टी. एव . एस . -----

भायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के बधीन मुखना

#### बारत बरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षक) शर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फएवरी 1986

निर्देश सं० पी० शार० नं० 4371---यतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० टी ० पी ० एस० नं ० ८, रिंग रोड़, सूरत में ब ाए हुए या बाते जा उहे जाफिसों में हिस्सा है लथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उजाबद्ध प्रमुखी में और पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीयनी प्रधिदारी के वार्यालय फार्म 37ईई--प्रहमदाबाद में जिल्ट्रीयरण धिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दि तंस 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरमान प्रतिफल से, ऐसे इरमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) हो जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निन्नी सित उद्देश्य से उचित अंतरण लिखित में बास्तिक इन्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्धरण से हुई फिली नाम की पानल उक्त अधिनियश के अधीज कर दौने के जन्तरक से वास्तिय में कभी करने वा उत्तत्ते वचने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (क) क्रेसी निक्ती बाय या किसी धन या बन्ध आस्त्रियों करों, जिल्हों भारतीय कार-कर प्रविश्वित्त । 1920 (1922 का 11) या उक्त विश्वित्त या धनकर विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) दी भुरत टेक्स ।ईल मार्कीट को-ओ० शोष्स एंड बेरहार्मास सोसाधर्टा लि० रिंग रोड, सुरत । (धन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र छन्नी नाम और श्रान्य के श्री० मेसर्स प्रश्नाल सिल्स मिल्स यू- 3219, सुरत टैक्सटाईल मार्थीट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवियत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिशिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

## अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 2, ग्रहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-धं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-धं की उपधारा (1) ■ अधीन निध्निश्चित व्यक्तियों, वर्षीत् :—

दिनांक: 5-2-1986 मोहर:

## हरू बाह् ं द्वी हुन्। हुन्।

आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत बरकार

कार्वाचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
शर्जन रेंग-II, श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4372—म्थ्रतः मुझे,पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चास 'उन्त अधिनियम' कहा गवा हैं) हे की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सुरत मैं बनाए हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में सिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसुची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिवारी के बार्यालय, फार्म 37ईई—श्रह्मदाबाद मैं रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वर्ष 16) के श्रधीन, दिनांदर 10 मई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिपत्न का पन्सह प्रतिचात अधिक है और बंतरक (बन्तरकारें) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक से सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचत स्कूपेंस से स्कूप अध्यक्त कि विष्य में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं सिद्धा गया है रूप्तर

- (क) बल्करून से हुई किसी बाव की बावत , उनत बिधिनियम से अधीन कर्य दोने के बन्दरक के बाबित्स में काफी करकी वा स्वचने बन्दर्ग में सुविधा के मिए; बाँग्र/वा
- (क) एसी किती नाय या निसी धन या नाय आस्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, किना में स्विधा के किए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अबी, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- (1) दि सुरत टेक्सटाईल मार्कीट को०-श्रो० गोप्स एंड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सुरत । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्म स्टेडड फूड काफ्टस वाई-3183, सुरत टेक्स-टाइल मार्कीट रिंग रोड़, सूरत-2। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत् सम्पृतिः के मर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५२ सूजना की तामील से 30 विन की बनिथ, को भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दिस- क्षुध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, ज्योहस्ताकारी के जान किसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है ।

## **ग्रनुमू**ची

श्राफिस जो सुरत मैं स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में विनाक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवान, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिन क: 5-2-198**6** 

प्रकप काई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियंभे, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वना

#### HTTH WYNE

## कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्रिक)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रह्मदाकाद ग्रहमदाबाद, दिनांव: 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० न० 4373—श्रमः मुझे, पी० डी० खंडलवाल

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसवें इसकें पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के विभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार शब्ध 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० टी० पी० एस० नं ० ८, रिंग रोड़, सुरंत में बनाए हुए या बनते जा नहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सुन्त में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधवारी के बार्यालय फार्म 37 र्ष्ट-श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, दिनांक 10 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वात कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का अभिन्न बाजार कृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का बन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब वाचा गया प्रतिफन, निम्नसिवित उद्वयस्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक क्य से कवित नहीं किया गया है ए---

- (क) मन्त्ररण सं हुइ किसी नाम की नावत, अवश निमित्रत के विकास कर दोने ने बन्तरक से दासित्य में कभी करने या उससे दणते में भृतिभा के सिए; बरि या/
- (भ) एसी किसी बाब या किसी भन या बान्य बाहिस्सा की, जिल्हा भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विभा के सिहा;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण नं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्धात् क्ष्यू-

- (1) दि सुरत टेक्सटाईल मार्कीट को०-श्रां० शोष्म एंड वेरहानीस सोमायटी लि० रिंग रोड़, सूरत । (अन्तरक)
- (2) श्री णाह निरंजन जयाभाई, संग्रामपुरा, मुख्य रोड़, सुरत-2। (ग्रन्तरिती)

को वह भूषता वाडी कड़के पूर्वोक्त पंपीत्त से वर्षत के किस कार्यवाहियां करता हुए।

उन्त राम्परित के वर्षन के सबंध में कोई भी बाखेब उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की ज्यपि या तरसम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की जयि , को भी जयि वाद में स्थापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितकों में से किसी स्थित ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकते।

स्वक्टीकारण:--इसमी प्रयुक्त बच्चों और पर्योका, जो उक्त किंपिनयम की अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा <sup>क्ष</sup>े क्षक अध्याय मी दिवा नवा ही।

## पन्यूची

ग्राफिस जो भुग्त में स्थित है। 37ईई का फार्म यह दार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वगफीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल, सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, शहभदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

## प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुमना

#### भारत सरकार

कार्यातरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज- , अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० आर० नं० 4374—म्प्रनः मुझे, पी० डी० खंडेलमाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार जिसे उपिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी गं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़ सुरत में बताए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीशर्ता श्रीधारारी के वार्यालय, फार्म 37-ईई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीवरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीधीन, दिन व 10 मई 1985।

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रोत्तिल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कीश्रन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्य था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: उस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) कैं अधीन, जिप्नोलियन व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) दि सुरत टेक्सटाईन मार्कीट को०-म्ब्रो० मोष्स एंड वेरहामीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सुरत । (श्रन्तरक)
- (2) श्री पुंदरलाल देवीदास भाटिया के०/म्रो० मेसर्स मोहन टेक्सटाईल वी-1136 सुरत टेक्सटाइल मार्कीट रिंग रोड़, सुरत-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--- प्रसमें प्रयूक्त कथ्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेण विधा गया है। 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल, सक्षम प्राधिकारी सहाय ह श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनौंदा: 5-2-1986

प्रभूष भाष्ट्<sup>र</sup> . टी . पुन . पुत्र . ----------

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना खारक सहस्तर

कार्यासय सहायक जायकर जायुक्त (निरौक्तण)

श्रर्जन रेज-2, धहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० श्राप्त नं० 4375—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इक्सें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका विश्वत बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सूरत में बनात् हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है सथा जो में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीयक्ता श्रिश्वयारी के नार्यालय कार्म 37ईई-श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीयरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंदा 10 मई 1985

को प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृवॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-क्य निम्निविचत ब्युवेस्य से स्वत वन्तरण निवित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया बवा है है—

- (क) सम्प्रस्थ में हुई किसी बाय की बायश , उभर विश्वित के संधीत कर दोने के अन्तरक थे दायित्व में कर्नी कर्रमें वा दससे विश्वे स्वार्थ के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अवकर अधिनियम, या अवकर अधिनियम, या अवकर अधिनियम, या अवकर अधिनियम, वा अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रसट नहीं विक्रा गया था वा किया जाना चाहिए वा, कियाने के स्विका की विद्राप्त

कतः भव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-व के बनुबहस्स में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित्व व्यक्तियों, अर्थात् :--51--601/86

- (1) वि सूरत टेक्सटाईल मार्कीट को०-मो० गोप्स एंड बेयरहाऊसीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सूरत । ( अतरन्क)
- (2) मेसर्स शाह कांतीलाल और गुलाबचंद एंड कंपनी पोस्ट ओलपड, जिला सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्वत के सिप कार्यवाहियां करता हुं।

## क्ष्मक कम्परित् के क्षमंत्र के कम्बन्ध में खोड्' थी नाक्षंप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्त व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए वा वर्षों ने।

स्पच्छीफरणं :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में विनौक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेसवास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

ि**द**नोका: 5→2-1986

The same of the sa

प्रक्रप बाइ . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### मारत चक्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फणवरी 1986

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 4376—— ग्रनः मुझे, पी० डी० खंग्रेलभाल,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार किया क्षेत्र किया क्षेत्र क्

श्रीर जिसकी संवटीव पीव एसव नंव 8, रिंग रोड़, सुरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो में स्थित है (श्रीर इत्तसे जपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिड्डिक्ती अधिकारी के कार्यालय, फार्म 37—ईई—अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 10 मई 1985।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के जिपत बाजार भून्य से कम के स्थवान प्रितिफल के लिए बन्तिरिंग की गर्ड हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का चन्त्रह तिस्त से जिपक हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती जन्तिरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया कम रितिफल, निम्निनिश्चित अध्वरिय से उद्धा अन्तरण किल्लित में बास्तिक, क्रिम्मिनिश्च को स्थापन स्थापन की स्थापन की स्थापन की सिक्त की सिक्त की स्थापन की सिक्त की स्थापन की सिक्त की स्थापन की सिक्त की सिक्त की सिक्त की सिक्त की स्थापन की सिक्त की सिक्त

- (क) अन्तरण से हाइ किसी नाम की वाबत, उपत विभि-नियम के विभीन कर विभेक्षे अन्तरक के दाधित्य में कवी करने या उससे वर्षने में सुविधा के लिए; बार/का
- (क) एंसी किसी बाथ या किसी धन था अन्य आस्तियां का. जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १००० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १०० । १००

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तिणों, अथित :---

- (1) दि सूरत टेक्सटाइल मार्कीट को०-श्रो० शोष्स एंड बेयरहाऊसीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सूरत । (ग्रन्सरक)
  - (2) मेसर्म सुर्वदान्त एंड कम्पनी 303, केशर अपार्टमैंट, रेलवे क्राप्तिंग के सामने, दहीसार वेस्ट) बण्बई-68 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की वसिध, जो भी वसिध बाद में सभाप्त होती हो, के जीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खबर नियम, के अभीन अभ्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिवा क्या है र

## ग्रनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है 37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश विध्या गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ऋायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैंन रेंज-2, अहमदाबाद

विनाँक: 5-2-1986

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें**ज**-2, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4377—श्रत मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं ० टी ० पी ० ए ५० नं ० ४, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो में स्थित है (श्रीर इनके उत्ताबद्ध अनुसूचो में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रोक्ति प्रधिकारी के कार्यालय फार्म 37ईई -श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंक 10 मई 1985।

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतिक्स के लिए अन्तरित की गई और मृश्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार शृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय धारा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में अस्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण के हुई किसी बाव की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाविस्त में कमी धारने या उससे वचने में सुविधा वे लिए; और/वा
- (य) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुविधा की बिह्न;

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक रं., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) म अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात ः—

- (1) दि सूरत टक्पटाइल मारकेट को०ग्रो० शोप्स एंड बेयरहाऊसील सोभायटी लि० रिंग रोड़, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) मेतर्स गाह बच्छराज भेक्लाल एंड कंपनी भ्रो० 1268 सूरत टक्सटाइल मारकेट रिंग रोड़, सूरत-2। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुः।

जनतः सम्पत्तिः को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप हिन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खों भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस सूजना को राजपक में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन को भीतर जक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मनुसुची**

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेण दिया गया है। साइज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खं**डे लक्षा**ल यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, श्रहमदाबाद

दिनाँक: 5-2-1986

## प्रकृत सार्वे हर्ति सुन पुत्र -------

## बाबकर महिन्तियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यातय, सहायक आयकर बावुक्त (निरीक्त)

श्रर्जन रेंज- 2, श्रष्टमवाबाद श्रहमदाबाद, विनौक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4378—- ग्रसः मुस्रे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के लभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

मौर जिसकी सं वि शि एस व ं 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बनसे जा रहे भ्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यीक्षय, फार्म 37ईई-श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 10 मई 1985

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के निए बन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुख्ब, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्ताइ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नोक्तियत उच्चोस्य से उनत संतरण निचित्त में वास्त- विकास का की कारण निचित्त में वास्त-

- (क) अन्तरण तो हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए; बीर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में ब्रिका को किए;

क्सा वर्ष, उक्त विधिनियम् की धारा 269-म के बनुकरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपपारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्णात :—

- (1) वि सूरत टेक्सटाईल मार्कीट को०-घो० शोष्स एंड बेरहासीस सोसायटी लि० रिंग रोड़, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शारवादेवी भगवानवास श्रग्रवाल के शृभी ० पंक्रज सिल्क फ्रेंबिक्स जे श्रा 1-1161, सूरत है टेक्स-टाइल मार्कीट रिंग रोड़, सूरत-2। (श्रन्तरिती)

को बहु तूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के शिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की सर्वीप या तत्सम्बन्धी स्पिक्तमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी वयि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बहुध किसी मन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वच्याच्यरणः — इसमे प्रयुक्त क्षम्यों भार पदा का, जो उसत जीज-निवस की अध्याव 20-का में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया ही।

## भ्रनुसुची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट भ्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाष

दिनाँक: 5-2-1986

प्ररूप आर्थें, टी. एन. एस.-------धार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) के धचीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4379--श्रत: मुझे पी० डी० खंडेलवाल,

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसमें परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गमा हैं) की नारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार जूका 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० टी० पी० एम० नं० 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फार्म 37ईई—श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 10 मई 1985

करे प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्यं से कम के क्षवजान वृतिकास के विष् अन्तरित की गई है जीर मृत्ये वह विश्वाध करने का कारण है कि यंवापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (जंतरका) और जंतरिती (जंतरित्यों) के बीच एसे जंतरण के लिए तब वाया नया प्रीय-फल निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्दरण वे हुए किसी धाव की वावच, उनक अभिनियन के अभीन कर दोने के बन्तरक के वार्शित्य में कमी करने वा उससे वसने में सुनिधा के हैंबद; अदि/वा
- (च) एंगी किसी बाव ना किसी अन ना सन्य आसियाँ को, विन्दी पारतीय साथकर सीधीनवर्त, 1922 (1922 को 11) ना सनत सीधीनवन ना अवकर सीधीनवर्त, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ब्वाध प्रकट नहीं किया नया ना ना किसा बाना चाहिए था, कियाने में त्यिधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै जनुसक्त में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै अधीन, निस्निजिक्त व्यक्तिस्त्रों, अवृक्षि क्र--

- (1) दि सूरत टेक्सटाइल मार्कीट को० ओ० गोप्स एंड बेथरहाउस सोसाइटी लि० रिंग रोड सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स णाह ट्रेडर्स, 9/261, पगथिया शेरी वाड़ी

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त संपत्ति को कर्चन की 'क्यू कार्यवाहियां करता हों।

फलिया, सूरत∽ 3।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिया की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की वासीश से 30 दिन की जबिन, का भी जबिश वास में बनाया होती हो, के भीतर प्रवॉक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में द्विट-बहुभ किसी जन्य स्थानत द्वारा, सभीहस्तासारी के बास सिवित में किए सा मकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिन्निक, के अध्याम 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया ही।

#### नगुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10→5-85 को पेश किया गया है। 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुख्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनौंक: 5-2-1986

## प्रकृष वाहै, टी. एन. एस. -----

## शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, **ध**हमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं०  $4380_l\Pi_l$  85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे भ्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाधाद श्रमुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिस्ट्रियशा श्रीधनारी के वार्यात्य, फ.मं 37-ईई-श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 10 मई 1985।

बार पनिष्म नगरीत क इसिन बाजार मूल्य य कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाग्रियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ड बभीग, नित्तिवित ध्यक्तियों, जर्मात् ■—

- (1) दि सूरत टेव ।टाईल सारकेट को०-म्रो० गोण्स एंख बेय रहा ज्सीस सोसायटी लि० रिग रोड़, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भुशिलासरन जयन्तीलाल कोठारी उर्फ रघुमल, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## बक्त सम्पत्ति की वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख + 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अश्राय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## श्रनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी०डी०खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 5-2-1986

and the state of the

## आयक्षर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत भरका

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरनरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4381—श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रशास 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृस्य 1.90,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी मं० टी० पी० एन० नं० 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बनते जै। रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इल्ले उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिस्ट्रीयत्ती श्रीधदारी के कार्यालय, फार्म 37ईई--श्रह्मदाबाद में रिलस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 10 मई 1985।

को पूर्वोक्ष्त सम्प्रीत के उचित बाबार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके बह्यमान प्रतिफल से, एसे बह्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के ल्यि त्य पांचा भ्या प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिसित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (%) कन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत, बन्ध बीध-नियस से अधीन कर बोने की अन्तरक की पायितक मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; और/मा
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी भग या अन्य आस्तियों कर जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, गा भनकर अधिनियम, गा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया स्विधा के स्विधा के स्विधा के सिंहर;

- (1) दि सूरत टेक्पटाईल मार्कीट को-म्रो० सोव्य एंड बेरहासील सोनायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स णाह अनोल कुमार मोहनलाल एंड कंपनी डी-1019, सूरत टेक्सटाइल मार्कीट, रिंग रोड़, सुरत-2।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त संपत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उन्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक् में प्रकातन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अव्धि, को भी अविधि नाच में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकालन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगें।

## नन्त्रभी

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

बतः, बव, उक्त बिभिनियमं की धारा 269-भ के अनसरण कों, मीं, उक्त अभिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) भी बधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिन<sup>†</sup>क: 5-2-1986

## प्रकल कार्ड'.टी. एत. एस. ----- 1. श्री सुर टेक्सटाइ ल मारकेट क

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रहमदबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986
श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

निर्देश सं०पी० श्रार०न० 4382 -- श्रत मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या टी० पी० नं० 3, रिंग रोड, सूरत में बनाये है हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिल्मा है तथा जो में ल्यित है (श्रीर इसके उपाबद श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्ती श्रीधकारी के कार्यालय फार्म 37 ईई श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई, 1986

को प्रांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृन्य से कम को सदयमान प्रतिफ स को लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यथान्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके सदयमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफक्त, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:---

- (अ) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीच :—  श्री सूर टेक्सटाइल मारकेट की ग्रा शाप्स एण्ड बेरनासीस सोसायटी लि०, रिंग रोड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुभाष चन्द्र ग्रमृत लाल ग्रीर ग्रन्य एण्ड 31228, सूरक्ष टैक्सटाइल मारकेट रिंग रोड, सूरत-21

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन औं किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाह्येप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का,, जो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

## अभूस्ची

म्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म पद कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीखाः 5−2−1986

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . -----

ायकर अधिनियम, 196.1 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निदेंण सं०पी० श्रार० नं० 4383-्-श्रत मुझे,पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या टी० पी० एस० नं० ६, रिंग रोड, सूरन में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबड स्रनुसूर्चा में स्रौरपूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, फोर्म 37 ईई स्रह्मकाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिकारी के 1968 (1908 वा 16) के स्रधीन, तारीख 10 मई, 1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित आजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :-----

- (क) अन्तरण से हुर्द्द किसी आय की बाबल उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाम् एक उट्टिस्ट 52—6 GI /86

- दो सूरत टेक्पटाइल मारकेट को० म्रा० शान्स एण्ड बेरहासो सोसायटी लि० रिंग रोड, सूरत। (म्रन्तरक)
- श्रीमती सुधरानो राजेश प्रसाद गुन्ता कें श्रो० राजेश एण्ड सन्स [4/4200 पारेख महल, सेकण्ड पलोर बेगमपुरा, दानापीठ, सूरत-3।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### म्रनुसुची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्याजय में दिनांक 10-5-1985 को पेशिक्या गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रयवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (दिरीक्षण) स्रजेन रेंज-2, स्रहमदाबाद

ता**रीख**़ी 5~2−1986 मोहर

## प्रकृप बाहै ्टी ्प्द ्पस् ्र-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### 

## आर्यांसय, तहायक भायकर भायक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रहमदाबादा

श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार्० नं० 4384 — श्रत मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उबल विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सभाग प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का स्नारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला जिल्ला बालार मूल्ला 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स आधक हु

श्रौर जिसकी संख्या टी० पी० एम० नं० 8, रिगरोड,
सूरत में हुए या बनते हुए जा रहे श्राफिस में हिस्सा है तथा

में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंद श्रन्सुची

में श्रौर पूर्ण क्या से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फार्म 37 ईई श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकियम

1908 (1908 का 16) के श्रधीत, नारीख 10-5-1985

करे पूर्वीकत सपरित के उत्तित वाजार मून्य में कम के ध्रथमार
श्रीफिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थाप्वेंक्त संपत्ति का उजित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतियितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया

श्रीफल के पिन्नितिस्त उद्देश्य से उनत कन्तरण निस्तित में बास्तिक एप से क्रियन तहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरम से हुइं किसी भाग की शावत, उक्त लियायब के जभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्थ के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या विद्या काना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

कराः कव, उन्तर विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उन्तर अभिनियम की भारा 269-घ की उपभास्त (1) है अधीन - निम्निनियत व्यक्तियों, संसद्दि हिन्स  दी सूरत टैक्सटाइल मारकेट को० आ० णाष्म एण्ड बेरहासीस सोमायटी लि० रिंग रोष्ड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मधुबेन साँगीलाल श्रौर श्रन्य यू०-3225, सूरत टेक्सटायल मारफत, रिंग रोड, सूरत-21

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप े-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्में पेथी प्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बस्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्शीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं जिथे होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्राफिण जो सूरन में स्थित है 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10~5~1985 को पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खण्डेलवास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेक-2, प्रहमदाबाद

तारीखा: 5-2-1986

## प्ररूप भार्ष , दी, एत ु एस ,------

## आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की था<u>र</u>ा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4.85—श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डे लवास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उका अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुन्व 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या टो॰ पी॰ एप॰ नं॰ 8, रिग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे स्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सूक्ष्त में स्थित हैं (स्रीर इपसे उपाबद्ध स्रनूसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय फोर्म 37 ईई, स्रहमदबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, 10 मई 1985

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि मध्यपूर्वेक्ति सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--  दी सूरत टैंकनटाइल मारकेट को ० श्राप० णांध्य एण्ड बेरहासीन सोसायटी लि० रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

 मेममं सचीन लिल्क मिल्स ग्रार० 2109, सूरत टैक्सटाईल मारकेट रिंग रोड, सूरत-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी ता सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## त्रक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष ---

- (क) इस न्क्रत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंग

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ह'।

#### अनुसुची

स्राफिय जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट स्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० **खण्डेलवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

## प्ररूप आहर् ुटी. एन. एस. -----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अहमदःबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4386—-अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जितकी सं० टी० पी० एस० नं० 6, रिंग रोड, सुरत में बताए हुए या बनते जा नहे अधिक में हिस्सा है स्था जो मुस्त में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबड अनुभुची में स्रोर पूर्ण स्प स विणि: है), रिजस्ट्रीन्ती अधिकारी के जार्यात्य फार्म 37 ईई० अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16 के अधील, नारीख 10 मई

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (कां) अन्तरकण से हुई फिसी आर की बाबत, उक्त नियम को अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/प्रमा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) दि भुरा टेक टाइन्स मार्केट को० आपरेटिय जाप्स एण्ड बेरहासील सोताइटी लि०, रिंग रोड, भुरा।

(अन्त्रक)

(2) श्री श्याम लाल बालकृष्ण कांग्रण ग्रांण अन्य, पलैट नं० 3, एच० के० विच बत्ध्या मोसाइटी लाल बंगता के पोछे, अध्यव लाइन, सुरत-2।

ं (अन्तरिती )

को यह सूचना जारी वारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त कर्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

आफिप जो भुरत में स्थित है। 37 ईईर्ज का फार्म यह कार्यालय दिनोरु 10-5-1985 को पेण रिया गया है। साइज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> भी० डी० खण्डेलयाल स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

नारीख : 5-2-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

सिदेण मार्व पीर्व जाएव नांव 4387—अतः मुझे, पीर्व डीव खण्डेयवाल

आयकर डिंगिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोग जिस्की संव टीव पीवएसव नव 8, िंग रोड, सुरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिस में हिल्सा है तथा जो अहुरत में स्थित हैं (बीत इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रींग पूर्ण क्या में बणित है), रिजस्ट्रीयती अधिकारी के वार्यालय, फार्म तंव 37 ईईव, अहमदाबद में रिजस्ट्रीयण अधिनियम 1908 (1908 ा 16) के अधीर दारीख 10 मई,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से ह्र्इ िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपाारा (1) के अभीना, निम्हिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् क्षान

- (1) दि भुगः टेकाटाइल्प भार्केट की० आप० आप्स एण्ड वेरहामीस सोसाइटी लि०, पिगरोड, मुरत। (अन्तरक)
- (2) मैं० श्री शांति नाथ सिंहर मिल्स, उपना भगदल्या रोड, उपना, जिला मुट: ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविभिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उजत स्थावर सम्पत्ति में हिहा विभी किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त करूरी और पर्वो का, को उनके अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्**स्ची**

आफिय जो सुरुत में स्थित हैं। 37 ईई० का फार्म यद कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट हैं।

> पी० डी० खंडेलवाल गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1986

## ब्रक्ष्य आई. टी. युन. एस. \*\*\*\*\*\*\*\*

## नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-व (1) के बभीन श्रुपना

#### मारत सरकरः

कार्यासय, शहामक कार्यकर अग्यक्त (जिस्शिक्ष)

अर्जन रेंज-2, अहमशबाद

अहमदाबाद, दिभाक 5 फरदरी 1986

निदेश सं० पी० आप० नं० 4388--अतः मुझे, पी० डी० खडेलकाम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा नया है"), की कारा 269-इ के वभीन सक्षम प्रतिथकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका सण्डित बाबार स्व

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ली संव टीव पी. एसव नंव 8, िम रोड, सुरव में बताए हुए या वसने जा रहे अफिसों में हिस्का है ध्या जो सुरत में स्थित है (श्रीर इसी उसबद्ध बनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विषत है), रिकस्ट्रीटर्ना अधिकारी के जार्याक्य, सुरत में रिजस्ट्रीटरण अधिकायम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के विश्वत बाजार मूल्य से क्रम के रक्ष्यमान प्रतिकत को निए अन्तरित की गई हैं और युक्त मह विश्वता करने का अन्य हैं कि युवापूर्वोक्त कर्मित का उपित निर्देश करने का अपित निर्देश करने का अपित निर्देश के प्रतिकत निर्देश का अपित निर्देश के प्रतिकत निर्देश प्रतिकत निर्देश प्रतिकत ने प्रदेश प्रतिकत ने अपित के अपित हैं और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए त्य पान गाम प्रतिक्त कर्म कि विश्वत में बास्त-कर्म विकासित उप्योधन के जन्म क्यारण विविधत में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तिका की, जिन्ही भारतीय भायकार प्रधिनियम, 1917 (1922 का 11) या ज्यस किसीन्यम, आ धन कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रही द्वारा प्रकट नहीं किया प्रयासिय या कियाने में जुनिया की निए;

बरः ॥ व. उक्त अभिविधम क्री भारा 269-व को उपधारा वं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) दि सुरंत टेक्सटाइस्स मार्केट को० आप० एएप्स एण्ड बेरहासील सोक्सइटी लि०, रिंग रोड, सुरात।

(अन्तरक)

(2) मैं० सोना राम लुरो एण्ड सन्स, नन्य्०-1257, मुरत टैक्पटाइल्स मार्केट, रिंग रोड, मुरत- 2।

(अस्तरिती)

भी गृह स्पना बारी करके पूर्वोक्त वंपरि भी अर्थन के किस कार्यकांह्या करका हुई।

## अक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी **आक्षेत्र** :---

- (या) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी निकास वाधि वाध में समान्य होती हो, की भीतर पूर्वितः, व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूथना के राजपण में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा मभोहरताकरी के वास विकास में किय वा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुपूचा

आफिन जो सुरा में स्थित है। 37 ईई० का फार्म यह कार्यानय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खटेनवाल यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, अहनदाव,द

नारीख: 5-2-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

## धारकार नीवनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीर स्वना

#### भारत सरकार

## कार्वांसय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज्-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4384—अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्मत्ति, विसका उचित बाजार नृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

्रमार जिलकी सं० टी० पी० एउ० नं० 8, रिंग रोड, मुरत में ब्नाए हुए या बन्ते जा रहे लाफिसों में हिस्ला है तथा जो , सुरत में स्थित है (ब्राँट इल्से उपाबढ़ अनुसूची में ब्राँट, पूर्ण रून से विणित्र है), रिजिस्ट्री जिल्ही के कार्यालय फार्न 37 हैहें। निर्मान में रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10 मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफान की लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नगरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नगरण मूल्य, उसके देखमान प्रतिफान से, एसे ख्यमान प्रतिफात का बन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया गया प्रतिफास विक्रमांकिक स्वरूपिय से खब्द अन्तरण मिक्सि में गस्त्रिक प्रवा के किया नहीं किया वशा है:--

- किं। कसरण संहुई किसी बाय की रास्ता, उत्पन्त सीमित्रम के अभीन कर दोने के जारारण में वाजित्य में कसी करने या उसने उसने में प्रतिकः: भं किस; बीझ/का
- ंश) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, थिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत् अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 द्या 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किला गा या या विका शामा लाहिए था, कियाने हें सुविधा के लिए;

विक वर्ष, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण हैं, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा कि के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दि सुरा टेक्बटांइल्ज मार्केट को० आप० गाप्त एण्ड बेरहासीस सोजाइटी लि०, रिंग रोड, सुरा ।

(अन्तरक)

(2) मै० श्री छांति नाथ सिल्क इण्डस्ट्रीज, मार्फद बी-2344, सुरत टेक्सटाइल्ड मार्केट, रिंग रोड, सुरत-2।

(अत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास ितिखत में किए जा सकेंगे।

स्वस्तिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### अनुसूची

आफिस जो सुरत में स्थित है । 37 ईई० का फार्म या कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है । साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है ।

> पी० डी० खडेलवाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहम**वाबाद**

तारीख: 5-2-1986

## प्ररूप मार्गे . टी . एन . एस 🖓 -----

and the state of t

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) कें अधीन

#### भारत संदुक्तं

## कार्यालय . तहायक वायकर वायक (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, अहमदांबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आए० नं० 4390---अनः मुझे, पी० डी० खंडेलबाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-ब के बभीन सक्षाम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, बिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

प्रारं जिसकी सं० टी० पी० एत० तें० 8, रिंग टोड, सुरत में बताये हुए या बतते जा रहे ग्राफिसों में हिस्सा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से धूणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, फार्म 37 ई ई अहमदाबाद में रजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 10 मई;

कां पूर्वीक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गर्द हैं और मृक्ते यह विश्वाध करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त तंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिकल से, ऐसे दरमान प्रतिकल का पन्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर बोने के बन्तरक के बायित्य को कभी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए; अहि. को
- (क) गुंनी किसी आग या किसी धन वा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के गराजितार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना खाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा से लिए।

शतः वर, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण कें<sub>ंं</sub> में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ते की उपभारा (1) वे करीन, निम्नीकावित व्यक्तियों, अर्थात् क (1) दि सुरुः टैक्पटाइल्स को० आप० शास्त एण्ड बेरहासीत सोताइटी लि०, स्मि गेड, सुरुष ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रवण भरत कुमार शाह, कचीरपुरा, भस्त ।

(अन्-गरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन को अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक संध् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए त्रा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बागित पर्तो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्ध होता का उत्तर अध्याय में विषया पना है।

#### अनुसूची

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37 **ईई** का फार्म यह कार्यालय दिनां रु 10-5-1985 को पेश कया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट

> पी० डी० खंडेंनवाल रक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, प्रहदाबाद

तारीख : 5-2-1986

प्रस्य बाह्रीय द्यार एक , पुरु ,------

## भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन सूचना

#### भारत सरकात

कार्यालय सहायक बायकर आयक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

निर्देश मं० पी० आ४० नं० 4391—यनः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पांत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. सं अधिक हैं।

श्रींग जिल्लिकी संव टीव पीव एतव मंव 8, रिग रोड़, सुरत में बनाए हुए या बसने जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है श्रींग इल्ले उपाबद्ध अनुसूची में श्रींग पूर्ण कप से विपत है), रजिस्ट्रीकलक्षा अधिकारी के लायनिय, फाम 37 ई-ई अहमदाबाद में पिकस्ट्री ज्ला अधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के अधीम, नारीख 10 जम, 1985

को पृषेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंस्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीध-अधिनियम के अधीन जर दोन के जन्तरक के आयित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/दा
- (स) एक किया कर या किसी जन या कर्य गास्त्रामें की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । ११ पा किया विभिन्न की किया कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रपादकार अन्तरिक्ती दुनारा पाक्ट नकी विभाग गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने की मृतिका के लिए;

जत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मौ, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, जिमनिस्थल व्यक्तयों, अर्थात् :— 53—6 GI/86

ा दो पुरस्र टेक्स्टाई । मारकोट को-आप० शोष्त एण्ड अरहासीस सोक्षायटी लि० रींग रोड़, सुरत ।

(अन्तर्क्)

 (1) राजित देवी अधुनीय सिंह जैस आई० 1300, सुर्य टेक्सटाईस मार्येक, रींग लोड, सुरत । (अन्तरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्विक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यमहियां करता 👣 ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध को कीर्ट भी नाक्षेप ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थाना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी जावित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हि उबक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सबी में।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कां मा परिष्याधिक इ<sup>#</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय को दिवस यदा है।

#### ननसूची

आफिस जो सुरने में लिया 37ईई का फार्म यह जायीलय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईश 185 वर्ग फीट अथवा 106 वर्ग फीट है।

> र्गा० पी० खंडेलबार न्यान प्राप्ति प्रणे महायक जायकर अगुबद (गिरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

**दिनांक**: 5-2-19**8**6

हुमहिर:

प्रस्प बार्ष , टो. पन्. पव.. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरका

भाषांत्रम्, सञ्चयक कायकर नाय्कत (निरुक्तिण)

धर्जन रेज-2, शहमवाबाद श्रहमदाबाद, दिनाव 5 फरपर्र, 1986

निर्देश मं० पो० श्राप्त नं० 4392,2/85-86---श्रतः मुझे, पी० डी० खडेलवाल

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसमें इसमें ध्रमां ध्रमां प्रचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव टोवर्पीव एसव नंव 8, रींग भीत सूर में विकास है। तथा जो सूरा में हिस्सा है। तथा जो सूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूर्ण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूर्ण में प्रीर पूर्ण का के विभाग है), रिविस्ट्री इर्ता प्रविकारों के कार्यालय, फोर्म 37-प्रिकार्म की के प्रविकार के रिविस्ट्री एएंग प्रविकास, 1908 (1908 का 16) के प्रवित, तार्याख 10 मई, 1985

का पूर्वों कत संपत्ति के जीवत बाबार मूस्य ते कम के स्थमाम् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे बस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीव अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्निलित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बासिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अध्यारण संहृत् किसी नाम की वान्स, उनद मी प्रतिवाद के नधीन कर दोने को लंकरक को वास्थित में कनी करने वा सकते वचने में कुत्रका के सिए; शौर/या
- (क) ए'सी किसी बाब वा किसी थव वा बन्ध आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कनकर अधिनियम, या कनकर अधिनियम, या कनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्याजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा दा किया जाता भाहिए था, छिपाने में स्थिश वो जिल्हा

शतः अतः, उक्त विधिनियम की भारा 269-न से बनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) ≾ अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, वर्णीय क्र——

- 2 दं पुरा टेक्सटाईल मारकेट को०-आ० **गो**ष्स एण्ड वेपहासंतम सामाध्यद्या त्व० सींग सोड, सूप्यात (श्रन्तरक)
- 2. श्रं: मोननाथ होटेनाम नंदद्यानी 25, कोटयायनगर सोसामटो अन्होर रोड़, सुरता

(अन्५िखी )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विभ कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाहरे हैं---

- (क) इस सूचना के रायपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्त्वंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सर्वीध, को भी सबीप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वत्यः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंचे।

रूथकोकरण :—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के कञ्चाय 20-क में परिभाषिष हैं, यही कर्य होगा जो उस अध्यास में दिया स्वा हैं।

असमुची

े श्राफिम जो सूरा में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह भार्यालय में दिनांक 10-5-55 को पेण दिया गया । 185 वर्ग फोट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पंकि डी० **खंडेसवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर आयुक्त (*िरीक्ष*ण) प्रजित रोज-2, धहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

प्रक्ष बार्च ्टी ्र एत ्र एस . -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीकन)

श्चर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवर्र, 1986

निर्देग सं० पी० पार० नं० 4393/2/85-86--श्रतः मुझें, पी० क्री० खंडेलदाल

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० टी०पी० एस० नं० ८, रींग रोड़, सूरत में बामे हुए या बाले जा रहे आफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (ऑस इसने) उपाबड़ धनमूर्वी में ऑस पूर्ण रूप में विणय है), रिजिस्ट्रैं बर्ग अधिवारी के बार्यालय फोर्म 37-ईई-अह्मदाबाद में रिजिस्ट्रें देरण धिविदाम, 1908 (1903 का 16) के अधित तारीक 10 मई, 1905

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से कांधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त मंतरण लिखित में वास्तिबक रूप में किश्त नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण सं क्ष्मुं किसी जाय की बाबत, उक्क जिथानियम के विभीन कर दोने के अन्तरक, के बाबित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (भा) ऐसी किसी साम या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिहार, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुनिदा के सिए।

करा अथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरका का, में सक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- दी सूरा: टबमटाईल भावीट को०-ओ० बोष्म एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० रीग रोड़, सूरता। (अन्तरक)
- 2 श्री सक्षाराम आहेलसम सारग और श्रन्य एम०-3233, सूरत टेक्सटाईल मार्केट रींग रोड़, सूरत-21

(अन्तरिती)

की बह स्वना धारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्वत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कीई भी जालप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यविक्षयों उत्तर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जों भंश अविधि वाद में समाप्त होती हो, के मौतर पूर्वीकेट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश है
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दक्ष किसी मन्य व्यक्ति वृद्धारा अभोहस्तासारी के पाठ संभित्त में किए जा सकीं थे।

स्वच्यक्तिरण: - इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक जिनियम के प्रध्याय 20-क मा परिकारिक है बही कर्य होगा, आं उस अध्याय में दिल, नया है ।

क्य प्रची

आफिस जो सूरत में स्थित है ,37-ईई दा फार्म यह कार्यालय में दिनार 10-5-85 को पेण दिया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खडेलवाल नक्षम आधिवारी महायक प्रायकर आगुक्त (निर्र क्षण) श्रुजैन रेज-2, शहमदाबाद

तारीख: 5-2-198**6** 

महिर:

क्रस्य बाह्र .टी.एम. १४ . ....

बामकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की अभीन स्चना

#### नारत सरकार

कार्यालय, शहायक आयकार बाब्बत (निराक्ति)

गर्जन रोज-2, पक्षमदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 5 पण्डयी 1986

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4399/2/85-86- —श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलघाल

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हु<sup>2</sup>), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विस्का जिल्हा बाजार मृल्य 1 00,000/- का से अधिक है

और जिसकी संव टीवपीव एसवनंव 8, रींग रोड़, सूरत में बताये हुए या बततें जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है। तथा जी सुरत में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधवारी के आर्यालय, फोर्म 37-ईई-प्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत, तारीख 10 मई 1985

को प्रॉक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्ति का उपित बाबार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्तिविधित उद्वेश्य से उस्त बन्तर्भ निस्ति में वास्तविक रूप से किया प्रा है किया प्रा है किया

- (क) अन्तरण से हुन्दे किसी बाय की बाबत करन ऑधनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने वा सकते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था वा किया याना चाहिए का किया में बुविधत के विदेश

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- र्दा सूरत टेक्सटाईल भार्केट को०-ओ० शोष्स एण्ड वेरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड़, सूरता। (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रावन कुमार चमनलाल के/अो० मेसर्स राज कुमार सील्क मील्स सुरत टेक्सटाईल मारकीट के सामने रींग रोड़, सूरत-2। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्चन के सिक् कार्यवाहिया करू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आहोप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब अ 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जबधि, वो औ जबधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपश में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ध
  किसी जन्म व्यक्ति व्वारा वभोहस्ताक्षरी के पाक
  लिखित में किए जा मकीए।

स्थाध्वीक्षरण:---इसभा अगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मां परिभाषित हीं, शही वर्ष होंगा को उस अध्यास मी दिया गया है।

#### धनुसूची

श्राफिस जी सूरत में स्थित है ,37 ईई का फाम यह कार्यालय में दिनांक 10-5-35 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फाट है।

> र्पा० डी० खंडेलबाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्रक्प बाइ. टी. एन. एस.

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यासय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रोज-2, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनोंस 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4395/2/85-86---श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलघाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक है

अंति जिसकी सं टी पिं एस नं 8, रीग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाचन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है) रिजिस्ट्री अर्ती अधिकारी के कायित्य फार्म 37-ईई/अहमदाबाद में रिजिस्ट्री बरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधील कार्याण 10 मई 1985

को पूर्वाक्त सम्परित के जीचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तुष्ठ प्रतिशक्त से बाधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि बिह्म से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की गवत, उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

बरू अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निस्तिधित, व्यक्तियों, अर्थात् र—

- दी सूरत देवसटाईल गार्कीट को०-ओ० शोष्स एण्ड वेब्ह्यास सोसायटी लि० रींग रोड़ सुरत। (अन्तरक)
- 2. श्री श्रीतारातणा गोठारी केनुओ० श्रामोश टेक्सटाईल एक -1040, सूरत टेक्सटाईल मार्केट शींग रोड़् सूरत-21

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई वाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में से किए हा सकोंगे।

स्पथ्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्स्ची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म मह कार्यालय में दिलांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> गी० डी० संदेलियाल सक्षम श्राधिकारी सहायक श्राधकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2 श्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1986

मीहर:

प्रस्य बाहै. टी. एन. एस. ---

नामकर मिनियण. 1961 (1961 का 43) की पररा 269-म (1) के समीत स्थल

#### भारत सरकार

## कार्यक्रव, सहायक आर्यपर आकृतः (निरिक्रिय) अर्जन रेज-2, अस्मदाबाद

श्रह्भदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986 निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 4396/2/85-86---- श्रतः मझे पी० डी० खंडेनवान,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाग करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंद जिसकी संव टींव पींव एसवनंव 8, तींग रोड़, सूक्त में बनाये हुए दा बनते जा रहे धाफिसी में हिस्सा है। तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसरे) उपाबद्ध अनुसूर्व में ऑर पूर्ण रूप ने घणित हैं), रिमर्जुलाई धिष्टवारी के बार्यालय, फीमें 37-ईई-अहमदाबाद में रिजर्स्ट्रीकरण अधिविधम, 1908 (1908 का 16) के धर्मत, नारीख 10 मई 1935

कां पूलाकत संस्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम की दश्यमान प्रतिकार के लिए जनतारक की नहीं हैं। अप श्रीम यह निवंशास का कारण हैं कि यंचापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल से पंत्रह प्रतिकास से विवक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रतिकाल का, निम्नितिश्चित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्तित में वस्तिवाक रूप से अधित नहीं किया पंत्र हैं हैं

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वावित्य में कमी कड़कें या उसने वचने में बृत्विधा के सिद्ध; बौजु/का
- (का) लेखी किसी आयं या किसी वन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 1922 कर 11) या उन्तर अधिनियम, बा जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जं प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में इंजिशा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधिः निम्मीलिकित व्यक्तियों प्रवित्त क्रमाल

- 1 दी सूरा टेक्पटाईन मार्केट को०-ओ० योग्स एण्ड वेरहामीस सीसायटी लि० रींग रोड, सूरत। (अन्तरक)
- मेसर्स भुरदर्शन फेब्रिक्स फ्स्ट फ्लोंर, श्री गनेण प्रमाद भवा 5/845 महीधरपुरा गोपी कोठी सूरल-

(अन्तर्रास्ती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकायन की तारीं है के 45 विन की मनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ट्रभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

रचक्कीकरणः---इसमं प्रयुक्त शब्दों कीर पदीं का, या उसके अधिनिवस, के सभ्यात 20-क वें परिभाषिक ही, बढ़ी अर्थ होगा को उस सम्बद्ध में डिया चना है।

## अनुसूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37 ईंड का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथका 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलदाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (तिरीक्षण) भ्रजनरोज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

## व्यक्त बार्ड .टी . एन . एस . ------

## नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० घार० नं० 4397/3/85-86—-- घ्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलचाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्याम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव टीव पीव एसव नव 8, रींग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिम्मा है। तथा जो नुत में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रन्युची में और पूर्ण का ये विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के वार्यालय में, फोर्म-37-ईई/श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीवरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 10 मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अहः अवः. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- 1. दं सूरत टेप्सटाधी भार्तीट को०-ओ० कोण्म एण्ड बेण्डामंस सोमार्टः लि० रीग लेड, सूलाः (अलारका)
- 2 मेमर्स भाव लहेरीलाल धी.हालाल एण्ड कपनी। डक्ट्य-2214, भुरत टेक्सटाईल भावेट, शीग गोड, मुख्य-21

(श्रन्तरित()

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्याप में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याण में दिशा गया है।

#### अमुस्ची

शाफिम जो सूरत में स्थित हैं। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट धशका 166 वर्ग फीट है।

> पीठ ई ठ छोड्लदाल संक्ष्म प्राधिद्यसी महायक कालकर (किमेक्स्ल) श्रजीन रोज-2, श्रहमताबाद

तारीख: 5-2-1986

## प्रकृप नाइ. दी. एन. एप . -----

अप्रकार अभिनियम, 1961 (1961 आर 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

y fighter of the present teneral re-

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरीं, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार्० नं० 4398/2/85-36~∽श्रतः मक्षे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ं और जिसकी संव टीविपीट एसव नेव 8, रींग रोड, सूरत में बनाये इए या बनत जा उन्ने आफि सों में हिसा है। तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्ण किया में विणत है), रिजिस्ट्रीलिती शिक्षकारी के कार्यालय, फोर्म-37-ईडी हिस्सानाद में रिजिस्ट्रीविरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) कि सर्वान, तारीख 10 सई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्ति रहे की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का तगरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिद्वत से अधिक हैं बीर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरिएयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचत उद्वेश्य से उक्त अस्तरण निचित्त में वास्त्रविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण स हुन्हें जिस्सी बाय की बायत, **ध्यस** अधिनियम के अधीन कर दोने के शम्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बार/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी भग मा अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आय-नंद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, बा भगकर अधिनियम, बा भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया बाना बाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- दं ० जुला टेक्सटाईल सार्केट की०-ओ० झोप्स एण्ड वेरहासंत्म सीसायटी लि० शींग शेड़, सूरता। (धन्तरक)
- 2. घेसर्थ सानु सिल्का मिल्म के/3242, सूरक टेक्सटाईल भाकेंट रीग रोड़, सूरत-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के कर्चन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति को नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, वो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितामों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य स्थिति क्वारा जभोहस्ताक्षरी के पात सिस्तिन में किए का सकेंगे।

स्पष्किरण:--वसमें प्रयुक्त सन्दों और पदाँ का, वो जनत अधिनियमः के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नदा है।

## अनुसूची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिशांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग कीट श्रथमा 166 वर्ग कीट है।

> पीट कोट खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार आयका (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, श्रह्मदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

आयम अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## काम गम, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज-3, श्रहसदाबाद

श्रहमदाबाद, दि तंक 5 फालरी, 1986

িটুস দাঁ০ গাঁ০ গাঁহ০ নাঁ০ 4399/2/85-86---স্থন: মুন্ত্রী, গাঁ০ ছাঁ০ ফাইলাাস,

आयकर अिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवचात 'उक्त अधिविष्म' कहा गण ही, का धारा 260 के लीत मध्यम प्रिथारिको, कहे कि विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,00 /- रह. से अधिक है

- ें और जिसके संव टीव पीव एसव नंव 8, तींप रोड,सूरत में बाग्ये बाए 3 बाते जा रहेपाफिनों में किसा है। एथा जो लुका में सिए 3 हैं (शीर उसते जामबाद धानपूर्वा में और पूर्ण का ते प्रति हैं), प्रतिस्ट्रीयार्ग धिन्यारी है स्वार्णीयाय, फोर्म 37-दिने पहल जाद में प्रतिस्ट्रीयाण ग्रहिनिया, 1908 (1908 हो 16) के धादी, नारीस्त 10 मई 1985
- को पर्वोक्त : प्रांति को उष्टित काजार मन्य से कम के क्याक्षान प्रतिकत को ना अप्तरित की गई है और प्रते पत्र विकास करने का का ग है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पत्य, उसके क्याक्षान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत का नव्ह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकत नि तिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——
  - (क) न्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-ियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में स्मी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; उर/या
  - (का) र सी किसी आय या किसी धन या अस्य सास्मिमें हैं, जिन्हों भारतीय आयकर व्यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भा-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया क या किया जाना चाहिए था, हिम्पाने में सविधा है सिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर किनियम व्यक्तियों, अर्थात् किनियम किनियम

- र्वा० सूल टेक्स्टाईल मार्केट को०-ओ० ग्रोप्स एण्ड वेच्हास्तस मोसार्का लि० रींग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. मेमर्स धोता इन्द्रप्राहर्साज शोप नं० 11, ग्राउण्ड फ्लोर, वीणट अपार्टमेंट श्राथपमिट सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## डक्त संपर्ति के लर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर मुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशभ की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-षद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टीकरणः—इसमें प्रयक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अभ्यास २०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिसा गरा है।

#### धनु सुची

श्राफिम जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यांच्य में दिलांक 10-5-85 को पेश विदा गया है। साईज 185 दर्ग फीट अथवा 166 दर्ग फीट है।

> (पी० डी० खंडेलघास) सक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रुजेन रेज-2, पहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

यक्ष आहे. टी एवं, एस ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकाड

कक्ष्मंलय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरवरी, 1986

निर्देग सं० पी० ग्रार० नं० 4400/2/85-86— श्रतः मुसै, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थापर 'सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1 00.000/- रा. में अधिक है

धौर जिल्ली संव टीव पीव एपव नंव 8, रींग रोड, सूरत में बनामें हुए या बाते जा रहे श्राफिसों में हिएना है। तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विभाग है), रिस्ट्रीएर्सी श्रीधनारी के नार्यालय, फार्स- 37-ईई-प्राप सवार में रिस्ट्रीफरण श्रीधनियम, 1908 (1903 जा 18) के अर्थान, तारीख 10 मई 1985

च त्विक स्पालि के तिवत बाजार मृत्य से कम के रहपमान िरिक्त के जिल अन्तरित की गई और मुक्ते यह जिस्त्राम करने का कारण है कि मधापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्पमान प्रतिफल से, एसे इस्पमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत मुद्दी किया गया है:——

- (का अस्मरण में हुई किसी बाय की बायख, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी ब्लंध वा किसी बन या अस्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आय-कर ल्लिनियम, 1922 (1922 का 31) या उक्त अधिनियम, या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती एयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, क्रिपाने में स्थिल्ध के लिए:

लतः व्यवः, उक्तः व्यक्षितियम् कौधारा 269-त कै अनुसरण बौ. मौ. उक्तः व्यक्षितियम कीधारा 269-त की उपधारा (1) कैशभीय, निम्नलिवित व्यक्तिकी के प्रवित्य क्रम्म

- 1. की नुरात टक टारीन सार्केट को०-घो० प्रीप्त ए वेयरहाऊतीम सी तयटी फि०, रिंग शोड, सुरत। (प्रकारक)
- 2. श्रीमती पाणीवीबीन दियोग लाल भाटीया, वी-1134, भुगत टैंक टाईल मार्केट रिंग रोड, सूनत-2। (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्वाहियां करता हूं।

उच्या संगतिन को कार्य के भागा भी कार्या की कार्या ...

- (क) इस स्वना के राजात्र मों प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविधि मां तहमंबंधी त्यक्तियों पर स्वना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों से सामित होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
- (ख) इस मुखना के राजाव में प्रणायन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उवत स्थावर मंपीत में हितबद्ध किसी क्षत्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी के 100 के 100 कि

स्परकोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ द्वारा को उस अध्याद में दिया गया है।

श्राफिल जो सून्त में विवत है। 37-ईई वा फार्म इस कार्यालय में विनौं 10-5-35 को पेश किया गया है। साई ज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> र्पः० डी० खंडेस्**वाल** सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ध**र्जन रेंप-2, **श्रहमदाबाद**

ितारीख: 5-2-1986

प्ररूप अह<sup>र</sup>.टी.एन.एस.------सम्यकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

क्रमां लग, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंच-2, अहमयाबा**द** 

श्रहमदाबाद, दिनौंक 5 फरपरा, 1986

निर्देश सं० पो० ग्रार० नं० 4401/2/85-86—म्प्रतः मुझे, पी० डी० खंडेसवाल

गायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर निको संग्रहील पोल्ए कि नंश्य, रिंग रोड़, धूरत में बनार दुर का बाते ना रही शाकियों में कि ता है। स्था जी मुरा में दिया है (श्रीर इता उतबड़ कानुसूबा में श्रीर पूर्ण इस में बॉकिट हि), जिल्हा की प्रक्रिय के वायिता, फार्म 37-ईई-प्रांस स्वाय में अजिद्दान एवं श्रीविक्स, 1908 (1908 का 16) के श्रवोत, सारोख 10 स्थी, 1905

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान मिल्फल के लिए अन्तिरत की गई है और भूके यह विशास करने का कारण है कि यथा पूर्वावित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान भित्रणल से, एए इस्समन भित्रफल के पन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरित (अहारितयों) के बीच एमं अन्तरण के निए तम पाया गया प्रशिक्त, निम्तिलिख समुद्राह्म से उक्त अन्तरण लिचित यो बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाउदा, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एरेगी फिसी आय मा किसी धन या अन्य लास्तियों करों, जिस्तें भएकीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त र्राधितयम को ग्रास् १८०-म की उपभारा (1) मीं. मीं सबत अधितियम की धारा 260-म की उपभारा (1) हारी: सिक्तिलियत व्यक्तियमें, अवस्थितक

- दो सूरा टेकाटाईन मार्जेट को० स्रो० को०त एण्ड वैयरहार्अीतम सोतायटा लि० राम रोड़, सूरत। (स्रन्तरक)
- शिक्षाह मोतोलाल हमोरलाल जानी श्रीर श्रन्थ के/श्री वेरटर्न िल्क किन्डाकेट पॅ-1092, सूरत टेक टाईल मार्केट रिंग र/इ, सूरत-2। (श्रन्तरिती)

उद्यत सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :— कार्यवाहियां करता है।

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अवधि या तलांबंधी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तानील सं 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त हांती हो, को भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्च 🗗

श्राफित जी सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस रायिका में दिलौंक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नापुक्त (तिरीक्षण) स्रजैत रेंज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोस्र:

प्रारूप आइ.टी.एन.एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4402/2/85-86---श्रतः मुझे, पी डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास वारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव टीवपोवएनवनंव 8, रींग रोड़, सूरत बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिंसा है। तथा में सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ती श्रीध तारों के कार्यालय, फार्म 37-ईई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारोख 10 मई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- दी सुरत टैकाटाईल मार्केट को०-म्रो० विषय एण्ड वियरहाऊिंग सोजायटी लि० रींग रंड, सूरत। (म्रन्तरक)
- 2. श्रीभती गुणील कुमारी नारायणदात जुने हा के० ग्री० तन्त्र सिल्क मिल्ज श्रार०-13105. सूरत टैकनटाईला मार्केट, रींग रोड़, सूरत-2। (अन्तरिती)

को यह स्थान कारी करके पूर्वीक्त सम्मतित के कान के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षा:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिध या तत्सम्बन्धी शिक्तयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अब ध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शितर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ि में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधी स्ताक्षरी के पात किसिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यय में विया गया है।

## अनुसूची

श्राफित जो सूरत में स्थित है। 37-ईई ा फार्य इस कायित्य में दिनीं रु 10-5-85 को नेज किया गार है। पार्रेग 185 वर्ग फोट श्रथवा 166 वर्ग फोट है।

> पी० डी० खंडेवाल सक्षः प्राधि नारी सहायक स्रायकर श्रायुक्तः (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-्र, स्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप वाई. टी. एन. एस.-----

भाषकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जाब 269-प (1) थे अधीन स्वाप

#### शारत सर्कार

कार्या ४, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद श्रह्मदाबाद, रिर्नाफ 5 फरदरी, 1986

निर्देश पं० पी० मार० नं०  $4403_12_185-86$ ---म्रतः मुझे , पी० ी० खंडेलवाल

क्रायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्शक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के जीन सक्ष्म बहिलकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 - रह. से लिखिट है

श्रीर जिनकं संव टीव पीव एसव नंव 8, रीम रोड़, सूरत में बनाये हुए पाबाते जा रहे श्राफिक्षों में हिस्सा है। तथा जो सूरत से सि त है (और इपसे उपाबन प्रमुद्धी में श्रीर पूर्ण रूप से बिंधा है), रिष्ट्रीयती श्राधियारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई-श्रह वाबाद में २िर्द्रीयरण श्राधिनियम, 1908 (1908 के 16) के प्रयोग, तारोख 10 मधी 1985

को प्वेक्ति स्पारित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के िए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का का है कि यथायूबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उस दश्यमान प्रतिष्ठम स, एस दश्यमान प्रतिष्ठम स, एस दश्यमान प्रतिष्ठम स, एस दश्यमान प्रतिष्ठम स, एस दश्यमान प्रतिष्ठम सा पन्द्रह प्रतिशत ह अधिक है अर बन्तरक (अन्तरिका) और अतिरिती (अन्तरितों के बीच एसे बंतरण के निष्ण उप पायण म्या श्रीष्ठक विस्तिचिद्दित उप्तिस्य से उस्त अंतरण निम्ति में सास्तिक सप से किथ्न नहीं किया गया है

- (क) । उद्देश सं क्ष्मुं फिसी बाय की बाब्दा, उसके अ बिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व । कभी करने या उसके दस्ते में सूब्धि। के लिए; । प्रशा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हों सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 हैं 1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अहकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोचनार्थ अंतरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया का मा का किया जाना जाहिए था किया से सुवान के सिए।

अतः श्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, में, स्ता अधिनियम की धारा 269-म की जपभारा (1) के अधीन, ांम्मिसित व्यक्तियों, अभीत् ■—

- 1. दो सुरत टैक टाईस मार्केट की०-खी० की०। एण्ड वेयरहाउदीम सात्रपटा गि० रिग रोड, सूरत। (अन्तरक)
- श्रीमती नाशीली देवी गुलाबक्य अप्रवाल परिट नं० 'बां' फोफथ पलार रमत चेम्बर, बेगगपुरा डानायीड, सूरता

(ग्रन्तिरती)

13139

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के निष् कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई जी आक्षां :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त हाती हा, की भी र प्रकालन क्यों कर्मा मो से निक्ती को उन दनारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भानर तम्म कार्य निष्य में हिस अब्देश किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभांह-ताक्षरी के गांस लिकिन में किया का अकरेंगे।

स्पच्चीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम की अध्याय 20-क में परिभाणित हैं। हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दया गया है ॥

## भ्रनुसूची

म्राफित जो सूरत में न्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में क्रिकेंग 10-5-35 को पेक्ष किया गया है। नाई ज 185 वर्ग फोट म्रथवा 166 वर्ग फोट है।

> ंपी० डी० खंडेलवाल ंसक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-86

प्रारूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

अ.सकर लिविनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-म (1) के बभीन स्थना

#### बाउद व्यक्त

क्षार्थालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, ग्रहमधाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

िर्देश सं० पी० न्नार०  $4404_l 2_l 85-86$ —न्न्नतः, मुझे,पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत जीभीनयम' कहा गया है), की भारा 269-व के समीन उक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्भीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,060/- रु. से अधिक है

श्रीर िं कं स० टंटप ० एस्० नं० 8, रीग रोड़, सुन्त में बनार्ट्र रादार को कि श्रीएसे से हिस्सा है स्था जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से क्षित है) रिक्ट्रियती श्रीधकारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई-श्रह्मयाबाद में रिल्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीकांत, तारीख 10 मई 1885

की पृसक्त सम्मात के अभित बाआर मृन्य स काम क ध्रयमान मीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारन का कारण है कि यभाप्यक्ति सम्मात्त का उचित बाधार मृन्य, उसक दश्यकान प्रतिफल स एसं स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स आधक है और बतरक (अतरकी) और अंतरिती (अतीरित्या) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रति-फल निम्नतिश्वत उध्व स्म सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-भित्र स्प स का थत नहीं किया गमा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिकः, जिम्लीचित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- 1. दो सुरत टेक हिंदिल मार्केट को०-ग्रो० शाप्त एण्ड वेय हाऊ सिंग सो हायटो लि० रींग रोड़, सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. स्वामी राजभारती चाननमल सहानो के स्त्रो० राजकुमार जिल्हा मिल्स सलायतपुरा डोरीयावाड सूरत-21

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

## चक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ हार्रेगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

श्राफिप जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनाँ ह 10-5-85 को पेग किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंन-2, ग्रहमदाबाद

तारीखाः 5-2-1986

प्रकप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के संधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देग सं० पी० धार० 4405, 2, 85-86---- श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रदेशत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २६५-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। फि स्थानर संप्रीत जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव टीव्पीव्एसव नंव 8, रींग रोड़, सूरत में बनाये हुए या बनते पान्हे श्रापिसे में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इनसे उपावद अनुसूर्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीयर्ता श्रियमारी के वार्यालय, फार्म 37-ईई-श्रह्मदाबाद में रिस्ट्रिकरण श्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10 मई, 1985

का प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के क्रवसाय प्रियम के लिए अंतरित की गई है और मूले यह विक्वास करने के कारण है कि यक्षापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (संतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरल के सिए तय पाया गया प्रतिक कस निमालिखित उद्ववेष्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्त-विक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा कालए, आरेर बा
- (स) ऐसी किसी आय ए किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय निष्कर अधिनियम, 1922 (1922 का १९) या उक्त न्दें धनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या, छिपान में कुनियम की जिए;

अत:, जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, भी उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को क्षेत्रीन, निम्नीजियत व्यक्तियों, क्योंत् ध⊷

- 1. दो सूरत टैनपटाईल मार्केट की०-श्री० शाप्त एण्ड वेयरहाऊसिंग सीतायटी लि० रिंग रीड़, सूरत। (श्रास्क)
- 2. मेतर्स शाह वधीचंद सुखलान एण्ड कंपनी पी-1095, सूरत टैंबतटाईल मार्केंट रींगरीड़, सूरत-2।

(अन्तरिती)

को वह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कण्य के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्मन क्षी का ना ति पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त हाती हों, के भूगत पृथित स्थितियों में से किसी व्यक्ति तुन्त्या
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील थें 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर नगर र में जिल्हा सद्ध किसी बन्य व्यक्तित दशात र ए के के पास निक्ति मों किए जो सकेगें।

स्थाकारण :----इसमाँ प्रयक्त शन्दाँ और अपी का. या जलक्ष अधिनियम के अध्यार 2006 माँ परिशाधिक है, वहीं वर्ष होगा. जो दश राजान श्री विमा नमा है।

## মশ্ প্রতী

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्स इस कार्यालय में दिनौंक 10-5-85 को पेस किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पो० डी० खंडेनवाल ाजन सात्रे जारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रुजन रेंज-2, श्रहमशाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहर 🚛

प्ररूप बाइ'. टी. एव. एस.----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजन रेंज-2, म्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनाँक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० 4400/2/85-86---श्रतः, मुझे, पी० डी० खंडेरवाल

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ३69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अपन है कि स्थानर समाचि जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संव टीव्पीव्एसवनंव 8, रींग रोड़, सूरत में बनाये हए या बनते जा नहें स्रापिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित है (क्रीर इससे उपाबढ़ स्रन्स्ची में स्रौर पूर्ण रूप से विज्ञात है), निर्दूबती हिद्यारी वे वार्यादय, फार्म 37-ईई-स्रहमराबाव में निर्दूबरण स्थितियम 1908 (1908 वा 16) वे स्थिन, तार्रख 10 मई, 1985

को पूर्धोक्त.सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के मिए अन्तरित की गर्द और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एरे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिबत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सव वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण कि स्व वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण कि स्व वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण कि स्व वाया में वास्तिक क्यू से काँग्यत नहीं किया यथा है हिन्स

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. दो सूरता टेकाटाईन मार्गेट को०-प्रो शाप्स एण्ड वेयरहार्जीन सोतायटो लि० रिंग राङ्, सूरत। (ग्रन्तरह)
- श्री शंकर लाल हरगोवनदात पटेल 3/1250 इन्दर-पुरा गोलगाड, सूरत।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के ार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 कि की अर्वाध का तत्मम्बन्धी यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्विध, जो भी अत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्ित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अ तहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ॥

## अनुसूची

श्राफित जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनाँ र 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डें⊃ खंडेलवाल सक्षा प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक∵ (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2, ऋहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहर

अध्य शाम है। (४०५४) । १००५ र जन्म प्राप्त पत

# यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउत 269-भ (1) के अधान तुम्बना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 5 पास्त्ररी, 1986

िर्देश सं० पी० श्रार० 4407/2/85-86---श्रतः; मुझे, ति० डी० खंडेलवाल

प्रायक । भिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निश्नास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर िनकी मंठ टोठपीठ एउठ नंठ 9 रींग रोड़, सूरत में बताये पुए या बतते जा रहे श्राफिपी में हिस्सा है तथा जो सूरत के स्थित है (श्रौर इसते जनाबड़ अतुसूनों में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिस्ट्रोकती श्रीधनारी के नार्यालय, फार्म 37-ईई ग्रहमदाबाद में रिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के श्रधीत, तारीख 10 मई 1985

को पूना के सम्पत्ति के उपित नाकार मूल्य से कम के दश्यमान शितफर के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निरमार करने के कारण है कि अभापूर्वीका सर्भ के जा उपित नावार मूल्य, सिके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रांचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बंतिर्ती (बंतिरितियाँ) के बीम के एसे अन्तरण के लिए स्व पामा गर प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनते अन्तरण विश्वित र शस्त्रीक रूप से क्षिस नहीं किया गया है:—

- (') जनारण से हुई किसी बाय की बावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्य मा कमी अद्दर्भ या उत्तरां चन्नमें मा ऋषिभा के सिए: बार/सा
- (१) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धनाजनार्थ अन्तरिती दुवारा अद्भाव नद्भी किया स्था या या किया जाना चारिए अर, िशाने में सुविधा की निर्धा

णतः। नथा, उत्तत अभिनियम की भारा 269-ग की, अनुसर्भ मी, भनत अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) में अधीन निम्नलिखित अभितयों, अर्थात् :——
55—601/86

 दा सूरत टेक्तटाईल भार्केट की०-आ० शान्त एण्ड नेयरहाजांसग सा प्रयटा लि० रींग रोड़ सूरत। (श्रन्तरक)

2. में अर्स संजाराम जनसाथ एच० यू० एफ० 6/1288 महोधरपुरा बुट शेरी, सूरत-3।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके पृथीकत संपरित के वर्षन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वीभ, को खी जनिश बन्द में समाप्त हाती हो, हो भीतर प्रकेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यां सह
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध कि मां बन्य व्यावत द्वारा अधाहरताकरी के बात किए में किए जा सकता।

स्वव्यक्तिरण:-- इसमें प्रयुक्त राज्यों और वर्षों का, जो उन्ति अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अधे हागा जो जस अध्याय में विषा गया है।

# अन्**स्**ची

श्राफित जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेत किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० ४१० खंड लवाल गलम प्राधि नारी सहायक ग्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग्न-2, श्रहमदाबाद

सारीख: 5-2-1986

प्रकप बाह्र . टी. एन एस. -----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4408/2/85-86--ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके पक्कार 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को. यह विस्थास करने का

25,01-ब क अयान सक्रम जी उकार की . यह किस्टाय करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रुट से अधिक है

1.00.000/-रु संबोधक हैं। स्टैंट जिल्ही संक्टिक की सार्वाट

ग्रीर जिनकी सं० टी० पी० एन० नं० ३, रींग रोड़, सूरत में बाये हुए या बाने जा रहे श्राफिसों में हिस्ता है। तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इनसे उलाबद्ध श्रन्सची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीलिती श्रीधितारी के वायित्विय, फार्म 37-ईई-श्रह्मशबाद में रिस्ट्रीलियण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10 मई, 1985

म पढ़ें कर समारित के उचित बाजार मत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अपेर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण में हार्ड किसी काय की बादत. उकत किसीनवास के लगीन कर की के बन्तरक के दायित्व में तारी करने या प्रसमें बचने में सिविधा के लिए: और/या
- (का) प्रेसी किली बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों. जिस्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ का प्रिति है हिनारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, स्थिपाने में सविधा के लिए:

श्वतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- ा. दी सूरत टेक टाईल मार्केट की०-ग्री० शोध्य एण्ड वेयरहाऊिंग सोनायटी लि०, रिंग रोड़, सूरत। (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स एस० पी० ब्रथर्स एस० -3238 सूरत टेक्सटाईल मार्केट रिंग रोड़, सुरत-21

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप -

- (क) इस स्चना के राजपत्र में एकाशन का तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चन को तार्थान सं 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ भी से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस ' अना के राजपत्र में प्रकाणन की नानोक -45 दिन के भीतर प्रांतिक मध्यातन मध्यात में जिला दिः किस। अन्य व्यक्ति द्वारा त्रधात्रस्ताक्षरी के पाक सिक्षित में किए बा सकेंग :

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 2ेक में यथा एरि-भाषित हैं, वहीं अधे होगा, जो उर्ज अध्याव में दिया गया है।

# श्रनुसूची

म्राफित जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट म्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1986

मोहरः

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महाक्ष€ भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंंन-2. श्रष्टमनाबाद

श्रहपदाबार, दिनाँ ह 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पीं० श्रार० नं० 4409/2/85-86---श्रत मुझे, पीं० डीं० खंडेलवाल

शायकार भीभारियम, 1961 11961 का 43) (जिसं इसम इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम शांत्रिकारा का, यह जिल्लास करन का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-राज्य में अधिक है

श्रीर ि की संव टीवपावणाव नंव 8-, रींग रीड़ सूच में बनाये हुए या बाते का पहे शाफियों में दिना है तथा जो सूरत में विधा है (श्रीत इ.स.च पायड अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विधा है). रीके दूरे तो प्रतिसार के कार्याचन, पार्व 37-ईई-अहमदाबाद के शबीन, लारोख 10 मई 1985

को प्योक्त सम्भास्त के जाया अवार भूल्य सं कम क दश्यमान शिक्षण के लिए अवार दे का गई हैं। हीर मूझ पह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्यांकत सपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसक दश्यमान प्रतिभाव सं, एस दश्यमान प्रतिभाव का नन्तर प्रतिभाव सं अन्तरका अरेर बन्तरका अरेर बन्तरका (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बाब एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभाव निम्नोविक्तत उद्दास्य सं उपत अन्तरण निम्नोविक्तत उद्दास्य सं उपत अन्तरण निम्नोविक्तत उद्दास्य सं उपत अन्तरण निम्नोविक्त

- (क) अन्तरण सं हुई किसी सत्य की शक्त उक्त अधि-नियम के अभीन कर दीन के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उनसा अचन में मुख्या क लिए; निय/मा
- (क) एसी किसे आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, फिल्ह भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1,57 (1957 की 27) के प्रयाजनीय अन्तिरिती द्वारा अन्ति नहीं किया गमा या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा क लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अन्सरण में, मं, उक्त आधानयम की धारा 269-थ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नालः का व्यक्तियों. अधीत के~~ 1. वी मुरत टेकाटाईन मार्केट की०-ग्री० शोष्स एण्ड वेरहासीत सोतापटी नि० रींग रोड़ सूरत। (ग्रन्तरक)

2. श्री शाँतीलाल केंगरीमल गाह कवीरपुरा, भश्च। (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कायवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस गुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा क पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्ध्वाक्षरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दी और पदौ का, था उपस अधिनियम, कं अध्याय 20 का मे परिभाषि हैं, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में विस. गया हैं।

# **ग्र**नमूची

श्राफित जो सूरत में स्थित है। 37-ईई फार्म यह कार्यालय में दिनाँ ह 10-5-85 को पेग हिया गया है। साईज 185 वर्ग फोट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदा**बाद**

तारीख: 5-2-1986

त्ररूप काइं.टी. एन, एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### प्राप्टत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंप-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फन्बरी, 1936

निर्देण सं० पी० धार० नं० 4410/2/85 - 86 - - श्रतः मुझे,पी० डी० खंडेलयाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), बी धारा 269-क का अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह भिरवाण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-उ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रींग रोड़, मुरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्ता है तथा जो सुरत में स्थित है (श्रौर इपसे उपाबद्ध श्रानुद्वी में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिल्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्याक्य, फोर्म 37-ईई-श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई 1985

क्षों पृत्रों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारग है कि यथापृत्रों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिकों (अन्तरकों) और अंतरिकों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण शिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथत अधि-निष्य के अधीन कर कोने के अंतरक के दायित्व में कसी अस्त या समसे अधन में सुनिधा के लिए; औद्धारी
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर सिभिनिव्स, 1922 (1922 का 11) या उथत सोभिनियम, या भन-कर सिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भ्राः अव, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) , अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अथित द—

 दो सुरत टेकाडाईन मार्केट को०-श्रो० शोल एण्ड बेरहातीन सो तपटी लि० रींग रोड़, सुरता

nanaka ka wasan kamana maka ka maka

(भ्राः(रक)

 मेसर्स सींगापुरी सील्क मील्क स्लाबतपुरा, बेगम-वाङ्गी, सुरत्व।

(ग्रन्ध*ो*रती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप . -

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्ति में पर सूचना की अमीज से 30 दिन की अविध जो भी अपिप नाः में अमान्त होती हो, के भीतः पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ता कि से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति : हित-बद्ध किनी अन्य व्यक्ति व्वाय अबोहस्तावरी के पास निख्ति में विष्णु आ सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यहाँ अर्थ होता, वो उद्द अध्याय है दिवा न्या हुँ:

# वन्स्ची

श्राफिप जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 10-5-85 को पेंश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी॰ खंडे त्वाल सक्षम प्राक्तिरी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, ग्रहम बाद

तारी**ख:** 5-2-1986

# प्रकृष पार्द ती , एष , एस , -----

শঃমৃক্তৰ কা নৈখন, 1961 (1961 का 43) की খান 269-ল (1) के स्पीत सूपना

#### हारत सरकार

खार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षक)

सर्जेन रोज-2 श्रहमदाबाद श्रहमाबाद, दिनौंक 5 फरवरी, 1986

निर्देण सं पी० ग्रार० नं० 4411/2/85-86----ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडलवाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'रंत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का कारण हैं कि गावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूस्य 1,90,030/- : से अधिक हैं

भौर जिन्ना सं टी०पी०एस० नं 8, रींग रोड़ सुरत में भनाये हुए या ब ने जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में थित । (श्रींग इससे उपाबड़ अनुरूषी में भीर पूर्ण रूप से विणत है , रिक्ट्रीवर्ती अधियारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई-अहमदाबा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रध्यन, तारीख 10 मई 1985

को प्रविक्त सम्पि के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए त्तरित की गईं है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्य गन प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरिर्ध गों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नि तिलिखत उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनि म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती उसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, िन्हें भारतीय आय-कर विभिनियस, 1922 (192) का 11) या उक्त जभिनियस, या भन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं , किया व्या था या किया जाना चाहिए था, किया में सुद्विधा के लिए;

कतः जय उत्र विधिनियम की भारा 269-व की अनुसरण वो, मी, उत्रत अंशिनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) को बभीन, निम्नकि चित्र क्यक्तिवर्गे, वर्णाव्यक्ति

- 1. दी सुरत टेक , ाईल मार्थेट की०-ग्रेश गोल्य एण्ड वेरहासीत सीतायटी लि०, रींग रोड़, सुरत। (ग्रन्तराह)
- 2. श्रीमती शर्गी रामशाराम नंदपानी 3, कोस्यारक नगर नथयुग कालेज के सामने शन्दर रोड़ मुरत। (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए बा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयूक्त गब्दों और पर्यो का, को अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या पंसा हैं।

# अनुसुची

श्राफित जो सुरत में रिथत है। 37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारी**खाः 5-2-198**6

मोहरः

प्ररूप आर्<sup>4</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

ं तिर्देश सं० पो० आए० 4412/1/85/86—अतः मुझे, पी० डी० खेरेसनाम

बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीत कि सी है। पी एस नं 8, िंग रोड़ सुत्त के प्रति है। पा बाते का पहें आफिसों में हिस्सा है एथा जो सूत में लिथा है। (म्रीत द्वा उत्स्व अनुसूची में भ्रांट पूर्व का के बाँका है।), दिल्ही जो अधि तरी के बार्याव्य पार्म 37ईई अहमदाबाद में रजीस्ट्री करण अधिकाम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 10-5-1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि द्रथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिन है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविस्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) दी सूरा डेकाडाईन मालिट की० श्री० शाप्स एण्ड बेय'क्कांजिंग सोवायटी लि० रिंग रोड, सूरत। (अनारक)
- (2) भेसर्स तुत्रसीदास कालियास लीमडा चौक पंचवा शेरी सूरत।

(अन्तरिती)

को यह भूषना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्थाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तिर द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणं: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, कही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

आफित जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यात्रय में दिलांत 10-5-1985 को पेत किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त (फिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनां क: 5-2-1986

प्ररूप बाह .टी.एव एस. ----

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### प्रारत सरकात

कार्गालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनां 5 फरवंरी 1986 चिद्रा तं०पी० आर० नं० 4413/1/85-86--अतः मुझे पी० डी० खंडेवाल

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित दाचार मृत्य 1,50,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जित्रकी सं टीं पीं एतं नं 8, रिंग रोड, सूरत में बताये हुए या बती जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो पुरा में स्थित है (श्रीर इसते उताबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण का निविधा है), रिल्डिजिकी अधितारी के त्रायीत्य फोर्म 3 ईडी अहम सबाद में रजीरद्री रण अधिनियम 1908 (1908 ज 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, फिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराण (1) के बधीन. निम्नालिखित व्यक्तियों. अर्थातः

- (1) दो जुरा टेक्सटाईल मारदेट को० ग्रो० शोष्स एण्ड वेयरहाउसिंग सो गयटी लि० रिंग रोड, सुरा। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स शम्भु सीलक मील्स आर-2321 सुरत टेक्तटाईल मारकेट रिंग रोड, सूरत -2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस रो 45 दिन के भीतर उत्त स्थाप र गर्मात्र मा उत्तबक्क किसी बना च्याति दवारा पाहस्याप्तरी के पाक लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आफिस जो सुरा में स्थित है। 37ईई का फार्म इंस कार्यालय में दिशंह 10~5~1985 को पेग िया गया है। साईज 181 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेवाल सक्षम प्राधि ग्री सहायकश्चिय घर अध्युकः (निरीक्षण) अर्जन रेजिना, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

# प्रकृत कार्यः, द्वीः, एनः, एसः ५०५०-५००००

# आयकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत पडनाड

# कार्यालय, सष्टायक आयकर बायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहम तबाद, दिलोक 5 फरवरी 1986 निदेग सं० की आए० नं० 4414-85-86--अतः मु**र्से** की० खेंडेलनार

कामकर क्रिपित्यम. 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें एक्से प्रकार 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 263-अ के अभीत रक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1.00,000/-रा. से अधिक हैं

म्नीर जिल्की सं० टी० पी एत्रां० नं० 8, रींग रोड, सुरत में बनाये हुए या बनते जा पहे अतिकारों में हिस्सा में ज्या जो पुर्वा ते निर्मा है। (पीर इती उत्तबढ अनुसूची में जोत पूर्व करते व्यक्ति) में प्रतिस्ट्री तो अविज्ञारी के ज्यमित्र फोर्न 37ईड अत्नत्वाद में रिजस्ट्रीजरण अधि-रिज्ञ, 1908 (1908 जा 16) के अवित्र दिनांक 10-5-

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान् श्रीतपः स के लिए अन्तरित की गर्म है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तर्गरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्या श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में श्रास्तिकक क्य से किश्वत नहीं किया गया है है—

- ंशने अन्तरण में हुई किसी आय की वायत, उत्तर जीधी जिम के असीन कर दोने के अन्तरक खे दाजित्य में कभी करने वा उमसे बचने में जुनिभा खे लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन था अभ्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अन्तरितो द्वारा उद्धार नहीं किया भया था या किया जाना भाहिए दा, छिदाने में सुविधा के लिए।

गर काम, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग को बनुसरण हो, मी, उक्त लिधिनियम की धारा 269-ग की उपनादा (1) चै बाधीन, निम्निजिसित व्यक्तित्त्रों हो अर्थीय विकास

- (1) मैसस सूरत टेक..टाईन मार्जिट हो० श्री० बोल्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि० ॉग रोड, सुरत । (श्रनारक)
- (2) नाराचन्द्र तिलोश**च**न्द्र शही 6- 95 श्रीकृष्णक्ल गल्ले मण्डी मुख्य रोड सुरत-3। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में का ें भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन । अनिध, जो भी सत्रिध नाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्स स्मिक्समों में से किसी व्यक्ति ्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20- में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो छ । अध्याय में दिया गया है।

### **अम्**सूची

आफिस जी सूरत में स्थित है। 37ई का फार्म इस कार्याज्य में दिशांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग कीट है।

> पी० जी० खण्डेंलवाल शतम पाधिकारी सहायक आयकर आःा (जिरीकण) अर्जन रेजे 2, अत्मदाबाद

वितांक: 5-2-1986

मोहर

# 

भावकर शाँभनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### नाइत चहुकार

# कार्यासयः, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं०पी० आर०नं० 4415/85-86--अतः मुझें, पी० डी० खंडेसवाल,

षायकर प्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रू. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रीग रोड़, सुरत में बनाये हुए यां बनते हुए आफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के लायस्थिय फीर्म 37ईई अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 18) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् शितस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में हास्तिबक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्दी भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने के मिक्स की सिक्स की सिक्स

- (1) मैं: सूरा टेक्सटाइल मारकेट को० श्रो० शोष्स एण्ड वेरहाउर्सिंग सोभायटी लि० रिंग रोड, सूरत । (अन्सरक)
- (2) श्री क्षराचन्द्र भागचन्द्र गूलयानी ग्रींग अन्य आप-1109 मुक्त टेक्सटाईल माएकेट रिंग कोड, मुख्त -2 (अतन्दिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सन्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाम्रेप :---

- (क) इस सुचना को राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
  - (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील क 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा कथोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळतीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उं विकास के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही कर्भ क्षोंना को जम अध्याय में दिया नगः।

# वन्त्र्या

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. निम्नलिमित क्यिक्तियों, अर्थात् ः— 56—6 GI/86

दिगांक: 5-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

झार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4416—अतः मुझें पी० डी० खंडेलवाल

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चास् 'एक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका जिसका वाजार मूल्य

1, 00,000/- रह. से अधिक ही

श्रौर जिसको सं० टी० पी० एस० नठ० 8, रीग रोड, सूरत में बनाये हुए यां बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरल में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्विक्स संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापविकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनिरिक्तिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निग्नलिक्तिस उद्देश्य से स्वकत अन्तरण निश्वत में वास्तिवक अप से कथित नहीं किया बया है एन

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत. उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) पंसी किसी अप्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिश्रा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ; अर्थात् हि—

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट को० ग्रो० शोप्स एण्ड बरहासीस सोसायटी लि० रिंग रीड, सूरत। (अन्सरक)
- (2) मेसर्स टी० कडीयाला टेक्सटाईल 7/1243 बोट बंगला के पिछे बरीयाली भागोल सूरत -3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्खिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# वनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

. पी० डी० खंडेवाल

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

विगोक: 5-2-19**8**6

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 4417--अतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जवा हैं), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सठ० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफर्सो में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है। (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त यिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अथित :—

- (1) दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट को० भ्रो० भोष्स एण बेरहासस सोसायटी लि० रीग रोड, सूरत। (अन्तरक)
- (2) मेंसर्स झकोरदास छोटालाल 2/158 इस्तपपुरा वाडी मोहल्ला सूरत -2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। माईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आय**ार आँयुक्त (तिरीक्षण)** अर्जन रेंज-1, अहमदाबाह

दिनांक: 5-2-1986

# प्रस्त नाहै : टी., एन., प्रात्मानकारकार

# नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर साम्पत्त (निर्द्रीवान)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिमांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० आए० नं० 4418--अनः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

नस्वकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विभका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० न० 8, रीग रोड, सुरत में बनाये हुए यां बनते का रहे आफिसों में हिस्का है तथा जो मुरत में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिलस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई अहमदाबाद में रिजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पतित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यतान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तह अतिश्व से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्निति उद्योप से उक्त अंतरण निम्नित में बास्यविक क्य से किया नहीं किया गया है :---

- (कां) नंतरण ते हुए किसी नाम की जनत, उक्त विभिनियम की अभीन कार घेने ा अंतरक के बामित्य में ६ थीं कहने ना उसते भवने में सुविधः के किए, जीर/मा
- (क) क्वी किसी बाय या किसी धन या बन्य मास्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर जिनित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवनियम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ बन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था था किया बाना जान्ति या, किया बाना किया विकास की किया विकास की किया किया किया की

अतः अव, उक्त बिधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिबिक व्यक्तियों, अर्थात प्रभान

- (1) दी सुरत टेक्सटाईल मारकेट को० ग्री० शोष्स एण्ड बेक्सरहासीस सोसायटी लि० रींग रोड, सुरत (अन्तरक)
- (2) वाराचन्द चोखाराम टी०-2120 सुरत टेक्सटाईल मारकेट रींग रोड, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया क्षरू करता है।

क्रमाद राम्पास्ट के अर्जन के सम्बन्ध हा गोह भी हालोप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिग्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नी देव कर के किसी अन्य क्यांस दुनारा प्रकार के किसी अन्य क्यांस दुनारा प्रकार के किसी अन्य क्यांस दुनारा प्रकार के किसी क्यांस क्यांस दुनारा प्रकार के किसी क्यांस की किस आ सकोगी।

स्पष्टीक रण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सबा है।

# वन्त्र्य

आफिस जो सुरत में स्थित **है।** 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया **है।** सा**ई**ज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्ररूप **वाह**ै, टी., एव., एव. -------

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ को अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाव अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4419--अतः मुझे पी० डी० खडेलवाल

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं टी पी एस नं 8, रीग रोड, सुरत में बनाये हुए यां बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरा में ज्यित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण का सं विणा है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिलयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, धक्स नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) पुरेशी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया काना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के बिछ;

अतः अस्, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिरिया व्यक्तियों, अर्थात् क्रम्म

- (1) घी सुरत टेक्सटाईल मारकेट को० ग्रो० शोप्स (अन्तरक)
- (2) द्रेडर्स एण्ड मीनर्स लि॰ रीग रोा, सुरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंख्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पन्सूची

आफिस जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्रकल बाह् दुदी । एवं . एवं . ०० ०००० ०००

# नामकार निर्माणन, 1961 (1961 का 49**) की पाछ** 269-8 (1) के समीन श्रृष्टा

#### तारत करकार

# कार्यासय, तहायक वायकर बाय्क्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4420/2/81-86—यतः, मुझें, पी० डी० खडेलवाल,

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्री इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विक्रास करने का नारण हैं कि स्थानर सम्मन्ति विसका जीवत नाजाद नृस्य 1,00,000/- राज्य से जीवक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० पो० एस० नं० 8, रिंग रोड़, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है, तथा जा सुरत में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मं बिणा है) राजेस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यिलिय, फार्म 37-ईई अहमदाबाद में राजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिक्रम के निए बन्तिरिश्त को गई हैं और मुक्ते यह निश्याध करने का कारण हैं कि स्थापुनों तत सम्पत्ति का उचित्त नागार बुक्य, उसके कार्यमान प्रतिक्रम से ऐसे कार्यमान प्रतिक्रम का मन्द्र प्रतिकृत से अभिक हैं और नंतरक (वंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरितियों) के बीच एसे जन्तरण के किए तब बाबा बया ब्रिटिफ्स निन्तिम्बित क्षुक्षक्य से स्वक्त क्ष्यक्य विश्विद्ध के भारतिक एम् से को पर नहीं किया प्रवाद

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाम कः) वावतः, अवद नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्य में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; अ। १८ वः
- (क) एची किसी नाथ का किसी घर था अभ्य नार्वस्ता की, जिन्ही नारकी नामकर अधिनवस्त, 1922 (1922 का 11) मा उन्हों जावित्यस्त, या धर-कुद नामिनवस्त, या धर-कुद नामिनवस्त, 1957 (195) का 27) वे अधिनामिन जन्मदिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या विका वाना चाहिर या, किनाने में प्रतिचा वे विका

जतः अव जनत निधितियमं नहीं भारा 269-ग को अनुस्त्य कों, कीं, उनत निधितियमं नहीं भारा 269-म की उपभारा (1) को अक्षीतः जिल्लानियां व्यक्तियों, अनीत क्ष्मान  दी सूरत टेक्सटाईल मार्कीट को-आप० शोप्स एण्ड बेरहासीस सोक्षायटी लि० रिंग रोइ, सूरत

(अन्तरक)

2. श्री टी० पी० देसाई अम्बा गेटस, सूरत

(अन्तरिती)

का वह बुक्त बारी करके प्यामित संगत्ति के वर्षन के जिए कार्यमाहियां काउता हो।

# क्या सम्परित के सर्वन के बन्नम्ब वो कांद्री की बार्बाव हु---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 हिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालीश से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंकत अधिकता में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस सुचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बच्च किसी जन्म स्थाकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष चिकित मां किए का सक्षेत्र ।

स्वक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पर्वों का, को उन्धं वीधनियम के बध्याय 20-क में परिभाविक ही, यही वर्ष होशा को उस अध्याय में दिया नवा है।

श्रनुसूची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ई ई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ण फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> भी डी॰ खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदावाद

नारीख: 5-2-1986

# अक्षय बार्च सी. एन व्हा . -----

श्रामधार विभिन्नियम, 1961 (1981 का 43) फी शाधा 269-भ (1) **से शामी**न समाना

#### WIND BEAUT

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश स० पी० आर०न० 4421-II/85-86---यनः, मुझें, पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर विविधिष्य , 1961 (1961 का 43) विका क्या क्या का का स्थान का का गया ही, की पारा 269-क के विवीध सक्षय प्राविकारी को यह विकास कार्स का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विकास उपित राजार सुन्य 1,00,000/- राजार सुन्य

श्रीर जिन्नकी संव टीव्पीव्यान नंव 8, रिंग रोड, सुरत में बनाए हुए या बनने या रहे आफिसों में हिस्सा है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसके उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधियारी के कार्यालय, फार्म 37ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 10) के अधीन दिन्नों 10~5-1985

को प्रांपिश तस्त्रीत के उचित वाजार मृत्य ते कम के व्यवसान प्राथक के तिल क्यारिती की पर्द और मुन्ने यह विश्वात कस्त्रे का कार्य है कि य्याम्पॉकड सम्पत्ति का अन्ति वाजार मृत्य, उक्के व्यवसान प्रतिपाध से, एोड व्यवसान प्रतिपास का क्यार्य प्राथक से मिष्ट है कीर व्यवस्थ (क्यार्क) नीर क्यारिती (क्यारिकी) के बीम एके व्यवस्थ के विश् तब नाम गया प्रतिपाध विक्यितिक स्वार्थ में उक्क व्यवस्थ निस्तित में वास्तविक रूप में क्यार नहीं किया गया है है

- (थ) अभारण चे हुन जिसी गांच की दावत , उपसे मीधींगथय के बंदीस कर दोने के क्यान्त के कवितन में खड़ी कारने या प्रश्नमें वसने में हुवितर के शिक्ष बीर/का
- (भ) एकी जिल्ली आम या किसी पन ए अला मिल्लिसो की, जिल्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) की अशंख-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग भाषिए था कियाने में सावधा के किए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भि, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन, निष्मिधिकिय व्यक्ति क्षेत्र क्षेत्र

- (1) पी सूरत टेक्सटाईल मारकेट को० ग्रो० गोप्स एण्ड बेम्हासीय सोयायटी लि० रीग रोड, सुरत (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भाराबाई मोहनदास रामनगर शाहदरे सूरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उपन सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 विन की वर्षीय या संस्थानकी व्यक्तियों पद श्वान की वानीं से 30 विन की व्यक्ति को भी क्वाप माद में अनुसर होती हो, से नीचर प्रवित्त व्यक्तित स्वान वें की किस की स्वान के किस की कार्यों के नीचर प्रवित्त स्वान के विन की कार्यों कार्यों के नीचर प्रवित्त स्वान के विन की कार्यों कार्यों के नीचर प्रवित्त स्वान के विन कार्यों के किस की कार्यों के की कार्यों के किस की कार्यों के की कार्यों की कार्यों के की कार्यों की की कार्यों के कार्यों कार्यों के कार्यों के कार्यों के कार्यों कार्यों के कार्यों कार्यों कार्यों के कार्यों के कार्यों कार्
- (क) इस कुषना के राजपन में प्रकारन को तार्थन हैं
  45 दिन के भीवर समय स्थायर प्रश्रीत में हितककृष
  चित्री सम्य न्यांकर त्याच नकोइस्ताकरों के पास
  सिवित में किए का क्योंने हैं

#### धम संची

अफिस जो सूरम में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनां र 10-5-1985 को पेश किया गया है। साइज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, अहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्रमुप नाह<sup>4</sup>.टी.एव.एन.-----

# बावकर बीभनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुबक्त

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांच 5 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आए० नं० 4422/2/85-86---अत: मुझें, पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-स के अधीन सभए प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00.000/- रु. से बाधिक हैं

मौर जिसकी सं टी० पी० एस० न० 8, रींग रोड, सूरत में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सूरत में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फार्म 37ईई अहमदाबाट में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और क्रिके यह निश्वास करने का कारण है कि सभापजींक्त सम्पत्ति का उचित बाचार कृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्तिलिसत उद्योग से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण से हाथ जिली जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के बन्तरक के धावित्व में कमी करने या उत्तत्ते क्याने में सुविधा दार्थित्व के सिद्द; और/वा
- (क) ए'ती किती बाय या किसी धन वा अस्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-करं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धने-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भतः अव, उपत वीधीनयम की भारा 269-न के अनुसरम पी, भी उपल अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) भ प्रभीन निम्नलिखित, स्पन्तियों, वर्षांच ए--- (1) दी सूरत टेक्सटाईल मारकेट की० ग्रो० गाप्स एण्ड बेयरहाऊसिंस सोसायटी लि० रीग रोड, सुरत। (अन्तर-२)

(2) मे॰ उमा सील्क मील्स रीग रोड, सूरक्ष (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सञ्जाल के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियाँ सूक्त करता हु<sup>\*</sup>ि

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में करेड़ों भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (व) इस सूचर, के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब के 45 रिं। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विधा किसी जन्य व्यक्तिस्ताक्षर के पास जिलास में किए जा सकेंगे

स्वकाष्ट्रिका : इतमें प्रमुक्त सन्धां और पदां का, को उदर:
विधिनियम के बच्चाय 20-के में परिभाषिक हैं वही अर्थ होगा, को उस बच्चाय में दिवा गया है।

# HITTH

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है। 4

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमवाबाद

विनांक: 5-2-1986

प्रस्प आर्थः टी. एन. एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक भायकर जाव्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांह 5 फरवरी 1986 विदेश सं० पी० आप० नं० 4423/2/85--86---अत: मझे पी० डी० खंडेलप्राल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवर्स इसमें इसफे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

र्यार िक्की पंज टीज गंज गुज्ज गंज 3, रिंग रोड, सुर। में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है (प्रांर इसमें उपावत अनुमुची में ग्रोर पूर्ण रूप में बणित है), रिजल्डीकर्ना अधिकारी के बार्यालय फोर्म 37ईई अहमदाबाद में रिजल्डीकरण अधिनियम 1908 (1908 रा 10) के अधीर दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई है और मृश्वें यह निश्वास करने करने का आरण ही कि यथापूर्वों का संपत्ति का अधित बाजार मृत्य, उपके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तथ पाया गवा प्रति-कस निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अंतरण सिचित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया क्या है दन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नामत, उन्धः सिंपिनयस की अधीन कर दोने के अन्तरफ के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा श्रे किए; मौर/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या बन्ब बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिक्स. 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) दी सुरत टेक्सटाईल मार्स्सट को० ग्री० शोष्स एण्ड वेयपहाऊम मोसायटी लि० रिंग रोड, सूरत (अन्तरक)

The second second

(2) श्री विनोद चन्द्र श्तीलाल रिंग रोड, मुरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में काहे भी बाबांप ह---

- (क) इस सूचना के तारपण में प्रकादन की तारीं हैं
  45 विन की जनिंच या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर् सृष्टना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समान्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से सिस्ती व्यक्ति हुवारा;
- (व) इब सूचना के राज्यक में शकावन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताकरी के पाछ किस्तत में सिक्ष का सकति।

त्वरक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त वस्तों और पतों का, को सक्त विभिन्नियम दे कश्याय 20 का में परिशादित है, वही अर्थ होगा, को उस वश्याय में दिया गवा है।

अमृस्ची

आफिय जो सुरत में स्थित है। 37ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाश्राद

दिनांक: 5-2-1986

# शक्य बाहु ही एम एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत बरकार

# कार्यामय, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4424/2/85-86---- यस:, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

क्षायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परपात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एम० नं० 8,रींग रोड, सुरक्ष में बनाये हुए या बनते जा रहे श्राफिसों में हिस्सा है तथा जो सुरत में स्थित है। श्रींग इससे उपाबड़ शनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के नार्यालय फार्म 37ईई श्रहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 ना 16) के श्रधीन दिनाँक 10-5-1985

भा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मृत्य में कम के रूपमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र कालार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकृत से अधिक है और कन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफ ल्लीम्नलिचित उद्वेष्य से उच्द अन्तर्ण विचित्र में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के राज्यह के बाबित्व में अभी करने या उससे बजाने के सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन धनकर अधिनियम, या धन धनकर अधिनियम, विश्व का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वीरा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों. मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) दी सूरत टेक्सटाइल मारकेट को० आ० गोष्स एण्ड बेंग्हासीस सोसायटी लि० रींग रोड, सुरत। (ग्रन्सरक)
- (१) मे॰ दि॰ राजेन्द्र एण्ड कंपनी रींग रोड, सुस्त। (ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के गर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिटनक्ष, किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाए निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त व्यक्तों और पदों का, जो जनत विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में विका गया है।

# मनुस्ची

श्राफिस जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनाँच 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

पी० डी० खंडेलवाल मिल्राम प्राधिकारी सहामक श्रायकार श्रायकार श्रायका (निरीक्षण) श्राजीन रेज-2, अहमदाबाद

दिन्दैक: 5-2-1986

# प्रकल् नार्चः, हर्नः, एकः, एकः,-----

आयक्दर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन क्षणा

# शारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्याक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाक्षाद, दिनौंक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4425/2/85∸86~~ त: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

बावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात चित्रक किमीनयम कहा नया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का जारण हैं कि वभाष्टिंक्स सम्मत्ति का उचित्र वाजार मूल्य 160,000/- रा. ते विभक्त हैं

श्रीर जिसकी सं टी० पी० एस० नं 8, रींग रोड, सुरस में बनाये हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो मूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फोर्म 37ईई श्रह्मदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के जीवत बाजार मून्य से कम के छममान श्रीतफल के लिए शंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिक्षत अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया भया प्रतिफल निम्निलियित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्नित में बास्तियक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तुरण से हुई किसी नाय की शावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर देवें के अन्तरक के व्ययस्थ में अभी करने वा उससे क्यने में सुविधा के चित्र; और या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की बनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मैं अपूरत टेक्सटाईल मारकेट को अो अो कोप्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लि शींग रोड, सूरत। (धन्तरक)
- (2) श्री विपिन चंद्र रत्तीलाल सम्बाकुपाला 4/47 ख्वाला टकेरा सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुजना चारी करने पूर्वोक्त सम्मत्ति के क्यान के क्या कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास निकास में किए या सकेंदे।

स्पद्धीकरण: - इसमें त्युक्त शब्दों की, पदों की, जो इक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

# प्रनुस्ची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनोंक: 5--2--1986

# प्ररूप भार्ड, टी. एन . एस . ------

# शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### जारव ब्रह्माड

# कार्यालय, सहायक वाधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरचरी 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4426/2/85--86---श्रत: मुझे, पी० डीं० खंडेलवाल

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भार 169 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रींग रोड, सूरत में बनाये हुए यां बनते जा रहे श्राफिसों में हिम्सा है तथा जो सूरत में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप से वाणत हैं), रिजर्म्हीक कि श्रिधकारी के कार्यालय फोर्म 37-ईई श्रहमदाबाद में रजीरहीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनीक 10-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिलत माजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के नल्दल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उच्चोच्य से उक्त अन्तर्क विद्या की साम प्रतिफल क्या की साम प्रतिफल कर किए तय

- (क) वन्तरण से शृह किसी बाय की बावबा, उक्त विधितवृद्ध के स्थीत कह दोने में अन्तरक के विधितवृद्ध के कभी करने या सबसे स्थाने में सरिवणा के जिल्हा की/पा
- (प) एंती किची बाव वा किसी वप वा बन्न आफ्तियों को, चिन्हें भारतीय बाव-कर मुचिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर मुचिनियम, बा धन-कर विधिनियम, बा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिएती द्वारा प्रकट नहीं कि वा गया या वा कि वा चाना चाहिए था, कियाने में स्थिता खे लिए;

मतः वष, उपत माँधीनयम का धारा 269-ग के बन्सरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः—

- (1) मैं व्यूरत टेक्सटाईल नारकेट कोव ओव पोष्स एण्ड बेरहासीस सोसायटी लिव, रींग रोड, सूरत। (अन्तरक)
- (2) मैं जिनायक टेक्सटाईन वण्डी फलीया सूरत । (श्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके प्रवेक्त शंपिक के वर्षन के सिक्ष कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनका संगरित को अर्जन को संबंध में कोई भी आसोप हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस की 45 दिन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निश्चित में किए का सक्ष्येषः

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षक्यों और पदों का, की अक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय के दिवा स्कार हों।

## नगृष्यी

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेण किया गया है। माईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डीं० खंडेसचाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

मोहर

त्रक्य बाह<sup>8</sup>. ट. एन. एस. ~ - ---

ध्यस्थर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीन द्याना

#### नारस वरकार

कार्यालय, मक्षयक सारकार धावतस (निरीक्षण)

धर्जन रेज-2, शहमदावाद श्रामदाबाद, दिलोग 5 फल्परी 1986 निदेश में० पी० शार्व नंत 4407/2/85-85---प्रतः मुझे, पीठ डी० खेडेलवान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राणिकारी की, यह पिएकास करने का कारण हो कि स्थावर राष्ट्रीय जिसका विश्वत साक्षर मुख्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी संब टीव पीव एमव नंव ४, रीग रोड, कुल में बताये हुए ता वाले जा रहे पाफिसों में हिस्सा है गथा जो पुरा में धिका है। (ओर इसने उपाबद्ध अनुपूर्वत में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रेबिता शिविदारी के रामित्य फार्म 37ईई धरमदात्राव में रजीस्ट्रीकरण प्रक्रिनियम 1908 ( 1903 का 16) के प्रवीत - कितीक - 10--5--1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उक्तित बाजार मूच्य में अध क वश्यमान बांतफल के लिए जन्तरित की गर्द हैं बांर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मृस्य, उसके रुखमान प्रतिकत थे, एसे व्यथमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से किथिक है और मन्तरक (अन्तरकों) छोर बन्दरिती (अन्तरितियाँ) के **बीच एसे ब**न्तरण **के नि**ए तम नामा नया प्रतिफल, निम्नसिक्षित उद्देवस्य से उस्त अन्तरक निष्यत मो नास्तविक रूप से कविष्य नहीं क्षिया देश हैं :---

- (क) अन्तरण दे हुइ किसी लाग की बाबत उपल बिधिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। वरि/सा
- (स) पोसी किसी काम या फिली पन या अन्य आस्तियों को विम्हें बारतीय जामकर विधिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभनयम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रक्रेभनार्थं बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए चा, क्रियाने में सुविधा वं सिए:

असः धर, उक्त समिनियम की भारा 269-न के अनुसरस में, में, उसल निधनिनम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) दी सुरत टेक्सटाईल नार्कट को० ओ० योग्स एण्ड बेरहासीम मोमापटी लि० रीग रोड, पुरत। (স্বৰ্থক)
  - (2) मैं० दिनास सिल्य गिल्म, वेगमपुरा, सून्ता (घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ भुभ करता हुई।

उक्त सम्मील के बर्जन के सम्मन्ध में कार्द भी आओप :----

- (क) इस सुचना के राज्यमन में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अमीब या तत्राज्यन्त्री व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद्य में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति कोष्टियों के से निवास कार्यावन करा ह
- (भ) इस सूचना के राजमध में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दश किसी बन्य व्यक्ति दुवान जथोराजाता के पास लिभित में बिल का सकता

**माळ्**चित्रम् १५-५१६८ इत्कृत् सन्द्रः । तेत् प्रश्नी अत् । अत् । तत्ति **स्थिति**एम के अध्याय 20 क मी पारप्रशिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा हु ।

# धन्सूची

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10 5-1985 की पेस किया गया है। साईज 185 वर्ग फ्ट अथवा 166 वर्ग फुट है।

> पी० डी० खंडे**ल**वाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनोंक: 5-2-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ब्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के बभीर स्वना

भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक जायकार आयुक्त (निहासक)

अर्जन रेज- ; अहमदाबाद अहमदाबाद,दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश मं० पी० आए० नं० 4428/ /85-86---अनः मझे, पी० डी० खंडेलवाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते के करण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं टी॰पी॰एस॰ नं 7, रिंगरोड, सूरत में वनाए हुए या बनाने जा रहे आफिसों में हिस्सा है तथा जो अहमदाबाद में रिथन है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर में विणिन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फार्म 37-ईई, अमहदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ए। 16) के अधील, दिनांक 10 मई, 1985

करं गूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृन्ने यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक जी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, वा धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकृष्ट नहीं किया क्या था या किया चाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अभ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुहरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) दी सुरत टैक्सटाइल मार्केट को-म्रो० शोप्स एण्ड वेयरहासिज सोसायटी लि० रिंग रोट, सूरत। (अन्तरक)
- (2) मैं० विक्टोरिया सिल्क मिल्स इण्ड॰, रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिक् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्ष होना जो उस अध्याय में दिया गका हैं।

## वन्स्वी

आर्थित जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय दिनां हि। 10-5-85 को पेश किया गया है। साहज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-I, अमहदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्रकृत कार्ड, की एन. एस. ----

वायक्तर प्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### मारत रहेकार

# कार्यालय, सहायक वानकर वायुक्त (निर्दालक)

अर्जन रोज, I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फण्वरी 1986 पी० आर० नं० 4429/, I/85-86---अतः मुझे, पी० षी० खंडेलवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जितकी सं० टी० पी० एस० नं. 8 रिंग रेडि, सूरत में बनाए हुए या बनते जा रहे आफिसों में हिस्सा है (प्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फार्म 37-ईई अड्नशबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-5-1985

कां प्वोकत सम्मित्त के जिसत बाजार म्रूब्स से कम को स्थानाम प्रतिकास के जिए अंदरित की नहीं हुँ और मुझे यह विकास करने का कारण हूँ कि वकापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, तस्त्र स्थाना प्रतिकास से, एसे स्थानान प्रतिकास का पत्यह प्रतिकार में अभिक हूँ और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के बिस् सम्मान बना क्रिताका , निम्मिविचित स्वर्यक्यों से उक्त जन्तरण विचित्र में वास्तिवास स्था से कथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुइ किती आम की वान्य, अन्य अभिनितृत के अभीय कह दोने के बन्दारक के शांतिरण में सभी कहने या उत्से वचने में सृष्धि के जिए; और/व
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिपा के स्मिए।

त्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण र, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निकरिक्षक कार्किसमों, अर्थात् :--- (1) दी सूरत टेक्जटाइल मार्केट की० आप० थाप्य एण्ड एण्ड वेयरहाउतिस मोलायटी नि०, प्रिंग रोड, सूरता

(अन्तर्ह)

(2) श्री बीर भान की रलमल, बेगमपुरा, सूरत । (अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपक्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षान के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (अ) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर एम्प्रीत में हितबब्ध दिसी क्रम स्थावत द्वारा अथाहस्ताक्षणी के पास सिकित में किए वा सकोंगे।

स्थावतीकरण: -- इसमें प्रमुखत तथ्यों और पवी का, जो उचत विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं व्यं होगा जो उस अध्याय में विभा पदा हैं।

### अनुसूची

आफिस को सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल गक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I, अहमदाबाद

दिनां हा: 5-%-1986

وراما مناويس فالمناهد والمناهد والمناهد والمراوي فالسامية والمناهدية

सक्त् बार्'. ही. १म. १६. ....

# आयक्तर नाभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) में स्पीत स्प्ता

सार्थ सरकार

ध्मर्यासय, सञ्चायक नायकर नायुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांः 5 फरवरी 1986 िर्देश सं० पी० आए० नं० 44,30/U/856--8-अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इससे इससे परवात 'जवत अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्सि, विश्वका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/-क. से अधिक है

श्रीर जिनकी संव टीवपीवएगव नंव 8, रिग रोड, सूरत में बनाए हुए या वनते जा पहे आफिसों में हिस्सा (श्रीर इसने उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विण्ति है), रिकस्ट्री-यत्ती अधिकारी के जार्याच्या, फार्म 37-ईई, अमहाबाद में रिजस्ट्री इरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांग 10-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए नंतरित की गई हैं और मृत्रे यह विकास करने का कारण हैं कि स्थापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजर पृत्य, उद्धळे क्ष्यमान प्रतिकल हैं, एवं क्ष्यमान प्रतिकल का पंड्र ब्रह्मित के बिफल हैं बीर असारक (अस्तरका) बीर बन्दरिती अस्तरित को बिफल हैं बीर असारक के लिए तम पाना गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त गीधीनश्रम के जबीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में उसी फरने था उससे अपने तें स्थिता के तिला, और, अ
- (क) श्रेती किसी जाब या किसी धन या जन्म आस्थिको की, विक्तं भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 कि 11) या उपत अधिनियम, 1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ अन्तरिती बुझारा प्रकट सहीं विक्रा रही किया यह या किया जाता धाहिए धर खिलाने में स्विक्र से विक्रा से स्विक्र से विक्रा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपनाम (1) के अधीन निस्तिसिखत व्यक्तियों, अभीत् हु---

- (1) दी भुषा टेकड्टाईन माण्डेट को जाप**्याप्स एण्ड** वेयप्हार्जानक मोलासटी (1० प्रिया **रोड, सू**र्णा। (अन्तरक)
  - (2) श्री वेदप्रशास भीमदयाल रिंग रोड, सून्त । (अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निष्ठ कार्यवाहियां करता हुा।

उन्त संपत्ति के अपंत्र के संबंध में काई नी आआप :- ...

- (क) इस स्थाना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यां पर बुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बद्धी बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी माचित स्वादः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थापर सम्पत्ति में दिगज्यम किसी बन्द व्यक्तिस्य विभागति के पाल निविद्य में किए जा सुके १३

स्वजारिकरणः — इसमें प्रमुक्त काकों जोर पर्यों का, वा अवस्थ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ क्षोगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म यह कायिनय में दिनांक 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फिट है।

> पी० डी० खंडेसवाल सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जल रोज-र्रा, अमहदाबाद

विनांक: 5-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 िदेश सं० पी० आर० नं० 4431/II/85-86—अतः मुझे, पी० डी० खड़ेलवाल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रा. से अधिक हैं

भीर कितकी संव टीव पीव एसव तंव 8, रिंग रोड, सूरत में भाग हुए या अवते का रहे आफिसों में हिस्सा है (भीर इससे पाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय फार्म 37-ईई अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनां 10-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कथमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के मंत्ररक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

- (1) दी सूल टैक्तटाइल मार्केट को-ऑप० **गोप्स** एण्ड वेयप्हार्जान लि० रिंग रोड, सूरत ।
  - (अन्तरक)
  - (2) श्रो गोपौवन्द चुन्नीलाल भाह चार रस्ता, सलसत-पुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जानी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्त सम्पत्ति के अर्जन के तंत्रध हो कोई भी वासीय अन्त

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रपी

आफिस जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिलांक 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

विनां ह: 5-2-1988

the sign of the the

श्रायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक क्रायक्त शिवासिक) अर्जन रेंज-I, शहरावाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँ र 5फावरी, 1986 निदश सं० पी० शार० नं० 4432/ 85-86—शत:

मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रूप से विश्वाक हैं

स्रोर जिसकी संव टीव पीव एसव नंव 8. िंग रोड. सूरत में बनाए हुए या बन ते जा पहे शाफिसों में िस्ना है (फ्राँप इम्से उपाबद शनुरची में फ्राँप पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-वर्ती हाथि गरी के रार्थाव्य फार्म 37-ईई. ग्रह्मताबाद में प्रिंप्स्ट्रीन रण हाथि नियम, 1900 (1908 वर्ष 16) के हाथीन 10-5-1985

को प्रवेक्त संपत्ति के उण्यत बाजार प्रत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मझे यह विश्वास फरने का कारण है कि प्रथापनेंक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रिथ ही बार अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरित (अन्तरकों) के बिच गांचे अन्तरण के लिए तथ गाया गया प्रतिफल निम्निति हो। उददेश्य से उकत अन्तरण निम्नित से बास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण में हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक आई दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुकिधा आई लिए: और/शा
- (क) तोगी किसी कार सा किसी भार मा मास साक्रिकों को, जिस्सें भारतीय अग्र-कर अधिनियम, 1922 (२०० गर १९) से उस्त सीर्धायस स्ट भनकर विधित्यम, 10.57 (10.57 को 27) की प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा उसक् वहीं किसा बजा मा मा किसा कारत वाहिए का विकास है

अतः सबः उकन निर्धानियम की धारा 260-ग के अनम्बन बैं, मैं, उकन निर्धानियम की धारा 260-च की उपधारा (१) में स्थीन जिल्लासिकित स्पादितसें हार्थात क्  दी सूरत टैक्सटाइल मारचेट को-ऋॉप० शाप्स एण्ड वेयरहाउसित सोतायटी लि० रिग रोड, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार फूलचन्द अग्रवाल, संग्रामपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख हैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, हो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त
  व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा नो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्चाफिप जो सूरत में स्थित है। 37-ईई वा फार्म यह वार्यात्रय में दिनाँक 10-5-1985 को पेश िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० सं**डेलबाल** सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायक्ष ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्ररूप आई .टी.एन.एस. ------

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) ऋर्जन रेंड-ा, अमहदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनां ः 5 फःवरी 1986 निर्देश सं० पी० ग्रार० नं०  $4433^{|II|}85-86$ —ग्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिन्नक सं० टी० पी० एस० नं० 8, िंग रोड, सूरत में बनाए हुए या बनने जा रहे श्राफिसों में हिस्ता (श्रीर इ.से उगाबद्ध स्नतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्री-कर्ता स्रिधारी के अर्थात्य फार्म 37 ईई सहन्यवाबाद में रिलेस्ट्रीनरण श्रिधनियम, 1908 (1908 पा 16) के स्रधीन दिनांक: 10-5-85

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) दी पूरत डेन्तडाइन सास्केट को-ऑप० शाप्स एण्ड वेयर- हाउसिस सीताइटी लि० रिंग रोड, सूरत । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० वीनस सिल्यः मिल्स रिंग रोड, सूरत। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिदम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सू ची

न्नाफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई वा फार्म इस वार्याजय में दिनां: 10-5-1985 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिनारी सहायक क्षायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) गर्भन रोज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्रकार बार्ड . टी . पुन . एस . ------

व्यावकर अभिनितम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्मीत ब्र्यन

#### TEST TEST

# कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद, दिनांव 5 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4434/II/85-86—श्राः मृतो, पी० डी० खंडेलवाल

भारतमार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्यों इसके प्रवाद 'उक्द अधिनियम' कहा प्या ही, की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विख्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, विस्का उपितृ वाचार शृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको सं०

(भीर इससे उपाबद्ध भनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय फार्म 37 ईई श्रहमदा-बाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 10-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम से कम सर्थमान प्रतिकाल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से एसे स्हयमान प्रतिकल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण निश्चित में सास्त्रीक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- हुंक) बनाइल वे शुर्व दिवासी भाग की बावत । जनस् श्रीभनिवृत्र के स्थीन कह बाने के नगरहक भी बादित्य में कभी कहते ना उन्हों न्यूने में बुविया में (शृष्) मोड/या
- (व) एसी किसी जान वा किसी थन या जन्म कास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्त अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निक्निसिस्ति व्यक्तिसयों, अर्थात् :---

- (1) दी सुरत टेक्सटाइईल मारकेट को-श्राप० शा पर एण्ड वेयरहाउधिस सोसादटी लि० रिंग रोड सुरहः (अन्तरकः)
- (2) मैं विपुत्त सिल्क मिल्स रिंग रोड सूरत। (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निष्कार्यमाहियां करता हूं ।

जबत सम्बक्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इंड ब्याना के रावधन में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन की बनिध या सत्संत्रंथी कावितमां पर मुखना की सामील से 30 दिन की समिथ, ने भी बनिध नाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रोंक्स कावितमों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 दिन के भीतर उन्कर स्थावर संपत्ति में क्षितबृध किसी अन्य स्थिति इंदारा अधोहस्तासारी के पाक किसी में किए वा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: ----इसमें प्रयुक्त पान्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगृत्यो

श्राफिस जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस कार्याक्षय मैं दिनांक 10-5-85 को पेश विया गया है। साईज 185 वर्ग फीट ग्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेनबास सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 फ्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

मोहर -

प्राक्य बाद . टी . एन . एस . -----

नायकार गीभी नयन, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अभीन मचना

बारह उरकार

# कार्यास्य, सञ्चक बावकर बावकर (दिरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद श्चहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4435/II/85-86—श्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नारकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उनत निधिनियम' कहा पदा हैं), की शास 269-स के नधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि वधापुर्वोक्त संपत्ति का उचित वाचार मृश्य, 1,00,000/~ रा. से निधक है

भौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में भनाए हुए ग्रथवा बनते जा रहे ग्राफिसों में हिस्सा है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीध तरी के दार्यालय, फार्म 37 ईई शहमदाबाद में रिजस्ट्री हरण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीत, दिनांक 10-5-85

की पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से का के क्ष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाबार मूखा, उसके देश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के प्रतिकात से निथक है और जन्तरक (जन्तरका) कीर जन्तरिका (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय पाया गवा मृतिकास, निम्नविधित उद्योकों से स्थल बन्तरण किविद्य की बास्तृतिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- [क] वन्तरूप चे हुए किसी बात की बात्त्व, क्या प्रीम्पित्य के बचीन कर वाने के बन्तरूक के क्षित्व, में कमी अपने ना कवा स्वाने में बुनिया के जिल्ह, बरि/वा
- (क) एंबी किसी बाब वा किसी वन वा बन्न अप्रीरशकों को चिन्हें भारतीय बाब-कर जीविनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीविनियस, वा धर्म-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने वें कृतिया केंकिका

बतः अवः, उक्त आंधनियमं की धारा 269-गं को, अनुसरण बों, भी, इक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) दी सूरत टैकाटाईन मान्केट को-ग्रो० शाप्स एण्ड वेयरहाउसिस सोतायटी लि० रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार फूलचन्द श्रथवाल, संग्रामपुरा, सुरत।

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

' एकप सम्मध्य के भर्षन के सम्बन्ध वो कोर्च भी बाक्षेप प्र---

- (क) इस स्वना के शबपन में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी सद्धि बाद में समाप्त होती हो, के मौतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (च) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध निश्वी अन्य स्थावित व्यारा स्थाहस्ताक्षरी के गस विवित में किस वा सकते ।

स्वकारेकपुत्र :--- व्यक्ते प्रदृष्ण बच्चे वीप्त वर्षों का, को व्यक्त कविनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होता को उद्य वृष्णाय में विका क्या हैं अ

# धपुतुची

न्नाफिस जो सुरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म इस आयितिय में दिनां। 10-5-85 को पेश किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-2-1986

प्रकथ बाह्रे. टी. एन. एव. ------

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

# भारतं सरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीत स्थाय प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- का स अधिक हैं

धौर जितकी सं० टी० पी० एस० नं० 8. रिंग रोड, सूतत में बताए हुए या दलते जा रहे शाफिसों में हिस्ता है (और इसके उताबद्ध त्तृसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्री ति श्रिधकारी के ायलिया फार्म 37ईई, शहरदाबाद में रिनिट्री एण प्रधित्यम, 1908 (1908 ा 16) के श्रिधीन, 10-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मूफे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापृत्रेक्ति सम्पत्ति का उचित बाबार क्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे अवस्पत प्रतिफल का उन्दर्भ (अन्तरका) और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरका (अन्तरका) को अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया प्रवा प्रतिफल, जिम्मिलिशित उद्दारम में उक्त मन्तरण लिखित से बास्त विकास स्था से सास्तरिक रूप में कथित मही किया गया है द्वारा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आहर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या फिसी अन का का का किसा की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) की उकर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ता किया जाना बाहिए था, कियान में मृदिभा के लिए;

कतः अन, उद्देश अधिनियम को थारा 269-ए के अनुकरण में, में, उपत अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1) भी कथीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अथितः—

- (1) दीं सूरक टैंबरटाईल के शाव शार एण्ड वेयर-हाउसिस सोतायटी लिव रिंग रोड, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं॰ दिनेश मिल्स लाल दरवाजा, सुग्त। (अन्तर्गिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए शिष्याहिया श्रुक करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की जबधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिंखित भे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## **अमृस्**ची

शाफिस जो सूरत में स्थित हैं। 37 ईई का फार्म यह बार्यालय में दिनां 10-5-85 को पेश िया गया है। साईग 185 वर्ग फिट अथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिः।री सहासक सायकर फायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रोंजः I, इस्महदाबाद

दिनोद: 5-2-1986

प्ररूप बार्च .टी .एन .एर . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम सूचना

#### शारत सरकार

# कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज-2, ग्रहमदाबाद श्रहपदाबाद, दिनांत 5 फरवरी, 1986 निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 4437/II/85-86—श्रत: मुझे, पी० डी०खंडेलवाल,

श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्री के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विख्वास करने का कारण इंकि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य

.00 000 /- रा. सं अधिक हैं और जिसकी मं० टी० पी० एस० नं० 8, रिंग रोड, सूरत में बताए या बतते जा पहें सिफ में में हिस्सा हैं(श्रीर इससे उपाबद्ध शुनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), रिजस्ट्री ती श्रिधारी के पित्रिय, फार्म 37 ईई में श्रहण्डाबाद में रिजिट्टी पण श्रिधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अपीन दिनां सं 10-5-85

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पदल प्रतिशत से अधिका है और अन्तरक (अन्तरकार्य) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिसित बद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कर से किथत पत्ती किया गया ही किया गया है :---

- (क) अस्तरण में हुई किसी काय की शवत, उपक कथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शियत्व में कमी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी बब वा अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों बारतीय आयक र किसी बब मा अन्य बास्तियाँ (1922 का 11) या लक्त अर्थाभिनियम या भन-कर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षणार पकट नसी किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविशा के सिष्ट;

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भैं. भैं. उक्त अधिनियम की धारा 260-थ की उपधारा (1) भी अधीन, मिध्निसिक व्यक्तियों, अधीत्:--

- (1) दी सूरत टेनाटाइन को०-ग्रा० शाष्त्र एण्ड वेयर-हाउसिस सोजायनटी लि० पिंग रोड सूरत। (शन्तरक)
- (2) मैं० एस० कुनार सिल्ह मिल्स रिंग रोड सूरत। (उन्हारिती)

को यह सूचना बारी व रको पूर्वीक्त सम्पत्ति को कर्जन को निष्टु कार्यनाहिकों करता हुं ह

ठक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध मी न एई भी। लाक्षप :---

- (क) इस सुणना को राजपन में प्रकाशन की तारी को 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी नवि वो में समाप्त होती हो को भीतर पूर्वों कर स्वास्त में समाप्त होती हो को भीतर पूर्वों कर स्वास्त में समाप्त होती हो को भीतर पूर्वों कर स्वास्त स्वास्त के स्वास्त स्वास्त कर स्वास्त स्वास स्व
- (क) इस स्वार क राजपत्र में प्रकाशन का नार्त्ति में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अशाहरूताक्षरी के पास जिल्ला में क्ला, जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह्रौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

# समुमुधी

द्याफिस जो सूरत में स्थित है। 37ईई ा फार्म इस बार्यात्रय में दितां 10-5-85 को पेण िया गया है। साईज 185 वर्ग फीट श्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० डी० खंडल**घाव** सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्र**महदावाद**

विनोव: 5-2-1986

क्षण भार्षः टी. एन. एस.------

बावकार विधितिवय, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के नमीन कुपना

#### MIST WYNES

कार्यातय, सहायक वायकर वायकत (निरीसक) धर्जन रेंज 2 धह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनोक 5 फरवरी, 1986

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका स्वित बाजार मृख्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 8, रिग रोड, सूरत में में जनाए दुए पा जनी ना रहे श्राफिसों में हिस्सां (श्रीर इतसे जनावश्रद्ध यासुनी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिशस्ट्री ति श्रिक्षितारी के कार्याय फार्म 37-ईई श्रहमदा-बाद में रिशस्ट्री रूप श्रिष्टियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टी, 10-5-85

को प्रवित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमाय इतिफल के लिए बंतरित की गई है बीर मुखे यह विश्वास धरने का कारण है कि मणाप्रवेंकत सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुग, उसके सब्यान प्रतिकार है, एवे स्वयमाय प्रतिकार को पंचह प्रतिवात से बीधक है बीर बन्तरक (अन्तरका) बीर बंत-रिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया क्रितफल निम्नलिखित उद्वेदस्य से उक्त अन्तरण सिचित में क्रीनलिख क्य में किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई अिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उबसे वचने में बुविधा के बिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ जंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना शाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

सत: सन, उक्त विधानियम की धारा 269-म की अनुसरक हो, तो, बनत विधानियम की धारा 269-म की प्रशास (1) ही सहीत, तिम्हीनिहत करियाची । वर्षांच केल्ल (1) दी सुरत टेक्पडाइचि मारकेट को-आ० **भाष्स** एण्ड बेयरहाउतिस सोबायटी लि०, रिंग **रोड,** सुरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता के/ग्रा० जे० पी० गुप्ता एण्ड सन्स, रिंग रोड, सूरत। (ग्रन्तरिती)

कर्ते यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्थन के शियु कार्यवाहियां करता हो।

# क्यत बाग्रित के बार्यन के बुव्यत्य में कोई ती बाधोप्य--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंग व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वार;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किती सन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद विकास में किए का सक्क्षे।

स्वच्यां करणः — इसमें प्रयुक्त सन्तां बार पर्वो का, श्री क्यां अधिनियम के अध्याय 20-क में संभा परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस बध्याय हों विद्या गया है।

# धनुसूची

ग्राफिस जो सूरग में स्थित है। 37 ईई वा फार्म इस वार्याजय में दिनांक 10-5-85 को पेण किया गया है। साईज 185 वर्ग फीट भ्रथवा 166 वर्ग फीट है।

> पी० की० खंडेलवास सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण») अर्जन रेंज-2, अहमदाकाह

बिनांक: 5-2-1986

# मुक्य बार्ड ही एन , एस , --=----

बाश्यकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### पारत शहकार

# कार्यासक, महायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-196, बापूजी नगर भुवनेण्वर, दिनांक 27 फरवरी 1986

निर्देश सं० आ० ए० सी०/अर्जन रेंज/85-86/1730-31---यत:, मुझे, आर० सी० सेठी,

श्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खंधे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्नार 1,00,600/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिन्नकी सं० 1649 हैं, तथा जो सम्बलपुर में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय रामबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख 15 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के एवस्तान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूके यह विज्यान करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उजित काजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और जत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक्त रूप से किया गया है ...

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्क अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रस्ट तहीं किया गया था या किया आना बाहिए था, छिपाने में मुविधा से शिष्ण ।

जत: जब उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वे जभीत: निम्न्सिचित व्यक्तिजों, जभीत :----59---6GI/86  श्रीमती देवन्द्र कोर पती श्रो अमरवीर सिंह चाड़ा कुम्बार पड़ी पी० जिला---सम्बलपुर।

(अन्तर हा)

 श्रीयतं शकुन्तना दत्री अग्रवाल नती श्री गोवन्द प्रसाद अग्रतला ढताई पड़ा पो०/जिला—--प्रभवनपुर (उड़ीसा)। (अन्तरिती)

को यह स्थना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनभि, धो भी जनभि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उका विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं क्यें होगा को उस अध्याय में विका पंता हैं।

### अनुसूची

नजुल प्याट नं० 1446/2 (ए) एरिया—ए० सी० ग्रो० ग्रो० एस० डिसमील उत्तर िणा में पाट नं० 1446/2 (पी)—रोड़, दक्षिण में प्लाट नं० 1446/2 (त्री), पूर्व में—प्लाट नं० 1446/2 (पी)—नेन , ग्रीर पश्चिम में प्लाट नं० 1446/2 (पी) साथ में एक प्रकार महाम अवस्थित है । यह सम्बलपुर टाउन के अन्दर है । अहमील पोस्ट/जिला ग्रीर सब-रिजस्ट्रार सम्बलपुर है । थाना नं० 51।

आर० सी० सेठी तथाम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंब-196, पुबनेक्षर

नारीखाः: 27-2-1986

मोहर 🏻

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 24th February 1986

No. Λ-32014/1/85-Admn.III.—In partial modification of this office Notification No. Λ-32014/1/85-Admn.III dated the 31st January, 1986 (he period of ad-hoc appointment of Shri P. Joshi appearing at S. No. 3 would be for 15-1-86 to 19-2-86

2. Shri P. Joshi stands reverted to the post of Assistant w.e.f. 19-2-86 (AN).

M. P. JAIN Under Secretary (Per. Admn.) Union Public Service Commission

## ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT New Delhi-3, the 7th March 1986

No. A-11/3/86.—Smt. G. S. Chandini, Assistant Enforcement Officer in this Directorate is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer in Calicut Sub-zonal Office of this Directorate with effect from 31-1-1986 (Forenoon) and until further order.

L. K. SINGHVI Deputy Director (Admn.)

#### MINISTRY OF PERSONNFI. & TRG.,

The state of the same and the state of the s

# ADMII. REFORMS, PUBLIC GRITVANCES AND PENSION

# (DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi-3, the 11th March 1986

No. A-19021/8/81-AD.V.—The services of Shrimati Kanchan Chaudhary Bhattacharya, IPS (UP-1973) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment FOW Bombay Branch are placed at the disposal of CTS.F. with effect from the forenoon 2-12-85 after availing 49 days E.L. from 14-10-85 to 1-12-85.

#### The 12th March 1986

No. 3/15/86-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. K. Pisolkar as Public Prosecutor in C.B.I. on deputation w.e.f. the forenoon of 20-2-86 and until further orders.

K. CHAKRAVARTHI Dy. Director (Admn.) CBI

# LAI. BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

#### Mussoorie, the 11th March 1986

No. 2/5/85-EST.—Shri V. K. Wakankar, Asstt. Audit Officer, Accountant General (Audit)-I, Madhva Pradesh, Gwalior, has assumed charge of the office Accounts Officer, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie in the forenoon of 17-2-1986.

ANUPAM KULSHRESHTHA Dy. Director

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL. CRPF

New Delhi-110 003, the 7th March 1986

No. D-1-43/84-Fst.I.—The services of Shri B. K. Sahgal. Commandant, 82 Bn CRPF are placed at the disposal of Indian Oil Corporation Ltd.; Mathura Refinery, Mathura on deputation basis with effect from the afternoon of 24th February 1986.

#### The 11th March 1986

No. ().II-477/69-Fstt (CRPF).—Consequent on his retirement from service on superannuation, Shri R. K. Singh,

Second-in-Command, Group Centre, CRPF, Rampur (U.P.), relinquished the charge of his post on the afternoon of 31st December, 1985.

No. O.II-1004/72-Estt(CRPF).—Consequent on his retirement from service on superannuation, Shri H. S. Gidda, Assistant Commandant, 71 Bn. CRPF, relinquished the charge of his post on the afternoon of 28th February, 1986.

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt)

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

#### New Delhi-110003, the 12th March 1986

No. E-16013(2)/26/85-Pers.I.—On appointment on deputation Shri B. T. Naghinglova, IPS (Mah: 74) assumed chare of the post of Commandant, CISF Unit. HFCL, Durgapur with effect from the forenoon of 21st February, 1986.

No. E-31013(1)/4/85-Pers. I—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers as Commandant/Dy. Commandant for a further period from 28-2-1986 to 27-5-1986 or till regular selection is made, which ever is earlier:—

Sl. No.	Name of the Officer	Designation
	S/Shri	
1.	M A Jabbar	Commandant
2.	CR Singh	Commandant
3,	KK Kaul	Commandant
4.	GS Sandhu	Commandant.
5.	RP Dube	
6.	AS Shekhawat	Commandant
7.	SK Tah	Commandant
8.	V. Louis Raj	Commandant
9.	CS Vardaraja	Commandant
10.	SK Arora	Commandant
11.	Ajit Singh	Commandant
12.	CD Kukreti	Commandant
13.	OP Sharma	Commandant
14.	SR Sharma	Commandant
15.	MK Chopra	Commandant
16.	SK Verma	Dy Commandant
17.	RG Thampi	Dy Commandant
18.	KS Ahluwalia	Dy Commandant
19.	PS Nandal	Dy Commandant
20.	LN Mohla	Dy Commandant
21.	SK Chadha	Dy Commandant
22.	PR Bhuttan	Dy Commandant
23.	Sheoraj Singh	Dy Commandant
24.	Bhupinder Singh Rana	Dy Commandant
25.	Ml. Abrol	Dy Commandatt
26.	V. Murleedharan	Dy Commandant
27.	JR Gupt 1	Dy Commandant

#### The 13th March 1986

No. E-32015(4)/1/86-Pers.I.—On transfer on deputation Shri V. V. Mohandas, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF HQrs., New Delhi with effect from the forenoon of 7th March, 1986.

D. M. MISRA Director General/CISF

# MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF REVENUE)

### DIRECTORATE OF PREVENTIVE OPERATIONS, CUS-TOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the March 1986

F. No. 207/6/86-Comps.—On attaining the age of superannuation, Shri Remendia Kumar Deb, Inspecting Officer (Anti-smuggling) in the Directorate of Preventive Operations, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of the 28th February, 1986.

> K. J., VERMA Director Preventive Operations

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

A. Janes Tempere Mark (1997年 Green) 171 Tempere Mark (1977年 1977年 1977年 1987年 1987

New Delhi, the 18th March 1986

No. Admn.I/O.O.No. 410.—The Director of Audit, Cen.ral Revenues-I hereby appoints the undermentioned officiating, Audit Officers of this office in a substantive capacity against permaneut post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-3-1986 :-

- (1) Shri S. M. Puri (2) Shri Rajindei Singh II

(Sd.) Illegible Dy. Director of Audit (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GFNERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 1st March 1986

Swamy, Sri A. Sankaran, Audit Officers Office of A. G. (Audit)-I, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on the A.N. of 28-2-1986.

#### The 12th March 1986

Adm.I/8-132/85-86/209.—The Accountant General No. (Audit)-I, A.P., Hyderabad is pleased to promote the following Assit. Audit Officer to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against him, until further orders :-

Name and Date of assumption of charge

### 1. Sri P. Venkatachelapathy-24-2-1986 F.N.

The promotion ordered above is without prejudice to the claims of his seniors if any and is also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/ Supreme Court. He should exercise the option within one month of his date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F.7, 1/80-Estt.Pt.I, dt. 26-9-81,

(Sd.) ILLEGIBLE Senior Deputy Accountant General Administration

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) J&K

Srinagar, the 27th February 1986

ADMN.I/Audit/109-A.—Shri Shiban Krishen Ambardar, Section Officer presently on deputation to B.S.F. Srinagar has been granted by the Accountant General proforma officiating promotion as Assistant Audit Officer (Group-B Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 26-2-1986 (F.N.).

His inter-se seniority will be fixed separately.

It is certified that the conditions laid down under next below rule are satisfied.

The promotee shall exercise option under para 2 of the Govt. of India, Min. of Home Affairs OM No. F.7/1, 80-Estt. P.I., dated 26-9-1981 within one month from the date of promotion either to have his pay fixed in the scale of Rs. 650-1040 under FR 22-C straightway without any further review on accrual of increment in the pay scale of Rs. 500-900 or have it fixed initially under I/R 22(a)(i) which may be refixed under FR 22-C on the date of the accrual of next increment in the scale of Rs. 500-900.

No. Admn. I/Audit/110-A--The Accountant General has been pleased to promote the following Section Officers as Asstt. Audit Officer (Group B Gazetted) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 26-2-1986 (FN) :-

SI. No.	Name	Date of birth
<del></del>	<del></del>	<del></del>
1.	Shiban Krishon Kaul	20-5-1950
2.	Hari Krishan Ganjoo	27-1-1942
3.	Makhan Lal Kuchroo	15-12-1938
4.	Tribuwan Krishon Teng	26-7-1945

Their inter-se-seniority will be determined separately.

The promotees can exercise option within one month of the date of promotion in terms of Govt. of India Min. of Home Affairs Deptt, of Personnel & Administrative Reforms O No. F 7(1)/80-Estt. P. I. dated 26-9-1981 either to have their pay fixed in the scale of Rs. 650-1040 under I-R 22-C straightway or have it intially fixed under FR 22(a)(i) which may be refixed under FR 22-C on the date of accrual of the next increment in the scale of Rs. 500-900,

> BALVINDER SINGH Dy. Accountant General (Admn)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) II MADHYA PRADESH

Gwalior, the 7th March 1986

No. OEA-VII, 2913.—Shri V. K. Vuidyanathan, D.A.G. in the Office of the A.G. (A&E) II, M.P. shall retire from Central Govt, service on 10th March 1986 afternoon voluntarily,

(Authority:—C&AG's Endt. No. 772-GE.I/V.51/PF dated 10-2-1986),

> 3d/- ILLEGIBLE Dy. Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNT GENERAL I (A & E) UTTAR PRADESH

Allahabad, the 24th February 1986

No. Admn-I/II 144/Notification/5226--The Principal Accountant General, U.P., Allahabad has appointed the following section officers to officiate as Accounts Officers in this office untill further orders, in the pay scale of Rs. 840-40-1000 23 40-1200 with effect from the dates noted against each :-

#### S/Shri

,	
1. Tribhuwan Lal Srivastava	31-1-1986 F.N.
2. Gurbachan Pal Singh	31-1-1986 ,,
<ol><li>Anand Prakash Dubey</li></ol>	31-1-1986 ,,
4. Girdhar Gopal Aga;wal	31-1-199, ,,
5. Anjan Rumar Aich	5-2-1985 A.N.
6. Harihar Prasad	3-2-1986 F.N.
7. Shree Nath Dubey	31-1-1986 F.N.
8. Bhang Prakash Srivastava	31-1-1986 ,,
9, Suraj Prakash	31-1-1986 ,,
10. Badri Prasad Shukla	31-1-1986 "

11.	Chandra Kant Narayan Gune	31-1-1986 F.N
12.	Paras Nath Srivastava	31-1-1986 "
13.	Nasim Ahmed Khan	31-1-1986 "
1 <b>4</b> .	Yashwant Rao	3J-1-1986 "
15.	Ghanshyam Saxena	31-1-1986 ,
16.	Daya Shankar Pandey	31-1-1986 ,,
17.	Jagdish Narain Pandey	31-1-1986 "
18.	C. P. Srivastava	31-1-1986 ,,
19.	Prabir Chatterjee	31-1-1986 A.N.
20.	Vishnu Narayan Singh	31-1-1986 F.N.
21.	Uma Shankor Srivastava	31-1-1986 F.N.
22.	Shyamji Das Kapoor	3-2-1986 F.N.
23.	J. K. Srivastava	19-2-1986 A.N.
24.	H. D. Kapoor	19-2-1986 A.N.

#### The 11th March 1986

No. Admn.I/11-144/Notfn./5377.—The Principal Accountant General, U.P., Allahabad has appointed the following Section officer to officiate as Accounts Officer in this office until further order, in the pay scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from the date noted against his name:—

1. Shri Jagdish Prasad Rastogi-28-2-1986 F.N.

MINAKSHI CHAK Dy, Accountant General (Admn.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

# INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 12th March 1986

No. 16/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri L. K. Busu, Offg. Asstt, Director (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 28th February 1986/AN.

M. A. ALAHAN Jt. Director/G

# MINISTRY OF COMMERCE DEPARTMENT OF SUPPLY

OPEN MANY VICTOR CONTROL SAMPLES APPROXIMATE TAXABLE

#### NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 10th March 1986

No. G-318/A.—The Head of the Department, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri B. L. Roy Chowdhury, Stenographer Grade-I, National Test House, Alipore, Calcutta as Personal Assistant to D.G., National Test House, Alipore, Calcutta with effect from 6-3-1986 (F/N) until further order.

J. M. BHATTACHARJEF
Dy. Director (Admn.)
for Director General
National Test House

#### MINISTRY OF TEXTILES

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 12th March 1986

No. 2(35) /EST.1/86/1106.—Smt. A. S. Killekar, Assistant Director Grade-I (N.T.) Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service on superannuation from the afternoon of 31-1-1986 (AN).

No. FST-1/37(2)/A/86/1109.—The President of India is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 14th January 1986 and until further orders, Shri A. J. Jassal, as Director (P&D) on regular basis in the Office of the Textile Commissioner.

ARUN KUMAR Textile Commissioner

#### DEPARTMENT OF SUPPLY

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 3rd March 1986

No. A-1/1(684).—Shri M. C. Upreti, Deputy Director of Supplies in the office of Directorate of Supplies & Disposals Calcutta has been relieved of his duty with effect from the afternoon of the 14th Feb. 1986 to take up his new assignment as Deputy Secretary in the Department of Non-Conventional Energy Sources on Central deputation basis.

V. SAKHRIE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

#### (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 27th February 1986

No. A-17011/308/86-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Samir Kumar Chakraborty, Examiner of Store (Tex) and officiating Junior Field Officer in the Office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Textiles) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi from the forenoon of 30th January, 1986 and until further orders.

No. A-17011/309/86/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Manas Kumar Das, Examiner of Store (Engineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the office of Dy. Director of Inspection, Hyderabad under the Bangalore Inspection Circle from the forenoon of 16th January, 1986 and until further orders.

#### The 28th February 1986

No. A-6/247(491). -Shri P. Chatterjee, permanent Assistant Inspecting Officer (Met) in the office of the Director of Inspection, Kanpur has compulsorily retired from service with effect from 12th February-1986.

R. P. SHAHI

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi-110 001, the 27th February 1986

No. A-17011/102/76/A-6.—Shri R. C. Verma, Permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi has retired from service on the afternoon of 31st January, 1986 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

# MINISTRY OF STFFL AND MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 13th March 1986

No. E1-2(1) /85(.).—The undersigned hereby appoints Shri B. N. Mondal, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office w.e.f. 11-3-1986 (FN) on temporary basis, against leave vacancy of Shri C. R. Mondal, Asstt. Iron & Steel Controller.

D. K. GHOSH Iron & Steel Controller

#### Calcutta-20, the 10th March 1986

No. EI-12(70)/85-(.).--On attaining the age of superannuation, Shri S. C. Mukherjee, Assistant Iron & Steel Controller has relinquished charge of the post w.e f. 28-2-1986 (AN).

S. K. SINHA
Dy. Iron & Steel Controller

## (DEPARTMENT OF MINES)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 11th February 1986

No. 1204D/A-19012(1-KV)/85/19A.—Shri K. Viswanathan, Senior Technical Asstt. (Geology), Geological Survey of India has been appointed on promotion as Assistant Geologist by the Director General, GSI in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EE-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th October, 1985, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

#### Calcutta-16, the 10th March 1986

No. 1613B/A-19012 (3-BPD)/83-19B.—Shri Barun Prasad Das, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 31-8-85 (AN).

No. 1621B(A-19011(1-SKW)185-19A.—The President is pleased to appoint Miss Sudha K. Warrier to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 20-1-1986, until further orders.

## The 11th March, 1986

No. 1187-D/A-32013(3-Ch. Sri/84-19B.—The President is pleased to appoint the following Chemist (Junior) GSI on promotion as Chemist (Sr.) in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100 to 1600/- in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

SI. No.	Name	Date of appointment
2.	Shri B, D. Kapoor Shri B. M. Tewari Dr. Jug Raj Singh	30-12-1985 (FN) 30-12-1985 (FN) 30-12-1985 (FN)

No. 1216D/A-19012(1-SRK)/83/19A.—Sini S. R. Kurandwad, Assit. Geologist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Assit. Geologist in the Geological Survey of India on resignation with effect from the afternoon of 25-7-1985.

No. 1635B/A-19011(1-AKS)/19A.—On his permanent absorption in the National Hydroelectric Power Corporation Ltd., Shri A. K. Sood, Geologist (Jr.), has resigned from the service in the Geological Survey of India with effect from 30-10-85 (AN).

No. 1648B/A-19011(1-RKR)/78/19A.—On repatriation after completion of his deputation with the Directorate of Geology & Mining, Government of Nagaland, Shri Ranjit Kr. Roy, Geologist (Junior) has taken over charge of the post of Geologist (Jr.) in Geological Survey of India with effect from 31-12-1985 (AN).

A. KUSHARI Director (Personnel)

## Calcutta-16, the 13th March 1986

No. 1735B/A-19011(1-KK)/85-19A.—Shri K. Krishnanuni, Director (Geology), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Director (Geology) in the GSI on the forenoon of 23rd December, 1985 for joining the post of Scientist Engineer (Selection Grade) in the scale of pay

of Rs. 2000—2500/- in the Department of Space, Government of India on deputation for a period of three years initially on the normal terms and conditions of deputation.

D. P. DHOUNDIAL Sr. Dy. Director General (Oprn.)

# OFFICE OF THE CONTROLLER-GENERAL, PATENTS, DESIGNS AND TRADE MARKS

Bombay-400 020, the 14th November 1985

No. CG/F/14/7(13) (Patents)/85/53.—On attaining the age of superannuation Shri D. C. Ganguly, Examiner of Patents and Designs (Group "A" Gazetted) in the Patent Office, Calcutta has relinquished charge of the post of Examiner of Patents and Designs in the afternoon of the 31st August, 1985.

## The 3rd March 1986

No. CG/F/14/7(13) (Patents)/85.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Sarkar, Deputy Controller of Patents and Designs as Joint Centroller of Patents and Designs (Group "A" Gazetted) in the scale of pay of Rs. 1500—2000 in the Patent Office, Calcutta on ad-hoc basis with effect from 22-7-1985 to 22-1-1986 vice Shri Shanti Kumar proceeded on leave.

R. A. ACHARYA Controller-General, Patents, Designs & Trade Marks

### SURVEY OF INDIA

#### Dehradun the 10th March 1986

No. C-23/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor purely on ad hoc provisional basis are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:

SI. No.	Name		Date of promotion	
1.	Shri N. L. Hasija	basis  Notification G. & R. B.	3-6-85	
		No. C-5837/707 Dohradun dt. 5-7-1978.		
2.	Shri K. S. Nam- dhari	Notification G, & R,B. No. C-5428/ Dehradun 707 dt. 4-11-78	³-6-85	

No. E1-24/724-SOS.—Shti Ahi Bhushan Chaktavorty is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India, in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550-25-750-FB-30-900 with effect from the forenoon of 30-12-1985.

G. C. AGARWAL Major-General Surveyor General of India

## DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi, the 3rd March 1986

No 1(2)/86-S. II - The Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Head Clerks/Accountants/

Sr. Storekeepers to the post of Administrativ regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-745-35-83)-EB-40-960 with effect from the dates shown against each unfurther orders:—

Sl.	Name of the Head	Station where	Date of
No.	Clerk/Accountant/	posted as	appointment
	Sr. Storekceper	Administrative	as
		Officer	Adm inistra-
		on promotion	tive
			Officer
1.	Shr V. S. Sudhars- h na	AIR, Gulbarga	11-2-1986
2.	Shr M. C. Das	AIR, Rajkot	31-1-1986
3.	Shri M. K. Paul	AIR, Panaji	29-1-1986
4.	Shri R. K. Bajpar	HPT, AIR, Aligarh	31-1-1986
5.	Shri S. P. Khanna	AIR, Lucknow	31-1-1986
6.	Shri P. K. Majumdar	AIR Silchar	28-1-1986

2. The above mentioned persons assumed charge as Administrative Officers on the dates mentioned against each under column 4.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Admn
for Director General

## DEPARTMENT OF TELECOMMUNICATIONS OFFICE OF THE GENERAL MANAGER, MAINTENANCE

SOUTHERN TELECOM REGION

Madras-600001, the 24th February 1985

No. GM/Q/315/84-86.—Shri T. C. Kurian, Junior Engineer of Kerala Telecom Circle is dismissed from the services of the Department of Telecommunications by an order of the Departy General Manager, Maintenance, Southern Telecom Region, Madras. The dismissal will come into effect from the date of publication of this notification in the Gazette.

Asstt. General Manager (Admn.) Southern Telecom Region

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING NATIONAL FILM ARCHIVE OF INDIA

PROCESSION OF STREETINGS CARREST CHARACTERS CONTROLLED TO CONTROLLED TO CONTROL TO CARREST CONTROL TO CARREST CONTROL CONTROL

Pune, the 11th December 1985

No. 53/62/85-Estt.—Consequent upon his selection by UPSC, Shri A. J. John, Permanent Lab. Assistant of Films Division, Min. of 1&B. is appointed to the post of Film Preservation Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650—1200 in the National Film Archieve of India, Pune wef 25th November, 1985 (FN).

P. K. NAIR Director Head of Department

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES PH (CDL) SECTION

programme with the programme of the contract o

New Delhi-110011, the 14th March 1986

No. 26 17/74-Admn.I/PH/CDL(.).—On attaining the age of superannuation Dr. C. I., Schgal, Assistant Director (Virology) in the National Institute of Communicable Diseases

under this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 28th February, 1986.

JEESIE FRANCIS

Dy. Director Administration (PH)

#### ME SECTION

## New Delhi, the 11th March 1986

No. A.12026/1/84-ME.—In Supersession of the notification No. A.12026/1/84-ME, dated 12-6-85, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. P. Ahir, to the post of Accounts Officer at Lady Hardinge Medical College and Smt. S. K. Hospital, New Delhi on ad-hoc basis for a period of three months w.c.f the forenoon of 17th May, 1985 or till the post is filled up through Union Public Service Commission on regular basis, whichever is earlier.

#### The 14th March 1986

No. A.12026/5/84-M(F&S).—On attaining the age of superannuation Dr. K. H. Krishnamurthy relinquished charge of the post of Assistant Professor of Biology at Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research, Pondicherry with effect from the afternoon of 31st January, 1986.

P. K. GHAL

Dy. Director Admn. (C&B)

## MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 14th March 1986

No. A.19025/7/81-A.III.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'), the Agril. Marketing Adviser to the Government of India has appointed Shri V. Narayanaswamy, Asst. Marketing Development Officer to the post of Marketing Development Officer (CSR) in this Directorate at Madras wef 30-12-85 (FN).

Shri Narayanaswamy will be on probation for a period of two years wef the date of his appointment as Marketing Development Officer (CSR).

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agril. Marketing Advisor
to the Govt. of India

## DELHI MILK SCHEME

## New Delhi-8, the 6th July 1983 ORDER

No. 4-33/82-Vig.--WHEREAS Shri Rajinder Singh, Mate S/o Shri Motey Ram was issued a chargesheet under Rule 14 of CCS (CC&A) Rules, 1965 vale this Office Memo of even number of 26-11-82 on the following Charge:—

"That the said Shri Rajinder Singh while functioning as Mate in Delhi Milk Scheme is absenting himself from the place of his duty in an unauthorised manner deliberately wef 15-9-81 which has consequently resulted in dislocation of Government work. He is thus charged with absenting himself from the place of his duty without prior permission, unauthorisedly and deliberately thereby dislocating Government work which act is also subversive of office discipline and contrary to standing instructions."

AND WHEREAS after due inquiry into the charge in accordance with CCS (CC&A) Rules, 1965 the laquiry Officer has submitted his report dt. 17-6-83 (copy enclosed). The undersigned has carefully examined the report of the Inquiry Officer, relevant records, facts and circumstances of the case and considers Shri Rajinder Singh guilty of the charge of remaining absent from duty unauthorisedly wef 15-9-81 onwards.

NOW, THEREFORF, the undersigned in exercise of the powers as per Rule 11 of the CCS (CC&A) Rules, 1965 for

good and sufficient reasons imposes upon the said Sh. Rajinder Singh the penalty of Removal from Service with immediate effect.

ARUN SEDWAL, F.A. & C.A.O Disciplinary Authority

Shri Rajinder Singh, s/o Shri Motey Ram, House No. 18, Village Nangloi, Najafgarh, New Delhi-41.

Copy to:—1, Cont. Cell
2, E. III Sec.
3, A/C(F) Sec.
4, Guard file
5, S.W.O.
6, General Sec.
7, Time Office
8, Security Office

9. TE(K).

## DEPARTMENT OF SPACE

## VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695 022, the 26th February 1986

No. VSSC/FST/F/(17).—The Controller-VSSC hereby appoints on promotion Shri K. Thiraviva Prasad as Station Officer in the Vikram Sarabhai Space Centre of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 4, 1986 and until further orders.

G. MURLIDHARAN NAIR Administrative Officer-II (EST) for Controller

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110066 the 26th February, 1986

No. A-38013/1/85-EC—The undermentioned officers of the Aeronautical Communication Organisation in the Civil Aviation Department relinquished charge of their office with effect from the date indicated against each on retirement from Government service on attaining the age of superannuation:

Sl. No.	Name & Designation	Station	Date of Retirement
	S/Shri		
01.	K, S, Seshadri	ACS Madras	28-02-1985
	Assistant Communication		(AN)
	Officer		•
02.	R. N. Banerjee	ACS Calcutta	31-7-1985
	Assistant Communication		(AN)
	Officer		
03.	S. K. Roy	ACS Calcutta	30-09-1985
	Assistant Communication		(AN)
0.4	Officer		20.00
04,	Mrinal Kanti Sen	ACS Calcutta	
	Assistant Communication Officer		(AN)
05	A. N. Mitra	ACS Calcutta	20 11 100#
05.	Assistant Communication	ACS Calcula	
	Officer		(AN)
06.	R. P. Joshi	ACS Bombay	31-05-1085
٠.,	Assistant Communication	At S Donnay	(AN)
	Officer		(1111)
07.	Sukumar Chanda	ACS Calcutta	31-12-1985
	Assistant Communication		(AN)
	Officer		•

#### The 28th February, 1986

No. A-32013/2/31-EC:—In continuation of this Department's gazette Notification No. A-32013/2/81-EC dated August 27, 1984, the President is pleased to extend the period of adhoc appointment of the following 77 Assistant Technical Officers in the post of Technical Officer in the Civil Aviation Department for the period shown against each;

SI. No.	Name			From	То
1	2			3	4
	S/Shri				
01.	C. N. Mahadev .			01-07-1984	24-10-1985
02.	S. K. Bhattacharya		·.	01-07-1984	30-11-1985
03.	I. M. Krishnan .	·	Ť	01-07-1984	24-10-19: 5
04.	M. K. Chatterjee .		•	01-07-1984	25-10-1985
05,	G, S, Kochikar .	·		01-07-1984	24-10-1985
06.	C. P. Rao		•	01-07-1984	24-10-1985
07.	C. L. Jain		ì	01-07-1984	24-10-1985
08.	A, K, Saxena .	•		01-07-1984	24-10-1985
09.	Ranjit Ghose .	·		01-07-1984	24-10-1985
10.	A. S. Pal		•	01-07-1984	24-10-1985
11.	H, L, Arora.	•	•	01-07-1984	24-10-1985
12,	C, K, Sobti			01-07-1984	24-10-1985
13,	V. K. Rastogi ,	•	•	01-07-1984	24-10-1985
14.	J. S. Sarin	•	•	01-07- 984	24-10-1985
15.	N. N. Nambiar	•	Ċ.	01-07-1984	31-05-1985
16.	B. S. Khurana	•	Ċ	01-07-1934	24-10-1985
17.	C, Venkatachellum	•		01-07-1984	24-10-1985
18.	R. S. Sokhey .	•	Ċ	01-07-1984	24-10-1985
19.	M. K. Krishnan .	•	٠.	01-07-1984	24-10-1985
20.	Kulwant Singh .	•	•	01-07-1984	24-10-198
21.	M. V. Subramanian	*	•	01-07-1984	31-03-1986
22,	Kesho Nath .		•	01-07-1984	24-10-1985
23,	G. S. Verma .	•	•	01-07-1984	24-10-1985
24.	S. K. Seth	•	·	01-07-1984	24-10-1985
25.	Jaswant Singh .	•	•	01-07-1984	24-10-1985
26.	O. P. Juneja	•	•	01-07-1984	24-10-1985
	K. C. Sharma .	•	•	01-07-1984	24-10-1985
27.		•		01-07-1984	24-10-1985
28.	B. K. Puri H. M. Prabhakar	•	•	01-07-1984	31-03-1986
29.		•	•	01-07-1984	30-11-1984
30.	P. K. Dhingra . D. Pichumani .	•	•	01-07-1984	31-03-1986
31.	H. L. Chawla .	•	•	01-07-1984	31-03-1986
32.	G. J. Mehta.	•	-	01-07-1984	31-03-1986
33.	S. P. Srivastava .	•	•	01-07-1984	31-03-1986
34.	O. P. Batra		•	01-07-1984	31-03-1986
35.	S. P. Choudhary.	•	•	01-07-1984	31-03-1986
36.	Ishwar Diyal .	•	•	01-07-1084	31-03-1986
37.		•	•	01-07-1984	31-03-1986
33.	A. Mahalingeswara F. S. Bhatia	•	•	01-07-198-	31-03-1986
39,	R. H. Mukunth .	•	•	01-07-1984	31-03-1986
40.	B. K. Mukherjee	•	•	01-07-1984	31-03-1986
41.			:	01-07-1984	31-03-1986
42.	000	•	•	01-07-1984	31-03-1986
43.	P. S. Lalvi Surinderjit Singh Kang		•	01-07-1984	30-06-1985
44.				01-07-1984	31-03-1986
45.	•,			01-07-1984	24-10-1985
46.	R. Jayaraman K. S. Mukherjee		•	01-07-1984	24-10-1985
47.			•	01-07-1984	24-10-1985
48,	M. Sivasubramanian		٠	01-07-1984	24-10-1905
49.	K. T. John	•	•	01-07-1984	24-10-1985
50.	V. G. Joshi	•	•	01-07-1934	24-10-198
51.	S. R. D. Barman .		•	01-07-120T	_, _, _, _,

1	2		3	4
	S/Shri	. ,	 	
52,	J. S. Narula.		01-07-1984	24-10-1985
53.	K R. R. Sharma .		01-07-1984	24-10-1985
54.	N. S. Sra		01-07-1984	24-10-1985
55.	A. Ramadoss .		01-07-1984	24-10-1985
56.	S. P. Sharma .		01-07-1984	31-03-1986
57.	I, S, Vedi . ,		01-07-1984	31-03-198
58.	A. N. Shirke .		01-07-1984	24-10-198 5
59.	P, L. Bajaj		01-07-1984	31-03-1986
60.	G, L. Akolkar .		01-07-1984	31-03-1986
61.	K. K. Ichupunani,		01-07-1984	31-03-1986
62.	V. M. Kattermal		01-07-1984	31-03-1986
63.	S. K. Biswas .		01-07-1984	31-03-1986
64.	K. S. Negi		01-07-1984	31-03-1986
65.	O.P. Chadda ,		01-07-1984	31-01-1986
66.	Joginder Singh .		01-07-1984	31-03-1986
67.	M. K. Sathaye .		01-07-1984	31-03-1986
68.	Y. C. Punnetha .		01-07-1984	31-03-1986
69.	A, S, Gill , .		01-07-1984	31-03-1986
70,	P. N. Mani		01-07-1984	31-03-1986
71.	T. S. Jolly		01-07-1984	31-03-1986
72.	B. S. Bhosale .		01-07-1984	31-03-1986
73.	D. Selvaraj		01-07-1984	31-03-1986
74.	V. H. Ranga Rao.		01-07-1584	31-03-1986
75.	B. C. Roy		01-07-1984	31-03-1986
76.	Harnek Singh .		01-07-1984	31-03-1986
77,	T, N. J. Nambiar		01-07-1984	31-03-198

2. The extension of the period of ad-hoc appointment of the above mentioned officers shall not bestow on them any claim for promotion to the grade of Technical Officer on regular basis and the period of service rendered on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Technical Officer or for promotion to the next higher grades,

V. JAYACHANDRAN Dy. Director of Administration.

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE Bombay, the 26th February 1986

No. 1/576/86-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri John Thomas, Superintendent, O.C.S., Hqrs. Office, Bombay as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the same office, with effect from the forenoon of the 27th December, 1985, until further orders.

## The 27th February 1986

No. 1/552/86-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. J. Patel, Superintendent, O.C.S., Hqrs. Office, Bombay as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity, in the same office, with effect from the forenoon of the 26th December, 1984, on an ad-hoc basis and on regular basis with effect from the forenoon of the 21st April, 1985, until further orders.

R. K. THAKKER Dy. Director (Admn.) for Director General

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Vadodara, the 20th February 1986

No. 7/86.—Shri V. J. Joshi. Superintendent of Central Excise (Group 'B'), Division-V, Vadodra shall voluntarily

retire from Government service in the forenoon of 1-3-1986.

A. M. SINHA Collector, Central Excise & Customs Vadodara

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 13th March 1986

No. A-19012/1152/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Bejoy Kumar Das, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—880—40—1000—FB—40—1200/- for a period of one year of till the post is filled on regular basis, whichever is carlier with effect from the forenoon of 29-11-85.

#### The 14th March 1986

No. A-19012/1158/85-Fstt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Rajesh Kumar Misra, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Fngineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 12-12-1985.

S. MAHADEVA AYYAR Under Secy. Central Water Commission

# DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 12th March 1986

No. 5/3/81-ECI.—On the basis of the results of the Combined Engineering Services Examination held in 1982, the President is pleased to appoint Shri Gamit Thoman Bhai Magan I al (ST) on probation against a temporary post of Assistant Executive Engineer (Civil) under the Central Engineering Services Group 'A' with effect from 4-12-1985 (FN) in the Central Public Works Department.

K. C. DEHURY Dy. Director of Admn.

## CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 6th March 1986

No. 168/86. F. No. 22/2/85-Adm.I(B).—The Chairman Central Electricity Authority hereby appoints Shri Daya Nand Singh, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the 14th February, 1986 until further orders.

R. SESHADRI Under Secv. for Chairman

## MINISTRY OF TRANSPORT DEPARTMENT OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 13th March 1986 (PUBLIC NOTIFICATION)

No 85/RF/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway I ines and Premises situated on the

under note sections of 'South Central Railway' that the Over Head raction Wires on these lines will be energised at 25000 V lts A.C. on or after the dates specified against the sections below. On and from the same date the Over-Head Traction Lines shall be treated as LIVE at all in the and no una thorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead Lines.

#### Section and Date

- (i) Vij yawada-Rayanapadu—20-2-1986.
- (ii) Ra mapadu -Madhira-31-3-1986.
- (iii) Ma ihira-Dornakal (incl)-31-7-1986.

A. N. WANCHOO Secy., Railway Board

## MINISTR ' OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEI ARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rockwell Engineering Pvt. Ltd.

Bombay, the 4th March 1986

No 690/ 4730/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-sectice (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Kay Lexmi Investments Co. Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is diss lved.

> In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kiy Laxmi Investments Co. Pvt. Ltd.

> > Bombay-2, the 4th March 1986

No. 689 / 1118/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Kay Laxmi Investment Co. Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is disselved.

> In the matter of the Companies Act, 1956 and of Vinod Prakashan Pvt. Limited

Bombay-2, the 4th March 1986

No. 695/5898/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vinod Prukashan Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is disselved.

> In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mandra Forms Private Limited

> > Bombay-2, the 4th March 1986

No 687/ 1095/560(5)—Notice is hereby given rursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mandra Farms Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is disscived.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of 11/s. Kapur Kardar Private Limited

1 ombay-400 002, the 4th March 1986

No. 710 704/560/3) \_Notice is hereby given nursuant to enh-rection (3) of section 560 of the Communics Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof 60-6GI/86

the name of M/s. Kapp. Hardar Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Indian Gas Mantle Mfrs. Assn. Private Limited

Bombay-400 002, the 4th March 1986

No. 704/11237/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of the months from the date hereof the name of M/s. Indian Gas Mantle Mirs. Assn. Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Concord Cables Private Limited

Bombay-400 002, the 4th March 1986

No. 703/16101/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M's. Concord Cables Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sudha Chit Fund Private Limited

Bombay-400 002, the 4th March 1986

No. 711/13901/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sudha Chit Fund Private Limited, un-less cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. R. A. M. Investment Co. Pvt. Ltd.

Bombay-400 002, the 4th March 1986

No. 696/16745/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. R. A. M. A. A. M. A. Strattment Co. Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mandra Hill Resorts Pvt. Ltd.

Bombay-400 002, the 4th March 1986

No. 685/24106/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mindra Hill Resorts Pvt. Itd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. R. N. Kapur & Co. Private Limited

Bombay-400 002, the 4th March 1986

No. 699/5028/560(3) -- Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. R. N. Kapur & Co. Private Limited, unless can e is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved. In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bombay Fowerloom Industries Assn. Ltd.

Bombay-400 002, the 4th March 1986

No. 655/16775/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bombay Powerk om Industries Assn. Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Delta Experiers Private Limited

Bombay-400 002, the 4th March 1986

No. 707/16365/560(3).— Notice is be, cby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Commanies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Delta Exporters Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

Sd./- II LEGIBLE Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay-2

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Finance and Sales Medium Syndicate Limited

New Delhi, the 5th March 1935

No. PCI/1749/7776.—Notice in hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Finance and Sales Medium Syndicate Limited unless cause is chown to the contrary, will be struck off the the Register and the said Company will be discoved.

ROOP KISHORE Assit. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mls. Sri Pajendra Pvt Itd.

Colcutta-20, the 11th March 1986

No. 24155/560(5).— Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of M/s Sri Rajendra Private I td. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. S. Mukherjee & Brethers Private Limited

Colcutta-20, the 11th March 1986

No. 14340/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of M/s. Multheries & Brothers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bhoianwala Transport Co. P. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 30471/560(5).—Notice is hereby given nursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Rhojanucla Transport Co. Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Composites Act. 1956 and of M/s. Fkvot'g Food Private Limited

Calculta-20, the 11th March 1986

No. 29909/560(5)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of M/s. Eksotiq Food Private Ltd, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies 4ct. 1956 and of Harbers Structural Engineers Private Limited

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 32350/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Harbers Structural Engineers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Componies 4ct 1956 and of Harirampur Concrete Construction Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 29530/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Hariramur Concrete Construction Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1986 and of Gram'n Mutual Benefit Society Private Limited

Calcutta-20, the 11th Morch 1986

No. 31106/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Gramin Mutual Benefit Society Pyt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Comparies 4st 1056 and of Konark Engineering Co. Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 26735/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Communics Act. 1956, that the name of Konark Engineering Co Pyt Ltd has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of Zenith Card Board Box Manufacturing Company Private Limited

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 26481/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Zenith Card Board Rox Mfg. Co. P. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kaushal Distributors Private Limited

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 26036/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Corenanies Act. 1956, that the name of Kaushal Distributors Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Componies Act, 1950 and of Projects Consumants Private Limited

Calculta-20, the 11th March 1936

No. 28019/500(5).—Notice is heleby given pursuant to sub-section (5) or section 500 or the companies Act, 1950, that the name of Projects Consultants Private Limited has this day been struck of the register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Oraque Auto Paris Pvi. Lia.

Calcula-20, the 11th Malch 1986

No. 26525/060(5).—Nonce is nearby given pursuant to sub-section (5) of section 500 or the Companies Act, 1956, that the name of Onique Auto Farts Private Ltd. has this day been struck on the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Super Minerals Private Limited.

Calcula-20, the 11th Ma ch 1986

No. 27311/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Ac., 1955, that the name of Super Minerals Private Emited has this day been struck on the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Capabic Engineers Private Limited

Calcula-20, the 11th Match 1986

No. 26441/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Capable Engineers Private Limited has this day been struck on the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bharat Sree Land Development Company Limited

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 11059/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the companies Ac., 1956, that the name of Bharat Sree Land Dev. Co. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of S. K. J. Private Limited

Calcutta-20, the 11th Match 1986

No. 16483/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of S.K.J. Private Limited has this d-y been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Perfect Film Distributors Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 26323/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Perfect Film Distributors Priva e Lim.ted has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Cheroots (D nhara) Pvt, Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 27435/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Cheroots (Dinhaia) Private Limited has this day been since on the Register and the said Company is dissolved.

In the maner of the Companies Act, 1956 and of Shell Plastics Fyt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 27575/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 500 of the Companies rice, 1956, that the hand of onen righted Pvi. Etd. has this day been struck on the Register and the same Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Emeo Engineering Works Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th Match 1986

No. 24221/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-scenon (5) or section 500 of the Companies Act, 1956, that the name or minute Engineering Works Pvi. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Compeness Act, 1956 and of S. Dass & Brothers Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 15048/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 500 of the Companies Act, 1956, that the name of S. Star & Startes Pyt. Ltd. has this day been struck on the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Indra Shakti Industries Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 21461/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 500 of the Companies Act, 1956, that the mane of India Shaka Ingustries Pvt. Ltd. has this day been struck on the Register and the said Com, any is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of B. G. M. Picture Enterprises Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 26737/560(5).—Notice is help given pursuant to sub-section (5) of Section 500 of the Companies Act, 1956, that the name of B. G. M. Picture Eutriplies Pvi. Ltd. has this day been struck on the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sulokshana Stanicss Steel Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 31901/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 500 of the Companes Act, 1956, that the name of Sulokshana Stainless St el Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Community Act, 1956 and of Aroma Chemicals & Cosmelies Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 22923/560(5)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Aroma Chemicals & Cosmetics Pvt. Ltd. has this day been struck out the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Compunity Act, 1956 and of Mannua rancy stores Ivi. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 24476/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 500 of the Companies Act, 1950, that the name of Manjula Pagey Stores Fvi, Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kalyani Maschine Fabilk Pvt. Lid.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 27017/560(5).—Nonce is nereby given pursuant to sub-section (5) of Section 500 of the Companies Act, 1956, that the name of Karyani Maschine Fabrik rvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Chaya China Parsad Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 24066(560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) or Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chaya Critia Pathad Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of J. S. Film Production Pvi. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 27459/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of J. S. Fum Production Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of East India Roadways Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 24686/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of East India Roadways Private Limited has this day been struck of the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kay Bee Iron & Steel Co. Pvt. Lta.

Calcutta-20, the 11th March 1986

No. 25294/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Kay Bee I on & Steel Company Private Limited has this day been struck of the Register and the said Company is dissolved.

Addl. Registrar of Companies
West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Goltone Dicks Private Ltd.

Bangalore-9, the 4th March 1986

No. 3757/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Goltone D'als Priva'e Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Reg'ster and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shen Enterprises Private Ltd.

Bangalore-9, the 4th March 1986

No. 3809/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date nereof the name of M/s. Shen Enterprises Privated 1..d. unless cause is shown to the contrary, will be struck of the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Straight Foods & Chemicals Private Ltd.

Bangalore-9, the 4th March 1986

No. 5614/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) or Section 560 of the Companie. Act, 1956 that at the expiration of three moons from the date nereof the name of M/s. Srinidhi Foods & Chemicais Frivate Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

Sd/- I\_LEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangaloro

## INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 4th March 1986

No. F.48-Ad(Af)/1986.—Sari S. K. Biswas, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Benc., Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a reriod of 3 months with effect from the forenoon of 1-11-19-5 vide this office notification No. F. 48-Ad(A1)/1985(1), dated 30-10-1985 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Benca, Amilisar for a further period of 3 hionths with effect from 1-2-1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. K. Biswas, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on i.i.-noc basis will not count for the purpose of semonity in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F. 48-Ad(AT)/1986.—Shri R. Dakshinaraocrthy, Asstt. Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Madras Benches, Madras who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cocnin Bench, Cochin on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 1-11-1985 vide this office notification No. F. 48-Ad(AT)/1985 (Pt), dated 30-10-1985 is permitted to continue in the same capacity as A sistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cochin Bench, Cochin for a further period of 3 months with affect from 1st February, 1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. Dakshinamoorthy, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibity for promotion to next higher grade.

2. Shri T. K. Ganguly, Assit. Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, oinclating as Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack on all-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 1-11-85 vide this office notification No. F. 48-Ad(AT)/1985 (Pt), dated 30-10-1985 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack for a further period from 1-2-1986 to 28-2-1986.

The above appointment is ad-hoc and will not testow upon Shri T. K. Ganguly, a claim for regular appoint tent in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that gi de or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGI A President

### (1) Smt. Devender Kaur W/o Shir Amaroir Singh Chadna At/Kumbhar Para Pol. Ps/Tahasil/Dist. Sambalpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Smt. Shakuntala Devi Agarwal W/o Shri Govinda Prasad Agarwala At/Dalaipara, Po/Pa, Dist. Sambalpur (Orissa).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE 196-BAPUJI NAGAR **BHUBANESWAR-9**

Bhubaneswar-9, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq./BBSR/85-86/1730-31.--Whereas, I,

R. C. SETHI, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing

No. 1649 si uated at Sambalpur

(and more tu) v described in the Schedule annexed hereto), has been transserred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Sambalpur on 15/7/85

Sampaipur on 15/1/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by Inforesaid executes the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act if respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Nazul Plot bearing No. 1446/2(A), Area of Ac 0.05 dec. bounded in the North by plot No. 1446/2 (Part)-Read, South by plot No. 1446/2 (b) East by plot No. 1446/2 (Part)-Lane, West by plot no. 1446/2 (Part) with a building situated the con within sambalpur town, Tahasil Po/Dist. Sambalpur and within the Dist. Sub-Registrar, Sambalpur bearing Thana No. 51 & Settlement No. 453, Total 1 (One) plot and total area Ac 0.05 dec. (live) decimals only.

> R. C. SETHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 196, Bapuji Nagar Bhubaneswar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

NGI)CE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONEROF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 5th February 1986

G. I. R. No. R-275, AG.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Comparent Authority under Section 269B of the Income-day Act. 1701 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. House 180, 105 with land situated at Tagore Town, Aflahabad

Home No. 105 with land situated at Tagore Town, Allahabad (and more hony actual to in the sendule annexed hereto), how been treated at 120 the Registration Act, 1908 (16 of 1908) and the clinic of the Registering Officer at Calculation 3 say, 1908

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been utily stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) toedstanding the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infinite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pradipta Pradhan.

(Transferor)

(2) Smt. Rama Lal.

(Transferee)

(3) Tenant—Smt, Shakuntala Devi.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4° days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this posice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of a part of plot No. 75, Gette Town Extension Scheme, measuring 1933.2 sq. ft. together with one brick built building, walls and structures 'ying at House No. 105, Tagore Town . Schah built at 0 g with its adjoining open plot of land No. 75/3, measuring 2547 sq. ft., George Town Extension Scheme, Allahabad.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 5-2-1986

## MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION PANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 21st February 1986

Ref. No. A.P. No. 5971.—Whereas, I, R. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred on the ward Act), have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00 000 /- and bearing No as per schedule situated at Jalandhar

(and mo e fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mouthan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Smt. Gulshan Kumari
 W/o Sh. Lakhbi. Singh,
 R/o 263, Shahted Udham Singh Nagar,
 Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sh. Balvinder Pal Singh S/o Sh. Amar Singh and Sh. Amar Singh S/o Sh. Kattar Singh and Smt. Satwant Kaur W/o Sh. Amar Singh, R/o 624, Mota Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As Serial No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the understand knows to be interested on the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

### THE SCHEDULE

Property No. 624 situated at Mota Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the register d sale deed No. 7085 of dated July, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competer to hardly
Inspecting Asia ant Counties for a of Income-tra
Acquisition France
Julandhar

Date: 21-2-1986 Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 21st February 1986

Ref. No. A.P. No. 5972.—Whereas I, R. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and beging

No as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) ir the office of the Registering Officer at Jalandha in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I her by imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ajudhia Nath Joshi S/o Sh. Hans Raj, R/o House No. 35, Sector 18-A, Chandigarh and Sh. Ved Parkash Joshi S/o Sh. Hans Raj, R/o 116-Vijay Nagar, Jalandhar and Smt. Sheela Devi S/o Sh. Hans Raj, (W/o Sh. Nand Lal), R/o 87-A, Model Town Extension, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Paul Aggarwal son of La'e Ram Nath, R/o House No. 73-Modern Colony, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Serial No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the wid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 40 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House No. 73 Modren Colony, Julandhar and persons as mentioned in the agreement which has been registered by the Compotent Authority, Jalandhar under S. No. 13 of dated 8-11-1985. (Form No. 37-EE u/s 269 ÅB (2) of the I.T. Act, 1961).

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 21-2-1986

Scal:

## FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 25th Bebruary 1986

Ref. No. A.P. No. 5973.—Whereas, I, R. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hebility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfer; and/or;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

61—6 GL/86

(1) Sh. Rameshwar Singh S/o Sh. Karam Singh and Dr. Capt, Karam Singh S/o Sh. Gaza Singh, R/o 4-Model Town, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Sh. Amrik Singh S/o Sh. Labh Singh, R/o 265, New Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Serial No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Camette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bldg. No. 3 (min) situated at G. T. Road, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed No. 2350 dated July, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 25-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE REPORT OF THE PARTY OF THE

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 4th March 1986

Ref. No. A.P. No. 5974.—Whereas, I, R. R. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said  $\Delta$ ct), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Hoghin and (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Remark 196 (16 of 1908) in the office of the Remark Chief here of Hoshiarpur in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- (1) Sh. Tarlochan Singh, Sh. Manjit Singh Ss/o Sh. Nirmal Singh, R/o Model Town, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Bhagwan Singh, Sh. Iqbal Singh, Sh. Surjit Singh Ss/o Sh. Amar Singh, Mohalla Bassi Khwaju, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As Serial No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or 2 period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introduced able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other tester which have a begin or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Property No. 125-L. Model Town, Hoshiarpur and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1386 dated 15-7-85 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

> R. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

#### FORM I.T.N.S .---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 4th March 1986

Ref. No. A.P. No. 5975.-Whereas I,

E. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the uncome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) an. Manchar Lal Kalra 5/o Sh. Ram Chand, K/o 2152, Sector No. 35, Chandigarh.

(Transferor)

(2) SySh. Kanwaljit Singh, Gurvinder Singh, Darshan Sinoh Ss/o Sh. Gurcharan Singh Bhatia, R/o 382, Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar (P/s of M/S Goodwill Automobiles, 81-S, Gutu Nank Motor Market, Partap Ganj, Kanpur.)

(Transferec)

(3) As Serial No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Kothi No. 382 situated at Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale and No. 2097 of July, 1985 of the Registering Authority Jalandhar.

> R. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. **Jalan**dhar

Date: 4-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 6th March 1986

Ref. No. A.P. No. 5976.—Whereas I, R. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. a s per schedule situate d at Banga

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Sh. Parkash Singh S/o Sh. Jagat Singh, R/o Patti Masanda, Tehsil Banga.

(Transferor)

(2) Sh. Kartar Singh S/o Sh. Wattan Singh, Sh. Harbhajan Singh S/o Sh. Kartar Singh, R/o Banga.

(Transferee)

(3) As Serial No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 755 of July 1985 of the Registering Authority, Banga.

R. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango
Jalandhar

Date : 6-3-1986

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 7th March 1986

Ref. No. A.P. No. 5977-5978.—Whereas, I, R. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar G. T. Road,

Maksudpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the netter under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Shivdarshan Lal Anand
 S/o Sh. Girdhari Lal
 C/o Everwear Mfg. Co. Maksudpur,
 G. T. Road,
 Jalandhar,

(Transferor)

 (2) M/S Everwear Industries, Maksudpur,
 G. T. Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Serial No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be in erested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property known as M/S Everwear Industries, Maksudpur, G. T. Road, Jalandhar & Persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2341 and 2342 of July, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

R. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date : 7-3-1986 Scal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2140/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 16, Survey No. 116(1+2) Mohanwadi, Yerwada, Pune

 $153\Lambda/1$ 

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 c) 1908) in the effice of the Registering Officer at I A.C., Actin. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair morted ratue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief tent of the ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. S. N. Khedeker, Prop. K. Construction, 58/A Kasturba Figusing Society, Vish antwadi, 1-une-15.

(Transferor)

(2) Mr. Cherian T. Mathew. Sunset, 1st floor, Jawanar Nagar, Roha, Raigad (Dist.) Maharashtra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzate or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 16, at Survey No. 166(1+2) +153A/1 Mohanwadi, Yerwada, Pune. (Area 908 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2140/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Datc: 5-3-1986.

AND THE PERSON OF THE PERSON O

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1**9**61)

## (1) Sh. S. P. Badamikar, R/344 Adinath Society, Pune Satara Road, Pune-37.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay D. Oswal, 796, Ganj Peth, Pune-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, FUNF

Pune, the 5th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1932/1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the mesome-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinofter referred to as the Said Act?) have reason to believe that the immovable purpose, having a fair market water exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Plot No. 8, at Vasant Bag Society Off Pune Satura Road, Bibbewedi, Pune.

situated at Pune

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registerien but 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officers of LAC, Aper Range, Pine on Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovat property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 8 at Vasant-Bag Society, Off Pune-Satara Road, Bibbewadi, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1932/1985-86 in the month of Aug. 1985).

ANIL KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Neelam Builders, 1482 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Sh. Murlidhar M. Pathak. 192/83 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

June, the 27th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2001/1985-86.-

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 502/A1 in Building Kala Bhavan, at P. No. 305 (A), Shukrawar Peth, Pune-2.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 502/A1 in Building Kala-Bhavan, at P. No. 305 (A) Shukrawar Peth, Pune-2.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2001/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (i/c) Acquisition Range, Poona.

Date: 27-2-1986.

(1) Karnawat Builders, 562/1 Shivajinagar, Punc-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashok C Ingale, 5 Jai Shankar Society, Aranyeshwar, Pune,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

June, the 27th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2863/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Ownership type Flat No. 3 Rajyog Apartment,
Bibwewadi, Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the flat market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 3, Rajyog Apartment, Bibwewadi, Punc. (Area 737 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2863/1985-86, in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--62-6 GI/86

Date: 27-2-1986, Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2052/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1 in a building at C.S. No. 616 and 616B Shukrawar Peth, Pune-2. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Aug 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said have ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s S. B. Constructions, 180 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Sh. Walchand R. Oswal, Shastri Nagar, Socjety, Mahatma Phule, Pune.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 1 in a building at C.S, No. 616 and 616B Shukrawar Peth, Pune-2.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2052/1985-86 in the month of Aug. 1985).

ANIL KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-2-1986. Seal:

ocar

#### PORM TIME

(1) Sh. Harsukhlal R. Shah, A/8 Naminath Apartment, Simpoli Road, Borivli (W). Bombay

(Transferor)

(2) M/s Virendra Enterprises, 19 Subodh Guru Building, 5th floor, Tagore Road, Santacruz (W), Bombay.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ABSETANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1th February 1986

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9367/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parvel of land or ground lying and being at Achole Tal. Vasai, Dist. Thene, bearing S. No. 71(p)

situated at Achole (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Aug 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-nish preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or ground lying and being at Achole Tal. Vasai, Dist. Thane, bearing S. No. 71(p).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9367/1985-86 in the month of Nov. 1985).

ANIL KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Akshay Construction Co.
 1/2 C Shanti Bhu√an,
 Dr. R. P. Road, Mulund, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Pravin Dwarkadas Shah, 1023 Sadashiv Peth, "C" 204 Vishal Housing Society, Pune-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th February 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/3233/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Hat No. 8, 3rd floor, C.T.S. No. 1494 Sadashiv Peth, Pune, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the thir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, C.T.S. No. 1494 Sadashiv Peth,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3233/1985-86 in the month of Aug. 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 7-2-1986

#### PORM MINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2928/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR

whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala of Godown No. 1 land bearing S. No. 140, H. No. 3, 4, 5, 7, 9, 10, 11 & 13 at Village Jurne, Tal. Bhiwandi, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule gunexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in Aug. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 new cent of such apparent consideration and that the 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Navalben K. Dedhia, 17 "Ish Chhaya" N. S. Road, Mulund (W), Bombay.

(Transferor)

(2) M./s. J. Maheshkumar & Co. 6/18 "Sanjay" Mittal Estate, Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala of Godown No. 1 S. No. 140, H. No. 3, 4, 5, 7, 9, 10, 11 & 13 at Villago Purne, Tal. Bhiwandi, Dist. Thane. (Area 2600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under documnet No. 2928/1985-86 in the month of Aug. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 7-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2166/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201 on second floor in Sarvodaya, Plot No. 29B of Sector No. 4. Vashi, New Sarvodaya Co-operative Hear Soc. Ltd. eitherted at Vashi

Hsg. Soc. Ltd. situated at Vashi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anotor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. Ghruh Builders,
 40-41 Vishal Shopping Centre,
 Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road)
 Andheri (E) Bombay.

(Transferor)
(2) Shri P. Sukumaran, E 4/2/1 Sector No. 1,
Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this noites
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201 on 2nd floor in Survodaya, Plot No. 29-B of Sector No. 4, Vashi, New Sarvodaya Co-operative Hsg. Society Ltd.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Rang, Pune, under document No. 2166/1985-86 in he month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

(1) Ranmal Nathoo Dodhia, Karta Shri Amritlal Ranmal Didhia, 69/10 Pravin Mansion, Sion (W), Bombay,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

(2) Shri Halari Visa Oswal Samaj, Opp. Ranjit Studio, Dada Saheb Phalke Road, Dadar Bombay.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4170/1985-86.-

Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Plot of land S. No. 131, Hissa-No. 2, within Bhiwandi Nizampur Municipal council limits, Kamatghar, Bhiwandi

situated at Bhiwandi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JAC, Acqn.

Range, Pune on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective necessary, whichever period empires latery

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land Survey No. 131, Hissa No. 2, within Bhiwandi Nizampur Municipal Council limits, Kamatghar, Bhiwandi. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Rang, Pune, under document No. 4170/1985-86 in the month of Sept. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, r hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Date 11-2-1986 Seal ;

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE Punc, the 11th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4168/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'annovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A plot of land Survey No. 131, Hissa No. 2, within Bhiwandi Nizampur Municipal Council limits, Kamatghar, Bhiwandi situated at Bhiwandi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or eventon of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any isoome arising from the transferand/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) M/s. Rohit Textiles, 44/Commercial Chambers, Masjid Bunder Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Halari Visa Oswal Samaj, Opp. Ranjit Studio, Dada Saheb Phalke Road, Dadar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gapetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land, part of Survey No. 131, Hissa No. 2 within Bhiwandi Nizampur Municipal Council limits, Kamatghar, Bhiwandi.

(Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 4168/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 11-2-1986 Seal :

### FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th February 1986

Ref. No. 2/July 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUÉL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2A, Greenways Road, Raja Annamalaipuram 2, Bishop

No. 2A, Greenways Road, Raja Annamalaipuram 2, Bishop Garden, Raja Annamalaipuram, situated at Madras-28 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 821/85 in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following namely:—63—6 GI/86

(1) Sri Haji S. Mohamed Iqbal, 12, V. O. C. Nagar, Thanjavur,

(Transferor)

(2) M/s. Mohan Breweries and Distilleries Limited, 110, Sriman Srinivasa Road, Alwarpet, Madras-18, (By its Managing Director Mr. M. Nandagopal)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Old No. 24, Greenways Road, Raja Annamalaipuram, now bearing No. 2. Bishop Garden, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

Mylapore/Doc. No. 821/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date . 26-2-86 Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMU-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 157/July 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 67, Seethamma Road, Alwarpet, situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 696/85 on July 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds tht apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D ef the said Act, to the following persons, pamely:—

- Sri S, Ramaswamy alias Cho, son of Sri R. Srinivasan,
   Seethamma Road, Alwarpet, Madras-18.
  - 2. Gemini Pictures Circuit P. Ltd., Madras-6.
    (Transferor)
- (2) M/s. Madras Refineries Ltd., 480, Anna Salai, Nandamam. Madras-35. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giren in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: 67, Seethamma Road, Alwarpet Madras-18.
Madras Central/Doc. No. 696/85.

MRS. M. SAMUEI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Incometa; Acquisition Range-1 Madras-600 00

Date: 4-3-86

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Mrs. Molly Kuruvilla, No. 46/301/A.E.S.I. Byc Road, Ernakulam. (Transferor)

(2) M/s. Dhingra & Sons (H.U.F.), 33, Anderson Road, Madras-6.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-11. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 4/July 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Flat (1 floor) at Flat A1, Niagara Apartments, No. 1, Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34
situated at Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 328/85 on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (s) facilitating the seduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ent/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat (I floor): Flat Al. Niagara Apartments No. 1, Ster ling Road, Nungambakkam, Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 328/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-3-86

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref No. 5/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Vacant land—R.S. No. 547/16 part and 547/4 part, Block

Vacant land—R.S. No. 547/16 part and 547/4 part, Block No. 32, in Plot No. 11B, L.A. No. 38/71, Sterling Road, situated at III Cross St., Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 331/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores' nonporty by the issue of this notice under subsectior (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Smt. C. V. Rajeswari Ammal, 73, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-84. (Transferor)
- (2) 1. Sri S. Shankar and two others, 2, College Lane, Madras-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land with a old shed in R.S. No. 547/16 part and 547/4 part Block No. 32, in Plot No. 11B, L.A. No. 38/71, Sterling Road, III Cross St., Madras-34.

Thousandlights / Doc. No. 331/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 4-3-86

Scal:

### FORM ITNS ...

#### (1) Smt. C. V. Rajeswari Ammal, 73, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-84. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Sri N. S. Krishnamusthy, 2, College Lane, Madras-6.

## (Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 6/July-85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R. S. No. 547/4 part Block No. 32 situated at plot
No. 11A, L. A. No. 38/1971 Sterling Road, III, Cross St., Madras-34

Magras-34 (and more 'ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 332/85 in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair more training of the office and apparent value of the office and apparent value of the office and apparent and I have reseen to

narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the spiece of:

transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woodth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and Building R.S. No. 547/4, Part Block No. 32, in plot No. 11A, L. A. No. 38/1971, Sterling Road, III Cross St., Madras-34. Thousandlights/Doc. No. 332/85.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-3-1986

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Swaraj Ponnappa, Miss Vandana Ponnappa, No. 6, Mandapam Road, Kilpauk, Madras-10. (Transferor)

(2) Mrs. Anita Gopinath, 19, College Road, Madras-6.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Rcf. No. 8/July-85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. J,00.000/- and bearing
Flat (III floor) 'No. 59, Nungambakkam situated at High
Road Madras 34

Road, Madras-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 346/85 in tuly 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, er the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat (III Floor) No. 59, Nungambakkam High Road, Madras-34 Thousandlights/Doc. No. 346/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISTTION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 11/July-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 15, Plot Nos. 2 and 3 Palat Sankaran Road, Lady Madhavan Colony, Mahalingapuram Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 348/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in th said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Habeeba Beevi, W/o Prem Nazir, 16, Lynwod Avenue, Madras-34.

(Transferor)

(2) Shri Tijo Punnoose, S/o M. C. Punnoose, Plot Sankaran Road, Lady Madhvan Colony, Mahalingapuram, Madras-34,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: plot Nos. 2 and 3, Door No. 15, Palat Sankaran Road, Lady Madhavan Colony, Mahalingapuram. Madras-34 Thousandlights/Doc. No. 348/85,

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-1986

## FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Rcf. No. 14/July-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

11, Chowdhary Colony, Sterling First Cross Road, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 363/85 on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to releve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habbity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri M. A. Vincent, 11, Choudhary Colony, Sterling First Cross Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) M/s. Premdev Exports, 15, Kamdar Nagar, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: No. 11, Chowdhary Colony, Sterling First Cross Road, Madrus-34.

Thousandlights/Doc. No. 363/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-raid property by the issue of his notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS-600 003

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 16/July 85.—Whereas I,
MRS. M SAMUEL,
being th Competent Authority under Section 269B of the
Income-1 x Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding immoval e property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing No. Plot No. C. 16, in the SIDCO's Industrial,

Complex at Ambattur Estate, Ambattur, Madras-600 058

situated at Madras

(and mo e fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registering Officer at

Madras North/Doc. No. 2127/85 on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market v lue of the aforesaid property and I have reason to believe t at the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifte n per cent of such apparent consideration and that the consi eration for such transfer as agreed to between the parti: has not been truly stated in the said instrument of transf: with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) cilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the turposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 c i 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 157 (27 of 1937);

Now, it :refore, in pursuance of Section 269C of the Act, I he the initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, r. imely :---

54--6 GT/36

(1) Sri S. V. Raghavan, 55, Greenways Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) M/s, Sadhan Tool Rooms (Pvt.) Ltd., C. 16 Industrial Estate, Ambattur, Madras-600 058.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were point a period of the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. C.16, SIDCO's Industrial Complex, Ambattur Estate, Madras North. Doc. No. 2127/85.

> Mis. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Madras-600 006

Date: 6-3-1986

#### FORM ITNS----

(1) 1. Smt. Hamsa Seshamma, 2. Hamsa Krishnaiah and 3. Ravichandra, 37/A, Village St., Madras-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chamundeeswari and G. Jagadeesan, 116, Sanjeeviroyan Koil St., Madras-21.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 18/July 85.-Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 37/A, Village St., Sathangadu Village,

situated at Thiruvottiyur, Madras-19 (R.S. Nos. 237/1 and

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvettiyur/Doc. No. 2249/85

on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such exparent considertation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 37/A, Village St., Sathangadu Village, Thiruvottiyur, Madras-19. (R.S. Nos. 237/1 and 237/14A). Thiruvotriyur/Doc. No. 2249/85.

> Mrs. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely :--

Date: 6-3-1986

5 1 50 2 2 22

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 22/July 85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the result Act.) have a support to be a section 269B. the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Madavakkam Tank Road, Purasawalkam, R.S. No. 3173/78

situated at Purasawall.am

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 1245/85

on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri B. A. Jagannathan son of Bhagyanathan No. 26, A. K. Swamy Nagar, 6th St., Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri M. H. Abdul Majced, No. 2, Harley's Road, Kilpauk, Madras-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Madavakkam Tank Road, Purasawalkam R.S. No. 3173/78.

Purasawalkam/Doc. No. 1245/85.

Mis. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madias-600 006

Date: 4-3-1986 Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 26/July 85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat II floor, Akbarabad, II st., situated at Kadambakkam

situated at Kadambakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registring Officer at Kadambakkam (Dos. No. 2077/85

Kadambakkam/Doc. No. 2077/85

on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri B. Ananda Rao, S/o Late S. Sanjiva Rao, Special Assistant, United Commercial Back, Bazaar Branch, Pondicherry.

(Transferor)

(2) Sri K. T. Joseph, s/o Sri K. T. Thomas, Flat No. 6, Door No. 8, Akbarabad II St., Kodambakkam, Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the saic property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sail immovable property, within 45 days from the d te of the publication of this notice in the Official razetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used the said are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat : II floor, Akbarabad, II St., Kodambakkam, Madras. Kodambakkam.

Doc. No. 2077/85.

Mrs. M. CAMUEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madres-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 X ACC. 1961 (43 OF 1961)

#### (1) 1. Smt. Vijayalakshmi Bhaskar, 2. Sri Bhaskar, No. 8A, Rathnammal St., Rangarajapuram, Madras-24.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sri S. Vasudevan, No. 45, Venkatesan St.,

Madras-17.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

Mac as-600 006, the 6th March 1986

MADRAS-600 006

Ref. No. 33, July 85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Comittent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Ac.) have reason to believe that the immovable property, havin: a fair market value exceeding Rs 1.,00,090/- and bearing

No. 8-A, Muru əsa Nagar in No. 109, Puliyur village, T.S. No. 4/2, Part, slock No. 45,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakka //Doc. No. 2252/85

on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideratic for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the manaferor to pay tax under the said Act in respect of any indexes which from the transfer: mad, for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ught to be disclosed by the transferee for the pur oses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land and Building: No. 8A, Murugesa Nagar in No. 109, Puliyur village, T.S. No. 4/2, Part, Block No. 45. Kodambakkam/Doc. No. 2252/85.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the inid Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper v by the issue of this notice under subsection (1) of & ction 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 37/July 85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Sec) have reason to believe that the immovable

as the said (etc) have reason to believe that the individue property, having a fan market value exceeding Rs. 1,50,650/- and bearing No. 4th livenue, Ashok Nagar, situated at Madras-83 (and more fally described in the schedule annexed hereto), has been functioned under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the onice of the Registering Officer at Kodambalkam/Doc. No. 2303/85 on laby, 1985

on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exce its the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sri T. M. David, s/o Sri D. David, /, в & C Mills Gardens, Madras.

(Transferor)

(2) Sri M. Avinash (Minor), s/o B. Mohan, Guardian M. Rajeswari w/o B. Mohan, 11, 77th St., 16th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall nave the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nagar, Land and Building: 4th Avenue, Ashok Kodambakkam, Madras-83. Doc. No. 2303/85.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 39/July 85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 451, R. K. Shanmugham Road, K K. Nagar, situated at Madras 78, R.S. No. 418 (part) and 419 (part) Kodambakkam/Doc. No. 2320/85,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following person namely:

(1) Smt. N. Susila, 17, III Cross st., Scethamma Colony, Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri V. Ganesh, No. 3, Madha Church Road, Madras-28.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaner; as given in that Chauter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 451, R. K. Shanmugham Road, K. K. Nagar, Kodambakkam, Madias-78, R.S. No. 418 (part) and 419 (part). Doc. No. 2320/85.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-3-1986

 Sri K. Altaf Husain, No. 10, Dr. Guruswamy Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. K. Anwaruddin, No. 15, Navroji Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II MADARS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 40, July 85.—
Whereas 1, MAS. M. SAM, EL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable croppetty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Gill Nagar Extension II, village No. 109, T. S. No 97, Block No. 12, Madras-94 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kedambakkam/Doc. No. 2353/85 in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair or the value of the aforesaid property and I have rea on to both we hat the fuir market value of the property as aforesaid acceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act of the base the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land: SITE Gill Nagar Extens on II, Village No. 109, T. S. No. 97, Block No. 12, Madr: s-94. Kodambakkam/Doc. No. 2353/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:

Date: 6-3-1986

(1) Smt. Mumtaz Begum, 2. Ahmed Sheriff, 4, Alandur Road, Saidapet, Madras-15.

(Transferor)

13223

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri N. Devaraj, 1, Navab Abibullaj Avenue, III Cross Anderson Road, Madras-6.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-11 MADARS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 121/July 85
Whereas I, MRS. M. SAMUE1.,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T. S. No. 6, Block No. 14, KOTTOOR, Zamin Adayar,
village Madras-85

village, Madras-85

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Adayar/Doc. No. 1764/85 in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saki Act, or the Wealth-ten Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 65-6 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land:—T. S. No. 6, Block No. 14, Kottoor, Zamin Adayar, village, Madras-85, Adayar/Doc. No. 1764/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADARS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 122/July 85 Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 141, Plot No. 35, Karpagambal Nagar, Kottivakkam village,

141, Flot No. 35, Karpagambal Nagar, Kottivakkam village, Saidapet Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1818/85 in July 1985 for an apparent consideration which is

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid becaused the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. S. Mohana, W/o. M. Sivaprakasam, Plot No. 35, Karpagambal Nagar, Kottivakkam, Madras-600 041.

(Transferor)

(2) Sri N. Srinivasan, 20, Maduraiveeran Koil St., T. Nagar, Madras-17

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No 35, Karpagambal Nagar, Kottivakkam, Madras-41. ADAYAR/Doc. No. 1818/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# Mrs. J. Akkilandam, "SRIRAM", 961, Sree Nagar, Bangalore-560 050,

(Transferor)

(2) Dr. N. Rajaram and Dr. Mani Roop Mala, 9, I St., D.P. Nagar, Kotturpuram, Madras-85.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 123/July 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 55, T.S. No. 2, part of Block No. 14, and
T.S. No. 6 Part of Block No. 16, LAYOUT No. 166/72,
situated at Adyar Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1899/85 in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument

of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building Plot No. 55, T.S. No. 2, Adayar, ADYAR/Doc. No. 1899/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-3-1986

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## JFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 129/July 1985.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 26, Begum Sahib Third St., situated at Thiruvateswaranpet, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No. 524/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uransfer with the object of:—

(4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri V. V. R. Selvaraj,
 Begum Sahib III St.,
 Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

Smt. S. Jayabarathi,
 W/o V. V. R. Swaminathan,
 Begum Sahib III St.,
 Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building No. 26, Begum Sahib III St., Madras-2. Triplicane/Doc. No. 524/85.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

## Sri C. Subramania Rao and 6 others. 20, V. M. St., Madras-14.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Sri K. Abdulla and 2 others, 4. Annasamy Naicken Lane, Ellis Road, Madras-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1986

Ref. No. 130/July 1985.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 30, Chinnathambi Mudali St., situated at Triplicane, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane Doc. No. 535/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Land and Building Old No. 26, New No. 30, Chinnathambi Mudali St., Triplicane, Madras, Triplicane/Doc. No. 535/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-3-1986

Srj Krishnaswamy Santharam, No. 3, Bank Flats Stand-88-D Great East Road, Lusatka, Zambia.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aformald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. Ranganadham, No. 25, Acharappan St., Madras-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 133/July 1985.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ignmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 353-W, II Cross St., I Main Road, situated at

I Avenue,

Indira Nagar, Madras-20,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1951/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesald property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the respect of any meome arising from the transfer;

THE SCHEDULE

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the s

in that Chapter

Land and Building: Plot No. 353-WT. S. No. 33, Block No. 15, Kalikundram II Cross St., I Main Road, I Avenue, Indira Nagar, Madras-600 020.

Adayar/Doc. No. 1951/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the base of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 134/July 85.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat (I floor) 2, Deepak Apartments, 27, Orur Kuppam Road, Off 5th Avenue, Besant Nagar, Madras-90, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc, No. 386/85 in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Veda Srinivasan, W/o K. S. Srinivasan, 85. Yusuf Sarai, D.D.A. Flats, New Delhi-110 049.

(Transferor)

Mrs. Sheela Nadkarni, W/o S. S. Nadkarni, No. A1/2/6 V.O.C. Colony, Besant Nagar, Madras-90.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the purication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat (I floor) 2, Deepak Apartments, 27, Orur Kuppam Road, Off 5th Avenue, Besant Nagar, Madras-90.

Adayar/Doc. No. 386/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Maduas-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1986

(1) Sri K. H. Joseph and others, 47, Muthugramani St., Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. Balasubramanian, 34, Venkatakrishnan St., Madras-28,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 136/July 85.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. B/124, 8th Cross St., situated at Systemacon Madras 20.

situated at Sustrinagar, Madras-20,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 2037/85 in July 1985

Adayar/Doc. No. 2037/85 in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-uid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Land and Building Door No. B/124, 8th Cross St., Sastrinagar, Madras-20. Adayar/Doc. No. 2037/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A-t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

## **ACQUISITION RANGE-II** MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 137/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being he Competent Authority under Section 269B of the Incom tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable proper having a fair market value exceeding Rs. 1. 0.000 and bearing No. Pl t No. 23, North Bong Road, T. Nagar, situated at Madras-17 (T.S. No. 4847—4848 part (and 1 ore fully described in the Schedule annexed hereto). has be a transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 190°) in the office of the Registering Officer at T. Nag 'r Doc. No. 917/85 in July 1985, for a arrarent consideration which is less than the fair narker value of the aforesaid property and I have reason to

(a) facilitating the reduc

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

transfer with the object of :-

and/or

believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the conside ation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Non therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I pereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons name: 86-6 GI/86

(1) Smt. D. Soundaravalli alias Soundara Kokilam, 24, Sir C. V. Raman Road, (by Power Agent N. Veeraraghavan) Madras-18.

(2) Smt. S. Rajeswari, No. M. Jongalapalli village, Nayudupeta taluk, Nellore Dist.

Objections," if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Plot No. 23, North Boag Road, T. Nagar, Madras-17. T.S. No. 4847-4848 part.

T. Nagar/Doc. No. 917/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-3-1986 Scal:

ities

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1986

Rcf. No. 143/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 5, Lalkshmi Nausimhan St.,

situated at T. Nagar, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at T. Nagar/Doc, No. 824/85 in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets whicht have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) of the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuas, pamely:—

(1) Sri K. Balasubramanian, 5, Lakshmi Narasimhan St., T. Negar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri S. Sivasundar, No. 2, Lakshmi Narasimham St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building 5, Lakshmi Nerasimhan St., T. Nagar, Mad.us-17, T. Nagar/Doc. No. 824/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madits-600 006

Dato: 5-3-1986

- .<u>.</u>.. <del>...</del>

FORM ITNS-

(1) Sri K. Venkateswaran, Sri V. Venu, A-11, Lhaveni Colony, Madras-600 093.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Sri M. Venkata Subba Rao, Minor represented by his father and guardian M. Audiseshaiah, 23, Naiskmar St., West Mambalam,

Maduas-23.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

(b) by any other person interested in the said immov-

the service of notice on the respective persons,

able property with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 144/July 85.—Whereas, I, MRS. M. 24MUPL, being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7A, tiva ailam Road, T. Nagar, situated at Madras-17, (Plot No. 18A) R.S. No. 32 and 34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred order the Registration Act, 1508 (16 of 1908) in the order of the Registration Officer at T. Nagar/Doc. No. 796-85 in July 1985, to an a parent consideration which is less than the fair market value of the africanced market value are the value of the africanced market value of the africanced market value of the africanced market value are the value of the africanced market value are the value of the africanced market value exceeding the value of the North value of th

market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent confideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given

in that Chapter.

whichever period expires later;

## THE SCHEDULE

Land and Building Door No. 7A, Sivasailam Road, T. Nagar, Madras-17. (Plot No. 18A).

T. Nagar/Doc. No. 796/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IU MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1986

Ref. No. 145/July 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A.t., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 33, Venkatar ma Iyer St., T. Nagar,

situated at Madras-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagor—797/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which coght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri S. Subburataam, 33, Venkatarama Iyer St., T. Nagar, Madras-17.

(Tra: :feror)

(2) Mrs. K. Sulochona and Mrs. K. Radha. 9, Dr. Nair Poad, T. Nagar and flat E/5, 15, Griffith Road, T. Nagar, Madras-17 respectively.

(Tran.feree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a pe iod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 'nmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaz ite.

EXPLANATION: -The terms and expressions used he ein as are defined in Chapter XXA of the s. d. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Land and Building Venkatarama Iver St., T. Nagar. Madras-17. 6 grounds and 1586 sq. ft.

T. Nagar/Doc. No. 797/85,

MRS. M. S/ MUEL Competent A thority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madus-00 005

Date: 5-3-1986

## FORM ITNS----

NOTICE U DER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE O. THE INSPECTING ASSISTANT COMN 3SIONER OF INCOME-LAX Z. COUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madn. -600 005, the 5th March 1986

Ref. No. 146/ft / 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUL being the Compt Income-tax Act, to as the 'said movable property Rs. 1,00,000/- an No. 3 First st., R. situated at Madra 17,

r Authority under Section 269B of the 61 (43 of 1961) (hereinafter referred ct'), have reason to believe that the imarising a law market value exceeding bearing 140. builah Road, T. Nagar, Madras-17,

(and more fully has been transfered in the schedule annexed hereto), has been transfered in the schedule annexed hereto), defend the frequency of 1908) in the coordinate the frequency of the first transfer of the first t for an apparent market value of the adoresaid property, and I have reason to believe that to adoresaid property, and I have reason to believe that to adoresaid property, and I have reason to believe that to adoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partic; has not been truly stated in the said instrument of tra sfer with the object of:—

(a) facilitath the reduction or evasion of the liability of the t eferor to pay tax under the said Act, la respect ( my income arising from the transfert and/or

(v) facilitative the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which or the be disclosed by the transferee for the pur; sees of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 222) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of So on 269D of the said Act to the following namely: persons, namely :---

(1) Mrs. P. Sulochana. Devi, 4, III st., Indira Nagar, Medras-20. (Transferor)

(2) Sri Tulsidas and Mrs. Sunita Tubidas. No. 35, Thirumurthy St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insurvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building Door No. 3, First St., (Old No. 189-3A), Habibullah Road, T. Nagar, Madras-17.

T. Nagur/Doc. No. 807/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madius-600 006

Date: 5-3-1986

(1) Smt. Indrani Ammal and others, 411, Vysial St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Başırwandass Reddiar and Yasodammal, (4, Sterling II Cross St., Madras-34)
No. 2, Rajammal St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 147/July 85.—Whereas, I,

MRS. M. S. MULL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00 00) - and become No. 2. Reference St. T. M. 1975

No. 2, Rajammal St., T. Nagar, situated at Madras-17,

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1308 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Ecc. No. 809/85 in July 1985,

for an appoint cossimption which is less than the fair market value of the efferes if property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid  $\epsilon x > ds$  ,  $\epsilon$  apply at localde attor therefor by more than fifteen pur cont of such appaient consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and:::r

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building No. 2, Rajammal St., T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 809/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri D. Tukaram Rao and others, 23, Ranga lyer St., Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri N. Vijayagopal, 116, Usman Road, Madras-17.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME IAX

ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 150/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Rs. 1,00,000 and bearing

Rlock No. 109, T.S. No. 5459 of T. Nagar situated at T. Nagar, Extent: 3312.5 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 844.85 in July, 1985 for an annorent consideration which is less than the fair being the Competent Authority under Section 269B of the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days fro. 1 the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever paind expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: -Block No. 109, T.S. No. 5459 of T. Nagar.

T. Nagar/Doc. No. 844/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Dato: 6-3-1986 Seal :

#### FORM HINS----

and the contract contract of the contract of t

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th March 1986

Ref. No. 151/July 85.—'Vherens, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. Plot No. 169, West CH Nagar, Madras-35 situated at Madras-35 cand more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Recistering Officer at Madras South/Dec. No. 1968/35 in July 1935 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid property and I have reason to believe that the fair market value of the pronecty as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has now been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 3557 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. T. Paskarawalli, and other w/o Thangarathinavalu, No. 42, West Road, West CIT Lagar, Madras-35.

- -

(Transferor)

(2) Smt. R. Bageerathi, w/o C. S. Raghavendra Rao, No. 11, Netaji St., Saidapet, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition the said property may be made in writing to the undersite.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rubbin them of this notice in the Official Gazette or a per the service of notice on the spective persons, whichever period of 1 of 30 days from the service of notice on the spective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notion in the Official Gazette.

EXPLANATION: —"12 for and express is used beloin as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the san meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 169, Vest CIT Nagar, Madras-35.

Madras South/Doc. No. 1968/85,

MRS, M. SAMUEL
C. apeleat Authority
Inspecting Assistant Commisses or of Income-tax
quisition Range-II
Abdras-600 006

Date : 6-3-1986 Seal :

NOTI E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# Sri T. Babugurukkal, North Mada St., Thiruvanmiyur, Madras-41.

(Transferor)

Sri N. Venkateswaran,
 Bhomanan Mudali Garden,
 Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

## OFF CE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 154/July 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) there defier referred to as the image value incorrectly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00 '- and bearing No.

Vacant site t No. 140, Thiru anmiyur situated at Madras

(S. No. 146 4).

(and more ully described in the Schedule annexed hereto). has been ransferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Madras Sou h/Doc. No. 2109/85

for an approach to consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument

of transfer vith the object of-

facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which hought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 19:7 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) if Section 269°D of the said Act, to the following persons. named 7:—6 GI/86.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site: No. 140, Thiruvanmiyur, (S. No. 144/4) Extent: 3892 sq. ft.

Madras South/Doc. No. 2109/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Thiruvenmiyur, Madras-41.

(1) 1. Smt. J. Nirmala 2. G. Janakiraman, No. 9, 10th Hast St., Kamaraj Nagar,

(Transferor)

(2) Mrs. Raji Subramanian, No. 42/12, West Avenue Appu Colony, Madras-41.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 155/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Pr 1 00.000/- and bearing No. 9, 10th Fast St., Kamaraj Nagar, situated at Th'ruvanmiyur, Madras-41 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 2149/85 in July, 1985 for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: No. 9, 10th East St., Kamarajnagar, Thiruvanmiyur, Madras-41. Madras South/Doc. No. 2149/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Dato : 4-3-1986

Seal !

## FORM JTNS-

(1) Smt. N. Savithri, 7. 44 A. Basant Nagar, Madras-90.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri T. S. Padmanabhan, 80, Sullivan Garden St., Mylapore, Madras-600 004.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 160/July 85.—Wherea, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4, Part, Sruam Nagar North St., situated at Alwarpet, Madran-600 018 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 725/85 in July 1935 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interestd in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat: Door No. 4/Part, Sriram Nagar, North St., (III Fl.), Alwarpet, Madras-18.

Madras Central/Doc. No. 725/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 4-3-1986

A STATE OF THE PROPERTY OF THE

#### FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 166/July 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,006//- and bearing No. 11, Ganapathy Mudoli St., Madras-14

situated at Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 708 and 709, 85 in July, 1985

for an approent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the east Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax A.t. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preverty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sii Gunapal Jain, 12. Ganapathy Mudali St., Madras-14.

(Fransferor)

(2) Mrs. Ramibai Jeppiar, No. 23, Vadagaram Railway Colony, 2nd St., Madras-29.

· Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sild property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respect. persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested by the sold immove able property, within 45 days from the ate of the publication of this notice in the Official Gazette.

  Explanation ——The terms and expressions use herein as are defined in Chapter XXA of t a said Act, shall have the same meaning a given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 11, Ganapathy Mudal' St., Madras-14.

Madras central/Doc. No. 708 and 709/85.

MRS. M. SAMUEL Competen' Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisitica Range-II Macras-600 006

Date: 4-3-1986

FORM NO. LT N.S.

\_\_\_\_\_

NOTICE UI FR 30C110N 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT 1961 (41 OF 1961)

(1) Miss Lourdu Mary & others, No. 60/C, LIG Flats, Lattice Bridge, Road Indira Nagar, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Mrs. N. Meharunnissa, 7, De'Monte St., Santhome, Madras-4.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MAE/RAS-600 006

L. Luc-600 006, the 4th March 1986

Ref. No. 1. )/July 85.--Whereas, I,

MRS. M. SA UEL, being the Co petent Authority under Section 269B of the Income-tax A. 1901 (13 of 1961) (heremafter referred to as the 'said . ...'), have reason to believe that immovable property. The said bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,0007-No. 49, Sant. ma High Load, Raja Annamalaipuram,

simated at N. dras-600 028

(and more it y described in the Schedule annexed hereto), has been in sterred under the Registration Act 1908 (16 of 190) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Do. 190, 309/65 in July, 1985

for an appare 1 consideration which is less than the fair market value 1 the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds : a apparent consideration therefor by more than fitteen potential of such apparent consideration and that the consideration in For such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilly ling the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and,

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 49, Santhome High Road, R.A. Puram, Madras-28.

Mylapore/Doc. No. 869/85.

(b) facili ting the concealment of any income or any mone t or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 o. 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefire, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the trace of this notice under subsection (1) of ection 269D at the said Act, to the tollowing persons, name, ; -

Date: 4-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th November 1985

Rcf. No. 1/July 1985.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL,

being the competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, Faving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'Leo Theaire' R.S. No. 375/182

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at Triplicane/floo. No. 599,85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

have reason to believe that the fair market value of the property as a oresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesace property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :-

(1) Sri A. R. Srinivasan, Smt. Geetha, Sivakumar, Smt. Uma Shankar, M/s. Midland Theatre Pvt. Ltd., G.P. Road, Madras-2.

(Transferor)

Kum. Jaya Pradha, Raj Babu,
 Hindi Prachar Sabha Road,
 Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: R.S. No. 375/182-'Leo Theatre'. Triplicane/Doc. No. 599/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 15-11-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th March 1986

C.R. No.  $62/R-1778/37EE/85-86]\Lambda CQ[B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,$ 

Inspecting Assistant Commission of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5B situated at Edward Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Bangalore vide Registration No. 1533/85-86 dt. 29-7-1985 for an apparent consideration which is less than the taur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Rajlakshmi Mani W/o Mr. P. S. Mani Mr. P. N. Suresh S/o Shri P. S. Mani 4/272E Jayarathinagar Colony, Near beach Hospital Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Mr. K. Vikram Menon S/o Late M. K. Menon Mrs. Nirmala Menon W/o Mr. Vikram Menan 5-B V floor, HVS Apartments, 1 Edward Road, Bangulore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1533/85-86 dated 29-7-1985)

Flat No. 5B, V floor, HVS Apartments, No. 1 fedward Road, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 5-3-1986

### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th March 1986

C. R. No. 62/R-1684/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

Acquisition Range, Bangatore, being the Competent Authority under Section 269AB of the mome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3 situated at C. J. De Souza Road, Hayes Road Cross, Bangalore-560 025 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Banga'ore vide Registration No. 1505/85-86 dated 4-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than caid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frem the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mr. S. R. Muralighar, No. 54 Shalimar Apartments, No. 3, C.J. De Souza Road, Bangalore-560025.

(Transferor)

 M/s. Western Manufacturing Co. Bombay (P) Ltd., 5D, Vulcan Insurance Building, Veer Nariman Road, Bombay-400020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1506/85-86 Dated 4-7-85) A two Bed Room flat comprising an area c? about 1200 sq. ft. situated in the V Hoor and bearing No. 54, Shalimar Apartments No. 3, C.J. De Souza Road, Hayes Road Cross, Bangalore-560025.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-3-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Mittal Development Corporation, 47/6 M.G. Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Consolidated Coffee Limited, Pollibetta-571215, South Coorg. Karnataka State.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1986

C.R. No. 62/R-1765/37EE/85-86/ACQ/B.--Whereas. I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 310 situated at No. 40 Netaji Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore vide Registration No. 1528/85-86 dated 29-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ween the parties has not been truly stated in the said matru-

ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested at the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1528/85-86 Dated 29-7-85) Flat No. 310 on III floor at Nidhi Apartments, No. 40 Netaji Road, Bangalore-5.

> R, BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 68-6 GI/86

Date: 6-3-1986

Scal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th March 1986

C.R. No. 62/R-1744/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas. 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. B-12 situated at No. 10, Convent Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Bangalore vide Registration No. 1516/85-86 dated 15-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vasundhara Enterprise, 1/2, Shrungar Shopping Centre, 80 M.G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Dr. K. S. Ganapathy, B.C. 165 Camp, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1516/85-86

Dated 15-7-85)

Flat No. B-12 on 1 Floor in Manish Complex at No. 10 Convent Road, Bangalore-25 admeasuring approximately 1510 sq. ft. Built up area.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 ÖF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Vasundhara Enterprises. 1/2, Shrungar Shopping Centre, 80, M. G. Road. Bangaiore-560001.

(Transferor)

(2) Mrs. Anita Nenumal Moorjani, No. 18. I floor, 9-A Cross, Wilson Garden, Bangalore-560027.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th March 1986

C.R. No. 62/R-1742/37EE/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B-52 Manish Complex, situated at No. 10, Convent Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore vide Registration No. 1514/85-86 dated 15-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trees the survice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the curposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores id property by the issue of this notice under sub-section. (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1514/85-86 Dated 15-7-85) Flat No. B-52 on V floor in Manish Complex at No. 10. Convent Road, Bangalore-25.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangafore

Date: 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th March 1986

C.R. No. 62/R-1741/37EE/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 100 000/2, and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. D-34 situated at Convent Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bangalore vide Registration No. 1513/85-86 dated 15-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Vasundhara Enterprises.
 I/2, 1st Floor Shrungar Shopping Centre,
 M, G. Road.
 Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. S. Venkataraman, Asstt. Group Technical Manager, Madura Coats Ltd., 10/4 Kasturba Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1513/85-86 I

Dated 15-7-85)

A flat measuring 1110 sq. ft. (built up) bearing No. D-34 on the III floor No. 10 Convent Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th March 1986

C.R. No. 62/R-1743/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereus, J. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. F-12

situated at No. 10, Convent Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore vide Registration No. 1515/85-86 dated 15-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 M/s, Vasundhara Enterprises.
 1/2, 1st Floor Shrungar Shopping Centre, 80, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. P. N. Rajesh, Mrs. Jayashree Rajesh, 27, K. H. B. Lay out Koramangda, Bangalore-560034.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1515/85-86 Dated 15-7-85)

A flat measuring 1350 sq. ft. (built up) bearing No. F-12 on the 1st floor of the building No. 10, Convent Road. Bangalore-560001,

R. BHARDWAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-3-1986

-----

#### FORM ITNS---

#### Shri Amar S. Desai, No. A-23, Income-tax Colony, Bombay.

#### (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# 1. Shri Krishna Kant C. Desai, 2. Shri Ali K. Desai. No. 7, Race Course Road, Bangalore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th March 1986

C. R. No. 62/47890/85-86/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 7, situated at Race Course Road, Bangalore

No. 7, situated at Race Course Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 5-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1146/85-86

Dated 5-7-1985)

All that property bearing No. 7, at Race Course Road, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

Date: 5-3-1986

- - - Tubin Citizan Sub (MC-7) relia

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th March 1986

CR. No. 62/48089/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. Nos. 202, 202/2, 203/1, 160/A, 217, 188/18, 218/3.
203/2, 118/19A, 199/1, 201 and 200, situated at Masgodu village, Somwarpet Hobli, N. Kodagu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Somwarpet on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of umnsfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri D. N. Chenraj, Planter, Masgodu Estate, Masgod Village, Somwarpet, Hobli, N. Kodagu.

(Transferor)

(2) 1. Shri T. J. Varghese, Polibetta, S. Kodagu.

2. Shri Mathew Varghese, Polibetta, Nowemployed, in Middle East.

3. Shri M. C. B. Nambiar, Tellichery, Kerala.

(Transferee)

(3) Shri D. N. Chenraj, Planter, Masgodu Estate, Masgod Village, Somwarpet, Hobli, N. Kodagu.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri D. N. Chenraj, Planter, Masgodu Estate, Masgod Village, Somwarpet, Hobli, N. Kodagu.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 598/85-86) Dated July, 1985)

Property bearing Sy. Nos. 202, 202/2, 203/1,  $160/\Lambda$ , 217, 188/18, 218/3, 203/2, 118/19A. 199/1. 201 and 200 at Masgodu village, Somwarpet, Hobli, N. Kodagu.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-3-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OF ICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1986

C.R. No. 62/47863/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 11, situated at Jayamahal Road,

Jayamahal Extension, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any morneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely -

(1) Smt. Munira Taher, No. 26, I Cross, Jayamahal Extension, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ajit Mangharam Pamnani, Mrs. Poonam Ajit Mangharam, No. 10/5, Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore-46.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 975/85-86

Dated July 1985)

Property No. 11, Jayamahal Road, Jayambahal Extension, Bangalore-6. (Total extent of 8,370 sq. ft.).

> R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-3-1986

\_\_\_\_\_

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1986

C.R. No. 62/47897/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. 14 and 15, situated at I Cross, Jayamahal Extension, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 28-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the likelity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-69-6 GI/86

(1) Shri R. D. Alford. No. 14/15, I Cross Road, Jayamahal Extension, Bangalore-46.

(Transferor)

(2) Mrs. Munira Taher, No. 11, Jayamahal Road, Bangalore-46.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Galone

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Douument No. 1227/85-86 Dated July, 1985)

Premises bearing New Nos. 14 and 15, I Cross, Jayamahal Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/o Agoor Subharaya Sitaonivasa, Fort Road, Shimoga.

(1) Shri Anantha Padmanabha

(Transferor)

(2) Sri Mohandas U. Lilami, Gandhi Bazar, Shimoga.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th March 1986

C.R. No. 62/405/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Khata No. 121, 118/113/400 situated at Gandhi Bazar Shivnagar order Khata No. 121, 118, 113/400 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 1167/85-86 on 30-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922). or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1167/85-86

Dated 30-7-85)

Under Document No. 1167/85-86 dated 30-7-1985 situated at Shimoga City Admeasuring  $14+6/2\times30$  sq. mts, C.R.C.C. house built site measuring  $11+13\frac{1}{3}\times90$ ? at Shimoga.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-3-1986

Seal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Mr. Dwarkanath L.T. and others, Chowkipet, Davangere City.

(Transferor)

(2) Mr. Dummit Mohammad Sab, S/o Dummi Sanna Hussensab, Merchant Chamarajpet, Davangere-577001.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th March 1986

C.R. No. 62/439/37G/DWR|85-86|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 364 situated at 4th Ward 6th Division Chamarajpet

transfer with the object of :--

Davangere-1 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Davangere vide Document No. 2870/85-86 dt. 31-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay lax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) farilitating the condentations of any inscense or a moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse the purposes of the luttim littorial tax Act, 11 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth? Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2870/85-86 Dated 31-7-1985)

Site measuring 15' x 45' in Door No. 364 4th Ward, 6th Division, Chamrajpet. Davangere-1.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-1986

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd March 1986

C.R. No. 62/R-1772/37EE/85-86/ACQ/B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3 ownership flats situated at Bundore Ward Kadri' Village Mangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore vide Registration No. 1531/85-86 dated 29-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I mereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. B. Sadashiva Rai, Vas Lane, Balmatta, Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Madhukar Mally. S/o Sankappa Mally. Kunjathbail, Mangalore-575008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1531/85-86 Dated 29-7-1985)

3 ownership flats—measuring about 976 sq. ft. each in Knyitha. Apartments situated at Burder Ward Kadri Village.

Kavitha Apartments situated at Bunder Ward Kadri Village. Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

K. S. Rao Road, Mangalore-575001.

(2) Mohini H. Shetty,

(1) Poonja Arcade,

(Transferor)

 Mohini H. Shetty, W/o Hoovayya Shetty, Kellari Bhandari Main Vamanjoor, Mangalore-575005.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd March 1986

C.R. No. 62/R-1780/37EE/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value accepting

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing L-B, Lower Ground situated at Kasba Bazar, Village

Mangalore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore vide Registration No. 1534/85-86 dated 29-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following porsons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1534/85-86 Dated 29-7-1985)

Premises No. L-B. Lower Ground situated at Kasba Bazar Village Ward No. 13 Mangalore vide R.S. No. 597/1A & 578/2A2 and T.S. No. 217/1A and 216/2A2.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-3-1986

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Mr.B. Sadashiv Rai S/o B. Krishna Rai Lobo Lane, Malli Katta, Mangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Benedicta Molly Pais, D/o Raymond Naronha, Church Compound Kulshekar, Mangalore.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd March 1986

C.R. No. 62/R-1767/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, situated at Bendore Ward of Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore vide Registration No. 1530/85-86 dated 29-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accessed to between the parties has not been transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used beroin am are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1530/85-86

Dated 29-7-1985)

Flat No. 4 on the V floor of Kavitha Apartments at 15th Bendore Ward of Mangalore City Corporation measuring 976 sq. ft.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

#### FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd March 1986

C.R. No. 62/47980/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment Nos. 702/703. Richmond Place Apartments situated at No. 3, Convent Road, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration Office at 1908), in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid oxiceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habili of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferund/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

(1) Mrs. Naima Deepak Kamani, 'Ferohin', No. 31, Pochkanwala Road, Worli. Bombay-400 025.

(Transferor)

(2) M/s. Larsen & Toubro Ltd. 1. & T House, Narotham Morarji Marg, Ballard Estate. Bombay-400 038.

(Transferee)

(3) M/s. Larsen & Toubro Ltd. L & T—House, Morarji Nagar, Ballard Estate, Bombay-38.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Apt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1322/85-86 Dated July, 1985).

Apartment Nos. 702 & 703, in Richmond Place Apartments, No. 3, Convent Road, Blore, together with undivided 3/34th share of the land.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 3-3-1986

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS--

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd March 1986

C.R. No. 62/47938/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,0007- and bearing
No. 40 situated at Residency Road, B'lore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Office at

Shivajinagar on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any monsys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Linda De Crunj & others No. 40, Residency Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri J. R. Thapar No. C-3, Rustumji Apartments, No. 39, Norris Road, Richmond Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1446/85-86 Dated July, 1985).

Property bearing No. 40, at Residency Road, Blore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd March 1986

C.R. No. 62/47827/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 367 situated at III Block, Koramangala Extn. Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been f.ansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at B'lore South Tq. on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of a anafer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the litteam, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—70—6 GI/86

 Dr. Sushil Dua Sharma No. 21, Sundernagar, Bangalore-54.

(Transferor)

(2) M/s. Sreedhar Trust
 No. 8/22, III Cross,
 Jayanagar,
 B'lore-11.
 Rend. by Smt. C. A. Revathi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning or given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1224/85-86 Dated July, 1985). Site No. 367, III Block, Koramangala Extension, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K. Gowrishankar Sharma No. 46, P & T Colony, Ravindernath Tagornagar, Blore-32.

(Transferor)

(2) Shii Anees-Ur-Rahaman No. 181, Albert Street, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th February 1986

C.R. No. 62/47782/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

383, situated at Jumma Masjid Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax or 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1134/85-86 Dated July, 1985).

Property bearing No. 338, at Jumma Masjid Road, Civil Station, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-2-1986

#### FORM ITNS.

 Shri H. S. Narayana Rao No. 9, 8th M. C. Main, NHC layout, Vijayanagar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sree Hindwani Electricals No. 234, Shanthaveerappa Lane, Chickpet, Bangalore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th February 1986

C.R. No. 62/47868/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 528 situated at O.T.C. Road, Bangalore-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagar under document No. 1024/85-86 on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unster with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1024/85-86 Dated 8-7-1985).

All that property bearing No. 528, situated at O.T.C. Road, Bangalore-53.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsectior (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE (NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th February 1986

C.R. No. 62/47795/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 775, situated at 100 feet Road, H.A.L. II Stage Indiranagar, Hangalore-560 0038

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Shivajinagar under document No. 1052/85-86 on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Mability or the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceniment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said Act, or the Act, 1957 (27 of 1957);

erefore, in pursuance of Soction 2690 of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) 1. M. S. Narayanaswamy

2. Smt. Indira Narayanaswamy

3. Miss. Anuradha Swamy No. 7, I Cross. Lakshmi Road Bangalore-560 027.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dev Raj Suri &

2. Smt. Kamlesh Suri 775, 100 ft Road, H.A.L. II Stage, Indiranagat, Bangalore-560 038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1052/85-86 Dated 4-7-1985).

All that property bearing No. 775, situated at 100 ft. Road, H.A.L. II Stage, Indiranagar, Bangalore-560 038.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date :26-2-1986 Seal:

our . No sales and restriction of

#### FORM ITNS-

railleanann romainnailte ann 26 11 a

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th February 1986

C.R. No. 62/47785/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9 situated at Hospital Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1156/85-86 on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shrimati Balkis Moosa No. 11/1, Hospital Road, Civil Station, Bangalore,

. - . .

(Transferor)

(2) Shri Bhanechand Nahai No .100, Main Bazar, Ootacamund.

(Transeterce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1156/85-86 Dated July, 1985). All that property bearing No. 9 situated at Hospital Road. Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 26-2-1986

#### FORM PINS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th February 1986

C.R. No. 62/47779/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. 7 situated at Artillery Road, Ulsoor, Bangalore-8 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 1122/85-86 on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Anup Kumar Gangoly No. 15, Gulab View Bangalows Dr. C. P. Gidwani Road, Chambur, Bombay-400 074.

(Transferor)

(2) 1. Shri B. Raghurama Shetty

- 2. Mrs. Chandrakumari R. Shetty

- 3. Miss Noema R Shetty
  4. Miss Reema R. Shetty
  5. Miss. Seema R. Shetty
  6. Master Binay R. Shetty Mahabala Villa, Planters Lane, Mangalore-575 003.

(Transeferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1122/85-86 Dated July, 1985). All that property bearing No. 7 situated at Artillery Road, Visoor, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 24-2-1986

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1986

C.R. No. 62/DR.10/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00.000/- and bearing

Survey No. 242/1 situated at Taleigao Village, Dona Paula.

Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Dharwar under Registration No. 226/85-86 Dt. 10-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. (a) Francisco Souza Machado
  - (b) Maria Lourdes Martinse Machado
  - 2. (a) Vicente Alvaro Souza Machado

  - (b) Angela Souza Machado
    3. (a) Guilherme P. H. Souza Machado
    (b) Maria Antoinette P.de C.de Souza Machado

  - (b) Maria Antoinette P.de Cale Souza Marias
    4. (a) Ena Souza Machado e Costa Martins
    (b) Carlos de Costa Martins
    5. (a) Elsa Souza Machado e Menezes
    (b) D. Francisco de Menezes
    6. (a) Lila P. L. Martins e Pereira
    (b) Francisco Xavier Pereira
    7. (a) Luiza F. L. Martins e Fernandes
    (b) Paulo Bailon Fernandes
    (c) Paulo Bailon Fernandes
    (d) Evelyn I. Marting Godin
  - (a) Evelyn L. Machado Godin
     (b) Lt. Col. Stanley Francis Godin
     Lucia Eulalia Machado e Bragane a
  - (a) Maria Elxso Machado e Braganca

  - (a) Maria Elxso Machado e Braganca
    (b) Assuncao de Braganca
    (a) Querobino Martins
    (b) Lavinia Lopes
    R/o House No. 131, Gaunsavaddo Mapuca, Bardex, Goa-403 507.
    Maria Conceicao Xavier de Melo Souza Machado R/o Dondrem, Taleigao, Tiswadi Taluka, Goa-403 502.
    Umelino Fernandes e Martine
  - 13. Umelina Fernandes e Martins
  - 14. (a) Caetano Martins
    (b) Mauricia Amaral e Martins
    15. Miguel Joao Martins

  - 16. Fernando Lourdes Martins17. Francisco Eavier Martins18. Antonio Martins

  - 19. (a) Mariquinhas Mattins e Carvalho
    (b) Arvind Carvalho
    20. (a) Alice Martine e Lopes

  - Oscar Lopes
    (a) Lourdes Martins
    (b) Ralph Dias
  - 22. Fatima Martins
    R/o Caranzalem, Tiswadi Taluka,
    - Goa-403 301.

(Transferor)

(2) M/s. Alcon Real Estates (P) Ltd.

Velho Building, Panaji.

Goa-403 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 226/85-86 Dated 10-7-1985). Property known as Curla Vanguennim bearing Survey No. 242/1 situated at Taleigao Village at Dona Paula, Goa.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range Bangalore

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th February 1986

C.R. No. 62/DR.636/85-86/ACQ/B.-Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinotter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Chalta No. 70 sq. ft. Sheet No. 54 situated at Gogal of

Margao City, Goa

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Krishnadatta Sharma, Smt. Usha Krishnadatta Sharma Camba Margao, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Sapana Real Estate Varde Valaulicar Road, Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 788/85-86 Dated 22-7-1985) Land measuring 1000 square metres situated at Gogal of Margao City under Chalta No. 7 of P.T. Sheet No. 54.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20 2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th February 1986

C.R. No. 62/DR.637/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Chatta Nos. 254 & 232 of P.T. Sheet No. 257 situated at Varde Valauliker Road, Margaq, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 22-7-1985

Bangalore on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

71.-6 G186

71--6 GI/86

(1) M/s. Sapana Real Estate Varde Valaulicar Road, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) M/s Grace Nursing Home Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given at Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 787/85186 Dated 22-7-1985).

Second floor, 229 Building First floor 227 square metres, square metres and third floor 69 square metres, Chatta Nos. 254 & 232 situated at Varde Valaulicar Road, Margao.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Mary Ethel Maocarenhas & Shri Wilfred Maocarenhas Bombay by Shri Liber Mendonoa Miramar. Panaji, Goa. Power of Attorney holder.

(Transferor)

(2) Mrs. Delphine Menezes Sand dumes, Miramar, Panajim, Goa.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th February 1986

C.R. No. 62/DR.671/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Survey No. 369/3 situated at Porvorim in village Socorro Taluka and Sub-District of Bardez, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 28-7-1985

Bangalore on 28-7-1985

Bangalore on 28-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 786/85-86 Dated 28-7-1985).

Land & property measuring 11.400 square metres under survey No. 369/3 of Village Socorro, Taluka Bardez, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20-2-86

FORM I.T.N.S.-

 Dr. Ozler Placido Henriques and Mrs. Ruth Henriques, Vasco-da-Gama Goa-403802.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Alcon Constructions, Velho Building Panaji, Gon-403001.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 20th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR.697/85-86/ACQ/B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing (No. Survey under 111, 112 and 131 of P.T. Sheet No. 72 situated at Vaddcm, Vasco-da-Gama Gon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908, in the Office of the Registering Office at Bangalore on 12-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andles.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable preperty, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 785/1985-86 dated 12-7-1985)

Property known as "Casauddy" situated at Vaddem Vascoda-Gama under No. 767 within the limit of Marmugao municipality, Taluka and Sub-District of Marmugao, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 20th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR.901/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Chalta No. 2 and 4 of P.T. Sheet No. 121

situated at Tonca, Panaji

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908, in the Office of the Registering Office at Bangalore on 11-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evacion of the transferor to pay tax under the s respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anant Poi, Mrs. Vimalabai Poi Mr. Grishna Mahadeva Poi Vernekar c/o Kamat Real Estates, F/2, Indira Apartments, Caetano Albuquerque Road, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Kamat Real Estates, F/2, Indira Apartments Caetano Albuquerque Road, Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of nto of publication of this notice al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, rer period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 525/1985-86 dated 11-10-85). Four plots of a property admeasuring 5754 square metres

surveyed under chalta No. 2, 3 and 4 of P.T. Sheet No. 121 situated at Tonca, within the limit of Municipality, Panaji Taluka and Sub-District Ilhas, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

Date: 20-2-1986

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 20th February 1986

Ref. No. 62/DR.737/85-86/ACQ/B.-Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey under Chalta No. 1 of P.T. Sheet No. 120

situated at St. Inez Panaji Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officerr at Bangalore on 30-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :-

(1) Shri Mario Antonio Pereira & Lucy Soarcs Pereira Mrs. Julieta Bernardina Pereira Crenha, & Mr. Zeferino Vicente Da Crenha 3. Mr. Romeo Assrencao & Mrs. Liberata Pereira c/o Kamat Real Estates, Indira Apartments, Caetano querque Road, Panaji Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Kamat Real Estates, Indira Apartments Caetano Albuquerque Road, Panaji Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 784/85-86 dated 30-7-1985)

Plot "B" of property paddy field, plot "B' with approximate area 2839.00 square metres situated at St. Inez. Village Taleigao, Panaji Municipal area.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 20th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR.696/85-86/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Survey under Chalta Nos. 28 and 29 P.T. Sheet No. 135 and chalta No. 45 and 46 of P.T. Sheet No. 147 situated at Ward Rajvaddo of the city of Mapuca Taluka

Bardez, Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mr. Marcos Bras Gomes Catao and (others) Jean Vital Gomes Catao-7, Churdi Avenue, Santa-Cruz (West), Bombay-400 054, 2, Rev. Fr. Vincent Gomes Catao C/o Mrs. Anita Gomes Catao Fernandes, Mirod, Mapuca-Goa-403507. Anita Gomes Catao Fernandes and Mr. Norbert Franklin Fernandes, Morod, Mapuca-Goa-403 507.

(Transferor)

(2) Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Building, Panaji Goa, 403001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 783/1985-86 dated 12-7-1985)

House, well and land situated in the ward Rajvaddo of the city of Mapnea Taluka of Bardez Survey under chalta No. 28 and 29 of P.T. Sheet No. 135 and chalta No. 45 and 46 of P.T. Sheet 147.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 20-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 19th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1745/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 4901 situated at 45 Palace Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908, in the Office of the Registering Office at Bangalore vide Registration No. 1517/85-86 on 15-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely s(1) M/s. Navncel Brothers. No. 18A Rupchand Roy Street, Calcutta-700 007.

(Transferor)

(2) Master Brijesh S. Bathija (Minor)
Reptu. by his father and Natural Guardian Mr.
Srichand S. Bathija M/s. B. S. Industries,
6tth floor No. 23A Netaji Subhash Road,
Calcutta-700001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1517/85-86 dated 15-7-85)

Office premises No. 4901 admeasuring 537 sq.ft and No. 45. Palace Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 18th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1746/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 202
situated at 132 Infantry Road Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1518/85-86 on 15-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecten per cent of such apparent consideration and that the fair market walks of the property as

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfever to pay tax under the said Ast, in respect of any known arising from the transfer; and/or

(1.) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or writch ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Kailash Builders., 4/1-2-3 Plain Street, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Major A. T. Sethunarayan & Mrs. Banu Ali., 36, Crescent Road, High Grounds, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1518/85-86 dated 15-7-1985)

Apartment No. 202, in Tara Apartments, 132 Infantry Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1986

Scar

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-550 001, the 18th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1751/37EE/85-86/ACQ|B.--Whe eas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable prop rty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104 situated at Tara Apartments, 132 Infantiy Road,

Bang slore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1.08) in the Office of the Registering Officer at

at B ngalore under Registration No. 1522/85-86 dt. 15-7-85. for a apparent consideration which is less than the tair mark t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rans or with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under sur-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely: 72-6 GI/86

(1) Mrs. Sandhya Jaiswal. D-9 Manjumahal. 35 Pali Hills, Bandra (West) Bombay-50.

(Transferors)

(2) Mrs. Usha Balaram,W/o. Mr. BAS Balaram Murthy,6/2 Hospital Road Bangalore-53.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which eve: period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1522/85-86 dated 15-7-1985)

Flat No. 104 at First floor of Tara Apartments, 132 Infantry Road, Bangalore-560001.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-2-1986

AND BUTTON CONTRACT OF THE PARTY OF THE PART

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Elleventi Pritamdas, 132 Isfactly Road, Bangalore-560001.

(1) Mr. Rajadi Changkahoti,

Bangalore-67.

Brindsvan Laurent 1 351,

(Transferors)

(Transferces)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th February 1986

being the Competent Authority under Section 209B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property having a fair market value exceeding Rs 1.00.009/- and braring Flat 'No. 304 situated at 132, Infantry Poad Boncalow. (and more substantiated in the Schrödele Language I haveto), has been transferred under the Registration At 1998 (16 of 1908) in the Office of the Registration (When et Bangalore vide Registration No. 1545/85 dt 2-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Teaver with the object of :--

- eat facilitating the estitution of exactor of the lightlife of the transferor to pay tax under the soil Act is rement of any income evining from it is resident and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any droneve or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wating to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazedo or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period of the little
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 d 75 t om the date of the publication of this none varieties. Official Gazette.

Explanation, ... The torn a and respections used herein as are believed to the pter WAA of the said Act. shall have the same maning as given in that

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1545/85-86 dated 2-9-1985).

Apartment No. 104 in HI floor Tara Apartments, 132 Infantry Road, Bangalete-560001.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said has to the fellow in persons, namely :---

Date: 18-2-1986

#### FORM HAS

THE GAZETTE

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR.112/85-86/ACQ/B.—

Ref. No. C.R. No. 62/DR.112/85-86/ACQ/B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to beneve that the immovable property having a fair market value exceeding Ref. 1.00,000/- and bearing City survey challe No. 1 to 6 of P.T. sheet No. 112 situated at Santa Inez Talaka Inhas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Cificer at at Bangalore on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afoderaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such to aster in said to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I become usuate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shrimati R. W. Chowhan, 210, Goinda Building A. A. Road Panaji Goa 403001. (Transferors)
- (2) Shri Tagore Gracias, Prop: M/s. Best Drinks, House No. A-215, Altinho, Panaji, Goa.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 222/85-86 dated 10-7-1986).

Shop No. 8 on the ground florr of Bldg. No. 1 of Sec. I-HP-I City survey chalta No. 1 to 6 of P.T. sheet No. 112, admeasuring 47:000 square metres situated at Santa Inez, Taluka Ilhas-Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Ankush Rajaram Naik Prof : Veshal Construction St., Inez, Panaji-Goa.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transf ror)

(2) Shri Edwin Anthony De Louza. Mrs. Iris A. D Souza, Estedara, Bombay.

(Transf ree)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR.181/85-86/ACQ/B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing

under No. 7148 at page 121 Revenue B. No. B-45 situated at Morombi-o-Pequino of Morces (and more fully described in the Sch dule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office

at Bangalore on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a p riod of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-

pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immor ble property within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used here t as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as even in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Att, to respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any manays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 213/85-86 dated 10-7-1935)

Shop Nos. 9, 10 & 11 measuring 67.89 square metro of the three stops together and  $\rho(\alpha)$  of land admeasuring 221 square metres situated at Merombi-o-Pequeno of Merces.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shi:odkar Family Near Panjim Municipality, Panjim-Goa.

(Transferor)

(2) Raghurai Tamba Parimal, Altinho, Panjim-Goa.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR-64/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and beining No Survey chatla No. 228 to 232 PT sheet No 43 situated at Panaji, Taluka-Tiswad., Sub-District Ilhas Goa. (and more fully detailed in the Schedule annexed hereto), 1991 8061 1907 up 18451393 out 1941 up 18451393 out 1951 up 1965 or at Bengalore on 10-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a desaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 198/85-86 dated 10-7-1985). Property with residential house city Survey under chalta No. 228 to 232 PT. sheet No. 43 of Panaji city situated within the municipal area of panaji taluka Tiswadi sub-district Ilhas-Goa.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-2-1986

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1986

Ref. No. 62/DR.229/85-86/ACQ/B.—

Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Whereas, 1, R. BHARDWAI, being the Competent Aduhority under Section 269B of the Income-tax Act, (961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Survey chalta No. 228 to 232 PT sheet No. 43, situated at Vishweshwarnagar Hubli (and more fully described in the Schedule approved beseto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformsaid exceeds the apparent consideration he efo by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concessment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naracly :

(1) Transport Corporation of India Ltd. M. G. Road, Sceunderabad (Andhra Pradesh). (Transferors)

(2) Malprabha Investment & Service Company Pvt. Ltd., C/o Vijaya Transport. Corporation Building Behind New English School P.B. Road Hubli.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 220/1985-86 dated 10-7-1985)

Land 9.36 guntas in plots No. 1262 and 1263 of CTS extension Ward IV with a two Storeyed RCC. Bungalow having a plinth area of 299.5 square metres (G.F.) and 255.00 square metres and bou ded by a compound wall, Situated at Vishweshwar Nagar Hubli.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-2-1986

FORM IINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR.659/85-86/ACQ/B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. City survey under chalta No. 143 P-T Sheet No. 238 situated

at Margao-Gon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 20-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (i) Incilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; PROJECT CO.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely !e

(1) M/s. Durga Builders 8, norm Apartments Vasco-da-Jama.

Transferor)

(2) Shri Goild S. Angle C/o House of Tyres Near Railway bate, Margao-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days them the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 643/85-86 dated 20-7-85] Shop measuring 28.50 square metres situated at Cosme Caraelho Sr. Margao Goa. City Survey chalta No. 143 P. T. Sheet No. 238.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

Date: 19-2-1966

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th February 1986

Ref. No. C. R. No. 62/DR.735/85-86/ACQ./B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the competent Authority under Section 269AB of Uncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,003/- and bearing No.

Rs. 1,00,0007- and bearing No. Chalta No. 154 and 155 PT-Sheet No. 214 situated at Margao Taluka and Sub-District of Goa (and more unly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 19-7-1985

tor an avarent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Bateons, partiely i(1) Mr. & Mrs. Arcadius Rosario Pires. Margao-Goa-through their perfer of Attorney holder Sm. Maria Angela Leo oldina Placida da Silva, Margao-Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Orient Builders, Redualdo D'Costa Building, Margao-Goa P.O. Box. No. 226. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pur cation of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expres ons used herein as shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 644/85-86 dated 19-7-1985]

Piece of land admeasuring 857-square metres consisting a Residential house situated at Margao-Gca, within the Limits of Margao Municipal Council City Survey under chalta No. 154 and 155 PT-Sheet No. 214.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-2-1986

Seni L

### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR-729/85-86/ACQ/B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
City Survey chalta No. 187, 188 and 189 of P.T. sheet No.
208 situated at Comba, Margao-Goa.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office

at Bangalore on 28-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; eed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
73—6 GI/86 Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said

(1) J. Vasanta Mukunda Sinai Karapurkar

2. Sugandha Vasanta Sinai Karapurker R/o Parijat Building Comban Margao-Goa 3. Rajni Vishwanath Sinai Karapurkar R/o Santa Cruz, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. J. S. Constructions, Station Road, Margao-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 446/85-86 dated 28-7-85] House and plot measuring 521 square metres situated at Comba, Margao-Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-2-1986

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR.767/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 206, chalta No. 78 of PT-Sheet No. 23 situated at Margao-Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 23-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rosario Carvalho, owner of Carvalho's Apartments, Behind, Loyola High School, Margao-Goa

(Transferor)

(2) Mr. Cactano Emilio Carvalho, 15/9 Nester Bldg., Near Kalina church Kalina, Bombay-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 415/85-86 dated 23-8-1985] The Flat No. 206 measuring 708 square metres within the Limit of Margao municipal survey under chalta No. 78 of PT sheet No. 233 of city Survey, Margao-Goa. Built up area of about 72 square metres.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF ENDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR.792/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

chalta No. 13, 14 and 15 of PT-Sheet No. 88 situated at

Vasco-da-Gama.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office

at Bangalore on 1-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestick property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly existed in the said instrument of transfer with the object of f—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect fo any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tal Act, 1997 (27 of 1987);

- (1) 1. Froilano Carmelino Da Rocha Machado
  - Mrs. Sara Leonildes Das Merces Souza Machado.
    - Mrs. Sheela Do Carmo Da Racha Machado Meraec

4. Dr. Stacy S. Marces

 Carmelino Nice fero Pedro Damiao Jaques Antao Da Rocha Machado

6. Mrs. Eregenia Lopes Machado

- Anclo Constancio Do Carmo da Rocha Machado.
- 8. Ashish Carmelino Da Radia Machado 9. Vijay Do Carmoda Rocha Machado
- Antanio Carmelino da Rocha Machado
   Anita Sharinita do carmo da Rodia Machado Vasco-da-Gama,

(Transferor)

(2) Dattaraj Vanvdeva Salgaocar Vasco-da-Gama.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Guzette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1986

----

# FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bungalore-560 001, the 18th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/962/85-86/ACO/B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Chalta No. 2 of PT-Sheet No. 54 situated at Gogol,

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Margao-Goa on 23-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Venancio Lucio Fernandes alias Venancio Luis Fernandes; Ana Francisca Fernandes and Sepastiao Lourneco Fernandes R/o Ambeafonal, Ward No. 12 Baroda House No. 35 Margao-Goa. (Transferor)

(2) M/s. Carsebmanmil, Partnership Firm represented by Shri Carmo Lourenco de Menezes, and Shri Sebastino Aleixo Piedade da Veiga. R/o Curtovim village Salcete-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1021/85-86 dated 23-7-1985] Landed property under chalta No. 2 of PT-sheet No. 54 situated at Gogol, within the limit of Margao-Goa.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, musely :---

Date: 18-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th February 1986

Rcf. No. C. R. No. 62/47896/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 72-78 situated at V main road Gandhi Nagar,

Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhi Nagar under document No. 1226/85-86 on 26-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri B. T. Raghuram Reddy, No. 54, Benson 'B' Cross Bangalore.

(Transeferor)

(2) Shri Suresh S. Poojari, 72-78, V Main Road, Gaudhinagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1226/85-86 dated 26-7-85)
All that property bearing No. 72-78 situated at V Mainroad, Gandhinagar, Bangalore-9.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4096 Acq 23/II/85-86.—Whereas, J. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices built or being built—one share (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transforred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad, on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Ware Houses Socy, Ltd.
Ring Road—Surat,

(Transferor)

(2) M/s Ashok Weaving Works Salobatpura—Sidhi Sheri— Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-85. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4097 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

In TPS No. 8—Ring Road—Surat Offices—built or being built—one Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Form No. 37EE filed at A'bad, on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

(1) The Surat Textile Market Co.op, Shops & Ware Houses Socy, Ltd.
Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Ambica Weaving Factory— 4-2/55—A Begamwadi, Gayal Compound, Salabtpura—Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-85. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Ware Houses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 16.6 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4089 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing
TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices-built or
being built—One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Surit Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road-Surat,

(Transferce)

(3) M/s Arvindkumar & Bros. 103—Shantiniketan Socy. Lal Darwaja-Surat-3.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and to expressions used herein us are defined in hapter XXA of the said shall the same meaning as given Act. in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socv. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

#### FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Amratlal Manchharam Jariwala Anavil Sheri, Sagrampura— Surat

(Transferec)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.P. No. 4099 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acr., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road

Surat Offices—built or being built—One Share.

P. D. KHANDELWAL,

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trans erred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37F E filed at A'bad, on 10-5-85

Form No. 37FF filed at A'bad, on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value c? the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sacceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons pamely to [1]/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this Office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 5-2-86, Beal!

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shors & Watchouses Socy. Ltd. Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Anil Silk Industries— R. 3108, Surat Textile Market, Ring Road—Surat-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. PR No. 4100 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices—built or being built—One Share. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 c. 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad, on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Rcf. No. PR No. 4101 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here natter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the imaprable property, having a fair market value exceeding R., 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Fo m No. 37EE filed at A bad, on 10-5-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in nursuance of Section 269C of the said Act, I, heeby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.op. Snops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) Sh. Ambalal Manrupji Shah & Sh. Mithalal Manrupii Bhogar C/o Shah Ambalal Mithalal—K—1282, Surat Textile Market-Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in the office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

# NO11CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4102 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built

One Share,

Surat Offices—built or being built—One-Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Sony, Ltd. Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) M/s Ahuja Silk Industries— S-1237, Surat Textile Market, Ring Road—Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XX v of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. Ft.

P. D. KHANDELWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-86. Seal: 

#### FORM ITNS

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) M/s Amar Enterprises— Q-3248, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. PR No. 4103 Acq. 23-II/85/86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One-Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter N.V. of the defined as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. Ft.

P. D. KHANDELWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. PR No. 4104 Acq 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One-Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at Form No. 3722; filed at A bad on 10-5-85 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the apprecial property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as afformatic exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any risoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shop3 & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road-Surat,

(Transferor)

 M/s Arvindlal Mohanlal Kachiwala 6/378, Kharadi Sheri— Manchharpura, Surat-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.cn. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. Ft.

P. D. KHANDELWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-2-86.

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. PR No. 4105 Acq 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One-Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely tem

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road-Surat.

(2) Sh. Ajabali Sahani & Ors---X-1157, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein & are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Coop, Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. Ft.

P. D. KHANDELWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Date: 5-2-86.

and the street of the control of the control of the street of the control of the FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. PR No. 4106/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One-Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Fo m No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair malket value of the aforesaid property and

less than the fair mallket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair maket value of the property as a oresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent conside ation and that the consideration for such transfer as agrand to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the usue of this notice under subjection ( ) of Section 269D of the said fort, to the following borrom, namely two

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) M/s Anil Silk Mills— Q-1249. Surat Textile Market. Ring Road—Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.on. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. Ft.

> P. D. KHANDELWAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Abmedahad,

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Dist: Comput (Orissa). GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. PR No. 4107/Acq/23-II.85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

In TPS No. 8 Ring Road,
Surat Offices—built or being built—One-Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; ##1/cm

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat

(Transferor)

(2) Sh. Askaran Borhta Jain C/o M s Bhanwarlal & Bros. P.B. No. 15, Main Road, Jepore,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this series in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socv. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. Ft.

P. D. KHANDELWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4108/Acq/23-II/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDEŁWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 100,000/- and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EF filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Arvindlal Hasmukhlal, 7/359, 4-B-, Lal Darwaja, Station Road, Dhanrajwadi, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 1985 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Seal;

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD Ahmedahad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4109/Acq/23-II/85-86.—Whereas, J, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely ---

(1) The Surat Textile Market
Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M<sub>h</sub> s Bharat Textiles, 3/2848, Block No. 14, Salbatpura, Lalwadi, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4110/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being buil',

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to th following ersons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Ring Road, Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd.

(Transferor)

Baburam & Sons. U-1216, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from s service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interceted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1936

Ref. No. P.R. No. 4111/Acq/23-11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being buil',

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Art, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s, Bajaria Textiles, 7, 1255, Variavi Bhagol, Opp. Boat Bunglow, Surat-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuation of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5 2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4112/Acq/23-II, 85-86,---Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being buil,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 371 E filed at A bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewall exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following региона, ваше

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Bhagwandas Nagindas, Hira Modi Sheri, Sagrampura, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ot 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm, 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDFLWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Soey, I.td. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Bipin Silk Industries, Nanavat, Main Road, Surat-1.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4113/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

3/EE filed at Abad on 10-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouse, Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-2-1986

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Boghawala Group Factory, Prop : Shri Champaklal Thakordas, Lal Darwaja, Surat-3.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4114/Acq/23-II 85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

ks. 1,00,000 :- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of fiction of the suspective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37HE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy. I.td. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDFLWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4115/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No.

37EE filed at A'bad on 10-5-1985 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of; (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road,

(Transferor)

(2) M/s, Bachkaniwala Silk Textile Industries. Prop : Shri Ratilal Gandabhai, 7/426, Vartaldevdi Road, Lal Darwaja, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ax, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :-76—6 GI/86

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

No. P.R. No. 4116 Acq23-II 85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforevald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(1) M/s B. Ranchhoddas & Co., M. J. Market, Narayan Chowk. Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4117 Acq23-II 85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Babubhai Jamnadas Mistri. 217, Central Avenue Road, Chembur, Bombay-71.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Bishandas Tolaram, Purani Market, Katra Ahluwala, Amritsar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4118 Acq23-II 85-86.—Whereas, I, D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovazle property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No.

37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE field in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market
Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd.,
Ring Road, Surat.

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Babaldas Ramchanddas Patel C/o B. Narottamdas & Co., 2/1090, Chhowlla, Shri Sagrampura, Surat-2.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4119 Acq23-II 85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No.

37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE field in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm., 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 5-2-1986

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

ص - - سسسم ، م . -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

in in the second of the second

(2) Shri Bhupendra Tulsidas, Sagrampura, Zunda Sheri, Surat-2.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4120/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding k.s. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices-built or being

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the una-ornigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textle Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 5-2-1986

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Brijlal Mangaram Bhatia, 0-3249, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4121/Acq 23-11/85-86.—Whereas, I. 2. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices-built or being

ouilt-One Share

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 4/-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textle Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 5-2-1986

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4122/Acq.23-JI/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

built—One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

 Bhikhubhai A/s Natvarlal Jamnadas, 5/1383, Haripura, soi sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textle Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4123/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the

remain to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the present as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Form No. 37EF filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses

Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nader subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 77--6GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Ware-houses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Brijkishore Ratanlal (H.U.F.), C/o. M/s. Ratanlal & Sons, Nawabwadi Road, Khandakuya, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perions whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Bhagvandas Lallubhai Chaliwala & other, Lal gats, Khan bazar, Surat.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4124/Acq.23-II/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Seal :

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4125/Acq.23-II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason than the to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :---

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Bhimsain Rajaram Juneja, 24, River Drive Society, Adajan Road, Surat. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4126/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85 for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

- (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)
- (2) Smt. Bhagvatiben Sukanraj Shah & others, C/o. M/s. Vijay Vallabh Textiles, Surat, 0-2246, Surat Textile Market, Ring Road, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4127/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weelth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(2) M/s. Best-O-plast, C-3002, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textle Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 5-2-1986

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Babulal Hukamichandji Jain & other, 3/4108, Dalia Sheri, Navapuram, Surat-3.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4128/Acq.23-II/85-86,-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing In TPS No. 8. Ring Road, Surat Offices—built or being built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the used herein as Act, shall have the same meaning as given

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Worehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Bharti Textiles, B-3342, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4129/Acq.23-II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the humavable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985. Office

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of 'he said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 5-2-1986 Scal :

PORM FINS ---

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (Transferor)
- (2) M/s. Bimal Silk Mills, R-1114, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4130/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Isdian Income-tax Act, 1922 the of 1922) or the said Act or the Wealth-last Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. 1.td. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date: 5-2-1986

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4131/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being

built-One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :--

78--6GI/86

- (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)
- (2) Bhogilal Gopalji Patel, Vijaya Bhuvan, Baja Road, Vile Parle, Bombay-56.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 5-2-1986

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road, Surat,

(2) M/s Babhubhai Manchharam Jariwala,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4132/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-uble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built,

One Share

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No.

37EE filed at A'bad on 10-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer ind/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followpersons, namely :---

Sagrampuram Anavil Sheri. Surat-2. (Transforee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. I.td. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s, Bharat Silk Trading Co., X-2151, Surat Textile Market, Ring Road,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4133/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Form No.

37EE filed at A'bad on 10-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightle; of the transferor to pay tax under the said Agt, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

SIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4134/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) Baldcodas Dulichand Bihani C/o Rajhans Silk House, O-2256, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. 1.td. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 5-2-1986 Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4135 Acq.23-II, 85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built,

One Share
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferou for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warchouses Socy Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Basantkumar Bhanwarlal Jain, 50-A, Trikamnagar Society, Near Darpan Cinema, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Rcf. No. P.R. No. 4136 Acq.23-II, 85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built,

One Share (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer; PRO /CIT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 The Surat Textile Market
 Co. op. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road,
 Surat.

(Transferor)

(2) Baldevraj Shobhraj Nandwani & other C/o Neelam Silk Mills. D-3016, Surat Textile Market, Road Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. 1td. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI **Ahmedabad**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4137 Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built, One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EF filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- no) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road. Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Chandravatidevi Omprakash Kasat, 6/1129. Dalia Sheri Naka Mahidharpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 1600 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# FORM ITNS ....

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Champaklal Parbhudas Mody, Udhna Udyognagar, Road No. 4, Jawahar Road, Surat, Udhna.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4138 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cold between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37FF filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE IN: OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACCUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HA IDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. I.R. No. 4139 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, D. KHAN DELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax set, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said et'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

In TPS No. 3 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tri sferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37 3E filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumers.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid arc erry by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:

79-6GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Chhaganlal Chunilal Singapuri, Salabatpura, Vachli Sheri, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A SECTION OF THE PROPERTY OF T

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDADAD-580 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4140 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hirometer edict to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1500,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One \$hare

(and more fully described in the Schedule annaved hereto).

has been transferred under the Registrat on Act 1908 (16 of 1908) in the office of

under the Registration Act 1908 (16 or 1908) in the onice of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intuite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Sund Teatile Market Co-op. Shops & Warehouses Spey. Lid., Ring Rose, Su. A.

(Transferor) (2) M. Condrehent Horbayram Singapuri, Salchutra a. Mormanad, Eurat-2.

and a paragraphic control of control of the control

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the also, aid persons within a period of 45 days from the diet of piblical on of this notice in the Official Court, or a period of 30 days from the service of put o on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said maker able property, whom 41 day has the date of the publication of the relice in the Albad Gazette.

Explanation with a time and expressions used herein as an deposit in hispate AMA of the said Act, shall I was the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Form No. 375H 37rd in this office on 10-5-1985. Office situated at time 2. It is the form to prope & Warehouses Scoy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 165 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-U, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOUM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahm.cabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4141 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. E. PADELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Acc), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1903 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE first at Ahmedabed on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent, consideration and that than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evaluon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax \ct. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiblion of the acquible of property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

A SAN OF CONTROL OF CO (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Chhabildas & Sons, O-1260, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shop: & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Chhetunhai Tuljaram Kadiwala, Zunda Sheri, Sagrampura, Suret-2.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4142 Acq. 23-11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 or 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by nv other person interested in the said immovof property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4143 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annoyed here'o).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37/E filed at Ahmedabad on 10.5 May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair anarket value of the aforesaid property and I have reason so believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Chandrakant Chimanlal & Sons, Haripura, Gujjar Falia, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov within 45 days from the date c able property. the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM TINS-

# HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)

# (2) M/s Chandulal Gulabdas Chevli, Begampura, Chevli Sheri,

(Transferee)

Suret.

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I'. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAL-380 003

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4144 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

pang to. Compount Authority under Section 269B of the income-pix Act, 1951 (43 of 1961) (heremafter referred to a feet that we it is we eason to believe that the minevable property having a fair market value exceeding

1.5. 1.50,000/- and bearing
1.5. 1.50,000/- and bearing
1.5. 1.50 8 King Road, Surat Offices, built or being built, Üzə Lile

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has all interaction of the lightenion Act 1908 (16 or 1900) in the office of the registering efficient at Form 19. 27211 field at Ahmedabal on 10th May, 1985 for an epigerent similar attention which is less than the fair station will be appearent on the property as aforesaid exhault the appearent on sideration therefor by more than different project to such appearent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the part and here to 12 stated in the said instrument of transfer with the object of the transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce to the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons, whichever period expures later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, so rus; earlist any meotive activing from the transfer; Lib " to

factioning the concatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I berthy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-2-1986

FORM 1.1.N.5.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4145 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Peristration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Resolvent Colors at Form No. 37EE filed at Vive, here is 16 May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followins persons, namely ---

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Chetan Textiles, 1/37352, Suraj Bhavan, Nanabhai Road, Behind Besant Hall Gopipura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days now the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoved. property, within 45 days from the date of the pur lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 25 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Anthority Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 UF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOCM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1985

Ref. No. P.R. No. 4146 Aug. 23-II/85 86.—Whereas, I, P. D. KHANDEUVAL,

oeing the Competing Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and

bearing No., In TPS No. 8 Ring Road, Suret Offices, built or being bult,

One shore (and more fully discribed in the schidule enacked horse), has been transfer of under the Hegi tration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 372E likel at Ahne labed on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to nelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theorem by more than exceeds the apparent of substantial that the fair market which apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such the secret as the secret to between the parties has not been true stated in the sulf instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasien of the liability of the frimferor to pay tax under the said Act, us respect or any income arising from the transfer, Se 1/6:
- (b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 369D of the said Act. to the following persons namely:

(1) The Small Testile Mark't Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Chimanlal & Company. Gopinura, Parsiwad, Suret.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of public ion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic at Gazette.

Explanation.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EF filed in this office on 10-5 1985. Office situated at Surat Toytile Moket Co-co. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL,
Complete Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range I Abmedahad

Dete : 5-2-1988 Seal !

#### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4147 Acq. 23-II/85-86,---Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-198 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--80 \_531/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Chandas Bholaram Nandwani, C/o Reshma Silk Mills, O-2252, Surat Textile Market, Ring Road, Suart.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. I'd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Indicating Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### . .

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4148 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income urising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wen'th tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Calison Silk Mills, Z-1192, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Itd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<u> تنظيم المنظمة والمنظمة ولالمنظمة والمنظمة والمنظمة والمنظمة والمنظمة والمنظمة والمنظمة ولمنظمة والمنظمة والمنظمة والمنظمة والمنظمة والمنظمة والمنظمة والم</u>

#### GUVERNMENT OF INDIA

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Ware-houses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Dhamamal Silk Mills Pvt. Ltd., P.B. No. 201, Varacha Road, Surat-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDAAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4149 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said \ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4150 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafted referred to as the said Act,) have resson to believe that the immovable property, having a fair market value on Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Dhamanwala Silk Mills, Udhna Road, Khatodra, Surat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

### FORM ITNS----

NUTTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4151 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 et 1901) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), of 1908) in the office of the Registering Officer at Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft. Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Dahyabhai Gopaldas Chevli, Chevli Sheri, Begampura, Surat-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immot able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy, I.td. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Dhansukhlal Thakordas, Manchharpura, Kharadi Sheri, Surat-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4152 Acq. 23-Π/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37FF filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an agrarent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4153 Acq. 23-I1/85-86,--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37FF filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Dhansukhlal Nagindas Asarawala, 6/589, Mahidharpura, Moti Sheri, Surat-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever acceled express later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4154 Acq. 23-II/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reporting the constitution of the property believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) judditating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; said /or
- (a) sucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Deshraj Bishambarnath. Navapura, Dalia Sheri, Surat-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personage whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedaba:1

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Ware-houses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Deepak Fabrics, Prop. Mrs. 1 ilavati Babulal, 7/2435, Chowki Sheri Sayadpura, Surat.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4155 Acq. 23-JI/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the eschedule annexed hreeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an appearent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which la less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of law iscome arising from the transfer,

any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

nersons, namely:—81—6GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  43 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedab...4

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

No. P.R. No. 4156 Acq.23 /II/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. P.R. No. 4156 Acq.23 11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37FF filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) The Surat Textile Market
Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd.,
Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Dhiraj Textiles, Opp. Ramji Mandir, Jadiani Wadi, Khatodra, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Si uated as Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4157/Acq.23/II/85-86.--Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to selleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iver me arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road Surat.

(Transeferor)

(2) Tharamvir Chanandas Bhatia, U-3220, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Si uated as Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4158 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the inhility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incress arising, from the transfer, andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy 1td., Ring Road, Surat.

(Transferors)

(2) Devilal Chunilal Solauki & other C/o Western India Commercial Corporation, Z-1189, Surat Textile Market, Surat-2.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated as Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Dated: 5-2-1986

#### FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

No. P.R. No. 4159 Acq.23 II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built.

One Share

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration, which is the the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Mt s Deepak Weaving Works, I-2303, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ollicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated as Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Itd, Adm, 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDI I WAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

No. P.R. No. 4160 Acq.23 II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warchouses Socy Ltd., Ring Road. Surat.

(Transfero.)

(2) M/s Dilkhush Silk Industries, Kunvarsing Sheri, Begampura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Si uated as Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated: 5-2-1986

\_\_\_\_\_

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

No. P.R. No. 4161 Acq.23( II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EF filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Dharampal Fatehchand Nandwani & other 21-2171, Surat Textile Market, Ring Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) ov any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Si uated as Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy 1td., Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Deepak Ramgopal Bhatia, F-1034, Surat Textile Market, Surat.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4162/Acq.23-11/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EF filed at A'had on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assels which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which we remaind region between the contractions. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouse; Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-2-1986 Seal:

### CORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4163/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No.

37EE filed at A'bad on 10-5-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent compleyation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-trac Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—82—6GI/86

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warchouses Socy Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Devendrakumar Shriram Anand & other, Z-2191, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer. able accepty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated: 5-2-1986

### PORM ITNS--

<del>ander exercis</del> and emission entre

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4164/Acq.23-II/85-86. - Whereas, I,

Ref. No. P.R. No. 4164/Acq.23-11/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more man lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act. 195) (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Dineshkumar Atamprakash, L-2065, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm, 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road, Surat

(Transferor)

(2) M/s Eastern Trading Co., Phiroz Minar, Lal Gate, Surat-1.

(1) The Surat Textile Market

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4165/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason tobelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thrt Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office Situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm, 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rorson, namely :---

Dated: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHBAM BOAD ASMEDIADAD ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. POR. No. 4166 Acq. 23-II/85-86.—Whereas I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)

(2) Ghanshamdas Munshiram, C-2023, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-2-1986

### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 416/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share.

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road,

(Transferor)

(2) M/s. Gamanial Lalchand Gandhi 3/622, Navapura, Karve Road, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other platon interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given he that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-7985, Office situated at Surat Textile Market Co.on Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahemedabad

Date: 5-2-1986

### FORM UNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4168/Acq/23-II/85-86.--Whereas, I. F. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filled at A'bad. on 10 May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitaing two reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- A) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which pught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road,

Surat-2.

(Transferor) (2) M/s. Gopaldas Premchand Rashiwala & Co. Gopipura, Kshtrapal Street.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the hard Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMPATAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4169/Acq/23-11/85-86-Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer
Form No. 37EF filed at A'bad. on May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly mated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Gorkishor Ratanlal Agarwal O-3256, Surat Textile Market, Ring Road. Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4170/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices, built or being built,

One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at A'bad. on May, 1985

form No. 37EE filed at A'bad, on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphs agreely: ing persons, ramely:--

- (1) The Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road. Surat.
- (2) M/s. Gopinath Textiles W-2211, Surat Textile Market. Ring Road, Surat-2.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm, 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority raspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4171/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at A'bad, on 10 May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer: endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acr 1957 (22 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---83---6GI/86

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat

(Transferor)

(2) Gurdayal Pokherdus Narang C/o Zenith Textiles T-2116, Surat Textile Market, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahemedabad

Date: 5-2-1986 Seal:

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1086

Ref. No. P.R. No. 4172/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built.

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad, on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road. Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Gangaram Shyamsunder Jai Hind Bldg., No. 3-C, Bhuleshwar, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the assensition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warchouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Ahmedabad

Date: 5-2-1986 Seal:

### FORM ITNS--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) Gokulchand Hirachandji Rathod C-1027, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. 417E3/Acg/23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8. Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer
Form No. 37EF filed at A'bad on 10 May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
merket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for so transfer as agreed to
hat ween the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) lacilitating the reduction or evasion of the limitity . of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thbe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy, 1.td. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986

### FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4174/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I.

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8. Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred

Under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad, on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Girdharilal Lurindaram Gambhir T-2127, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EF filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. 1t. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4175/Acq/23-II/85-86.--Whereas l\_ P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices, built or being built, One Shore.

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road. Surat.

(Tarnsferor)

(2) M/s. Gobin Silk Mills R-3111, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy, Ltd, Adm, 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) M/s. Grover Udyog. 4/328 Dudhara Street, Begampura, Surat-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4176/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37FE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under tre said Act in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. \*\*Manuely !---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period = 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Gopi Silk Mills

(1) The Surat Textile Market

Ring Road,

(Transferor)

A-1333. Smat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4177/Acq/23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

n TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and more fully described in the Schedule annexed hereto), in the Office of Regisering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad, on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4178/Acq/23-II/85-86.—Whereas, J. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason the latter than the fair market value of the property and I have reason to be the start than the fair market value of the property and I have reason the latter than the fair market value of the property and I have reason the latter than the fair market value of the property and I have reason the latter than the fair market value of the property and I have reason the latter than the fair market value of the property and I have reason the latter than the fair market value of the property and I have reason the latter than to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road. Surat.

(Transferor

(2) Gobindlal Charandas Narang & other Z1-3173, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thi notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### FORM ITNS----

### (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Soey, Ltd., Ring Road, Surat.

### (Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4179 Acq. 23-11/85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1967):

(2) M/s Goyal Enterprises, Z-2201, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatta.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---84--6GI/86

Date: 5-2-1986

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4180 Acq. 23-II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being builts One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office tof the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or eventen of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; unit/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Ware-houses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s H. N. Gandhi & Co., 3/528, Zampa Bazar, Opp. Post Office, Surat-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4181/Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built, One 'Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Ware-houses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(2) M/s Hargovandas Shivlal, Səlabatpura, Main Road, Surat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4182 Acq. 23-II/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Office, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair mark it value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :----

- (1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.
  - (Transferor)
- (2) M/s Hiralal Keshavram & Bros., 2/4666, Sagrampura, Tobha Sheri, Surat.

(Transferce)

Objections, at any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4183 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built, One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

for No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ant, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Ware-houses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

 M/s Honest Trading Coy., Mahadev Nagar, Bilimora,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namel.

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4184 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road Surat Office, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37F.E filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the consequences or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following newons, namely :---

(1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Haji Hasim Haji Hasan Dada, J-3055, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid parsons within a period of 45 days from the date of publication of this section in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4185 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

 Shri Hasmukhlal Nathalal Vakilna. u/1902, Mahidharpura, Dalgia Sheri, Surat-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### JUOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4186 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, haing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Office, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th Mey, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer respect andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Hiralal Manchharam & Sons Pvt. Ltd., C/o Shri S. H. Bachkaniwala, Laldarwaja, Gundi Sheri, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTENC ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4187. Acq. 23-11/85-68.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

r. D. KHANDELWAL, Deing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road. Surat Office, built or being built,

One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37FE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, h respect of any income acising from the true and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian accome-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weelth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-85-6GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Hira Vastralaya, 1-3296. Surat Textile Market Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, I.td. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4188 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by chan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Hasmukhlal Nathubhai Panwala. 2/309, Rustampura, Mota Mohalla, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy, I.td. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, 2ND FLOOR HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986 Ref. No. P.R. No. 4189 Acq 23-JI/85-86.-Whereas, J. P. D. KHANDELWAI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37FE filed at Ahmedabad on 10th May, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sacques or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal Gulabchandji Parmar & Ors., X-2147, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this mence in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDFLWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-2 1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4190 Acq. 23-11/85-86,--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Office, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal Nathulalji Madrecha, C/o Shah Ashok Kumar Hiralal, H-2038. Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd. Ring Road-Surat.

(1) The Surat Textile Market

### (2) Harichand Belrouthal

(Transferor)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4192 Acq. 23.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices-built or

being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDFI WAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Hulash Birdhichand Chhajer 9/1856, Balaji Road, Surat,

(Transfero

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4192 Acg 23/II/85-86. -- Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said  $\Lambda$ ct'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No

No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or

being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same n.eaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Hiranand Chugh s/o Kevalram 70, Kotyarknagar, Randar Road, Surat.

: Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I/JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4193 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sc. ft.

> P. D. KHANDELWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1/11, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

### (Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

# (2) M/s Himatmal Rameshchandra U-2217, Surat Textile Market, Ring Road—Surat.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4194 Acq. 23/II/85-86,--Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Form No. 37EF filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-uection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-2-1986

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

O FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1/II 2ND 1'LOOR, HANDLGOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4195 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. K. ANDELWAL, being th Competent Authority under Section 269B of the Incorre-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices-built or being bui t-One Share,

(and me e fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985,

for an exparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor y more than fifteen per cent of such apparent considers on and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said astrument of transfer with the object of :-

- actitating the reduction or evasion of the liability f the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer. 41/04
- (b) scilitating the concestment of any moome or any xoneys or other assets which have not been or hich ought to be disclosed by the transferee for ne purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922), or the said Act, of the Wealth-tax ct, 1957 (27 of 1957).

Now, t'erefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I he eby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-sectio: (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

86-6GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Sont. Hemlata Mahendrasingh Singhvi 45—Shantiniketan Socy. Sumul Dairy Road-Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

TO SHIP TO 1 BENCH COME ASSESSED THE

THE TAXABLE PARTY OF THE PARTY FORM 11 NS - - ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1/II 2ND FLOOR\_ HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4195 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Read-Surat Offices-built or being built-One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37 filed at Ahmedabad on 10th May 1985

market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent concideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the wonder. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth fax Act (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the eye Act. I hereto initiate proceedings for the accuration of rafferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :- -

(1) The Sout Tex is Market Co-cp. Shops and Warehouses Scoy, i.e., King Read, Eurat.

TABLE I LITTLE CONTROL OF A REPRESENTATION OF A PROPERTY OF THE

(Transferor)

(2) Shri Haribandal Arinathiram Sahani 802—Triveni Ap.t. Nanjura—Timaliawad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garage or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, while will contact the backling
- (b) by any other parton interested in the said immovable property within 45 days from the date of the values over of this patien in the Official Gazette.

Lantanation, ... The terms and expressions used herein at one oil will in Chapter XMA of the said Act St. St. base the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office the professional file of the part warehouses Scoy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Impacting Assist at Commissioner of Income-tax Acquisition Renge I/II, Ahmedabad

sto: 5-2-1906 Seal:

roll of the second

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4197 Acq. 23/II/85-86.--Whereas, I

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0:000/- and braining No. In Tis No. 8 Ring Read, Surat Offices, built or

being built-One Share,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the legislation Act 1908 (16 of 1908) in the cub. of the Fig. sharm Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid popurty, and I have reason to believe that the tar market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent considera ion therefor by more than fifteen per cent of such appa ent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /OI
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Suitt Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s H. D. Silk Mills— L. 2072—Surat Textile Market, Road Ring-Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing te the undersigned :-

- (a) by any of the a o esaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The trans and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforecal I property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

(1) In Full Taxile Market Co-op. Shopt and Warehouses Socy, Lid., Ring Road, Surat.

(Ti insferor)

(2) M/s Divarial Kerhavial fariwala 7/2625. Sayendpera, Vaida Sheri, Sura.

(Ti insferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGIFII,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4198 Acq. 23/H/85-86,---V/hercas. i P. D. KHANDELWAL.

peing the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the mamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built of

No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built of being built-One Share, (and more fully described in the Schedule allow I hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the nearly registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the nearly registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the nearly registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the nearly registration which is ics, than the fair market value of the addressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of step apparent, consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of exacton of the fishely. pt the transferor to put for boder the sold / ot, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any incom; or any moneys or other asets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of t is notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable a precise, within 45 days from the de e of the parties of the course in the Official sezette.

Explanation —The terms and expressions used Perein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE "CHEDULE

Form No. 373.4 fill d in m., office on 10-5-1981, Office situated at eather 10-115 M Ava Co-op. thops & w rehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHAND ELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Alimedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this rotice und r subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986 Seal:

#### - was a second of the first product FORM I.T.N.S.——

NOTICE UND: A SECTION 269D(1) OF THE INCOME-T. X ACT, 1961 (43 OF 1961)

LIGVERNMENT OF INDIA

(1) The Sultrt Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Ishvarlal Chunilal Gandhi— Gandhinagar, Ashavanikumur Road, Surat-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4199 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 361 (43 of 1961) (heremaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

transfer with the object of :-

No. In TPS No. 1 Ring Road-Suvat Offices-built or being built-One Chare. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been frame and under the later obtact. Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Legistering of the Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10.a may 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the i-ir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not seen truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the ansterer to pay tax under the said Act, ic. respect of any newmer arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which i this be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 14721 the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesain properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned >--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days troop the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given i. that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-on. Shoes & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of lacoung the Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTIFE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DECOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Ishvarlal & Sons-Salabtpura, Ichhadoshini Wadi, Surat-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I/II
2ND FLOOR\_ HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMLDABAD-380009,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.K. No. 4200 Acq. 23, II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANLELWAL,

being the Competing Authority under Section 269B of the moorie tax Ac., 1361 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the said rich, have reason to believe that the immovable property, daying a fair market value exceeding Ed. 100,000,- and bearing No.

No. In 175 No. 5 King Records at Offices-built or bolog built One Share, tand more turn described in the Sch dule annexed hereto), has been breadcried ables the Regis inten Act 1908 (16

has been transferred abler the Rey intron Act 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at Form No. 572h filed at Ahmedabad on 10th May 1985, for the all the confit father which is less train the fair market value of the ide estad property, and I have reason to one eye that the ide include value of the property as aforesaid executed the apparent consideration therefore by more than liften per cent of such apparent consideration and the fair the executive of the apparent consideration and the fair constitution of such apparent consideration. and that the general arms of the such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of than fer with the object of-

ia, tachiching the reduction or evasion of the nability of the transferst to pay tax under the said Act, in of the transferst of any in one arising from the transfers and /cr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Sheps & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/U. Ahmsdabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 5-2-1986

FORM ITNS ----

(1) The Smat I wille Mai e Co-op. Shops and Wardhouses Seey, Lid., Ring Road, Surat.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

(2) M/s 1.P.B. Colour Co. 9/162, Khandwala Street, Wadifalia, Surat.

(Transferce)

Ref. No. P.R. No. 4201 Acq. 23/II/85-86.—Whereus, I P. D. KHANDELWAL,

r. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. In TPS No. 8 Ring Road-Su. at Offices-built or being built One Share

being built-One Share.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Brail tration Act 1908 (16

has been transferred under the Branchaton Act 1906 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37142 field at Ahmedabad on 10 h May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the due of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; und/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1085. Officinitiated at Surat Textile Mark. The opening thousand warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely :-

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge 1/II, Ahmadabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS

ACQUISITION RANGU-//11
2ND I LOUP, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009,

Ahmadabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4202 Acg. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the encome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred a as the 'said Act') have reason to believe that the immovement of the said Act') have reason to believe that the immovement of the said Act') have reason to believe that the immovement of the said Act's have reason to believe that the immovement of the said Act's have reason to believe that the immovement of the said Act's have reason to believe that the immovement of the said Act's have reason to believe that the immovement of the said Act is a said Act.

Rs. 1,03,000/- and bearing No.

No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or

being built-One Chare,

that more to it, described in the Schedule annexed hereto), has been trained med under the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an agreeof consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than often per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textal: Market Co-op. Shops and Warehouses Scey. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Ishwarlal V. Kajiwala Begumpura -richvad, zuret.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersign !:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publicat in of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Cificial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same to ming as even is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 375E filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Smat Textile Merlet Coop. She 3 & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. FHANDELWAY. Commetent Authority
> Inspecting Assistant Commission of Income-tax
> Acquisition Runge I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4203 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No.

No. In TPS No. 8 Ring Road

Surat Offices built or

being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afgresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been enwhich origh? to be dislcosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

87--6GI/86

(1) The Surnt Textile Market Co-on. Shops and Warchouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ismail Noormohmed Silkwala Sidhiwad, Chiwk, Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shop and warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

P. D. KHANDFLWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II, Ahmedaabd

Date: 5-2-1986

Seal;

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4204 Acq. 23/II/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. In TPS No. Ring Road

Surat Offices built or being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.
- (2) Shri Ishkumar Harnamisingh Juneja Sai Apartment, 2nd Floor, Timaliavad, Room No. 25, Nanpura—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shop and warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II, Ahmedaabd

Date: 5-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) Sh. Idresingh Sohanlal Dhupia 40—Shayog Socy. Nr. Sumul Dairy, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4205 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-

Surat Offices-built or being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-86,

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4206 Acq 23/II 85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built—One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as af resaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) Sh. Ishkumar Bholaram Nandwani 24, Kotyarknagar Socy. Rander Road—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. PR No. 4207 Acq 23/II/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built—One Share, 'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Abad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer und/or

(b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.op, Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M's J. C. Modrasi Rustampura, Diwanjini Wadi--Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EF filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-86,

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### Socy. Ltd., Ring Road-Surat.

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warchouses

(Transferor)

(2) M/s Jinabhai H. Lokhanwala Limda Chowk, Surat-3.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. PR No. 4207 Acq 23/11/85-86.—Whereas, J, P. D. KHANDELWAL, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00/000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built—One Share, (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less the than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL, Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedahad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-2-86,

NOTICE UNDI'R SECTION 269D(1) OF THE

### INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. PR No. 4209 Acq 23/II/85-86.—Whereas. I. Ref. No. PR No. 4209 Acq 23/11/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or Surat Offices-built or being built—One Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act 1206 (1908) in the Office of the registering officer at Form No. 37EF filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Jugalkishor Ramjilal 235-New Cloth Market, Ahmedabad-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shop & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad.

Date: 5-2-86. Scal:

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4210 Acq.23fflII/85-86.—
Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices
built or being built, One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1939);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jiyanlal Nebhumal R.1103, Surat Testile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.on. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Balubhai Jariwala, 5/1110, Haripura, Somnath Mahadev Sheri, Surat-3.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref No. P.R. No. 4211 Acq.23/II/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built, One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, as respect of any income arising from the transfer; and for:

(b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other seests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely2:—

88--6GI <u>/</u>86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Maarket Co-op. Shop & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Seal

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Adiram Jariwala 2/1514, Desai Sheri, Sagrampura, Surat-2.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. 4212 Acq.23/II/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built, One Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedebad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shop & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 5-2-1986

NOTICE NDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4213 Acq. 23/11/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built. One Share,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the parties has not been transfer such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Watchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jayunallal Katidas Gondhi & Ors. 6/1478, Mahidharpura, Kansara Shen, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDFI.WAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Scal:

and the later with the second of the second

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. Noft 4214 Acq.23/II/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the macome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built, One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the parties with the object of the property and instrument of transfer with the object of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the parties has not been transfer as agreed to between the parties with the object of the property and instrument of transfer with the object of the property and instrument of transfer with the object of the property and instrument of transfer with the object of the property and instrument of transfer with the object of the property and instrument of transfer with the object of the property and instrument of transfer with the object of the property and instrument of transfer with the object of the property and the consideration that the object of the property and the consideration that the object of the property and the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration the consideration the consideration the consideration that the considera

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warchouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jawaharlal Purshottamdas Colombowala & Ors.
 C/o J. P. Enterprises,
 F. 3035, Surat Textile Market,
 Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, perrons namely:—

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS——

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jadhavdas Mayaram C/o Kishanchand Laxmandas, Begampura Khangad Sheri, Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4215 Acq.23/II/85-86.-Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built. One Share, (and more fully described in the Schedule appeared bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedahad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in teh said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

## (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

Scal:

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4216 Acq. 23/II/85-86.—
Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices
built or being built, One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Form No. 37EE at Ahmedabad on 10th May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Lid., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishkumar, S/o Shri Mangharam Juneja C/o Guru Harikrishan Silk Mills, B-3325, Surat Textile Market, Surat:

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### T. - GAZ-II.- OF IN-IA, APRIL 5 1-5 (CIIAII - 1-5), .

#### FORM ITNE-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

602, Ashvin Mehta Park,
Athwa Lines, Surat-1.

S/o Shri Meghraj Keshwani & Ors. 602, Ashvin Mehta Park, Athwa Lines Surat-1

(2) Shri Jaiprakash

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4217 Acq.23/II/85-86.—
Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices
built or being built. One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering afficer at
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref No. P.R. No. 4218 Acq.23/II/85-86.—
Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
gs the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices
built or being built. One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
carties has not ocen truly stated in the said instrument of
transfer with the ebiest of:—

(a) Shellitating the reduction or evasion at the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

 Shri Jaganath Diwanchand, C/o Roop Silk Corpn. M-3279, Surat Textile Market, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective sersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Vange-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4219 Acq.23/II/85-86.— Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/1 and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built, One Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
89—6GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Jay Bharat Silk Futerprises Q-1253, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. I.td., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ΛΗΜΕΦΑΒΑΦ-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4220 Acq.23/II/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices
built or being built, One Share,
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Form No. 37EF filed at Ahmedahad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration. said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Jtd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jankinath Saindittamal Sahani & Ors. C/o X-1157, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4221 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices

built or being built, One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Juinco Silk Mills, W-2203, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this effice on 10-5-1985. Office situated at Sural Textile Market Co.op Shops & Wherehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDFLWAJ.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under enb-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, we said:

Date: 5-2-1986

\_\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS ....

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4222 Acq.23/II/84-86,—
Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
an the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices
built or being built, One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Form No. 37HE filed at Ahmedabad on 10 May 1985
for an apparent consideration which is less than
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the folly wing persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

 Shri Jagdishchandra Janadas Rajadeva & Ors. 47, Ashoknagar, Athwa Lines, Surat.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

P.R. No. 4223 Acq.23/II/S5-86. --Whereas, I, Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road. Surat Offices built or being built, One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely.—

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

 M.'s Jainco Fabrics, W-2203, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDFI.WAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

P.R. No. 4224 Acq.23/II/85-86.—
Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices
built or being built, One Share,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid preserty, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
captics has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income on Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1967);

sow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jawaharlal Kistruthandji Jain, Harihar Bldg. Nr. Ichhanath Temple, Zampa Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Alimedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM LT.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Watchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s K. P. Shah & Co. 149, Radha Gallay, Swadeshi Market, Bombay-2.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

P.R. No. 4225 Acq|23/II/85 86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built, One Share, (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fift.cen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to vay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sg. ft. or 166 Sg. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM NO. I.T.N.S,---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Krishnaram Dyeing & Finishing Works Gopipura, Chhipwad, Surat-2.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

P.R. No. 4226 Acq.23/11/85-86.--Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authorty under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/bearing

and bearing
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices
built or being built. One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than effect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or easion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any noome or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesau property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4227 Acq.23/ $\Pi$ /85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—
halfs halfs halfs halfs over Share

built or being built—One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

90-6 GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M. s. Khobyadawala, Weaving Works 1-3305, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Form No. 37FF filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Coop Shops & Warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 155 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4228/Acq.23/II/85-86.--Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and hearing
No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices-built or being

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq.ft, or 166 Sq.ft.

> P. D. KHANDELWAL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986 Scal:

(1) The Surat Textile Market
Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Kashiram Atmaram Sidhi Sheri, Salabatpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### FORM I.T.N.S.-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Shri Khalaliram Kishanlal Gupta 2nd Floor, Reshamwala Market, Ring Road Surat-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4229 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concoelment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1937 (27 of 1987)0

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said AEL, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq.ft, or 166 Sq.ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4230 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices—built or being

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less toward to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following per-ons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Shri Krishnakumar Kevalram C. o Sunder Silk Corpn. No. 3076, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft. or 166 Sq.ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4231/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Act 1908 (16 of 190

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the Said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferses for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market
Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd.
Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Kouromal & Sons C/o K. Rajkumar M. U. Cloth Market, Kalupur Kothi Range Ahemabad-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of no fice on the respective persons whichever period explicit heart.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft. or 166 Sq.ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following tersons, namely:—

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASTRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4232/Ocq. 23II85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices—built or being

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Kashiram Jagdish Ambawadi, Kalipul, Salabatpura, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile, Market Co.op. Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft. or 166 Sq.ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Kalpana Agencies J. 3053, Surat Textile Market, Ring Road—Surat-2. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4233 Acq.23/II/85-86,—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, he ing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices—built or being

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market oC.op. Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft. or 166 Sq.ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4234 Acq 23 'II/85-86.-Whereas, I

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the issmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Form No. 37 FE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than, the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent. consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Kirit Fabrics, 3/163, Vanmall Bhuvan, Parsi Sheri-Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective person, which-ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EH filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. it. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Runge J/II Ahmedahad

Dated: 5-2-86 Seal:

### FORM, ITNE ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961: (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4235 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed nervoy, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; AMÉ /UK

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of flection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-91-6GI/86

(1) The Sugat Toutile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Kishanchand Laxmandas, Begampura-Khangad Sheri, Surat-1.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ask, whell have the same meaning as given in the

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Dated : 5-2-86

Scal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAC-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4236 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Read-Swat Offices-built or being built-

One Share,

One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or, other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1927);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Krishnaram Jivanram & Co. Gopipura, Chhipwad, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the collowing persons, namely '--

Dated: 5-2-86

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) The Surat Teache Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Koshi Pabrics, P-3099—Sund rexale Market, Ring Road-Surat.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 1/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4237 Acq 23/II/85-86.—Whereas, 1 P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37 EE field at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transitr with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein are denned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921, 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957):

### THE SCHEDULE

Form No. 37 FE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouse. Socy. Ltd. Adm. 183 sc. ft. or 186 Sq. ft.

P. D. KHANDFLWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/I! Ahmedabad

Now, therefore it parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated': 5-2-86

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

"ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4238 Acq 23/II/85-86.--Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a füir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 4/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-test Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Fixtile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Kalyan Traders, L-3067—Surat Textile Market, Ring Road—Surat.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afortsuld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37 EE field in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Dated : 5-2-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> > Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4239 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-one Share

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the taid Act, in respect of any become arising from the transfero
- (a) Incilitating the concentrate of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wanith-tax Act 1957 (27 of 1957);

The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Kanaiylala Textile Agencies, 6-512—Main Road—Galemandi, Surat-3.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aderesaid property by the level of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 5-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Kocher & Sons Pvt. Ltd., 4633-34, Deputy Gunj, Sadar Bazar, Delhi-110 006.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009

> > Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4240 Acq 23/11/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000) and bearing No. being the Competent Authority under Section 269B of the

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (1 of 1908) in the office of

the registering Officer at Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Dated: 5-2-86

\_\_\_\_\_

### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4241 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferee)

(2) M/s, Kailashchandra Shvamsunder. U-2221, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the iforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immunable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1937);

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 5-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> > Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4242 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Kapadia Textile Corporation, 7/3747, Varachha Sheri, Rughnathpura, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to be assumittion of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the self-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-2-86

Scal:

NOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. 1 o. P. R. No. 4243 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. K IANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer
Form N. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent o such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) (aculhating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I he cover initiate proceedings for acquisition of the aforesend property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namelý : 92--6GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

 M/s. Khyalilal Bhanwarlal Bhogar, 18-19, Sneh Smruti Society, Adajan Patiya, Rander Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the Sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10 5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Dated: 5-2-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R No. 4244 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

beine the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being builtOne Share.

One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at

Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the wid Act, to the following persons, manacity :—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Koturam Punnuram, C-3006, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd, Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmediabad

Dated: 5-2-86

ام ـــ ا

FORM HINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ALHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4245 Acg 23/II/85-86.—Whereas, I

3. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

in TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra ion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37 EE filed at A bad on 10 May 1985

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of may income arising from the towaster; BERG / STE
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inconse-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Kamladevi Sohanlal Kasat, "Bhasu Smkiti", 6/1129, Dalia Sheri, Naka, Maha hetgura, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trees the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Text.le Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. fc. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Ahmedabad

Datcd: 5-2-86

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Surat.

(2) Shri Kirtikaut Venilal Chevli, 3/151, Navapura, Parsi Sher<u>i</u>,

(1) The Surat Textile Market

Ring Road, Surat.

(Transferee)

(Trai sferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4246/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAI.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—built or being built—One share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE

filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said that unaturement of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person intertsted in the said i amovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used he sin as are defined in Chapter XXA of the se i Act, shall have the same meaning as goen in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.—Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Fange-L Ahmedabad

Date: 5-2-1986 Scal:

FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(1) Shri Kishanchand Dariyanomal Dhankani & others. 511, Ramnagar, Rander Road, Surat.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4247/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDEL WAL,

being the Compet at Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1.61 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 :00/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—built or being built

-One share

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedaba on 10 May 1985

for an apparent o nsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Althen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the abject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Utnce situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.,-Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely : ---

Date: 5-2-1986

Scal:

PORM LINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Surat Textile Market Co-operative Ehops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Lilawatiben Shantilal Shah, Kabirpura, Bharuch. Surat.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4248/Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road—Surat Office v-built or being built -One share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37 EE field in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.,-Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4249/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—built or being built

One share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Pegistering Officer Form No. 37EE field at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); (1) The Surat Textile Market Co-ocrative, Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Lekhraj Rajeshkumar, Navapura, Dalia Sheri,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-L Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely :--

Date : 5-2-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4250/Acq.23/11/85-86.—Whereas, I,

KeI. No. P.R. No. 4250/Acq.23/11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having bear fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—built or being built—One share

(and more fully described in the Schedule onnexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Almedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-operat ve Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat. (Transeror)

(2) M/s. Lighting Corporation India, 31/35, Picket Road, Near Round Euilding, Kalbadevi, Bombay-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter (XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warphouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preservy by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following mereous, namely :-

Date: 5 2 1986

FORM ITNS———

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4251/Acq.23/II/85-86,-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—built or being built

One share (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfern and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followne nervine namely 93---6GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-operative, Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transeror)

(2) M/s. Lahrumal Kirpaldas, 207/208, Ramnagar, Rander Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazatte.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.,—Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-J. Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### FORM ITNS -----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOE. JANGEOOM HOUSE ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4252 / Acq. 23 / II / 85-86. -- Whereas, I, P. D. KHANDHUWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 100,00,000/- and bearing No.

Rs. 100,00,000/- and bearing ino. In TPS No. 8 Ring Roar!—Surat Offices—built or being built —One share

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I boreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the followtag persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-operative, Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)

(2) Shri Laharilal Dalchandji Singhvi & Ors. 'Darshan Apartment'—Vachli Sherl, Salabatpura, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.,-Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmadabad

Date: 5-2-1986 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4253/Acq.23/II/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—built or being built

-One share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1808 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andjer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-oerative, Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transeror)

(2) Smt. Lajvanti Ramchandra & Others, H-13, Hari Harnagar, Opp. Flose Unema Bhatar Road, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms on temperations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EF filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.,—Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores iid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4254/Acq.23/II/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269% of the income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—built or being built—One share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

1908) In the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid saveds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Art er the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Surat Textile Market
  Co-operative, Shops & Warchouses Society Ltd.,
  Ring Road, Surat.

  (Transferor)
- (2) Meethasal Hira Nand Rathor C/o Liberty Silk Traders, 4/3166, Salabatpura, Main Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.,—Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Date : 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4255/Acq.23/II/85-86,-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/ and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—built or being built

-One share

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EF

filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay lax under the said Act, its respect of any income arising from the transfer; ###/##
- (b) facilitating the concealment of any income or ad. moneys or other assets which have not ocen w which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) The Surat Textile Market Co-operative, Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.
  - (Transferor)
- (2) M/s. M. Satyanarayan, P-3092, Surat Textile Market. Ring Road, Surat-2.

(Transferec)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.,-dm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4256/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/ and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—Built or being built One share

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EL filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

(1) The Surat Textile Market Co-operative, Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transeror)

(2) M/s. Jagdamba Dyeing & Printing Works, Aswenikumar Road, Surat-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day; from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.,-Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 5-2-1986

-. -

FORM ITNS- -

# NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4257/Acq.23/II/85-86.-Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No. in TPS No. 8 Ring Road—Surat Offices—built or being built

One Share, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of a distance with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4.21, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (\*\* Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) The Surat Textile Market Co-ocrative, Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.
- (2) Smt. Manjuben Shravnkumar Sahani, Mardaniawad, Gopipura, Surat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by may of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BAPLAMATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Cooperative Shops & Warehouses Society Ltd.,—Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# FORM I.T.N.4. (1) The Surat 'I

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4258/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built—One Share, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of (and more fully described in the Schedule annexed here (10), has been transferred under the Registration Act, 1908 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen rercent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (x) facilitating the reduction of evacion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- rb; facilitating the concealment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Marfatia Bros. opp. lakkadkot, Station Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, I.td., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road—Swat,

(Transferor)

(2) Sh. Motilal Kesturchandji 13, Shantiniketan Socy, Sumul Dairy Road, Surat

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4259 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
94—6GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning εs given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L/II, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) Sh. Mohanlal Bhurilal Bhogar, C/o Mohanlal & Co.—J-1059 Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I/II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4260 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

neeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a far market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-

Surat Offices-built or being built—One Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at

1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. 1.td., Adm. 185 sq. ft. or 166 sg. ft.

P. D. KHANDELWAL. Competent Authority Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-86,

Şeal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 426/Acq 23/11/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built—One Share,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 or 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37HE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to maker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad∕er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(2 Sh. Mohanlal Shivlal Galiawala 3/3098 A, Salabatpura, Ambawadi, Kalipur, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M/s M. G. Sanghvi & Sons, 3/4011, Nagardas Sheri, Navapura, Surat-3.

(Transferce)

OFFICI: OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4262 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have now been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warchouses Spey, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-2-86,

Scar:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4263 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-

Surat Offices-built or being built—One Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(2) Sh. Mohanlal Kanaiyalal Jain, 4th Cross, 7th Main Road, Hanmanthnagar, Bangalore-19.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons with a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Watchouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft,

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-86.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE II. 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4264 Aug. 23-11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the registering officer at Form No. 37FE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 form No. 3/FF. filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the propery as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mai/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mohmed Hussein Abubhai, C/o M/s. R. K. Rayons, Opp. Jivan Jyot Cinema, Udhna, District Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4265 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Rng Road, Surat Offices, built or being built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; \$\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\tilde{a}\t
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Surat Textile Market Co-op, Shops & Ware-houses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Manorson Fabrics, 3/652, Navapura, Arwa Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4266 Acq. 23-11/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and[or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

The Surat Textile Market Co-op. Shops Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(2) Shri Mohanlal Ganeshmal Chhabda, C/o New Ambica Silk Mills, U-2220, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. 1.td. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mahendrakumar Ghewarchand Sekhani & Ors., 8/294/1D, Sanghadiawad, Gopipura,

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Ware-

houses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

### MONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4267 Acq. 23-II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by apparent than afform the fair market value of the property as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-85. Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following mamely :--

95-6GI/86

Date: 5-2-1986

t alt

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Madanlal Mukandlal Janeja & Ors. 18, Krishna Nagar Socy., No. 2, Rander Road, Surat.

Warehouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4268 Acq. 23/11/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at FORM No. 37 EE filed at Ahmedabad

on 10th May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

The Surat Textile Market Co.-op. Shops &

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4269 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at FORM No. 37 EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration.

on 10th 19th, 1763, 1763, 1763, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764, 1764 execus me apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Tulsidas Shah, C/o R. Tulsidas, 272, Gandhi Gallay, Swadeshi Market, Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS .--

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4270 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices-built or being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at FORM No. 37 FE filed at Ahmedabad

on 10th May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Motiram Khushaldas Bandaria, Sagrampura, Main Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 33 FE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4271/Acq.23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road Smat Offices-built or being built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

FORM No. 37 EE filed at Ahmedabad

on 10th May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in sespect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other seasts which have not been or which eaght to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor '

(2) M/s. Modern Pabrics, W-2207, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warhouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the association of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

No. P.R. No. 4272 Acq. 23/11/85-86.—Whereas I, Ref. No. P.R. No. 4 P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices built or being built-

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

FORM No. 37 EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not bee which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mulchand Janghiram, C-3024, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warhouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Meghraj, C/o Vaishali Silk, G-3310, Surat Textile Market-Mills, Ring Road, Surat-2.

(Transferec)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4273 Acq. 23/11/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Page 100 000 /c and heaving No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Form No. 37FE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of hie transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Mohanlal Nagindas Kapadia Sagramoura, Main Road, Surat-2.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4274 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I. P. D. KHANDFLWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedahad on 10 May 1985

tor an apparent consideration which is less than the market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mangilal Ambalal Borana & Ors. S-1236, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4275 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I. P. D. KHANDELWAL, heing the Competent Authority under Section 2608 of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-One Share,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on

10 May 1985

andlor

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 FE filed in this office on 10-5-1985. Offices ituated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
96—601/86

Date : 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4276 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on

10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) Shri Mahavirprasad Sumerchand Jain & Ors. 109, First Floor. Varundawan Aptt. Near Maharaja Cinema, Salabatpura,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986 Seal

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4277 Acq. 23/II/85-86,-Whereas I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair unarket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37FE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the consideration the provides here to be set the said of the cold between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Murarilal Khandaram, Flat No. 10, 3rd Floor, Pinakin Aptt., Athwa Gate, Nanpura, Surat-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notes on the respective persons. whichever puriod expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th Indicate 1986

Ref. No. P.R. No. 4278 Acq. 23/11/85-86.--Whereas P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on

10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fulr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :--

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(2) Shri Madanlal Atmaprakash Nandwani & Ors. Opp. Indrajit Aptts. (Punjab Gurwara) Near L. B. Cinema, Bhatar Road, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHAMDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### NAM ITNS

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Marfatia Textiles, Station Road, Opp. Lakkad Kot, Surat.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### COVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMED/.2/AD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4279 Acq. 23/II/85-80.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on

10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— 

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said impactable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and let

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other success which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Instecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 26919 of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4280 Acq. 23/II/85-86.—Whereas P. D. KHANDELWAL,

r. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-One Share

One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at FORM No. 37 EE filed at Ahmedabad on

10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Mamta Trust, Pr. Mamta International, W-1211, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 5-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4281 Acq. 23/11/85-86.—Whereas I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road-Surnt Offices-built or being built-One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at FORM No. 37 FE filed at Ahmedabad on

10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resses to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Scott Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. New Nylon Emporium. V-1137, Surat Textile Market, Ring Road, Suret-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No P. R. No. 4282 Acq. 23/11/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDULWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the 'mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Suret Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afaresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration the such apparent consideration the such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration the such apparent consideration the such apparent consideration and the such apparent consideration the such apparent consideration the such apparent consideration and the such apparent consideration the such apparent consideration the such apparent consideration and the such apparent consideration and the such apparent consideration the such apparent consideration and ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Sacy, Ltd., Ring Road, Surat.

(2) M/s. N. Navinchandra Jekisondas, 5/1010, Haripura, Taratia Hanuman Sheri, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

### (1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narbheram Kishavji, Near Jain Bhojnalaya, Kajinu Medan, Gopipura, Surat-2.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4283 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Anthority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Jn TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at FORM No. 37 EE filed at Ahmedabad

10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of one said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sant Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

Seal:

97-6GI/86

#### FORM TINS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4284 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at FORM No. 37 EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, · and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any motteys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195? (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act. to the following persons, namely :--

The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Nanubhai Thakordas Choksi, 4/4106, Begumpura, Bhula Modine Chokle, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Nirmal Textiles, Dumaswala Colony, Varachha Road. Surat-6.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4285 Acq. 23/II/85-86.—Whereas 1, P. D. KHANDFLWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the theometax A.t., 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ping Food-Cura Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed herete). has been t an ferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

FORM No. 37 EE filed at Ahmedabad 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer KIND /OIL

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 26°D of the and Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Ring Road, Surat.

Warehouses Socy. Ltd.,

(Transferor)

(2) M/s. Navneet Textiles, V-2131, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4286 Acq. 23/II/85-86.--Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have recon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices-built or being built-

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops &

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b), by: any: other person-interested in the said immov shie property wintin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be Jischesed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 195" (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4287 Acq. 23/IV/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Read-Suret Offices-built or being built-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on

10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamient of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(2) M/s, Nandlal Silk Mills, M-1277, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same weaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4288 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on

10 May 1985

for an apparent consideration which is iess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1)The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Narayanbhai Bhikhabhai Chaute, Sy. No. 32/7, Plot No. 4, Mahatma Vadi, Khatodra, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Narang Silk Mills, Z/1-2163, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

No. P. R. No. 4289 Acq. 23/11/85-86.---Whereas I, P. D. KHANDELWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37FT filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fate market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

.(a) facilitating the reduction or evasion of the linksity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely: --

Date: 5-2-1986

Seal -

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Narmada Textiles, Ichchha Dosiniwadi, Salabatpura, Surat-2.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IJ 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4290 Acq. 23/U/85-86.—Whereas I, D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on

10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957); Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4291 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHAND: LWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax /ct, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, faving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been trought read under the Parietration. Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer: and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Om Prakash Dharmdev Khurana, C-302311 floor, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 33 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesakl properly by the laue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: 98--6GI /86

Date: 5-2-1986

Sem:

FORM ITNS\_\_\_\_

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 909, the 5th February 1986

No. P. R. No. 4292 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ac'), have reason to believe that the immovable property buying a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and beating In TPS No. 8 Ring Read costs Offices-built or being built-One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1.78 (15 c) 1203) in the office of the Registration (Mrs. To m. No. 37EP filed at Abandated To ra l'e 37EE filed at Ahmedabad on

10 May 1985

for an enparer son Manation which is less than the fair to the fact that the property and I have reason to believe that the care market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apporent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ARG/OL
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Om Prakash Chanandas Bhatia & others, C/o U-3220, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Porm No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Sory. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa, I property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely :---

Deta : 5-2-1966

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Co-op. Shops & Watenburg Spey. Ltd., Ring Road, Surat.

(1) The Surat Textile Market

(Transferor)

(2) M/s. Om silk corporation, C/o Pankaj Silk Mills, S-2233, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-289 609

Ahmedabad 380 009, the 5th Pebruary 1986

Ref. No. P.R. No. 4293/Acq 23/II/85-86.— Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 3 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 13 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Porm No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shop & Warhouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-2-1986

Teal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4294/Acq.23/II/85-86.—
Whereas I, P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,
One Share.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
Office of the Registering Officer
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market
Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd.,
Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. P. B. Textile Works, Lal Darwaja Gundi sheri, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shep & Warhouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4295/Acq.23/II/85-86.— Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter seferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the hmmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Surat Textile Market
  Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd.,
  Ring Road, Surat.

  (Transferor)
- (2) M/s. P. L. Dawer Silk Mills, Opp., Railway station, Surat-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shop & Warhousen Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Abmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4296/Acq.23/II/85-86.— Whoreas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

In THE No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer in agreed to between the parallel than and the said instrument of transfer with the object of -1-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in poot of any income arising from the transfers
- (b) hadditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which tinght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Palsanawala Textiles, Dalmia Compound, Falsawadi, Begumpura, Surat-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ar-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the deteof publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chantes

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shop & Warhouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

FORM TINS---

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Toughtor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Pankajkumar Nagardas Gandhi, C/o. M/s. Hind Bottle Stores, 127, Sherif Devji (Chakla) St., Bombay-3.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF THE COMMISSIONER OF THE COMMISSIONER OF THE TAX
ACQUISITION RANGE-IT
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4297/Acq.23/II/85-8.6— Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tronsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at form No. 37EE filed at Ahriedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property \$5 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which clight to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the afore-ald persons within a seried of

  45 days from the date of publication of this
  notice in the Official Gazette or a period of 30
  days from the service of notice on the respective
  persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the mids immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein age are defined in Chapter XXA of the said Adar shall have the same meaning as given his that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this effice on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile-Market Co-op. Shop & Warhouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

J. D. KHANDELWAY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby indicator recording for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely -

Dute : 5-2-1986

FORM I.T.N.S.——

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Prakashdevi Banarsidas Agrawal, 51, Sardarnagar, society, Surat-3.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4298/Acq.23/II/85-86.--Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) bes been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by d that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in et of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

News, therefore, in pursuance of Section 269C of the said st. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the pressid property by the issue of this notice under sub-tions (1) of Section 269D of the said Act to be following Mous, cemely ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shop & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### PORM ITNS----

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Pushpadevi Jain C/o. M/s. N. Pramodkumar Jain, Chhopara Sheri, Begumpura, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4299/Acq.23/II/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

huilt—One Share
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the restriction or evasion of the harding of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
99—6 G1/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 5-2-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

Ahmedabad-348 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4300/Acq.23/11/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built-One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that ne consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) (actilitating the open-collinear of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby laitinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Premchand Vijaykumar, O-2269, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) M/s. P. R. Metawala & Sons, W-3212, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4301/Acq.23/II/85-86.— Whereas J. P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-heve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Soey, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 160 sq. ft.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I/II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4302/Acq.23/II/85-86.— Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,, One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resuon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the sail

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-box Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sast Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Parbhuram Shivlal, Ambawadi, Kalipul, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDI:LWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1/II, Ahmedabad

Date : 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4303/Acq.23/II/85-86.— Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the innovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37FE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op Shops & Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Parvatiben D/o Jamnadas Bulakhidas C/o M/s. Natwarlal Champaklal Dharia, 6/329, Kharadi St. Manchharpura, Surat-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date ; 5-2-1986

#### FORM TINE----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Prerna Fabrics, W-1210, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(1) The Surat Textile Market

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4304/Acq.23/II/85 86.— Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has ben under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shop & Warhouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II,

#### AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4305/Acq.23/II/85-86.—
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Whereas I, P. D. KHANDELWAL, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any laceme arising from the transfer; End/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Watchouses Socy. 1td., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Parsottanidas Ishvarlal & Coy., 3/2225, Opp. Salabatpura, Police Station, Surat-2.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shop & Warhouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4306/Acq.23/II/85-86.— Whereas I, P.D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of Registering Officer at Form No. filed at Ahmedabad on 10-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaide exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)

(2) M/s. Praful Bhupendra & Co. B-2330, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, 1.td. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

'cal:

#### FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4307/Acq.23/II/85-86.—
Whereas I, P.D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. I,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,
One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the Office of the Registering Officer at
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

100--6 GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. I.td., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Dharamchand & Ors., C/o. Dharamchand Lachhiram Lal Darwaja Road, Surat-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice is the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 5-2-1986

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4308/Λcq.23/Π/85-86.— Whereas I, P.D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or .
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-Ast, 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.
- (2) Smt. Pramod M. Mehta, 1/3422-23, Aymbil Bhavan, Goppipura, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date 5-2-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009** 

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4309/Acq.23/II/85-86,—Whereas I, P.D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

One Share.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument I transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(2) Shri Purshottamlal Tormal Poddar, 51, Reshamwala Market, Ring Road, Surat-2.

(Transfelor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gezette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date 5-2-1986 Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpadevi Baldeodas Maheshwari, Arun apartment owners' Association plot: 98/B, Flat: 11 3rd floor, Ghoddod Road, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDI.OOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4310/Acq.23/II/85-86.-Whereas I, P.D. KHANDELWAL,

Whereas I, P.D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built.

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons amely :-

Date 5-2-1986 Seal:

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Praful Textiles, 11/132, Nayan Bldg., 2nd Floor, Hanuman Pole, Nanavat, Surat-3.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4311/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built

One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value A the property as aforesaid exceeds the apparent considerauon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to betwen the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

(a) facilitating the reduction or evadon of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tat Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 5-2-1986 Seal :

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4312/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the jammovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ma/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, annely :-

- (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)
- (2) Shri Punamehand Lalchandji Rathod, C/o. M/s. Vardhman Textile Industries, Bombay Market, Umarwada Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be said in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

## FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Pravin Kesharimal Shah, Kabirpura, Bharuch.

## (Transferee)

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

# UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4313/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built One Share.

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following per our, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Ware-

houses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date : 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4314/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Suret Offices built or being built

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad

on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-fax. Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Payankumar Bankerai Jain & Others, C/o. M/s. Lucy Enterprise, K-2290, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gerette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4315/Acq.23/II/85-86,-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices, built or being built One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Ware-houses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)

(2) Patel Ashvinkymar Ramchandra & Others, U-3223, Sugat Textile Market, Ring Road, Surat-2,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :—  $\cdot$ 

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immrov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Soey, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabaga

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittant proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 5-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4316/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road Suret Offices built or being built One Share

One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the proteins has not been truly stated in the said instrument, of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said exc., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

- (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Soey. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)
- (2) M/s. Rashmi Trading Co., Lal Darwaja Road, Pathak Compound, Surat-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Sucy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4317/Acq.23/II/85-86,--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad

on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Rajkamal Silk Mills, G-1313, Suret Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uildersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shops and Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 \

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4318/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built

One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad

on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shope & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

M/s. Rajkamal Fabrics, R-3268, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used nerein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Sucy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHEMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4310/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built,

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, # respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat (Transferor)

a sairtí

(2) Smt. Rajdulari Amolakhram Anand C/o. M/s. Bhagwandas Amolakhram & Co., Begumpura, Khangad Sheri, Surat-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHEMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4320/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built,

One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat

(Transferor)

(2) M/s. Rameshwarlal Taparia & Co., F-2035, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendrakumar Ratilal Shah & Ors., 9/149, Wadifalia, Khandwala Street, Surat. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHEMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. P. R. No. 4311/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value Rs. 1,00.000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ringh Road Surat Offices built or being built

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transferand/or

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shops and Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys er other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Worlth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acculation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 5-2-1986

THE PERSON NAMED OF THE PE

#### PORM ITHE .....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market
Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd.,
Ring Road, Surat.

(Transferor)

 Shri Ramanlal Motiram, 'Moti' 5/1340—Kaljug Mohallo, Haripura, Bhavanivad, Surat-3.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1980

Ref. No. P.R. No. 4322/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices-built or being built-

One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Abmedabad on 10th May 1985.

filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4322/Acq.23-11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices—built or being built—

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office: Form No. 37FF.

1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37FE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

102-6 GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) M/s. Renuka Yarn Traders, Begumpura, Falsawadi, Gajjar Compound,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society I.td., Adm. 185 sq. ft or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4324/Acq.23-I1/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices—built or being built—

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market
Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd.,
Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rasondu Amratlal Marfatia & Others, Vishwakarma Society, Majura Gate, Surat.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 5-2-1986

One Share.

## FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rohitkumar Hasmukhlal Kapadia & Ors.; 6/1137, A-Dalia Sheri, Mahidharpura, Surat-3.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Rcf. No. P.R. No. 4325/Acq.23-II/85-86.— Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

#### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or166 sq. ft.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMBINIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4326/Acq.23-II/85-86.—
Whereas I, P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,
One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Officer at
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evision of the finishing of the transferor to pay tax under the said Ast, in request of say income arising from the transfers and for
- (b) Instituting the concentrate of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

 Shri Ramnivas Ramkishan Soni, Delhi Gate, Dangi Sheri No. 1, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or166 sq. it.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSUTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986.

Ref. No. P.R. No. 4327/Acq.23-11/85-86.---Whereas I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Form No. 37FE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

form No. 37FE filed at Ahmedabad on 10.5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(2) Shri Radheshyam Aildas Bathija, 79, Sneh Smruti Socy, Adaian Patia, Surat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4328/Acq.23-II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of fer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Ratilal Shah & Ors, Nr. Dappen Cinema 25-B, Trikam Nagar Socy. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the autresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4329 'Acq.23-II/85-86,---Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-ten Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices—built or being built—

One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rounder with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, eas, ci

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax het 1957 (27 of 1957))

trow, moretone, in pursuance of Section 269C of the said nce. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaut property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:--

(1) The Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shi Ramchandra Jainarain & Ors., C/o Rajkumar Silk Mills, Doriawad, Salabatpura, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EF filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4330/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices—built or being built—

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Ramprakash Amarnath, Shop No. 32, 451. Textile Market, Ring Road. Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Column Day - The Column Column

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4331/Acq.23-II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sait Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs, 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices—built or being built-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an exparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, is
   respect of any income arising from the transfer;
   and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely .--103—6 GI/86

The Surat Textile Market
 Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ramanuj Harnarayan, 6/1002, Dalia Sheri, Tekra, Mahidharpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

----

## FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMEN-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4332/Acq.23/JI/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baying a fair mark a value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8. Ring P and Forest Offices- built or being built--

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) resilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat,

(Transferor)

(1) Shri Radheshyam Moolchand Bhatla & Ors., C/o Moolchand Radheshyam Bhatia & Sons, G/1021, Surat Textile Market, Ring Road. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & houses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft. Shops & Ware-

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market
Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd.,
Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) Shri Rammarain Totaram Butra & Ors. M-3278, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4333/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices-built or being built-

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre fall the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are a first in Chapter AAA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EF, filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1%1)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4334/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices—built or being built—

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedubad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fasilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (1) The Surat Textile Market
  Co-operative Shops & Warchouses Society Ltd.,
  Ring Road, Surat,
- (Transferor)
  (2) Shri Rameshwardas Deviprasad Gupta & Ors.,
  G-1315, Surat Textile Market,
  Ring Road,
  Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferosaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4335/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices-built or being built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fieldity of the transferor to pay tax under the axid Ast, is respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) The Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Smat.

(Transferor)

(2) Shri Rajkumar Narang S/o Shri Thakon as Narang, G-1309, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the middle cation of this notice in the Official Ganette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4336/Acq.23/II/85-86.—Whereas. I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsunafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices—built or being built—

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Chhotalal Maiwala & Ors., Manchharapura, Kolsawad, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovshie property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grantte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Abmedabad

Date: 5-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Sunriramvilas Jivraj Soni & Ors., C/o M/s. Ramvilas Gopikrishna Soni & Co., 50, Reshmawalal Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4337/Acq.23/II/85-86,—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as The 'said Act'), have reason to believe that the immoable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices—built or being built—

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideraton which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the tinhibity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; ••d/o

(b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

FORM (This -- )

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) The Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Ltd., Ring Road, Surat, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ramkishan Totaram Batra & Ors., M-4278, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferor)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4338/Acq,23-J1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act. 1961 (43 or 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road Surat Offices—built or being built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer;

and /or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said net. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. name(s:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-operative Shops & Warehouses Society Itd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4339 Acq. 23/II/85-86,—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable purperty, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to insferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

104—6 GI/86

(1) The Surat Textil: Market Core p. Shops & Warchouser Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Tarnsferor)

(2) M/s. R. K. Bros., T-3120, Surat Textile Murlet, Ring Road—Surat-2,

\_\_\_\_\_\_\_

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a copied of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co-speciation Steps & Warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. 1t. or 166 sq. 1t.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1/II Ahmedahad

Dated: 5-2-86

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4340 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908. (16 of 1908) in the effect of the Registring Officer. Form No. 37 EE fled at Albad on 10 May 1985.

for an apparent consecration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(2) Smt. Rita Mohanlal Gulwani, 1st Floor, Anuradha Chambers, Nanavat Main Road, Surat. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shop & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Dated: 5-2-86

FORM 1,T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehoures Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(2) M/s. Radheshyam Shyamsunder, M-3270—Surat Textile Market, Ring Road—Surat-2. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4341 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect at any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shop & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Comp. tent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Dated : 5-2-86

## FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Snops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(1) The Surat Textile Market Co.-op.

(Transferor)

(2) Shri Ramlubhaya Ishvardas Suneja, H-3047-Surat Textile Market, Ring Road—Surat-2.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTREE RANGE 1/17, 2ND FLOOR, HANDLOGM PROCE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4342 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a interface value exceeding Rs. 1,00,000/\*, and bearing

In TPS No. 8 Ring word, caral Offices-built or being built-

One Share, (and more only dear half in the Schedule annexed hereto), has been transformed under the Registration Act. 1908. (16 of 1908) in the object of the Registering Officer. Form No. 37 EE ided at A bad on 10 May 1985

for an appreent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fact market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen or cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer)

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax A. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sale immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze to.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shop & warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 1/II Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processing, for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 5-2-86

# FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4343 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANLELWAL,

being the Conspetent Authority under Section 269B of the Income-tax A.t., 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—

One Share,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37 IE filed at A bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(2) Shri Ravindra Ramgopal Bhatia, V-1135, Surat Textile Market, Ring Road-Surat-2.

(Transferor)

(Transferce)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Dated: 5-2-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Raj Silk Enterprises, Q-1258—Surat Textile Market, Ring Road—Surat-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE J/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4344 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under section 269AB of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shop & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Dated : 5-2-86

#### FORM ITHIS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warencuses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Rajesh Silk Mills, B-334, Surat Textile Market, Ring Road—Surat-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4345 Acq 23/II/85-86.-Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gizette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; end /or

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shop & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 5-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 1/II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4346/Acq. 23/II,85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 - and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built— One Share.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the continuous for such apparent for as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shors & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rajeshkumar Keshrimal Shah, Shri Bharatkumar Dipchand Shah, Kabirpura, Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with n a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

## THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shop & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Dated: 5-2-86

# FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43, OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4347 Acq. 23/II/85-86.-Whereas, I

Ref. No. P. R. No. 4347 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985 form No. 37 EE filed at Abad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value, of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ramjidas Sajjanram Juneja & Ors., K-3287, Surat Textile Market, Ring Road—Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shop & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

105—6 GI/86

Dated: 5-2-86

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I/ÎI, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM KOAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4348 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Shore

One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been troly state in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this cotic- under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Ramsing Manoharlal, 5/2004, Haripura, Bhavanivad, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shop & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Dated: 5-2-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4349/Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37 EE filed at A bad ou 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; .ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rajeshwarpresad Kashmirilal, C/o M/s. Rajesh & Sons, 4/4200, Ind Floor, Parckh Mahal, Begumpura, Danapith, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of jublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shop & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Dated: 5-2-86

PORM ITNS-

(1) The Sarat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramdhan: Topaudas, C/o Ramdhan Purshottamdas, W-2204 Surat Textile Market, Ring Road-Surat-2.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

> ADQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> > Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4350 Acq. 23/II/85-86.--Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe 'that the 'monovable property having a 'fair market value exceeding 'Ra.' 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built—

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37 EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income strising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11-of-1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37 EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co, op. Shop & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 Sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

49ated : 5-2-86

Seel:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASFIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4351 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8, Ring Road,
Surat Offices—built or
being built—One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Farm No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85.

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by emere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) M/s Ramkishan Ramnarayan C/o M/s Yogesh Silk Mills, B-3330—Surat Textile Market Ring Road-Surat.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 slays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 09

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4352 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Immome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Farm No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) M/s Rajendra Wcaving Works, 8/1287—Gopipura, Mali-Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4353 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDFI WAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Farm No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incompeter Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-tran Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) M/s Rasik Silk Mills, 4/2335, Salabatpura, Diriawad, Opp: Surat Textile Market— Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immesable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Swastik Trading Coy. Bhudelawad, Bhagol, Behind Proprietary High School, Surat-3.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref: No. P.R. No. 4354 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-

Surat Offices—built or being built—One Share

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Farm No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the minstrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the controllment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eaght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ta. Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from s service of notice on the respective person whichever period empires letter;
- (b) by my other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publiscation of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shope & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-2-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4355 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-

Surat Offices—built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Farm No. 37EF filed at A'bad on 10-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax waser the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-106-6 GI/86

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) M/s Surekha Silk Mills Prop: Shri Manibhai Dahyabhai Patel Nr. I.C. Gandhi School, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5.2-1986.

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road-Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Shah Uttamchand Champalal Baranpuri Bhagol, Bhajiwali Pole, Surat-3.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad, the 5th February 1986

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ref. No. P.R. No. 4356 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, P. D. RHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices—built or being built—One Share

Surat Offices—built or being built—One Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Farm No. 37EE filed at A'bad on 10-5-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(2) M/s Shah Waghtawarmal Lalchand M-27, Bombay Market, Outside Sahara Gate, Surat-3.

(Transferee)

13553

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4357 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices—built or being built—One Share

transfer with the object of :-

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad. on 10-5-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to oelleve that the fair market value of the property as aforesand. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, naci/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-2-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4358 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices—built or

being built—One Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at A'bad. on 10-5-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(1) Sh. Satishkumar R. Malhotra 8/1890, Sanghadiwad, Gopipura, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Fo.m No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Soev. Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4359 Acq. 23/11/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices—built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad. on 10-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ACL 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shop<sub>2</sub> & Warehouses Socy, Ltd., Ring Road-Surat.

(Transferor)

(2) M/s Shoh Vimalchand Vasntkumar, 3/66, Kalpna Bldg., Ghallyara Sheri, Shak Market, Baranpurim, Bhagola Surat-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warchouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4360 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices—built or being built—One Share, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad, on 10-5-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Surajmal Balchand, Zunda Sheri, Sagrampura, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# .

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M/s. S. T. Gandhi & Co., Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4361 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices—built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad. on 10-5-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) Incilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986.

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4362 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road-Surat Offices—built or being built—One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad, on 10-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following eersons, namely :---

Manekchand Sadadiwal, 4575, Delhi Gate, Main Road Opp. Esso Gas Co., Surat-3. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) M/s Sadadiwal Textiles, C/o G. N. Lalbhai

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shantilal B. Rathod, R-1107, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4363 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built-One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore
said e ceeds the apparent consideration there or by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property mmy be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treasferor to pay tax under the said Art. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

107---6 GI/86

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDADAD-380 009

Ahmedubad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4364 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1.00.000- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built-One Share.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registration Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 form No. 3/HE filed at Ahmadabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the waid instrument of transfer with the chieft of the chi instrument of transfer with the object of two

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the edd Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, neverly :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Shah Laxmilal Sohan'al & Co., V-1139, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in shall that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warchouses Soey. Ltd., Ring Road, Surat.

(2) Smt. Shah Salluben Rangal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

At & Post Telangpur, Via: Sachind Dist. Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4365 Acq. 23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act ), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Snare,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within \$5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:  $\frac{1}{2}$  The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986

### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Nankishor Gupta, Begumpura, Khangad Sheri, Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4366 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

of 1908) in the Office of Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any memors or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1967); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a per: of of 45 days from the date of publication of this solice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here u as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warch Juses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

New, therefore, a number of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4367 Acg. 23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, Income-tax Act, 19.1 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Slare, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1208 (16 of 1908) in the office of the 'Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Selam Buyons, Vishnu Sadan B. No. 9, Parle point, Ambica Niketan, Athwalines, Surat-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM PINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4369 Acg. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or
being built-One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent ionsideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in espect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shors and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Sadadiwal Lalbhai Manekchand, C/o Kishor Silk Mills I-1297 Surat Textile Market, Surat, Ring Road Surat-2. (Iransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Othicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inknowlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Shah Venichand Glabchand & Co., O-3269, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4368 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

In TPS No 8, Ping Read, Surat Offices, built or being built-One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmadabad on 10th May 1985 form No. 3/EE filed at Ahmadabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the above said property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, has respect of any income arising from the transference. and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Demons, dames :--

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedubad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4370 Acq. 23/Π/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or

being built-One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shantilal Khemraj Basna, C/o Upasana Traders, L-1073, Surat Textile Market, Ring Road Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official (Jazelle.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Inspecting Asstt. Commission ner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# FORM ITMS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF DEBIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4371 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices built or being built-One Share.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

108-6 GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warchouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Sureshchandra Lachhiram & others, C/o M/s, Agarwal silk Mills, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

M/s Standard Wood Crafts, Y-3183, Surat Textiles Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4372 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built-One Share. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- ----

#### (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shah Niranjan Dahyabhai Sangrampura, Main Road, Surat-2.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4373 Acq. 23/II/85-86,---Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Rs. 1,00,000- and bearing
No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or
being built-One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Form No. 37EE filed at A'bad in 10 May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
ballove that the foir market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

the comment of the comment to the qu

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DIDLA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4374 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built-One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the intellity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Faz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops and Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Sunderlal Devidas Bhatia, C/o, M/s Mohan Textiles, V-1136, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops and warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4375 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registrating officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which nave not been u-which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Shab Kantilal & Gulabchand & Co., At/post. Olpad dist. Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the metarisien of this notice in the Official Gazette.

FAILANATION:- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft, or 166 sq.ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s, Suryakant & Co., 303, Keskar Apartments, Opp. Rly Station Dahisar, (West) Bombay-68.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4376 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft, or 166 sq.ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Scal:

Date: 5-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4377 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being

built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registrating officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Shah Vachharaj Bherulal & Co., O-1268, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft, or 166 sq.ft.

> P. D. KHANDELWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4378 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Shardadevi Bhagwandas Agarwal, C/o, Pankaj Silk Fabrics, Z/1-1161, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

THE PART OF THE PA

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

# THE SCHEDULE

Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Sunat Textile Market Co.op Shops & warchouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq.ft. or 166 sq.ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

\_\_\_\_\_\_\_

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ルルナ 光 ACT、1961 (43 **OF 1961)**

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.F. No. +379 Aco 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the mecone-tax Act. '981 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Read Surat Offices built or being

built One Share (and more fally do ribed in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Abrordabed on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties was not been truly stated in the end instancement of transfer the the object of the

- (a) facely diag the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in resp. t of any income arising from the transfer, and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tix Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 250C of the soul Act, I hereby initiate proceedings for the acquidition of the storesaid mosters by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

109-6 GI/86

The Surat Textile Market Co-co, Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Read, Surat.

(Transferor)

(2) M a. Shih Traders., 9/201, Pagethia Sherr, Wadi Falis, Smat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surot Textile Market Co on Shops & warehouses Cook, Util Adm. 185 sq.ft, or 166 sq.ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 5-2-1986

#### FORM 1.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4380 Acq.23/Π/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built One Share

built One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37FF filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(2) Smt. Sushilaben Jayantilal Kothari, B/11, Trikamnagar soc. No. 2 Lambe Hanuman, Surat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4381 Acq.23/Π/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Aci), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being

built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Shah Anilkumar Mohanlal & Co., D-1019, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft. or 166 sq.ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### HUKM ITNS...

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4382 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 King Road Surat Offices built or being

built One Share

(and more tully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE nied at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (') of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Snops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transletor) (2) Shri Subhaschandra Amrital Bhatia & others, X-3148, Surat Textile Matket, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Sunat Textile Market Colop Shop: & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft. or 166 sq.it.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF / INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Sudharani Raheshprasad Gupta, C/o. Rajesh & sons. 4/4200, Parkash II floor Begumpura, Danapith, Surat-2. Mahal

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4383 Aca.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoushly property begins to be the said Act. immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000; - and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being

built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the formwing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft. or 166 sq.ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4384 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer magnet to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Shah Madhuben Mangilal & others, U-3225, Surat textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & warehouses Socy, Ltd. Adm. 185 sq.ft, or 166 sg.ft,

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Sachin Silk Mills, R-2169, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4385 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. In TPS No. 8 Ring Road Strat Offices built or being built One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq.ft. or 166 sq.ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforespild property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4386 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDFLWAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. In TPS No. 8 Ring Road Surat Offices built or being built One Share

No. In TPS No. 8 Ring Road Sural Offices built or being built One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfer ed under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EF filed at A'bad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922

  (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Ring Road. Surat.

(Transferor)

(2) Syum'ni Bolk'ibina Kolija & othijs, flat No. 3HK, Divya Varuadh a Soc., Benind Lal Bunglow Athatines Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serveic of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985, Office situated at Surat Textile Market Co.op Shops & warehouses Socv. 1td. Adm. 185 sq.ft, or 166 sq.ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986 Seal: A SECURE OF THE COLUMN TO CASSESSEE AS A SECURE OF THE COLUMN TWO COLUMN TO THE COLUMN TWO COLU

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4387 Acq.23/II/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trapsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act " respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

110-6 GI/86

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Shree Shantinath Silk Mills, Udhna Madalla Road, Udhna. Sist, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In hat Chapter,

#### THE SCHEDULE

Form No. 37FF filed in this office on 10-5-1985. Office Standed at Surat Textile Market Co.op. Shops & Watchouses Sory, 15d. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDEI WAL Competent Authority impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Dath: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4388 Acq.23/IJ/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built. One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Ferm No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have remen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in t

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, we respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market
Co.op. Shops & Warehease Sory, Ed.,
Ring Road,
Surat.

(Transferor)

(2) M/s Sitaram Suri & Sons, Q-1257, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KYANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM I.T.N.S.—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Shree Shantinath Silk Industries, C/o B-2344, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4389 Acq.23/II/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37E+ filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5.2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4390 Acq.23, 11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDFI.WAL,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market
Co.-op. Shops & Warehouses Socy, Ltd.,
Ring Road,
Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojben Bharatkumar Shah, Kabirpura, Bharuch.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10 5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Sory, Ltd, Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy Ltd., Ring Road, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

(Transferor)

(2) Smt. Sarbatidevi Raghubirsingh Jain, 1-1300, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferce)(s)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMI DABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4391 Acq.23 [11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wearshout Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Form No. 2784 filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Spey, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4392 Acq.23, 11/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EF filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indiar Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-t.x Act. 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Somnath Hoturam Nandwani, 25, Kotharknagar Society, Rander Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Soey, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDFLWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following near the procedure. ing persons, namely:-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)(s)

(2) Sowaram Tahlaran Narang & others, S-3232, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMI DABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4393 Acq.23/I1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the conceniment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4394 Acq.23 11/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Ac 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No.

37LE filed at A'thad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of quester with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 ct 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)(s)

(2) Shravankumar Chananmal C/o, M/s Rajmumar Silk Mills Opp. Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Form No. 37FF filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Sury, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II **Ahm**edabad

Date: 5-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4395 Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersimelter referred to as the 'stid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

a TPS No. 8 Ring Road, Surat Officer, built or being built,

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to setween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or ovarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in request of any income arising from the transfer: endler
- (b) fac litating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) of the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--111-6 GI/86

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)(s)

(2) Srinarayan Kothari, C/o Ashok Textiles H-1040, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Soev. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWA' Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-Ahmedaba

Date: 5-2-1986

#### PORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLO, M HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDAPAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4396 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tun Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

One Share

One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37'E filed at A'bad on 10 5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as affirmation exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property and the same exceeds the apparent consideration therefor by more case of such apparent to prefer the property and the same exceeds the apparent consideration while the same exceeds the same exceeds the apparent consideration while the same exceeds the same exceeds the apparent consideration while the same exceeds the same exc than fifteen per cent of such accordent a maid-ration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the will instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evagion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer mad/or

the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in promutees of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ligation (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferer)(s)

(2) M/s Sudarshan, M/s Sudarshan fabrics, 1, St. floor Ganeshprasad Bhavan, 5/845, Mahidharpura, Gia Sheri, Surat-3.

(Transferce)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a pensol of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective netsons. whichever period expires later;
- (b) by any other posson interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Officesituated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Soey, Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) The Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat,

(Transferor)(s)

(2) M/s Shah Iaherilal Mithalal & Co., W-2214, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDI OUM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4397 Acq.23/11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of :—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under asbection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servace of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pullications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)(s)

(2) M/s. Sonu Silk Mills, K-3282, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4398 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Share.

One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at A'bad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afere-said exceeds the apparent consideration therefor by more thten lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any spensys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the muo Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'his notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, 30 the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm, 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### PORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OP) 100 (20)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4399.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built one share.

one share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act 1908 (16 c)

1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mad instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 .27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co. op. Shops & Warehouses Socy. 1.d., Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Shweta Enterprises, Shop No. 11 Ground floor Virat Apartment Athwa gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the alloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. hever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzata

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft,

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- 'II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4400.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built or prescriptions.

one share

one share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, or respect of any immons arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tra Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co. op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Savitaiben Kisborlal Bhatia, V-1134, Surat textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warchouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the most Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 5-2-1986

4 1 401 13 14 5 FORM TINS -----

#### NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4401.Acq.23/11/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta. Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built

one chare

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of theaforesaid property and I have reason to believe that the fair market vitue of the property as gloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act on the Wealth-say Act. 1957 (27 of 1957):
- · Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under tub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely: ---

(1) The Surat Textile Market Co. op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Chah Motilal Hamirlal Jain & others, C/o Western Silk Syndicate, P-1092, Surat textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and inemovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warehouses Socy. Ltd.. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/1 Ahmedahad

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# Co. op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road Surat.

(1) The Surat Textile Market

(Transferor)

Smt. Sushilkumar Narayandas Juneja, C/o Tarun Silk Mills, R-105, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4402.Acq.23/JJ/85-86.—Wheeras, J, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built

one share

one share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforeshid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In second of our income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warehouses Socy. Ltd.. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedahad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesar property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persuas namely :-

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1/II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4403.Acq.23/11/85-86.--Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid e receds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) The Surat Textile Market Co. op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Savitridevi Bulabehand Agarwal. Flat 'B' 5th floor, Raman Chamver, Begampura, Danapith, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EF filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1/11 Ahmedaba i

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--112-6 GI/86

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### The Surat Textile Market Co. op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road Surat.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4404.Acq.23/11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built

one share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedaoad on 10 May 1985

Form No. 37EE filed at Ahmeda'oad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Savitridevi Bulabchand Agarwal, C/o Rajkumar silk Mills, Salabatpuram Deriawad, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

.Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warehouses Socy. Ltd.. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDEI ''
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) The Surat Textile Market Co. op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Shah Vardhichand Sukhlal & Co., P-1095, Surat textile Market, Ring Road, Surat-2, (Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4405.Acq.23/11/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built

one Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetre.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warchouses Socy, Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/11 Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4406.Acq.23/11/85-86-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built

one share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by man fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; erai /or
- (b) tacditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) Shankarlal Hargovandas Patel, 3/1250, Inderpura, Golwad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range ! Ahmedabad

Date: 5-2-1986

(1) The Surat Textile Market Co. op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road Surat.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4407.Acq.23/II/85-86.--Whereas, J, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built

one share

one snare (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair matket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; والحة
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Sitaram Jagannath H.U.F. 6/1288, Mahidharpur, Bhut Sheri, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ♥persons, namely:---

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co. op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road Surat.

(Transferor)

(2) M/s. S. V. Brothers, S-3238, Surat textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/IE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4408.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built

one share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37FF filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warchouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Itd., Ring Road Surat.

(Transferor)

\_ · · ·<del>\_ \_</del> .... \_ \_ .

(2) Shantilal Keshrimal Shah, Kabirpura, Bharuch,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4409.Acq.23/II/85-86.--Whereas, I,

Ref. No. P.R. No. 4409.Acq.23/11/83-86.—whereas, I, P. D. KHANDELWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

In TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices built or being built one share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusheses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1921) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4410.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000| and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices-built or being built

one share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to we disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta: Act, 1937 (27 of 1937):

(1) The Surat Textile Market Co. op. Shops & Warchouses Socy, Ltd., Ring Road Surat.

(Transferor)

 M/s. Singapuri, Silk Mills, Salabatpura, Begumwadi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any et the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co. op. Shops & warehouses Socy. Ltd., Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II
AhmedahaJ

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-198¢

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4411/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing No.
In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being

built-One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- THE STATE OF THE PROPERTY OF T (1). The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)
  - (2) Smt. Shashi Ramsharan Nandwani, Kotyarknagar, Opp. Navyug College, Rander Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985 Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tulsidas Kalidas, Limda Chowk, Chanchya Sheri, Surat-1. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 2ND FLOOR.

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4412/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being huits. One Share.

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Regisering Officer at Form No. 37EF filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warhouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:--

Date: 5-2-86

#### FORM ITNS-

The state of the s

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Timmu Silk Mills, E-2321, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the unid property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

- Ref. No. P.R. No. 4413/Acq.23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDEI WAL.
- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs 1.,00,000/- and bearing
In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said trainments of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or system of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985 Office situated at Surat Textile Market Co-p. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4414/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the same and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Tarachand Trilokchand Rathi, 6-195, Shri Kishna Kinj, Galemandi, Main Road, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985 Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warhouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4415/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

built—One Share (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor)

(2) Tarachand Bhagchand Gulwani & others. R-1109, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EF filed in this office on 10-5-1985 Office situated at Eural Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Kadiwala Textiles, 7/1243, Behind Boat Bunglow, Variali, Bhagol, Surat-3.

(Transferec)

## NOTICE UNDER SECTION 250D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4416/Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8. Ring Road, Surat Offices, built or being built,

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tum Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-2-86

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OME-17X AC1, 1761 (45 OF 1761)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4417 Acq.23 / II / 85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 100000/2 and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being
One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an energent consideration, which is less than the fair

Form No. 3/EE filed at Ahmedacial on 10-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Ware-houses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Thakordas Chhotalal, 2/158, Rustampuravadi Mohalla, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Tarachand Chokharam, T-2120, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4418/Acq.23/11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2009C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaitton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Ware-houses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Traders & Miners Limited, T-2124, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4419/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inanovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-2-86

Seal:

114-6 GI/86

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4420/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

en notice to the second (1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri T. G. Desai, A-7, Dalichandnagar, 1st Floor, Athwa Gate, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-86

the least transfer to a contract of

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4421/Acq.23/II/85-86.—Whereas I P. D. KHANDELWAL,

F. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built, One Shore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the profess has not been tended. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from thic and for
- (b) facilitating the concealment of any income or may assoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the control of the latest transferse to the latest transferse the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Tarabai Motandas, Room No. 160, Ramnagar, Rander,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4422/Acq.23/II/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing in TPS No. 8 Ring Road, Surat Offices—built or being built one Stephen 1988 (1988).

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2696 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- 68—6 GI/86

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road,

(Transferor)

(2) M/s. Usha Silk Mills, V-3144, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985 Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-86

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4423/Acq.23/II/85-86.—Whereas I, D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. in TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

built—One Share (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per  $\alpha \lor 0$  such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; جملاهم
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vinodchandra Ratilal, E-2322, Surat Textile Market. Ring Road. Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Seetlen 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op, Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. V Rajendra & Coy. Z-1200, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION SIONER OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-1/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4424/Acq.23/II/85-86.—Whereas I. P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. in TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warchouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-2-1986

and the second control of the second control

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Abmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4425/Acq.23/JI/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. in TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices--built or being built-One Share'

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vipinchandra Ratilal Tambakuwala, 4/47, Ruwala Tekra, Rambawali Sheri, Sucat-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition o fthe said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road,

(Transferor)

(2) M/s. Vinayak Textiles, 9/1491, Gangamani, Kot Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4426/Acq.23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. in TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being built—One Share

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Vikas Silk Corp. 4/470, Begampura, Vadwali Sheri, Surat-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4427/Acq.23/II/85-86.- Whereas I, P. D. KHANDELWAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. in TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

in Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mid/or
- (19) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 . (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--115-6 G1/86

Objections, if any, to the acquisition o tfhe said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ci 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever seriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No 4428/Acq.23/II/85-86.—Whereas 1, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. in TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices—built or being hoult—One Share

built-One Share

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

in Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10th May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay as under the said Act, is respect of any income arising from the transferi and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name'v: -

(1) The Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat

(Transferor)

(2) M/s. Victoria Silk Ind., S-1242, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpocrty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op, Shops & Warchouses Soey, Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4429/Acq.23/H/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

In TPS No. 8, Ring Road. Surat Offices, built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between The parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Veerbhandas Kiratmal C/o Kiratmal Lalchand, Begampura, Mumbaivad, Smat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37FE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses -Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4430/Acq.23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market
Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd.,
Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vedprakash Shivdayal Chug, CIo M/s Shiv Silk Mills, Q-3250, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft, or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

P.R. No. 4431 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. . HANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) hareinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable paperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,61,000/- and bearing No. In TPL No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form 10. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:—

116—6 GI/86

(1) The Surat Textile Market
Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd.,
Ring Road, Surat.

Transferor)

(2) Shri Venichand Chunilal Shah & Ors. 3/2390, 1st Fl. 'B' Block, Balabhaini Sheri, Char Rasta, Salabatpura, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedahad

Date: 5-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4432/Acq.23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8, Ring Read, Surat Offices,
built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he rectics has not been truly stated in the said instrument of the opied of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any success arroing from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other so which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :~

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vijyakumar Phulchand Agrawal & Ors. Flat No. 4, Second Floor, Khimchand Mansion Post Off. Bldg Khangad Sheri Sagrampura, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co-op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

Stal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME IAX

ACQUISITION RANGE-II
2N FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

P.R. No. 4433 Acq|23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built—One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Venus Silk Mills, J. 1051, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDEL VAL Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

P.R. No. 4434 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,
P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices,
built or being built—One Share,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering Officer at
Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Tran feror)

(2) M/s. Vipul Silk Mills, C-3003, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Tran:ferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze te.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 5-2-1986

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat. (Transferor) (2) Shri Vinodkumar Fulchand Agrawal & Ors.

(1) The Surat Textile Market

Flat No. 4, 2nd Foor Putli Post Office Bldg. Khangad Sheri, Sagrampura, Surat-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2JD FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedaba3-380 009, the 5th February 1986

P.R. No. 4435 / cq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDEL', 'AL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 19-1 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being buil.—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37HE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent comideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from notice on the respective persons. the service of notice on the whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Wintext Mills, Wintex Road, Lal Darwaja, Surat-3.

Ring Road, Surat.

(1) The Surat Textil. Market

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

P.R. No. 4436 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable as the said Act), have reason to believe that the infinovacie property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built—One Share,
(and more fully described in the Schedulc annexed here'o' has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

Co.op. Snope & Warchouses Socy. Ltd.,

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of any of the authority persons within a person of the date of publication of this noting in the Official Gazette or a person of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION: -The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act shall have the same meaning as given in gr ( laper

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.cp. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the local of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4437/Acq.23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name? :—

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s Yashkumar Silk Mills, X-3153, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aintedated

Date: 5-2-1986

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Surat Textile Market Co.op. Shops & Warehouses So y. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishprasad Gupta, C/o M/s. J. P. Gupta & Sons, Z1-1155, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-2.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4438/Acq.23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
In TPS No. 8, Ring Road, Surat Offices, built or being built—One Share, (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37EE filed at Ahmedabad on 10 May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (h) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a periode-of45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notics in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE filed in this office on 10-5-1985. Office situated at Surat Textile Market Co.op. Stops & Warehouses Socy. Ltd. Adm. 185 sq. ft. or 166 Sq. ft.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

Scal